न्यूयॉर्क टाइम्स की #1 बेस्ट-सेलिंग सीरीज़

रिक रिओर्डान

मिनट जैक्सन

और ओलंपियन यम्पियन

III

द टाइटन्स कर्स

THE *NEW YORK TIMES* #1 BEST-SELLING SERIES

RICK RIORDAN

PERCY JACKSON AND THE OLYMPIANS

III

THE TITAN'S CURSE

Table of Contents

शीर्षक पेज
रिक रियोर्डन की पुस्तकें
कॉपीराइट
समर्पण
1. मेरा बचाव अभियान बुरी तरह विफल हो गया
2. उप-प्रधानाचार्य को मिसाइल लॉन्चर मिलता है
3. बियांका डि एंजेलो एक विकल्प बनाता है
4. थैलिया ने न्यू इंग्लैंड में आग लगाई
5. मैंने पानी के अंदर से फोन कॉल किया
6. एक पुराना मृत मित्र मिलने आता है
7. हर कोई मुझसे नफरत करता है, सिवाय घोड़े के।
8. मैं एक खतरनाक वादा करता हूँ
9. मैं ज़ॉम्बी बनाना सीखता हूँ
10. मैंने कुछ रॉकेट जहाज तोड़ दिए
11. ग्रोवर को मिली लेम्बोर्गिनी
12. मैं एक सुअर के साथ स्नोबोर्डिंग करने जाता हूँ
13. हम देवताओं के कबाड़खाने का दौरा करते हैं
14. मुझे बांध से जुड़ी समस्या है
15. मैं सांता के दुष्ट जुड़वां भाई से कुश्ती लड़ता हूँ
16. हम शाश्वत दुर्गंधयुक्त श्वास के ड्रैगन से मिलते हैं
17. मेरा वजन कुछ मिलियन पाउंड बढ़ गया
18. एक दोस्त अलविदा कहता है
19. देवता ही तय करते हैं कि हमें कैसे मारेंगे।
20. क्रिसमस पर मुझे एक नया दुश्मन मिल गया
पर्सी जैक्सन एंड द ओलंपियंस, भाग चार: भूलभुलैया की लड़ाई का पूर्वावलोकन

रिक रिओर्डान

पर्क जैक्सन और ओलंपियन

तृतीय

द टाइटन्स कर्स

डिज्नी हाइपरियन बुक्स
न्यूयॉर्क

रिक रियोर्डन की पुस्तकें
पर्सी जैक्सन और ओलंपियन, भाग एक:
बिजली चोर

पर्सी जैक्सन और ओलंपियन, भाग दो:
राक्षसों का सागर

पर्सी जैक्सन और ओलंपियन, तीसरा भाग:
द टाइटन्स कर्स

पर्सी जैक्सन और ओलंपियन, भाग चार:
भूलभुलैया की लड़ाई

पर्सी जैक्सन और ओलंपियन, पुस्तक पाँच:
आखिरी ओलंपियन

पर्सी जैक्सन और ओलंपियन:
द डेमीगॉड फाइल्स

पर्सी जैक्सन और ओलंपियन, भाग एक:
द लाइटनिंग थीफ, द ग्राफिक नॉवेल

पर्सी जैक्सन और ओलंपियन, भाग दो:
राक्षसों का सागर, ग्राफिक उपन्यास

पर्सी जैक्सन और ओलंपियन, तीसरा भाग:
टाइटन का अभिशाप, ग्राफिक उपन्यास

केन क्रॉनिकल्स, भाग एक:
लाल पिरामिड

केन क्रॉनिकल्स, भाग दो:
अग्नि का सिंहासन

केन क्रॉनिकल्स, भाग तीन:

सर्प की छाया

द केन क्रॉनिकल्स:
द केन क्रॉनिकल्स सर्वाइवल गाइड

केन क्रॉनिकल्स, भाग एक:
द रेड पिरामिड, द ग्राफिक नॉवेल

ओलंपस के नायक, भाग एक:
खोया हुआ नायक

ओलंपस के नायक, भाग दो:
नेपच्यून का पुत्र

ओलंपस के नायक, तीसरा भाग:
एथेना का चिन्ह

ओलंपस के नायक, भाग चार:
पाताल लोक का घर

ओलंपस के नायक:
द डेमीगॉड डायरीज़

सोबेक का पुत्र
कार्टर केन/पर्सी जैक्सन की एक लघु कहानी

कॉपीराइट © 2007 रिक रिओर्डन द्वारा

द बैटल ऑफ द लैबिरिंथ से उद्धृत अंश, कॉपीराइट © 2008 रिक रिओर्डन द्वारा।
द रेड पिरामिड से उद्धृत अंश, कॉपीराइट © 2010 रिक रिओर्डन द्वारा।

सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक का कोई भी भाग किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से, इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक रूप से, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या किसी भी सूचना संग्रहण एवं पुनर्प्राप्ति प्रणाली द्वारा पुनरुत्पादित या प्रसारित नहीं किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया हाइपेरियन बुक्स फॉर चिल्ड्रन, 114 फिफ्थ एवेन्यू, न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क 10011-5690 से संपर्क करें।

प्रथम संस्करण

1 3 5 7 9 10 8 6 4 2

यह पुस्तक 13-पॉइंट सेंटॉर एमटी में सेट है।

अमेरिका के संयुक्त राज्य अमेरिका में छपी

लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉगिंग-इन-पब्लिकेशन डेटा फाइल में उपलब्ध है।

ISBN-13: 978-1-4231-0145-1

ISBN-10: 1-4231-0145-6

प्रबलित बंधन

www.hyperionbooksforchildren.com पर जाएं

अंतर्वस्तु

शीर्षक पेज
रिक रियोर्डन की पुस्तकें
कॉपीराइट
समर्पण
1. मेरा बचाव अभियान बुरी तरह विफल हो गया
2. उप-प्रधानाचार्य को मिसाइल लॉन्चर मिलता है
3. बियांका डि एंजेलो एक विकल्प बनाता है
4. थैलिया ने न्यू इंग्लैंड में आग लगाई
5. मैंने पानी के अंदर से फोन कॉल किया
6. एक पुराना मृत मित्र मिलने आता है
7. हर कोई मुझसे नफरत करता है, सिवाय घोड़े के।
8. मैं एक खतरनाक वादा करता हूँ
9. मैं ज़ॉम्बी बनाना सीखता हूँ
10. मैंने कुछ रॉकेट जहाज तोड़ दिए
11. ग्रोवर को मिली लेम्बोर्गिनी
12. मैं एक सुअर के साथ स्नोबोर्डिंग करने जाता हूँ
13. हम देवताओं के कबाड़खाने का दौरा करते हैं
14. मुझे बांध से जुड़ी समस्या है
15. मैं सांता के दुष्ट जुड़वां भाई से कुश्ती लड़ता हूँ
16. हम शाश्वत दुर्गंधयुक्त श्वास के ड्रैगन से मिलते हैं
17. मेरा वजन कुछ मिलियन पाउंड बढ़ गया
18. एक दोस्त अलविदा कहता है
19. देवता ही तय करते हैं कि हमें कैसे मारेंगे।
20. क्रिसमस पर मुझे एक नया दुश्मन मिल गया
पर्सी जैक्सन एंड द ओलंपियंस, भाग चार: भूलभुलैया की लड़ाई का पूर्वावलोकन
द केन क्रॉनिकल्स, भाग एक: द रेड पिरामिड का पूर्वावलोकन

टोफर ब्रैडफील्ड और टोनी डेविस को
दो शिविरार्थियों को, जिन्होंने दुनिया में एक बड़ा बदलाव लाया है

एक

मेरा बचाव अभियान बुरी तरह विफल हो गया

सर्दियों की छुट्टियों से पहले वाले शुक्रवार को, मेरी माँ ने मेरे लिए एक बैग और कुछ घातक हथियार पैक किए और मुझे एक नए बोर्डिंग स्कूल ले गईं। रास्ते में हमने अपनी सहेलियों एनाबेथ और थालिया को भी साथ ले लिया।

न्यूयॉर्क से बार हार्बर, मेन तक आठ घंटे का सफर था। हाईवे पर ओले और बर्फ़बारी हो रही थी। एनाबेथ, थैलिया और मैं महीनों से एक-दूसरे से नहीं मिले थे, लेकिन बर्फीले तूफान और आगे जो होने वाला था उसके बारे में सोचकर हम इतने घबराए हुए थे कि ज़्यादा बात नहीं कर पाए। सिवाय मेरी माँ के। वो घबराहट में ज़्यादा बोलती हैं। जब हम आखिरकार वेस्टओवर हॉल पहुँचे, तब तक अंधेरा हो चुका था, और उन्होंने एनाबेथ और थैलिया को मेरे बचपन की हर शर्मनाक कहानी सुना दी थी।

थालिया ने कार की खिड़की से धुंध पोंछी और बाहर झाँका। "ओह, हाँ। यह मज़ेदार होगा।"

वेस्टओवर हॉल किसी दुष्ट योद्धा के महल जैसा दिखता था। यह पूरी तरह से काले पत्थर से बना था, जिसमें मीनारें, पतली खिड़कियाँ और लकड़ी के बड़े दोहरे दरवाजे थे। यह एक बर्फीली चट्टान पर खड़ा था, जिसके एक तरफ विशाल बर्फीला जंगल और दूसरी तरफ धूसर, उग्र समुद्र दिखाई देता था।

“क्या आप वाकई नहीं चाहतीं कि मैं इंतजार करूं?” मेरी मां ने पूछा।

“नहीं, धन्यवाद माँ,” मैंने कहा। “मुझे नहीं पता इसमें कितना समय लगेगा। हम ठीक रहेंगे।”

लेकिन तुम वापस कैसे आओगे? मुझे चिंता हो रही है, पर्सी।

मुझे उम्मीद थी कि मेरे चेहरे पर शर्म नहीं आ रही होगी। वैसे भी, मुझे अपनी लड़ाइयों में जाने के लिए अपनी माँ पर निर्भर रहना पड़ता था, यह काफी बुरा था।

“कोई बात नहीं, मिस जैक्सन।” एनाबेथ ने आश्वस्त करते हुए मुस्कुराया। उसके सुनहरे बाल स्की कैप में ढके हुए थे और उसकी भूरी आँखें समुद्र के रंग जैसी थीं। “हम उसे मुसीबत से बचा लेंगे।”

मेरी माँ थोड़ी शांत हुई। उन्हें लगता है कि एनाबेथ आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली सबसे समझदार अर्धदेवी है। उन्हें पूरा यकीन है कि एनाबेथ अक्सर मुझे मरने से बचाती है। वह सही हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मुझे यह पसंद हो।

“ठीक है बच्चों,” मेरी माँ ने कहा। “क्या तुम्हारे पास ज़रूरत की सभी चीज़ें हैं?”

"जी हां, सुश्री जैक्सन," थैलिया ने कहा। "सवारी के लिए धन्यवाद।"

“एक्स्ट्रा स्वेटर चाहिए? आपके पास मेरा मोबाइल नंबर है?”

"माँ-"

“पर्सी, तुम्हारा अमृत और रस? और एक सोने का सिक्का, ताकि ज़रूरत पड़ने पर तुम शिविर से संपर्क कर सको?”
“मम्मी, सच में! हम ठीक रहेंगे। चलो, बच्चों।”
वो थोड़ी दुखी लग रही थी, और मुझे इस बात का अफसोस था, लेकिन मैं उस कार से बाहर निकलने के लिए तैयार थी। अगर मेरी माँ ने एक और बार बताया कि मैं तीन साल की उम्र में बाथटब में कितनी प्यारी लगती थी, तो मैं बर्फ में घुसकर ठंड से जम कर मर जाऊँगी।
एनाबेथ और थैलिया मेरे पीछे-पीछे बाहर आईं। हवा बर्फीले खंजरों की तरह मेरे कोट को चीरती हुई गुजरी। मेरी मां की कार नजरों से ओझल होते ही, थालिया ने कहा, "तुम्हारी मां बहुत ही शानदार हैं, पर्सी।"
मैंने माना, “वह ठीक-ठाक है। और तुम? क्या कभी अपनी माँ से बात करते हो?”
जैसे ही मैंने ये कहा, मुझे तुरंत पछतावा हुआ। थैलिया शैतानी निगाहें डालने में माहिर थी, खासकर अपने उन पंक स्टाइल कपड़ों की वजह से जो वो हमेशा पहनती थी—फटी हुई आर्मी जैकेट, काली चमड़े की पैंट और चेन वाले गहने, काला आईलाइनर और उसकी वो तीखी नीली आँखें। लेकिन उसने अब मुझे जो निगाहें डालीं, वो शैतानी निगाहों का एकदम सटीक नमूना थीं।
"अगर इससे तुम्हारा कोई लेना-देना है, पर्सी—"
“हमें अंदर चलना चाहिए,” एनाबेथ ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “ग्रोवर हमारा इंतजार कर रहा होगा।”
थालिया ने महल को देखा और कांप उठी। "तुम सही कह रही हो। मुझे आश्चर्य है कि उसे यहाँ ऐसा क्या मिला होगा कि उसने संकट का संदेश भेजा।"
मैंने वेस्टओवर हॉल की अंधेरी मीनारों की ओर देखा। "कुछ अच्छा नहीं होगा," मैंने अनुमान लगाया।

ओक के दरवाजे चरमराते हुए खुले, और हम तीनों बर्फ के बीच प्रवेश कक्ष में दाखिल हुए।
मैं बस इतना ही कह सका, "वाह!"
वह जगह बहुत विशाल थी। दीवारों पर युद्ध के झंडे और हथियारों के प्रदर्शन लगे हुए थे: प्राचीन राइफलें, युद्ध कुल्हाड़ी और बहुत सी अन्य चीजें। मेरा मतलब है, मुझे पता था कि वेस्टओवर एक सैन्य विद्यालय है, लेकिन सजावट कुछ ज़्यादा ही थी। सचमुच।
मेरा हाथ मेरी जेब में गया, जहाँ मैंने अपना घातक बॉलपॉइंट पेन, रिपटाइड रखा था। मुझे पहले से ही इस जगह पर कुछ गड़बड़ महसूस हो रही थी। कुछ खतरनाक। थैलिया अपने चांदी के कंगन को रगड़ रही थी, जो उसका पसंदीदा जादुई सामान था। मुझे पता था कि हम दोनों एक ही बात सोच रहे थे। लड़ाई होने वाली थी।
एनाबेथ कहने लगी, "मुझे आश्चर्य है कि कहाँ—"
हमारे पीछे दरवाजे जोर से बंद हो गए।
“ठीक है,” मैंने धीरे से कहा। “लगता है हमें थोड़ी देर रुकना पड़ेगा।”

मुझे हॉल के दूसरे छोर से संगीत की गूंज सुनाई दे रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे कोई डांस म्यूजिक बज रहा हो।

हमने अपने रात भर रुकने वाले बैग एक खंभे के पीछे रखे और गलियारे में आगे बढ़ने लगे। हम अभी ज्यादा दूर नहीं गए थे कि मुझे पत्थर के फर्श पर कदमों की आहट सुनाई दी, और एक पुरुष और एक महिला अंधेरे से निकलकर हमें रोकने के लिए आगे बढ़े।

दोनों के बाल छोटे और भूरे थे और उन्होंने लाल किनारी वाली काली फौजी वर्दी पहनी हुई थी। महिला की हल्की-सी मूंछें थीं और पुरुष पूरी तरह से दाढ़ी-मूंछें हटाए हुए था, जो मुझे कुछ अजीब लगा। दोनों अकड़कर चल रहे थे, मानो उनकी रीढ़ की हड्डी पर झाड़ू की डंडियाँ टेप से चिपकी हों।

“तो फिर?” महिला ने पूछा। “आप यहाँ क्या कर रहे हैं?”

“उम...” मुझे एहसास हुआ कि मैंने इसके लिए कोई योजना नहीं बनाई थी। मैं ग्रोवर तक पहुँचने और यह पता लगाने में इतनी मशगूल थी कि मैंने यह सोचा ही नहीं था कि कोई रात में तीन बच्चों के चुपके से स्कूल में घुसने पर सवाल उठा सकता है। हमने कार में अंदर जाने के तरीके के बारे में बिल्कुल बात नहीं की थी। मैंने कहा, “मैडम, हम बस—”

“हा!” उस आदमी ने गुस्से से कहा, जिससे मैं चौंक गया। “डांस में आगंतुकों का प्रवेश वर्जित है! तुम्हें बाहर निकाल दिया जाएगा!”

उसकी बोली में एक लहजा था—शायद फ्रेंच। वह 'ज' का उच्चारण 'जैक्स' की तरह करता था। वह लंबा था और उसका चेहरा तीखा था। बोलते समय उसकी नाक के नथुने फूल जाते थे, जिससे उसकी नाक की ओर घूरने से बचना मुश्किल हो जाता था, और उसकी आंखें दो अलग-अलग रंगों की थीं—एक भूरी, एक नीली—जैसे किसी गली की बिल्ली की।

मुझे लगा कि वह हमें बर्फ में फेंकने ही वाला है, लेकिन तभी थैलिया आगे बढ़ी और उसने कुछ बहुत ही अजीब किया।

उसने उंगलियां चटकाईं। आवाज़ तेज़ और तीखी थी। शायद यह सिर्फ़ मेरा वहम था, लेकिन मुझे लगा जैसे उसके हाथ से हवा का एक झोंका निकला और पूरे कमरे में फैल गया। वह हम सब पर छा गया, जिससे दीवारों पर लगे बैनर फड़फड़ाने लगे।

“ओह, लेकिन हम आगंतुक नहीं हैं, महोदय,” थैलिया ने कहा। “हम यहाँ स्कूल जाते हैं। आपको याद होगा: मैं थैलिया हूँ। और ये एनाबेथ और पर्सी हैं। हम आठवीं कक्षा में हैं।”

पुरुष शिक्षक ने अपनी दो रंगों वाली आँखें सिकोड़ीं। मुझे नहीं पता था कि थैलिया क्या सोच रही थी। अब शायद हमें झूठ बोलने की सज़ा मिलेगी और बर्फ में फेंक दिया जाएगा। लेकिन वह आदमी हिचकिचाता हुआ लग रहा था।

उन्होंने अपने सहकर्मी की ओर देखा। "सुश्री गोटशॉक, क्या आप इन छात्रों को जानती हैं?"

हम जिस खतरे में थे, उसके बावजूद मुझे अपनी हंसी रोकने के लिए खुद को काबू में रखना पड़ा। गॉट चॉक नाम का शिक्षक? वह ज़रूर मज़ाक कर रहा होगा।

महिला ने पलकें झपकाईं, मानो किसी ने उसे गहरी नींद से जगाया हो। "हाँ...हाँ। मुझे लगता है मैं जानती हूँ, महोदय।" उसने हमारी ओर भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "एनाबेथ। थैलिया। पर्सी। तुम लोग व्यायामशाला से दूर क्या कर रहे हो?"

इससे पहले कि हम कुछ जवाब दे पाते, मुझे और कदमों की आहट सुनाई दी, और ग्रोवर हांफते हुए दौड़ता हुआ आया। “तुम आ गए! तुम—”

शिक्षकों को देखकर वह एकदम रुक गया। “ओह, श्रीमती गोटशॉक। डॉ. थॉर्न! मैं, उह—”

“क्या बात है, मिस्टर अंडरवुड?” उस आदमी ने कहा। उसके लहजे से साफ था कि वह ग्रोवर से नफरत करता था। “आपका क्या मतलब है, उन्होंने इसे बनाया? ये छात्र यहीं रहते हैं।”

ग्रोवर ने घबराकर कहा, “जी हाँ, सर। बिल्कुल, डॉ. थॉर्न। मेरा मतलब बस इतना था कि मुझे बहुत खुशी है कि उन्होंने डांस के लिए पंच बनाया! पंच बहुत बढ़िया है। और उन्होंने इसे बनाया!”

डॉ. थॉर्न ने हमें घूरकर देखा। मुझे लगा कि उनकी एक आँख नकली है। भूरी वाली? या नीली वाली? ऐसा लग रहा था जैसे वो हमें महल के सबसे ऊँचे टावर से नीचे फेंक देना चाहते हों, लेकिन तभी श्रीमती गॉट्सचॉक ने सपने में खोए हुए अंदाज़ में कहा, "हाँ, पंच बहुत बढ़िया है। अब तुम सब जाओ। अब व्यायामशाला से बाहर मत जाना!"

हमें दोबारा कहने का इंतज़ार नहीं करना पड़ा। हम बहुत सारे "जी मैडम" और "जी सर" कहते हुए और कुछ लोगों को सलाम करते हुए वहाँ से चले गए, क्योंकि ऐसा करना ही सही लगा।

ग्रोवर हमें संगीत की दिशा में हॉल में तेजी से ले गया।

मुझे महसूस हो रहा था कि शिक्षकों की निगाहें मेरी पीठ पर टिकी हैं, लेकिन मैं थालिया के करीब गई और धीमी आवाज में पूछा, "तुमने वो उंगली चटकाने वाली हरकत कैसे की?"

“तुम्हारा मतलब मिस्ट से है? क्या चिरोन ने तुम्हें अभी तक यह करना नहीं सिखाया है?”

मेरे गले में एक अजीब सी गांठ सी बन गई। चिरोन हमारे कैंप में मुख्य प्रशिक्षक थे, लेकिन उन्होंने मुझे ऐसा कुछ भी नहीं दिखाया था। उन्होंने थैलिया को दिखाया था, मुझे क्यों नहीं?

ग्रोवर हमें जल्दी से एक ऐसे दरवाजे तक ले गया जिस पर कांच पर 'जिम' लिखा हुआ था। डिस्लेक्सिया होने के बावजूद, मैं इतना पढ़ सका।

“बाल-बाल बच गए!” ग्रोवर ने कहा। “भगवान का शुक्र है कि तुम यहाँ पहुँच गए!”

एनाबेथ और थैलिया दोनों ने ग्रोवर को गले लगाया। मैंने उसे ज़ोरदार हाई फाइव दिया।

इतने महीनों बाद उसे देखकर अच्छा लगा। उसकी लंबाई थोड़ी बढ़ गई थी और कुछ मूंछें भी उग आई थीं, लेकिन बाकी सब कुछ वैसा ही था जैसा वह हमेशा इंसानों जैसा दिखता था—घुंघराले भूरे बालों पर लाल टोपी जिससे उसके सींग छिपे थे, ढीली जींस और नकली पैरों वाले स्नीकर्स जिससे उसके रोएंदार पैर और खुर

छिपे थे। उसने एक काली टी-शर्ट पहनी थी जिसे पढ़ने में मुझे कुछ सेकंड लगे। उस पर लिखा था वेस्टओवर हॉल: ग्रंट। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि यह ग्रोवर का पद था या शायद स्कूल का आदर्श वाक्य।
मैंने पूछा, "तो आपातकालीन स्थिति क्या है?"
ग्रोवर ने गहरी सांस ली। "मुझे दो मिल गए।"
“दो आधे-खून?” थैलिया ने हैरानी से पूछा। “यहाँ?”
ग्रोवर ने सिर हिलाया।
एक अर्ध-देवता को ढूंढना ही बहुत मुश्किल था। इस साल, चिरोन ने सैटायरों को आपातकालीन ड्यूटी पर लगा दिया था और उन्हें पूरे देश में भेज दिया था, ताकि वे चौथी कक्षा से लेकर हाई स्कूल तक के स्कूलों में संभावित रंगरूटों की तलाश कर सकें। ये बहुत ही कठिन समय था। हमारे शिविरार्थियों की संख्या कम हो रही थी। हमें जितने भी नए योद्धा मिल सकते थे, उनकी ज़रूरत थी। समस्या ये थी कि इतने अर्ध-देवता मौजूद ही नहीं थे।
“एक भाई और एक बहन,” उसने कहा। “उनकी उम्र दस और बारह साल है। मुझे उनके माता-पिता के बारे में नहीं पता, लेकिन वे स्वस्थ हैं। हालांकि, हमारे पास समय कम है। मुझे मदद चाहिए।”
“राक्षस?”
“एक।” ग्रोवर घबराया हुआ लग रहा था। “उसे शक है। मुझे नहीं लगता कि उसे अभी तक पक्का पता है, लेकिन आज सेमेस्टर का आखिरी दिन है। मुझे यकीन है कि वह पता लगाए बिना उन्हें कैंपस से जाने नहीं देगा। शायद यही हमारा आखिरी मौका हो! जब भी मैं उनके करीब जाने की कोशिश करता हूँ, वह हमेशा मुझे रोक देता है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या करूँ!”
ग्रोवर ने थैलिया की ओर हताशा भरी निगाहों से देखा। मैंने खुद को इससे परेशान न होने की कोशिश की। पहले ग्रोवर मुझसे ही जवाब मांगता था, लेकिन थैलिया वरिष्ठ थी। सिर्फ इसलिए नहीं कि उसके पिता ज़्यूस थे। थैलिया को वास्तविक दुनिया में राक्षसों से लड़ने का हम सब से कहीं ज़्यादा अनुभव था।
“हाँ,” उसने कहा। “क्या ये आधे-आधे इंसान नाच में आए हैं?”
ग्रोवर ने सिर हिलाया।
“तो चलिए नाचते हैं,” थालिया ने कहा। “राक्षस कौन है?”
“ओह,” ग्रोवर ने कहा और घबराकर चारों ओर देखा। “आप उनसे अभी मिले हैं। उप-प्रधानाचार्य, डॉ. थॉर्न।”

मिलिट्री स्कूलों के बारे में एक अजीब बात यह है कि जब कोई खास कार्यक्रम होता है और बच्चों को वर्दी उतारने का मौका मिलता है, तो वे बिल्कुल पागल हो जाते हैं। मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बाकी समय सब कुछ इतना सख्त होता है, उन्हें लगता है कि उन्हें इसकी भरपाई करनी है।
जिम के फर्श पर काले और लाल गुब्बारे बिखरे पड़े थे, और लड़के उन्हें एक-दूसरे के चेहरे पर मार रहे थे, या दीवारों पर चिपके हुए क्रेप पेपर के रिबन से एक-दूसरे का गला घोंटने की कोशिश कर रहे थे। लड़कियाँ

हमेशा की तरह फुटबॉल खेलने की पोज़ में झुंड बनाकर घूम रही थीं, खूब सारा मेकअप, स्पेगेटी स्ट्रैप टॉप, चमकीले रंग की पैंट और ऐसे जूते पहने हुए थीं जो किसी यातना यंत्र जैसे लग रहे थे। कभी-कभी वे किसी बेचारे लड़के को पिरान्हा मछलियों के झुंड की तरह घेर लेतीं, चीखती-चिल्लाती और हँसतीं, और जब वे वहाँ से हटतीं, तो उस लड़के के बालों में रिबन लगे होते और उसके चेहरे पर लिपस्टिक से ढेर सारी ग्राफ़िटी बनी होती। कुछ बड़े लड़के मेरी तरह ही लग रहे थे—असहज, जिम के किनारों पर खड़े होकर छिपने की कोशिश कर रहे थे, मानो किसी भी पल उन्हें अपनी जान बचाने के लिए लड़ना पड़ सकता है। बेशक, मेरे मामले में, यह सच था...

“ये रहे।” ग्रोवर ने दर्शक दीर्घा में बहस कर रहे कुछ छोटे बच्चों की ओर इशारा करते हुए कहा। “बियान्का और निको डि एंजेलो।”

लड़की ने ढीली-ढाली हरी टोपी पहन रखी थी, मानो वह अपना चेहरा छुपाने की कोशिश कर रही हो। लड़का स्पष्ट रूप से उसका छोटा भाई था। दोनों के बाल काले, रेशमी और त्वचा सांवली थी, और वे बात करते समय अपने हाथों का खूब इस्तेमाल कर रहे थे। लड़का किसी तरह के ट्रेडिंग कार्ड्स को फेंट रहा था। उसकी बहन उसे किसी बात पर डांट रही थी। वह बार-बार इधर-उधर देख रही थी, मानो उसे कुछ गड़बड़ लग रही हो।

एनाबेथ ने कहा, "क्या उन्होंने... मेरा मतलब है, क्या आपने उन्हें बताया है?"

ग्रोवर ने सिर हिलाया। “तुम जानते हो कि क्या होता है। इससे वे और भी खतरे में पड़ सकते हैं। एक बार जब उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन हैं, तो उनकी गंध और भी तेज़ हो जाएगी।”

उसने मेरी तरफ देखा और मैंने सिर हिलाया। मुझे कभी ठीक से समझ नहीं आया कि आधे-आधे इंसान राक्षसों और शैतानों को कैसी गंध देते हैं, लेकिन मुझे पता था कि तुम्हारी गंध तुम्हें मार सकती है। और तुम जितने शक्तिशाली अर्धदेव बनते जाओगे, उतनी ही तुम्हारी गंध किसी राक्षस के भोजन जैसी लगने लगेगी।

मैंने कहा, "तो चलो इन्हें पकड़ते हैं और यहाँ से निकल चलते हैं।"

मैं आगे बढ़ने ही वाला था कि थैलिया ने मेरे कंधे पर हाथ रख दिया। उप-प्रधानाचार्य, डॉ. थॉर्न, दर्शक दीर्घा के पास एक दरवाजे से चुपके से बाहर निकले और डी एंजेलो भाई-बहनों के पास खड़े थे। उन्होंने हमारी ओर ठंडे स्वर में सिर हिलाया। उनकी नीली आँख चमक रही थी।

उसके चेहरे के भाव देखकर मुझे लगा कि थॉर्न थैलिया की धुंध वाली चाल में नहीं फंसा था। उसे शक था कि हम कौन हैं। वह बस यह जानने का इंतजार कर रहा था कि हम यहाँ क्यों आए हैं।

“बच्चों की तरफ मत देखो,” थालिया ने आदेश दिया। “हमें उन्हें पाने के मौके का इंतजार करना होगा। हमें ऐसा दिखाना होगा कि हमें उनमें कोई दिलचस्पी नहीं है। उसे गुमराह करना होगा।”

"कैसे?"

“हम तीनों शक्तिशाली आधे-खून वाले हैं। हमारी मौजूदगी उसे भ्रमित कर देगी। घुलमिल जाओ। स्वाभाविक व्यवहार करो। थोड़ा नाचो। लेकिन उन बच्चों पर नज़र रखना।”

“नृत्य?” एनाबेथ ने पूछा।

थालिया ने सिर हिलाया। उसने संगीत की ओर कान लगाया और मुँह बनाया। "उफ़। जेसी मैककार्टनी का गाना किसने चुना?"
ग्रोवर दुखी लग रहा था। "मैंने किया।"
“हे भगवान, ग्रोवर! ये तो बहुत ही बेकार है। क्या तुम ग्रीन डे या ऐसा कुछ नहीं बजा सकते?”
“कौन हरा?”
कोई बात नहीं। चलो नाचते हैं।
लेकिन मैं नाच नहीं सकता!
"अगर मैं आगे चलूँ तो तुम कर सकते हो," थालिया ने कहा। "चलो, बकरी के बच्चे।"
जब थैलिया ने ग्रोवर का हाथ पकड़ा और उसे डांस फ्लोर पर ले गई तो ग्रोवर चीख पड़ा।
एनाबेथ मुस्कुराई।
मैंने पूछा, “क्या?”
“कुछ नहीं। थैलिया की वापसी से बहुत अच्छा लग रहा है।”
पिछली गर्मियों से एनाबेथ मुझसे लंबी हो गई थी, जो मुझे थोड़ा अजीब लगा। वह पहले कैंप हाफ-ब्लड के मोतियों के हार के अलावा कोई गहना नहीं पहनती थी, लेकिन अब वह उल्लू के आकार की छोटी चांदी की बालियां पहनती थी—जो उसकी मां एथेना का प्रतीक थीं। उसने अपनी स्की कैप उतार दी और उसके लंबे सुनहरे बाल कंधों पर बिखर गए। पता नहीं क्यों, इससे वह थोड़ी बड़ी लग रही थी।
“तो...” मैंने कुछ कहने की कोशिश की। थैलिया ने हमें बताया था, “स्वाभाविक व्यवहार करो।” जब तुम एक खतरनाक मिशन पर हो, तो स्वाभाविक का मतलब क्या होता है? “उम, क्या तुमने हाल ही में कोई अच्छी इमारत डिज़ाइन की है?”
एनाबेथ की आँखें चमक उठीं, जैसा कि वास्तुकला के बारे में बात करते समय हमेशा होता था। "हे भगवान, पर्सी! मेरे नए स्कूल में, मुझे एक वैकल्पिक विषय के रूप में 3-डी डिज़ाइन पढ़ने को मिल रहा है, और वहाँ एक शानदार कंप्यूटर प्रोग्राम भी है..."
उसने मैनहट्टन के ग्राउंड ज़ीरो पर बनने वाले इस विशाल स्मारक की डिज़ाइन के बारे में विस्तार से बताया। उसने संरचनात्मक आधार, अग्रभाग और अन्य चीज़ों के बारे में बात की, और मैंने सुनने की कोशिश की। मुझे पता था कि वह बड़ी होकर एक सुपर आर्किटेक्ट बनना चाहती है—उसे गणित और ऐतिहासिक इमारतें बहुत पसंद हैं—लेकिन मुझे उसकी एक भी बात समझ नहीं आ रही थी।
सच कहूँ तो, मुझे यह सुनकर थोड़ी निराशा हुई कि उसे अपना नया स्कूल इतना पसंद आया। न्यूयॉर्क में यह उसका पहला स्कूल था। मैं उससे अक्सर मिलने की उम्मीद कर रही थी। यह ब्रुकलिन का एक बोर्डिंग स्कूल था, और वह और थैलिया दोनों वहाँ पढ़ रही थीं। कैंप हाफ-ब्लड इतना पास था कि अगर उन्हें कोई परेशानी होती तो चिरोन उनकी मदद कर सकता था। क्योंकि यह लड़कियों का स्कूल था, और मैं मैनहट्टन में एमएस-54 में पढ़ रही थी, इसलिए मैं उनसे बहुत कम ही मिल पाती थी।

“हाँ, ठीक है,” मैंने कहा। “तो आप साल के बाकी समय वहीं रहने वाले हैं, है ना?”
उसका चेहरा उतर आया। "अच्छा, शायद, अगर मैं ऐसा न करूँ तो—"
“हे!” थैलिया ने हमें पुकारा। वह ग्रोवर के साथ धीमी गति से नृत्य कर रही थी, जो लड़खड़ा रहा था, थैलिया की टांगों पर लात मार रहा था और ऐसा लग रहा था जैसे वह मरना चाहता हो। कम से कम उसके पैर नकली तो थे। मेरे विपरीत, उसके पास अनाड़ी होने का बहाना था।
“नाचो, तुम सब!” थैलिया ने आदेश दिया। “बस खड़े रहना बेवकूफी लग रहा है।”
मैंने घबराकर एनाबेथ की तरफ देखा, फिर जिम में घूम रही लड़कियों के समूहों की तरफ देखा।
“तो?” एनाबेथ ने कहा।
"उम, मुझे किससे पूछना चाहिए?"
उसने मेरे पेट में घूंसा मारा। "मैं, सीवीड ब्रेन।"
“ओह। ओह, ठीक है।”
तो हम डांस फ्लोर पर गए, और मैंने देखा कि थैलिया और ग्रोवर कैसे डांस कर रहे हैं। मैंने एनाबेथ की कमर पर एक हाथ रखा, और उसने मेरा दूसरा हाथ ऐसे पकड़ लिया जैसे वह मुझे जूडो में पटकने वाली हो।
“मैं तुम्हें काटूंगी नहीं,” उसने मुझसे कहा। “सच में, पर्सी। क्या तुम्हारे स्कूल में डांस नहीं होते?”
मैंने कोई जवाब नहीं दिया। सच तो यह था कि हमने जवाब दिया था। लेकिन मैंने कभी किसी डांस पार्टी में डांस नहीं किया था। मैं आमतौर पर कोने में बास्केटबॉल खेलने वाले लड़कों में से एक होता था।
हम कुछ मिनट तक इधर-उधर घूमते रहे। मैंने छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की, जैसे कि क्रेप पेपर से बनी झालरें और पंच बाउल—बस इस बात पर ध्यान नहीं देना था कि एनाबेथ मुझसे लंबी थी, मेरे हाथ पसीने से भीगे हुए थे और शायद गंदे भी थे, और मैं बार-बार उसके पैरों पर पैर रख रही थी।
मैंने पूछा, "तुम पहले क्या कह रहे थे? क्या तुम्हें स्कूल में कोई परेशानी हो रही है?"
उसने अपने होंठ सिकोड़ लिए। "वो बात नहीं है। बात मेरे पिताजी की है।"
“ओह-ओह।” मुझे पता था कि एनाबेथ और उसके पिता के रिश्ते अच्छे नहीं थे। “मुझे लगा था कि तुम दोनों के बीच सब ठीक हो रहा है। क्या फिर से तुम्हारी सौतेली माँ की वजह से ऐसा हुआ है?”
एनाबेथ ने आह भरी। “उसने जाने का फैसला कर लिया। न्यूयॉर्क में बसने के ठीक बाद, उसने प्रथम विश्व युद्ध पर एक किताब के लिए शोध करने की यह बेवकूफी भरी नई नौकरी ले ली। सैन फ्रांसिस्को में।”
उसने यह बात उसी तरह कही जैसे वह 'फील्ड्स ऑफ पनिशमेंट' या 'हेड्स के जिम शॉर्ट्स' कहती हो।
“तो वह चाहता है कि तुम उसके साथ वहाँ चली जाओ?” मैंने पूछा।
“देश के दूसरे छोर पर,” उसने दुखी स्वर में कहा। “और आधे-आधे इंसान सैन फ्रांसिस्को में नहीं रह सकते। उसे यह बात पता होनी चाहिए।”
“क्या? क्यों नहीं?”
एनाबेथ ने आंखें घुमाईं। शायद उसे लगा कि मैं मजाक कर रही हूँ। "तुम्हें पता है। यह तो वहीं पर है।"

“ओह,” मैंने कहा। मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कह रही है, लेकिन मैं बेवकूफ नहीं दिखना चाहती थी। “तो...तुम वापस कैंप में रहने जाओगी या क्या?”
“यह उससे कहीं ज्यादा गंभीर मामला है, पर्सी। मुझे...शायद मुझे तुम्हें कुछ बताना चाहिए।”
अचानक वह जम सी गई। "वे चले गए हैं।"
"क्या?"
मैंने उसकी निगाहों का पीछा किया। दर्शक दीर्घा। बियांका और निको, दोनों आधे-आधे इंसान, वहाँ नहीं थे। दर्शक दीर्घा के बगल वाला दरवाजा खुला हुआ था। डॉ. थॉर्न कहीं नजर नहीं आ रहे थे।
“हमें थैलिया और ग्रोवर को लाना होगा!” एनाबेथ ने घबराकर चारों ओर देखा। “ओह, वे नाचते हुए कहाँ चले गए? चलो!”
वह भीड़ के बीच से भागी। मैं भी उसके पीछे जाने ही वाला था कि लड़कियों की एक टोली मेरे रास्ते में आ गई। मैंने उनसे बचते हुए रास्ता बनाया ताकि वे मुझे रिबन और लिपस्टिक न लगा दें, और जब तक मैं उनसे बच पाया, एनाबेथ गायब हो चुकी थी। मैं पूरा घूमकर उसे या थैलिया और ग्रोवर को ढूंढने लगा। लेकिन तभी मैंने कुछ ऐसा देखा जिससे मेरा खून जम गया।
लगभग पचास फीट दूर, जिम के फर्श पर, बियांका डि एंजेलो की टोपी जैसी ही एक ढीली हरी टोपी पड़ी थी। उसके पास ही कुछ बिखरे हुए ट्रेडिंग कार्ड थे। तभी मेरी नज़र डॉ. थॉर्न पर पड़ी। वह जिम के दूसरे छोर पर एक दरवाजे से जल्दी से बाहर निकल रहे थे, और डि एंजेलो के बच्चों को बिल्ली के बच्चों की तरह गर्दन से पकड़कर ले जा रहे थे।
मुझे अभी भी एनाबेथ दिखाई नहीं दे रही थी, लेकिन मुझे पता था कि वह थैलिया और ग्रोवर को ढूंढते हुए दूसरी तरफ जा रही होगी।
मैं लगभग उसके पीछे दौड़ ही पड़ा था, और फिर मैंने सोचा, रुको।
मुझे याद आया कि प्रवेश कक्ष में थैलिया ने मुझसे क्या कहा था, जब मैंने उससे उंगली चटकाने की तरकीब के बारे में पूछा था तो वह मुझे बड़े आश्चर्य से देख रही थी: क्या चिरोन ने तुम्हें यह करना नहीं सिखाया है? मैंने ग्रोवर के उसकी ओर मुड़ने के तरीके के बारे में सोचा, मानो वह उससे मदद की उम्मीद कर रहा हो।
ऐसा नहीं था कि मुझे थैलिया से कोई शिकायत थी। वो अच्छी थी। उसके पिता ज़्यूस थे और सारा ध्यान उसी पर जाता था, इसमें उसकी कोई गलती नहीं थी... फिर भी, हर समस्या सुलझाने के लिए मुझे उसके पीछे भागने की ज़रूरत नहीं थी। वैसे भी, समय नहीं था। डी एंजेलो परिवार खतरे में था। जब तक मैं अपने दोस्तों को ढूंढ पाती, तब तक शायद वे जा चुके होते। मैं राक्षसों को जानती थी। मैं यह सब खुद संभाल सकती थी।
मैंने अपनी जेब से रिपटाइड निकाली और डॉ. थॉर्न के पीछे भागा।
* * *
दरवाजा एक अंधेरे गलियारे में खुलता था। मुझे आगे से कुछ हड़बड़ी की आवाजें सुनाई दीं, फिर एक दर्द भरी कराह। मैंने रिपटाइड का ढक्कन खोला।

कलम मेरे हाथों में इतनी बड़ी हो गई कि मानो मैंने चमड़े की मूठ वाली लगभग तीन फुट लंबी कांस्य की यूनानी तलवार पकड़ ली हो। तलवार की धार हल्की-हल्की चमक रही थी, जिससे लॉकरों की कतारों पर सुनहरी रोशनी पड़ रही थी।

मैं गलियारे में दौड़ता हुआ गया, लेकिन जब मैं दूसरे छोर पर पहुँचा, तो वहाँ कोई नहीं था। मैंने एक दरवाज़ा खोला और खुद को वापस मुख्य प्रवेश कक्ष में पाया। मैं पूरी तरह से भ्रमित हो गया था। मुझे डॉ. थॉर्न कहीं नज़र नहीं आए, लेकिन कमरे के दूसरी तरफ़ डि एंजेलो के बच्चे खड़े थे। वे भय से जम गए थे और सीधे मेरी ओर घूर रहे थे।

मैंने धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए अपनी तलवार की नोक नीचे कर ली। “कोई बात नहीं। मैं तुम्हें चोट नहीं पहुँचाऊँगा।”

उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उनकी आँखों में डर साफ झलक रहा था। उन्हें क्या हो गया था? डॉ. थॉर्न कहाँ थे? शायद उन्होंने रिपटाइड की मौजूदगी भांप ली हो और पीछे हट गए हों। राक्षस आकाशीय कांस्य हथियारों से नफरत करते थे।

मैंने अपनी आवाज़ को शांत रखते हुए कहा, "मेरा नाम पर्सी है। मैं तुम्हें यहाँ से निकालकर किसी सुरक्षित जगह पर ले जाऊँगा।"

बियांका की आंखें चौड़ी हो गईं। उसकी मुट्ठियां भींच गईं। मुझे बहुत देर बाद समझ आया कि उसकी नज़र का क्या मतलब था। वह मुझसे डरी नहीं थी। वह मुझे चेतावनी देने की कोशिश कर रही थी।

मैं तेज़ी से घूमी और कुछ ज़ोर से सीटी बजाई! मेरे कंधे में ज़ोरदार दर्द हुआ। किसी भारी हाथ जैसी ताकत ने मुझे पीछे की ओर खींचा और दीवार से टकरा दिया।

मैंने अपनी तलवार से वार किया लेकिन वार करने के लिए कुछ भी नहीं था।

हॉल में एक ठंडी हंसी गूंज उठी।

“जी हां, पर्सियस जैक्सन,” डॉ. थॉर्न ने कहा। उनके उच्चारण में मेरे उपनाम का 'जे' अक्षर अस्पष्ट था। “मैं जानता हूं कि आप कौन हैं।”

मैंने अपना कंधा छुड़ाने की कोशिश की। मेरा कोट और कमीज़ किसी नुकीली चीज़ से दीवार पर जकड़े हुए थे—लगभग एक फुट लंबी, काली, खंजर जैसी कोई चीज़। कपड़ों के बीच से गुज़रते हुए वह मेरे कंधे की त्वचा को छूकर निकल गई थी, और घाव में जलन हो रही थी। मैंने पहले भी ऐसा कुछ महसूस किया था। ज़हर।

मैंने खुद को एकाग्रता बनाए रखने के लिए मजबूर किया। मैं बेहोश नहीं होने वाला था।

एक काली परछाई हमारी ओर बढ़ने लगी। डॉ. थॉर्न धुंधली रोशनी में आ गए। वे अब भी इंसान जैसे दिखते थे, लेकिन उनका चेहरा डरावना लग रहा था। उनके दांत एकदम सफेद थे और उनकी भूरी-नीली आंखों में मेरी तलवार की रोशनी चमक रही थी।

“जिम से बाहर आने के लिए धन्यवाद,” उसने कहा। “मुझे मिडिल स्कूल के डांस बिल्कुल पसंद नहीं हैं।”

मैंने दोबारा तलवार चलाने की कोशिश की, लेकिन वह मेरी पहुंच से थोड़ा बाहर था।
व्हिश! डॉ. थॉर्न के पीछे से कहीं से एक और वस्तु दागी गई। वे हिले तक नहीं। ऐसा लगा जैसे कोई अदृश्य व्यक्ति उनके पीछे खड़ा होकर चाकू फेंक रहा हो।
मेरे बगल में, बियांका चीख पड़ी। दूसरा कांटा पत्थर की दीवार में धंस गया, उसके चेहरे से आधा इंच की दूरी पर।
“तुम तीनों मेरे साथ आओगे,” डॉ. थॉर्न ने कहा। “चुपचाप। आज्ञाकारी। अगर तुमने ज़रा भी आवाज़ की, मदद के लिए पुकारा या लड़ने की कोशिश की, तो मैं तुम्हें दिखा दूंगा कि मैं कितनी सटीकता से फेंक सकता हूँ।”

दो

उप प्रधानाध्यापक को मिसाइल लॉन्चर मिलता है

मुझे नहीं पता था कि डॉ. थॉर्न किस तरह का राक्षस था, लेकिन वह बहुत तेज था।

अगर मैं अपनी ढाल सक्रिय कर पाता, तो शायद मैं अपना बचाव कर पाता। बस अपनी घड़ी को छूना ही काफी होता। लेकिन डि एंजेलो के बच्चों की रक्षा करना एक अलग बात थी। मुझे मदद की ज़रूरत थी, और मुझे मदद पाने का बस एक ही तरीका सूझ रहा था।

मैंने अपनी आंखें बंद कर लीं।

“जैक्सन, तुम क्या कर रहे हो?” डॉ. थॉर्न ने गुस्से से कहा। “चलते रहो!”

मैंने आंखें खोलीं और धीरे-धीरे आगे बढ़ती रही। "मेरे कंधे में दर्द है," मैंने झूठ बोला, दर्द भरी आवाज में बोलने की कोशिश करते हुए, जो मुश्किल नहीं था। "इसमें जलन हो रही है।"

“अरे! मेरा जहर दर्द तो देता है, लेकिन तुम्हें मारेगा नहीं। चलो!”

थॉर्न हमें बाहर ले गया, और मैंने ध्यान लगाने की कोशिश की। मैंने ग्रोवर का चेहरा अपने दिमाग में उँका। मैंने अपने डर और खतरे की भावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। पिछली गर्मियों में, ग्रोवर ने हमारे बीच एक भावनात्मक जुड़ाव बनाया था। वह मुझे सपनों में दृश्य भेजकर बताता था कि वह कब मुसीबत में है। जहाँ तक मुझे पता था, हम अभी भी जुड़े हुए थे, लेकिन मैंने पहले कभी ग्रोवर से संपर्क करने की कोशिश नहीं की थी। मुझे यह भी नहीं पता था कि ग्रोवर के जागते समय यह संभव होगा या नहीं।

अरे, ग्रोवर! मैंने सोचा। थॉर्न हमारा अपहरण कर रहा है! वह ज़हरीले कांटे फेंकने वाला पागल है! मदद करो!

थॉर्न हमें जंगल में ले गया। हम बर्फीले रास्ते पर चल पड़े, जो पुराने जमाने के लैंप की हल्की रोशनी से जगमगा रहा था। मेरे कंधे में दर्द हो रहा था। फटे कपड़ों से होकर बहने वाली हवा इतनी ठंडी थी कि मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं कोई पर्सीसिकल (एक तरह का बर्फीला पत्थर) हूँ।

थॉर्न ने कहा, "आगे खुला मैदान है। हम आपकी गाड़ी बुला लेंगे।"

“कौन सी सवारी?” बियांका ने पूछा। “आप हमें कहाँ ले जा रहे हैं?”

"चुप रहो, तुम असहनीय लड़की!"

“मेरी बहन से इस तरह बात मत करो!” निको ने कहा। उसकी आवाज़ कांप रही थी, लेकिन मुझे इस बात से हैरानी हुई कि उसमें कुछ कहने की हिम्मत तो थी।

डॉ. थॉर्न ने एक ऐसी गुर्राहट भरी आवाज़ निकाली जो निश्चित रूप से किसी इंसान की नहीं थी। इससे मेरे रोंगटे खड़े हो गए, लेकिन मैंने खुद को चलते रहने के लिए मजबूर किया और ऐसा दिखावा किया जैसे मैं एक अच्छा कैदी हूँ। इस बीच, मैं अपने मन में तरह-तरह के विचार ज़ोर-ज़ोर से बोल रहा था—किसी भी तरह

ग्रोवर का ध्यान खींचने के लिए: ग्रोवर! सेब! टिन के डिब्बे! अपनी उस रोएँदार बकरी जैसी पीठ लेकर यहाँ आओ और अपने साथ कुछ भारी हथियारों से लैस दोस्तों को भी लाओ!

“रुको,” थॉर्न ने कहा।

जंगल खुल गया था। हम समुद्र के किनारे एक चट्टान पर पहुँच गए थे। कम से कम मुझे तो ऐसा महसूस हो रहा था कि समुद्र सैकड़ों फीट नीचे है। मैं लहरों की गड़गड़ाहट सुन सकता था और ठंडे नमकीन झाग की गंध महसूस कर सकता था। लेकिन मुझे चारों ओर सिर्फ़ धुंध और अंधेरा ही दिखाई दे रहा था।

डॉ. थॉर्न ने हमें किनारे की ओर धकेल दिया। मैं लड़खड़ा गया और बियांका ने मुझे पकड़ लिया।

“धन्यवाद,” मैंने धीरे से कहा।

“वह कौन है?” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “हम उससे कैसे लड़ेंगे?”

मैं...मैं इस पर काम कर रहा हूँ।

“मुझे डर लग रहा है,” निको ने धीरे से कहा। वह किसी चीज़ से खेल रहा था—शायद कोई छोटा सा धातु का खिलौना सिपाही।

“बोलना बंद करो!” डॉ. थॉर्न ने कहा। “मेरी तरफ देखो!”

हम मुड़ गए।

थॉर्न की दो रंगों वाली आँखें लालच से चमक रही थीं। उसने अपने कोट के नीचे से कुछ निकाला। पहले तो मुझे लगा कि यह कोई चाकू है, लेकिन यह तो सिर्फ़ एक फ़ोन था। उसने साइड वाला बटन दबाया और कहा, "पैकेज—यह डिलीवरी के लिए तैयार है।"

अस्पष्ट जवाब आया, और मुझे एहसास हुआ कि थॉर्न वॉकी-टॉकी मोड में था। यह बहुत ही आधुनिक और डरावना लग रहा था—एक राक्षस मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहा है।

मैंने पीछे मुड़कर देखा, यह सोचकर कि खाई कितनी गहरी होगी।

डॉ. थॉर्न हँसे। “ज़रूर कूदो, पोसीडॉन के पुत्र। कूद जाओ! वहाँ समुद्र है। खुद को बचा लो।”

“उसने तुम्हें क्या कहा?” बियांका ने धीरे से कहा।

मैंने कहा, "मैं बाद में समझाऊंगा।"

"आपके पास कोई योजना तो है ना?"

ग्रोवर! मैंने हताशा से सोचा। मेरे पास आओ!

शायद मैं डि एंजेलो भाइयों को अपने साथ समुद्र में कूदने के लिए मना लूँ। अगर हम गिरने से बच गए, तो मैं पानी का इस्तेमाल हम सबको बचाने के लिए कर सकता हूँ। मैंने पहले भी ऐसे काम किए हैं। अगर मेरे पिताजी का मूड अच्छा हो और वो मेरी बात सुन रहे हों, तो शायद वो मदद कर दें। शायद।

“पानी तक पहुँचने से पहले ही मैं तुम्हें मार डालूँगा,” डॉ. थॉर्न ने मानो मेरे मन की बात पढ़ ली हो, कहा। “तुम्हें पता नहीं है कि मैं कौन हूँ, है ना?”

उसके पीछे एक हल्की सी हलचल हुई, और एक और मिसाइल मेरे कान के इतने करीब से गुजरी कि वह मुझे छूकर निकल गई। डॉ. थॉर्न के पीछे अचानक कुछ प्रकट हुआ—जैसे कोई गुलेल हो, लेकिन उससे कहीं अधिक लचीली...लगभग एक पूंछ की तरह।

थॉर्न ने कहा, "दुर्भाग्यवश, अगर संभव हो तो आपको जिंदा ही पकड़ा जाना चाहिए। अन्यथा आप अब तक मर चुके होते।"

“हमें कौन चाहता है?” बियांका ने पूछा। “क्योंकि अगर तुम्हें लगता है कि तुम्हें फिरौती मिलेगी, तो तुम गलत हो। हमारा कोई परिवार नहीं है। निको और मैं...” उसकी आवाज़ थोड़ी भर्रा गई। “हमारे पास एक-दूसरे के सिवा कोई नहीं है।”

“अरे बाप रे,” डॉ. थॉर्न ने कहा। “चिंता मत करो, नन्हे शैतानों। तुम जल्द ही मेरे मालिक से मिलोगे। फिर तुम्हें एक नया परिवार मिल जाएगा।”

मैंने कहा, "ल्यूक। तुम ल्यूक के लिए काम करते हो।"

जब मैंने अपने पुराने दुश्मन का नाम लिया—एक पूर्व मित्र जिसने मुझे कई बार जान से मारने की कोशिश की थी—तो डॉ. थॉर्न के होंठ घृणा से सिकुड़ गए। “तुम्हें अंदाज़ा भी नहीं है कि क्या हो रहा है, पर्सियस जैक्सन। जनरल तुम्हें समझाएंगे। आज रात तुम उनकी बहुत बड़ी मदद करोगे। वे तुमसे मिलने के लिए उत्सुक हैं।”

“जनरल?” मैंने पूछा। फिर मुझे एहसास हुआ कि मैंने यह बात फ्रांसीसी लहजे में कही थी। “मतलब...जनरल कौन है?”

थॉर्न ने क्षितिज की ओर देखा। "आह, हम यहाँ पहुँच गए। यही आपका वाहन है।"

मैंने मुड़कर देखा तो दूर एक रोशनी दिखाई दी, समुद्र के ऊपर एक सर्चलाइट। फिर मुझे हेलीकॉप्टर के ब्लेड की तेज़ और नज़दीक आती हुई आवाज़ सुनाई दी।

“आप हमें कहाँ ले जा रहे हैं?” निको ने कहा।

“तुम्हें गर्व होना चाहिए, मेरे बेटे। तुम्हें एक महान सेना में शामिल होने का अवसर मिलेगा! बिल्कुल उस बेतुके खेल की तरह जो तुम ताश और गुड़ियों से खेलते हो।”

“ये गुड़िया नहीं हैं! ये तो छोटी मूर्तियां हैं! और तुम अपनी विशाल सेना लेकर जा सकते हो और—”

“अब बस करो,” डॉ. थॉर्न ने चेतावनी दी। “तुम हमारे साथ जुड़ने का इरादा बदलोगे, मेरे बेटे। और अगर नहीं बदला, तो... आधे-आधे इंसानों के और भी काम हैं। हमें बहुत सारे भयानक जीवों का पेट भरना है। महान हलचल शुरू हो चुकी है।”

“महान क्या?” मैंने पूछा। किसी भी तरह से मैं उसे बात करते रहने देना चाहता था ताकि मैं कोई योजना बना सकूँ।

“राक्षसों की हलचल मच रही है।” डॉ. थॉर्न ने दुष्टतापूर्ण मुस्कान के साथ कहा। “उनमें से सबसे भयानक, सबसे शक्तिशाली, अब जाग रहे हैं। ऐसे राक्षस जिन्हें हज़ारों वर्षों से नहीं देखा गया है। वे ऐसी मृत्यु और

विनाश लाएंगे जिसका मनुष्यों ने कभी सामना नहीं किया है। और जल्द ही हमारे सामने सबसे महत्वपूर्ण राक्षस होगा—वह जो ओलंपस का पतन करेगा!"
"ठीक है," बियांका ने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा। "वह पूरी तरह से पागल है।"
मैंने उससे धीरे से कहा, "हमें चट्टान से कूदना होगा। समुद्र में।"
"वाह, शानदार विचार है। तुम भी बिल्कुल पागल हो।"
मुझे उससे बहस करने का मौका ही नहीं मिला, क्योंकि तभी एक अदृश्य शक्ति ने मुझ पर जोरदार प्रहार किया।

पीछे मुड़कर देखें तो एनाबेथ की चाल शानदार थी। अपनी अदृश्यता की टोपी पहने हुए, वह डि एंजेलो और मुझ पर टूट पड़ी और हमें ज़मीन पर गिरा दिया। एक पल के लिए डॉ. थॉर्न चौंक गए, इसलिए उनके पहले हमले हमारे सिर के ऊपर से निकल गए। इससे थैलिया और ग्रोवर को पीछे से आगे बढ़ने का मौका मिल गया—थैलिया अपने जादुई कवच, एजिस का इस्तेमाल कर रही थी।
अगर आपने थैलिया को युद्ध में जाते हुए नहीं देखा है, तो आप सचमुच कभी डरे नहीं हैं। वह एक विशाल भाले का इस्तेमाल करती है जो उसकी जेब में रखे हुए फोल्डेबल गदा के डिब्बे से निकलता है, लेकिन असली डरावनी बात तो यह नहीं है। उसकी ढाल उसके पिता ज़्यूस द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली ढाल की तरह है—जिसे एजिस भी कहा जाता है—जो एथेना का उपहार है। ढाल पर कांस्य में गॉर्गन मेडुसा का सिर उकेरा गया है, और भले ही यह आपको पत्थर में न बदल दे, लेकिन यह इतनी भयानक है कि ज्यादातर लोग इसे देखते ही डरकर भाग जाते हैं।
इसे देखकर डॉ. थॉर्न भी सहम गए और गुर्राए।
थालिया अपना भाला लेकर आगे बढ़ी। "ज़्यूस के लिए!"
मुझे लगा कि डॉ. थॉर्न का काम तमाम हो गया। थैलिया ने उसके सिर पर वार किया, लेकिन वह गुर्राया और भाले को झटक कर हटा दिया। उसका हाथ एक नारंगी पंजे में बदल गया, जिसके विशाल नाखून थैलिया की ढाल से टकराकर चिंगारियां बिखेर रहे थे। अगर एजिस न होता, तो थैलिया रोटी की तरह कट जाती। लेकिन किसी तरह वह पीछे की ओर लुढ़क कर अपने पैरों पर खड़ी हो गई।
मेरे पीछे हेलीकॉप्टर की आवाज तेज होती जा रही थी, लेकिन मैंने देखने की हिम्मत नहीं की।
डॉ. थॉर्न ने थैलिया पर मिसाइलों की एक और बौछार की, और इस बार मैं देख सका कि उसने ऐसा कैसे किया। उसकी एक पूंछ थी—चमड़े जैसी, बिच्छू जैसी पूंछ जिसके सिरे पर नुकीले कांटे थे। मिसाइलें एजिस से टकराकर वापस मुड़ गईं, लेकिन उनके प्रभाव की शक्ति से थैलिया नीचे गिर गई।
ग्रोवर उछल पड़ा। उसने अपनी बांसुरी होठों से लगाई और बजाना शुरू कर दिया—एक उन्मादी धुन जो समुद्री डाकुओं के नृत्य जैसी लग रही थी। बर्फ के बीच से घास निकलने लगी। कुछ ही सेकंड में, रस्सी जैसी मोटी घास डॉ. थॉर्न के पैरों के चारों ओर लिपट गई और उन्हें जकड़ लिया।

डॉ. थॉर्न दहाड़ा और उसका रूप बदलने लगा। वह तब तक विशाल होता गया जब तक कि वह अपने असली रूप में नहीं आ गया—उसका चेहरा अभी भी इंसान जैसा था, लेकिन उसका शरीर एक विशाल शेर जैसा हो गया। उसकी चमड़े जैसी, नुकीली पूंछ से घातक कांटे चारों दिशाओं में लहराने लगे।

“एक मैन्टिकोर!” एनाबेथ ने कहा, जो अब दिखाई दे रही थी। जब वह हमसे टकराई थी, तब उसकी जादुई न्यूयॉर्क यांकीज़ टोपी उतर गई थी।

“आप लोग कौन हैं?” बियांका डि एंजेलो ने पूछा। “और यह क्या है?”

“एक मैन्टिकोर?” निको चौंक गया। “उसके पास तीन हज़ार आक्रमण शक्ति है और बचाव के लिए पाँच गुना ज़्यादा शक्ति है!”

मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कह रहा है, लेकिन मेरे पास इसके बारे में चिंता करने का समय नहीं था। मैन्टिकोर ने ग्रोवर के जादुई खरपतवारों को अपने पंजों से नोंचकर टुकड़े-टुकड़े कर दिया और फिर गुर्राते हुए हमारी ओर मुड़ा।

“नीचे बैठ जाओ!” एनाबेथ ने डि एंजेलोस को बर्फ पर धकेल दिया। आखिरी क्षण में मुझे अपनी ढाल याद आई। मैंने अपनी घड़ी पर प्रहार किया, और धातु की परत घूमकर एक मोटी कांस्य ढाल बन गई। बिल्कुल सही समय पर। कांटों ने उस पर इतनी ज़ोर से प्रहार किया कि धातु में गड्ढा पड़ गया। मेरे भाई द्वारा उपहार में दी गई वह सुंदर ढाल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। मुझे यकीन नहीं था कि वह दूसरे हमले को भी रोक पाएगी।

मुझे एक जोरदार आवाज और एक चीख सुनाई दी, और ग्रोवर धड़ाम से मेरे बगल में गिर पड़ा।

“हार मान लो!” राक्षस दहाड़ा।

“कभी नहीं!” थैलिया मैदान के उस पार से चिल्लाई। वह राक्षस की ओर दौड़ी, और एक पल के लिए मुझे लगा कि वह उसे कुचल देगी। लेकिन तभी हमारे पीछे से एक ज़ोरदार गड़गड़ाहट और तेज़ रोशनी हुई। कोहरे से एक हेलीकॉप्टर निकला, जो चट्टानों के ठीक पीछे मंडरा रहा था। यह एक चिकना, काले रंग का सैन्य शैली का गनशिप था, जिसके किनारों पर लेज़र-गाइडेड रॉकेट जैसे उपकरण लगे थे। हेलीकॉप्टर में तो इंसानों के ही होने चाहिए थे, लेकिन यह यहाँ क्या कर रहा था? इंसान किसी राक्षस के साथ कैसे काम कर सकते हैं? सर्चलाइटों की रोशनी से थैलिया की आँखें चौंधिया गईं, और मैन्टिकोर ने अपनी पूंछ से उसे दूर धकेल दिया। उसकी ढाल बर्फ में जा गिरी। उसका भाला दूसरी दिशा में जा गिरा।

“नहीं!” मैं उसकी मदद के लिए दौड़ी। मैंने एक नुकीली चीज़ को उसके सीने पर लगने से ठीक पहले रोक दिया। मैंने हम दोनों के ऊपर अपनी ढाल उठा ली, लेकिन मुझे पता था कि यह काफी नहीं होगा।

डॉ. थॉर्न हँसे। “अब तुम्हें समझ आया कि यह कितना निराशाजनक है? हार मान लो, नन्हे नायकों।”

हम एक राक्षस और पूरी तरह से हथियारों से लैस हेलीकॉप्टर के बीच फंस गए थे। हमारे पास बचने का कोई रास्ता नहीं था।

फिर मुझे एक स्पष्ट, तीखी आवाज सुनाई दी: जंगल में बज रहे शिकार के सींग की आवाज।

मैन्टिकोर जम गया। एक पल के लिए, कोई नहीं हिला। केवल बर्फ और हवा का बवंडर और हेलीकॉप्टर के ब्लेड की आवाज़ सुनाई दे रही थी।
“नहीं,” डॉ. थॉर्न ने कहा। “ऐसा नहीं हो सकता—”
उनकी बात अधूरी रह गई जब अचानक मेरे सामने से चांदनी की लकीर जैसी कोई चीज गुजरी। डॉ. थॉर्न के कंधे से एक चमकता हुआ चांदी का तीर निकला।
वह दर्द से कराहते हुए पीछे की ओर लड़खड़ा गया।
“तुम्हें श्राप मिले!” थॉर्न चिल्लाया। उसने अपने दर्जनों नुकीले कांटे एक साथ उस जंगल में फेंके जहाँ से तीर आया था, लेकिन उतनी ही तेज़ी से चांदी जैसे तीर जवाब में वापस आ गए। ऐसा लग रहा था मानो तीरों ने हवा में ही कांटों को रोककर दो टुकड़ों में काट दिया हो, लेकिन शायद मेरी आँखों को धोखा हो रहा था। कोई भी, यहाँ तक कि शिविर में अपोलो के बच्चे भी, इतनी सटीकता से निशाना नहीं लगा सकते थे।
दर्द से कराहते हुए मैन्टिकोर ने अपने कंधे से तीर निकाला। उसकी साँसें तेज़ चल रही थीं। मैंने अपनी तलवार से उस पर वार करने की कोशिश की, लेकिन वह उतना घायल नहीं था जितना दिख रहा था। उसने मेरे हमले को चकमा दिया और अपनी पूंछ से मेरी ढाल पर ज़ोरदार प्रहार किया, जिससे मैं एक तरफ गिर गया।
फिर तीरंदाज जंगल से बाहर आईं। वे लगभग एक दर्जन लड़कियाँ थीं। सबसे छोटी शायद दस साल की थी। सबसे बड़ी लगभग चौदह साल की, मेरी ही उम्र की। उन्होंने चांदी जैसे रंग के स्की पार्का और जींस पहन रखी थी, और वे सभी धनुषों से लैस थीं। वे दृढ़ भावों के साथ मैन्टिकोर की ओर बढ़ीं।
“शिकारी!” एनाबेथ चिल्लाई।
मेरे बगल में बैठी थालिया ने धीरे से कहा, "ओह, बहुत बढ़िया।"
मुझे उससे पूछने का मौका ही नहीं मिला कि उसका क्या मतलब था।
एक वरिष्ठ तीरंदाज धनुष ताने आगे बढ़ी। वह लंबी और आकर्षक थी, उसकी त्वचा तांबे के रंग की थी। अन्य लड़कियों के विपरीत, उसके लंबे काले बालों के ऊपर चांदी का एक मुकुट गूंथा हुआ था, जिससे वह किसी फारसी राजकुमारी जैसी लग रही थी। "क्या मैं आपको मारने की अनुमति दे सकती हूँ, मेरी स्वामिनी?"
मुझे यह पता नहीं चल सका कि वह किससे बात कर रही थी, क्योंकि उसकी नजरें मैन्टिकोर पर टिकी हुई थीं।
राक्षस विलाप करते हुए बोला, “यह उचित नहीं है! सीधा हस्तक्षेप! यह प्राचीन कानूनों के विरुद्ध है।”
“ऐसा नहीं,” दूसरी लड़की बोली। यह मुझसे थोड़ी छोटी थी, शायद बारह या तेरह साल की। उसके भूरे बाल पोनीटेल में बंधे थे और उसकी आँखें चाँद की तरह चाँदी जैसी पीली थीं। उसका चेहरा इतना सुंदर था कि मैं साँस रोककर देखती रह गई, लेकिन उसका भाव कठोर और खतरनाक था। “सभी जंगली जानवरों का शिकार करना मेरे अधिकार क्षेत्र में है। और तुम, दुष्ट प्राणी, एक जंगली जानवर हो।” उसने मुकुट पहने बड़ी लड़की की ओर देखा। “ज़ोई, अनुमति मिल गई।”

मैन्टिकोर गुर्राया। "अगर मैं इन्हें जिंदा नहीं पकड़ सकता, तो मैं इन्हें मार डालूंगा!"
वह थालिया और मुझ पर झपटा, यह जानते हुए कि हम कमजोर और स्तब्ध थे।
“नहीं!” एनाबेथ चिल्लाई और राक्षस की ओर दौड़ पड़ी।
"पीछे हट जाओ, आधे खून वाले!" मुकुट पहने लड़की ने कहा। "गोलीबारी की सीमा से बाहर निकलो!"
लेकिन एनाबेथ राक्षस की पीठ पर कूद पड़ी और अपना चाकू उसके अयाल में घुसा दिया। मैन्टिकोर दहाड़ने लगा और अपनी पूंछ को ज़ोर से हिलाते हुए गोल-गोल घूमने लगा, जबकि एनाबेथ अपनी जान बचाने के लिए उस पर लटकी रही।
"आग!" ज़ोई ने आदेश दिया।
“नहीं!” मैं चिल्लाई।
लेकिन शिकारियों ने अपने तीर बरसा दिए। पहला तीर मैन्टिकोर की गर्दन में लगा। दूसरा तीर उसकी छाती पर लगा। मैन्टिकोर लड़खड़ाते हुए पीछे हट गया और चिल्लाया, "यह अंत नहीं है, शिकारिन! तुम्हें इसका हिसाब चुकाना होगा!"
और इससे पहले कि कोई प्रतिक्रिया कर पाता, एनाबेथ को अपनी पीठ पर लिए हुए वह राक्षस चट्टान से छलांग लगाकर अंधेरे में गिर गया।
“एनाबेथ!” मैंने चिल्लाकर कहा।
मैं उसके पीछे दौड़ने लगा, लेकिन हमारे दुश्मन अभी हमसे पीछा नहीं छुड़ा पाए थे। हेलीकॉप्टर से गोलियों की आवाज आई।
जैसे ही उनके पैरों के नीचे बर्फ में छोटे-छोटे छेद दिखाई दिए, अधिकांश शिकारी इधर-उधर भाग गए, लेकिन भूरे बालों वाली लड़की ने शांत भाव से हेलीकॉप्टर की ओर देखा।
उसने घोषणा की, "मनुष्यों को मेरे शिकार को देखने की अनुमति नहीं है।"
उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया, और हेलिकॉप्टर धूल में बदल गया—नहीं, धूल नहीं। काली धातु पक्षियों के झुंड में विलीन हो गई—कौवे, जो रात के अंधेरे में बिखर गए।
शिकारी हमारी ओर आगे बढ़े।
थालिया को देखकर ज़ोई एकदम रुक गई। उसने घृणा से कहा, "तुम!"
“ज़ोई नाइटशेड।” थैलिया की आवाज़ गुस्से से कांप रही थी। “हमेशा की तरह, एकदम सही समय पर आई हो।”
ज़ोई ने हम सब पर एक नज़र डाली। "चार आधे-खून और एक सैटायर, मेरी लेडी।"
“हां,” छोटी लड़की ने कहा। “लगता है ये चिरोन के कुछ कैंपर हैं।”
“एनाबेथ!” मैंने चिल्लाकर कहा। “तुम्हें हमें उसे बचाने देना होगा!”
भूरे बालों वाली लड़की मेरी ओर मुड़ी। "मुझे माफ करना, पर्सी जैक्सन, लेकिन तुम्हारे दोस्त को बचाया नहीं जा सकता।"

मैंने उठने की कोशिश की, लेकिन कुछ लड़कियों ने मुझे पकड़कर नीचे दबाए रखा।
"तुम अभी चट्टानों से कूदने की हालत में नहीं हो," भूरे बालों वाली लड़की ने कहा।
“मुझे जाने दो!” मैंने मांग की। “तुम खुद को क्या समझते हो?”
ज़ोई ने मुझे थप्पड़ मारने के इरादे से आगे कदम बढ़ाया।
“नहीं,” दूसरी लड़की ने आदेश दिया। “मुझे कोई अनादर नहीं दिख रहा, ज़ोई। वह बस परेशान है। उसे समझ नहीं आ रहा।”
उस युवती ने मेरी ओर देखा, उसकी आँखें सर्दियों के चाँद से भी अधिक ठंडी और चमकदार थीं। उसने कहा, "मैं आर्टेमिस हूँ। शिकार की देवी।"

तीन

बियांका डि एंजेलो एक विकल्प चुनता है

डॉ. थॉर्न को एक राक्षस में बदलते और एनाबेथ के साथ एक चट्टान के किनारे से नीचे गिरते देखने के बाद, आपको लगेगा कि अब मुझे और कुछ चौंका नहीं सकता। लेकिन जब इस बारह वर्षीय लड़की ने मुझे बताया कि वह देवी आर्टेमिस है, तो मैंने बड़ी समझदारी से कहा, "उम...ठीक है।"

ग्रोवर के सामने तो वह कुछ भी नहीं था। वह हांफने लगा, फिर जल्दी से बर्फ में घुटने टेककर बड़बड़ाने लगा, "धन्यवाद, लेडी आर्टेमिस! आप तो...आप तो...वाह!"

“उठो, बकरे के बच्चे!” थैलिया ने गुस्से से कहा। “हमें और भी कई चीजों की चिंता करनी है। एनाबेथ गायब हो गई है!”

“अरे वाह,” बियांका डि एंजेलो ने कहा। “ज़रा रुको। टाइम आउट।”

सबने उसकी तरफ देखा। उसने बारी-बारी से हम सब पर उंगली उठाई, मानो वह सारी कड़ियों को जोड़ने की कोशिश कर रही हो। "कौन...आप लोग कौन हैं?"

आर्टेमिस के चेहरे पर नरमी आ गई। "मेरी प्यारी बच्ची, बेहतर होगा कि तुम मुझसे पूछो कि तुम कौन हो? तुम्हारे माता-पिता कौन हैं?"

बियांका ने घबराकर अपने भाई की ओर देखा, जो अभी भी आर्टेमिस को विस्मय से निहार रहा था।

“हमारे माता-पिता मर चुके हैं,” बियांका ने कहा। “हम अनाथ हैं। एक बैंक ट्रस्ट है जो हमारी स्कूल की फीस भरता है, लेकिन...”

वह हिचकिचाई। मुझे लगता है कि वह हमारे चेहरों से समझ गई थी कि हमें उसकी बात पर विश्वास नहीं था।

“क्या?” उसने हैरानी से पूछा। “मैं सच कह रहा हूँ।”

“तुम आधे इंसान हो,” ज़ोई नाइटशेड ने कहा। उसके लहजे को समझना मुश्किल था। वह पुराने ज़माने की लग रही थी, मानो किसी पुरानी किताब से पढ़ रही हो। “तुम्हारे माता-पिता में से एक नश्वर था। दूसरा ओलंपियन था।”

“एक ओलंपियन...एथलीट?”

“नहीं,” ज़ोई ने कहा। “देवताओं में से एक।”

“वाह!” निको ने कहा।

“नहीं!” बियांका की आवाज कांप उठी। “यह ठीक नहीं है!”

निको ऐसे नाचने लगा जैसे उसे शौचालय जाना हो। "क्या ज़्यूस के पास सचमुच ऐसी बिजली है जिससे छह सौ का नुकसान होता है? क्या उसे इसके लिए अतिरिक्त गति अंक मिलते हैं—"

“निको, चुप रहो!” बियांका ने अपने चेहरे पर हाथ रख लिया। “यह तुम्हारा कोई बेवकूफी भरा मिथोमैजिक गेम नहीं है, ठीक है? यहाँ कोई देवता नहीं हैं!”

एनाबेथ को लेकर मैं जितनी चिंतित थी—मैं बस उसे ढूंढना चाहती थी—उतनी ही थी कि मुझे डि एंजेलो परिवार के लिए दुख भी हुआ। मुझे याद आया कि जब मुझे पहली बार पता चला कि मैं एक अर्धदेवता हूँ, तो मुझे कैसा लगा था।

थालिया को भी शायद कुछ ऐसा ही महसूस हो रहा था, क्योंकि उसकी आँखों का गुस्सा थोड़ा कम हो गया था। "बियांका, मुझे पता है इस पर यकीन करना मुश्किल है। लेकिन देवता अभी भी मौजूद हैं। मुझ पर भरोसा करो। वे अमर हैं। और जब भी वे हम जैसे आम इंसानों के साथ बच्चे पैदा करते हैं, तो... हमारी जान खतरे में पड़ जाती है।"

"खतरनाक," बियांका ने कहा, "ठीक उस लड़की की तरह जो गिर गई थी।"

थालिया ने मुंह फेर लिया। यहां तक कि आर्टेमिस भी दुखी लग रही थी।

“एनाबेथ के लिए निराश मत हो,” देवी ने कहा। “वह एक बहादुर कन्या थी। अगर वह मिल सकती है, तो मैं उसे ढूंढ लूंगी।”

“तो फिर आप हमें उसे ढूंढने क्यों नहीं जाने दे रहे?” मैंने पूछा।

“वह चली गई है। क्या तुम्हें इसका एहसास नहीं हो रहा, पोसीडॉन के पुत्र? कोई जादू चल रहा है। मुझे ठीक से नहीं पता कैसे और क्यों, लेकिन तुम्हारी दोस्त गायब हो गई है।”

मैं अब भी चट्टान से कूदकर उसे ढूंढना चाहता था, लेकिन मुझे यह आभास हो रहा था कि आर्टेमिस सही थी। एनाबेथ जा चुकी थी। अगर वह समुद्र में नीचे होती, तो मैं उसकी उपस्थिति महसूस कर पाता, मैंने सोचा।

“ओह!” निको ने हाथ उठाया। “डॉक्टर थॉर्न का क्या हुआ? तुमने उन्हें तीरों से जिस तरह मारा, वह तो कमाल था! क्या वह मर गए?”

“वह एक मैन्टिकोर था,” आर्टेमिस ने कहा। “उम्मीद है कि वह फिलहाल नष्ट हो गया है, लेकिन राक्षस कभी पूरी तरह से मरते नहीं हैं। वे बार-बार पुनर्जीवित होते हैं, और जब भी वे दोबारा प्रकट हों, उनका शिकार करना जरूरी है।”

"नहीं तो वे हमारा शिकार करेंगे," थालिया ने कहा।

बियांका डि एंजेलो कांप उठी। "इससे बात समझ में आ गई... निको, तुम्हें याद है पिछली गर्मियों में, वो लोग जिन्होंने डी.सी. की गली में हम पर हमला करने की कोशिश की थी?"

“और वो बस ड्राइवर,” निको ने कहा। “वो जिसके सींग भेड़ जैसे थे। मैंने तुमसे कहा था ना कि वो असली था।”

मैंने कहा, "इसीलिए ग्रोवर तुम पर नज़र रख रहा है। ताकि अगर तुम आधे-आधे इंसान निकले तो वह तुम्हें सुरक्षित रख सके।"

“ग्रोवर?” बियांका ने उसे हैरानी से देखा। “तुम एक अर्धदेव हो?”

“दरअसल, एक सैटायर।” उसने अपने जूते उतार दिए और अपने बकरी जैसे खुर दिखाए। मुझे लगा कि बियांका वहीं बेहोश हो जाएगी।
“ग्रोवर, अपने जूते वापस पहन लो,” थालिया ने कहा। “तुम उसे डरा रहे हो।”
अरे, मेरे खुर तो साफ हैं!
“बियान्का,” मैंने कहा, “हम तुम्हारी मदद करने आए हैं। तुम्हें और निको को जीवित रहने के लिए प्रशिक्षण की ज़रूरत है। डॉ. थॉर्न तुम्हारा सामना करने वाला आखिरी राक्षस नहीं होगा। तुम्हें शिविर में आना होगा।”
“शिविर?” उसने पूछा।
मैंने कहा, “कैंप हाफ-ब्लड। यह वह जगह है जहाँ हाफ-ब्लड जीना सीखते हैं। आप हमारे साथ शामिल हो सकते हैं, चाहें तो पूरे साल वहाँ रह सकते हैं।”
“वाह, चलो चलें!” निको ने कहा।
“रुको।” बियांका ने सिर हिलाया। “मैं नहीं—”
"एक और विकल्प है," ज़ोई ने कहा।
“नहीं, ऐसा नहीं है!” थालिया ने कहा।
थालिया और ज़ोई ने एक-दूसरे को घूरकर देखा। मुझे नहीं पता था कि वे किस बारे में बात कर रही थीं, लेकिन मैं समझ सकती थी कि उनके बीच कोई पुरानी दुश्मनी थी। किसी कारणवश, वे एक-दूसरे से बेहद नफरत करती थीं।
“हमने इन बच्चों पर पहले ही बहुत बोझ डाल दिया है,” आर्टेमिस ने घोषणा की। “ज़ोई, हम यहाँ कुछ घंटों के लिए आराम करेंगे। तंबू लगाओ। घायलों का इलाज करो। स्कूल से अपने मेहमानों का सामान ले आओ।”
जी हां, मेरी महिला।
और, बियांका, मेरे साथ आओ। मैं तुमसे बात करना चाहता हूँ।
“मेरा क्या होगा?” निको ने पूछा।
आर्टेमिस ने लड़के को देखा। "शायद तुम ग्रोवर को वह कार्ड गेम खेलना सिखा सकते हो जो तुम्हें पसंद है। मुझे यकीन है कि ग्रोवर कुछ देर तुम्हारा मनोरंजन करने में खुशी महसूस करेगा... मेरे लिए एक एहसान के तौर पर?"
ग्रोवर उठते-उठते लगभग लड़खड़ा गया। "बिल्कुल! चलो, निको!"
निको और ग्रोवर हिट पॉइंट्स, आर्मर रेटिंग और ऐसी ही कई तकनीकी बातों पर चर्चा करते हुए जंगल की ओर चल पड़े। आर्टेमिस उलझन में दिख रही बियांका को चट्टान के किनारे ले गई। शिकारी अपने थैले खोलने और डेरा डालने लगे।
ज़ोई ने थालिया को एक बार फिर गुस्से भरी नज़र से देखा, फिर स्थिति का जायज़ा लेने के लिए चली गई।
उसके जाते ही थैलिया ने गुस्से में पैर पटका। “उन शिकारियों की हिम्मत तो देखो! वे खुद को इतना बड़ा समझते हैं... उफ़!”

मैंने कहा, “मैं तुम्हारे साथ हूँ। मुझे भरोसा नहीं है—”
“ओह, तुम मेरे साथ हो?” थैलिया गुस्से से मेरी तरफ मुड़ी। “पर्सी, जिम में तुम क्या सोच रहे थे? तुमने डॉ. थॉर्न से अकेले ही मुकाबला किया? तुम्हें पता था कि वो एक राक्षस है!”
"मैं-"
“अगर हम साथ रहते, तो हम उसे बिना शिकारियों के दखल के पकड़ सकते थे। एनाबेथ शायद अभी भी ज़िंदा होती। क्या तुमने इस बारे में सोचा था?”
मेरा जबड़ा कस गया। मैंने कुछ कठोर बातें कहने के बारे में सोचा, और शायद कह भी देता, लेकिन तभी मैंने नीचे देखा और अपने पैरों के पास बर्फ में कुछ गहरे नीले रंग का पड़ा हुआ पाया। एनाबेथ की न्यूयॉर्क यांकीज़ बेसबॉल कैप।
थालिया ने एक शब्द भी नहीं कहा। उसने अपने गाल से एक आंसू पोंछा, मुड़ी और चली गई, मुझे बर्फ में कुचली हुई टोपी के साथ अकेला छोड़ दिया।
* * *
शिकारियों ने कुछ ही मिनटों में अपना शिविर लगा लिया। चांदी के रेशम से बने सात बड़े तंबू, अलाव के एक तरफ अर्धचंद्राकार आकार में लगे थे। लड़कियों में से एक ने चांदी की सीटी बजाई, और जंगल से एक दर्जन सफेद भेड़िये निकल आए। वे पहरेदार कुत्तों की तरह शिविर के चारों ओर चक्कर लगाने लगे। शिकारी उनके बीच चले और उन्हें निडर होकर दाना खिलाया, लेकिन मैंने तंबुओं के पास ही रहने का फैसला किया। बाज़ पेड़ों से हमें देख रहे थे, आग की रोशनी में उनकी आँखें चमक रही थीं, और मुझे लगा कि वे भी पहरेदारी कर रहे हैं। मौसम भी मानो देवी की इच्छा के आगे झुक गया था। हवा अभी भी ठंडी थी, लेकिन हवा थम गई और बर्फ गिरना बंद हो गया, इसलिए आग के पास बैठना लगभग सुखद था।
लगभग... बस मेरे कंधे का दर्द और अपराधबोध मुझे दबा रहा था। मुझे यकीन नहीं हो रहा था कि एनाबेथ चली गई है। और थैलिया पर मुझे जितना गुस्सा आ रहा था, उतना ही मुझे यह भी लग रहा था कि वह सही कह रही थी। यह मेरी ही गलती थी।
एनाबेथ जिम में मुझसे क्या कहना चाहती थी? उसने कहा था, कुछ गंभीर बात। अब शायद मुझे कभी पता न चले। मैंने सोचा कि हम आधे गाने तक साथ नाचे थे, और मेरा दिल और भी भारी हो गया।
मैंने थालिया को शिविर के किनारे बर्फ में टहलते हुए देखा, वह निडर होकर भेड़ियों के बीच चल रही थी। वह रुकी और वेस्टओवर हॉल की ओर पीछे मुड़कर देखा, जो अब पूरी तरह से अंधेरा था और जंगल के उस पार पहाड़ी पर स्थित था। मैं सोच रहा था कि वह क्या सोच रही होगी।
सात साल पहले, थैलिया को उसके पिता ने मरने से बचाने के लिए एक चीड़ के पेड़ में बदल दिया था। उसने अपने दोस्तों ल्यूक और एनाबेथ को भागने का समय देने के लिए हाफ-ब्लड हिल की चोटी पर राक्षसों की सेना के खिलाफ डटकर मुकाबला किया था। उसे वापस इंसान बने अभी कुछ ही महीने हुए थे, और कभी-कभी वह इतनी स्थिर खड़ी रहती थी कि ऐसा लगता था मानो वह अभी भी पेड़ हो।

आखिरकार, एक शिकारी मेरा बैग लेकर आया। ग्रोवर और निको अपनी सैर से वापस आए, और ग्रोवर ने मेरे घायल हाथ का इलाज करने में मेरी मदद की।
“यह हरा है!” निको ने खुशी से कहा।
“शांत रहो,” ग्रोवर ने मुझसे कहा। “लो, कुछ अमृत खा लो, मैं इसे साफ कर देता हूँ।”
जब उसने घाव पर पट्टी बांधी तो मुझे दर्द हुआ, लेकिन अमृत के टुकड़े से आराम मिला। उसका स्वाद घर पर बने ब्राउनी जैसा था, जो मुंह में घुल गया और पूरे शरीर में गर्माहट का एहसास हुआ। उस अमृत और ग्रोवर द्वारा लगाए गए जादुई मरहम की वजह से कुछ ही मिनटों में मेरा कंधा ठीक हो गया।
निको ने अपने बैग में कुछ ढूँढा, जिसे जाहिर तौर पर हंटर्स ने उसके लिए पैक किया था, हालाँकि वे वेस्टओवर हॉल में बिना किसी को दिखे कैसे घुस आए, यह मुझे नहीं पता था। निको ने बर्फ पर कुछ छोटी-छोटी मूर्तियाँ रखीं—ग्रीक देवी-देवताओं और नायकों की छोटी-छोटी युद्ध प्रतिकृतियाँ। मैंने बिजली के बोल्ट के साथ ज़्यूस, भाले के साथ एरेस और सूर्य रथ के साथ अपोलो को पहचान लिया।
मैंने कहा, "बड़ा संग्रह है।"
निको मुस्कुराया। "मेरे पास लगभग सभी हैं, साथ ही उनके होलोग्राफिक कार्ड भी! खैर, कुछ बेहद दुर्लभ को छोड़कर।"
“आप यह खेल बहुत लंबे समय से खेल रहे हैं?”
“बस इसी साल। उससे पहले...” उन्होंने अपनी भौंहें सिकोड़ीं।
मैंने पूछा, “क्या?”
मैं भूल जाता हूँ। यह अजीब बात है।
वह थोड़ा परेशान लग रहा था, लेकिन यह ज्यादा देर तक नहीं रहा। "अरे, क्या मैं वह तलवार देख सकता हूँ जिसका तुम इस्तेमाल कर रहे थे?"
मैंने उसे रिपटाइड दिखाया और समझाया कि कैसे ढक्कन खोलते ही यह कलम से तलवार में बदल जाती है।
वाह! क्या इसकी स्याही कभी खत्म होती है?
"उम, वैसे, मैं वास्तव में इससे लिखता नहीं हूँ।"
"क्या तुम सचमुच पोसीडॉन के पुत्र हो?"
"अच्छी तरह से हाँ।"
तो क्या तुम वाकई अच्छी तरह से सर्फिंग कर सकते हो?
मैंने ग्रोवर की तरफ देखा, जो अपनी हंसी रोकने की पूरी कोशिश कर रहा था।
“अरे यार, निको,” मैंने कहा। “मैंने तो कभी कोशिश ही नहीं की।”
वह लगातार सवाल पूछता रहा। क्या मैं थैलिया से बहुत लड़ता था, क्योंकि वह ज़्यूस की बेटी थी? (मैंने इसका जवाब नहीं दिया।) अगर एनाबेथ की माँ ज्ञान की देवी एथेना थी, तो एनाबेथ को चट्टान से गिरने की समस्या का समाधान क्यों नहीं सूझा? (मैंने निको को यह सवाल पूछने पर गला घोंटने से खुद को रोका।) क्या एनाबेथ

मेरी प्रेमिका थी? (इस समय, मेरा मन कर रहा था कि उस लड़के को मांस के स्वाद वाले बोरे में डालकर भेड़ियों के सामने फेंक दूं।)
मुझे लगा कि किसी भी पल वह मुझसे पूछेगा कि मेरे पास कितने हिट पॉइंट्स हैं, और मैं अपना आपा पूरी तरह खो दूंगा, लेकिन तभी ज़ोई नाइटशेड हमारे पास आ गई।
“पर्सी जैक्सन।”
उसकी गहरी भूरी आँखें और थोड़ी उठी हुई नाक थी। अपने चाँदी के मुकुट और गर्व भरे भाव के साथ, वह इतनी राजसी लग रही थी कि मुझे सीधे बैठकर "जी महोदया" कहने की इच्छा को रोकना पड़ा। उसने मुझे घृणा से देखा, मानो मैं गंदे कपड़ों का कोई थैला हूँ जिसे लाने के लिए उसे भेजा गया हो।
“मेरे साथ आओ,” उसने कहा। “लेडी आर्टेमिस तुमसे बात करना चाहती हैं।”
* * *
ज़ोई मुझे आखिरी तंबू तक ले गई, जो बाकी तंबुओं से बिल्कुल अलग नहीं दिख रहा था, और उसने मुझे अंदर आने का इशारा किया। बियांका डि एंजेलो उस भूरे बालों वाली लड़की के बगल में बैठी थी, जिसे मैं अब भी आर्टेमिस के रूप में पहचानने में असमर्थ थी।
तंबू के अंदर का वातावरण गर्म और आरामदायक था। फर्श पर रेशमी कालीन और तकिए बिछे थे। बीच में, सोने की एक अंगीठी बिना ईंधन या धुएं के जलती हुई प्रतीत हो रही थी। देवी के पीछे, पॉलिश किए हुए ओक की लकड़ी के एक स्टैंड पर, उनका विशाल चांदी का धनुष रखा था, जिसे हिरण के सींगों की तरह तराशा गया था। दीवारों पर जानवरों की खालें टंगी थीं: काले भालू, बाघ और कई अन्य जिन्हें मैं पहचान नहीं पाया। मैंने सोचा कि पशु अधिकार कार्यकर्ता को इतनी दुर्लभ खालें देखकर दिल का दौरा पड़ जाता, लेकिन शायद चूंकि आर्टेमिस शिकार की देवी थीं, इसलिए वह अपने शिकार से प्राप्त जानवरों की भरपाई कर सकती थीं। मुझे लगा कि उनके पास किसी और जानवर की खाल पड़ी है, और फिर मुझे एहसास हुआ कि वह एक जीवित जानवर था - एक हिरण जिसकी चमकदार खाल और चांदी के सींग थे, जिसका सिर आर्टेमिस की गोद में आराम से टिका हुआ था।
“हमारे साथ जुड़ो, पर्सी जैक्सन,” देवी ने कहा।
मैं तंबू के फर्श पर उसके सामने बैठ गई। देवी मुझे घूर रही थी, जिससे मुझे असहजता महसूस हुई। एक युवा लड़की के लिए उसकी आँखें बहुत बूढ़ी लग रही थीं।
“क्या मेरी उम्र देखकर आपको हैरानी हुई?” उसने पूछा।
“अह...थोड़ा सा।”
“मैं एक वयस्क महिला के रूप में, या धधकती आग के रूप में, या जो भी मैं चाहूँ, प्रकट हो सकती हूँ, लेकिन मुझे यही पसंद है। मेरे शिकारियों की औसत आयु यही है, और उन सभी युवतियों की भी, जिनकी मैं संरक्षक हूँ, भटकने से पहले यही आयु होती है।”
“भटक जाना?” मैंने पूछा।

“बड़ी हो जाओ। लड़कों के प्रति आकर्षित हो जाओ। नासमझ, मग्न, असुरक्षित हो जाओ। खुद को भूल जाओ।”

"ओह।"

ज़ोई आर्टेमिस के दाहिनी ओर बैठ गई। उसने मुझे ऐसे घूरा जैसे आर्टेमिस ने जो कुछ भी कहा था, वह सब मेरी गलती हो, जैसे मैंने ही लड़के होने का विचार ईजाद किया हो।

“अगर मेरे शिकारी तुम्हारा स्वागत न करें तो तुम्हें उन्हें माफ कर देना,” आर्टेमिस ने कहा। “इस शिविर में लड़कों का होना बहुत ही दुर्लभ है। लड़कों को आमतौर पर शिकारियों से किसी भी तरह का संपर्क रखने की मनाही होती है। इस शिविर को देखने वाला आखिरी लड़का...” उसने ज़ोई की ओर देखा। “वह कौन था?”

"कोलोराडो का वो लड़का," ज़ोई ने कहा। "तुमने उसे एक सियार बना दिया था।"

“हाँ, बिल्कुल।” आर्टेमिस ने संतुष्टि से सिर हिलाया। “मुझे जैकलोप्स बनाना अच्छा लगता है। खैर, पर्सी, मैंने तुम्हें यहाँ इसलिए बुलाया है ताकि तुम मुझे मैन्टिकोर के बारे में और बता सको। बियांका ने उस राक्षस की कुछ... उम्म, परेशान करने वाली बातें बताई हैं। लेकिन शायद वो उन्हें समझ नहीं पाई। मैं ये बातें तुमसे सुनना चाहती हूँ।”

और इसलिए मैंने उसे बता दिया।

जब मैंने अपना काम पूरा कर लिया, तो आर्टेमिस ने सोच-विचार करते हुए अपना हाथ अपने चांदी के धनुष पर रखा। "मुझे डर था कि यही जवाब होगा।"

ज़ोई आगे झुकी। "यह खुशबू, मेरी मालकिन?"

"हाँ।"

मैंने पूछा, "कौन सी खुशबू?"

“ऐसी चीजें हलचल मचा रही हैं जिनका मैंने हजारों सालों से शिकार नहीं किया है,” आर्टेमिस ने धीरे से कहा। “इतने पुराने शिकार जिन्हें मैं लगभग भूल ही चुकी हूँ।”

उसने मुझे गौर से देखा। “हम आज रात यहाँ मैन्टिकोर की आशंका से आए थे, लेकिन वह वह नहीं था जिसकी मुझे तलाश थी। मुझे फिर से बताओ, डॉक्टर थॉर्न ने ठीक-ठीक क्या कहा था।”

“उम, ‘मुझे मिडिल स्कूल के डांस से नफरत है।’”

नहीं, नहीं। उसके बाद।

“उसने कहा कि जनरल नाम का कोई व्यक्ति मुझे सब कुछ समझाएगा।” ज़ोई का चेहरा पीला पड़ गया। वह आर्टेमिस की ओर मुड़ी और कुछ कहने लगी, लेकिन आर्टेमिस ने अपना हाथ उठा दिया। “बोल दो, पर्सी,” देवी ने कहा। “अच्छा, तो थॉर्न उस महान उथल-पुथल के बारे में बात कर रहा था—”

"हिलाना," बियांका ने सुधार किया।

“हाँ। और उसने कहा, ‘जल्द ही हमारे सामने सबसे महत्वपूर्ण राक्षस होगा—वही जो ओलंपस के पतन का कारण बनेगा।’”

देवी इतनी स्थिर थीं मानो कोई मूर्ति हों। "शायद वह झूठ बोल रहा था," मैंने कहा। आर्टेमिस ने सिर हिलाया। "नहीं। वह झूठ नहीं बोल रहा था। मैं संकेतों को समझने में बहुत देर कर गई। मुझे इस राक्षस का शिकार करना ही होगा।" ज़ोई डर को छिपाने की बहुत कोशिश कर रही थी, लेकिन उसने सिर हिलाया। "हम अभी निकलेंगे, मेरी देवी।"

“नहीं, ज़ोई। मुझे यह अकेले ही करना होगा।”

लेकिन, आर्टेमिस—”

“यह काम तो शिकारियों के लिए भी बहुत खतरनाक है। तुम जानते हो कि मुझे अपनी खोज कहाँ से शुरू करनी है। तुम मेरे साथ वहाँ नहीं जा सकते।”

"जैसा आप चाहें, मेरी महिला।"

“मैं इस प्राणी को ढूंढ निकालूंगी,” आर्टेमिस ने प्रतिज्ञा की। “और मैं इसे शीतकालीन संक्रांति तक ओलंपस वापस ले आऊंगी। यही मेरे लिए देवताओं की परिषद को यह समझाने का पर्याप्त प्रमाण होगा कि हम कितने बड़े खतरे में हैं।”

मैंने पूछा, "क्या तुम जानते हो कि वह राक्षस कौन है?"

आर्टेमिस ने अपने धनुष को कसकर पकड़ा। "चलो प्रार्थना करते हैं कि मैं गलत साबित होऊं।"

मैंने पूछा, "क्या देवियां प्रार्थना कर सकती हैं?" क्योंकि मैंने इस बारे में कभी सोचा ही नहीं था।

आर्टेमिस के होठों पर हल्की सी मुस्कान आ गई। "जाने से पहले, पर्सी जैक्सन, तुम्हारे लिए एक छोटा सा काम है।"

"क्या इसमें एक सियार में परिवर्तित होना शामिल है?"

"दुर्भाग्यवश, नहीं। मैं चाहता हूँ कि तुम हंटर्स को वापस कैंप हाफ-ब्लड तक पहुँचा दो। मेरे लौटने तक वे वहाँ सुरक्षित रह सकते हैं।"

“क्या?” ज़ोई ने अचानक कहा। “लेकिन, आर्टेमिस, हमें वह जगह बिल्कुल पसंद नहीं है। पिछली बार जब हम वहाँ रुके थे—”

“हाँ, मुझे पता है,” आर्टेमिस ने कहा। “लेकिन मुझे यकीन है कि डायोनिसस एक छोटी सी, अह, गलतफहमी की वजह से नाराज़ नहीं होंगे। जब भी आपको ज़रूरत हो, केबिन आठ का इस्तेमाल करना आपका अधिकार है। इसके अलावा, मैंने सुना है कि आपने जिन केबिनों को जला दिया था, उन्हें फिर से बना दिया गया है।”

ज़ोई ने कुछ बुदबुदाते हुए मूर्ख शिविरार्थियों के बारे में कुछ कहा।

“और अब बस एक आखिरी फैसला लेना बाकी है।” आर्टेमिस ने बियांका की ओर मुड़कर पूछा, “क्या तुमने अपना मन बना लिया है, मेरी बच्ची?”

बियांका हिचकिचाई। "मैं अभी भी इसके बारे में सोच रही हूँ।"

मैंने कहा, "रुको। किस बारे में सोच रहे हो?"

“उन्होंने...उन्होंने मुझे शिकार में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।”
“क्या? लेकिन तुम नहीं आ सकते! तुम्हें कैंप हाफ-ब्लड आना होगा ताकि चिरोन तुम्हें प्रशिक्षण दे सके। यही एकमात्र तरीका है जिससे तुम जीवित रहना सीख सकते हो।”
"लड़की के लिए यही एकमात्र रास्ता नहीं है," ज़ोई ने कहा।
मुझे यकीन नहीं हो रहा था कि मैं यह सुन रही हूँ। "बियान्का, कैंप बहुत बढ़िया है! वहाँ पेगासस का अस्तबल है, तलवारबाजी का अखाड़ा है और... मेरा मतलब है, हंटर्स में शामिल होने से क्या मिलता है?"
ज़ोई ने कहा, "सबसे पहले तो अमरता की बात करते हैं।"
मैंने उसे घूरकर देखा, फिर आर्टेमिस को। "वह मजाक कर रही है, है ना?"
“ज़ोई शायद ही कभी किसी बात पर मज़ाक करती है,” आर्टेमिस ने कहा। “मेरे शिकारी मेरे साथ मेरे अभियानों में चलते हैं। वे मेरी सेविकाएँ हैं, मेरी साथी हैं, मेरी सहेलियाँ हैं। एक बार जब वे मेरे प्रति वफ़ादारी की शपथ ले लेती हैं, तो वे वास्तव में अमर हो जाती हैं...जब तक कि वे युद्ध में शहीद न हो जाएँ, जो कि असंभव है। या फिर अपनी शपथ तोड़ दें।”
मैंने कहा, "कौन सी शपथ?"
“हमेशा के लिए प्रेम-प्रसंग का त्याग करना,” आर्टेमिस ने कहा। “कभी बड़ी न होना, कभी शादी न करना। हमेशा कुंवारी रहना।”
"आप की तरह?"
देवी ने सिर हिलाया।
मैंने यह कल्पना करने की कोशिश की कि वह क्या कह रही थी। अमर होना। हमेशा के लिए सिर्फ़ मिडिल स्कूल की लड़कियों के साथ घूमना। यह बात मेरी समझ से परे थी। "तो तुम पूरे देश में घूम-घूमकर आधे-आधे इंसानों को भर्ती करते हो—"
“सिर्फ़ आधे-आधे इंसान ही नहीं,” ज़ोई ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “देवी आर्टेमिस जन्म के आधार पर भेदभाव नहीं करतीं। जो भी देवी का आदर करते हैं, वे सभी शामिल हो सकते हैं। आधे-आधे इंसान, अप्सराएँ, नश्वर मनुष्य—”
तो फिर आप कौन हैं?
ज़ोई की आँखों में क्रोध झलक रहा था। "यह तुम्हारा काम नहीं है, बेटा। असल बात यह है कि बियांका चाहे तो शामिल हो सकती है। यह उसकी मर्ज़ी है।"
“बियान्का, ये तो पागलपन है,” मैंने कहा। “तुम्हारे भाई का क्या? निको हंटर नहीं हो सकता।”
“बिल्कुल नहीं,” आर्टेमिस ने सहमति जताते हुए कहा। “वह कैंप जाएगा। दुर्भाग्य से, लड़कों के लिए इससे बेहतर विकल्प और कोई नहीं है।”
“अरे!” मैंने विरोध किया।

“तुम उससे कभी-कभार मिल सकती हो,” आर्टेमिस ने बियांका को भरोसा दिलाया। “लेकिन तुम ज़िम्मेदारी से मुक्त रहोगी। शिविर के काउंसलर उसकी देखभाल करेंगे। और तुम्हें एक नया परिवार मिलेगा। हम सब।”
“एक नया परिवार,” बियांका ने स्वप्निल भाव से दोहराया। “जिम्मेदारी से मुक्त।”
मैंने कहा, "बियांका, तुम ऐसा नहीं कर सकती। यह पागलपन है।"
उसने ज़ोई की तरफ देखा। "क्या यह सब करने लायक है?"
ज़ोई ने सिर हिलाया। "हाँ, ऐसा ही है।"
"मुझे क्या करना है?"
ज़ोई ने उससे कहा, "यह कहो, 'मैं स्वयं को देवी आर्टेमिस को समर्पित करती हूँ।'"
मैं...मैं स्वयं को देवी आर्टेमिस को समर्पित करता हूँ।
“‘मैं पुरुषों की संगति से मुंह मोड़ लेती हूं, शाश्वत कौमार्य को स्वीकार करती हूं, और शिकार में शामिल हो जाती हूं।’”
बियांका ने वही पंक्तियाँ दोहराईं। "बस इतना ही?"
ज़ोई ने सिर हिलाया। "अगर लेडी आर्टेमिस तुम्हारी प्रतिज्ञा स्वीकार कर लेती हैं, तो यह बाध्यकारी होगी।"
“मैं इसे स्वीकार करती हूँ,” आर्टेमिस ने कहा।
अंगीठी की लपटें तेज हो गईं, जिससे कमरे में चांदी जैसी चमक फैल गई। बियांका में कोई बदलाव नहीं दिखा, लेकिन उसने गहरी सांस ली और अपनी आंखें चौड़ी कर लीं। "मैं... पहले से ज़्यादा मज़बूत महसूस कर रही हूँ।"
"स्वागत है, बहन," ज़ोई ने कहा।
“अपनी प्रतिज्ञा याद रखो,” आर्टेमिस ने कहा। “अब यही तुम्हारा जीवन है।”
मैं कुछ बोल नहीं पा रहा था। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं किसी के बीच घुसपैठिया हूँ। और पूरी तरह से नाकाम हो गया हूँ। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मैं इतनी दूर आया और इतना कष्ट सहा, सिर्फ इसलिए कि बियांका को लड़कियों के किसी चिरस्थायी समूह के हाथों खो दूँ।
“निराश मत हो, पर्सी जैक्सन,” आर्टेमिस ने कहा। “तुम्हें अभी भी डी एंजेलो परिवार को अपना शिविर दिखाने का मौका मिलेगा। और अगर निको चाहे तो वह वहीं रह सकता है।”
मैंने चिड़चिड़ापन छिपाने की कोशिश करते हुए कहा, "बहुत बढ़िया। हम वहाँ कैसे पहुँचेंगे?"
आर्टेमिस ने अपनी आँखें बंद कर लीं। “भोर होने वाली है। ज़ोई, अपना डेरा हटाओ। तुम्हें जल्दी और सुरक्षित रूप से लॉन्ग आइलैंड पहुँचना होगा। मैं अपने भाई से सवारी का इंतज़ाम करूँगी।”
ज़ोई इस विचार से ज़्यादा खुश नहीं लग रही थी, लेकिन उसने सिर हिलाया और बियांका को अपने पीछे आने को कहा। जाते समय बियांका मेरे सामने रुक गई। "मुझे माफ़ करना, पर्सी। लेकिन मैं यही चाहती हूँ। मैं सचमुच यही चाहती हूँ।"
फिर वह चली गई, और मैं उस बारह वर्षीय देवी के साथ अकेला रह गया।

“तो,” मैंने उदास स्वर में कहा। “हमें तुम्हारे भाई से लिफ्ट लेनी पड़ेगी, है ना?”
आर्टेमिस की चांदी जैसी आंखें चमक उठीं। "हां, बेटा। देखो, बियांका डि एंजेलो अकेली नहीं है जिसका भाई परेशान करने वाला है। अब समय आ गया है कि तुम मेरे गैरजिम्मेदार जुड़वां भाई अपोलो से मिलो।"

चार

थैलिया ने न्यू इंग्लैंड को जला दिया

आर्टेमिस ने हमें भरोसा दिलाया था कि सुबह होने वाली है, लेकिन मुझे तो बिल्कुल भी यकीन नहीं हो रहा था। ठंड पहले से कहीं ज़्यादा थी, अंधेरा था और बर्फ़बारी भी पहले से कहीं ज़्यादा थी। पहाड़ी पर वेस्टओवर हॉल की खिड़कियाँ बिल्कुल भी रोशन नहीं थीं। मैं सोच रहा था कि क्या शिक्षकों ने अभी तक ध्यान दिया है कि डि एंजेलो और डॉ. थॉर्न गायब हैं। मैं नहीं चाहता था कि जब उन्हें पता चले तब मैं वहाँ मौजूद रहूँ। मेरी किस्मत ऐसी है कि श्रीमती गॉट्सचॉक को सिर्फ़ "पर्सी जैक्सन" नाम ही याद रहेगा, और फिर मैं पूरे देश में तलाशी अभियान का हिस्सा बन जाऊँगा... एक बार फिर।

शिकारियों ने जितनी जल्दी अपना डेरा लगाया था, उतनी ही जल्दी उसे समेट भी लिया। मैं बर्फ में कांपता हुआ खड़ा था (शिकारियों के विपरीत, जिन्हें ज़रा भी तकलीफ नहीं हो रही थी), और आर्टेमिस पूरब की ओर ऐसे देख रही थी जैसे किसी चीज़ का इंतज़ार कर रही हो। बियांका एक तरफ बैठी निको से बात कर रही थी। उसके उदास चेहरे से मैं समझ गया कि वह उसे शिकार दल में शामिल होने के अपने फैसले के बारे में समझा रही थी। मैं यह सोचे बिना नहीं रह सका कि अपने भाई को इस तरह छोड़ देना उसका कितना स्वार्थपूर्ण काम था।

थालिया और ग्रोवर मेरे पास आकर मेरे चारों ओर जमा हो गए, वे यह जानने के लिए उत्सुक थे कि देवी के साथ मेरी मुलाकात में क्या हुआ था।

जब मैंने उन्हें यह बताया, तो ग्रोवर का चेहरा पीला पड़ गया। "पिछली बार जब हंटर्स शिविर में आए थे, तो बात अच्छी नहीं रही थी।"

मैंने सोचा, "ये लोग यहाँ आ कैसे गए? मेरा मतलब है, ये तो अचानक कहीं से प्रकट हो गए।"

“और बियांका भी उनके साथ शामिल हो गई,” थालिया ने घृणा से कहा। “यह सब ज़ोई की गलती है। वह घमंडी, निकम्मी—”

“उसे कौन दोष दे सकता है?” ग्रोवर ने कहा। “आर्टेमिस के साथ अनंत काल?” उसने एक गहरी आह भरी।

थालिया ने आंखें घुमाईं। "तुम सैटायर! तुम सब आर्टेमिस से प्यार करते हो। क्या तुम्हें यह समझ नहीं आता कि वह तुम्हें कभी प्यार नहीं करेगी?"

"लेकिन वह तो प्रकृति से बहुत प्यार करती है," ग्रोवर भावुक हो गया।

"तुम पागल हो," थालिया ने कहा।

“मेवे और जामुन,” ग्रोवर ने स्वप्निल भाव से कहा। “हाँ।”

अंततः आकाश में रोशनी फैलने लगी। आर्टेमिस ने बुदबुदाते हुए कहा, "आखिरकार! वह सर्दियों में बहुत आलसी हो जाता है।"
मैंने पूछा, "आप, उम, सूर्योदय का इंतजार कर रहे हैं?"
“मेरे भाई के लिए। हाँ।”
मैं असभ्य नहीं बनना चाहता था। मतलब, मुझे अपोलो—या कभी-कभी हेलिओस—के बारे में कहानियाँ तो पता थीं कि वो आकाश में सूर्य के विशाल रथ को चलाते हैं। लेकिन मुझे ये भी पता था कि सूर्य वास्तव में अरबों मील दूर स्थित एक तारा है। मुझे कुछ यूनानी मिथकों के सच होने की आदत हो गई थी, लेकिन फिर भी... मुझे समझ नहीं आता था कि अपोलो सूर्य को कैसे चला सकता है।
"यह बिल्कुल वैसा नहीं है जैसा आप सोच रहे हैं," आर्टेमिस ने कहा, मानो वह मेरे मन की बात पढ़ रही हो।
“ओह, ठीक है।” मैं थोड़ा शांत हुआ। “तो, ऐसा तो नहीं है कि वो किसी गाड़ी में आएगा—”
क्षितिज पर अचानक प्रकाश की एक तेज किरण दिखाई दी। गर्माहट का एक झोंका सा।
“मत देखो,” आर्टेमिस ने सलाह दी। “जब तक वह गाड़ी पार्क न कर दे, तब तक मत देखो।”
पार्क?
मैंने अपनी नज़रें हटा लीं और देखा कि बाकी बच्चे भी ऐसा ही कर रहे थे। रोशनी और गर्मी इतनी तेज़ हो गई कि मुझे लगा जैसे मेरा विंटर कोट मेरे शरीर से पिघल रहा हो। फिर अचानक रोशनी थम गई।
मैंने देखा। और मुझे यकीन नहीं हुआ। यह मेरी कार थी। खैर, कम से कम वही कार जो मैं चाहता था। एक लाल रंग की कन्वर्टिबल मासेराती स्पाइडर। यह इतनी शानदार थी कि चमक रही थी। फिर मुझे एहसास हुआ कि धातु के गर्म होने के कारण यह चमक रही थी। मासेराती के चारों ओर बर्फ एक पूर्ण वृत्त में पिघल गई थी, जिससे यह बात समझ में आई कि मैं अब हरी घास पर खड़ा था और मेरे जूते गीले थे।
ड्राइवर मुस्कुराते हुए बाहर निकला। वह लगभग सत्रह या अठारह साल का लग रहा था, और एक पल के लिए मुझे लगा कि कहीं यह मेरा पुराना दुश्मन ल्यूक तो नहीं है। इस लड़के के बाल भी वैसे ही सुनहरे थे और चेहरा भी ल्यूक जैसा ही आकर्षक था। लेकिन यह ल्यूक नहीं था। यह लड़का ल्यूक से लंबा था, और उसके चेहरे पर ल्यूक की तरह कोई निशान नहीं था। उसकी मुस्कान पहले से कहीं ज्यादा खिलखिलाती और चंचल थी। (ल्यूक आजकल बस गुस्से से घूरता और ताना मारता रहता था।) मासेराती के ड्राइवर ने जींस, लोफर्स और बिना आस्तीन की टी-शर्ट पहनी हुई थी।
“वाह,” थालिया ने बुदबुदाते हुए कहा। “अपोलो कितना आकर्षक है।”
मैंने कहा, "वह सूर्य देवता हैं।"
"मेरा ये मतलब नहीं था।"
“छोटी बहन!” अपोलो ने पुकारा। अगर उसके दांत और भी सफेद होते तो वो बिना सन कार के भी हमें अंधा कर सकता था। “क्या हुआ? तुम कभी फोन नहीं करते, कभी चिट्ठी नहीं लिखते। मुझे चिंता होने लगी थी!”
आर्टेमिस ने आह भरी। “मैं ठीक हूँ, अपोलो। और मैं तुम्हारी छोटी बहन नहीं हूँ।”

"अरे, मैं पहले पैदा हुआ था।"
“हम जुड़वा हैं! हमें कितने सहस्राब्दियों तक बहस करनी पड़ेगी—”
“तो क्या चल रहा है?” उसने बीच में ही टोकते हुए कहा। “लगता है लड़कियाँ भी साथ हैं। आप सबको तीरंदाजी के कुछ टिप्स चाहिए?”
आर्टेमिस ने दांत पीसते हुए कहा, "मुझे एक मदद चाहिए। मुझे अकेले शिकार पर जाना है। मुझे आपसे अपने साथियों को कैंप हाफ-ब्लड तक ले जाने की ज़रूरत है।"
“ज़रूर, बहन!” फिर उसने सब कुछ रोकने के इशारे में अपने हाथ ऊपर उठा लिए। “मुझे लग रहा है कि मुझे एक हाइकू कविता लिखनी है।”
सभी शिकारी आहें भरने लगे। जाहिर है, वे अपोलो से पहले भी मिल चुके थे।
उसने अपना गला साफ किया और नाटकीय अंदाज में एक हाथ ऊपर उठाया।
बर्फ के बीच से हरी घास निकल रही है।
आर्टेमिस मुझसे मदद की गुहार लगा रही है।
मै बहुत शांत हूँ।"
वह हमारी ओर देखकर मुस्कुराया और तालियों की प्रतीक्षा करने लगा।
"आखिरी पंक्ति में केवल चार अक्षर थे," आर्टेमिस ने कहा।
अपोलो ने भौंहें चढ़ा लीं। "क्या सच में?"
“हाँ। क्या मैं इतना घमंडी हूँ?”
“नहीं, नहीं, इसमें छह अक्षर हैं। हम्म।” वह खुद से बुदबुदाने लगा।
ज़ोई नाइटशेड ने हमारी ओर मुड़कर कहा, “भगवान अपोलो जापान जाने के बाद से ही हाइकू कविताओं के दौर से गुज़र रहे हैं। यह उतना बुरा नहीं है जितना कि लिमरिक जाने के समय था। अगर मुझे एक और कविता सुननी पड़ती जो इस वाक्य से शुरू होती, ‘एक समय स्पार्टा की एक देवी थी’—”
“मुझे मिल गया!” अपोलो ने घोषणा की। “मैं बहुत ही शानदार हूँ। ये पाँच अक्षर हैं!” उसने झुककर अभिवादन किया, मानो वह खुद से बहुत खुश हो।
और अब, बहन। शिकारियों के लिए परिवहन की बात कर रही हो? बढ़िया समय है। मैं तो बस निकलने ही वाली थी।
“इन अर्धदेवताओं को भी सवारी की ज़रूरत होगी,” आर्टेमिस ने हमारी ओर इशारा करते हुए कहा। “ये चिरोन के कुछ शिविरार्थी हैं।”
“कोई बात नहीं!” अपोलो ने हमें गौर से देखा। “देखते हैं... थैलिया, है ना? मैंने तुम्हारे बारे में बहुत कुछ सुना है।”
थालिया शरमा गई। "नमस्कार, भगवान अपोलो।"

“ज़्यूस की बेटी, है ना? तो तुम मेरी सौतेली बहन हो। पहले एक पेड़ हुआ करती थी, है ना? अच्छा हुआ तुम वापस आ गई। मुझे नफ़रत होती है जब खूबसूरत लड़कियाँ पेड़ बन जाती हैं। यार, मुझे एक बार की बात याद है—”
“भाई,” आर्टेमिस ने कहा। “तुम्हें अब जाना चाहिए।”
“ओह, ठीक है।” फिर उसने मेरी तरफ देखा और उसकी आँखें सिकुड़ गईं। “पर्सी जैक्सन?”
“जी हाँ। मेरा मतलब है...जी हाँ, महोदय।”
एक किशोर को "सर" कहना थोड़ा अजीब लग रहा था, लेकिन मैंने अमर लोगों के साथ सावधानी बरतना सीख लिया था। वे आसानी से नाराज़ हो जाते थे। फिर वे चीज़ों को उड़ा देते थे।
अपोलो ने मुझे गौर से देखा, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा, जो मुझे थोड़ा अजीब लगा।
“अच्छा!” उसने आखिरकार कहा। “हमें सामान लाद लेना चाहिए, है ना? सवारी तो सिर्फ एक ही दिशा में जाती है—पश्चिम की ओर। और अगर चूक गए तो चूक जाओगे।”
मैंने मासेराती कार को देखा, जिसमें अधिकतम दो लोग बैठ सकते थे। हम लगभग बीस लोग थे।
“शानदार कार,” निको ने कहा।
“धन्यवाद, बच्चे,” अपोलो ने कहा।
"लेकिन हम सब इसमें कैसे समा पाएंगे?"
“ओह।” अपोलो को पहली बार समस्या का एहसास हुआ। “हाँ, ठीक है। मुझे स्पोर्ट्स-कार मोड से बाहर निकलना पसंद नहीं है, लेकिन लगता है...”
उसने अपनी कार की चाबियां निकालीं और सुरक्षा अलार्म का बटन दबा दिया। चहचहाहट, चहचहाहट।
एक पल के लिए, कार फिर से तेज़ी से चमक उठी। चमक फीकी पड़ते ही, मासेराती की जगह वैसी ही टर्टल टॉप शटल बसें खड़ी थीं जैसी हम स्कूल के बास्केटबॉल मैचों के लिए इस्तेमाल करते थे।
“ठीक है,” उसने कहा। “सब लोग अंदर आ जाओ।”
ज़ोई ने शिकारियों को सामान लादने का आदेश दिया। उसने अपना कैंपिंग बैग उठाया, और अपोलो ने कहा, "लो, प्यारी। मुझे इसे लेने दो।"
ज़ोई पीछे हट गई। उसकी आँखों में जानलेवा गुस्सा झलक रहा था।
“भाई,” आर्टेमिस ने फटकारा। “तुम मेरे शिकारियों की मदद नहीं करते। तुम मेरे शिकारियों को देखते भी नहीं, उनसे बात भी नहीं करते, न ही उनके साथ छेड़छाड़ करते हो। और तुम उन्हें प्रियतम भी नहीं कहते।”
अपोलो ने अपने हाथ फैलाए। "माफ़ करना। मैं भूल गया था। अरे बहन, तुम कहाँ जा रही हो?"
“शिकार,” आर्टेमिस ने कहा। “इससे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है।”
मैं पता लगा लूंगा। मैं सब कुछ देखता हूं। सब कुछ जानता हूं।
आर्टेमिस ने चिढ़कर कहा, "बस उन्हें छोड़ दो, अपोलो। और कोई झंझट मत करो!"
नहीं, नहीं! मैं कभी मजाक नहीं करता।

आर्टेमिस ने अपनी आँखें घुमाईं, फिर हमारी ओर देखा। “मैं तुमसे शीतकालीन संक्रांति तक मिलूंगी। ज़ोई, तुम शिकारियों की प्रभारी हो। अच्छा करना। वैसा ही करना जैसा मैं करती।”
ज़ोई सीधी खड़ी हो गई। "जी हां, मेरी मालकिन।"
आर्टेमिस घुटनों के बल बैठी और ज़मीन को ऐसे छुआ जैसे किसी के पदचिह्न ढूंढ रही हो। जब वह उठी तो उसके चेहरे पर चिंता झलक रही थी। “बहुत बड़ा खतरा है। उस जानवर को ढूंढना ही होगा।”
वह जंगल की ओर दौड़ी और बर्फ और छाया में विलीन हो गई।
अपोलो मुड़ा और मुस्कुराया, अपनी उंगली पर कार की चाबियां खनकाते हुए बोला, "तो, कौन गाड़ी चलाना चाहता है?"

हंटर्स वैन में सवार हो गए। वे सभी पीछे की सीट पर ठसाठस बैठ गए ताकि अपोलो और हम जैसे बाकी संक्रामक पुरुषों से जितना हो सके दूर रह सकें। बियांका उनके साथ बैठी रही, और अपने छोटे भाई को हमारे साथ आगे बैठने के लिए छोड़ दिया, जो मुझे थोड़ा अजीब लगा, लेकिन निको को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा।
“ये तो कमाल है!” निको ने ड्राइवर की सीट पर उछलते हुए कहा। “क्या सच में ये सूरज है? मुझे तो लगा था कि हेलिओस और सेलेन सूर्य और चंद्रमा के देवता हैं। ऐसा क्यों है कि कभी-कभी वे होते हैं और कभी-कभी तुम और आर्टेमिस?”
“छंटनी,” अपोलो ने कहा। “रोमन लोगों ने इसकी शुरुआत की। वे मंदिर में होने वाले उन सभी बलिदानों का खर्च नहीं उठा सकते थे, इसलिए उन्होंने हेलिओस और सेलेने को हटा दिया और उनके कर्तव्यों को हमारे काम में शामिल कर दिया। मेरी बहन को चंद्रमा मिला। मुझे सूर्य मिला। शुरू में यह थोड़ा परेशान करने वाला था, लेकिन कम से कम मुझे यह शानदार कार तो मिल गई।”
“लेकिन यह काम कैसे करता है?” निको ने पूछा। “मुझे लगा था कि सूरज गैस का एक बड़ा आग का गोला है!”
अपोलो हँसा और निको के बालों को सहलाया। “यह अफवाह शायद इसलिए शुरू हुई होगी क्योंकि आर्टेमिस मुझे एक बड़ा आग का गोला कहा करती थी। सच में, बच्चे, यह इस बात पर निर्भर करता है कि तुम खगोल विज्ञान की बात कर रहे हो या दर्शनशास्त्र की। तुम खगोल विज्ञान की बात करना चाहते हो? अरे, इसमें क्या मज़ा है? तुम इस बारे में बात करना चाहते हो कि मनुष्य सूर्य के बारे में कैसे सोचते हैं? आह, अब यह ज़्यादा दिलचस्प है। उनका बहुत कुछ सूर्य पर निर्भर है... मतलब, सूर्य पर। यह उन्हें गर्म रखता है, उनकी फसलें उगाता है, इंजनों को शक्ति देता है, और हर चीज़ को, खैर, ज़्यादा चमकदार बनाता है। यह रथ सूर्य के बारे में मनुष्य के सपनों से बना है, बच्चे। यह पश्चिमी सभ्यता जितना पुराना है। हर दिन, यह पूरब से पश्चिम की ओर आकाश में यात्रा करता है, उन सभी नश्वर प्राणियों को रोशन करता है। यह रथ सूर्य की शक्ति का प्रतीक है, जिस तरह से मनुष्य इसे समझते हैं। समझ में आया?”

निको ने सिर हिलाकर कहा, "नहीं।"
"तो फिर, इसे एक बेहद शक्तिशाली, बेहद खतरनाक सौर ऊर्जा से चलने वाली कार के रूप में ही समझ लीजिए।"
"क्या मैं गाड़ी चलाऊं?"
नहीं। अभी बहुत छोटी है।
“ऊह! ऊह!” ग्रोवर ने अपना हाथ उठाया।
“हम्म, नहीं,” अपोलो ने कहा। “बहुत रोएँदार है।” उसने मेरी तरफ देखे बिना थैलिया पर ध्यान केंद्रित किया।
“ज़्यूस की पुत्री!” उसने कहा। “आकाश की स्वामी। एकदम सही।”
“ओह, नहीं।” थैलिया ने सिर हिलाया। “नहीं, धन्यवाद।”
“चलो बताओ,” अपोलो ने कहा। “तुम्हारी उम्र कितनी है?”
थालिया हिचकिचाई। "मुझे नहीं पता।"
यह दुखद था, पर सच था। बारह साल की उम्र में उसे पेड़ में बदल दिया गया था, लेकिन सात साल पहले की बात है। उम्र के हिसाब से तो उसे उन्नीस साल का होना चाहिए था। लेकिन उसे अब भी लगता था कि वह बारह साल की है, और अगर उसे देखा जाए तो वह बीच की उम्र की लगती थी। काइरन के अनुमान के अनुसार, पेड़ के रूप में रहते हुए भी उसकी उम्र बढ़ती रही, लेकिन बहुत धीमी गति से।
अपोलो ने अपनी उंगली होठों पर रखी। "तुम पंद्रह साल के हो, लगभग सोलह साल के।"
"आप यह कैसे जानते हैं?"
“अरे, मैं भविष्यवाणी का देवता हूँ। मुझे सब पता है। एक हफ्ते में तुम सोलह साल के हो जाओगे।”
“आज मेरा जन्मदिन है! 22 दिसंबर।”
“इसका मतलब है कि अब आप लर्नर परमिट के साथ गाड़ी चलाने के लिए काफी बड़े हो गए हैं!”
थालिया ने घबराकर अपने पैर हिलाए। "उह—"
“मुझे पता है तुम क्या कहोगे,” अपोलो ने कहा। “तुम सूर्य रथ चलाने जैसे सम्मान के लायक नहीं हो।”
मैं यह कहने वाला नहीं था।
“चिंता मत करो! मेन से लॉन्ग आइलैंड तक का सफर बहुत छोटा है, और मैंने जिस आखिरी बच्चे को ट्रेनिंग दी थी, उसके साथ क्या हुआ, इसकी चिंता मत करो। तुम ज़्यूस की बेटी हो। वो तुम्हें आसमान से नीचे नहीं गिराएगा।”
अपोलो ने सौम्य भाव से हँसा। हममें से बाकी लोग उसके साथ नहीं हँसे।
थालिया ने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन अपोलो किसी भी कीमत पर 'ना' सुनने को तैयार नहीं था। उसने डैशबोर्ड पर एक बटन दबाया, और विंडशील्ड के ऊपर एक साइनबोर्ड दिखाई दिया। मुझे उसे उल्टा पढ़ना पड़ा (जो कि डिस्लेक्सिया से पीड़ित व्यक्ति के लिए, सीधे पढ़ने से ज़्यादा अलग नहीं होता)। मुझे लगभग यकीन था कि उस पर लिखा था: चेतावनी: छात्र चालक।

“इसे ले जाओ!” अपोलो ने थैलिया से कहा। “तुम तो इसमें माहिर हो जाओगी!”

मैं मानती हूँ कि मुझे जलन हो रही थी। मैं गाड़ी चलाने के लिए बेताब थी। उस पतझड़ में, मेरी माँ मुझे दो-तीन बार मोंटॉक ले गई थीं जब बीच रोड खाली होती थी, और उन्होंने मुझे अपनी मज़्दा चलाने दी थी। मतलब, हाँ, वो एक जापानी कॉम्पैक्ट कार थी, और ये सूरज की सवारी, लेकिन आखिर फर्क क्या हो सकता था?
“गति से गर्मी बढ़ती है,” अपोलो ने सलाह दी। “इसलिए धीरे-धीरे शुरू करें, और पूरी रफ्तार बढ़ाने से पहले सुनिश्चित करें कि आपको पर्याप्त ऊंचाई मिल गई हो।”
थालिया ने स्टीयरिंग व्हील को इतनी कसकर पकड़ा कि उसकी उंगलियों के जोड़ सफेद पड़ गए। ऐसा लग रहा था जैसे उसे उल्टी आ जाएगी।
मैंने उससे पूछा, "क्या हुआ?"
“कुछ नहीं,” उसने कांपती हुई आवाज में कहा। “कुछ भी गलत नहीं है।”
उसने स्टीयरिंग व्हील को पीछे की ओर खींचा। स्टीयरिंग व्हील एक तरफ झुक गया और बस इतनी तेजी से ऊपर की ओर उछली कि मैं पीछे की ओर गिर गया और किसी नरम चीज से टकरा गया।
“आह,” ग्रोवर ने कहा।
"क्षमा मांगना।"
“धीरे!” अपोलो ने कहा।
“माफ़ कीजिए!” थालिया ने कहा। “मैंने सब कुछ संभाल लिया है!”
मैं किसी तरह उठ खड़ा हुआ। खिड़की से बाहर देखते हुए, मैंने उस खुले मैदान से पेड़ों का एक जलता हुआ घेरा देखा जहाँ से हमने उड़ान भरी थी।
मैंने कहा, "थालिया, एक्सीलरेटर पर पैर थोड़ा कम रखो।"
“मुझे समझ आ गया, पर्सी,” उसने दांत पीसते हुए कहा। लेकिन उसने अपनी बात पर कायम रही।
मैंने उससे कहा, "थोड़ा आराम करो।"
“मैं बिल्कुल ढीली हूँ!” थालिया ने कहा। वह इतनी अकड़ी हुई थी कि मानो प्लाईवुड की बनी हो।
अपोलो ने कहा, "हमें लॉन्ग आइलैंड के लिए दक्षिण की ओर मुड़ना होगा। बाईं ओर मुड़ें।"
थालिया ने स्टीयरिंग व्हील को झटका दिया और मुझे फिर से ग्रोवर की ओर धकेल दिया, जो चीख उठा।
“दूसरा वाला बायां,” अपोलो ने सुझाव दिया।
मैंने दोबारा खिड़की से बाहर देखने की गलती की। अब हम हवाई जहाज की ऊंचाई पर थे—इतनी ऊंचाई पर कि आसमान काला दिखने लगा था।
“आह...” अपोलो ने कहा, और मुझे लगा कि वह खुद को शांत दिखाने की कोशिश कर रहा है। “थोड़ा नीचे, जान। केप कॉड जम रहा है।”

थालिया ने पहिया घुमाया। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, माथे पर पसीने की बूँदें थीं। ज़रूर कुछ गड़बड़ थी। मैंने उसे पहले कभी इस हालत में नहीं देखा था।
बस ज़ोर से नीचे की ओर झुकी और किसी ने चीख मारी। शायद वो मैं ही थी। अब हम एक हज़ार मील प्रति घंटे की रफ्तार से सीधे अटलांटिक महासागर की ओर बढ़ रहे थे, न्यू इंग्लैंड का तट हमारे दाहिनी ओर था। और बस में गर्मी बढ़ती जा रही थी।
अपोलो को बस के पिछले हिस्से में कहीं फेंक दिया गया था, लेकिन वह सीटों की पंक्तियों पर चढ़ने लगा।
“गाड़ी की स्टीयरिंग संभालो!” ग्रोवर ने उससे विनती की।
“चिंता मत करो,” अपोलो ने कहा। वह काफी चिंतित दिख रहा था। “उसे बस सीखना होगा—अरे बाप रे!”
मैंने वही देखा जो वह देख रहा था। हमारे नीचे न्यू इंग्लैंड का एक छोटा सा बर्फ से ढका कस्बा था। कम से कम, पहले तो वह बर्फ से ढका रहता था। मेरी नज़रों के सामने ही पेड़ों, छतों और लॉन से बर्फ पिघल रही थी। एक गिरजाघर का सफेद शिखर भूरा पड़ गया और उसमें से धुआं निकलने लगा। पूरे कस्बे में जन्मदिन की मोमबत्तियों की तरह धुएं के छोटे-छोटे गुबार उठ रहे थे। पेड़ और छतें आग पकड़ रही थीं।
“गाड़ी रोको!” मैंने चिल्लाकर कहा।
थालिया की आँखों में एक अजीब सी चमक थी। उसने स्टीयरिंग व्हील को ज़ोर से खींचा, और इस बार मैंने उसे कसकर पकड़ लिया। जैसे ही हम तेज़ी से ऊपर की ओर बढ़े, मैंने पीछे की खिड़की से देखा कि शहर में लगी आग अचानक आई कड़ाके की ठंड से बुझ रही थी।
“देखो!” अपोलो ने इशारा किया। “लॉन्ग आइलैंड, बिल्कुल सामने। चलो ज़रा धीरे चलो, प्रिय। ‘बिल्कुल सामने’ तो बस एक मुहावरा है।”
थालिया उत्तरी लॉन्ग आइलैंड के तट की ओर तेज़ी से बढ़ रही थी। वहाँ कैंप हाफ-ब्लड था: घाटी, जंगल, समुद्र तट। मैं भोजन मंडप, केबिन और एम्फीथिएटर देख सकता था।
“मैं नियंत्रण में हूँ,” थालिया ने बुदबुदाते हुए कहा। “मैं नियंत्रण में हूँ।”
अब हम सिर्फ कुछ सौ गज की दूरी पर थे।
“ब्रेक लगाओ,” अपोलो ने कहा।
"मैं यह कर सकता है।"
“ब्रेक लगाओ!”
थालिया ने ब्रेक पर पैर पटका, और सूर्य बस पैंतालीस डिग्री के कोण पर आगे की ओर झुक गई, और एक ज़ोरदार 'फ्लूश!' की आवाज़ के साथ कैंप हाफ-ब्लड की डोंगी झील में जा गिरी। भाप का गुबार उठा, जिससे कई डरी हुई जलपरियां आधी बुनी हुई टोकरियाँ लिए पानी से बाहर भागने लगीं।
बस पानी की सतह पर तैरने लगी, साथ ही कुछ पलटी हुई, आधी पिघली हुई नावें भी।
“अच्छा,” अपोलो ने हिम्मत भरी मुस्कान के साथ कहा। “तुम सही थी, मेरी प्यारी। सब कुछ तुम्हारे नियंत्रण में था! चलो देखते हैं कि कहीं हमने किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति को उबाल तो नहीं दिया?”

पाँच

मैंने पानी के अंदर से फोन कॉल किया

मैंने इससे पहले कभी कैंप हाफ-ब्लड को सर्दियों में नहीं देखा था, और बर्फ देखकर मैं हैरान रह गया।

देखिए, इस शिविर में मौसम को नियंत्रित करने का अद्भुत जादुई यंत्र लगा हुआ है। जब तक निदेशक, श्री डी, न चाहें, कोई भी चीज़ सीमा के भीतर नहीं जा सकती। मैंने सोचा था कि मौसम गर्म और धूप वाला होगा, लेकिन इसके बजाय हल्की बर्फ़बारी हो रही थी। रथों के रास्ते और स्ट्रॉबेरी के खेतों पर पाला जमा हुआ था। केबिन छोटी-छोटी टिमटिमाती रोशनी से सजे थे, क्रिसमस की रोशनी की तरह, लेकिन ऐसा लग रहा था मानो वे सचमुच आग के गोले हों। जंगल में और भी रोशनी चमक रही थी, और सबसे अजीब बात यह थी कि बड़े घर की अटारी की खिड़की में आग की लपटें उठ रही थीं, जहाँ भविष्यवक्ता एक पुराने ममीकृत शरीर में कैद होकर रहती थी। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या डेल्फ़ी की आत्मा वहाँ मार्शमैलो भून रही होगी या कुछ और।

बस से उतरते हुए निको ने कहा, "वाह! क्या यह चढ़ाई वाली दीवार है?"

“हां,” मैंने कहा।

"इसमें से लावा क्यों बह रहा है?"

“थोड़ी अतिरिक्त चुनौती। चलो। मैं तुम्हें चिरोन से मिलवाता हूँ। ज़ोई, क्या तुम उससे मिली हो—”

“मैं चिरोन को जानती हूँ,” ज़ोई ने कड़े स्वर में कहा। “उसे बता दो कि हम केबिन नंबर आठ में होंगे। शिकारी मेरे पीछे आओ।”

“मैं तुम्हें रास्ता दिखाऊंगा,” ग्रोवर ने कहा।

हमें रास्ता पता है।

“अरे, सच में, कोई परेशानी नहीं है। अगर आप ध्यान नहीं देंगे तो यहाँ खो जाना आसान है”—वह एक डोंगी से टकराकर गिर पड़ा और फिर भी बोलता रहा—“जैसा कि मेरे पुराने बकरे कहा करते थे! चलो!”

ज़ोई ने अपनी आँखें घुमाईं, लेकिन शायद उसे समझ आ गया था कि ग्रोवर से छुटकारा पाना नामुमकिन है। शिकारी अपने थैले और धनुष कंधे पर रखकर झोपड़ियों की ओर चल पड़े। बियांका डि एंजेलो जाते हुए झुकी और अपने भाई के कान में कुछ फुसफुसाया। ज़ोई ने जवाब के लिए उसकी ओर देखा, लेकिन निको ने बस तेवर दिखाए और मुँह फेर लिया।

“अपना ख्याल रखना, प्यारे बच्चों!” अपोलो ने शिकारियों को आवाज़ दी। उसने मुझे आँख मारी। “पर्सी, उन भविष्यवाणियों से सावधान रहना। जल्द ही मिलेंगे।”

"आपका क्या मतलब है?"

जवाब देने के बजाय, वह वापस बस में चढ़ गया। "बाद में मिलते हैं, थैलिया," उसने पुकारा। "और हाँ, अच्छे बच्चे बनकर आना!"
उसने उसे एक शरारती मुस्कान दी, मानो उसे कुछ ऐसा पता हो जो उसे नहीं पता। फिर उसने दरवाजे बंद किए और इंजन को तेज़ किया। जैसे ही सूर्य की रथ जैसी कार गर्मी के झोंके के साथ आगे बढ़ी, मैं एक तरफ मुड़ गई। जब मैंने पीछे मुड़कर देखा, तो झील से भाप निकल रही थी। एक लाल मासेराती जंगल के ऊपर से उड़ती हुई, और अधिक चमकती हुई, ऊँचाई पर चढ़ती हुई, अंततः सूर्य की एक किरण में गायब हो गई।
निको अब भी चिड़चिड़ा दिख रहा था। मुझे आश्चर्य हुआ कि उसकी बहन ने उसे क्या कहा होगा।
“चिरोन कौन है?” उसने पूछा। “मेरे पास उसकी मूर्ति नहीं है।”
मैंने कहा, "हमारे गतिविधि निदेशक... खैर, आप खुद ही देख लेंगे।"
निको ने बड़बड़ाते हुए कहा, "अगर हंटर परिवार की उन लड़कियों को वो पसंद नहीं है, तो मेरे लिए इतना ही काफी है। चलो चलते हैं।"

शिविर के बारे में दूसरी बात जिसने मुझे आश्चर्यचकित किया, वह थी उसकी खामोशी। मेरा मतलब है, मुझे पता था कि अधिकांश आधे-आधे इंसान सिर्फ गर्मियों में ही प्रशिक्षण लेते हैं। यहाँ सिर्फ वही लोग होते जो पूरे साल यहीं रहते हैं— जिनके पास घर नहीं होता, या जो बाहर जाने पर राक्षसों के हमलों का शिकार हो जाते हैं। लेकिन यहाँ तो उनकी संख्या भी बहुत कम लग रही थी।
मैंने हेफेस्टस केबिन के चार्ल्स बेकेंडॉर्फ को शिविर के शस्त्रागार के बाहर भट्टी में ईंधन डालते देखा। हर्मेस केबिन के स्टॉल भाई, ट्रैविस और कॉनर, शिविर के भंडारघर का ताला तोड़ रहे थे। एरेस केबिन के कुछ बच्चे जंगल के किनारे लकड़ी की अप्सराओं के साथ बर्फ के गोले खेल रहे थे। बस इतना ही। एरेस केबिन की मेरी पुरानी प्रतिद्वंदी, क्लैरिस भी कहीं नज़र नहीं आ रही थी।
बड़े घर को लाल और पीले रंग के आग के गोलों की लड़ियों से सजाया गया था, जिनसे बरामदा गर्म तो हो रहा था, लेकिन किसी चीज में आग नहीं लग रही थी। अंदर, चूल्हे में आग की लपटें चटक रही थीं। हवा में गर्म चॉकलेट की खुशबू फैली हुई थी। शिविर के निदेशक श्री डी और चिरोन बैठक कक्ष में शांति से ताश खेल रहे थे।
सर्दियों में चिरोन की भूरी दाढ़ी और घनी हो गई थी। उसके घुंघराले बाल थोड़े और लंबे हो गए थे। इस साल वह शिक्षक होने का दिखावा नहीं कर रहा था, इसलिए शायद वह थोड़ा अनौपचारिक रह सकता था। उसने खुरों के निशान वाला एक रोएँदार स्वेटर पहना हुआ था, और उसकी गोद में एक कंबल था जिसने उसकी व्हीलचेयर को लगभग पूरी तरह से ढक रखा था।
हमें देखकर वह मुस्कुराया। “पर्सी! थैलिया! आह, और यह अवश्य ही—”
मैंने कहा, "निको डि एंजेलो। वह और उसकी बहन दोनों ही आधे इंसान हैं।"
चिरोन ने राहत की सांस ली। "तो तुम सफल हो गए।"

"कुंआ..."
उसकी मुस्कान गायब हो गई। "क्या हुआ? और एनाबेथ कहाँ है?"
“ओह, हे भगवान,” श्री डी ने ऊबे हुए स्वर में कहा। “एक और खो गया।”
मैं मिस्टर डी पर ध्यान न देने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उनके चमकीले नारंगी रंग के तेंदुए की खाल वाले वार्म-अप सूट और बैंगनी रंग के रनिंग शूज़ में उन्हें नज़रअंदाज़ करना मुश्किल था। (जैसे मिस्टर डी ने अपनी अमर ज़िंदगी में कभी दौड़ लगाई हो।) उनके घुंघराले काले बालों पर एक सुनहरी लॉरेल की माला तिरछी लटकी हुई थी, जिसका मतलब ज़रूर यही था कि उन्होंने ताश का आखिरी दांव जीता था।
“तुम्हारा क्या मतलब है?” थालिया ने पूछा। “और कौन खो गया है?”
तभी ग्रोवर कमरे में पागलों की तरह हंसते हुए दाखिल हुआ। उसकी एक आंख पर चोट लगी थी और चेहरे पर थप्पड़ के निशान जैसे लाल निशान थे। "सभी शिकारी आ गए हैं!"
चिरोन ने भौंहें चढ़ाईं। “शिकारी, है ना? लगता है हमें बहुत कुछ बात करनी है।” उसने निको की ओर देखा। “ग्रोवर, शायद तुम्हें हमारे युवा मित्र को मांद में ले जाकर हमारी ओरिएंटेशन फिल्म दिखानी चाहिए।”
लेकिन...ओह, ठीक है। जी हाँ, महोदय।
“ओरिएंटेशन फिल्म?” निको ने पूछा। “क्या यह जी रेटिंग वाली फिल्म है या पीजी रेटिंग वाली? क्योंकि बियांका थोड़ी सख्त है—”
ग्रोवर ने कहा, "यह पीजी-13 रेटिंग वाली फिल्म है।"
“वाह!” निको खुशी-खुशी उसके पीछे कमरे से बाहर निकल गया।
"अब," चिरोन ने थालिया और मुझसे कहा, "शायद आप दोनों को बैठ जाना चाहिए और हमें पूरी कहानी बतानी चाहिए।"
जब हमारा काम पूरा हो गया, तो चिरोन ने मिस्टर डी की ओर मुड़कर कहा, "हमें तुरंत एनाबेथ की तलाश शुरू करनी चाहिए।"
“मैं जाऊंगी,” थैलिया और मैंने एक ही समय पर कहा।
श्री डी ने नाक सिकोड़ी। "बिल्कुल नहीं!"
थालिया और मैं दोनों शिकायत करने लगे, लेकिन मिस्टर डी ने अपना हाथ ऊपर उठा लिया। उनकी आँखों में वह बैंगनी रंग की गुस्से भरी आग थी, जिसका आमतौर पर मतलब होता था कि अगर हम चुप नहीं हुए तो कुछ बुरा और भयानक होने वाला है।
श्री डी ने कहा, "आपने जो बताया है, उससे तो यही लगता है कि इस कारनामे में हमें कोई नुकसान नहीं हुआ है। अफसोस की बात है कि हमने एनी बेल को खो दिया है।"
“एनाबेथ,” मैंने झल्लाकर कहा। वह सात साल की उम्र से ही कैंप जाती आ रही थी, और फिर भी मिस्टर डी ने उसका नाम न जानने का नाटक किया।

“हाँ, हाँ,” उसने कहा। “और तुमने उसकी जगह एक छोटे से चिड़चिड़े लड़के को रख लिया। इसलिए मुझे इस बेतुके बचाव अभियान में और आधे-अधूरे लोगों को जोखिम में डालने का कोई मतलब नहीं दिखता। इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि यह एनी नाम की लड़की मर चुकी है।”

मुझे मिस्टर डी का गला घोंटने का मन कर रहा था। यह अन्याय था कि ज़्यूस ने उन्हें सौ साल के लिए शिविर निदेशक के रूप में यहाँ भेजकर उनकी हालत खराब कर दी थी। यह ओलंपस पर मिस्टर डी के बुरे व्यवहार के लिए दंड था, लेकिन अंततः यह हम सभी के लिए दंड बन गया।

“एनाबेथ शायद ज़िंदा है,” चिरोन ने कहा, लेकिन मैं समझ गया कि वह उत्साह से बोल नहीं पा रहा था। उसने लगभग उन सभी सालों में एनाबेथ की परवरिश की थी जब वह पूरे साल कैंप में रहती थी, इससे पहले कि उसने अपने पिता और सौतेली माँ के साथ रहने की दोबारा कोशिश की। “वह बहुत होशियार है। अगर...अगर हमारे दुश्मनों ने उसे पकड़ लिया है, तो वह समय बिताने की कोशिश करेगी। वह सहयोग करने का नाटक भी कर सकती है।”

“बिल्कुल सही,” थालिया ने कहा। “ल्यूक तो उसे ज़िंदा देखना चाहता होगा।”

“ऐसे में,” श्री डी ने कहा, “मुझे डर है कि उसे खुद ही भाग निकलने के लिए काफी समझदार होना पड़ेगा।”

मैं मेज से उठ गया।

“पर्सी।” चिरोन के लहजे में चेतावनी भरी थी। मन ही मन मुझे पता था कि मिस्टर डी से पंगा लेना ठीक नहीं है। चाहे आप मेरी तरह ही आवेगशील और एडीएचडी से ग्रस्त बच्चे ही क्यों न हों, वो आपको बख्शेंगे नहीं। लेकिन मैं इतना गुस्से में था कि मुझे परवाह ही नहीं थी।

मैंने कहा, "तुम्हें एक और कैंपर के चले जाने की खुशी है। तुम्हें तो अच्छा लगेगा अगर हम सब गायब हो जाएं!"

श्री डी ने जम्हाई रोकते हुए कहा, "क्या आपकी बात में दम है?"

“हाँ,” मैंने गुर्राते हुए कहा। “सिर्फ इसलिए कि तुम्हें सजा के तौर पर यहाँ भेजा गया है, इसका मतलब यह नहीं कि तुम आलसी और निकम्मे बन जाओ! यह तुम्हारी सभ्यता भी है। शायद तुम थोड़ी मदद करने की कोशिश कर सकते हो!”

एक पल के लिए, आग की चटकने की आवाज़ के अलावा कोई और आवाज़ नहीं थी। मिस्टर डी की आँखों में रोशनी पड़ रही थी, जिससे उनका चेहरा भयावह लग रहा था। उन्होंने कुछ कहने के लिए अपना मुँह खोला —शायद कोई ऐसी गाली जो मुझे टुकड़े-टुकड़े कर देती—तभी निको कमरे में घुस आया, उसके पीछे ग्रोवर भी था।

“वाह! कितना शानदार!” निको ने काइरन की ओर हाथ बढ़ाते हुए चिल्लाकर कहा। “आप...आप एक सेंटॉर हैं!”

चिरोन ने घबराकर मुस्कुराते हुए कहा, "जी हां, श्रीमान डि एंजेलो, अगर आप चाहें तो। हालांकि, मैं शुरुआती मुलाकातों के लिए इस व्हीलचेयर में ही मानव रूप में रहना पसंद करूंगा।"

“और, अरे वाह!” उसने मिस्टर डी की तरफ देखा। “आप वाइन वाले आदमी हैं? बिलकुल नहीं!”
मिस्टर डी ने मुझसे नज़रें फेर लीं और निको को घृणा भरी निगाहों से देखा। "वाइन वाला आदमी?"
“डायोनिसस, है ना? अरे वाह! मुझे आपकी मूर्ति मिल गई।”
मेरी मूर्ति।
“मेरे गेम, मिथोमैजिक में। और एक होलोफ़ॉइल कार्ड भी! और भले ही आपके पास सिर्फ़ पाँच सौ अटैक पॉइंट्स हों और हर कोई आपको सबसे बेकार गॉड कार्ड समझता हो, मुझे आपकी शक्तियाँ बहुत पसंद हैं!”
“आह।” श्री डी सचमुच हैरान लग रहे थे, जिससे शायद मेरी जान बच गई। “वाह, यह तो... संतोषजनक है।”
“पर्सी,” चिरोन ने जल्दी से कहा, “तुम और थैलिया केबिन में जाओ। शिविरार्थियों को बता दो कि हम कल शाम को 'कैप्चर द फ्लैग' खेलेंगे।”
“झंडा पकड़ो?” मैंने पूछा। “लेकिन हमारे पास पर्याप्त नहीं हैं—”
"यह एक परंपरा है," चिरोन ने कहा। "जब भी हंटर्स आते हैं, एक दोस्ताना मैच होता है।"
“हाँ,” थैलिया ने बुदबुदाते हुए कहा। “मुझे यकीन है कि यह बहुत मिलनसार होगा।”
चिरोन ने अपना सिर मिस्टर डी की ओर झटक दिया, जो निको के खेल में सभी देवताओं के पास मौजूद रक्षा अंकों के बारे में बात करते समय अभी भी भौंहें चढ़ाए हुए थे। "अब जाओ," चिरोन ने हमसे कहा।
“ओह, ठीक है,” थैलिया ने कहा। “चलो, पर्सी।”
डायोनिसस को यह याद आने से पहले ही कि वह मुझे मारना चाहता था, उसने मुझे जेल से बाहर खींच लिया।

“तुम पहले से ही एरेस को अपना दुश्मन बना चुके हो,” थैलिया ने मुझे याद दिलाया जब हम झोपड़ियों की ओर बढ़ रहे थे। “तुम्हें एक और अमर दुश्मन की ज़रूरत है?”
वह सही थी। कैंप में बिताए अपने पहले ग्रीष्मकाल में, मेरी एरेस से लड़ाई हो गई थी, और अब वह और उसके सभी बच्चे मुझे मारना चाहते थे। मुझे डायोनिसस को भी नाराज़ करने की ज़रूरत नहीं थी।
मैंने कहा, "माफ़ कीजिए। मैं कुछ नहीं कर सकती थी। यह बहुत ही अन्यायपूर्ण है।"
वह शस्त्रागार के पास रुकी और घाटी के उस पार, हाफ-ब्लड हिल की चोटी की ओर देखने लगी। उसका चीड़ का पेड़ अभी भी वहीं था, उसकी सबसे निचली शाखा में गोल्डन फ्लीस चमक रहा था। पेड़ का जादू अभी भी शिविर की सीमाओं की रक्षा करता था, लेकिन अब वह शक्ति के लिए थैलिया की आत्मा का उपयोग नहीं करता था।
“पर्सी, सब कुछ अन्यायपूर्ण है,” थैलिया ने बुदबुदाते हुए कहा। “कभी-कभी मुझे लगता है कि काश...”
उसने अपनी बात पूरी नहीं की, लेकिन उसकी आवाज़ इतनी उदास थी कि मुझे उस पर तरस आ गया। उसके बिखरे हुए काले बाल और काले पंक स्टाइल के कपड़े, ऊपर लिपटा एक पुराना ऊनी ओवरकोट, उसे देखकर ऐसा लग रहा था मानो वह कोई विशाल कौआ हो, जो उस सफेद परिदृश्य में बिल्कुल बेमेल हो।
मैंने वादा किया, "हम एनाबेथ को वापस ले आएंगे। बस मुझे अभी पता नहीं है कि कैसे।"

“पहले मुझे पता चला कि ल्यूक लापता है,” उसने कहा। “अब एनाबेथ—”
“ऐसा मत सोचो।”
“तुम सही कह रही हो।” वह सीधी खड़ी हो गई। “हम कोई न कोई रास्ता निकाल लेंगे।”
बास्केटबॉल कोर्ट पर, कुछ हंटर बास्केटबॉल खेल रहे थे। उनमें से एक एरेस के केबिन के एक लड़के से बहस कर रहा था। एरेस के लड़के का हाथ उसकी तलवार पर था और हंटर लड़की ऐसी लग रही थी मानो वह किसी भी पल बास्केटबॉल छोड़कर धनुष-बाण उठा लेगी।
“मैं इसे रोक देती हूँ,” थालिया ने कहा। “तुम सभी केबिनों में घूमकर सबको कल के ‘कैप्चर द फ्लैग’ गेम के बारे में बताओ।”
“ठीक है। तुम्हें टीम का कप्तान बनना चाहिए।”
“नहीं, नहीं,” उसने कहा। “तुम शिविर में ज़्यादा समय से हो। तुम खुद करो।”
"हम, अह... सह-कप्तान या कुछ और बन सकते हैं।"
वह भी मेरी तरह ही असहज लग रही थी, लेकिन उसने सिर हिलाकर सहमति दी।
जब वह अदालत की ओर जा रही थी, तो मैंने कहा, "हे, थैलिया।"
"हाँ?"
“वेस्टओवर में जो कुछ हुआ उसके लिए मुझे खेद है। मुझे आप लोगों का इंतजार करना चाहिए था।”
“कोई बात नहीं, पर्सी। शायद मैं भी यही करती।” वह एक पैर से दूसरे पैर पर हिलने लगी, मानो सोच रही हो कि और कुछ कहे या नहीं। “तुम्हें पता है, तुमने मेरी माँ के बारे में पूछा था और मैंने तुम्हें थोड़ा चिढ़ा दिया था। बात बस इतनी सी है... मैं सात साल बाद उन्हें ढूंढने गई थी, और मुझे पता चला कि उनकी लॉस एंजिल्स में मौत हो गई थी। वो... बहुत ज़्यादा शराब पीती थीं, और लगता है कि करीब दो साल पहले एक रात वो देर से गाड़ी चला रही थीं, और...” थैलिया ने पलकें झपकाईं।
"मुझे माफ़ करें।"
“हाँ, ठीक है। बात ये है कि...हम कभी एक-दूसरे के इतने करीब नहीं थे। मैं दस साल की उम्र में घर से भाग गई थी। मेरी ज़िंदगी के सबसे अच्छे दो साल वो थे जब मैं ल्यूक और एनाबेथ के साथ घूमती-फिरती थी। लेकिन फिर भी—”
"इसीलिए आपको सन वैन के साथ परेशानी हुई थी।"
उसने मुझे संदेह भरी नजरों से देखा। "तुम्हारा क्या मतलब है?"
“जिस तरह से तुम अकड़ गए थे। तुम अपनी माँ के बारे में सोच रहे होंगे, गाड़ी चलाना नहीं चाहते होंगे।”
मुझे अफसोस था कि मैंने कुछ कहा। थैलिया का चेहरा ज़्यूस के चेहरे के भावों से खतरनाक हद तक मिलता-जुलता था, जब मैंने उसे पहली बार क्रोधित देखा था— मानो किसी भी क्षण उसकी आँखों से लाखों वोल्ट की बिजली निकल आएगी।
“हां,” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “हां, यही वजह रही होगी।”

वह मैदान की ओर धीरे-धीरे चली गई, जहां एरेस का शिविरार्थी और शिकारी एक तलवार और बास्केटबॉल से एक दूसरे को मारने की कोशिश कर रहे थे।

ये केबिन अब तक देखे गए सबसे विचित्र भवनों का समूह थे। ज़्यूस और हेरा की विशाल सफेद स्तंभों वाली इमारतें, केबिन एक और दो, बीच में खड़ी थीं, बाईं ओर पाँच देवताओं के केबिन और दाईं ओर पाँच देवियों के केबिन थे, इस प्रकार वे सभी केंद्रीय हरे मैदान और बारबेक्यू चूल्हे के चारों ओर एक यू आकार बनाते थे।
मैं सबके पास जाकर उन्हें 'कैप्चर द फ्लैग' गेम के बारे में बता रहा था। मैंने दोपहर की नींद से एक एरेस के बच्चे को जगा दिया और वह मुझ पर चिल्लाया और मुझे वहां से चले जाने को कहा। जब मैंने उससे पूछा कि क्लैरिस कहां है, तो उसने कहा, "वह चिरोन की खोज पर गई है। एकदम गुप्त बात!"
“क्या वह ठीक है?”
“एक महीने से उससे कोई खबर नहीं मिली। वो लापता है। अगर तुम यहाँ से नहीं निकले तो तुम्हारी भी खैर नहीं!”
मैंने उसे वापस सोने देने का फैसला किया।
आखिरकार मैं केबिन नंबर तीन पर पहुँच गया, जो पोसीडॉन का केबिन था। यह समुद्र के पत्थरों से तराशी हुई एक नीची, धूसर इमारत थी, जिस पर सीपियों और मूंगे के जीवाश्म खुदे हुए थे। अंदर, हमेशा की तरह, मेरे पलंग के अलावा सब खाली था। मेरे तकिये के बगल वाली दीवार पर एक मिनोटौर का सींग लटका हुआ था।
मैंने एनाबेथ की बेसबॉल कैप अपने बैग से निकाली और उसे अपने नाइटस्टैंड पर रख दिया। जब मैं उसे ढूंढ लूंगी, तब उसे दे दूंगी। और मैं उसे ढूंढ ही लूंगी।
मैंने अपनी घड़ी उतारी और ढाल को सक्रिय किया। खुलते ही उसमें से चरमराहट की आवाज़ आई। डॉ. थॉर्न के नुकीले औजारों ने पीतल पर कई जगह निशान बना दिए थे। एक छेद की वजह से ढाल पूरी तरह नहीं खुल पा रही थी, इसलिए वह दो स्लाइस गायब पिज्जा जैसी लग रही थी। मेरे भाई द्वारा बनाई गई खूबसूरत धातु की तस्वीरें पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थीं। हाइड्रा से लड़ते हुए मेरी और एनाबेथ की तस्वीर में, ऐसा लग रहा था जैसे किसी उल्कापिंड ने मेरे सिर में गड्ढा बना दिया हो। मैंने ढाल को मिनोटौर के सींग के पास उसके हुक पर टांग दिया, लेकिन अब उसे देखना भी दर्दनाक था। शायद हेफेस्टस केबिन का बेकेंडॉर्फ इसे ठीक कर सकता था। वह शिविर का सबसे अच्छा कवच बनाने वाला कारीगर था। मैं रात के खाने पर उससे पूछूंगा।
मैं ढाल को घूर रहा था तभी मुझे एक अजीब सी आवाज़ सुनाई दी—पानी के बहने की आवाज़—और मुझे एहसास हुआ कि कमरे में कुछ नया है। केबिन के पीछे भूरे रंग के समुद्री पत्थरों का एक बड़ा सा कुंड था, जिसमें मछली के सिर की तरह पत्थर पर तराशा हुआ एक फव्वारा था। उसके मुँह से पानी की एक धारा फूट रही थी, एक खारे पानी का झरना जो कुंड में बह रहा था। पानी ज़रूर गर्म रहा होगा, क्योंकि वह ठंडी सर्दियों

की हवा में ऐसे धुंध फैला रहा था जैसे किसी सौना में हों। इससे कमरा गर्म और गर्मियों जैसा महसूस हो रहा था, समुद्र की ताज़ा महक से महक रहा था।
मैं पूल के पास गया। उस पर कोई नोट वगैरह नहीं लगा था, लेकिन मुझे पता था कि यह पोसीडॉन का ही उपहार हो सकता है।
मैंने पानी की ओर देखा और कहा, "धन्यवाद, पिताजी।"
सतह पर लहरें उठीं। तालाब की तलहटी में सिक्के चमक रहे थे—लगभग एक दर्जन सुनहरे ड्रैक्मा। मुझे समझ आया कि यह फव्वारा किस लिए था। यह मुझे अपने परिवार से संपर्क बनाए रखने की याद दिलाता था।
मैंने पास वाली खिड़की खोली, और सर्दियों की धूप ने कोहरे में इंद्रधनुष बना दिया। फिर मैंने गर्म पानी से एक सिक्का निकाला।
मैंने कहा, "हे इंद्रधनुष की देवी, आइरिस, मेरी भेंट स्वीकार करो।"
मैंने धुंध में एक सिक्का उछाला और वह गायब हो गया। फिर मुझे एहसास हुआ कि मुझे यह नहीं पता कि पहले किससे संपर्क करना है।
मेरी माँ? ऐसा करना एक "अच्छे बेटे" का काम होता, लेकिन उन्हें अभी मेरी चिंता नहीं होती। उन्हें मेरी कई दिनों या हफ्तों तक गायब रहने की आदत हो चुकी थी।
मेरे पिता? उनसे बात किए हुए बहुत लंबा समय हो गया था, लगभग दो साल। लेकिन क्या किसी भगवान को आइरिस संदेश भेजा जा सकता है? मैंने कभी कोशिश नहीं की थी। क्या इससे वे नाराज़ हो जाएँगे, जैसे किसी सेल्स कॉल से होते हैं?
मैं हिचकिचाया। फिर मैंने अपना मन बना लिया।
मैंने अनुरोध किया, "मुझे टायसन दिखाओ। साइक्लोप्स की भट्टियों में।"
धुंध में हल्की सी झिलमिलाहट हुई और मेरे सौतेले भाई की छवि उभर आई। वह आग से घिरा हुआ था, जो अगर वह एक आंख वाला राक्षस न होता तो एक बड़ी समस्या बन जाती। वह एक निहाई पर झुका हुआ था और एक धधकती हुई तलवार की धार को हथौड़े से पीट रहा था। चिंगारियां उड़ रही थीं और लपटें उसके शरीर के चारों ओर घूम रही थीं। उसके पीछे संगमरमर के फ्रेम वाली एक खिड़की थी, जिससे गहरे नीले पानी - समुद्र की गहराई - का नजारा दिखाई दे रहा था।
“टायसन!” मैंने चिल्लाकर कहा।
तेज आवाज में हथौड़ा चलाने और आग की लपटों के शोर के कारण उसने पहले मेरी बात नहीं सुनी।
“टायसन!”
वह मुड़ा और उसकी एक विशाल आँख चौड़ी हो गई। उसके चेहरे पर एक टेढ़ी-मेढ़ी पीली मुस्कान फैल गई। "पर्सी!"

उसने तलवार की धार गिरा दी और मुझे गले लगाने की कोशिश करते हुए मेरी ओर दौड़ा। दृष्टि धुंधली हो गई और मैं सहज रूप से पीछे हट गई। "टायसन, यह आइरिस का संदेश है। मैं वास्तव में यहाँ नहीं हूँ।"
“ओह।” वह शर्मिंदा होते हुए फिर से सामने आया। “ओह, मुझे पता था। हाँ।”
मैंने पूछा, "आप कैसे हैं? नौकरी कैसी चल रही है?"
उसकी आँखें चमक उठीं। “मुझे यह काम बहुत पसंद है! देखो!” उसने गर्म तलवार की धार को नंगे हाथों से उठाया। “मैंने इसे बनाया है!”
"यह तो वाकई बहुत बढ़िया है।"
मैंने उस पर अपना नाम लिख दिया। बिल्कुल वहीं पर।
“बहुत बढ़िया। सुनो, क्या तुम पापा से अक्सर बात करते हो?”
टायसन की मुस्कान फीकी पड़ गई। "कुछ खास नहीं। पापा व्यस्त हैं। उन्हें युद्ध की चिंता है।"
"आपका क्या मतलब है?"
टायसन ने आह भरी। उसने तलवार की नोक खिड़की से बाहर निकाली, जिससे उबलते बुलबुलों का बादल बन गया। जब टायसन उसे वापस अंदर लाया, तो धातु ठंडी हो चुकी थी। "पुराने समुद्री भूत मुसीबत खड़ी कर रहे हैं। एइगियोस। ओशनस। वे लोग।"
मुझे कुछ-कुछ समझ आ रहा था कि वह किस बारे में बात कर रहा है। उसका मतलब उन अमर प्राणियों से था जिन्होंने टाइटन्स के ज़माने में, ओलंपियनों के सत्ता संभालने से पहले, समुद्रों पर राज किया था। टाइटन लॉर्ड क्रोनोस और उसके सहयोगियों की बढ़ती ताकत के साथ उनका अब वापस आना अच्छा संकेत नहीं था।
मैंने पूछा, "क्या मैं कुछ कर सकता हूँ?"
टायसन ने उदास होकर सिर हिलाया। “हम जलपरियों को हथियार दे रहे हैं। उन्हें कल तक एक हज़ार और तलवारों की ज़रूरत है।” उसने अपनी तलवार की धार को देखा और आह भरी। “पुरानी आत्माएँ इस बुरी नाव की रक्षा कर रही हैं।”
“राजकुमारी एंड्रोमेडा?” मैंने कहा। “ल्यूक की नाव?”
“हाँ। वे इसे ढूंढना मुश्किल बना देते हैं। इसे पापा के गुस्से से बचाकर रखते हैं। नहीं तो वो इसे तोड़ देंगे।”
"इसे तोड़ देना अच्छा रहेगा।"
टायसन एकदम चौकन्ना हो गया, मानो उसे अभी-अभी कोई नया विचार आया हो। "एनाबेथ! क्या वह वहाँ है?"
“ओह, खैर...” मेरा दिल धड़क रहा था। टायसन को एनाबेथ मक्खन के बाद सबसे अच्छी चीज़ लगती थी (और उसे सच में मक्खन बहुत पसंद था)। उसे यह बताने की हिम्मत नहीं हो रही थी कि वह लापता है। वह इतना रोएगा कि शायद अपनी आग बुझा देगा। “अच्छा, नहीं... वह अभी यहाँ नहीं है।”
“उसे मेरा नमस्कार कहना!” वह खुशी से बोला। “एनाबेथ को मेरा नमस्कार कहना!”

“ठीक है।” मैंने गले में अटकी गांठ को मुश्किल से दबाते हुए कहा, “मैं ऐसा करूँगा।”
और, पर्सी, उस खराब नाव की चिंता मत करो। वह चली जाएगी।
"आपका क्या मतलब है?"
“पनामा नहर! बहुत दूर है।”
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। ल्यूक अपने राक्षसों से भरे क्रूज जहाज को इतनी दूर क्यों ले जाएगा? पिछली बार जब हमने उसे देखा था, तो वह पूर्वी तट पर घूम रहा था, आधे-राक्षसों की भर्ती कर रहा था और अपनी राक्षसी सेना को प्रशिक्षित कर रहा था।
“ठीक है,” मैंने कहा, लेकिन मुझे तसल्ली नहीं हुई। “यह...अच्छा है। शायद।”
भट्टी में, एक गहरी आवाज़ में कुछ ऐसा सुनाई दिया जो मुझे समझ नहीं आया। टायसन चौंक गया। "काम पर वापस जाना होगा! मालिक गुस्सा हो जाएगा। शुभकामनाएँ, भाई!"
“ठीक है, पिताजी को बता दो—”
लेकिन इससे पहले कि मैं अपनी बात पूरी कर पाता, वह दृश्य धुंधलाकर गायब हो गया। मैं फिर से अपनी केबिन में अकेला था, और पहले से भी ज़्यादा अकेलापन महसूस कर रहा था।
* * *
उस रात खाने के समय मैं काफी दुखी था।
मतलब, खाना हमेशा की तरह बहुत बढ़िया था। बारबेक्यू, पिज़्ज़ा और कभी न खाली होने वाले सोडा के गिलासों का तो कोई जवाब ही नहीं। मशालों और अंगीठियों ने बाहरी मंडप को गर्म रखा, लेकिन हम सभी को अपने केबिन के साथियों के साथ बैठना पड़ा, जिसका मतलब था कि मैं पोसीडॉन की मेज पर अकेला था। थैलिया ज़्यूस की मेज पर अकेली बैठी थी, लेकिन हम साथ नहीं बैठ सकते थे। कैंप के नियम। कम से कम हेफेस्टस, एरेस और हर्मीस के केबिन में कुछ लोग तो थे। निको स्टोल भाइयों के साथ बैठा, क्योंकि नए कैंपर्स को हमेशा हर्मीस के केबिन में ही बैठना पड़ता था अगर उनके ओलंपियन माता-पिता का पता न हो। स्टोल भाई निको को यह समझाने की कोशिश कर रहे थे कि पोकर मिथोमैजिक से कहीं बेहतर खेल है। मुझे उम्मीद थी कि निको के पास हारने के लिए कोई पैसा न हो।
सिर्फ आर्टेमिस की मेज ही सचमुच खुश नज़र आ रही थी। शिकारी सब एक बड़े खुशहाल परिवार की तरह खा-पी रहे थे और हंस रहे थे। ज़ोई मुखिया की तरह बैठी थी। वह बाकी लोगों की तरह ज़्यादा नहीं हंसती थी, लेकिन बीच-बीच में मुस्कुराती ज़रूर थी। उसके बालों की काली चोटियों में चांदी का लेफ्टिनेंट का बैज चमक रहा था। मुझे लगा कि मुस्कुराते हुए वह और भी प्यारी लगती है। बियांका डि एंजेलो भी खूब मजे कर रही थी। वह उस बड़ी लड़की से आर्म रेसलिंग सीखने की कोशिश कर रही थी जिसने बास्केटबॉल कोर्ट पर एरेस के बच्चे से लड़ाई की थी। वह बड़ी लड़की उसे हर बार हरा रही थी, लेकिन बियांका को इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा था।

खाना खत्म होने के बाद, चिरोन ने देवताओं के सम्मान में पारंपरिक टोस्ट किया और आर्टेमिस के शिकारियों का औपचारिक रूप से स्वागत किया। तालियाँ कुछ खास नहीं बजीं। फिर उन्होंने कल रात के लिए "सद्भावना" वाले "कैप्चर-द-फ्लैग" खेल की घोषणा की, जिसे काफी अच्छा प्रतिसाद मिला।
उसके बाद, हम सब जल्दी सोने के लिए अपने-अपने केबिन में वापस चले गए। मैं बहुत थका हुआ था, इसलिए मुझे आसानी से नींद आ गई। यह तो अच्छी बात थी। बुरी बात यह थी कि मुझे एक बुरा सपना आया, और मेरे हिसाब से भी वह बहुत भयानक था।

एनाबेथ घने कोहरे से घिरी एक अंधेरी पहाड़ी पर थी। यह लगभग पाताल लोक जैसा लग रहा था, क्योंकि मुझे तुरंत घुटन महसूस होने लगी और ऊपर आसमान दिखाई नहीं दे रहा था—बस एक गहरा, घना अंधेरा था, मानो मैं किसी गुफा में हूँ।
एनाबेथ बड़ी मुश्किल से पहाड़ी पर चढ़ी। चारों ओर काले संगमरमर के पुराने टूटे हुए यूनानी स्तंभ बिखरे पड़े थे, मानो किसी चीज ने एक विशाल इमारत को विस्फोट करके खंडहर में बदल दिया हो।
“थॉर्न!” एनाबेथ चिल्लाई। “तुम कहाँ हो? मुझे यहाँ क्यों लाए?” वह टूटी हुई दीवार के एक हिस्से को पार करके पहाड़ी की चोटी पर पहुँच गई।
वह हांफने लगी।
वहाँ ल्यूक था। और वह दर्द में था।
वह पथरीली ज़मीन पर बेसुध पड़ा था, उठने की कोशिश कर रहा था। उसके चारों ओर अँधेरा घना होता जा रहा था, कोहरा बेतहाशा घूम रहा था। उसके कपड़े फटे हुए थे और चेहरा खरोंचों से भरा हुआ था और पसीने से तरबतर था।
“एनाबेथ!” उसने पुकारा। “मेरी मदद करो! कृपया!”
वह आगे की ओर दौड़ी।
मैंने चिल्लाकर कहने की कोशिश की: वह गद्दार है! उस पर भरोसा मत करो!
लेकिन सपने में मेरी आवाज नहीं निकल रही थी।
एनाबेथ की आँखों में आँसू थे। उसने अपना हाथ नीचे झुकाया जैसे वह ल्यूक के चेहरे को छूना चाहती हो, लेकिन आखिरी क्षण में वह हिचकिचा गई।
“क्या हुआ?” उसने पूछा।
“उन्होंने मुझे यहीं छोड़ दिया,” ल्यूक कराहते हुए बोला। “प्लीज़। मुझे बहुत तकलीफ हो रही है।”
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उसे क्या तकलीफ है। ऐसा लग रहा था मानो वह किसी अदृश्य अभिशाप से जूझ रहा हो, जैसे कोहरा उसे दम घोंटकर मार रहा हो।
“मैं तुम पर भरोसा क्यों करूं?” एनाबेथ ने पूछा। उसकी आवाज़ में दुख साफ झलक रहा था।

“तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए,” ल्यूक ने कहा। “मैंने तुम्हारे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया है। लेकिन अगर तुम मेरी मदद नहीं करोगे, तो मैं मर जाऊंगा।”
मैं चीखना चाहती थी, "उसे मरने दो।" ल्यूक ने कई बार बेरहमी से हमें जान से मारने की कोशिश की थी। वह एनाबेथ से कुछ भी पाने का हकदार नहीं था।
फिर लूका के ऊपर का अंधेरा भूकंप में गुफा की छत की तरह ढहने लगा। काले पत्थर के बड़े-बड़े टुकड़े गिरने लगे। जैसे ही एक दरार दिखाई दी, एनाबेथ अंदर भागी और पूरी छत गिर गई। उसने किसी तरह उसे थामे रखा—टन भर पत्थर। उसने सिर्फ अपनी ताकत से उसे खुद पर और लूका पर गिरने से रोका। यह असंभव था। उसे ऐसा नहीं कर पाना चाहिए था।
ल्यूक हांफते हुए लुढ़क कर खुद को छुड़ाने में कामयाब हुआ। उसने किसी तरह कहा, "धन्यवाद।"
“इसे पकड़ने में मेरी मदद करो,” एनाबेथ कराह उठी।
ल्यूक ने गहरी सांस ली। उसका चेहरा धूल और पसीने से लथपथ था। वह लड़खड़ाते हुए उठा।
“मुझे पता था कि मैं तुम पर भरोसा कर सकता हूँ।” वह धीरे-धीरे वहाँ से जाने लगा, तभी कांपता हुआ अंधेरा एनाबेथ को कुचलने की धमकी देने लगा।
“मेरी मदद करो!” उसने विनती की।
“अरे, चिंता मत करो,” ल्यूक ने कहा। “तुम्हारी मदद आ रही है। यह सब योजना का हिस्सा है। तब तक, कोशिश करो कि तुम्हारी जान बच जाए।”
अंधेरे की छत एक बार फिर ढहने लगी, जिससे एनाबेथ जमीन पर जा गिरी।

मैं बिस्तर पर एकदम सीधा बैठ गया और चादरें नोचने लगा। मेरे कमरे में खारे पानी के झरने की कलकल के अलावा कोई आवाज़ नहीं थी। मेरे नाइटस्टैंड पर रखी घड़ी में आधी रात के बाद का समय हो रहा था।
यह सिर्फ एक सपना था, लेकिन मुझे दो बातों का पूरा यकीन था: एनाबेथ बहुत बड़े खतरे में थी। और इसके लिए ल्यूक जिम्मेदार था।

छह

एक पुराना मृत मित्र मिलने आता है

अगली सुबह नाश्ते के बाद, मैंने ग्रोवर को अपने सपने के बारे में बताया। हम घास के मैदान में बैठे थे और बर्फ में सैटायरों को वन अप्सराओं का पीछा करते देख रहे थे। अप्सराओं ने सैटायरों को पकड़े जाने पर उन्हें चूमने का वादा किया था, लेकिन वे शायद ही कभी पकड़े जाते थे। आमतौर पर अप्सरा सैटायर को पूरी ताकत लगाने देती, फिर वह बर्फ से ढके पेड़ में बदल जाती और बेचारा सैटायर सिर के बल उससे टकरा जाता और उस पर बर्फ का ढेर गिर जाता।

जब मैंने ग्रोवर को अपने बुरे सपने के बारे में बताया, तो वह अपने घने बालों वाले पैरों में उंगली घुमाने लगा।

“क्या गुफा की छत उस पर गिर गई थी?” उसने पूछा।

“हाँ। इसका क्या मतलब है?”

ग्रोवर ने सिर हिलाया। "मुझे नहीं पता। लेकिन ज़ोई ने जो सपना देखा उसके बाद—"

“अरे वाह! तुम्हारा क्या मतलब है? ज़ोई ने ऐसा सपना देखा था?”

“मुझे...मुझे ठीक से नहीं पता। सुबह करीब तीन बजे वह बिग हाउस में आई और चिरोन से बात करने की मांग करने लगी। वह बहुत घबराई हुई लग रही थी।”

"रुको, तुम्हें यह कैसे पता चला?"

ग्रोवर शरमा गया। "मैं एक तरह से आर्टेमिस के केबिन के बाहर डेरा डाले हुए था।"

“किसलिए?”

"बस उनके पास रहने के लिए, आप जानते हैं।"

"तुम खुरों वाले एक पीछा करने वाले हो।"

“मैं नहीं हूँ! खैर, मैं उसके पीछे-पीछे बड़े घर तक गया और एक झाड़ी में छिपकर सब कुछ देखता रहा। जब आर्गस ने उसे अंदर नहीं जाने दिया तो वह बहुत परेशान हो गई। यह एक खतरनाक दृश्य था।”

मैंने इसकी कल्पना करने की कोशिश की। आर्गस कैंप का सुरक्षा प्रमुख था—एक लंबा-चौड़ा गोरा आदमी जिसकी आँखों में हर जगह नज़रें थीं। वह शायद ही कभी सामने आता था, जब तक कि कोई गंभीर बात न हो। मैं उसके और ज़ोई नाइटशेड के बीच लड़ाई पर शर्त नहीं लगाना चाहूँगा।

मैंने पूछा, “उसने क्या कहा?”

ग्रोवर ने मुंह बनाया। “जब वह परेशान होती है तो बहुत पुराने ज़माने की भाषा में बात करने लगती है, इसलिए समझना थोड़ा मुश्किल था। लेकिन कुछ तो उसने आर्टेमिस के मुसीबत में होने और हंटर्स की ज़रूरत होने

के बारे में कहा। फिर उसने आर्गस को बेवकूफ कहा... मुझे लगता है यह गलत बात है। और फिर उसने उसे —"

"अरे, रुको। आर्टेमिस मुसीबत में कैसे हो सकती है?"

"मैं... खैर, आखिरकार चिरोन अपने पायजामे में और अपनी घोड़े की पूंछ को कर्लर में बांधे हुए बाहर आया और—"

"क्या वह अपनी पूंछ में कर्लर लगाता है?"

ग्रोवर ने अपना मुंह ढक लिया।

मैंने कहा, "माफ़ कीजिए। आप आगे बढ़िए।"

"ज़ोई ने कहा कि उसे शिविर से तुरंत निकलने की अनुमति चाहिए। चिरोन ने मना कर दिया। उसने ज़ोई को याद दिलाया कि शिकारियों को आर्टेमिस से आदेश मिलने तक यहीं रहना था। और उसने कहा..." ग्रोवर ने घबराकर कहा, "उसने कहा, 'अगर आर्टेमिस खो गई है तो हमें उससे आदेश कैसे मिलेंगे?'"

"खो जाने का क्या मतलब है? जैसे उसे रास्ता पूछने की ज़रूरत है?"

नहीं। मुझे लगता है उसका मतलब था कि वह चली गई। ले जाई गई। अपहरण कर लिया गया।

"अपहरण?" मैंने इस विचार को समझने की कोशिश की। "एक अमर देवी का अपहरण कैसे किया जा सकता है? क्या यह संभव भी है?"

"हाँ, बिल्कुल। मेरा मतलब है, पर्सेफोन के साथ भी ऐसा ही हुआ था।"

लेकिन वह फूलों की देवी जैसी थीं।

ग्रोवर नाराज सा लग रहा था। "वसंत ऋतु।"

"जो भी हो। आर्टेमिस उससे कहीं ज्यादा शक्तिशाली है। उसे कौन अगवा कर सकता है? और क्यों?"

ग्रोवर ने निराशा से अपना सिर हिलाया। "मुझे नहीं पता। क्रोनोस?"

"वह इतनी जल्दी इतना शक्तिशाली नहीं हो सकता। क्या वह हो सकता है?"

पिछली बार जब हमने क्रोनोस को देखा था, तो वह टुकड़ों में बिखर चुका था। खैर... हमने उसे असल में देखा ही नहीं था। हज़ारों साल पहले, टाइटन-देवता युद्ध के बाद, देवताओं ने उसे उसकी ही दरांती से काटकर टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे और उसके अवशेषों को टार्टारस में बिखेर दिया था, जो देवताओं के लिए उनके शत्रुओं का एक अथाह पुनर्चक्रण पात्र है। दो ग्रीष्मकाल पहले, क्रोनोस ने हमें धोखे से गड्ढे के बिल्कुल किनारे तक ला दिया था और लगभग हमें उसमें खींच ही लिया था। फिर पिछले ग्रीष्मकाल में, ल्यूक के दानवों के जहाज़ पर, हमने एक सुनहरा ताबूत देखा था, जहाँ ल्यूक का दावा था कि वह टाइटन स्वामी को रसातल से थोड़ा-थोड़ा करके बुला रहा था, हर बार जब कोई नया व्यक्ति उनके साथ जुड़ता था। क्रोनोस लोगों को सपनों से प्रभावित कर सकता था और उन्हें धोखा दे सकता था, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा था कि अगर वह अभी भी दुष्ट छाल के ढेर की तरह होता, तो वह शारीरिक रूप से आर्टेमिस को कैसे हरा सकता था।

“मुझे नहीं पता,” ग्रोवर ने कहा। “मुझे लगता है कि अगर क्रोनोस फिर से प्रकट हुआ होता तो किसी को पता चल जाता। देवता ज़्यादा घबराए हुए होते। लेकिन फिर भी, यह अजीब है कि तुम्हें और ज़ोई को एक ही रात में बुरा सपना आया। यह लगभग ऐसा है जैसे—”

मैंने कहा, "वे आपस में जुड़े हुए हैं।"

बर्फीले मैदान में, एक सैटायर अपने खुरों पर फिसलते हुए एक लाल बालों वाली वृक्ष अप्सरा का पीछा कर रहा था। जैसे ही वह उसकी ओर दौड़ा, वह खिलखिला उठी और अपनी बाहें फैला दीं। पॉप! वह एक स्कॉच पाइन के पेड़ में बदल गई और उसने पूरी गति से उसके तने को चूम लिया।

“आह, प्यार,” ग्रोवर ने स्वप्निल स्वर में कहा।

मैंने ज़ोई के बुरे सपने के बारे में सोचा, जो उसे मेरे सपने के कुछ ही घंटों बाद आया था।

मैंने कहा, "मुझे ज़ोई से बात करनी होगी।"

“उम, इससे पहले कि आप कुछ कहें...” ग्रोवर ने अपनी कोट की जेब से कुछ निकाला। यह एक यात्रा ब्रोशर की तरह तीन परतों वाला डिस्प्ले था। “आपको याद है आपने क्या कहा था—कि हंटर्स का अचानक वेस्टओवर हॉल में आ जाना कितना अजीब था? मुझे लगता है कि वे शायद हमारी जासूसी कर रहे थे।”

“हमारी खोजबीन कर रहे हो? तुम्हारा मतलब क्या है?”

उन्होंने मुझे ब्रोशर दिया। यह आर्टेमिस के शिकारियों के बारे में था। मुखपृष्ठ पर लिखा था, आपके भविष्य के लिए एक समझदारी भरा विकल्प! अंदर युवा युवतियों की शिकारी गतिविधियों, राक्षसों का पीछा करने और तीरंदाजी करते हुए तस्वीरें थीं। कैप्शन में लिखा था: स्वास्थ्य लाभ: अमरता और इसका आपके लिए क्या अर्थ है! और लड़कों से मुक्त कल!

ग्रोवर ने कहा, "मुझे वह एनाबेथ के बैग में मिला।"

मैंने उसे घूर कर देखा। "मुझे समझ नहीं आ रहा।"

"खैर, मुझे तो ऐसा लगता है... शायद एनाबेथ शामिल होने के बारे में सोच रही थी।"

* * *

मैं कहना चाहूंगा कि मैंने इस खबर को अच्छे से लिया।

सच तो ये था कि मैं आर्टेमिस के शिकारियों को एक-एक करके गला घोंटकर मार डालना चाहता था। बाकी दिन मैंने खुद को व्यस्त रखने की कोशिश की, लेकिन एनाबेथ को लेकर मैं बहुत चिंतित था। मैं भाला फेंकने की क्लास में गया, लेकिन एरेस कैंपर के इंचार्ज ने मुझे खूब खरी-खोटी सुनाई क्योंकि मेरा ध्यान भटक गया और मैंने भाला निशाने पर फेंक दिया, इससे पहले कि वो हट पाता। मैंने उसकी पैंट में हुए छेद के लिए माफी मांगी, लेकिन फिर भी उसने मुझे वापस भेज दिया।

मैंने पेगासस के अस्तबल का दौरा किया, लेकिन एफ़्रोडाइट केबिन की सिलेना ब्यूरेगार्ड एक शिकारी के साथ बहस कर रही थी, और मैंने फैसला किया कि बेहतर होगा कि मैं इसमें दखल न दूं।

उसके बाद, मैं खाली रथ स्टैंड पर बैठ गया और रूठ गया। तीरंदाजी के मैदान में, चिरोन निशाना लगाने का अभ्यास कर रहे थे। मुझे पता था कि उनसे बात करना सबसे अच्छा रहेगा। शायद वे मुझे कुछ सलाह दे सकें, लेकिन कुछ बात मुझे रोक रही थी। मुझे लग रहा था कि चिरोन हमेशा की तरह मेरी रक्षा करने की कोशिश करेंगे। हो सकता है कि वे मुझे सब कुछ न बताएं जो वे जानते हैं।

मैंने दूसरी दिशा में देखा। हाफ-ब्लड हिल की चोटी पर, मिस्टर डी और आर्गस उस नन्हे ड्रैगन को खाना खिला रहे थे जो गोल्डन फ्लीस की रक्षा करता था।

फिर मुझे यह ख्याल आया: उस बड़े घर में कोई नहीं होगा। कोई और होगा... कोई और चीज होगी जिससे मैं मार्गदर्शन मांग सकता हूँ।

घर में घुसते ही मेरे कानों में खून की भनभनाहट गूंज रही थी और मैं सीढ़ियाँ चढ़ने लगा। मैंने यह काम पहले सिर्फ एक बार किया था, और मुझे अब भी उससे जुड़े बुरे सपने आते थे। मैंने गुप्त दरवाजा खोला और अटारी में कदम रखा।

कमरा अंधेरा, धूल भरा और कबाड़ से भरा हुआ था, बिल्कुल वैसा ही जैसा मुझे याद था। वहाँ राक्षसों के काटने के निशान वाले ढाल थे, दानवों के सिर के आकार में मुड़ी हुई तलवारें थीं, और बहुत सारे जानवरों के शव थे, जैसे कि एक भरा हुआ हार्पी और एक चमकीला नारंगी अजगर।

खिड़की के पास, तीन टांगों वाले स्टूल पर, टाई-डाई की हिप्पी पोशाक पहने एक बूढ़ी औरत की मुरझाई हुई ममी बैठी थी। वही भविष्यवक्ता थी।

मैंने खुद को उसकी ओर बढ़ने के लिए मजबूर किया। मैंने इस उम्मीद में इंतजार किया कि ममी के मुंह से पहले की तरह हरी धुंध निकलेगी, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

मैंने कहा, "हाय। क्या हालचाल है?"

मुझे यह सुनकर बहुत अजीब लगा कि यह कितना बेवकूफी भरा था। जब आप मर चुके हों और अटारी में फंसे हों, तो भला कुछ भी ठीक नहीं हो सकता। लेकिन मुझे पता था कि भविष्यवक्ता की आत्मा कहीं न कहीं वहीं मौजूद है। मुझे कमरे में एक ठंडी सी अनुभूति हो रही थी, जैसे कोई कुंडली मारकर सो रहा सांप हो।

मैंने थोड़ी ऊंची आवाज में कहा, "मेरा एक सवाल है। मुझे एनाबेथ के बारे में जानना है। मैं उसे कैसे बचा सकता हूँ?"

कोई जवाब नहीं। गंदी अटारी की खिड़की से सूरज की किरणें तिरछी होकर अंदर आ रही थीं, जिससे हवा में नाचते धूल के कण चमक रहे थे।

मैंने और इंतजार किया।

तब मुझे गुस्सा आ गया। एक लाश मेरी बात अनसुनी कर रही थी।

“ठीक है,” मैंने कहा। “कोई बात नहीं। मैं खुद ही इसका हल निकाल लूंगा।”

मैं मुड़ा और स्मृति चिन्हों से भरी एक बड़ी मेज से टकरा गया। पिछली बार जब मैं यहाँ आया था, उससे कहीं ज़्यादा अव्यवस्थित लग रहा था। नायकों ने अटारी में तरह-तरह की चीज़ें रखी थीं: खोज की ट्राफियाँ जिन्हें वे

अब अपने केबिन में नहीं रखना चाहते थे, या ऐसी चीज़ें जिनसे दर्दनाक यादें जुड़ी थीं। मुझे पता था कि ल्यूक ने ड्रैगन का पंजा कहीं ऊपर रखा था—वही पंजा जिससे उसके चेहरे पर निशान पड़ गए थे।
वहाँ एक टूटी हुई तलवार की मूठ पड़ी थी जिस पर लिखा था: यह टूट गई और लेरॉय मारा गया। 1999।
तभी मेरी नज़र एक गुलाबी रेशमी स्कार्फ पर पड़ी जिस पर एक लेबल लगा हुआ था। मैंने लेबल उठाया और उसे पढ़ने की कोशिश की:

देवी एफ़्रोडाइट का स्कार्फ
वॉटरलैंड, डेनवर, कंपनी से पुनर्प्राप्त किया गया,
एनाबेथ चेज़ और पर्सी जैक्सन द्वारा

मैंने स्कार्फ को घूर कर देखा। मैं इसके बारे में पूरी तरह भूल ही गई थी। दो साल पहले, एनाबेथ ने मेरे हाथों से यह स्कार्फ छीन लिया था और कुछ ऐसा कहा था, "अरे नहीं। तुम्हारे लिए कोई प्रेम जादू नहीं!"
मैंने तो यही सोचा था कि उसने इसे फेंक दिया होगा। लेकिन यह यहीं था। क्या उसने इसे इतने समय तक संभाल कर रखा था? और उसने इसे अटारी में क्यों छिपा रखा था?
मैंने ममी की ओर देखा। वह हिली नहीं थी, लेकिन उसके चेहरे पर पड़ रही परछाइयों से ऐसा लग रहा था मानो वह भयानक रूप से मुस्कुरा रही हो।
मैंने स्कार्फ नीचे गिरा दिया और बाहर निकलने की ओर भागने से बचने की कोशिश की।
उस रात खाने के बाद, मैं हंटर्स को 'कैप्चर द फ्लैग' गेम में हराने के लिए पूरी तरह तैयार था। यह एक छोटा सा खेल होने वाला था: बियांका डि एंजेलो समेत सिर्फ तेरह हंटर्स और लगभग उतने ही कैंपर।
ज़ोई नाइटशेड काफी परेशान लग रही थी। वह चिरोन को बार-बार गुस्से से देख रही थी, मानो उसे यकीन ही नहीं हो रहा था कि चिरोन उससे ये सब करवा रहा है। बाकी शिकारी भी खुश नहीं दिख रहे थे। पिछली रात के उलट, वे न तो हंस रहे थे और न ही मज़ाक कर रहे थे। वे सब डाइनिंग पवेलियन में एक साथ huddled होकर बैठे थे और कवच पहनते हुए एक-दूसरे से धीरे-धीरे कुछ फुसफुसा रहे थे। उनमें से कुछ तो रोते हुए भी लग रहे थे। शायद ज़ोई ने उन्हें अपने बुरे सपने के बारे में बताया था।
हमारी टीम में बेकेंडॉर्फ और हेफेस्टस के दो और लड़के थे, एरेस केबिन से कुछ लोग (हालाँकि क्लैरिस का न होना अभी भी अजीब लग रहा था), हर्मेस केबिन से स्टोल भाई और निको, और एफ़्रोडाइट के कुछ बच्चे थे। यह अजीब था कि एफ़्रोडाइट केबिन के बच्चे खेलना चाहते थे। आमतौर पर वे किनारे बैठकर बातें करते थे और नदी में अपनी परछाई देखते रहते थे, लेकिन जब उन्होंने सुना कि हम हंटर्स से लड़ रहे हैं, तो वे खेलने के लिए बेताब हो गए।
“मैं उन्हें दिखा दूंगी कि ‘प्यार बेकार है’,” सिलेना ब्यूरेगार्ड ने कवच पहनते हुए बड़बड़ाया। “मैं उन्हें चूर-चूर कर दूंगी!”

उसके बाद सिर्फ थालिया और मैं ही बचे।
“मैं आक्रमण की जिम्मेदारी लूंगी,” थालिया ने स्वेच्छा से कहा। “तुम बचाव की जिम्मेदारी लो।”
“ओह।” मैं हिचकिचाया, क्योंकि मैं भी ठीक यही बात कहने वाला था, बस उलटे तरीके से। “क्या आपको नहीं लगता कि अपनी ढाल के साथ आप बेहतर बचाव साबित होंगे?”
थालिया के हाथ पर पहले से ही एजिस था, और यहां तक कि हमारे अपने साथी भी उससे काफी दूरी बनाए हुए थे, मेडुसा के कांस्य सिर के सामने डरने से बचने की कोशिश कर रहे थे।
“खैर, मुझे लग रहा था कि इससे आक्रमण बेहतर होगा,” थालिया ने कहा। “इसके अलावा, आपको रक्षात्मक खेल का अधिक अभ्यास है।”
मुझे यकीन नहीं था कि वह मुझे चिढ़ा रही थी। कैप्चर द फ्लैग गेम में डिफेंस के दौरान मेरे कुछ बहुत बुरे अनुभव रहे थे। पहले साल, एनाबेथ ने मुझे एक तरह से चारा बनाया था, और मैं भाले से घायल होकर लगभग मरते-मरते बचा था और एक खूंखार कुत्ते ने मुझे मार डाला था।
“हाँ, कोई समस्या नहीं,” मैंने झूठ बोला।
“वाह!” थैलिया ने एफ़्रोडाइट के कुछ बच्चों की मदद करने के लिए मुड़ी, जिन्हें अपने नाखून तोड़े बिना कवच पहनने में परेशानी हो रही थी। निको डि एंजेलो मुस्कुराते हुए मेरे पास दौड़कर आया।
“पर्सी, ये तो कमाल है!” उसका नीले पंखों वाला कांस्य हेलमेट उसकी आँखों में गिर रहा था, और उसका कवच उससे छह साइज़ बड़ा था। मैंने सोचा कि क्या मैं भी यहाँ आने पर इतना ही अजीब दिख रहा था? दुर्भाग्य से, शायद मैं भी दिख रहा था।
निको ने बड़ी मुश्किल से अपनी तलवार उठाई। "क्या हमें दूसरी टीम को मारने का मौका मिलेगा?"
"अच्छा नहीं।"
लेकिन हंटर्स तो अमर होते हैं, है ना?
“ऐसा तभी होगा जब वे युद्ध में न मारे जाएं। इसके अलावा—”
"अगर हम मारे जाने के तुरंत बाद पुनर्जीवित हो जाएं तो कितना अच्छा होगा, ताकि हम लड़ते रह सकें और —"
“निको, यह गंभीर मामला है। असली तलवारें। इनसे चोट लग सकती है।”
उसने थोड़ी निराशा से मेरी तरफ देखा, और मुझे एहसास हुआ कि मैं बिल्कुल अपनी माँ की तरह बोल रही थी। ओह! यह अच्छा संकेत नहीं है।
मैंने निको के कंधे पर थपथपाते हुए कहा, "अरे, कोई बात नहीं। बस टीम के पीछे-पीछे चलो। ज़ोई के रास्ते से दूर रहना। हम खूब मजे करेंगे।"
चिरोन के खुर की गड़गड़ाहट मंडप के फर्श पर गूंज उठी।
“वीरों!” उसने पुकारा। “तुम्हें नियम पता हैं! नाला सीमा रेखा है। नीली टीम—कैंप हाफ-ब्लड—पश्चिमी जंगल पर कब्ज़ा करेगी। आर्टेमिस के शिकारी—लाल टीम—पूर्वी जंगल पर कब्ज़ा करेगी। मैं रेफरी और युद्धक्षेत्र

चिकित्सक के रूप में कार्य करूँगा। कृपया जानबूझकर किसी को घायल न करें! सभी जादुई वस्तुएँ मान्य हैं। अपनी-अपनी जगहों पर जाओ!"
"वाह!" निको ने मेरे बगल में फुसफुसाते हुए कहा। "किस तरह की जादुई वस्तुएँ? क्या मुझे भी एक मिलेगी?"
मैं उसे यह बताने ही वाला था कि उसने ऐसा नहीं किया, तभी थालिया ने कहा, "ब्लू टीम! मेरे पीछे आओ!"
वे सब जयकारे लगाते हुए मेरे पीछे-पीछे चलने लगे। मुझे उनके साथ चलने के लिए दौड़ना पड़ा और मैं किसी की ढाल से टकराकर गिर गया, इसलिए मैं सह-कप्तान जैसा बिल्कुल नहीं लग रहा था। बल्कि एक मूर्ख जैसा लग रहा था।

हमने अपना झंडा ज़्यूस की मुट्ठी के शिखर पर गाड़ दिया। यह पश्चिमी जंगल के बीचोंबीच स्थित पत्थरों का एक समूह है, जिसे अगर आप सही ढंग से देखें तो यह ज़मीन से निकली हुई एक विशाल मुट्ठी जैसा दिखता है। अगर आप इसे किसी और तरफ से देखें तो यह हिरणों के विशाल गोबर के ढेर जैसा दिखता है, लेकिन चिरोन ने हमें उस जगह को गोबर का ढेर कहने नहीं दिया, खासकर तब जब उसका नाम ज़्यूस के नाम पर रखा गया था, जिसका हास्यबोध कुछ खास नहीं है।
खैर, झंडा लगाने के लिए यह एक अच्छी जगह थी। सबसे ऊपर वाला पत्थर बीस फीट ऊंचा था और उस पर चढ़ना बहुत मुश्किल था, इसलिए झंडा साफ दिखाई दे रहा था, जैसा कि नियमों में कहा गया था, और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था कि पहरेदारों को इसके दस गज के दायरे में खड़े होने की अनुमति नहीं थी।
मैंने निको को बेकेंडॉर्फ और स्टॉल भाइयों के साथ पहरेदारी के काम पर लगा दिया, यह सोचकर कि वह सुरक्षित रूप से रास्ते से हट जाएगा।
"हम बाईं ओर एक छलावा भेजेंगे," थालिया ने टीम से कहा। "सिलेना, तुम उसका नेतृत्व करो।"
"समझ गया!"
"लॉरेल और जेसन को ले जाओ। वे अच्छे धावक हैं। शिकारियों के चारों ओर एक बड़ा घेरा बनाओ, जितना हो सके उतने शिकारियों को आकर्षित करो। मैं मुख्य हमलावर दल को दाईं ओर ले जाऊंगा और उन्हें अचानक घेर लूंगा।"
सबने सहमति में सिर हिलाया। यह अच्छा लग रहा था, और थैलिया ने इसे इतने आत्मविश्वास से कहा कि आप विश्वास किए बिना नहीं रह सकते थे कि यह काम करेगा।
थालिया ने मेरी तरफ देखा। "कुछ और कहना है, पर्सी?"
"हाँ, बिल्कुल। रक्षा में सतर्क रहना। हमारे पास चार गार्ड और दो स्काउट हैं। एक बड़े जंगल के लिए यह काफी नहीं है। मैं इधर-उधर घूमता रहूंगा। अगर मदद की जरूरत हो तो बता देना।"
"और अपनी जगह मत छोड़ना!" थालिया ने कहा।
मैंने आगे कहा, "जब तक आपको कोई सुनहरा अवसर न दिखे।"
थालिया ने तेवर चढ़ाते हुए कहा, "बस अपनी जगह मत छोड़ो।"

“ठीक है, जब तक कि—”
“पर्सी!” उसने मेरी बांह को छुआ और मुझे ज़ोर का झटका लगा। वैसे तो सर्दियों में हर कोई बिजली का झटका दे सकता है, लेकिन जब थैलिया देती है, तो दर्द होता है। शायद इसलिए क्योंकि उसके पिता बिजली के देवता हैं। वो लोगों की भौंहें भी जला देती है।
“माफ़ कीजिए,” थालिया ने कहा, हालाँकि उसकी आवाज़ में कोई खास खेद नहीं झलक रहा था। “अब, क्या सबको सब समझ आ गया है?”
सबने सहमति में सिर हिलाया। हम अपने-अपने छोटे समूहों में बंट गए। बिगुल बजा और खेल शुरू हो गया। सिलेना का समूह बाईं ओर जंगल में गायब हो गया। थैलिया के समूह ने कुछ सेकंड का इंतजार किया, फिर दाईं ओर तेजी से निकल गए।
मैं किसी घटना के होने का इंतज़ार कर रहा था। मैं ज़्यूस की मुट्ठी पर चढ़ गया और वहाँ से जंगल का अच्छा नज़ारा दिखाई दे रहा था। मुझे याद आया कि कैसे शिकारी मैन्टिकोर से लड़ते हुए जंगल से बाहर निकले थे, और मैं उसी तरह के किसी हमले के लिए तैयार था— एक ऐसा ज़बरदस्त हमला जो हमें पूरी तरह से हरा सकता था। लेकिन कुछ नहीं हुआ।
मैंने सिलेना और उसके दो जासूसों की एक झलक देखी। वे एक खुले मैदान से भागे, उनके पीछे पाँच शिकारी थे, जो उन्हें थालिया से दूर घने जंगल में ले गए। योजना कारगर लग रही थी। तभी मैंने शिकारियों के एक और समूह को दाहिनी ओर जाते देखा, उनके धनुष तैयार थे। उन्होंने थालिया को देख लिया होगा।
"क्या हो रहा है?" निको ने मुझसे सटकर चढ़ने की कोशिश करते हुए पूछा।
मेरे दिमाग में तरह-तरह के विचार चल रहे थे। थैलिया तो कभी आगे नहीं बढ़ पाएगी, लेकिन हंटर्स बँटे हुए थे। दोनों तरफ इतने सारे हंटर्स होने से उनका बीच का हिस्सा ज़रूर खुला होगा। अगर मैं तेज़ी से आगे बढ़ूँ तो...
मैंने बेकेंडॉर्फ की ओर देखा। "क्या तुम लोग मोर्चा संभाल सकते हो?"
बेकेंडॉर्फ ने नाक सिकोड़ते हुए कहा, "बेशक।"
"मैं अंदर जा रहा हूं।"
जब मैं सीमा रेखा की ओर दौड़ा तो स्टॉल बंधुओं और निको ने मेरा उत्साह बढ़ाया।
मैं पूरी रफ्तार से दौड़ रहा था और बहुत अच्छा महसूस कर रहा था। मैंने नाले को पार करके दुश्मन के इलाके में छलांग लगा दी। मुझे आगे उनका चांदी का झंडा दिखाई दे रहा था, वहाँ सिर्फ एक पहरेदार था, जो मेरी तरफ देख भी नहीं रहा था। मुझे अपने बाएँ और दाएँ, कहीं जंगल में लड़ाई की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। मेरा काम बन गया था।
गार्ड ने आखिरी क्षण में मुड़कर देखा। वह बियांका डि एंजेलो थी। जैसे ही मैं उससे टकराई, उसकी आँखें चौड़ी हो गईं और वह बर्फ में गिर पड़ी।
“माफ़ कीजिए!” मैंने चिल्लाकर कहा। मैंने पेड़ से चांदी का रेशमी झंडा फाड़ दिया और वहां से भाग गया।

बियांका के मदद के लिए चिल्लाने से पहले मैं उससे दस गज दूर था। मुझे लगा कि मैं बच गया।
ज़िप! एक चांदी की रस्सी मेरे टखनों के ऊपर से गुज़री और मेरे बगल वाले पेड़ से बंध गई। मानो किसी ने धनुष से तार फेंका हो! इससे पहले कि मैं रुकने के बारे में सोच भी पाता, मैं बर्फ में बुरी तरह गिर पड़ा।
“पर्सी!” मेरे बाईं ओर से थैलिया चिल्लाई। “तुम क्या कर रहे हो?”
मेरे पास पहुँचने से पहले ही, एक तीर उसके पैरों के पास फट गया और उसके साथियों के चारों ओर पीले धुएँ का एक बादल छा गया। वे खांसने और उल्टी करने लगे। मुझे जंगल के उस पार से ही उस गैस की गंध आ रही थी—सल्फर की भयानक बदबू।
“यह ठीक नहीं!” थैलिया हांफते हुए बोली। “गैस के तीर चलाना खेल भावना के विरुद्ध है!”
मैं उठा और फिर से दौड़ने लगा। नाले तक बस कुछ ही कदम बचे थे और शिकार मेरे सामने था। कई तीर मेरे कानों के पास से सनसनाते हुए निकले। एक शिकारी अचानक कहीं से आई और उसने अपनी छुरी से मुझ पर वार किया, लेकिन मैंने वार को रोककर दौड़ना जारी रखा।
मुझे नाले के उस पार से चिल्लाने की आवाज़ सुनाई दी। बेकेंडॉर्फ और निको मेरी तरफ दौड़ रहे थे। मैंने सोचा कि वे मेरा स्वागत करने आ रहे हैं, लेकिन तभी मैंने देखा कि वे किसी का पीछा कर रहे थे—ज़ोई नाइटशेड, चीते की तरह मेरी तरफ दौड़ती हुई, शिविरार्थियों को आसानी से चकमा देती हुई। और उसके हाथों में हमारा झंडा था।
“नहीं!” मैंने चिल्लाकर कहा और स्पीड बढ़ा दी।
मैं पानी से दो फीट दूर ही था कि ज़ोई दौड़कर अपनी तरफ आ गई और ज़ोर से मुझसे टकरा गई। शिकारी खुशी से चिल्ला उठे क्योंकि दोनों तरफ के लोग नाले की ओर बढ़ रहे थे। चिरोन जंगल से बाहर आया, उसका चेहरा गंभीर था। उसने स्टॉल भाइयों को अपनी पीठ पर उठा रखा था, और ऐसा लग रहा था जैसे दोनों के सिर पर ज़ोरदार चोटें आई हों। कॉनर स्टॉल के हेलमेट से दो तीर एंटीना की तरह बाहर निकले हुए थे।
“हंटर्स जीत गए!” चिरोन ने बिना किसी प्रसन्नता के घोषणा की। फिर उन्होंने बुदबुदाते हुए कहा, “लगातार छप्पनवीं बार।”
“पर्सियस जैक्सन!” थैलिया चिल्लाई और मेरी तरफ़ तेज़ी से बढ़ी। उससे सड़े हुए अंडों जैसी बदबू आ रही थी और वह इतनी गुस्से में थी कि उसके कवच पर नीली चिंगारियाँ चमक रही थीं। एजिस की वजह से सब लोग सहम गए और पीछे हट गए। मुझे डरने से रोकने के लिए अपनी पूरी इच्छाशक्ति लगानी पड़ी।
“भगवान के नाम पर, तुम क्या सोच रहे थे?” वह चीख पड़ी।
मैंने मुट्ठी भींच ली। आज मेरे साथ बहुत कुछ बुरा हो चुका था। मुझे इसकी ज़रूरत नहीं थी। "मुझे झंडा मिल गया, थैलिया!" मैंने उसे उसके चेहरे के सामने लहराया। "मुझे मौका मिला और मैंने उसे लपक लिया!"
“मैं उनके अड्डे पर थी!” थैलिया चिल्लाई। “लेकिन झंडा गायब था। अगर तुमने दखल न दिया होता, तो हम जीत जाते।”

"तुम्हारे पास बहुत ज़्यादा थे!"
"ओह, तो ये मेरी गलती है?"
मैंने ऐसा नहीं कहा।
आह!" थैलिया ने मुझे धक्का दिया, और मेरे शरीर में एक ज़ोरदार झटका लगा जिससे मैं दस फीट पीछे पानी में जा गिरा। कुछ शिविरार्थियों ने हैरानी से सांस ली। कुछ शिकारी अपनी हंसी रोकने की कोशिश कर रहे थे।
“माफ़ कीजिए!” थैलिया का चेहरा पीला पड़ गया और वह बोली, “मेरा ऐसा करने का इरादा नहीं था—”
मेरे कानों में क्रोध की गड़गड़ाहट गूंज रही थी। नाले से एक लहर उठी, जो थैलिया के चेहरे से टकराई और उसे सिर से पैर तक भिगो दिया।
मैं खड़ा हो गया। "हाँ," मैंने गुर्राते हुए कहा। "मेरा भी ऐसा कोई इरादा नहीं था।"
थालिया की सांसें तेज चल रही थीं।
“बस करो!” चिरोन ने आदेश दिया।
लेकिन थैलिया ने अपना भाला आगे बढ़ाया। "क्या तुम्हें कुछ चाहिए, समुद्री शैवाल के दिमाग वाले?"
किसी तरह, जब एनाबेथ मुझे उस नाम से बुलाती थी तो ठीक लगता था—कम से कम, मुझे इसकी आदत हो गई थी—लेकिन थैलिया से यह सुनना अच्छा नहीं लगता था।
"आ जाओ, पाइनकोन फेस!"
मैंने रिपटाइड को उठाया, लेकिन इससे पहले कि मैं अपना बचाव कर पाता, थैलिया चिल्लाई, और आकाश से बिजली का एक तेज झटका आया, जो बिजली के खंभे की तरह उसके भाले से टकराया और मेरी छाती पर जा लगा।
मैं ज़ोर से बैठ गया। जलने की गंध आ रही थी; मुझे लगा कि यह मेरे कपड़ों से आ रही है।
“थालिया!” चिरोन ने कहा। “बस करो!”
मैं खड़ा हुआ और पूरी नदी को उफान पर लाने की इच्छा की। सैकड़ों गैलन पानी एक विशाल बर्फीले बादल के रूप में ऊपर उठा।
“पर्सी!” चिरोन ने विनती की।
मैं उसे थैलिया पर फेंकने ही वाला था कि तभी मुझे जंगल में कुछ दिखाई दिया। मेरा गुस्सा और ध्यान दोनों एक साथ भंग हो गए। पानी छलक कर नाले में वापस गिर गया। थैलिया इतनी हैरान हुई कि उसने मुड़कर देखा कि मैं क्या देख रहा था।
कोई...कुछ आ रहा था। वह घने हरे कोहरे में लिपटा हुआ था, लेकिन जैसे-जैसे वह करीब आता गया, शिविर में रहने वाले और शिकारी चौंक गए।
“यह असंभव है,” चिरोन ने कहा। मैंने उसे इतना घबराया हुआ पहले कभी नहीं सुना था। “वह...वह कभी अटारी से बाहर नहीं निकली। कभी नहीं।”

फिर भी, भविष्यवक्ता को धारण किए हुए मुरझाई हुई ममी धीरे-धीरे आगे बढ़ी और समूह के केंद्र में आकर खड़ी हो गई। धुंध हमारे पैरों के चारों ओर लिपट गई, जिससे बर्फ का रंग फीका-सा हरा हो गया।
हममें से किसी की भी हिलने की हिम्मत नहीं हुई। तभी उसकी आवाज़ मेरे दिमाग में गूंजी। जाहिर तौर पर हर कोई उसे सुन सकता था, क्योंकि कई लोगों ने अपने कान हाथों से ढक लिए।
मैं डेल्फी की आत्मा हूँ, आवाज ने कहा। मैं फोएबस अपोलो की भविष्यवाणियों का वक्ता हूँ, शक्तिशाली अजगर का वध करने वाला।
ओरेकल ने अपनी ठंडी, निर्जीव आँखों से मुझे देखा। फिर वह स्पष्ट रूप से ज़ोई नाइटशेड की ओर मुड़ी। "आगे बढ़ो, जिज्ञासु, और पूछो।"
ज़ोई ने घबराकर पूछा, "मुझे अपनी देवी की मदद करने के लिए क्या करना चाहिए?"
ओरेकल का मुख खुला और उसमें से हरी धुंध निकली। मुझे एक पहाड़ की धुंधली सी छवि दिखाई दी, और एक लड़की उस बंजर चोटी पर खड़ी थी। वह आर्टेमिस थी, लेकिन वह जंजीरों में जकड़ी हुई थी, चट्टानों से बंधी हुई थी। वह घुटनों के बल बैठी थी, उसके हाथ उठे हुए थे मानो किसी हमलावर से बचाव कर रही हो, और ऐसा लग रहा था कि वह दर्द में है। ओरेकल ने कहा:
पांच जंजीरों में जकड़ी देवी के पास पश्चिम की ओर जाएंगे, एक बारिश रहित भूमि में खो जाएगा, ओलंपस का अभिशाप रास्ता दिखाएगा, शिविर लगाने वाले और शिकारी मिलकर विजयी होंगे, टाइटन के अभिशाप का सामना एक को करना होगा, और एक अपने माता-पिता के हाथों मर जाएगा।
फिर, जब हम देख रहे थे, कोहरा एक विशाल हरे सर्प की तरह घूमता हुआ ममी के मुँह में समा गया। ओरेकल एक चट्टान पर बैठ गई और उतनी ही शांत हो गई जितनी वह अटारी में थी, मानो वह सौ वर्षों तक इस नाले के किनारे बैठी रहेगी।

सात

मुझे सब लोग नफरत करते हैं, सिवाय घोड़े के।

ओरेकल कम से कम इतना तो कर ही सकती थी कि खुद चलकर अटारी तक वापस चली जाती।

इसके बजाय, ग्रोवर और मुझे उसे ले जाने के लिए चुना गया। मुझे नहीं लगता कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हम सबसे लोकप्रिय थे।

“उसका सिर बचाकर रखना!” ग्रोवर ने सीढ़ियों से ऊपर जाते हुए चेतावनी दी। लेकिन बहुत देर हो चुकी थी।

धड़ाम! मैंने उसके ममी जैसे चेहरे को दरवाजे के फ्रेम पर जोर से पटका और धूल उड़ गई।

“अरे यार।” मैंने उसे नीचे उतारा और नुकसान की जाँच की। “क्या मैंने कुछ तोड़ दिया?”

“मैं नहीं बता सकता,” ग्रोवर ने स्वीकार किया।

हमने उसे उठाया और उसके तिपाई वाले स्टूल पर रख दिया, हम दोनों हांफते और पसीने से तरबतर हो रहे थे। किसने सोचा था कि एक ममी का वजन इतना ज्यादा हो सकता है?

मुझे लगा था कि वह मुझसे बात नहीं करेगी, और मेरा अनुमान सही निकला। जब हम आखिरकार वहां से निकले और अटारी का दरवाजा जोर से बंद किया तो मुझे बहुत राहत मिली।

ग्रोवर ने कहा, "खैर, यह तो बहुत ही घिनौना था।"

मुझे पता था कि वो मेरे लिए माहौल हल्का रखने की कोशिश कर रहा था, लेकिन फिर भी मैं बहुत उदास थी। पूरा कैंप मुझसे नाराज़ होगा क्योंकि मैं हंटर्स से गेम हार गई थी, और फिर ओरेकल की नई भविष्यवाणी भी थी। ऐसा लग रहा था जैसे डेल्फी की आत्मा ने मुझे जानबूझकर अलग कर दिया हो। उसने मेरे सवाल को अनसुना कर दिया और ज़ोई से बात करने के लिए आधा मील दूर चली गई। और उसने एनाबेथ के बारे में कुछ नहीं कहा, ज़रा सा भी इशारा नहीं किया।

मैंने ग्रोवर से पूछा, "चिरोन क्या करेगा?"

“काश मुझे पता होता।” उसने उदास निगाहों से दूसरी मंजिल की खिड़की से बर्फ से ढकी पहाड़ियों को देखा। “मैं वहाँ जाना चाहता हूँ।”

“क्या आप एनाबेथ को ढूंढ रहे हैं?”

उसे मुझ पर ध्यान केंद्रित करने में थोड़ी दिक्कत हुई। फिर वह शरमा गया। "ओह, हाँ। वह भी। बिल्कुल।"

मैंने पूछा, "क्यों? तुम क्या सोच रहे थे?"

उसने बेचैनी से अपने खुर पटके। "मंटिकोरे ने महान हलचल के बारे में कुछ कहा था। मैं सोचने पर मजबूर हो जाता हूँ... अगर वे सभी प्राचीन शक्तियाँ जाग रही हैं, तो शायद... शायद उनमें से सभी बुरी न हों।"

"आपका मतलब पैन से है।"

मुझे थोड़ा स्वार्थीपन महसूस हुआ, क्योंकि मैं ग्रोवर के जीवन के लक्ष्य को पूरी तरह से भूल गया था। प्रकृति के देवता दो हज़ार साल पहले लापता हो गए थे। अफवाह थी कि उनकी मृत्यु हो गई है, लेकिन सैटायरों को इस पर विश्वास नहीं था। वे उन्हें ढूंढने के लिए दृढ़ संकल्पित थे। सदियों से उनकी खोज व्यर्थ ही चल रही थी, और ग्रोवर को पूरा विश्वास था कि वही उन्हें ढूंढने में सफल होगा। इस साल, चिरोन ने सभी सैटायरों को आधे-खून वाले जीवों को खोजने के लिए आपातकालीन ड्यूटी पर लगा दिया था, इसलिए ग्रोवर अपनी खोज जारी नहीं रख पाया था। यह बात उसे बहुत परेशान कर रही होगी।
उन्होंने कहा, “मैंने खोजबीन बंद कर दी है। मैं बेचैन महसूस कर रहा हूँ, जैसे मुझसे कुछ बहुत महत्वपूर्ण छूट रहा हो। वह कहीं न कहीं तो है। मुझे बस इतना महसूस हो रहा है।”
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूँ। मैं उसे प्रोत्साहित करना चाहता था, लेकिन मुझे पता नहीं था कि कैसे करूँ। जंगल में बर्फ में मेरी आशावादिता लगभग चूर-चूर हो गई थी, साथ ही 'कैप्चर-द-फ्लैग' खेलने की हमारी उम्मीदें भी।
इससे पहले कि मैं कुछ कह पाता, थैलिया सीढ़ियों से ऊपर आ गई। अब वह मुझसे बात नहीं कर रही थी, लेकिन उसने ग्रोवर की तरफ देखा और कहा, "पर्सी से कहो कि वह जल्दी नीचे आ जाए।"
मैंने पूछा, "क्यों?"
“क्या उसने कुछ कहा?” थैलिया ने ग्रोवर से पूछा।
"उम, उसने पूछा क्यों।"
“डायोनिसस भविष्यवाणी पर चर्चा करने के लिए केबिन प्रमुखों की एक परिषद बुला रहा है,” उसने कहा। “दुर्भाग्य से, उसमें पर्सी भी शामिल है।”

बैठक मनोरंजन कक्ष में एक पिंग-पोंग टेबल के चारों ओर आयोजित की गई। डायोनिसस ने हाथ हिलाकर नाश्ता परोसा: चीज़ व्हिज़, क्रैकर्स और कई बोतलें रेड वाइन। तभी चिरोन ने उन्हें याद दिलाया कि शराब पीना उनके प्रतिबंधों के विरुद्ध है और हममें से अधिकांश लोग नाबालिग हैं। श्री डी ने आह भरी। चुटकी बजाते ही शराब डाइट कोक में बदल गई। उसे भी किसी ने नहीं पिया।
श्री डी और चिरोन (व्हीलचेयर पर) मेज के एक छोर पर बैठे थे। ज़ोई और बियांका डि एंजेलो (जो एक तरह से ज़ोई की निजी सहायक बन गई थीं) दूसरे छोर पर बैठीं। थैलिया, ग्रोवर और मैं दाईं ओर बैठे थे, और अन्य मुख्य पार्षद—बेकेंडॉर्फ, सिलेना ब्यूरेगार्ड और स्टोल भाई—बाईं ओर बैठे थे। एरेस के बच्चों को भी एक प्रतिनिधि भेजना था, लेकिन हंटर्स की मेहरबानी से 'कैप्चर द फ्लैग' खेल के दौरान उन सभी के हाथ-पैर (दुर्घटना में) टूट गए थे। वे अस्पताल में आराम कर रहे थे।
ज़ोई ने बैठक की शुरुआत सकारात्मक लहजे में की। "यह सब व्यर्थ है।"
“चीज़ व्हिज़!” ग्रोवर ने हांफते हुए कहा। उसने क्रैकर्स और पिंग-पोंग बॉल्स उठाना शुरू किया और उन पर टॉपिंग छिड़कने लगा।

ज़ोई ने आगे कहा, “बातचीत का समय नहीं है। हमारी देवी को हमारी ज़रूरत है। शिकारियों को तुरंत निकलना होगा।”
“और कहाँ जाएँगे?” चिरोन ने पूछा।
“पश्चिम!” बियांका ने कहा। मैं यह देखकर दंग रह गई कि शिकारियों के साथ कुछ ही दिनों में वह कितनी बदल गई थी। उसके काले बाल अब ज़ोई की तरह गुंथे हुए थे, जिससे उसका चेहरा साफ़ दिखाई दे रहा था। उसकी नाक पर हल्के-हल्के तिल थे, और उसकी गहरी आँखें मुझे किसी मशहूर हस्ती की याद दिला रही थीं, पर मुझे याद नहीं आ रहा था कि किसकी। ऐसा लग रहा था जैसे वह कसरत कर रही हो, और उसकी त्वचा बाकी शिकारियों की तरह हल्की चमक रही थी, मानो उसने चाँदनी में स्नान किया हो। “तुमने भविष्यवाणी सुनी है। पाँच लोग जंजीरों में जकड़ी देवी के पास पश्चिम की ओर जाएँगे। हम पाँच शिकारी लेकर जा सकते हैं।”
“हां,” ज़ोई ने सहमति जताते हुए कहा। “आर्टेमिस को बंधक बना लिया गया है! हमें उसे ढूंढकर छुड़ाना होगा।”
"हमेशा की तरह, तुम कुछ न कुछ भूल रही हो," थालिया ने कहा। "शिकार करने वालों और शिकारियों की संयुक्त शक्ति ही जीत दिलाती है। हमें यह सब मिलकर करना चाहिए।"
“नहीं!” ज़ोई ने कहा। “शिकारियों को तुम्हारी मदद की ज़रूरत नहीं है।”
“तुम्हारा,” थैलिया ने बुदबुदाते हुए कहा। “ज़ोई, तीन सौ सालों से किसी ने भी ‘थाई’ नहीं कहा है। ज़माने के साथ चलो।”
ज़ोई हिचकिचाई, मानो वह शब्द को सही ढंग से बोलने की कोशिश कर रही हो। "येर्र... हमें येर्र की मदद की ज़रूरत नहीं है।"
थालिया ने आंखें घुमाईं। "भूल जाओ।"
“मुझे डर है कि भविष्यवाणी कहती है कि आपको हमारी मदद की ज़रूरत है,” चिरोन ने कहा। “शिविर में रहने वालों और शिकारियों को सहयोग करना होगा।”
“या फिर ऐसा नहीं है?” श्री डी ने अपनी डाइट कोक को नाक के नीचे ऐसे घुमाते हुए सोचा जैसे उसमें कोई खास खुशबू हो। “एक खो जाएगा। एक मर जाएगा। यह तो काफी बुरा लगता है, है ना? अगर सहयोग करने की कोशिश में आप असफल हो गए तो क्या होगा?”
“श्रीमान डी,” चिरोन ने आह भरी, “पूरे सम्मान के साथ, आप किसके पक्ष में हैं?”
डायोनिसस ने अपनी भौहें उठाईं। "माफ़ करना, मेरे प्यारे सेंटॉर। मैं बस मदद करने की कोशिश कर रहा था।"
“हमें साथ मिलकर काम करना चाहिए,” थालिया ने हठपूर्वक कहा। “मुझे भी यह पसंद नहीं है, ज़ोई, लेकिन तुम भविष्यवाणियों के बारे में जानती हो। क्या तुम उनमें से एक के खिलाफ लड़ना चाहती हो?”
ज़ोई ने मुंह बनाया, लेकिन मैं समझ गई कि थालिया ने एक पॉइंट हासिल कर लिया था।

“हमें देरी नहीं करनी चाहिए,” चिरोन ने चेतावनी दी। “आज रविवार है। इसी शुक्रवार, 21 दिसंबर को शीतकालीन संक्रांति है।”
“ओह, खुशी की बात है,” डायोनिसस ने बुदबुदाया। “एक और नीरस वार्षिक सम्मेलन।”
ज़ोई ने कहा, “आर्टेमिस को संक्रांति के समय उपस्थित होना ही होगा। वह परिषद में क्रोनोस के गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई की वकालत करने वालों में से एक रही हैं। अगर वह अनुपस्थित रहीं, तो देवता कोई फैसला नहीं लेंगे। युद्ध की तैयारियों का एक और साल बर्बाद हो जाएगा।”
“क्या तुम यह कहना चाह रही हो कि देवताओं को आपस में मिलकर काम करने में परेशानी होती है, युवती?” डायोनिसस ने पूछा।
“जी हां, भगवान डायोनिसस।”
श्री डी ने सिर हिलाया। “बस पुष्टि कर रहा था। आप बिल्कुल सही हैं। जारी रखिए।”
“मैं ज़ोई से सहमत हूँ,” चिरोन ने कहा। “शीतकालीन सभा में आर्टेमिस की उपस्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। उसे ढूंढने के लिए हमारे पास केवल एक सप्ताह का समय है। और शायद इससे भी अधिक महत्वपूर्ण: उस राक्षस का पता लगाना जिसका वह शिकार कर रही थी। अब हमें यह तय करना होगा कि इस खोज पर कौन जाएगा।”
मैंने कहा, "तीन और दो।"
सब लोग मेरी तरफ देखने लगे। थैलिया तो मुझे नजरअंदाज करना भी भूल गई।
मैंने थोड़ा संकोच करते हुए कहा, "हमारे पास पाँच होने चाहिए। तीन हंटर, कैंप हाफ-ब्लड से दो। यह तो बिल्कुल उचित है।"
थालिया और ज़ोई ने एक-दूसरे की ओर देखा।
“हाँ,” थालिया ने कहा। “यह बात समझ में आती है।”
ज़ोई ने धीमी आवाज़ में कहा, "मैं सभी शिकारियों को साथ ले जाना पसंद करूंगी। हमें संख्या बल की आवश्यकता होगी।"
“तुम्हें देवी के मार्ग का अनुसरण करना होगा,” चिरोन ने उसे याद दिलाया। “तेजी से आगे बढ़ो। इसमें कोई संदेह नहीं कि आर्टेमिस ने पश्चिम की ओर बढ़ते हुए इस दुर्लभ राक्षस की गंध का पीछा किया होगा, चाहे वह कुछ भी हो। तुम्हें भी ऐसा ही करना होगा। भविष्यवाणी स्पष्ट थी: ओलंपस का अभिशाप ही मार्ग दिखाता है। तुम्हारी स्वामिनी क्या कहतीं? ‘बहुत सारे शिकारी गंध को बिगाड़ देते हैं।’ एक छोटा समूह ही सबसे अच्छा है।”
ज़ोई ने एक पिंग-पोंग पैडल उठाया और उसे ऐसे देखने लगी जैसे वह तय कर रही हो कि पहले किसे मारना है। "यह राक्षस—ओलंपस का अभिशाप। मैंने कई वर्षों तक लेडी आर्टेमिस के साथ शिकार किया है, फिर भी मुझे नहीं पता कि यह जानवर क्या हो सकता है।"

सब लोग डायोनिसस की ओर देखने लगे, शायद इसलिए क्योंकि वही एकमात्र देवता थे और देवताओं को ज्ञान होना चाहिए। वह एक शराब पत्रिका के पन्ने पलट रहे थे, लेकिन जब सब चुप हो गए तो उन्होंने ऊपर देखा। “अच्छा, मेरी ओर मत देखो। मैं एक युवा देवता हूँ, याद है ना? मैं उन सभी प्राचीन राक्षसों और धूल भरे टाइटन्स का हिसाब नहीं रखता। उनके बारे में बात करना किसी भी पार्टी में अच्छा नहीं लगता।”
मैंने कहा, "चिरोन, क्या तुम्हारे पास उस राक्षस के बारे में कोई विचार नहीं है?"
चिरोन ने अपने होंठ सिकोड़े। “मेरे पास कई विचार हैं, लेकिन उनमें से कोई भी अच्छा नहीं है। और उनमें से कोई भी पूरी तरह से तर्कसंगत नहीं है। उदाहरण के लिए, टाइफॉन इस विवरण में फिट हो सकता है। वह वास्तव में ओलंपस का अभिशाप था। या फिर समुद्री राक्षस केटो। लेकिन अगर इनमें से कोई भी हरकत में होता, तो हमें पता चल जाता। वे गगनचुंबी इमारतों जितने विशाल समुद्री राक्षस हैं। आपके पिता, पोसीडॉन, ने तो पहले ही खतरे की घंटी बजा दी होती। मुझे डर है कि यह राक्षस शायद और भी मायावी हो। शायद और भी शक्तिशाली।”
“आप जिस खतरे का सामना कर रहे हैं, वह बहुत गंभीर है,” कॉनर स्टॉल ने कहा। (मुझे अच्छा लगा कि उन्होंने 'हम' की जगह 'आप' कहा।) “ऐसा लगता है कि पांच में से कम से कम दो लोग मरने वाले हैं।”
बेकेंडॉर्फ ने कहा, "बारिश रहित भूमि में तो मनुष्य खो ही जाएगा। अगर मैं तुम्हारी जगह होता, तो रेगिस्तान से दूर ही रहता।"
सहमति में कुछ फुसफुसाहट सुनाई दी।
“और टाइटन के श्राप को सहना होगा,” सिलेना ने कहा। “इसका क्या मतलब हो सकता है?”
मैंने चिरोन और ज़ोई को एक-दूसरे को घबराई हुई नज़रों से देखते हुए देखा, लेकिन वे जो भी सोच रहे थे, उन्होंने उसे ज़ाहिर नहीं किया।
“एक बच्चा अपने माता-पिता के हाथों मारा जाएगा,” ग्रोवर ने चीज़ व्हिज़ और पिंग-पोंग गेंदों के टुकड़े खाते हुए कहा। “यह कैसे संभव है? कौन सा माता-पिता अपने बच्चे को मार डालेगा?”
टेबल के चारों ओर गहरी खामोशी छाई हुई थी।
मैंने थालिया की तरफ देखा और सोचा कि क्या वह भी वही सोच रही है जो मैं सोच रही हूँ। सालों पहले, चिरोन ने तीन बड़े देवताओं—ज़्यूस, पोसीडॉन या हेड्स—के अगले बच्चे के बारे में भविष्यवाणी की थी, जो सोलह साल का हो जाएगा। माना जाता है कि वह बच्चा एक ऐसा फैसला लेगा जो देवताओं को हमेशा के लिए बचाएगा या नष्ट कर देगा। इसी वजह से, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद तीनों बड़े देवताओं ने शपथ ली थी कि वे और बच्चे पैदा नहीं करेंगे। लेकिन थालिया और मैं फिर भी पैदा हो गए, और अब हम दोनों सोलह साल के करीब पहुँच रहे थे।
मुझे एनाबेथ के साथ पिछले साल हुई एक बातचीत याद आ गई। मैंने उससे पूछा था कि अगर मैं इतना खतरनाक हो सकता हूँ, तो देवता मुझे मार क्यों नहीं डालते।
उसने कहा था, "कुछ देवता तुम्हें मारना चाहते हैं, लेकिन वे पोसीडॉन को नाराज करने से डरते हैं।"

क्या कोई ओलंपियन माता-पिता अपने आधे-खून वाले बच्चे के खिलाफ हो सकते हैं? क्या कभी-कभी उन्हें मरने देना ही आसान होता है? अगर किसी आधे-खून वाले को इस बात की चिंता करने की ज़रूरत थी, तो वो थैलिया और मैं ही थे। मुझे लगा कि शायद मुझे फादर्स डे पर पोसीडॉन को वो सीप के पैटर्न वाली टाई भेज देनी चाहिए थी।

“मौतें तो होंगी ही,” चिरोन ने फैसला सुनाया। “इतना तो हम जानते ही हैं।”

“वाह, क्या बात है!” डायोनिसस ने कहा।

सबने उसकी तरफ देखा। उसने वाइन कॉनोइसर पत्रिका के पन्नों से मासूमियत से नज़रें उठाकर कहा, "अरे, पिनोट नॉयर फिर से लोकप्रिय हो रहा है। मेरी बात पर ध्यान मत दीजिए।"

“पर्सी सही कह रहा है,” सिलेना ब्यूरेगार्ड ने कहा। “दो शिविरार्थियों को जाना चाहिए।”

“ओह, मैं समझ गई,” ज़ोई ने व्यंग्यपूर्वक कहा। “और मुझे लगता है कि आप स्वयंसेवक बनना चाहते हैं?”

सिलेना शरमा गई। “मैं शिकारियों के साथ कहीं नहीं जा रही। मेरी तरफ मत देखो!”

“एफ़्रोडाइट की बेटी नहीं चाहती कि उसे कोई देखे,” ज़ोई ने उपहास उड़ाते हुए कहा। “तेरी माँ क्या कहती?”

सिलेना अपनी कुर्सी से उठने लगी, लेकिन स्टॉल भाइयों ने उसे वापस खींच लिया।

“बस करो,” बेकेंडॉर्फ ने कहा। वह कद-काठी में थे और उनकी आवाज़ भी बुलंद थी। वह ज़्यादा बोलते नहीं थे, लेकिन जब बोलते थे तो लोग ध्यान से सुनते थे। “चलिए हंटर्स से शुरू करते हैं। आप में से कौन-कौन तीन लोग जाएंगे?”

ज़ोई खड़ी हो गई। "मैं ज़रूर जाऊंगी, और मैं फ़ीबी को भी साथ ले जाऊंगी। वह हमारी सबसे अच्छी ट्रैकर है।"

"वो मोटी लड़की जिसे लोगों के सिर पर मारना पसंद है?" ट्रैविस स्टॉल ने सावधानी से पूछा।

ज़ोई ने सिर हिलाया।

"मेरे हेलमेट में तीर किसने मारे थे?" कॉनर ने पूछा।

“हां,” ज़ोई ने झट से कहा। “क्यों?”

“अरे, कुछ नहीं,” ट्रैविस ने कहा। “बस इतना है कि हमारे पास कैंप की दुकान से उसके लिए एक टी-शर्ट है।” उसने एक बड़ी चांदी की टी-शर्ट दिखाते हुए कहा, जिस पर लिखा था, “आर्टेमिस द मून गॉडेस, फॉल हंटिंग टूर 2002”, और उसके नीचे राष्ट्रीय उद्यानों वगैरह की एक लंबी सूची थी। “यह एक दुर्लभ वस्तु है। वह इसे निहार रही थी। क्या आप उसे देना चाहेंगे?”

मुझे पता था कि स्टॉल परिवार कुछ न कुछ गड़बड़ कर रहा है। वे हमेशा ऐसा ही करते थे। लेकिन शायद ज़ोई उन्हें उतना नहीं जानती थी जितना मैं जानती थी। उसने बस आह भरी और टी-शर्ट उठा ली। "जैसा कि मैं कह रही थी, मैं फोबी को ले जाऊंगी। और मैं चाहती हूं कि बियांका भी जाए।"

बियांका हैरान रह गई। "मैं? लेकिन... मैं तो बिल्कुल नई हूँ। मैं इसमें अच्छी नहीं हो पाऊँगी।"

"तुम अच्छा करोगे," ज़ोई ने ज़ोर देकर कहा। "खुद को साबित करने का इससे बेहतर कोई तरीका नहीं है।"

बियांका ने अपना मुंह बंद कर लिया। मुझे उस पर थोड़ी दया आई। मुझे बारह साल की उम्र में अपना पहला मिशन याद आया। मैं पूरी तरह से तैयार नहीं थी। शायद थोड़ा गर्व महसूस हुआ, लेकिन बहुत गुस्सा और डर भी था। मुझे लगा कि बियांका के दिमाग में भी अभी यही सब चल रहा होगा।
“और शिविरार्थियों के लिए?” चिरोन ने पूछा। उसकी नज़रें मेरी आँखों से मिलीं, लेकिन मैं समझ नहीं पाई कि वह क्या सोच रहा था।
“मैं!” ग्रोवर इतनी तेज़ी से उठा कि पिंग-पोंग टेबल से टकरा गया। उसने अपनी गोद से बिस्किट के टुकड़े और पिंग-पोंग बॉल के चूरे झाड़े। “आर्टेमिस की मदद के लिए कुछ भी!”
ज़ोई ने नाक सिकोड़ी। "मुझे नहीं लगता, सैटायर। तुम तो आधे खून वाले भी नहीं हो।"
“लेकिन वो तो कैंपिंग का शौकीन है,” थैलिया ने कहा। “उसके पास जंगली जानवरों जैसी इंद्रियां और जंगल का जादू है। ग्रोवर, क्या तुम अब भी शिकारी का गाना बजा सकते हो?”
"बिल्कुल!"
ज़ोई हिचकिचाई। मुझे नहीं पता था कि ट्रैकर का गाना क्या होता है, लेकिन जाहिर तौर पर ज़ोई को लगा कि यह एक अच्छी बात है।
“बहुत बढ़िया,” ज़ोई ने कहा। “और दूसरा कैंपर?”
“मैं जाऊंगी।” थालिया खड़ी हुई और चारों ओर देखने लगी, मानो किसी को भी उस पर सवाल उठाने की हिम्मत न हो।
ठीक है, शायद मेरी गणित की क्षमता उतनी अच्छी नहीं थी, लेकिन अचानक मुझे याद आया कि हम पाँचवें नंबर पर पहुँच गए थे और मैं समूह में नहीं थी। "अरे, एक मिनट रुको," मैंने कहा। "मैं भी जाना चाहती हूँ।"
थालिया ने कुछ नहीं कहा। चिरोन अब भी मुझे देख रहा था, उसकी आँखों में उदासी थी।
“ओह,” ग्रोवर ने अचानक समस्या को समझते हुए कहा। “अरे हाँ, मैं भूल ही गया था! पर्सी को जाना होगा। मेरा मतलब...मैं यहीं रुकूँगा। पर्सी को मेरी जगह जाना चाहिए।”
"वह ऐसा नहीं कर सकता," ज़ोई ने कहा। "वह एक लड़का है। मैं हंटर्स को किसी लड़के के साथ यात्रा करने नहीं दूंगी।"
मैंने उसे याद दिलाया, "तुम मेरे साथ यहां आई थी।"
“वह एक अल्पकालिक आपात स्थिति थी, और वह देवी के आदेश पर हुई थी। मैं किसी लड़के के साथ देश भर में यात्रा करके कई खतरों का सामना नहीं करूंगी।”
मैंने पूछा, “ग्रोवर का क्या हुआ?”
ज़ोई ने सिर हिलाया। “वह गिनती में नहीं आता। वह एक सैटायर है। तकनीकी रूप से वह लड़का नहीं है।”
“अरे!” ग्रोवर ने विरोध किया।
मैंने कहा, "मुझे जाना होगा। मुझे इस खोज पर निकलना ही होगा।"
“क्यों?” ज़ोई ने पूछा। “तुम्हारी दोस्त एनाबेथ की वजह से?”

मुझे शर्म आ रही थी। मुझे नफ़रत थी कि सब लोग मुझे देख रहे थे। "नहीं! मतलब, थोड़ा-बहुत। मुझे बस ऐसा लग रहा है कि मुझे जाना चाहिए!"
किसी ने भी मेरा बचाव नहीं किया। श्री डी ऊबे हुए लग रहे थे, अभी भी अपनी पत्रिका पढ़ रहे थे। सिलेना, स्टॉल भाई और बेकेंडॉर्फ मेज की ओर घूर रहे थे। बियांका ने मुझे दया भरी नजरों से देखा।
“नहीं,” ज़ोई ने स्पष्ट स्वर में कहा। “मैं इस पर अड़ी हूँ। अगर ज़रूरी हुआ तो मैं एक कामुक नायक को स्वीकार कर लूँगी, लेकिन किसी पुरुष नायक को नहीं।”
चिरोन ने आह भरी। "यह खोज आर्टेमिस के लिए है। शिकारियों को अपने साथियों को चुनने का अधिकार होना चाहिए।"
बैठते ही मेरे कानों में घंटियाँ बजने लगीं। मुझे पता था कि ग्रोवर और कुछ अन्य लोग मुझे सहानुभूति से देख रहे थे, लेकिन मैं उनकी आँखों में नहीं देख पा रहा था। मैं बस वहीं बैठा रहा जब तक कि चिरोन ने परिषद का समापन नहीं कर दिया।
“ठीक है,” उसने कहा। “थालिया और ग्रोवर, ज़ोई, बियांका और फोएबे के साथ जाएँगे। आप सुबह होते ही निकल जाना। और ईश्वर—उसने डायोनिसस की ओर देखा—“आशा है कि यहाँ उपस्थित सभी लोग आपके साथ हों।”

मैं उस रात खाने पर नहीं गया, जो एक गलती थी, क्योंकि चिरोन और ग्रोवर मुझे ढूंढते हुए आ गए थे।
“पर्सी, मुझे बहुत अफ़सोस है!” ग्रोवर ने मेरे बगल में चारपाई पर बैठते हुए कहा। “मुझे नहीं पता था कि वे—कि तुम—सच में!”
वह सिसकने लगा, और मुझे लगा कि अगर मैंने उसे खुश नहीं किया तो वह या तो जोर-जोर से रोने लगेगा या मेरा गद्दा चबाने लगेगा। जब भी वह परेशान होता है तो घर की चीजें खाने लगता है।
मैंने झूठ बोला, "कोई बात नहीं। सच में। कोई दिक्कत नहीं है।"
ग्रोवर का निचला होंठ कांप रहा था। “मैं सोच भी नहीं रहा था... मैं आर्टेमिस की मदद करने में इतना मग्न था। लेकिन मैं वादा करता हूँ, मैं एनाबेथ को हर जगह ढूंढूंगा। अगर मुझे वो मिल गई, तो मैं ज़रूर ढूंढूंगा।”
मैंने सिर हिलाया और अपनी छाती में खुल रहे बड़े गड्ढे को नजरअंदाज करने की कोशिश की।
“ग्रोवर,” चिरोन ने कहा, “क्या आप मुझे पर्सी से बात करने देंगे?”
“ज़रूर,” उसने नाक सिकोड़ते हुए कहा।
चिरोन ने इंतजार किया।
“ओह,” ग्रोवर ने कहा। “तुम्हारा मतलब अकेले से है? हाँ, चिरोन।” उसने मेरी तरफ उदास निगाहों से देखा। “देखा? किसी को बकरी की ज़रूरत नहीं होती।”
वह अपनी आस्तीन से नाक पोंछते हुए दरवाजे से बाहर निकल गया।

चिरोन ने आह भरी और अपने घोड़े के पैरों पर घुटने टेक दिए। "पर्सी, मैं भविष्यवाणियों को समझने का दिखावा नहीं करता।"
“हां,” मैंने कहा। “शायद इसलिए क्योंकि उनका कोई मतलब ही नहीं है।”
चिरोन कमरे के कोने में बहते खारे पानी के झरने को निहार रहा था। “इस मिशन पर जाने के लिए थालिया मेरी पहली पसंद नहीं होती। वह बहुत जल्दबाज़ है। वह बिना सोचे-समझे काम करती है। वह खुद पर बहुत ज़्यादा यकीन रखती है।”
क्या तुम मुझे चुनते?
“सच कहूँ तो, नहीं,” उन्होंने कहा। “आप और थैलिया काफी हद तक एक जैसी हैं।”
"बहुत-बहुत धन्यवाद।"
वह मुस्कुराया। “फर्क सिर्फ इतना है कि तुम थैलिया से कम आत्मविश्वासी हो। यह अच्छा भी हो सकता है और बुरा भी। लेकिन एक बात मैं कह सकता हूँ: तुम दोनों का साथ होना खतरनाक साबित होगा।”
हम इसे संभाल सकते हैं।
"आज रात नाले पर तुमने जिस तरह से स्थिति को संभाला?"
मैंने कोई जवाब नहीं दिया। उसने मुझे फंसा लिया था।
“शायद यही बेहतर है,” चिरोन ने सोचा। “तुम छुट्टियों में अपनी माँ के घर जा सकते हो। अगर हमें तुम्हारी ज़रूरत पड़ी तो हम तुम्हें बुला लेंगे।”
“हां,” मैंने कहा। “शायद।”
मैंने अपनी जेब से रिपटाइड नोटबुक निकाली और उसे अपने नाइटस्टैंड पर रख दिया। मुझे नहीं लगता था कि मैं इसका इस्तेमाल क्रिसमस कार्ड लिखने के अलावा किसी और काम के लिए करूंगा।
कलम देखते ही चिरोन ने मुंह बनाया। "शायद इसीलिए ज़ोई नहीं चाहती कि तुम उसके साथ जाओ। खासकर तब जब तुम यह खास हथियार लिए घूम रहे हो।"
मुझे उसकी बात समझ नहीं आई। फिर मुझे वह बात याद आई जो उसने मुझे बहुत पहले बताई थी, जब उसने मुझे पहली बार जादुई तलवार दी थी: इसका एक लंबा और दुखद इतिहास है, जिसके बारे में हमें बात करने की ज़रूरत नहीं है।
मैं उससे इस बारे में पूछना चाहता था, लेकिन तभी उसने अपने थैले से एक सुनहरा सिक्का निकाला और मेरी तरफ फेंक दिया। “अपनी माँ को फोन करो, पर्सी। उन्हें बता दो कि तुम सुबह घर आ रहे हो। और हाँ, वैसे... मैं खुद भी इस मिशन में शामिल होने के लिए लगभग तैयार हो गया था। अगर आखिरी बात न होती तो मैं ज़रूर जाता।”
“एक व्यक्ति अपने माता-पिता के हाथों ही मरेगा। हाँ।”

मुझे पूछने की ज़रूरत नहीं थी। मैं जानता था कि चिरोन के पिता क्रोनोस थे, जो स्वयं दुष्ट टाइटन लॉर्ड थे। अगर चिरोन उस खोज पर जाता तो यह बात बिल्कुल सही बैठती। क्रोनोस को किसी की परवाह नहीं थी, यहाँ तक कि अपने बच्चों की भी नहीं।
मैंने कहा, "चिरोन, तुम जानते हो कि इस टाइटन का श्राप क्या है, है ना?"
उसका चेहरा गंभीर हो गया। उसने अपने दिल पर पंजा बनाया और बाहर की ओर धकेला—बुराई को दूर भगाने का एक प्राचीन संकेत। “उम्मीद है कि भविष्यवाणी का मतलब वो नहीं है जो मैं सोच रहा हूँ। अब, शुभ रात्रि, पर्सी। और तुम्हारा समय भी आएगा। मुझे पूरा विश्वास है। जल्दबाजी करने की कोई जरूरत नहीं है।”
उसने तुम्हारा समय उसी तरह कहा जैसे लोग तुम्हारी मृत्यु के समय कहते हैं। मुझे नहीं पता था कि चिरोन का मतलब यही था या नहीं, लेकिन उसकी आँखों में जो भाव थे, उन्हें देखकर मैं पूछने से डर गया।

मैं खारे पानी के झरने के पास खड़ी थी, काइरन के सिक्के को हाथ में रगड़ रही थी और सोच रही थी कि अपनी माँ से क्या कहूँ। सच कहूँ तो, मैं किसी और बड़े से यह सुनने के मूड में नहीं थी कि कुछ न करना ही सबसे अच्छा काम है, लेकिन मुझे लगा कि मेरी माँ को यह बात बतानी ज़रूरी है।
अंत में, मैंने गहरी सांस ली और सिक्का पानी में फेंक दिया। "हे देवी, मेरी भेंट स्वीकार करो।"
धुंध झिलमिला रही थी। बाथरूम से आ रही रोशनी इतनी थी कि उससे एक हल्का सा इंद्रधनुष बन रहा था।
मैंने कहा, "मुझे सैली जैक्सन दिखाओ। अपर ईस्ट साइड, मैनहट्टन।"
और धुंध में मुझे एक ऐसा दृश्य दिखाई दिया जिसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। मेरी माँ रसोई की मेज पर किसी आदमी के साथ बैठी थीं। वे दोनों ज़ोर-ज़ोर से हंस रहे थे। उनके बीच किताबों का एक बड़ा ढेर पड़ा था। वह आदमी, मुझे नहीं पता, तीस के आसपास का था, उसके बाल लंबे और सफ़ेद-काले थे और उसने काली टी-शर्ट के ऊपर भूरी जैकेट पहनी हुई थी। वह किसी अभिनेता जैसा लग रहा था—जैसे कोई टीवी पर गुप्त पुलिस वाले का किरदार निभाता हो।
मैं इतना स्तब्ध था कि कुछ कह नहीं पाया, और सौभाग्य से, मेरी माँ और वह लड़का हँसने में इतने व्यस्त थे कि उन्होंने मेरे आइरिस संदेश पर ध्यान ही नहीं दिया।
उस आदमी ने कहा, "सैली, तुम तो कमाल हो। क्या तुम्हें और शराब चाहिए?"
“अरे नहीं, मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए। अगर आप चाहें तो आप कर सकते हैं।”
“दरअसल, मुझे आपका बाथरूम इस्तेमाल करना चाहिए। क्या मैं कर सकता हूँ?”
"गलियारे के उस पार," उसने हंसने की कोशिश करते हुए कहा।
अभिनेता मुस्कुराया और उठकर चला गया।
“माँ!” मैंने कहा।
वो इतनी ज़ोर से उछली कि उसकी किताबें लगभग मेज़ से गिर ही गईं। आखिर में उसने मेरी तरफ ध्यान दिया। “पर्सी! ओह, प्यारे! सब ठीक है ना?”

मैंने पूछा, “तुम क्या कर रहे हो?”
उसने पलकें झपकाईं। "होमवर्क।" फिर उसे मेरे चेहरे के भाव समझ में आ गए। "ओह, बेटा, ये तो पॉल हैं—उम, मिस्टर ब्लोफिस। वो मेरे लेखन सेमिनार में हैं।"
“श्रीमान ब्लोफिश?”
“ब्लोफिस। वो एक मिनट में वापस आ जाएगा, पर्सी। मुझे बताओ क्या हुआ है।”
उसे हमेशा पता चल जाता था कि कुछ गड़बड़ है। मैंने उसे एनाबेथ के बारे में बताया। बाकी बातें भी बताईं, लेकिन मुख्य रूप से एनाबेथ के बारे में ही।
मेरी माँ की आँखों में आँसू आ गए। मैं समझ गई कि वो मेरे लिए खुद को संभाले रखने की बहुत कोशिश कर रही थीं। "ओह, पर्सी..."
“हाँ। तो वे मुझसे कहते हैं कि मैं कुछ नहीं कर सकता। मुझे लगता है कि मुझे घर वापस आना पड़ेगा।”
उसने अपनी उंगलियों में पेंसिल घुमाई। “पर्सी, मैं तुम्हें घर वापस लाना चाहती हूँ”—उसने खुद पर गुस्सा करते हुए आह भरी—“मैं तुम्हें सुरक्षित देखना चाहती हूँ, लेकिन मैं चाहती हूँ कि तुम एक बात समझ लो। तुम्हें वही करना होगा जो तुम्हें सही लगे।”
मैंने उसे घूरकर देखा। "तुम्हारा क्या मतलब है?"
“मेरा मतलब है, क्या तुम सचमुच, दिल से, मानते हो कि तुम्हें उसे बचाने में मदद करनी चाहिए? क्या तुम्हें लगता है कि यह सही काम है? क्योंकि मैं तुम्हारे बारे में एक बात जानती हूँ, पर्सी। तुम्हारा दिल हमेशा नेक होता है। अपने दिल की सुनो।”
“तुम...तुम मुझे जाने के लिए कह रहे हो?”
मेरी माँ ने अपने होंठ सिकोड़ लिए। “मैं तुमसे कह रही हूँ कि...अब तुम इतने बड़े हो गए हो कि मैं तुम्हें बताऊँ कि क्या करना है। मैं तुमसे कह रही हूँ कि मैं तुम्हारा साथ दूँगी, चाहे तुम जो भी फैसला करो, वो खतरनाक ही क्यों न हो। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मैं ये कह रही हूँ।”
"माँ-"
हमारे अपार्टमेंट में शौचालय का फ्लश गलियारे में जाकर गिरा।
“मेरे पास ज्यादा समय नहीं है,” मेरी माँ ने कहा। “पर्सी, तुम जो भी फैसला करो, मैं तुमसे प्यार करती हूँ। और मुझे पता है कि तुम एनाबेथ के लिए सबसे अच्छा ही करोगे।”
"आप इतने सुनिश्चित कैसे हो सकते हैं?"
क्योंकि वह भी तुम्हारे लिए ऐसा ही करेगी।
और इसी के साथ, मेरी माँ ने धुंध पर अपना हाथ हिलाया, और वह संबंध टूट गया, जिससे मेरे मन में उनके नए दोस्त, मिस्टर ब्लोफिश की एक आखिरी छवि रह गई, जो उन पर मुस्कुरा रहा था।

मुझे नींद आने का समय याद नहीं है, लेकिन मुझे सपना याद है।

मैं वापस उसी वीरान गुफा में था, जिसकी छत भारी और नीची थी। एनाबेथ पत्थरों के ढेर जैसे दिखने वाले एक भारी-भरकम ढांचे के नीचे घुटनों के बल बैठी थी। वह इतनी थकी हुई थी कि चीख भी नहीं पा रही थी। उसके पैर कांप रहे थे। मुझे पता था कि किसी भी पल उसकी ताकत जवाब दे जाएगी और गुफा की छत उसके ऊपर गिर जाएगी।

“हमारा नश्वर अतिथि कैसा है?” एक पुरुष की गरजती हुई आवाज सुनाई दी।

यह क्रोनोस नहीं था। क्रोनोस की आवाज़ कर्कश और धातु जैसी थी, मानो किसी पत्थर पर चाकू रगड़ा जा रहा हो। मैंने पहले भी कई बार सपनों में उसकी आवाज़ सुनी थी, जो मुझे चिढ़ा रही थी। लेकिन यह आवाज़ कहीं ज़्यादा गहरी और धीमी थी, मानो बास गिटार की हो। उसकी ताकत से ज़मीन कांप उठी।

ल्यूक अंधेरे से बाहर निकला। वह एनाबेथ की ओर दौड़ा, उसके बगल में घुटनों के बल बैठ गया, फिर उस अनदेखे आदमी की ओर देखा। “वह कमजोर पड़ रही है। हमें जल्दी करनी चाहिए।”

वह पाखंडी। मानो उसे सच में परवाह हो कि उसके साथ क्या होता है।

गहरी आवाज़ खिलखिला उठी। यह किसी ऐसे व्यक्ति की आवाज़ थी जो अंधेरे में, मेरे सपने के किनारे पर छिपा था। तभी एक मजबूत हाथ ने किसी को प्रकाश की ओर धकेल दिया—आर्टेमिस—जिसके हाथ और पैर दिव्य कांसे की जंजीरों से बंधे थे।

मैं चौंक गया। उसकी चांदी जैसी पोशाक फटी हुई थी। उसके चेहरे और बांहों पर कई जगह गहरे घाव थे, और उससे देवताओं का सुनहरा रक्त बह रहा था।

"तुमने लड़के की बात सुनी," अंधेरे में छिपे आदमी ने कहा। "फैसला करो!"

आर्टेमिस की आँखों में क्रोध की चमक थी। मुझे नहीं पता था कि वह जंजीरों को तोड़कर खुद को गायब क्यों नहीं कर लेती, लेकिन ऐसा लग रहा था कि वह ऐसा करने में असमर्थ है। शायद जंजीरें उसे रोक रही थीं, या इस अंधेरी, भयानक जगह का कोई जादू।

देवी ने एनाबेथ की ओर देखा और उनके चेहरे पर चिंता और आक्रोश के भाव उभर आए। "तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई एक युवती को इस तरह प्रताड़ित करने की!"

“वह जल्द ही मर जाएगी,” ल्यूक ने कहा। “तुम उसे बचा सकते हो।”

एनाबेथ ने विरोध में एक कमजोर सी आवाज निकाली। मेरा दिल मानो एक गांठ की तरह कस गया था। मैं उसकी ओर दौड़ना चाहती थी, लेकिन हिल भी नहीं पा रही थी।

"मेरे हाथ छोड़ दो," आर्टेमिस ने कहा।

ल्यूक ने अपनी तलवार, बैकबाइटर, निकाली। एक ही कुशल प्रहार से उसने देवी की हथकड़ी तोड़ दी।

आर्टेमिस दौड़कर एनाबेथ के पास गई और उसके कंधों से बोझ उतार लिया। एनाबेथ ज़मीन पर गिर पड़ी और कांपने लगी। आर्टेमिस लड़खड़ा गई, काले पत्थरों का भार संभालने की कोशिश कर रही थी।

अंधेरे में खड़े उस आदमी ने खिलखिलाकर हंसते हुए कहा, "तुम जितनी आसानी से हार जाती थी, उतनी ही आसानी से अनुमान लगाने योग्य भी हो, आर्टेमिस।"

“तुमने मुझे चौंका दिया,” देवी ने बोझ से दबी आवाज़ में कहा। “ऐसा दोबारा नहीं होगा।”
“बिल्कुल नहीं,” उस आदमी ने कहा। “अब तुम हमेशा के लिए रास्ते से हट गई हो! मुझे पता था कि तुम एक युवती की मदद करने से खुद को रोक नहीं पाओगी। आख़िरकार, यही तो तुम्हारी खासियत है, मेरी प्यारी।”
आर्टेमिस कराह उठी। "तुम दया के बारे में कुछ नहीं जानते, सूअर!"
“इस बात पर हम सहमत हो सकते हैं। ल्यूक, अब तुम लड़की को मार सकते हो,” उस आदमी ने कहा।
“नहीं!” आर्टेमिस चिल्लाई।
ल्यूक हिचकिचाया। "वह—वह अभी भी उपयोगी हो सकती है, महोदय। आगे के लिए चारा।"
“अरे! क्या आप सचमुच ऐसा मानते हैं?”
"जी हां, जनरल। वे उसे लेने आएंगे। मुझे पूरा यकीन है।"
उस आदमी ने सोचा, “तो फिर ड्रेकेनी उसकी रक्षा यहाँ कर सकती हैं। अगर वह अपनी चोटों से नहीं मरती है, तो आप उसे शीतकालीन संक्रांति तक जीवित रख सकते हैं। उसके बाद, अगर हमारी बलि योजना के अनुसार सफल होती है, तो उसका जीवन अर्थहीन हो जाएगा। सभी मनुष्यों का जीवन अर्थहीन हो जाएगा।”
ल्यूक ने एनाबेथ के बेजान शरीर को उठाया और उसे देवी से दूर ले गया।
“तुम जिस राक्षस की तलाश कर रहे हो, वह तुम्हें कभी नहीं मिलेगा,” आर्टेमिस ने कहा। “तुम्हारी योजना विफल हो जाएगी।”
“तुम्हें कितना कम ज्ञान है, मेरी नन्ही देवी,” परछाई में खड़े उस आदमी ने कहा। “अभी भी, तुम्हारे प्यारे सेवक तुम्हें खोजने के लिए निकल पड़े हैं। वे सीधे मेरे जाल में फँसेंगे। अब, अगर तुम हमें अनुमति दो, तो हमें एक लंबी यात्रा करनी है। हमें तुम्हारे शिकारियों का स्वागत करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी खोज...चुनौतीपूर्ण हो।”
उस आदमी की हंसी अंधेरे में गूंज उठी, जिससे जमीन इतनी हिल गई कि ऐसा लगा मानो पूरी गुफा की छत गिर जाएगी।

मैं अचानक चौंककर जाग गया। मुझे यकीन था कि मैंने जोर से खटखटाने की आवाज सुनी थी।
मैंने केबिन के चारों ओर देखा। बाहर अंधेरा था। खारे पानी का झरना अभी भी कलकल कर रहा था। जंगल में उल्लू की आवाज़ और दूर समुद्र तट पर लहरों की हल्की आवाज़ के अलावा कोई और आवाज़ नहीं थी। चांदनी में, मेरे नाइटस्टैंड पर, एनाबेथ की न्यूयॉर्क यांकीज़ की टोपी रखी थी। मैंने उसे एक पल के लिए देखा, और फिर: धमाका। धमाका।
कोई, या कुछ, मेरे दरवाजे पर ज़ोर-ज़ोर से दस्तक दे रहा था।
मैंने रिपटाइड को उठाया और बिस्तर से उठ गया।
मैंने पुकारा, “हेलो?”
प्रहार प्रहार।

मैं दबे पांव दरवाजे तक गया।
मैंने ब्लेड का ढक्कन खोला, दरवाजा जोर से खोला और खुद को एक काले पेगासस के सामने पाया।
वाह, मालिक! तलवार की धार से दूर भागते हुए उसकी आवाज़ मेरे दिमाग में गूंजी। मैं घोड़े का खिलौना नहीं बनना चाहता!
उसके काले पंख खतरे के संकेत में फैल गए, और हवा ने मुझे एक कदम पीछे धकेल दिया।
“ब्लैकजैक,” मैंने राहत भरी लेकिन थोड़ी झुंझलाहट के साथ कहा। “आधी रात हो चुकी है!”
ब्लैकजैक ने गुस्से से कहा, "मैं भी नहीं, बॉस। सुबह के पाँच बज रहे हैं। आप अभी तक क्यों सो रहे हैं?"
मैंने तुम्हें कितनी बार कहा है? मुझे बॉस मत कहो।
आप जो भी कहें, बॉस। आप ही असली मर्द हैं। आप मेरे नंबर वन हैं।
मैंने अपनी आँखों से नींद को मलकर हटाया और कोशिश की कि पेगासस मेरे विचारों को न पढ़ पाए। पोसीडॉन का पुत्र होने की यही समस्या है: क्योंकि उन्होंने घोड़ों को समुद्री झाग से बनाया था, इसलिए मैं ज्यादातर घुड़सवार जानवरों को समझ सकता हूँ, लेकिन वे भी मुझे समझ सकते हैं। कभी-कभी, जैसे ब्लैकजैक के मामले में, वे मुझे अपना लेते हैं।
देखो, ब्लैकजैक पिछले साल गर्मियों में ल्यूक के जहाज पर बंदी था, लेकिन हमने थोड़ी सी गड़बड़ी करके उसे भागने का मौका दे दिया। सच कहूँ तो, इसमें मेरा बहुत कम हाथ था, लेकिन ब्लैकजैक ने मुझे ही अपनी जान बचाने का श्रेय दिया।
मैंने कहा, "ब्लैकजैक, तुम्हें अस्तबल में ही रहना चाहिए।"
उफ़, अस्तबल। क्या आपने काइरन को अस्तबल में ठहरते देखा है?
"अच्छा नहीं।"
बिल्कुल सही। सुनो, हमारे एक और छोटे समुद्री दोस्त को तुम्हारी मदद की ज़रूरत है।
"दोबारा?"
हाँ। मैंने हिप्पोकैम्पस को बताया था कि मैं तुम्हें लेने आऊँगा।
मैं आह भर उठा। जब भी मैं समुद्र तट के आसपास होता, हिप्पोकैम्पस मुझसे अपनी समस्याओं में मदद मांगते। और उनकी समस्याएं बहुत सारी होती थीं। किनारे पर फंसी व्हेल, मछली पकड़ने के जालों में फंसी डॉल्फ़िन, नाखूनों में घाव वाली जलपरियां— वे मुझे पानी के नीचे आकर मदद करने के लिए बुलाती थीं।
“ठीक है,” मैंने कहा। “मैं आ रहा हूँ।”
आप सबसे अच्छे हैं, बॉस।
और मुझे बॉस मत कहो!
ब्लैकजैक ने धीरे से हिनहिनाया। शायद वह हंस रहा था।
मैंने अपने आरामदायक बिस्तर की ओर देखा। मेरी कांस्य ढाल अभी भी दीवार पर टंगी थी, टूटी-फूटी और बेकार। और मेरे नाइटस्टैंड पर एनाबेथ की जादुई यांकीज़ टोपी पड़ी थी। अचानक ही मैंने टोपी अपनी जेब

में रख ली। शायद मुझे तब भी यह आभास हो गया था कि मैं बहुत लंबे समय तक अपने केबिन में वापस नहीं आऊँगा।

आठ

मैं एक खतरनाक वादा करता हूँ

ब्लैकजैक ने मुझे समुद्र तट पर सैर कराई, और मुझे मानना पड़ेगा कि यह बहुत शानदार था। उड़ते हुए घोड़े पर सवार होकर, सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से लहरों पर सरकते हुए, बालों में हवा और चेहरे पर समुद्री फुहार का आनंद लेना—वाह, यह तो वाटरस्कीइंग से कहीं बेहतर है।

यहां। ब्लैकजैक धीमा हुआ और गोल घूमने लगा। सीधा नीचे।

"धन्यवाद।" मैं उसकी पीठ से नीचे गिर गया और बर्फीले समुद्र में कूद गया।

पिछले कुछ सालों में मुझे इस तरह के स्टंट करने में ज़्यादा आसानी होने लगी थी। मैं पानी के अंदर लगभग जैसे चाहूँ वैसे हिल-डुल सकता था, बस समुद्र की धाराओं को अपने चारों ओर बदलने और मुझे आगे बढ़ाने के लिए मजबूर कर देता था। मैं पानी के अंदर आसानी से साँस ले सकता था, और मेरे कपड़े कभी गीले नहीं होते थे जब तक कि मैं खुद न चाहूँ।

मैं अंधेरे में तेजी से नीचे उतरा।

बीस, तीस, चालीस फीट। दबाव असहनीय नहीं था। मैंने कभी इसे आज़माने की कोशिश नहीं की थी—यह देखने की कि मैं कितनी गहराई तक गोता लगा सकता हूँ। मुझे पता था कि ज़्यादातर सामान्य इंसान एल्युमिनियम के डिब्बे की तरह पिचकने से पहले दो सौ फीट से ज़्यादा नीचे नहीं जा सकते। रात में पानी की इतनी गहराई में मुझे अंधा हो जाना चाहिए था, लेकिन मैं जीवित प्राणियों की गर्मी और धाराओं की ठंडक महसूस कर सकता था। इसे शब्दों में बयान करना मुश्किल है। यह सामान्य दृष्टि जैसा नहीं था, लेकिन मैं बता सकता था कि हर चीज़ कहाँ है।

जैसे-जैसे मैं तल के करीब पहुंचा, मैंने तीन हिप्पोकैम्पी (मछली की पूंछ वाले घोड़े) को एक उलटी नाव के चारों ओर चक्कर लगाते हुए तैरते देखा। हिप्पोकैम्पी को देखना बहुत सुंदर था। उनकी मछली जैसी पूंछें इंद्रधनुषी रंगों में चमक रही थीं, मानो फास्फोरसेंट चमक रही हों। उनके बाल सफेद थे, और वे पानी में ऐसे दौड़ रहे थे जैसे आंधी में घबराए हुए घोड़े दौड़ते हैं। कोई बात उन्हें परेशान कर रही थी।

मैं पास गया और समस्या देखी। एक काली आकृति—कोई जानवर जैसा कुछ—नाव के नीचे आधा फंसा हुआ था और मछली पकड़ने के जाल में उलझा हुआ था। ये वही बड़े जाल थे जो ट्रॉलरों पर एक साथ सब कुछ पकड़ने के लिए इस्तेमाल होते हैं। मुझे ये जाल बिल्कुल पसंद नहीं थे। ये तो डॉल्फ़िन और पोरपोइज़ को डुबो देते थे, लेकिन कभी-कभी ये पौराणिक जानवरों को भी पकड़ लेते थे। जब जाल उलझ जाते थे, तो कुछ आलसी मछुआरे उन्हें काटकर अलग कर देते थे और फंसे हुए जानवरों को मरने के लिए छोड़ देते थे।

ऐसा लगता है कि यह बेचारा जीव लॉन्ग आइलैंड साउंड की तलहटी में इधर-उधर भटक रहा था और किसी तरह इस डूबी हुई मछली पकड़ने वाली नाव के जाल में फंस गया था। उसने बाहर निकलने की कोशिश की और बुरी तरह फंस गया, जिससे नाव भी हिल गई। अब नाव का मलबा, जो एक बड़ी चट्टान से टिका हुआ था, डगमगा रहा था और फंसे हुए जीव के ऊपर गिरने की कगार पर था।

हिप्पोकैम्पस बेचैनी से इधर-उधर तैर रहे थे, मदद करना चाहते थे लेकिन उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि कैसे करें। एक हिप्पोकैम्पस जाल को चबाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन हिप्पोकैम्पस के दांत रस्सी काटने के लिए नहीं बने होते। हिप्पोकैम्पस बहुत मजबूत होते हैं, लेकिन उनके हाथ नहीं होते, और वे (चुपके से) उतने बुद्धिमान भी नहीं होते।

"इसे मुक्त करो, प्रभु!" एक हिप्पोकैम्पस ने मुझे देखकर कहा। बाकी हिप्पोकैम्पस भी यही पूछने लगे।

मैं उस उलझे हुए जीव को करीब से देखने के लिए पानी में तैरकर गया। पहले तो मुझे लगा कि यह एक छोटा हिप्पोकैम्पस है। मैंने पहले भी कई हिप्पोकैम्पस बचाए थे। लेकिन तभी मुझे एक अजीब सी आवाज़ सुनाई दी, जो पानी के अंदर की आवाज़ नहीं होनी चाहिए थी:

“मूंऊऊऊऊ!”

मैं उसके पास गया और देखा कि वह एक गाय थी। मतलब... मैंने समुद्री गायों के बारे में सुना था, जैसे मैनटी वगैरह, लेकिन यह सचमुच एक गाय थी जिसका पिछला हिस्सा सांप जैसा था। अगला हिस्सा एक बछड़ा था —एक बच्चा, काले फर वाला, बड़ी-बड़ी उदास भूरी आँखें और सफेद थूथन वाला—और पिछला हिस्सा एक काली-भूरी सांप जैसी पूंछ थी जिसके ऊपर और नीचे पंख फैले हुए थे, बिल्कुल एक विशालकाय ईल की तरह।

“अरे वाह, नन्ही बच्ची,” मैंने कहा। “तुम कहाँ से आई हो?”

उस प्राणी ने मेरी ओर उदास निगाहों से देखा। “मूंऊऊ!”

लेकिन मैं उसके विचारों को समझ नहीं सका। मैं सिर्फ घोड़ों की भाषा समझता हूँ।

हे प्रभु, हमें नहीं पता कि यह क्या है, हिप्पोकैम्पस में से एक ने कहा। कई अजीबोगरीब चीजें हलचल मचा रही हैं।

“हाँ,” मैंने धीरे से कहा। “मैंने भी यही सुना है।”

मैंने रिपटाइड की टोपी खोली, और तलवार मेरे हाथों में पूरी लंबाई तक बढ़ गई, अंधेरे में उसका कांस्य ब्लेड चमक रहा था।

गाय के आकार का सांप घबरा गया और जाल से छूटने के लिए छटपटाने लगा, उसकी आँखों में दहशत भरी थी। “अरे रुको!” मैंने कहा। “मैं तुम्हें चोट नहीं पहुँचाऊँगा! बस मुझे जाल काटने दो।”

लेकिन गाय सर्प छटपटाने लगा और और भी उलझ गया। नाव एक तरफ झुकने लगी, जिससे समुद्र तल पर जमी गंदगी हिलने लगी और ऐसा लगा जैसे नाव गाय सर्प पर गिर जाएगी। उसके कूल्हे घबराकर हिनहिनाने लगे और पानी में छटपटाने लगे, जिससे स्थिति और बिगड़ गई।

“ठीक है, ठीक है!” मैंने कहा। मैंने तलवार एक तरफ रख दी और जितना हो सके शांत होकर बोलने लगा ताकि हिप्पोकैम्पस और गाय सर्प घबराना बंद कर दें। मुझे नहीं पता था कि पानी के अंदर भगदड़ मच सकती है या नहीं, लेकिन मैं सच में यह जानना भी नहीं चाहता था। “यह बढ़िया है। तलवार नहीं है। देखा? तलवार नहीं है। शांत विचार। समुद्री घास। गाय माँ। शाकाहार।”

मुझे शक था कि गाय सर्प मेरी बात समझ पा रहा था, लेकिन उसने मेरी आवाज़ के लहजे पर प्रतिक्रिया दी। उसके कूल्हे अभी भी थोड़े घबराए हुए थे, लेकिन अब वे मेरे चारों ओर उतनी तेज़ी से नहीं घूम रहे थे।

हे प्रभु, इसे मुक्त कर दो! उन्होंने विनती की।

“हां,” मैंने कहा। “मुझे वह हिस्सा समझ आ गया है। मैं सोच रहा हूँ।”

लेकिन मैं उस गाय-सांप को कैसे मुक्त कर सकता था, जब वह (मैंने अनुमान लगाया कि वह शायद मादा थी) तलवार को देखते ही घबरा गई? ऐसा लग रहा था जैसे उसने पहले भी तलवारें देखी हों और जानती हो कि वे कितनी खतरनाक होती हैं।

“ठीक है,” मैंने हिप्पोकैम्पस से कहा। “मुझे आप सभी से ठीक उसी तरह धक्का देने की ज़रूरत है जैसा मैं आपको बताता हूँ।”

सबसे पहले हमने नाव से शुरुआत की। यह आसान नहीं था, लेकिन तीन हॉर्सपावर की ताकत से हम मलबे को हटाने में कामयाब रहे ताकि वह अब नन्ही साँप पर गिरने का खतरा न रहे। फिर मैं जाल पर काम करने लगा, उसे टुकड़ों में सुलझाता गया, सीसे के वज़न और मछली पकड़ने के काँटों को सीधा करता गया, और साँप के खुरों के चारों ओर लिपटी गांठों को खींचकर निकालता गया। इसमें बहुत समय लगा—मेरा मतलब है, यह मेरे वीडियो गेम कंट्रोलर के सारे तारों को सुलझाने से भी ज़्यादा मुश्किल था। पूरे समय मैं साँप से बातें करता रहा, उसे बताता रहा कि सब ठीक है, जबकि वह रंभाती और कराहती रही।

“कोई बात नहीं, बेसी,” मैंने कहा। मुझसे मत पूछो कि मैंने उसे इस नाम से क्यों पुकारना शुरू किया। बस मुझे लगा कि यह गाय के लिए एक अच्छा नाम है। “अच्छी गाय। प्यारी गाय।”

अंततः जाल हट गया और गाय के आकार का सांप पानी में तेजी से तैरता हुआ खुशी से कलाबाजी करने लगा।

हृदयास्थि आनंद से हिनहिना उठी। धन्यवाद, प्रभु!

“मूं!” गाय के आकार के सांप ने मुझे सहलाया और अपनी बड़ी-बड़ी भूरी आँखों से मेरी ओर देखा।

“हाँ,” मैंने कहा। “कोई बात नहीं। अच्छी गाय है। अच्छा... मुसीबत से दूर रहना।”

इससे मुझे याद आया, मैं पानी के अंदर कितनी देर रहा? कम से कम एक घंटा। मुझे आर्गस या हार्पीज़ को पता चलने से पहले अपने केबिन में वापस जाना था कि मैं कर्फ्यू तोड़ रहा हूँ।

मैं झट से सतह पर आ गया और पानी से बाहर निकल आया। तुरंत ही, ब्लैकजैक तेजी से नीचे आया और मुझे उसकी गर्दन पकड़ने दी। उसने मुझे हवा में उठाया और किनारे की ओर वापस ले गया।

सफलता मिली, बॉस?

“हाँ। हमने एक बच्चे को बचाया... कुछ और। बहुत समय लग गया। लगभग भगदड़ मचने ही वाली थी।”
अच्छे कर्म हमेशा खतरनाक होते हैं, बॉस। आपने मेरे बेचारे बालों को बचा लिया, है ना?
मुझे अपने सपने की याद आ रही थी, जिसमें एनाबेथ ल्यूक की बाहों में बेजान पड़ी थी। मैं तो नन्हे राक्षसों को बचा रही थी, लेकिन अपनी दोस्त को नहीं बचा पाई।
जब ब्लैकजैक मेरी केबिन की ओर वापस उड़ रहा था, तो मेरी नज़र संयोगवश भोजन कक्ष पर पड़ी। मैंने एक आकृति देखी—एक लड़का एक ग्रीक स्तंभ के पीछे दुबका हुआ था, मानो वह किसी से छिप रहा हो।
वो निको था, लेकिन अभी सुबह भी नहीं हुई थी। नाश्ते का समय भी नहीं हुआ था। वो ऊपर क्या कर रहा था?
मैं हिचकिचाया। मैं बिल्कुल नहीं चाहता था कि निको मुझे अपने मिथोमैजिक गेम के बारे में और ज़्यादा बताए। लेकिन कुछ तो गड़बड़ थी। उसके बैठने के तरीके से मुझे यह समझ आ गया था।
मैंने कहा, "ब्लैकजैक, मुझे वहाँ उतार दोगे? उस खंभे के पीछे।"

मैं लगभग सब कुछ बिगाड़ ही चुका था।
मैं निको के पीछे सीढ़ियों से ऊपर आ रहा था। उसने मुझे देखा तक नहीं। वह एक खंभे के पीछे छिपा हुआ था, कोने से झाँक रहा था, उसका सारा ध्यान खाने के क्षेत्र पर केंद्रित था। मैं उससे पाँच फीट दूर था, और मैं ज़ोर से कहने ही वाला था, "तुम क्या कर रहे हो?" तभी मुझे अचानक याद आया कि वह ग्रोवर की तरह ही कुछ कर रहा था: वह हंटर्स की जासूसी कर रहा था।
कुछ आवाजें सुनाई दे रही थीं—दो लड़कियां खाने की मेज पर बातें कर रही थीं। सुबह के इस अजीब समय में? खैर, अगर आप भोर की देवी हैं तो शायद बात अलग है।
मैंने एनाबेथ की जादुई टोपी अपनी जेब से निकाली और पहन ली।
मुझे कोई फर्क महसूस नहीं हुआ, लेकिन जब मैंने अपनी बाहें ऊपर उठाईं तो मैं उन्हें देख नहीं पा रही थी। मैं अदृश्य हो गई थी।
मैं चुपके से निको के पास गया और उसके चारों ओर छिपकर निकल गया। अंधेरे में मुझे लड़कियाँ ठीक से दिखाई नहीं दे रही थीं, लेकिन मैंने उनकी आवाज़ें पहचान लीं: ज़ोई और बियांका। ऐसा लग रहा था जैसे वे आपस में बहस कर रही हों।
ज़ोई कह रही थी, "इसका इलाज संभव नहीं है। कम से कम जल्दी तो बिल्कुल नहीं।"
“लेकिन यह सब हुआ कैसे?” बियांका ने पूछा।
“एक मूर्खतापूर्ण शरारत,” ज़ोई गुस्से से बोली। “हर्मेस केबिन के उन स्टॉल लड़कों ने ऐसा किया। सेंटॉर का खून एसिड जैसा होता है। यह तो सब जानते हैं। उन्होंने आर्टेमिस हंटिंग टूर की टी-शर्ट के अंदर वही खून छिड़क दिया।”
"वह भयानक है!"

ज़ोई ने कहा, “वह बच जाएगी। लेकिन उसे हफ़्तों तक भयानक चकत्ते पड़ जाएंगे और वह बिस्तर पर पड़ी रहेगी। उसका जाना नामुमकिन है। यह मेरी और तुम्हारी ज़िम्मेदारी है।”
"लेकिन भविष्यवाणी तो यही है," बियांका ने कहा। "अगर फोबी नहीं जा सकती, तो हमारे पास सिर्फ चार ही लोग बचेंगे। हमें किसी और को चुनना होगा।"
“समय नहीं है,” ज़ोई ने कहा। “हमें सूर्योदय होते ही निकलना होगा। बिल्कुल तुरंत। वैसे भी, भविष्यवाणी में कहा गया था कि हम में से एक को खो देंगे।”
"बारिश रहित भूमि में," बियांका ने कहा, "लेकिन ऐसा यहाँ नहीं हो सकता।"
"हो सकता है," ज़ोई ने कहा, हालाँकि उसकी आवाज़ में यकीन नहीं झलक रहा था। "शिविर की जादुई सीमाएँ हैं। बिना अनुमति के मौसम तक कुछ भी अंदर नहीं आ सकता। यह बारिश रहित भूमि हो सकती है।"
"लेकिन-"
“बियांका, मेरी बात सुनो।” ज़ोई की आवाज़ में तनाव था। “मैं...मैं समझा नहीं सकती, लेकिन मुझे ऐसा लग रहा है कि हमें किसी और को नहीं चुनना चाहिए। यह बहुत खतरनाक होगा। उनका अंत फ़ीबी से भी बदतर होगा। मैं नहीं चाहती कि चिरोन हमारे पाँचवें साथी के रूप में किसी कैंपर को चुने। और...मैं एक और हंटर को जोखिम में नहीं डालना चाहती।”
बियांका चुप रही। "तुम्हें अपने सपने का बाकी हिस्सा थालिया को बताना चाहिए।"
“नहीं। इससे कोई फायदा नहीं होगा।”
लेकिन अगर जनरल के बारे में आपके संदेह सही हैं तो—”
“मैंने तुमसे वचन लिया है कि मैं इस बारे में बात नहीं करूंगी,” ज़ोई ने कहा। उसकी आवाज़ में बहुत पीड़ा झलक रही थी। “हमें जल्द ही पता चल जाएगा। अब चलो। भोर हो रही है।”
निको उनके रास्ते से हट गया। वह मुझसे ज्यादा तेज था।
जैसे ही लड़कियाँ सीढ़ियों से नीचे भागीं, ज़ोई लगभग मुझसे टकरा गई। वह जम गई, उसकी आँखें सिकुड़ गईं। उसका हाथ धनुष की ओर बढ़ा, लेकिन तभी बियांका ने कहा, “बड़े महल की बत्तियाँ जल रही हैं। जल्दी करो!”
और ज़ोई भी उसके पीछे-पीछे मंडप से बाहर निकल गई।

मैं निको के मन की बात समझ गया था। उसने गहरी सांस ली और अपनी बहन के पीछे भागने ही वाला था कि मैंने अपनी अदृश्यता की टोपी उतार दी और कहा, "रुको।"
मुझे ढूंढने के लिए मुड़ते समय वह बर्फीली सीढ़ियों पर लगभग फिसल ही गया। "तुम कहाँ से आए हो?"
मैं तो पूरे समय यहीं था। अदृश्य।
उसने होंठों से अदृश्य शब्द कहा। "वाह। कमाल है।"

"तुम्हें कैसे पता चला कि ज़ोई और तुम्हारी बहन यहाँ हैं?"
वह शरमा गया। “मैंने उन्हें हर्मेस केबिन के पास से गुजरते हुए सुना। मुझे...शिविर में अच्छी नींद नहीं आती। इसलिए मैंने कदमों की आहट और उनकी फुसफुसाहट सुनी। और इसलिए मैं उनके पीछे-पीछे चल दिया।”
"और अब आप भी उनके पीछे-पीछे उस खोज पर जाने के बारे में सोच रहे हैं," मैंने अनुमान लगाया।
"आप उसे कैसे जानते हैं?"
"क्योंकि अगर यह मेरी बहन होती, तो शायद मैं भी यही सोच रहा होता। लेकिन आप ऐसा नहीं सोच सकते।"
वह अड़ियल लग रहा था। "क्योंकि मैं बहुत छोटा हूँ?"
“क्योंकि वे तुम्हें जाने नहीं देंगे। वे तुम्हें पकड़ लेंगे और वापस यहीं भेज देंगे। और...हाँ, क्योंकि तुम बहुत छोटे हो। तुम्हें मैन्टिकोर याद है? ऐसे और भी बहुत सारे आएंगे। ज़्यादा खतरनाक। कुछ नायकों की जान भी चली जाएगी।”
उसके कंधे झुक गए। वह एक पैर से दूसरे पैर पर हिलने लगा। "शायद तुम सही हो। लेकिन, लेकिन तुम मेरे लिए जा सकते हो।"
"क्या कहना?"
“तुम अदृश्य हो सकते हो। तुम जा सकते हो!”
मैंने उसे याद दिलाया, “हंटर्स को लड़के पसंद नहीं हैं। अगर उन्हें पता चल गया तो—”
“उन्हें पता न चलने दो। छुपकर उनका पीछा करो। मेरी बहन पर नज़र रखो! तुम्हें ऐसा करना ही होगा। प्लीज़?”
“निको—”
आप तो जाने की योजना बना ही रहे हैं, है ना?
मैं मना करना चाहती थी। लेकिन उसने मेरी आंखों में देखा, और मैं किसी तरह उससे झूठ नहीं बोल सकी।
“हाँ,” मैंने कहा। “मुझे एनाबेथ को ढूंढना होगा। मुझे मदद करनी होगी, भले ही वे न चाहें।”
“मैं तुम्हारी शिकायत नहीं करूंगा,” उसने कहा। “लेकिन तुम्हें वादा करना होगा कि तुम मेरी बहन को सुरक्षित रखोगे।”
“मैं...निको, इस तरह की यात्रा पर ऐसा वादा करना बहुत बड़ी बात है। इसके अलावा, उसके साथ ज़ोई, ग्रोवर और थैलिया भी हैं—”
“वादा,” उसने जोर देकर कहा।
मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा। मैं वादा करता हूं।
“तो फिर चलो!” उसने कहा। “शुभकामनाएं!”
ये तो पागलपन था। मैंने सामान पैक नहीं किया था। मेरे पास टोपी, तलवार और पहने हुए कपड़ों के अलावा कुछ नहीं था। मुझे आज सुबह मैनहट्टन वापस जाना था। "चिरोन को बता देना—"
“मैं कुछ भी बना लूंगा।” निको ने टेढ़ी मुस्कान के साथ कहा। “मैं इसमें माहिर हूँ। बताओ!”

मैं दौड़ पड़ा और एनाबेथ की टोपी पहन ली। जैसे ही सूरज निकला, मैं अदृश्य हो गया। मैं हाफ-ब्लड हिल की चोटी पर ठीक समय पर पहुँचा और शिविर की वैन को खेत की सड़क पर गायब होते हुए देखा, शायद आर्गस खोज दल को शहर ले जा रहा था। उसके बाद उन्हें खुद ही आगे बढ़ना था।

मुझे अपराधबोध और मूर्खता का भी एहसास हुआ। मैं उनके साथ कैसे चल पाता? भागता?

तभी मुझे विशाल पंखों की फड़फड़ाहट सुनाई दी। ब्लैकजैक मेरे बगल में आकर उतरा। वह बर्फ से बाहर निकली घास की कुछ टहनियों को आराम से सूंघने लगा।

अगर मुझे अंदाज़ा लगाना हो, बॉस, तो मुझे लगता है कि आपको भागने के लिए एक घोड़े की ज़रूरत है। क्या आप इच्छुक हैं?

कृतज्ञता का भाव मेरे गले में अटक गया, लेकिन मैंने किसी तरह कहा, "हाँ। चलो उड़ते हैं।"

नौ

मैं ज़ॉम्बी उगाना सीखता हूँ

दिन के समय पेगासस पर उड़ने का एक नुकसान यह है कि अगर आप सावधान नहीं रहे तो लॉन्ग आइलैंड एक्सप्रेसवे पर एक गंभीर सड़क दुर्घटना हो सकती है। मुझे ब्लैकजैक को बादलों में ही रखना पड़ा, जो सौभाग्य से सर्दियों में काफी नीचे थे। हम इधर-उधर भागते रहे, सफेद कैंप हाफ-ब्लड वैन को नज़र में रखने की कोशिश करते रहे। और अगर ज़मीन पर ठंड थी, तो हवा में तो और भी ज़्यादा ठंड थी, बर्फीली बारिश मेरी त्वचा को चुभ रही थी।

मुझे लग रहा था कि काश मैं कैंप हाफ-ब्लड के वो नारंगी रंग के थर्मल अंडरवियर ले आया होता जो कैंप की दुकान में बिकते थे, लेकिन फोबे और सेंटॉर-ब्लड टी-शर्ट की कहानी सुनने के बाद, मुझे उनके उत्पादों पर भरोसा नहीं रहा।

हमने वैन को दो बार खो दिया, लेकिन मुझे काफी हद तक अंदाजा था कि वे पहले मैनहट्टन जाएंगे, इसलिए उनका पता लगाना ज्यादा मुश्किल नहीं था।

छुट्टियों की वजह से ट्रैफिक बहुत खराब था। शहर में पहुंचने में सुबह के काफी समय लग गया। मैंने क्रिसलर बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से के पास ब्लैकजैक को उतारा और सफेद रंग की वैन को देखता रहा, मुझे लगा कि वह बस स्टेशन में रुकेगी, लेकिन वह चलती ही रही।

मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "आर्गस उन्हें कहाँ ले जा रहा है?"

ओह, आर्गस गाड़ी नहीं चला रहा है, बॉस, ब्लैकजैक ने मुझे बताया। वो लड़की चला रही है।

"कौनसी लड़की?"

शिकारी लड़की। जिसके बालों में चांदी का मुकुट है।

“ज़ोई?”

हाँ, वही है। अरे, देखो! वहाँ एक डोनट की दुकान है। क्या हम कुछ पैक करवा सकते हैं?

मैंने ब्लैकजैक को समझाने की कोशिश की कि उड़ने वाले घोड़े को डोनट की दुकान पर ले जाने से वहाँ मौजूद हर पुलिसवाले को दिल का दौरा पड़ जाएगा, लेकिन उसे बात समझ नहीं आई। इसी बीच, वैन लिंकन टनल की ओर बढ़ती जा रही थी। मुझे कभी यह ख्याल भी नहीं आया था कि ज़ोई गाड़ी चला सकती है। मतलब, वह सोलह साल की नहीं लग रही थी। खैर, वह अमर थी। मैं सोच रहा था कि क्या उसके पास न्यूयॉर्क का लाइसेंस है, और अगर है, तो उसकी जन्मतिथि क्या होगी।

“ठीक है,” मैंने कहा। “चलो उनका पीछा करते हैं।”

हम क्रिसलर बिल्डिंग से कूदने ही वाले थे कि ब्लैकजैक घबराकर हिनहिनाया और मुझे लगभग गिरा ही दिया। कोई चीज़ साँप की तरह मेरे पैर से लिपट रही थी। मैंने अपनी तलवार निकालने की कोशिश की, लेकिन जब मैंने नीचे देखा तो वहाँ कोई साँप नहीं था। इमारत के पत्थरों के बीच की दरारों से अंगूर की लताएँ निकल आई थीं। वे ब्लैकजैक के पैरों से लिपट रही थीं और मेरे टखनों को जकड़ रही थीं, जिससे हम हिल भी नहीं पा रहे थे।

“कहीं जा रहे हो?” श्री डी ने पूछा।

वह इमारत से टेक लगाकर खड़ा था, उसके पैर हवा में लटक रहे थे, उसका तेंदुए की खाल वाला वार्म-अप सूट और काले बाल हवा में लहरा रहे थे।

हे भगवान! ब्लैकजैक चिल्लाया। ये शराब है यार!

श्री डी ने झुंझलाहट में आह भरी। "अगला जो भी व्यक्ति, या घोड़ा, मुझे 'वाइन वाला बंदा' कहेगा, उसका अंत मर्लोट की बोतल में होगा!"

“श्रीमान डी।” अंगूर की लताएँ मेरे पैरों को जकड़ती जा रही थीं, फिर भी मैंने अपनी आवाज़ को शांत रखने की कोशिश की। “आप क्या चाहते हैं?”

"अरे, मैं क्या चाहता हूँ? शायद आपने सोचा होगा कि शिविर का अमर, सर्वशक्तिमान निदेशक आपको बिना अनुमति के जाते हुए नहीं देखेगा?"

"हां, हो सकता है।"

"मुझे तुम्हें इस इमारत से नीचे फेंक देना चाहिए, बिना उड़ने वाले घोड़े के, और देखना चाहिए कि नीचे गिरते समय तुम्हारी आवाज कितनी वीर लगती है।"

मैंने मुट्ठी भींच ली। मुझे पता था कि मुझे चुप रहना चाहिए, लेकिन मिस्टर डी या तो मुझे जान से मार देंगे या शर्मिंदा करके वापस कैंप ले जाएंगे, और मैं दोनों ही बातें बर्दाश्त नहीं कर सकता था। "तुम मुझसे इतनी नफरत क्यों करते हो? मैंने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है?"

उसकी आँखों में बैंगनी रंग की लपटें चमक उठीं। "तुम एक हीरो हो, लड़के। मुझे और किसी कारण की ज़रूरत नहीं है।"

मुझे इस खोज पर जाना ही होगा! मुझे अपने दोस्तों की मदद करनी है। यह ऐसी बात है जिसे आप नहीं समझ पाएंगे!

उम, बॉस, ब्लैकजैक ने घबराते हुए कहा। चूंकि हम नौ सौ फीट की ऊंचाई पर लताओं से घिरे हुए हैं, इसलिए बेहतर होगा कि आप मुझसे विनम्रता से बात करें।

अंगूर की बेलें मेरे चारों ओर और भी कसकर लिपट गईं। नीचे, सफेद वैन हमसे दूर होती जा रही थी। जल्द ही वह हमारी नज़रों से ओझल हो जाएगी।

“क्या मैंने तुम्हें कभी एरिआडने के बारे में बताया है?” श्री डी ने पूछा। “क्रीट की खूबसूरत राजकुमारी? उसे अपने दोस्तों की मदद करना भी अच्छा लगता था। दरअसल, उसने पोसीडॉन के पुत्र थिसियस नाम के एक

युवा नायक की मदद की थी। उसने उसे जादुई ऊन का एक गोला दिया था जिससे वह भूलभुलैया से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ पाया था।"

और क्या आप जानते हैं कि थीसियस ने उसे क्या इनाम दिया?

मैं जो जवाब देना चाहता था, वह था कि मुझे परवाह नहीं है! लेकिन मुझे नहीं लगा था कि इससे मिस्टर डी अपनी कहानी जल्दी खत्म कर देंगे।

मैंने कहा, "उनकी शादी हो गई। वे हमेशा खुश रहे। कहानी खत्म।"

श्री डी ने उपहास उड़ाते हुए कहा, "बिल्कुल नहीं। थीसियस ने उससे शादी करने का वादा किया था। वह उसे अपने जहाज पर बिठाकर एथेंस के लिए रवाना हुआ। आधे रास्ते में, नाक्सोस नाम के एक छोटे से द्वीप पर, उसने... आजकल तुम लोग क्या शब्द इस्तेमाल करते हो?... उसे वहीं छोड़ दिया। मैंने उसे वहीं पाया, तुम्हें पता है। अकेली। दिल टूटी हुई। फूट-फूट कर रो रही थी। उसने सब कुछ त्याग दिया था, अपनी जानी-पहचानी हर चीज पीछे छोड़ दी थी, उस साहसी नौजवान की मदद करने के लिए जिसने उसे टूटी चप्पल की तरह फेंक दिया था।"

मैंने कहा, "यह गलत है। लेकिन यह तो हजारों साल पहले की बात है। इससे मेरा क्या लेना-देना है?"

श्री डी ने मुझे ठंडे स्वर में देखा। "मैं एरिआडने से प्रेम कर बैठा, लड़के। मैंने उसके टूटे हुए दिल को ठीक किया। और जब उसकी मृत्यु हुई, तो मैंने उसे ओलंपस में अपनी अमर पत्नी बना लिया। वह अब भी मेरा इंतज़ार कर रही है। तुम्हारे इस हास्यास्पद शिविर में इस नरकमय सदी की सजा पूरी होने के बाद मैं उसके पास वापस जाऊँगा।"

मैंने उसे घूर कर देखा। "तुम...तुम शादीशुदा हो? लेकिन मुझे लगा था कि तुम एक वन अप्सरा का पीछा करने के चक्कर में मुसीबत में पड़ गए थे—"

मेरा मतलब है कि तुम जैसे वीर कभी नहीं बदलते। तुम हम देवताओं पर घमंड का आरोप लगाते हो। तुम्हें खुद को देखना चाहिए। तुम जो चाहते हो वो ले लेते हो, जिसका भी इस्तेमाल करना पड़ता है वो करते हो, और फिर अपने आस-पास के सभी लोगों को धोखा देते हो। इसलिए अगर मुझे वीरों से कोई लगाव नहीं है तो मुझे माफ कर देना। वे स्वार्थी और कृतघ्न होते हैं। एरियाडने से पूछ लो। या मेडिया से। या फिर ज़ोई नाइटशेड से ही पूछ लो।

"जोई से पूछने का क्या मतलब है?"

उसने हाथ हिलाकर बात टाल दी। "जाओ। अपने बेवकूफ दोस्तों के पीछे जाओ।"

लताएँ मेरे पैरों के चारों ओर लिपटी हुई थीं, जो खुल गईं।

मैं अविश्वास से पलकें झपकाईं। "आप...आप मुझे जाने दे रहे हैं? बस यूं ही?"

भविष्यवाणी कहती है कि तुममें से कम से कम दो मरेंगे। शायद मेरी किस्मत अच्छी हो और तुम उनमें से एक हो। लेकिन मेरी बात याद रखना, पोसीडॉन के पुत्र, चाहे तुम जियो या मरो, तुम बाकी नायकों से बेहतर साबित नहीं होगे।

इतना कहते ही डायोनिसस ने अपनी उंगलियां चटकाईं। उसकी छवि कागज के पुतले की तरह मुड़ गई। एक हल्की सी आवाज हुई और वह गायब हो गया, पीछे अंगूरों की एक हल्की सी खुशबू छोड़ गया जो हवा के साथ तुरंत उड़ गई।
बहुत करीब, ब्लैकजैक ने कहा।
मैंने सिर हिलाया, हालाँकि अगर मिस्टर डी मुझे वापस कैंप ले जाते तो शायद मेरी चिंता थोड़ी कम होती। उन्होंने मुझे जाने दिया, इसका मतलब था कि उन्हें सच में लगता था कि इस मिशन में हमारी बुरी तरह नाकामयाबी होने की काफी संभावना है।
“चलो, ब्लैकजैक,” मैंने उत्साहित होने की कोशिश करते हुए कहा। “मैं तुम्हें न्यू जर्सी में कुछ डोनट्स खरीद कर दूंगा।”

पता चला कि मैंने न्यू जर्सी में ब्लैकजैक डोनट्स नहीं खरीदे थे। ज़ोई पागलों की तरह गाड़ी चला रही थी और मैरीलैंड पहुँचने से पहले उसने आखिरकार एक रेस्ट स्टॉप पर गाड़ी रोकी। ब्लैकजैक इतना थक गया था कि मानो आसमान से गिर ही पड़ा हो। "मैं ठीक हूँ, बॉस," वह हाँफते हुए बोला। "बस...बस साँस ले रहा हूँ।"
मैंने उससे कहा, "यहीं रुको। मैं जाकर जगह का जायजा लेता हूँ।"
‘यहीं रहो’ मैं संभाल सकता हूँ। मैं ऐसा कर सकता हूँ।
मैंने अपनी अदृश्यता की टोपी पहनी और सुविधा स्टोर की ओर चल पड़ा। छिपकर चलना मुश्किल था। मुझे बार-बार खुद को याद दिलाना पड़ रहा था कि कोई मुझे देख नहीं सकता। यह इसलिए भी मुश्किल था क्योंकि मुझे लोगों के रास्ते से हटना पड़ता था ताकि वे मुझसे टकरा न जाएं।
मैंने सोचा कि अंदर जाकर थोड़ी देर गर्म हो जाऊं, शायद एक कप हॉट चॉकलेट पी लूं या कुछ और। मेरी जेब में थोड़े पैसे थे। मैं उन्हें काउंटर पर रख सकती थी। मैं सोच रही थी कि क्या कप उठाते ही गायब हो जाएगा, या फिर मुझे तैरती हुई हॉट चॉकलेट की समस्या से निपटना पड़ेगा, तभी ज़ोई, थैलिया, बियांका और ग्रोवर के दुकान से बाहर आने से मेरा सारा प्लान चौपट हो गया।
“ग्रोवर, क्या तुम पक्का कह रहे हो?” थैलिया कह रही थी।
“ठीक है...लगभग पक्का। निन्यानवे प्रतिशत। ठीक है, पचासी प्रतिशत।”
"और तुमने यह सब बलूत के फलों से किया?" बियांका ने पूछा, मानो उसे विश्वास ही न हो रहा हो।
ग्रोवर नाराज लग रहा था। "यह एक सदियों पुराना ट्रैकिंग मंत्र है। मेरा मतलब है, मुझे पूरा यकीन है कि मैंने इसे सही तरीके से किया है।"
“वाशिंगटन डी.सी. यहाँ से लगभग साठ मील दूर है,” बियांका ने कहा। “निको और मैं...” उसने माथे पर शिकन डाली। “हम वहाँ रहते थे। ये...ये तो अजीब बात है। मैं भूल ही गई थी।”
“मुझे यह पसंद नहीं,” ज़ोई ने कहा। “हमें सीधे पश्चिम की ओर जाना चाहिए। भविष्यवाणी में पश्चिम की ओर जाने को कहा गया था।”

"ओह, जैसे तुम्हारी ट्रैकिंग स्किल्स बेहतर हैं?" थैलिया गुर्राई।
ज़ोई उसकी ओर बढ़ी। "तुम मेरी काबिलियत को चुनौती दे रही हो, नौकरानी? तुम्हें शिकारी होने का कुछ भी ज्ञान नहीं है!"
"ओह, रसोइया? आप मुझे रसोइया कह रहे हैं? रसोइया आखिर होता क्या है?"
“अरे, तुम दोनों!” ग्रोवर ने घबराते हुए कहा। “बस करो। फिर से नहीं!”
"ग्रोवर सही कह रहा है," बियांका ने कहा। "वाशिंगटन डी.सी. हमारे लिए सबसे अच्छा विकल्प है।"
ज़ोई को यकीन नहीं हुआ, लेकिन उसने अनिच्छा से सिर हिलाया। "ठीक है। चलिए आगे बढ़ते हैं।"
"गाड़ी चलाते हुए तुम हमें गिरफ्तार करवा दोगी," थालिया बड़बड़ाई। "मैं तुमसे ज़्यादा सोलह साल की लगती हूँ।"
“शायद,” ज़ोई ने झल्लाकर कहा। “लेकिन मैं तो गाड़ियों के आविष्कार के समय से ही गाड़ी चला रही हूँ। चलो चलते हैं।”

जब ब्लैकजैक और मैं वैन का पीछा करते हुए दक्षिण की ओर बढ़ते रहे, तो मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या ज़ोई मज़ाक कर रही थी। मुझे ठीक से नहीं पता था कि कारों का आविष्कार कब हुआ था, लेकिन मुझे लगता था कि यह प्रागैतिहासिक काल जैसा था - उस समय का जब लोग ब्लैक-एंड-व्हाइट टीवी देखते थे और डायनासोर का शिकार करते थे।
ज़ोई की उम्र कितनी थी? और मिस्टर डी किस बारे में बात कर रहे थे? नायकों के साथ उसका क्या बुरा अनुभव रहा था?
जैसे-जैसे हम वाशिंगटन के करीब पहुंचते गए, ब्लैकजैक की गति धीमी होने लगी और वह ऊंचाई कम करने लगा। वह जोर-जोर से सांस ले रहा था।
मैंने उससे पूछा, "तुम ठीक हो?"
ठीक है, बॉस। मैं...मैं एक पूरी सेना का सामना कर सकता हूँ।
“तुम्हारी आवाज़ ठीक नहीं लग रही।” और अचानक मुझे अपराधबोध हुआ, क्योंकि मैं आधे दिन से लगातार पेगासस को दौड़ा रहा था, राजमार्ग के यातायात के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रहा था। उड़ने वाले घोड़े के लिए भी यह बहुत मुश्किल रहा होगा।
मेरे बारे में चिंता मत करो, बॉस! मैं बहुत मजबूत हूं।
मुझे लगा कि वह सही कह रहा है, लेकिन मुझे यह भी लगा कि शिकायत करने से पहले ब्लैकजैक खुद को पूरी तरह से बर्बाद कर लेगा, और मैं ऐसा नहीं चाहता था।
सौभाग्यवश, वैन की गति धीमी होने लगी। वह पोटोमैक नदी पार करके मध्य वाशिंगटन में प्रवेश कर गई। मैं हवाई गश्ती दल, मिसाइलों और ऐसी ही अन्य चीजों के बारे में सोचने लगा। मुझे ठीक से नहीं पता था कि ये

सभी सुरक्षा प्रणालियाँ कैसे काम करती हैं, और मुझे यह भी नहीं पता था कि पेगासी आम सैन्य रडार पर दिखाई भी देते हैं या नहीं, लेकिन मैं आसमान में गोली खाकर इसका पता नहीं लगाना चाहता था।
मैंने ब्लैकजैक से कहा, "मुझे वहाँ उतार दो। यह काफी करीब है।"
ब्लैकजैक इतना थक गया था कि उसने कोई शिकायत नहीं की। वह वाशिंगटन स्मारक की ओर झुका और मुझे घास पर बिठा दिया।
वैन कुछ ही ब्लॉक दूर थी। ज़ोई ने गाड़ी सड़क के किनारे खड़ी कर दी थी।
मैंने ब्लैकजैक की तरफ देखा। “मैं चाहता हूँ कि तुम वापस कैंप जाओ। थोड़ा आराम करो। चर लो। मैं ठीक हूँगा।”
ब्लैकजैक ने संदेह भरी नज़रों से अपना सिर झुकाया। क्या आप आश्वस्त हैं, बॉस?
मैंने कहा, "आपने काफी कुछ कर दिया है। मैं ठीक हूँ। और बहुत-बहुत धन्यवाद।"
ब्लैकजैक ने सोचा, शायद ढेर सारा भूसा। अच्छा रहेगा। ठीक है, लेकिन सावधान रहना, बॉस। मुझे लग रहा है कि वे यहाँ मेरे जैसे दोस्ताना और आकर्षक व्यक्ति से मिलने नहीं आए हैं।
मैंने सावधान रहने का वादा किया। फिर ब्लैकजैक ने उड़ान भरी, स्मारक के चारों ओर दो चक्कर लगाए और बादलों में गायब हो गया।
मैंने सफेद वैन की तरफ देखा। सब लोग बाहर निकल रहे थे। ग्रोवर ने मॉल के किनारे बनी बड़ी इमारतों में से एक की ओर इशारा किया। थैलिया ने सिर हिलाया, और वे चारों ठंडी हवा में आगे बढ़ गए।
मैंने उनका पीछा करना शुरू किया। लेकिन फिर मैं जम गया।
एक ब्लॉक दूर, एक काली सेडान कार का दरवाजा खुला। भूरे बालों और फौजी स्टाइल में कटे बालों वाला एक आदमी बाहर निकला। उसने गहरे रंग के चश्मे और एक काला ओवरकोट पहना हुआ था। अब, शायद वाशिंगटन में, आप ऐसे लोगों को हर जगह देखने की उम्मीद करते। लेकिन मुझे अचानक याद आया कि मैंने इसी कार को हाईवे पर दक्षिण की ओर जाते हुए कुछ बार देखा था। यह वैन का पीछा कर रही थी।
उस आदमी ने अपना मोबाइल फोन निकाला और उसमें कुछ बोला। फिर उसने चारों ओर देखा, मानो यह सुनिश्चित कर रहा हो कि कोई आस-पास न हो, और मेरे दोस्तों की ओर मॉल में चलने लगा।
सबसे बुरी बात तो यह थी कि जब वह मेरी तरफ मुड़ा, तो मैंने उसका चेहरा पहचान लिया। वह डॉ. थॉर्न था, वेस्टओवर हॉल का कुख्यात राक्षस।

अदृश्यता की टोपी पहनकर, मैंने दूर से थॉर्न का पीछा किया। मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था। अगर वह चट्टान से गिरने के बाद बच गया, तो एनाबेथ भी ज़रूर बच गई होगी। मेरे सपने सच हो गए थे। वह ज़िंदा थी और उसे बंदी बनाया गया था।
थॉर्न मेरे दोस्तों से काफी दूर रहा, इस बात का ध्यान रखते हुए कि वह दिखाई न दे।

आखिरकार, ग्रोवर एक विशाल इमारत के सामने रुका जिस पर लिखा था राष्ट्रीय वायु और अंतरिक्ष संग्रहालय। स्मिथसोनियन! मैं लाखों साल पहले अपनी माँ के साथ यहाँ आया था, लेकिन तब सब कुछ बहुत बड़ा दिखता था।

थालिया ने दरवाजा देखा। वह खुला था, लेकिन अंदर ज्यादा लोग नहीं जा रहे थे। बहुत ठंड थी और स्कूल की छुट्टी भी थी। वे चुपके से अंदर चले गए।

डॉ. थॉर्न हिचकिचाए। मुझे पता नहीं क्यों, लेकिन वे संग्रहालय के अंदर नहीं गए। वे मुड़े और मॉल के उस पार चले गए। मैंने तुरंत फैसला लिया और उनके पीछे चल दिया।

थॉर्न सड़क पार करके प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय की सीढ़ियाँ चढ़ गया। दरवाजे पर एक बड़ा सा बोर्ड लगा था। पहले तो मुझे लगा कि उस पर लिखा है 'पाइरेट इवेंट के लिए बंद'। फिर मुझे समझ आया कि 'पाइरेट' तो निजी कार्यक्रम होगा।

मैं डॉ. थॉर्न के पीछे-पीछे अंदर गया, एक विशाल कक्ष से होते हुए जो विशालकाय डायनासोरों और जानवरों के कंकालों से भरा हुआ था। आगे कुछ आवाज़ें आ रही थीं, जो बंद दरवाजों के पीछे से आ रही थीं। दो गार्ड बाहर खड़े थे। उन्होंने थॉर्न के लिए दरवाजे खोले, और मुझे अंदर जाने के लिए तेज़ी से दौड़ना पड़ा, इससे पहले कि वे उन्हें फिर से बंद कर दें।

अंदर मैंने जो देखा वह इतना भयानक था कि मैं लगभग जोर से हांफने ही वाला था, जिससे शायद मेरी जान ही चली जाती।

मैं एक विशाल गोलाकार कमरे में था, जिसके दूसरे तल पर एक बालकनी थी। बालकनी पर कम से कम एक दर्जन नश्वर रक्षक खड़े थे, साथ ही दो राक्षस भी थे—सरीसृप जैसी स्त्रियाँ जिनके पैरों की जगह दो साँपों के धड़ थे। मैंने उन्हें पहले भी देखा था। एनाबेथ ने उन्हें सिथियन ड्रेकेनी कहा था।

लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई। नागों जैसी दिखने वाली महिलाओं के बीच खड़ा था मेरा पुराना दुश्मन ल्यूक —मुझे पक्का यकीन था कि वो सीधे मेरी तरफ देख रहा था। उसकी हालत बहुत खराब थी। उसकी त्वचा पीली पड़ गई थी और उसके सुनहरे बाल लगभग भूरे हो गए थे, मानो कुछ ही महीनों में उसकी उम्र दस साल बढ़ गई हो। उसकी आँखों में अभी भी वही गुस्सा था, और उसके चेहरे के एक तरफ का वो निशान भी, जहाँ कभी किसी अजगर ने उसे खरोंचा था। लेकिन अब वो निशान बदसूरत लाल हो गया था, मानो हाल ही में फिर से खुल गया हो।

उसके बगल में, इस तरह बैठा हुआ कि परछाई उसे ढक ले, एक और आदमी था। मैं बस उसकी कुर्सी की सुनहरी भुजाओं पर टिकी उसकी उंगलियों के पोर देख पा रहा था, मानो वह कोई सिंहासन हो।

“तो?” कुर्सी पर बैठे आदमी ने पूछा। उसकी आवाज़ बिल्कुल वैसी ही थी जैसी मैंने सपने में सुनी थी—क्रोनोस जितनी डरावनी तो नहीं, लेकिन गहरी और दमदार, मानो धरती खुद बोल रही हो। चिल्लाए बिना भी उसकी आवाज़ पूरे कमरे में गूंज रही थी।

डॉ. थॉर्न ने अपना चश्मा उतार दिया। उनकी भूरी और नीली, दो रंगों वाली आँखें उत्साह से चमक उठीं। उन्होंने झुककर अभिवादन किया और फिर अपने अजीब से फ्रांसीसी लहजे में बोले: "वे आ गए हैं, जनरल।"
“मुझे पता है, मूर्ख,” उस आदमी ने गरजते हुए कहा। “लेकिन कहाँ?”
“रॉकेट संग्रहालय में।”
"वायु और अंतरिक्ष संग्रहालय," ल्यूक ने चिड़चिड़ाते हुए सुधार किया।
डॉ. थॉर्न ने ल्यूक को घूरकर देखा। "जैसा आप कहें, महोदय।"
मुझे ऐसा महसूस हुआ कि थॉर्न ल्यूक को सर कहने के बजाय उसे अपने किसी नुकीले कांटे से मार डालना ज्यादा पसंद करेगा।
“कितने?” ल्यूक ने पूछा।
थॉर्न ने अनसुना करने का नाटक किया।
“कितने?” जनरल ने पूछा।
“चार, जनरल,” थॉर्न ने कहा। “वो सैटायर, ग्रोवर अंडरवुड। और वो लड़की जिसके काले नुकीले बाल हैं और जिसने—कैसे कहें—पंक स्टाइल के कपड़े पहने हैं और जिसके पास वो भयानक ढाल है।”
“थालिया,” ल्यूक ने कहा।
और दो अन्य लड़कियां—हंटर्स। एक ने चांदी का मुकुट पहना हुआ है।
“उसे तो मैं जानता हूँ,” जनरल गुर्राया।
कमरे में मौजूद हर कोई असहज महसूस करने लगा।
“मुझे इन्हें ले जाने दीजिए,” ल्यूक ने जनरल से कहा। “हमारे पास जरूरत से ज्यादा हैं—”
जनरल ने कहा, "धैर्य रखिए। वे पहले से ही बहुत व्यस्त होंगे। मैंने उन्हें व्यस्त रखने के लिए एक छोटा सा साथी भेजा है।"
"लेकिन-"
"हम तुम्हें खतरे में नहीं डाल सकते, मेरे बेटे।"
“जी हां, बेटा,” डॉ. थॉर्न ने क्रूर मुस्कान के साथ कहा। “तुम इतने नाज़ुक हो कि जोखिम नहीं ले सकते। मुझे इन्हें खत्म करने दो।”
“नहीं।” जनरल अपनी कुर्सी से उठे, और मुझे पहली बार उन्हें देखने का मौका मिला।
वह लंबा और गठीला था, उसकी त्वचा हल्के भूरे रंग की थी और उसके बाल पीछे की ओर कंघी किए हुए गहरे रंग के थे। उसने वॉल स्ट्रीट के लोगों की तरह एक महंगा भूरा रेशमी सूट पहना हुआ था, लेकिन उसे देखकर कोई उसे ब्रोकर नहीं समझ सकता था। उसका चेहरा कठोर था, कंधे चौड़े थे और उसके हाथ इतने मजबूत थे कि किसी झंडे के खंभे को भी तोड़ सकते थे। उसकी आँखें पत्थर जैसी थीं। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं किसी जीवित मूर्ति को देख रहा हूँ। यह देखकर आश्चर्य होता था कि वह हिल-डुल भी सकता था।
“तुम मुझे पहले ही निराश कर चुके हो, थॉर्न,” उसने कहा।

लेकिन, जनरल—”
"कोई बहाना नहीं!"
थॉर्न सहम गया। जब मैंने उसे पहली बार सैन्य अकादमी में उसकी काली वर्दी में देखा था, तब मुझे लगा था कि थॉर्न डरावना है। लेकिन अब, जनरल के सामने खड़ा थॉर्न एक नासमझ सैनिक जैसा लग रहा था। जनरल तो असली काबिल थे। उन्हें वर्दी की ज़रूरत नहीं थी। वे जन्मजात कमांडर थे।
“तुम्हारी इस अक्षमता के लिए मुझे तुम्हें टारटेरस के गड्ढों में फेंक देना चाहिए,” जनरल ने कहा। “मैंने तुम्हें तीन प्राचीन देवताओं के बच्चे को पकड़ने के लिए भेजा था, और तुम मेरे लिए एथेना की एक दुबली-पतली बेटी को ले आए।”
“लेकिन तुमने मुझसे बदला लेने का वादा किया था!” थॉर्न ने विरोध किया। “मुझे अपना आदेश देने का वादा!”
“मैं लॉर्ड क्रोनोस का वरिष्ठ कमांडर हूँ,” जनरल ने कहा। “और मैं उन्हीं लेफ्टिनेंटों को चुनूँगा जो मुझे परिणाम देंगे! ल्यूक की वजह से ही हम अपनी योजना को बचा पाए। अब मेरी नज़रों से दूर हो जाओ, थॉर्न, जब तक मैं तुम्हारे लिए कोई और छोटा-मोटा काम न ढूंढ लूँ।”
थॉर्न का चेहरा गुस्से से बैंगनी पड़ गया। मुझे लगा कि वह मुंह से झाग निकालने लगेगा या कांटे फेंकने लगेगा, लेकिन उसने बस अजीब तरह से झुककर कमरे से बाहर चला गया।
“अब सुनो, मेरे लड़के।” जनरल ने ल्यूक की ओर मुड़कर कहा, “सबसे पहले हमें थालिया को अलग-थलग करना होगा। जिस राक्षस को हम खोज रहे हैं, वह फिर उसके पास आ जाएगा।”
“हंटर्स से छुटकारा पाना मुश्किल होगा,” ल्यूक ने कहा। “ज़ोई नाइटशेड—”
उसका नाम मत लो!
ल्यूक ने घबराकर कहा, "माफ़ कीजिए, जनरल। मैं बस..."
जनरल ने हाथ के इशारे से उसे चुप करा दिया। "मेरे लड़के, मैं तुम्हें दिखाता हूँ कि हम हंटर्स को कैसे हराएँगे।"
उसने भूतल पर खड़े एक गार्ड की ओर इशारा करते हुए पूछा, "क्या तुम्हारे पास दांत हैं?"
वह आदमी मिट्टी का बर्तन लेकर लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ा। "जी जनरल!"
उन्होंने कहा, "इन्हें लगा दो।"
कमरे के बीचोंबीच मिट्टी का एक बड़ा गोला बना हुआ था, जहाँ शायद डायनासोर की प्रदर्शनी लगनी थी। मैंने घबराकर देखा कि गार्ड ने गमले से नुकीले सफेद दांत निकाले और उन्हें मिट्टी में गाड़ दिया। उसने उन्हें चिकना किया और जनरल ने ठंडी मुस्कान बिखेरी।
गार्ड धूल से पीछे हट गया और अपने हाथ पोंछे। "तैयार हैं, जनरल!"
“बहुत बढ़िया! इन्हें पानी पिलाओ, और हम इन्हें अपने शिकार की गंध सूंघने देंगे।”

गार्ड ने फूलों की आकृति वाला एक छोटा सा टिन का पानी देने वाला डिब्बा उठाया, जो कुछ अजीब सा था, क्योंकि उसने उसमें से जो डाला वह पानी नहीं था। वह गहरे लाल रंग का तरल पदार्थ था, और मुझे लगा कि वह हवाईयन पंच नहीं था।

मिट्टी में बुलबुले उठने लगे।

जनरल ने कहा, "जल्द ही, ल्यूक, मैं तुम्हें ऐसे सैनिक दिखाऊंगा जो तुम्हारी उस छोटी सी नाव वाली सेना को तुच्छ साबित कर देंगे।"

ल्यूक ने अपनी मुट्ठियाँ भींच लीं। "मैंने अपनी सेना को प्रशिक्षित करने में एक साल बिताया है! जब राजकुमारी एंड्रोमेडा पर्वत पर पहुँचेगी, तो वे सर्वश्रेष्ठ होंगे—"

"हा!" जनरल ने कहा। "मैं इस बात से इनकार नहीं करता कि आपकी सेना भगवान क्रोनोस के लिए एक शानदार सम्मान गार्ड बनेगी। और निश्चित रूप से, आपकी भी इसमें एक भूमिका होगी—"

मुझे लगा कि जनरल के ऐसा कहने पर ल्यूक का चेहरा पीला पड़ गया था।

लेकिन मेरे नेतृत्व में, भगवान क्रोनोस की सेना सौ गुना बढ़ जाएगी। हम अजेय होंगे। देखो, मेरी सर्वोत्कृष्ट हत्यारी मशीनें।

मिट्टी फट गई। मैं घबराकर पीछे हट गया।

हर उस जगह पर जहाँ दाँत गड़ा हुआ था, एक जीव मिट्टी से बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रहा था। उनमें से पहले ने कहा:

"म्यू?"

यह एक बिल्ली का बच्चा था। एक छोटा सा नारंगी रंग का, बाघ जैसी धारियों वाला। फिर एक और बिल्ली का बच्चा दिखाई दिया, और इस तरह लगभग एक दर्जन बिल्लियाँ हो गईं, जो मिट्टी में लोट-पोट होकर खेल रही थीं।

सभी लोग अविश्वास से उन्हें घूर रहे थे। जनरल दहाड़ते हुए बोला, "ये क्या है? प्यारे-प्यारे बिल्ली के बच्चे? ये दांत तुम्हें कहाँ से मिले?"

दांत लाने वाला गार्ड डर से कांप उठा। "प्रदर्शनी से, महोदय! बिल्कुल जैसा आपने कहा था। कृपाण-दांत वाला बाघ—"

"नहीं, बेवकूफ! मैंने तो डायनासोर कहा था! उन...उन भयानक रोएंदार छोटे जानवरों को पकड़ो और बाहर ले जाओ। और फिर कभी मुझे अपना चेहरा मत दिखाना।"

भयभीत गार्ड ने अपना पानी का डिब्बा गिरा दिया। उसने बिल्ली के बच्चों को उठाया और कमरे से बाहर भाग गया।

"तुम!" जनरल ने दूसरे गार्ड की ओर इशारा करते हुए कहा। "मुझे सही दांत लाओ। अभी!"

नया गार्ड अपने आदेशों का पालन करने के लिए दौड़ पड़ा।

"बेवकूफ," जनरल ने बुदबुदाते हुए कहा।

“इसीलिए मैं मनुष्यों का उपयोग नहीं करता,” ल्यूक ने कहा। “वे भरोसेमंद नहीं होते।”
“वे कमजोर दिमाग वाले, आसानी से बिकने वाले और हिंसक होते हैं,” जनरल ने कहा। “मुझे वे पसंद हैं।”
एक मिनट बाद, गार्ड अपने हाथों में बड़े-बड़े नुकीले दांत लिए हुए कमरे में घुस आया।
“शानदार,” जनरल ने कहा। वह बालकनी की रेलिंग पर चढ़े और बीस फीट नीचे कूद गए।
जहां वह गिरा, वहां उसके चमड़े के जूतों के नीचे संगमरमर का फर्श चटक गया। वह दर्द से कराहते हुए खड़ा हुआ और अपने कंधों को रगड़ा। "धिक्कार है मेरी गर्दन के अकड़ जाने पर।"
“एक और गर्म पैड चाहिए, महोदय?” एक गार्ड ने पूछा। “और टाइलेनॉल चाहिए?”
“नहीं! यह बीत जाएगा।” जनरल ने अपने रेशमी सूट से धूल झाड़ी और फिर अपने दांत उठाए। “मैं यह खुद करूँगा।”
उसने एक दांत ऊपर उठाया और मुस्कुराया। “डायनासोर के दांत—हा! उन मूर्ख मनुष्यों को तो पता भी नहीं कि उनके पास अजगर के दांत हैं। और ये कोई साधारण अजगर के दांत नहीं हैं। ये तो स्वयं प्राचीन सिबारिस के हैं! ये ठीक रहेंगे।”
उसने बारह पौधों को मिट्टी में बो दिया। फिर उसने पानी देने वाला डिब्बा उठाया। उसने मिट्टी पर लाल रंग का तरल छिड़का, डिब्बा फेंक दिया और अपनी बाहें फैला दीं। "उठो!"
धरती कांप उठी। जमीन से एक कंकालनुमा हाथ निकला और हवा में कुछ पकड़ने की कोशिश करने लगा।
जनरल ने बालकनी की ओर देखा। "जल्दी बताओ, क्या तुम्हें गंध आ रही है?"
“जी हाँ, प्रभु,” नागों की स्त्रियों में से एक ने कहा। उसने चांदी के कपड़े का एक कमरबंद निकाला, बिल्कुल वैसा ही जैसा शिकारी पहनते थे।
“बहुत बढ़िया,” जनरल ने कहा। “मेरे योद्धाओं को इसकी गंध मिलते ही, वे इसके मालिक का निर्दयतापूर्वक पीछा करेंगे। उन्हें कोई नहीं रोक सकता, न ही किसी अर्ध-मानव या शिकारी के हथियार। वे शिकारियों और उनके साथियों के टुकड़े-टुकड़े कर देंगे। इसे यहाँ फेंक दो!”
जैसे ही उसने यह कहा, ज़मीन से कंकाल फूट पड़े। बारह कंकाल थे, जनरल द्वारा लगाए गए हर दांत के लिए एक। ये हैलोवीन के कंकालों या घटिया फिल्मों में दिखने वाले कंकालों जैसे बिल्कुल नहीं थे। मेरी आँखों के सामने ही इनमें मांस उग रहा था, ये इंसानों में बदल रहे थे, लेकिन ऐसे इंसान जिनकी त्वचा फीकी धूसर, आँखें पीली और कपड़े आधुनिक थे—धूसर रंग की मस्कल शर्ट, कैमो पैंट और कॉम्बैट बूट। अगर आप ध्यान से न देखें, तो आपको लगभग यकीन हो जाएगा कि वे इंसान हैं, लेकिन उनका मांस पारदर्शी था और उनकी हड्डियाँ नीचे से चमक रही थीं, जैसे एक्स-रे इमेज।
उनमें से एक ने सीधे मेरी ओर देखा, मुझे ठंडेपन से घूरते हुए, और मैं जानता था कि अदृश्यता की कोई भी टोपी उसे धोखा नहीं दे पाएगी।

नाग स्त्री ने दुपट्टा छोड़ दिया और वह जनरल के हाथ की ओर लहराता हुआ नीचे आ गिरा। जैसे ही जनरल ने उसे योद्धाओं को दिया, वे ज़ोई और अन्य शिकारियों का तब तक शिकार करते रहे जब तक कि वे विलुप्त नहीं हो गए।

मेरे पास सोचने का समय नहीं था। मैं पूरी ताकत से दौड़ा और कूदा, योद्धाओं पर टूट पड़ा और हवा में ही दुपट्टा छीन लिया।

“यह क्या है?” जनरल ने गरजते हुए कहा।

मैं एक कंकाल योद्धा के पैरों के पास उतरा, जिसने फुफकारा।

“एक घुसपैठिया,” जनरल गुर्राया। “अंधेरे में छिपा हुआ। दरवाज़े बंद कर दो!”

“यह पर्सी जैक्सन है!” ल्यूक चिल्लाया। “यही होना चाहिए।”

मैं बाहर निकलने के लिए दौड़ा, लेकिन तभी मुझे फटने की आवाज़ सुनाई दी और मुझे एहसास हुआ कि कंकाल योद्धा ने मेरी आस्तीन का एक टुकड़ा फाड़ दिया है। जब मैंने पीछे मुड़कर देखा, तो वह कपड़े को अपनी नाक के पास ले जाकर उसकी खुशबू सूंघ रहा था और उसे अपने दोस्तों को दे रहा था। मैं चीखना चाहता था, लेकिन चीख नहीं सका। जैसे ही मैं दरवाजे से बाहर निकला, गार्डों ने मेरे पीछे दरवाजा ज़ोर से बंद कर दिया।

और फिर मैं भाग गया।

दस

मैंने कुछ रॉकेट जहाज तोड़ दिए

मैं मॉल के उस पार दौड़ पड़ा, पीछे मुड़कर देखने की हिम्मत भी नहीं कर रहा था। मैं एयर एंड स्पेस म्यूजियम में घुस गया और प्रवेश द्वार से निकलते ही मैंने अपनी अदृश्यता की टोपी उतार दी।

संग्रहालय का मुख्य भाग एक विशाल कमरा था जिसकी छत से रॉकेट और हवाई जहाज लटके हुए थे। तीन स्तरों की बालकनियाँ चारों ओर फैली हुई थीं, जिससे आप अलग-अलग ऊँचाइयों से प्रदर्शनियों को देख सकते थे। जगह ज़्यादा भीड़भाड़ वाली नहीं थी, बस कुछ परिवार और बच्चों के कुछ टूर ग्रुप थे, जो शायद छुट्टियों में स्कूल ट्रिप पर आए थे। मेरा मन कर रहा था कि उन सबको चिल्लाकर जाने को कहूँ, लेकिन मैंने सोचा कि इससे मुझे गिरफ़्तार कर लिया जाएगा। मुझे थैलिया, ग्रोवर और हंटर्स को ढूँढना था। किसी भी पल कंकाल वाले लोग संग्रहालय पर हमला कर सकते थे, और मुझे नहीं लगता था कि वे ऑडियो टूर से संतुष्ट होंगे।

मेरी टक्कर थैलिया से हो गई—सचमुच। मैं सबसे ऊपरी मंजिल की बालकनी की ओर रैंप पर तेज़ी से चढ़ रहा था और उससे टकरा गया, जिससे वह एक अपोलो अंतरिक्ष यान में जा गिरी।

ग्रोवर आश्चर्य से चीख उठा।

इससे पहले कि मैं अपना संतुलन वापस पा पाता, ज़ोई और बियांका ने तीर तैयार कर लिए थे और मेरी छाती पर निशाना साधा हुआ था। उनके धनुष अचानक कहीं से प्रकट हो गए थे।

जब ज़ोई को पता चला कि मैं कौन हूँ, तो उसने अपना धनुष झुकाने में कोई झिझक नहीं दिखाई। "तुम! तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई यहाँ अपना चेहरा दिखाने की?"

“पर्सी!” ग्रोवर ने कहा। “भगवान का शुक्र है।”

ज़ोई ने उसे घूरकर देखा, और वह शर्म से लाल हो गया। "मतलब, उम्म, हे भगवान! तुम्हें यहाँ नहीं होना चाहिए!"

मैंने हांफते हुए कहा, "ल्यूक, वो यहाँ है।"

थालिया की आँखों में दिख रहा गुस्सा तुरंत गायब हो गया। उसने अपना हाथ अपने चांदी के कंगन पर रखा। "कहाँ?"

मैंने उन्हें प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय, डॉ. थॉर्न, ल्यूक और जनरल के बारे में बताया।

“जनरल यहाँ हैं?” ज़ोई अचंभित रह गई। “यह असंभव है! तुम झूठ बोल रही हो।”

मैं झूठ क्यों बोलूंगा? देखो, समय नहीं है। कंकाल योद्धा—”

“क्या?” थैलिया ने पूछा। “कितने?”

“बारह,” मैंने कहा। “और बस इतना ही नहीं। वो जनरल, उसने कहा कि वो कुछ भेज रहा है, एक ‘साथी’, ताकि तुम्हारा ध्यान यहाँ भटका सके। एक राक्षस।”
थालिया और ग्रोवर ने एक-दूसरे की ओर देखा।
“हम आर्टेमिस के पदचिह्नों का पीछा कर रहे थे,” ग्रोवर ने कहा। “मुझे पूरा यकीन था कि वे यहीं तक आते हैं। किसी शक्तिशाली राक्षस की गंध... वह रहस्यमयी राक्षस की तलाश में यहाँ रुकी होगी। लेकिन हमें अभी तक कुछ नहीं मिला है।”
“ज़ोई,” बियांका ने घबराते हुए कहा, “अगर यह जनरल है तो—”
“ऐसा हो ही नहीं सकता!” ज़ोई ने झल्लाकर कहा। “पर्सी ने ज़रूर कोई आइरिस-संदेश या कोई और भ्रम देखा होगा।”
मैंने उससे कहा, "भ्रम से संगमरमर के फर्श में दरार नहीं पड़ती।"
ज़ोई ने गहरी सांस ली और खुद को शांत करने की कोशिश की। मुझे नहीं पता था कि वह इसे इतना व्यक्तिगत रूप से क्यों ले रही थी, या वह इस जनरल को कैसे जानती थी, लेकिन मैंने सोचा कि अभी पूछने का समय नहीं है।
“अगर पर्सी कंकाल योद्धाओं के बारे में सच कह रहा है,” उसने कहा, “तो हमारे पास बहस करने का समय नहीं है। वे सबसे बुरे, सबसे भयानक हैं... हमें अभी निकलना होगा।”
मैंने कहा, "अच्छा विचार है।"
“मैंने तुम्हें इसमें शामिल नहीं किया था, लड़के,” ज़ोई ने कहा। “तुम इस खोज का हिस्सा नहीं हो।”
"अरे, मैं तुम्हारी जान बचाने की कोशिश कर रहा हूँ!"
“तुम्हें यहाँ नहीं आना चाहिए था, पर्सी,” थैलिया ने गंभीर स्वर में कहा। “पर तुम अब यहाँ हो। चलो, वापस वैन में चलते हैं।”
“यह तुम्हारा फैसला नहीं है!” ज़ोई ने झल्लाकर कहा।
थालिया ने उसे घूरते हुए कहा, "ज़ोई, तुम यहाँ की बॉस नहीं हो। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम्हारी उम्र कितनी है! तुम अब भी एक अभिमानी छोटी बच्ची हो!"
“लड़कों के मामले में तुममें कभी समझदारी नहीं थी,” ज़ोई गुस्से से बोली। “तुम उन्हें कभी पीछे नहीं छोड़ सकती थी!”
थालिया ज़ोई को मारने ही वाली थी। तभी सब लोग थम गए। मुझे इतनी तेज़ गर्जना सुनाई दी कि मुझे लगा जैसे रॉकेट का कोई इंजन चालू हो रहा हो।
हमारे नीचे, कुछ वयस्क चिल्ला उठे। एक छोटे बच्चे की आवाज़ खुशी से चीख उठी: "बिल्ली!"
रैंप पर कोई विशालकाय जीव उछलता हुआ आया। वह पिक-अप ट्रक जितना बड़ा था, उसके पंजे चांदी जैसे थे और उस पर सुनहरे रंग के चमकीले बाल थे। मैंने इस राक्षस को पहले भी एक बार देखा था। दो साल पहले, मैंने इसे ट्रेन से बस एक झलक देखा था। अब, इतने करीब से देखने पर, यह और भी बड़ा लग रहा था।

“नेमियन शेर,” थालिया ने कहा। “हिलो मत।”
शेर इतनी ज़ोर से दहाड़ा कि मेरे रोंगटे खड़े हो गए। उसके दांत स्टेनलेस स्टील की तरह चमक रहे थे।
"मेरी बारी आने पर अलग हो जाओ," ज़ोई ने कहा। "कोशिश करो कि उसका ध्यान भटका रहे।"
“कब तक?” ग्रोवर ने पूछा।
“जब तक मुझे इसे मारने का कोई तरीका नहीं सूझ जाता, तब तक जाओ!”
मैंने रिपटाइड का ढक्कन खोला और बाईं ओर लुढ़क गया। तीर मेरे पास से सीटी बजाते हुए निकले, और ग्रोवर अपनी बांसुरी पर एक तीखी चहचहाहट भरी धुन बजा रहा था। मैंने मुड़कर देखा तो ज़ोई और बियांका अपोलो कैप्सूल पर चढ़ रही थीं। वे एक के बाद एक तीर चला रही थीं, जो शेर के धातुई फर से टकराकर बेअसर हो रहे थे। शेर ने कैप्सूल पर झपट्टा मारा और उसे एक तरफ पलट दिया, जिससे शिकारी पीछे से नीचे गिर गए। ग्रोवर ने एक उन्मादी, भयानक धुन बजाई, और शेर उसकी ओर मुड़ा, लेकिन थैलिया ने एजिस को ऊपर उठाते हुए उसके रास्ते में कदम रख दिया, और शेर पीछे हट गया। "गरज!"
"हाय-याह!" थालिया ने कहा. "पीछे!"
शेर दहाड़ा और हवा में पंजे मारे, लेकिन वह ऐसे पीछे हट गया मानो ढाल धधकती आग हो।
एक पल के लिए मुझे लगा कि थैलिया ने स्थिति को संभाल लिया है। फिर मैंने शेर को दुबकते हुए देखा, उसकी टांगों की मांसपेशियां तन रही थीं। मैंने न्यूयॉर्क में अपने अपार्टमेंट के आसपास की गलियों में बिल्लियों की कई लड़ाइयाँ देखी थीं। मैं जानती थी कि शेर हमला करने ही वाला है।
“अरे!” मैंने चिल्लाया। पता नहीं मैं क्या सोच रहा था, लेकिन मैंने उस राक्षस पर हमला कर दिया। मैं बस उसे अपने दोस्तों से दूर करना चाहता था। मैंने रिपटाइड से वार किया, उसके बगल में एक जोरदार प्रहार जिससे वह राक्षस म्याऊ मिक्स में बदल जाना चाहिए था, लेकिन तलवार उसकी खाल से टकराकर चिंगारियों के साथ छिटक गई।
शेर ने अपने पंजों से मुझ पर हमला किया, जिससे मेरे कोट का एक टुकड़ा फट गया। मैं रेलिंग के सहारे पीछे हट गया। तभी वह एक हजार पाउंड के दानव की तरह मुझ पर झपटा, और मेरे पास मुड़ने और कूदने के अलावा कोई चारा नहीं था।
मैं एक पुराने जमाने के चांदी के रंग के हवाई जहाज के पंख पर उतरा, जो अचानक उछला और मुझे लगभग तीन मंजिल नीचे फर्श पर गिरा दिया।
एक तीर मेरे सिर के पास से तेज़ी से गुज़रा। शेर विमान पर कूद गया, और विमान को पकड़े हुए रस्सियाँ चरमराने लगीं।
शेर ने मुझ पर हमला किया और मैं अगले प्रदर्शनी स्थल पर जा गिरा, जो एक अजीबोगरीब दिखने वाला अंतरिक्ष यान था, जिसमें हेलीकॉप्टर जैसे ब्लेड लगे थे। मैंने ऊपर देखा तो शेर दहाड़ रहा था—उसके मुंह के अंदर एक गुलाबी जीभ और गला था।

मैंने सोचा, इसका मुँह। इसकी चमड़ी पूरी तरह से अभेद्य थी, लेकिन अगर मैं इसके मुँह पर वार कर पाता... समस्या बस इतनी थी कि वह राक्षस बहुत तेज़ी से चलता था। उसके पंजों और नुकीले दाँतों के बीच, मैं उसके पास जाने की हिम्मत ही नहीं कर पा रहा था, वरना वह टुकड़े-टुकड़े हो जाता।

“ज़ोई!” मैंने चिल्लाकर कहा। “मुँह पर निशाना लगाओ!”

राक्षस ने झपट्टा मारा। एक तीर उसके पास से तेज़ी से निकल गया, लेकिन पूरी तरह से चूक गया, और मैं अंतरिक्ष यान से नीचे गिरकर ज़मीन पर बने एक विशाल पृथ्वी के मॉडल पर जा गिरा। मैं रूस से फिसलते हुए भूमध्य रेखा पर जा गिरा।

नेमियन शेर दहाड़ा और अंतरिक्ष यान पर खुद को संभालने की कोशिश की, लेकिन उसका वजन बहुत ज्यादा था। एक डोरी टूट गई। डिस्प्ले पेंडुलम की तरह नीचे झूलते हुए, शेर उछलकर पृथ्वी के मॉडल के उत्तरी ध्रुव पर जा गिरा।

“ग्रोवर!” मैंने चिल्लाकर कहा। “इलाका खाली करो!”

बच्चों के झुंड चीखते-चिल्लाते इधर-उधर भाग रहे थे। ग्रोवर उन्हें राक्षस से दूर ले जाने की कोशिश कर रहा था, तभी अंतरिक्ष यान की दूसरी रस्सी टूट गई और प्रदर्शनी का सामान ज़मीन पर गिर पड़ा। थैलिया दूसरी मंज़िल की रेलिंग से नीचे गिर गई और मेरे सामने, ग्लोब के दूसरी तरफ जा गिरी। शेर हम दोनों को घूर रहा था, मानो यह तय करने की कोशिश कर रहा हो कि पहले किसे मारे।

ज़ोई और बियांका हमारे ऊपर थीं, धनुष तैयार थे, लेकिन उन्हें अच्छा कोण पाने के लिए बार-बार इधर-उधर घूमना पड़ रहा था।

“साफ़ निशाना नहीं लग रहा!” ज़ोई चिल्लाई। “इसे अपना मुँह और खोलने के लिए कहो!”

पृथ्वी के शीर्ष पर स्थित शेर दहाड़ा।

मैंने चारों ओर देखा। विकल्प थे। मुझे ज़रूरत थी...

उपहार की दुकान। मुझे बचपन में यहाँ आने की धुंधली सी याद है। कुछ ऐसा जो मैंने अपनी माँ से ज़बरदस्ती खरीदा था, और मुझे उसका पछतावा हुआ था। काश वो चीज़ें अब भी बिकती हों...

मैंने कहा, "थालिया, इसे व्यस्त रखो।"

उसने गंभीर भाव से सिर हिलाया।

“हाय-याह!” उसने अपना भाला आगे किया और नीली बिजली की एक मकड़ी के जाले जैसी चाप निकली, जिसने शेर की पूंछ को झटका दिया।

“गरज!” शेर मुड़ा और झपटा। थैलिया ने एजिस को ऊपर उठाकर राक्षस को दूर रखने की कोशिश की और मैं उपहार की दुकान की ओर भागा।

“यह स्मृति चिन्ह खरीदने का समय नहीं है, लड़के!” ज़ोई चिल्लाई।

मैं दुकान में घुस गया, टी-शर्टों की कतारें गिरा दीं, चमकते ग्रहों और अंतरिक्ष के कीचड़ से भरी मेजों पर से कूदता हुआ आगे बढ़ा। सेल्सवुमन ने कोई विरोध नहीं किया। वह तो अपने कैश रजिस्टर के पीछे दुबकने में व्यस्त थी।

वहाँ! दूर वाली दीवार पर—चमकीले चांदी के पैकेट। पूरे-पूरे रैक ही पैकेटों से भरे हुए थे। मैंने हर तरह के पैकेट उठाए और एक बांह भरकर दुकान से बाहर भाग गई।

ज़ोई और बियांका अभी भी उस राक्षस पर तीर बरसा रही थीं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। शेर को शायद पता था कि उसे ज्यादा मुंह नहीं खोलना चाहिए। उसने थैलिया पर झपट्टा मारा और अपने पंजों से वार किया। उसने अपनी आंखें भी सिकोड़ रखी थीं।

थालिया ने राक्षस पर वार किया और पीछे हट गई। शेर ने उसे घेर लिया।

“पर्सी,” उसने पुकारा, “तुम जो भी करने वाले हो—”

शेर दहाड़ा और उसे बिल्ली के खिलौने की तरह पटक दिया, जिससे वह उड़कर टाइटन रॉकेट के किनारे जा टकराई। उसका सिर धातु से टकराया और वह फिसलकर फर्श पर गिर पड़ी।

“हे!” मैंने शेर पर चिल्लाया। मैं वार करने के लिए बहुत दूर था, इसलिए मैंने जोखिम उठाया: मैंने रिपटाइड को एक फेंकने वाले चाकू की तरह फेंका। वह शेर के बगल से टकराकर उछला, लेकिन इतना ही उस राक्षस का ध्यान खींचने के लिए काफी था। वह मेरी ओर मुड़ा और गुर्राया।

उसके करीब जाने का सिर्फ एक ही तरीका था। मैंने उस पर हमला किया, और जैसे ही शेर मुझे रोकने के लिए कूदा, मैंने उसके मुंह में स्पेस फूड का एक पाउच फेंक दिया—सेलफ़ोन में लिपटा हुआ, फ़्रीज़-ड्राइड स्ट्रॉबेरी पारफ़ेट का एक टुकड़ा।

शेर की आंखें चौड़ी हो गईं और वह बिल्ली की तरह उल्टी करने लगा जैसे बिल्ली के गले में बालों का गुच्छा फंस गया हो।

मैं उसे दोष नहीं दे सकता था। मुझे याद है कि बचपन में अंतरिक्ष का खाना खाने की कोशिश करते समय मुझे भी ऐसा ही महसूस हुआ था। वह चीज़ सचमुच बहुत ही घटिया थी।

“ज़ोई, तैयार हो जाओ!” मैंने चिल्लाकर कहा।

मेरे पीछे से मुझे लोगों के चीखने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। ग्रोवर अपनी बांसुरी पर एक और भयानक गाना बजा रहा था।

मैं शेर से बचकर भाग निकला। उसने किसी तरह अंतरिक्ष भोजन का पैकेट निगल लिया और घृणा भरी निगाहों से मेरी ओर देखा।

“नाश्ते का समय हो गया!” मैंने चिल्लाकर कहा।

उसने मुझ पर दहाड़ने की गलती की, और मैंने उसके गले में आइसक्रीम सैंडविच फेंक दिया। सौभाग्य से, मैं हमेशा से एक अच्छा गेंदबाज रहा था, भले ही बेसबॉल मेरा खेल नहीं था। शेर के घुटते रहने से पहले ही, मैंने दो और फ्लेवर की आइसक्रीम और एक फ्रीज-ड्राइड स्पेगेटी डिनर उसके गले में फेंक दिया।

शेर की आंखें फटी रह गईं। उसने अपना मुंह चौड़ा खोला और अपने पिछले पंजों पर खड़ा हो गया, मुझसे दूर भागने की कोशिश कर रहा था।
“अभी!” मैंने चिल्लाकर कहा।
तुरंत ही दो, चार, छह तीर शेर के मुंह में जा लगे। शेर बुरी तरह छटपटाया, पलटा और पीछे की ओर गिर पड़ा। फिर वह शांत हो गया।
पूरे संग्रहालय में अलार्म बजने लगे। लोग बाहर निकलने के दरवाजों की ओर भागने लगे। सुरक्षा गार्ड घबराकर इधर-उधर भाग रहे थे, उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि आखिर हो क्या रहा है।
ग्रोवर थालिया के पास घुटनों के बल बैठ गया और उसे उठने में मदद की। वह ठीक लग रही थी, बस थोड़ी सी बेहोश थी। ज़ोई और बियांका बालकनी से कूदीं और मेरे बगल में आकर गिरीं।
ज़ोई ने मुझे सावधानी से देखा। "वह... एक दिलचस्प रणनीति थी।"
"अरे वाह, यह काम कर गया।"
उसने कोई बहस नहीं की।
शेर मानो पिघल रहा था, जैसे कभी-कभी मरे हुए राक्षस पिघल जाते हैं, जब तक कि उसका केवल चमकदार फर का आवरण ही शेष नहीं रह गया, और वह भी सिकुड़कर एक सामान्य शेर की खाल के आकार का होता जा रहा था।
"इसे ले लो," ज़ोई ने मुझसे कहा।
मैंने उसे घूर कर देखा। "क्या, शेर की खाल? क्या यह जानवरों के अधिकारों का उल्लंघन नहीं है?"
“यह युद्ध की लूट है,” उसने मुझसे कहा। “यह सही मायने में तुम्हारी है।”
मैंने कहा, "तुमने कमाल कर दिया!"
उसने लगभग मुस्कुराते हुए सिर हिलाया। "मुझे लगता है तुम्हारे आइसक्रीम सैंडविच ने ऐसा किया। न्याय तो न्याय है, पर्सी जैक्सन। फर ले लो।"
मैंने उसे उठाया; वह आश्चर्यजनक रूप से हल्का था। फर चिकना और मुलायम था। ऐसा बिल्कुल नहीं लग रहा था कि वह किसी तलवार को रोक सकता है। मेरी नज़र के सामने ही, खाल हिली और एक कोट में बदल गई—एक लंबा, सुनहरे भूरे रंग का कोट।
मैंने धीरे से कहा, "यह बिल्कुल मेरी पसंद का नहीं है।"
ग्रोवर ने कहा, "हमें यहां से निकलना होगा। सुरक्षा गार्ड ज्यादा देर तक भ्रमित नहीं रहेंगे।"
मैंने पहली बार गौर किया कि यह कितना अजीब था कि गार्ड हमें गिरफ्तार करने के लिए आगे नहीं बढ़े। वे हमारी दिशा को छोड़कर हर दिशा में भाग रहे थे, मानो किसी चीज की पागलों की तरह तलाश कर रहे हों। कुछ गार्ड दीवारों से टकरा रहे थे तो कुछ आपस में ही उलझ रहे थे।
“क्या तुमने ऐसा किया?” मैंने ग्रोवर से पूछा।

उसने थोड़ा शर्मिंदा होते हुए सिर हिलाया। "एक छोटा सा उलझन भरा गाना। मैंने बैरी मैनिलो के कुछ गाने बजाए। ये हर बार काम करता है। लेकिन ये बस कुछ सेकंड तक ही चलेगा।"

ज़ोई ने कहा, "सुरक्षा गार्ड हमारी सबसे बड़ी चिंता नहीं हैं। देखो।"

संग्रहालय की कांच की दीवारों से, मैं लॉन पर चलते हुए पुरुषों के एक समूह को देख सकता था। भूरे रंग के कपड़ों में भूरे रंग के पुरुष। वे इतनी दूर थे कि हम उनकी आँखें नहीं देख पा रहे थे, लेकिन मैं महसूस कर सकता था कि उनकी निगाहें सीधे मुझ पर टिकी हुई थीं।

मैंने कहा, "जाओ। वे मेरा पीछा करेंगे। मैं उनका ध्यान भटकाऊंगा।"

“नहीं,” ज़ोई ने कहा। “हम साथ चलते हैं।”

मैंने उसे घूर कर देखा। "लेकिन, आपने कहा था—"

“अब तुम भी इस अभियान का हिस्सा हो,” ज़ोई ने अनिच्छा से कहा। “मुझे यह पसंद नहीं है, लेकिन भाग्य को बदला नहीं जा सकता। तुम इस अभियान के पाँचवें सदस्य हो। और हम किसी को भी पीछे नहीं छोड़ेंगे।”

ग्यारह

ग्रोवर को लेम्बोर्गिनी मिली

हम पोटोमैक नदी पार कर रहे थे तभी हमें एक हेलीकॉप्टर दिखाई दिया। यह एक चिकना, काले रंग का सैन्य मॉडल था, बिल्कुल वैसा ही जैसा हमने वेस्टओवर हॉल में देखा था। और यह सीधे हमारी ओर आ रहा था।

मैंने कहा, "वे वैन को पहचानते हैं। हमें इसे कहीं छोड़ना होगा।"

ज़ोई ने गाड़ी को तेज़ी से चलने वाली लेन में मोड़ दिया। हेलीकॉप्टर उसका पीछा कर रहा था।

ग्रोवर ने उम्मीद जताते हुए कहा, "हो सकता है सेना इसे मार गिराए।"

मैंने कहा, "सेना को शायद लगता होगा कि यह उनका ही कोई आदमी है। वैसे भी, जनरल इंसानों का इस्तेमाल कैसे कर सकता है?"

"किराए के सैनिक," ज़ोई ने कड़वाहट से कहा। "यह अप्रिय है, लेकिन बहुत से इंसान किसी भी मकसद के लिए लड़ेंगे, बशर्ते उन्हें पैसे मिलें।"

“लेकिन क्या इन इंसानों को यह नहीं दिखता कि वे किसके लिए काम कर रहे हैं?” मैंने पूछा। “क्या उन्हें अपने आसपास के सारे राक्षस नज़र नहीं आते?”

ज़ोई ने सिर हिलाया। “मुझे नहीं पता कि वे धुंध के पार कितना देख पाते हैं। मुझे शक है कि अगर उन्हें सच्चाई पता चल भी जाए तो उन्हें कोई फर्क पड़ेगा। कभी-कभी इंसान राक्षसों से भी ज़्यादा भयानक हो सकते हैं।”

हेलिकॉप्टर लगातार आता रहा और वाशिंगटन डी.सी. के ट्रैफिक में हमारे मुकाबले काफी बेहतर समय में पहुंच गया।

थालिया ने अपनी आँखें बंद कर लीं और प्रार्थना करने लगी। “हे पिताजी! इस समय बिजली गिर जाए तो अच्छा रहेगा। कृपया?”

लेकिन आसमान धूसर और बर्फीला बना रहा। किसी भी प्रकार की तूफानी बारिश का कोई आभास नहीं था।

“वहाँ!” बियांका ने कहा। “वो पार्किंग स्थल!”

"हम फंस जाएंगे," ज़ोई ने कहा।

"मुझ पर भरोसा करो," बियांका ने कहा।

ज़ोई ने गाड़ी की दो लेन पार की और नदी के दक्षिणी किनारे पर स्थित एक मॉल की पार्किंग में जा घुसी। हम वैन से उतरे और बियांका के पीछे-पीछे कुछ सीढ़ियाँ उतर गए।

“सबवे का प्रवेश द्वार,” बियांका ने कहा। “चलो दक्षिण की ओर चलते हैं। अलेक्जेंड्रिया।”

"कुछ भी," थालिया ने सहमति जताई।

हमने टिकट खरीदे और टर्नस्टाइल से अंदर चले गए, पीछे मुड़कर देखते रहे कि कहीं कोई हमारा पीछा तो नहीं कर रहा है। कुछ मिनट बाद हम सुरक्षित रूप से दक्षिण की ओर जाने वाली ट्रेन में सवार हो गए और वाशिंगटन डी.सी. से दूर रवाना हो गए। जैसे ही हमारी ट्रेन ऊपर उठी, हमने देखा कि हेलीकॉप्टर पार्किंग स्थल के ऊपर चक्कर लगा रहा था, लेकिन वह हमारे पीछे नहीं आया।

ग्रोवर ने आह भरी। "बहुत बढ़िया काम किया, बियांका, तुमने मेट्रो के बारे में सोचा।"

बियान्का खुश लग रही थी। "हाँ, ठीक है। मैंने उस स्टेशन को तब देखा था जब निको और मैं पिछली गर्मियों में यहाँ से गुज़रे थे। मुझे याद है कि उसे देखकर मुझे बहुत आश्चर्य हुआ था, क्योंकि जब हम डी.सी. में रहते थे तब यह यहाँ नहीं था।"

ग्रोवर ने भौंहें चढ़ा लीं। "नया? लेकिन वह स्टेशन तो बहुत पुराना लग रहा था।"

“शायद,” बियांका ने कहा। “लेकिन यकीन मानो, जब हम छोटे बच्चे थे और यहाँ रहते थे, तब यहाँ मेट्रो नहीं थी।” थैलिया आगे झुक गई। “एक मिनट रुको। बिल्कुल भी मेट्रो नहीं थी?”

बियांका ने सिर हिलाया।

मुझे वाशिंगटन डी.सी. के बारे में कुछ भी पता नहीं था, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उनकी पूरी मेट्रो प्रणाली बारह साल से कम पुरानी कैसे हो सकती है। मुझे लगता है कि बाकी लोग भी यही सोच रहे थे, क्योंकि वे काफी उलझन में दिख रहे थे।

“बियांका,” ज़ोई ने कहा। “कितने समय पहले...” उसकी आवाज़ लड़खड़ा गई। हेलीकॉप्टर की आवाज़ फिर से तेज़ होती जा रही थी।

मैंने कहा, “हमें ट्रेन बदलनी होगी। अगला स्टेशन।”

अगले आधे घंटे तक हम बस यही सोचते रहे कि कैसे सुरक्षित निकल जाएं। हमने दो बार ट्रेन बदली। मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि हम कहाँ जा रहे हैं, लेकिन थोड़ी देर बाद हेलिकॉप्टर हमसे अलग हो गया।

दुर्भाग्यवश, जब हम आखिरकार ट्रेन से उतरे तो हमने खुद को रेलवे लाइन के आखिरी छोर पर पाया, एक औद्योगिक क्षेत्र में जहाँ गोदामों और रेलवे पटरियों के अलावा कुछ नहीं था। और बर्फ थी। बहुत सारी बर्फ। यहाँ बहुत ठंड लग रही थी। मुझे अपने नए शेर की खाल के कोट पर गर्व महसूस हुआ।

हम रेलवे यार्ड में इधर-उधर घूमते रहे, यह सोचकर कि शायद कहीं कोई और यात्री ट्रेन मिल जाए, लेकिन वहाँ केवल मालगाड़ियों की कतारें ही कतारें थीं, जिनमें से अधिकांश बर्फ से ढकी हुई थीं, मानो वे वर्षों से हिली भी न हों।

एक बेघर आदमी कूड़ेदान में लगी आग के पास खड़ा था। हम शायद बहुत दयनीय दिख रहे थे, क्योंकि उसने हमें देखकर एक बेजान सी मुस्कान दी और बोला, "आप लोगों को गर्मी चाहिए? इधर आ जाइए!"

हम सब उसकी आग के चारों ओर इकट्ठा हो गए। थैलिया के दांत किटकिटा रहे थे। उसने कहा, "वाह, यह तो बहुत बढ़िया है।"

“मेरे खुर जम गए हैं,” ग्रोवर ने शिकायत की।

मैंने बेघर आदमी की खातिर सुधार करते हुए कहा, "पैर।"
“शायद हमें कैंप से संपर्क करना चाहिए,” बियांका ने कहा। “चिरोन—”
“नहीं,” ज़ोई ने कहा। “वे अब हमारी मदद नहीं कर सकते। हमें यह खोज खुद ही पूरी करनी होगी।”
मैंने रेलवे यार्ड के चारों ओर हताशा से देखा। कहीं पश्चिम की ओर दूर, एनाबेथ खतरे में थी। आर्टेमिस जंजीरों में जकड़ी हुई थी। एक प्रलयकारी राक्षस खुला घूम रहा था। और हम वाशिंगटन डी.सी. के बाहरी इलाके में फंसे हुए थे, एक बेघर व्यक्ति की आग के पास बैठे थे।
“जानते हो,” बेघर आदमी ने कहा, “तुम कभी भी पूरी तरह से अकेले नहीं होते।” उसका चेहरा मैला था और दाढ़ी उलझी हुई थी, लेकिन उसके चेहरे पर दयालुता झलक रही थी। “क्या तुम बच्चों को पश्चिम की ओर जाने वाली ट्रेन चाहिए?”
“जी हाँ,” मैंने कहा। “क्या आप किसी के बारे में जानते हैं?”
उसने अपने एक चिकने हाथ से इशारा किया।
अचानक मेरी नज़र एक चमकती हुई मालगाड़ी पर पड़ी, जिस पर बर्फ़ नहीं थी। यह उन मालगाड़ियों में से एक थी, जिनमें स्टील की जाली के पर्दे लगे थे और अंदर तीन मंजिला डिब्बे थे। मालगाड़ी के किनारे पर 'सन वेस्ट लाइन' लिखा था।
“यह तो... सुविधाजनक है,” थालिया ने कहा। “धन्यवाद, उह...”
उसने बेघर आदमी की ओर देखा, लेकिन वह जा चुका था। हमारे सामने कूड़ेदान ठंडा और खाली था, मानो वह आग को अपने साथ ले गया हो।

एक घंटे बाद हम पश्चिम की ओर चल पड़े। अब गाड़ी कौन चलाएगा, इस बात की कोई चिंता नहीं थी, क्योंकि हम सभी के पास अपनी-अपनी लग्जरी कारें थीं। ज़ोई और बियांका सबसे ऊपर वाले डेक पर लेक्सस में आराम कर रही थीं। ग्रोवर लैम्बोर्गिनी चलाकर रेस कार ड्राइवर बनने का खेल खेल रहा था। और थैलिया ने एक काली मर्सिडीज एसएलके में रेडियो को वायर से जोड़ रखा था ताकि वह डी.सी. के ऑल्टरॉक स्टेशन सुन सके।
“क्या मैं आपके साथ शामिल हो जाऊं?” मैंने उससे पूछा।
उसने कंधे उचका दिए, इसलिए मैं आगे वाली सीट पर बैठ गया।
रेडियो पर व्हाइट स्ट्राइप्स के गाने बज रहे थे। मुझे वो गाना याद था क्योंकि मेरी माँ को वो सीडी बहुत पसंद थी। वो कहती थीं कि उसे वो लेड ज़ेपलिन की याद दिलाती है। माँ के बारे में सोचकर मुझे उदासी छा गई, क्योंकि लगता नहीं था कि मैं क्रिसमस पर घर आ पाऊँगी। शायद मैं तब तक ज़िंदा भी न रहूँ।
"अच्छा कोट है," थालिया ने मुझसे कहा।
मैंने अपने चारों ओर भूरा डस्टर लपेट लिया, गर्माहट के लिए शुक्रगुजार होते हुए। "हाँ, लेकिन नेमेन शेर वह राक्षस नहीं था जिसकी हम तलाश कर रहे थे।"

"बिल्कुल भी नहीं। हमें अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना है।"
"यह रहस्यमयी राक्षस जो भी हो, जनरल ने कहा था कि यह तुम्हारे लिए आएगा। वे तुम्हें समूह से अलग करना चाहते हैं, इसलिए राक्षस प्रकट होगा और तुमसे आमने-सामने की लड़ाई करेगा।"
"उन्होंने कहा कि?"
“हाँ, कुछ ऐसा ही। हाँ।”
“यह बहुत बढ़िया है। मुझे चारा के रूप में इस्तेमाल होना अच्छा लगता है।”
“पता नहीं वो राक्षस क्या हो सकता है?”
उसने उदास भाव से सिर हिलाया। "लेकिन तुम जानती हो कि हम कहाँ जा रहे हैं, है ना? सैन फ्रांसिस्को। आर्टेमिस भी वहीं जा रही थी।"
मुझे एनाबेथ की कही हुई एक बात याद आ गई जो उसने डांस पार्टी में कही थी: उसके पापा सैन फ्रांसिस्को जा रहे थे, और उसके जाने का कोई रास्ता नहीं था। आधे इंसान वहाँ नहीं रह सकते थे।
मैंने पूछा, "क्यों? सैन फ्रांसिस्को में ऐसा क्या बुरा है?"
“वहाँ घना कोहरा छाया हुआ है क्योंकि निराशा का पर्वत बहुत पास है। टाइटन का जादू—जो कुछ भी बचा है—अभी भी मौजूद है। राक्षस उस क्षेत्र की ओर इस कदर आकर्षित होते हैं कि आप विश्वास नहीं कर सकते।”
"निराशा का पर्वत क्या है?"
थालिया ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "तुम्हें सच में नहीं पता? बेवकूफ ज़ोई से पूछो। वही तो विशेषज्ञ है।"
वह कार की विंडशील्ड से बाहर घूर रही थी। मैं उससे पूछना चाहती थी कि वह क्या कह रही है, लेकिन मैं बेवकूफ भी नहीं दिखना चाहती थी। मुझे यह महसूस करना बिल्कुल पसंद नहीं था कि थैलिया मुझसे ज्यादा जानती है, इसलिए मैंने अपना मुंह बंद रखा।
मालगाड़ी के स्टील-जाल वाले हिस्से से दोपहर की धूप छनकर थैलिया के चेहरे पर पड़ रही थी। मैं सोच रही थी कि वो ज़ोई से कितनी अलग थी—ज़ोई तो राजकुमारी की तरह औपचारिक और अलग-थलग रहती थी, वहीं थैलिया अपने फटे-पुराने कपड़ों और विद्रोही स्वभाव के साथ। लेकिन उनमें कुछ समानता भी थी। एक जैसी दृढ़ता। अभी, उदास चेहरे के साथ छाया में बैठी थैलिया किसी शिकारी जैसी लग रही थी।
फिर अचानक मुझे समझ आया: "इसीलिए तुम्हारी ज़ोई से नहीं बनती।"
थालिया ने भौंहें चढ़ा लीं। "क्या?"
मैंने अनुमान लगाया, "हंटर्स ने तुम्हें भर्ती करने की कोशिश की थी।"
उसकी आँखें खतरनाक रूप से चमक उठीं। मुझे लगा कि वह मुझे मर्सिडीज से बाहर निकाल देगी, लेकिन उसने बस एक आह भरी।
“मैं लगभग उनके साथ शामिल हो ही गई थी,” उसने स्वीकार किया। “ल्यूक, एनाबेथ और मैं एक बार उनसे मिले थे, और ज़ोई ने मुझे मनाने की कोशिश की। वह लगभग सफल हो ही गई थी, लेकिन...”
"लेकिन?"

थालिया की उंगलियां स्टीयरिंग व्हील पर कसकर पकड़ी हुई थीं। "मुझे ल्यूक को छोड़ना पड़ता।"
"ओह।"
"ज़ोई और मेरे बीच झगड़ा हो गया। उसने मुझसे कहा कि मैं बेवकूफी कर रही हूँ। उसने कहा कि मुझे अपने फैसले पर पछतावा होगा। उसने कहा कि ल्यूक एक दिन मुझे निराश करेगा।"
मैंने धातु के पर्दे के पीछे से सूरज को देखा। ऐसा लग रहा था कि हम हर सेकंड और तेज़ होते जा रहे हैं—परछाइयाँ किसी पुराने मूवी प्रोजेक्टर की तरह झिलमिला रही थीं।
मैंने कहा, "यह तो बहुत कठोर बात है। यह मानना मुश्किल है कि ज़ोई सही थी।"
“वह गलत थी! ल्यूक ने मुझे कभी निराश नहीं किया। कभी नहीं।”
मैंने कहा, "हमें उससे लड़ना ही होगा। इसका कोई और रास्ता नहीं है।"
थालिया ने कोई जवाब नहीं दिया।
“तुमने उसे हाल ही में नहीं देखा है,” मैंने चेतावनी दी। “मुझे पता है इस पर विश्वास करना मुश्किल है, लेकिन—”
मुझे जो करना होगा, मैं वही करूंगा।
"भले ही इसका मतलब उसे मारना ही क्यों न हो?"
“मेरी एक मदद करो,” उसने कहा। “मेरी कार से बाहर निकलो।”
मुझे उस पर इतनी दया आई कि मैंने उससे बहस नहीं की।
जब मैं जाने ही वाला था, तभी उसने कहा, "पर्सी।"
जब मैंने पीछे मुड़कर देखा, तो उसकी आँखें लाल थीं, लेकिन मैं यह नहीं बता सका कि यह गुस्से से थीं या उदासी से। "एनाबेथ भी हंटर्स में शामिल होना चाहती थी। शायद तुम्हें इस बारे में सोचना चाहिए कि क्यों।"
इससे पहले कि मैं कुछ जवाब दे पाता, उसने बिजली की खिड़कियां ऊपर उठा दीं और मुझे बाहर से ही बाहर कर दिया।
* * *
मैं ग्रोवर की लेम्बोर्गिनी की ड्राइवर सीट पर बैठा था। ग्रोवर पीछे सो रहा था। उसने आखिरकार ज़ोई और बियांका को अपने पाइप संगीत से प्रभावित करने की कोशिश करना छोड़ दिया था, क्योंकि उसने "पॉइज़न आइवी" बजाया था और उसी वजह से उनकी लेक्सस कार के एयर कंडीशनर से वही चीज़ निकलने लगी थी।
जैसे-जैसे सूरज डूबता गया, मुझे एनाबेथ की याद आती गई। मुझे सोने से डर लग रहा था। मुझे चिंता थी कि कहीं मुझे सपने न आ जाएं।
"अरे, सपनों से मत डरो," मेरे ठीक बगल में एक आवाज आई।
मैंने उधर देखा। पता नहीं क्यों, रेल यार्ड से आए उस बेघर आदमी को आगे वाली सीट पर बैठा देखकर मुझे हैरानी नहीं हुई। उसकी जींस इतनी फटी हुई थी कि लगभग सफेद हो गई थी। उसका कोट भी फटा हुआ था, जिसमें से रुई बाहर निकल रही थी। वह देखने में किसी ट्रक से कुचले हुए टेडी बियर जैसा लग रहा था।

“अगर सपने न होते,” उन्होंने कहा, “तो मुझे भविष्य के बारे में आधी बातें भी पता न होतीं। ये ओलंपस के टैब्लॉइड से कहीं बेहतर हैं।” उन्होंने अपना गला साफ किया, फिर नाटकीय अंदाज़ में अपने हाथ ऊपर उठाए:

"पॉडकास्ट की तरह सपने,"
मेरे कानों में सच्चाई डाउनलोड हो रही है।
वे मुझे दिलचस्प बातें बताते हैं।

“अपोलो?” मैंने अनुमान लगाया, क्योंकि मुझे लगा कि कोई और इतनी खराब हाइकू कविता नहीं लिख सकता।
उसने अपनी उंगली होठों पर रखी। “मैं भेस बदलकर आया हूँ। मुझे फ्रेड कहो।”
“फ्रेड नाम का एक देवता?”
“खैर... ज़्यूस के कुछ खास नियम हैं। जब कोई मानवीय खोज चल रही हो तो दखल न दें। चाहे कुछ बहुत बड़ी गड़बड़ ही क्यों न हो। लेकिन मेरी छोटी बहन के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकता। कोई नहीं।”
"तो क्या आप हमारी मदद कर सकते हैं?"
“चुप रहो। मैंने पहले ही कर लिया है। क्या तुम बाहर नहीं देख रहे थे?”
“ट्रेन। हम कितनी तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं?”
अपोलो मुस्कुराया। "काफी तेज़। दुर्भाग्य से, हमारे पास समय कम है। सूर्यास्त होने ही वाला है। लेकिन मुझे लगता है कि हम आपको कम से कम अमेरिका के एक बड़े हिस्से तक तो पहुंचा ही देंगे।"
लेकिन आर्टेमिस कहाँ है?
उसका चेहरा गंभीर हो गया। “मैं बहुत कुछ जानता हूँ, और बहुत कुछ देखता भी हूँ। लेकिन यह बात तो मुझे भी नहीं पता। वह... मुझसे छिपी हुई है। मुझे यह पसंद नहीं है।”
और एनाबेथ?
उसने भौंहें चढ़ा लीं। "ओह, तुम्हारा मतलब उस लड़की से है जिसे तुमने खो दिया? हम्म... मुझे नहीं पता।"
मैंने गुस्सा न करने की कोशिश की। मुझे पता था कि देवताओं को इंसानों को गंभीरता से लेने में मुश्किल होती है, यहाँ तक कि आधे इंसानी इंसानों को भी। देवताओं की तुलना में हमारी ज़िंदगी बहुत छोटी होती है।
मैंने पूछा, "आर्टेमिस जिस राक्षस की तलाश कर रही थी, उसके बारे में क्या? क्या आप जानते हैं कि वह क्या है?"
“नहीं,” अपोलो ने कहा। “लेकिन एक ऐसा व्यक्ति है जो शायद बता सके। अगर सैन फ्रांसिस्को पहुँचने तक आपको वह राक्षस न मिले, तो समुद्र के बूढ़े देवता नेरियस से मिलें। उनकी याददाश्त बहुत तेज़ है और नज़र बहुत पैनी है। उनके पास ऐसा ज्ञान है जो कभी-कभी मेरे ओरेकल से भी छिपा रहता है।”

मैंने विरोध करते हुए कहा, "लेकिन यह तो आपकी ओरेकल है। क्या आप हमें यह नहीं बता सकतीं कि इस भविष्यवाणी का क्या अर्थ है?"
अपोलो ने आह भरी। “आप चाहें तो किसी कलाकार से उसकी कला की व्याख्या करने को कह सकते हैं, या किसी कवि से उसकी कविता की व्याख्या करने को कह सकते हैं। इससे उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। अर्थ तो खोज के माध्यम से ही स्पष्ट होता है।”
दूसरे शब्दों में कहें तो, आपको पता नहीं है।
अपोलो ने अपनी घड़ी देखी। “अरे, समय देखो! मुझे जाना होगा। मुझे नहीं लगता कि मैं दोबारा तुम्हारी मदद करने का जोखिम उठा सकता हूँ, पर्सी, लेकिन मेरी बात याद रखना! सो जाओ! और जब तुम लौटोगे, तो मुझे तुम्हारी यात्रा के बारे में एक अच्छी हाइकू कविता चाहिए!”
मैं यह कहना चाहता था कि मैं थका हुआ नहीं था और मैंने अपने जीवन में कभी हाइकू नहीं लिखा था, लेकिन अपोलो ने अपनी उंगलियां चटकाईं, और अगली ही पल मुझे अपनी आंखें बंद करनी पड़ीं।

मेरे सपने में, मैं कोई और ही थी। मैंने पुराने ज़माने की यूनानी पोशाक पहनी हुई थी, जिसमें नीचे की तरफ़ थोड़ी ज़्यादा हवा लग रही थी, और चमड़े के सैंडल पहने थे जिनमें फीते लगे थे। नेमेन शेर की खाल मेरे पीठ पर एक लबादे की तरह लिपटी हुई थी, और मैं कहीं भाग रही थी, और एक लड़की मेरा हाथ कसकर पकड़े हुए मुझे खींच रही थी।
“जल्दी करो!” उसने कहा। अंधेरा होने के कारण उसका चेहरा साफ दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन उसकी आवाज़ में डर साफ झलक रहा था। “वह हमें ढूंढ लेगा!”
रात का समय था। आसमान में लाखों तारे जगमगा रहे थे। हम लंबी-लंबी घास में दौड़ रहे थे और हजारों तरह के फूलों की खुशबू से हवा मदहोश हो रही थी। बगीचा बहुत सुंदर था, फिर भी वह लड़की मुझे ऐसे ले जा रही थी मानो हम मरने ही वाले हों।
मैंने उसे समझाने की कोशिश की, "मुझे डर नहीं है।"
“तुम्हें होना ही चाहिए!” उसने मुझे खींचते हुए कहा। उसके लंबे काले बाल पीठ पर गुंथे हुए थे। तारों की रोशनी में उसके रेशमी वस्त्र हल्के से चमक रहे थे।
हम पहाड़ी की ढलान पर दौड़ पड़े। उसने मुझे एक कंटीली झाड़ी के पीछे खींच लिया और हम दोनों हांफते हुए गिर पड़े। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह लड़की क्यों डरी हुई थी। बगीचा तो बहुत शांत लग रहा था। और मैं खुद को मजबूत महसूस कर रही थी। पहले कभी इतना मजबूत महसूस नहीं किया था।
“भागने की कोई ज़रूरत नहीं है,” मैंने उससे कहा। मेरी आवाज़ पहले से ज़्यादा गंभीर और आत्मविश्वास से भरी हुई थी। “मैंने अपने खाली हाथों से हज़ारों राक्षसों को हराया है।”
“यह वाला नहीं,” लड़की ने कहा। “लादोन बहुत ताकतवर है। आपको घूमकर पहाड़ पर मेरे पिता के पास जाना होगा। यही एकमात्र रास्ता है।”

उसकी आवाज़ में मौजूद दर्द ने मुझे चौंका दिया। वह सचमुच चिंतित थी, मानो उसे मेरी परवाह हो।
मैंने कहा, "मुझे तुम्हारे पिता पर भरोसा नहीं है।"
“तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए,” लड़की ने सहमति जताते हुए कहा। “तुम्हें उसे धोखा देना होगा। लेकिन तुम सीधे इनाम नहीं ले सकती। ऐसा करने पर तुम्हारी मौत हो जाएगी!”
मैं मुस्कुराया। "तो फिर तुम मेरी मदद क्यों नहीं करती, प्यारी?"
“मैं...मैं डरी हुई हूँ। लाडोन मुझे रोक देगा। मेरी बहनें, अगर उन्हें पता चल गया...तो वे मुझे बेदखल कर देंगी।”
“तो फिर कोई चारा नहीं है।” मैं उठ खड़ा हुआ और अपने हाथों को आपस में रगड़ने लगा।
“रुको!” लड़की ने कहा।
वह किसी निर्णय को लेकर दुविधा में थी। फिर, कांपती उंगलियों से उसने हाथ बढ़ाकर अपने बालों से एक लंबा सफेद ब्रोच निकाला। “अगर तुम्हें लड़ना ही है, तो इसे ले लो। मेरी मां, प्लीओन ने इसे मुझे दिया था। वह सागर की पुत्री थी, और सागर की शक्ति इसमें समाहित है। मेरी अमर शक्ति।”
लड़की ने पिन पर सांस छोड़ी और वह हल्की सी चमक उठी। तारों की रोशनी में वह पॉलिश किए हुए एबालोन की तरह जगमगा रही थी।
“इसे ले लो,” उसने मुझसे कहा। “और इसे हथियार बना लो।”
मैं हँस पड़ी। “एक हेयरपिन? इससे लाडोन का क्या होगा, प्यारी?”
“हो सकता है ऐसा न हो,” उसने स्वीकार किया। “लेकिन अगर आप जिद्दी बने रहना चाहते हैं, तो मैं बस इतना ही कर सकती हूँ।”
लड़की की आवाज़ ने मेरा दिल नरम कर दिया। मैंने झुककर वो हेयरपिन उठाई, और जैसे ही मैंने उसे उठाया, वो मेरे हाथ में लंबी और भारी होती चली गई, जब तक कि मेरे हाथ में एक जानी-पहचानी कांस्य तलवार नहीं आ गई।
“अच्छी तरह से संतुलित,” मैंने कहा। “हालांकि मैं आमतौर पर अपने नंगे हाथों का इस्तेमाल करना पसंद करता हूँ। मैं इस ब्लेड का क्या नाम रखूँ?”
“अनाकलुस्मोस,” लड़की ने उदास स्वर में कहा। “वह धारा जो अचानक आती है। और देखते ही देखते आप समुद्र में बह जाते हैं।”
इससे पहले कि मैं उसे धन्यवाद दे पाती, घास में पैरों की सरसराहट सुनाई दी, टायर से हवा निकलने जैसी फुफकार सुनाई दी, और लड़की ने कहा, "बहुत देर हो गई! वह आ गया है!"
मैं लेम्बोर्गिनी की ड्राइवर सीट पर एकदम सीधा बैठ गया। ग्रोवर मेरा हाथ हिला रहा था।
“पर्सी,” उसने कहा। “सुबह हो गई है। ट्रेन रुक गई है। चलो!”

मैंने अपनी नींद भगाने की कोशिश की। थैलिया, ज़ोई और बियांका ने पहले ही धातु के पर्दे ऊपर कर दिए थे। बाहर बर्फ से ढके पहाड़ थे जिन पर चीड़ के पेड़ बिखरे हुए थे, और सूरज दो चोटियों के बीच से लाल रंग में उग रहा था।

मैंने अपनी जेब से कलम निकाली और उसे घूर कर देखा। अनाक्लुस्मोस, रिपटाइड का प्राचीन यूनानी नाम। एक अलग रूप, लेकिन मुझे यकीन था कि यह वही ब्लेड था जिसे मैंने अपने सपने में देखा था।

और मुझे एक और बात का भी पूरा यकीन था। मैंने जिस लड़की को देखा था, वह ज़ोई नाइटशेड थी।

बारह

मैं एक सुअर के साथ स्नोबोर्डिंग करने जाता हूँ

हम पहाड़ों में बसे एक छोटे से स्की शहर के बाहरी इलाके में पहुँच गए थे। बोर्ड पर लिखा था, "क्लाउडक्रॉफ्ट, न्यू मैक्सिको में आपका स्वागत है।" हवा ठंडी और नम थी। झोपड़ियों की छतों पर बर्फ जमी हुई थी, और सड़कों के किनारे भी बर्फ के गंदे ढेर लगे हुए थे। घाटी पर ऊँचे-ऊँचे चीड़ के पेड़ छाए हुए थे, जो घने काले साये बना रहे थे, हालाँकि सुबह धूप खिली हुई थी।

शेर की खाल से बने कोट के बावजूद, जब हम मेन स्ट्रीट पहुँचे, जो ट्रेन की पटरियों से लगभग आधा मील दूर थी, तब तक मुझे बहुत ठंड लग रही थी। चलते-चलते मैंने ग्रोवर को पिछली रात अपोलो से हुई अपनी बातचीत के बारे में बताया—कि कैसे उसने मुझे सैन फ्रांसिस्को में नेरियस को ढूंढने के लिए कहा था।

ग्रोवर असहज लग रहा था। "यह तो ठीक है, मुझे लगता है। लेकिन पहले हमें वहां पहुंचना होगा।"

मैंने अपनी संभावनाओं को लेकर ज़्यादा निराश न होने की कोशिश की। मैं ग्रोवर को घबराना नहीं चाहती थी, लेकिन मुझे पता था कि देवताओं की सभा के लिए आर्टेमिस को समय पर बचाने के अलावा, हमारे सामने एक और बड़ी चुनौती थी। जनरल ने कहा था कि एनाबेथ को केवल शीतकालीन संक्रांति तक ही जीवित रखा जा सकता है। वह शुक्रवार था, बस चार दिन दूर। और उन्होंने बलिदान के बारे में भी कुछ कहा था। मुझे यह सुनकर बिल्कुल अच्छा नहीं लगा।

हम शहर के बीचोंबीच रुक गए। वहां से लगभग सब कुछ दिखाई देता था: एक स्कूल, कई पर्यटक दुकानें और कैफे, कुछ स्की केबिन और एक किराने की दुकान।

"बहुत बुरा हुआ," थालिया ने चारों ओर देखते हुए कहा। "न बस स्टेशन है, न टैक्सी, न कार किराए पर, न ही बाहर निकलने का कोई रास्ता।"

“वहाँ एक कॉफी शॉप है!” ग्रोवर ने कहा।

“हां,” ज़ोई ने कहा। “कॉफी अच्छी होती है।”

“और पेस्ट्री,” ग्रोवर ने स्वप्निल भाव से कहा। “और वैक्स पेपर भी।”

थालिया ने आह भरी। "ठीक है। तुम दोनों हमारे लिए कुछ खाना ले आओ। पर्सी, बियांका और मैं किराने की दुकान में पता करेंगे। शायद वे हमें रास्ता बता सकें।"

हम पंद्रह मिनट में किराने की दुकान के सामने दोबारा मिलने के लिए सहमत हो गए। बियांका हमारे साथ आने में थोड़ी असहज लग रही थी, लेकिन वह आ गई।

दुकान के अंदर, हमें क्लाउडक्रॉफ्ट के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बातें पता चलीं: स्कीइंग के लिए पर्याप्त बर्फ नहीं थी, किराने की दुकान में एक-एक डॉलर में रबर के चूहे बिकते थे, और शहर में आने-जाने का कोई आसान तरीका नहीं था जब तक कि आपके पास अपनी खुद की कार न हो।

“आप अलामोगोर्डो से टैक्सी बुला सकते हैं,” क्लर्क ने संदेह भरे लहजे में कहा। “वह पहाड़ों के बिल्कुल नीचे है, लेकिन यहाँ आने में कम से कम एक घंटा लगेगा। कई सौ डॉलर खर्च होंगे।”

क्लर्क इतना अकेला लग रहा था कि मैंने एक रबर का चूहा खरीद लिया। फिर हम वापस बाहर गए और बरामदे में खड़े हो गए।

“बहुत बढ़िया,” थालिया ने चिढ़ते हुए कहा। “मैं सड़क पर चलकर देखती हूँ कि क्या दूसरी दुकानों में किसी के पास कोई सुझाव है।”

लेकिन क्लर्क ने कहा—

“मुझे पता है,” उसने मुझसे कहा। “फिर भी मैं जाँच कर रही हूँ।”

मैंने उसे जाने दिया। मैं जानती थी कि बेचैनी कैसी होती है। जन्मजात युद्ध जैसी प्रतिक्रियाओं के कारण हम सभी आधे-आधे लोगों को ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई होती है। हम यूं ही इंतज़ार नहीं कर सकते थे। साथ ही, मुझे लग रहा था कि थैलिया कल रात ल्यूक के बारे में हुई हमारी बातचीत से अभी भी नाराज़ थी।

मैं और बियांका अजीब तरह से एक साथ खड़े थे। मतलब... मुझे वैसे भी लड़कियों से अकेले में बात करने में कभी सहजता नहीं होती थी, और मैं बियांका के साथ पहले कभी अकेले नहीं रहा था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूँ, खासकर अब जब वह एक हंटर थी।

अंत में उसने कहा, "अच्छा चूहा है।"

मैंने इसे बरामदे की रेलिंग पर रख दिया। शायद इससे दुकान में ग्राहकों की संख्या बढ़ जाए।

“तो...अब तक हंटर बनकर आपको कैसा लग रहा है?” मैंने पूछा।

उसने अपने होंठ सिकोड़ लिए। "क्या तुम अब भी मेरे शामिल होने से नाराज़ हो?"

“नहीं। जब तक, आप जानते हैं...आप खुश हैं।”

“लेडी आर्टेमिस के चले जाने के बाद ‘खुश’ शब्द शायद सही नहीं है। लेकिन हंटर होना वाकई बहुत अच्छा है। मुझे कुछ हद तक शांति महसूस हो रही है। मेरे आस-पास सब कुछ धीमा हो गया लगता है। शायद यही अमरता का असर है।”

मैं उसे घूरता रहा, फर्क देखने की कोशिश करता रहा। वह पहले से ज़्यादा आत्मविश्वासी और शांत लग रही थी। अब वह हरे रंग की टोपी से अपना चेहरा नहीं छुपाती थी। उसने अपने बाल पीछे बांध रखे थे और बोलते समय मेरी आँखों में सीधे देखती थी। एक सिहरन के साथ, मुझे एहसास हुआ कि आज से पाँच सौ या हज़ार साल बाद भी बियांका डि एंजेलो बिल्कुल वैसी ही दिखेगी जैसी आज दिखती है। शायद मेरे मरने के बहुत बाद वह किसी और हाफ-ब्लड से ऐसी ही बातें कर रही हो, लेकिन बियांका तब भी बारह साल की ही दिखेगी।

“निको को मेरा फैसला समझ नहीं आया,” बियांका ने धीरे से कहा। उसने मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे उसे इस बात का आश्वासन चाहिए हो कि सब ठीक है।
मैंने कहा, "वह ठीक हो जाएगा। कैंप हाफ-ब्लड में बहुत सारे छोटे बच्चे आते हैं। उन्होंने एनाबेथ के साथ भी ऐसा ही किया था।"
बियांका ने सिर हिलाया। "मुझे उम्मीद है कि हम उसे ढूंढ लेंगे। मेरा मतलब एनाबेथ से है। वह खुशकिस्मत है कि उसे तुम्हारे जैसी दोस्त मिली है।"
इससे उसे कोई खास फायदा नहीं हुआ।
“पर्सी, खुद को दोष मत दो। तुमने मेरी और मेरे भाई की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली। सच में, यह बहुत बहादुरी का काम था। अगर मैं तुमसे न मिली होती, तो निको को कैंप में छोड़ने में मुझे असहज महसूस होता। मुझे लगा था कि अगर तुम्हारे जैसे लोग वहाँ हैं, तो निको सुरक्षित रहेगा। तुम एक अच्छे इंसान हो।”
यह तारीफ सुनकर मैं हैरान रह गया। "भले ही मैंने तुम्हें 'कैप्चर द फ्लैग' गेम में गिरा दिया था?"
वह हंस पड़ी। "ठीक है। बस उस बात को छोड़कर, तुम एक अच्छे इंसान हो।"
कुछ सौ गज दूर, ग्रोवर और ज़ोई कॉफी शॉप से पेस्ट्री के थैले और पेय पदार्थ लेकर बाहर आए। मुझे थोड़ा अजीब लगा कि वे अभी वापस न आएं। यह अजीब था, लेकिन मुझे एहसास हुआ कि मुझे बियांका से बात करना अच्छा लग रहा था। वह इतनी बुरी नहीं थी। वैसे भी, ज़ोई नाइटशेड की तुलना में उसके साथ समय बिताना कहीं ज़्यादा आसान था।
मैंने उससे पूछा, "तो तुम्हारा और निको का क्या हाल है? वेस्टओवर से पहले तुम किस स्कूल में पढ़ती थी?"
उसने माथे पर शिकन डाली। "मुझे लगता है कि यह वाशिंगटन डी.सी. में एक बोर्डिंग स्कूल था। ऐसा लगता है जैसे बहुत समय पहले की बात है।"
“क्या आप कभी अपने माता-पिता के साथ नहीं रहे? मेरा मतलब है, अपने नश्वर माता-पिता के साथ?”
“हमें बताया गया था कि हमारे माता-पिता की मृत्यु हो गई है। हमारे लिए एक बैंक ट्रस्ट बनाया गया था। मुझे लगता है कि उसमें काफी पैसा था। एक वकील कभी-कभार आकर हमारा हालचाल पूछता था। फिर निको और मुझे वह स्कूल छोड़ना पड़ा।”
"क्यों?"
उसने अपनी भौंहें सिकोड़ीं। “हमें कहीं जाना ही था। मुझे याद है कि यह ज़रूरी था। हमने बहुत लंबा सफर तय किया। और हम कुछ हफ्तों तक इस होटल में रुके। और फिर...मुझे नहीं पता। एक दिन एक दूसरा वकील हमें छुड़ाने आया। उसने कहा कि अब हमारे जाने का समय आ गया है। वह हमें वापस पूरब की ओर ले गया, डी.सी. से होते हुए। फिर मेन की ओर। और हम वेस्टओवर की ओर चल पड़े।”
यह एक अजीब कहानी थी। वैसे भी, बियांका और निको आधे इंसान थे। उनके लिए कुछ भी सामान्य नहीं था।

मैंने पूछा, "तो आप दोनों ने लगभग पूरी जिंदगी निको की परवरिश की है? सिर्फ आप दोनों ने?"
उसने सिर हिलाया। “इसीलिए मैं हंटर्स में शामिल होना चाहती थी। मेरा मतलब है, मुझे पता है यह स्वार्थीपन है, लेकिन मैं अपनी ज़िंदगी और दोस्त चाहती थी। मैं निको से प्यार करती हूँ—गलत मत समझिए—बस मुझे यह जानना था कि चौबीसों घंटे बड़ी बहन न होने का अनुभव कैसा होता है।”
मैंने पिछली गर्मियों के बारे में सोचा, जब मुझे पता चला कि मेरा छोटा भाई एक साइक्लॉप्स (एकतरफा बुद्धि वाला) है, तो मुझे कैसा महसूस हुआ था। बियांका जो कह रही थी, उससे मैं पूरी तरह सहमत थी।
मैंने कहा, "ज़ोई तुम पर भरोसा करती दिख रही है। वैसे तुम लोग किस बारे में बात कर रहे थे—क्या उस खोज में कुछ खतरनाक बात थी?"
"कब?"
“कल सुबह पवेलियन में,” मैंने खुद को रोक पाने से पहले ही कह दिया। “जनरल के बारे में कुछ बात हुई थी।”
उसका चेहरा गुस्से से लाल हो गया। "तुमने कैसे... अदृश्यता की टोपी? क्या तुम छुपकर बातें सुन रहे थे?"
“नहीं! मेरा मतलब, वास्तव में नहीं। मैं बस—”
जब ज़ोई और ग्रोवर पेय पदार्थ और पेस्ट्री लेकर आए तो मुझे समझाने की कोशिश करने से राहत मिल गई। बियांका और मेरे लिए हॉट चॉकलेट। उनके लिए कॉफ़ी। मुझे एक ब्लूबेरी मफिन मिला, और वह इतना स्वादिष्ट था कि मैं बियांका की नाराज़गी भरी नज़र को लगभग नज़रअंदाज़ कर सका।
“हमें ट्रैकिंग मंत्र का जाप करना चाहिए,” ज़ोई ने कहा। “ग्रोवर, क्या तुम्हारे पास अभी भी कुछ बलूत के फल बचे हैं?”
“उम्म,” ग्रोवर ने बुदबुदाते हुए कहा। वह ब्रैन मफिन को रैपर समेत चबा रहा था। “मुझे लगता है ऐसा ही है। मुझे बस—”
वह जम गया।
मैं पूछने ही वाला था कि क्या गड़बड़ है, तभी एक गर्म हवा का झोंका सरसराता हुआ गुजरा, मानो वसंत ऋतु की एक झोंका सर्दियों के बीच खो गई हो। जंगली फूलों और धूप से सराबोर ताज़ी हवा। और कुछ और भी - लगभग एक आवाज़ की तरह, कुछ कहने की कोशिश कर रही थी। एक चेतावनी।
ज़ोई हांफते हुए बोली, "ग्रोवर, अपना प्याला लो।"
ग्रोवर ने अपना कॉफ़ी का प्याला गिरा दिया, जिस पर पक्षियों के चित्र बने हुए थे। अचानक पक्षी प्याले से अलग होकर उड़ गए—छोटे-छोटे कबूतरों का एक झुंड। मेरा रबर का चूहा चीं-चीं करने लगा। वह रेलिंग से फिसलकर पेड़ों में चला गया—असली फर, असली मूंछें।
ग्रोवर बर्फ पर कॉफी के ढेर के पास गिर पड़ा, कॉफी से भाप निकल रही थी। हम सब उसके चारों ओर जमा हो गए और उसे जगाने की कोशिश की। वह कराह उठा, उसकी आँखें झपक रही थीं।
“हे!” थैलिया गली से दौड़ते हुए बोली। “मैं बस...ग्रोवर को क्या हुआ है?”

मैंने कहा, "मुझे नहीं पता। वह बेहोश हो गया।"
“उउउउह्ह्ह्ह,” ग्रोवर कराह उठा।
“उसे उठाओ!” थैलिया ने कहा। उसके हाथ में भाला था। उसने पीछे मुड़कर देखा, मानो कोई उसका पीछा कर रहा हो। “हमें यहाँ से निकलना होगा।”

कस्बे के किनारे तक पहुँचने से पहले ही दो कंकाल योद्धा प्रकट हो गए। वे सड़क के दोनों ओर पेड़ों से निकले। भूरे रंग के छलावरण के बजाय, उन्होंने नीले रंग की न्यू मैक्सिको राज्य पुलिस की वर्दी पहन रखी थी, लेकिन उनकी त्वचा पहले जैसी ही पारदर्शी धूसर और आँखें पीली थीं।
उन्होंने अपनी बंदूकें निकाल लीं। मैं मानता हूँ कि मुझे पहले बंदूक चलाना सीखना अच्छा लगता था, लेकिन जैसे ही कंकाल योद्धाओं ने अपनी बंदूकें मेरी ओर तानीं, मेरा विचार बदल गया।
थालिया ने अपने कंगन को छुआ। एजिस उसकी बांह पर जीवंत हो उठा, लेकिन योद्धा जरा भी नहीं हिचके। उनकी चमकती पीली आंखें सीधे मुझ पर टिकी हुई थीं।
मैंने रिपटाइड का चित्र बनाया, हालांकि मुझे यकीन नहीं था कि यह बंदूकों के खिलाफ कितना कारगर साबित होगा।
ज़ोई और बियांका ने अपने धनुष खींचे, लेकिन बियांका को परेशानी हो रही थी क्योंकि ग्रोवर बार-बार बेहोश हो रहा था और उसके कंधे पर झुक रहा था।
"पीछे हटो," थालिया ने कहा।
हमने चलना शुरू किया—लेकिन तभी मुझे शाखाओं के सरसराने की आवाज़ सुनाई दी। हमारे पीछे सड़क पर दो और कंकाल दिखाई दिए। हम चारों तरफ से घिर गए थे।
मुझे आश्चर्य हुआ कि बाकी कंकाल कहाँ थे। मैंने स्मिथसोनियन संग्रहालय में एक दर्जन कंकाल देखे थे। तभी एक योद्धा ने अपना मोबाइल फोन अपने मुंह के पास उठाया और उसमें बात करने लगा।
लेकिन वो बोल नहीं रहा था। उसके मुँह से खड़खड़ाहट और चटकने जैसी आवाज़ आ रही थी, जैसे सूखे दाँत हड्डियों पर रगड़ रहे हों। अचानक मुझे समझ आया कि क्या हो रहा है। कंकाल हमें ढूँढ़ने के लिए अलग-अलग हो गए थे। ये कंकाल अब अपने साथियों को बुला रहे थे। जल्द ही हमारे पास एक पूरी टोली होगी।
“यह पास ही है,” ग्रोवर ने कराहते हुए कहा।
मैंने कहा, "यह यहीं है।"
“नहीं,” उसने जोर देकर कहा। “उपहार। जंगल से मिला उपहार।”
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कह रहा है, लेकिन मुझे उसकी हालत की चिंता थी। वह चलने की हालत में भी नहीं था, लड़ने की तो बात ही छोड़िए।
"हमें आमने-सामने लड़ना होगा," थालिया ने कहा। "वे चार लोग होंगे। हम चार लोग होंगे। शायद इस तरह वे ग्रोवर को नजरअंदाज कर देंगे।"

"सहमत हूँ," ज़ोई ने कहा।
“जंगल!” ग्रोवर कराह उठा।
घाटी में एक गर्म हवा बह रही थी, जिससे पेड़ सरसरा रहे थे, लेकिन मेरी नज़र कंकालों पर टिकी रही। मुझे याद आया कि जनरल एनाबेथ के भाग्य पर कितना खुश हो रहा था। मुझे याद आया कि ल्यूक ने किस तरह उसे धोखा दिया था।
और मैंने हमला कर दिया।
पहले कंकाल ने गोली चलाई। समय थम सा गया। मैं यह तो नहीं कहूँगा कि मैंने गोली देखी, लेकिन मैं उसका मार्ग महसूस कर सकता था, ठीक वैसे ही जैसे मैं समुद्र में पानी की धाराओं को महसूस करता हूँ। मैंने उसे अपनी तलवार की धार से मोड़ दिया और आगे बढ़ता रहा।
कंकाल ने एक लाठी निकाली और मैंने उसकी कोहनियों से उसकी भुजाएँ काट दीं। फिर मैंने रिपटाइड को उसकी कमर में घुमाकर उसे दो टुकड़ों में काट दिया।
उसकी हड्डियाँ अलग होकर ढेर की तरह सड़क पर गिर पड़ीं। लगभग तुरंत ही, वे हिलने लगीं और फिर से जुड़ने लगीं। दूसरे कंकाल ने मुझ पर अपने दाँत पटके और गोली चलाने की कोशिश की, लेकिन मैंने उसकी बंदूक बर्फ में गिरा दी।
मुझे लगा कि मैं काफी अच्छा कर रहा था, तभी बाकी दो कंकालों ने मेरी पीठ में गोली मार दी।
“पर्सी!” थैलिया चिल्लाई।
मैं सड़क पर औंधे मुंह गिर पड़ा। तभी मुझे एहसास हुआ... मैं मरा नहीं था। गोलियों का असर हल्का था, जैसे पीछे से किसी ने धक्का दिया हो, लेकिन उनसे मुझे कोई चोट नहीं आई थी।
नेमियन शेर की खाल! मेरा कोट बुलेटप्रूफ था।
थालिया ने दूसरे कंकाल पर हमला कर दिया। ज़ोई और बियांका ने तीसरे और चौथे कंकाल पर तीर चलाने शुरू कर दिए। ग्रोवर वहीं खड़ा रहा और पेड़ों की ओर हाथ फैलाए रहा, मानो उन्हें गले लगाना चाहता हो।
हमारे बाईं ओर जंगल में एक ज़ोरदार आवाज़ आई, जैसे कोई बुलडोज़र चल रहा हो। शायद कंकालों की मदद के लिए और लोग आ रहे थे। मैं तुरंत खड़ा हुआ और पुलिस की लाठी से बचने के लिए नीचे झुक गया। जिस कंकाल को मैंने दो टुकड़ों में काट दिया था, वह पूरी तरह से फिर से बन चुका था और मेरे पीछे आ रहा था।
उन्हें रोकना नामुमकिन था। ज़ोई और बियांका ने उनके सिर पर एकदम करीब से तीर चलाए, लेकिन तीर सीधे उनकी खोपड़ियों के आर-पार निकल गए। एक तीर बियांका पर झपटा, और मुझे लगा कि वो अब नहीं बचेगी, लेकिन उसने तुरंत अपना शिकार वाला चाकू निकाला और योद्धा की छाती में घोंप दिया। पूरा कंकाल आग की लपटों में घिर गया, और राख का एक छोटा सा ढेर और एक पुलिस बैज बच गया।
"तुमने यह कैसे किया?" ज़ोई ने पूछा।
“मुझे नहीं पता,” बियांका ने घबराते हुए कहा। “क्या किस्मत से वार हुआ?”

"अच्छा, तो फिर से करो!"
बियान्का ने कोशिश की, लेकिन बचे हुए तीन कंकाल अब उससे सावधान थे। उन्होंने हमें पीछे धकेल दिया, हमें लाठी की दूरी पर रखा।
"योजना?" मैंने पीछे हटते हुए कहा।
किसी ने जवाब नहीं दिया। कंकालों के पीछे के पेड़ कांप रहे थे। डालियाँ चटक रही थीं।
“एक उपहार,” ग्रोवर ने बुदबुदाते हुए कहा।
और फिर, एक ज़ोरदार दहाड़ के साथ, मैंने अब तक का सबसे बड़ा सूअर सड़क पर आकर गिरा। वह एक जंगली सूअर था, तीस फीट ऊँचा, गुलाबी रंग की नाक से लथपथ थूथन और नावों जितने बड़े दाँतों वाला। उसकी पीठ पर भूरे बाल घने थे, और उसकी आँखें उग्र और क्रोधित थीं।
“रीईईईईट!” वह चीखा और अपने नुकीले दांतों से तीनों कंकालों को एक तरफ धकेल दिया। बल इतना ज़ोरदार था कि वे पेड़ों के ऊपर से उड़ते हुए पहाड़ की ढलान पर जा गिरे, जहाँ वे चकनाचूर हो गए, जांघों और बांहों की हड्डियाँ चारों ओर बिखर गईं।
फिर सूअर हम पर ही हमला कर दिया।
थालिया ने अपना भाला उठाया, लेकिन ग्रोवर चिल्लाया, "इसे मत मारो!"
सूअर गुर्राया और जमीन पर अपने खुर पटके, हमला करने के लिए तैयार।
"यह एरिमेन्थियन जंगली सूअर है," ज़ोई ने शांत रहने की कोशिश करते हुए कहा। "मुझे नहीं लगता कि हम इसे मार सकते हैं।"
“यह एक उपहार है,” ग्रोवर ने कहा। “जंगल से मिला आशीर्वाद!”
सूअर ने "रीईईईईट!" चिल्लाया और अपना दांत घुमाया। ज़ोई और बियांका तुरंत एक तरफ हट गईं। मुझे ग्रोवर को धक्का देना पड़ा ताकि वह सूअर के दांत वाली एक्सप्रेस में बैठकर पहाड़ पर न जा गिरे।
“हाँ, मैं खुद को भाग्यशाली महसूस करता हूँ!” मैंने कहा। “बिखर जाओ!”
हम अलग-अलग दिशाओं में भागे, और एक पल के लिए सूअर भ्रमित हो गया।
“यह हमें मारना चाहता है!” थालिया ने कहा।
“बिल्कुल,” ग्रोवर ने कहा। “यह तो कमाल है!”
“तो फिर यह आशीर्वाद कैसे है?” बियांका ने पूछा।
मुझे तो यह सवाल वाजिब लगा, लेकिन सुअर को गुस्सा आ गया और उसने उस पर हमला कर दिया। वह मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा तेज़ थी। वह उसके खुरों से बचते हुए लुढ़क गई और जानवर के पीछे पहुँच गई। सुअर ने अपने नुकीले दांतों से वार किया और 'वेलकम टू क्लाउडक्रॉफ्ट' के साइनबोर्ड को चूर-चूर कर दिया।
मैंने जंगली सूअर की कहानी याद करने की बहुत कोशिश की। मुझे लगभग यकीन था कि हरक्यूलिस ने एक बार इससे लड़ाई की थी, लेकिन मुझे याद नहीं आ रहा था कि उसने इसे कैसे हराया था। मुझे धुंधली सी याद

थी कि हरक्यूलिस के उसे काबू करने से पहले उस सूअर ने कई यूनानी शहरों को तहस-नहस कर दिया था। मुझे उम्मीद थी कि क्लाउडक्रॉफ्ट में विशाल जंगली सूअरों के हमलों से बचाव का बीमा होगा।

“चलते रहो!” ज़ोई चिल्लाई। वह और बियांका विपरीत दिशाओं में भागीं। ग्रोवर सूअर के चारों ओर नाचता हुआ अपनी बांसुरी बजा रहा था, जबकि सूअर गुर्रा रहा था और उसे नोचने की कोशिश कर रहा था। लेकिन बदकिस्मती का इनाम थैलिया और मुझे मिला। जब सूअर हम पर झपटा, तो थैलिया ने बचाव में एजिस उठाने की गलती कर दी। मेडुसा का सिर देखकर सूअर गुस्से से चीख उठा। शायद वह उसके किसी रिश्तेदार जैसा दिखता था। सूअर ने हम पर हमला कर दिया।

हम उससे आगे निकलने में इसलिए कामयाब रहे क्योंकि हम पहाड़ी पर चढ़ रहे थे, और हम पेड़ों के बीच से होकर निकल सकते थे जबकि सूअर को पेड़ों को चीरते हुए आगे बढ़ना पड़ रहा था।

पहाड़ी के दूसरी ओर, मुझे बर्फ में आधा दबा हुआ ट्रेन की पटरियों का एक पुराना हिस्सा मिला।

“इधर!” मैंने थैलिया का हाथ पकड़ा और हम रेल की पटरियों पर दौड़ने लगे, जबकि सूअर हमारे पीछे दहाड़ता हुआ, खड़ी पहाड़ी पर चढ़ने की कोशिश में फिसल रहा था। शुक्र है, उसके खुर इस काम के लिए बने ही नहीं थे।

हमारे आगे मुझे एक ढकी हुई सुरंग दिखाई दी। उसके आगे एक खाई के ऊपर बना एक पुराना पुल था। मेरे मन में एक अजीब सा विचार आया।

"मेरे पीछे आओ!"

थालिया की चाल धीमी हो गई—मेरे पास यह पूछने का समय नहीं था कि क्यों—लेकिन मैंने उसे अपने साथ खींच लिया और वह अनिच्छा से मेरे पीछे चलने लगी। हमारे पीछे, एक दस टन का सुअर टैंक चीड़ के पेड़ों को गिराता और पत्थरों को अपने खुरों से कुचलता हुआ हमारा पीछा कर रहा था।

थालिया और मैं सुरंग में भागे और दूसरी तरफ से बाहर निकल आए।

“नहीं!” थालिया चीखी।

उसका चेहरा बर्फ की तरह सफेद पड़ गया था। हम पुल के किनारे पर थे। नीचे, पहाड़ लगभग सत्तर फीट गहरी बर्फ से ढकी खाई में समा जाता था।

जंगली सूअर हमारे ठीक पीछे था।

“चलो भी!” मैंने कहा। “यह हमारा वजन शायद संभाल लेगा।”

“मैं नहीं कर सकती!” थैलिया चिल्लाई। उसकी आँखें डर से लाल हो रही थीं।

जंगली सूअर पूरी रफ्तार से ढकी हुई सुरंग में घुस गया और उसे चीरता हुआ आगे बढ़ गया।

“अभी!” मैंने थैलिया पर चिल्लाते हुए कहा।

उसने नीचे देखा और घूंट भरा। कसम से, उसका चेहरा पीला पड़ रहा था।

मुझे यह समझने का समय ही नहीं मिला कि ऐसा क्यों हुआ। जंगली सूअर सुरंग से होते हुए सीधे हमारी ओर दौड़ रहा था। प्लान बी: मैंने थैलिया को पकड़ा और हम दोनों को पुल के किनारे से पहाड़ की ढलान पर

धकेल दिया। हम एजिस पर स्नोबोर्ड की तरह फिसलते हुए चट्टानों, कीचड़ और बर्फ पर से गुज़रे और तेज़ी से नीचे की ओर भागे। जंगली सूअर इतना भाग्यशाली नहीं था; वह इतनी तेज़ी से मुड़ नहीं सका, इसलिए दस टन का वह विशालकाय जीव उस छोटे से पुल पर जा गिरा, जो उसके भार से टूट गया। जंगली सूअर ज़ोरदार चीख के साथ खाई में गिर गया और बर्फ के ढेर में ज़ोरदार धमाके के साथ जा गिरा!

थालिया और मैं अचानक रुक गए। हम दोनों की सांसें तेज़ चल रही थीं। मुझे चोटें आई थीं और खून बह रहा था। थालिया के बालों में चीड़ की सुइयाँ फंसी हुई थीं। हमारे बगल में जंगली सूअर चीख रहा था और छटपटा रहा था। मुझे बस उसकी पीठ का खुरदुरा सिरा दिखाई दे रहा था। वह बर्फ में स्टायरोफोम की पैकिंग की तरह पूरी तरह से धंसा हुआ था। ऐसा लग रहा था कि उसे चोट नहीं लगी है, लेकिन वह हिल भी नहीं पा रहा था।

मैंने थालिया की तरफ देखा। "तुम्हें ऊंचाई से डर लगता है।"

अब जब हम सुरक्षित रूप से पहाड़ से नीचे उतर चुके थे, तो उसकी आँखों में हमेशा की तरह गुस्से का भाव था। "बेवकूफी मत करो।"

"इसीलिए तुम अपोलो की बस में इतना घबरा गए थे। इसीलिए तुम इसके बारे में बात नहीं करना चाहते थे।"

उसने गहरी सांस ली। फिर उसने अपने बालों से चीड़ की पत्तियां हटाईं। "अगर तुमने किसी को बताया, तो मैं कसम खाती हूँ—"

“नहीं, नहीं,” मैंने कहा। “यह तो बढ़िया है। बस... आकाश के देवता ज़्यूस की बेटी को ऊँचाई से डर लगता है?”

वह मुझे बर्फ में गिराने ही वाली थी कि तभी ऊपर से ग्रोवर की आवाज आई, "हेलोoooo?"

“यहाँ नीचे!” मैंने चिल्लाकर कहा।

कुछ मिनट बाद, ज़ोई, बियांका और ग्रोवर भी हमारे साथ आ गए। हम सब बर्फ में संघर्ष करते जंगली सूअर को देखते रहे।

"जंगल का आशीर्वाद," ग्रोवर ने कहा, हालांकि अब वह थोड़ा परेशान दिख रहा था।

“मैं सहमत हूँ,” ज़ोई ने कहा। “हमें इसका इस्तेमाल करना ही चाहिए।”

“रुको ज़रा,” थैलिया ने चिड़चिड़ाते हुए कहा। वह अब भी ऐसी लग रही थी जैसे क्रिसमस ट्री से लड़ाई हारकर आई हो। “मुझे समझाओ कि तुम्हें इतना यकीन क्यों है कि यह सुअर एक वरदान है।”

ग्रोवर ने विचलित होकर इधर देखा। “यही तो हमारा पश्चिम की ओर जाने वाला वाहन है। क्या आपको अंदाज़ा है कि यह जंगली सूअर कितनी तेज़ी से दौड़ सकता है?”

मैंने कहा, "मज़ेदार। जैसे...सूअर चरवाहे।"

ग्रोवर ने सिर हिलाया। “हमें अब जहाज पर चढ़ना होगा। काश...काश मुझे आस-पास देखने के लिए और समय मिल जाता। लेकिन अब तो समय निकल चुका है।”

“क्या गायब हो गया?”

ग्रोवर ने मेरी बात अनसुनी कर दी। वह सूअर के पास गया और उसकी पीठ पर कूद गया। सूअर पहले से ही बर्फ के ढेर में आगे बढ़ने लगा था। एक बार बर्फ के ढेर से बाहर निकल आने पर उसे रोकना नामुमकिन था। ग्रोवर ने अपनी बांसुरी निकाली। उसने एक तेज़ धुन बजानी शुरू की और सूअर के सामने एक सेब फेंक दिया। सेब सूअर की नाक के ठीक ऊपर तैरता और घूमता हुआ गया, और सूअर उसे पाने के लिए बेताब हो गया।

“ऑटोमैटिक स्टीयरिंग,” थालिया ने धीरे से कहा। “बहुत बढ़िया।”

वह लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ी और ग्रोवर के पीछे कूद गई, जिससे हम बाकी लोगों के लिए काफी जगह बच गई।

ज़ोई और बियांका सूअर की ओर चल पड़ीं।

मैंने कहा, "एक मिनट रुको। क्या तुम दोनों जानते हो कि ग्रोवर किस बारे में बात कर रहा है—इस अद्भुत आशीर्वाद के बारे में?"

“बिल्कुल,” ज़ोई ने कहा। “क्या तुम्हें हवा में इसका एहसास नहीं हुआ? यह इतनी तेज़ थी... मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं उस उपस्थिति को फिर से महसूस कर पाऊँगी।”

“किस तरह की उपस्थिति?”

उसने मुझे ऐसे घूरा जैसे मैं कोई बेवकूफ हूँ। "जंगल का स्वामी, बिल्कुल। सूअर के आने पर, एक पल के लिए ही सही, मुझे पैन की उपस्थिति का आभास हुआ।"

तेरह

हम देवताओं के कबाड़खाने का दौरा करते हैं

हमने सूर्यास्त तक जंगली सूअर की सवारी की, जो मेरी कमर के लिए काफी था। ज़रा सोचिए, पूरे दिन बजरी के ढेर पर एक विशाल स्टील के ब्रश पर सवारी करना कैसा होता है। जंगली सूअर की सवारी लगभग उतनी ही आरामदायक थी।

मुझे ठीक से नहीं पता कि हमने कितने मील का सफर तय किया, लेकिन पहाड़ दूर होते-होते गायब हो गए और उनकी जगह मीलों तक फैली समतल, सूखी ज़मीन ने ले ली। घास और झाड़ियाँ कम होती गईं, यहाँ तक कि हम रेगिस्तान में सरपट दौड़ने लगे (क्या जंगली सूअर सरपट दौड़ते हैं?)।

जैसे ही रात हुई, जंगली सूअर एक नाले के किनारे रुक गया और फुफकारा। उसने मटमैला पानी पीना शुरू किया, फिर एक सगुआरो कैक्टस को जमीन से उखाड़कर उसके कांटों समेत चबाने लगा।

ग्रोवर ने कहा, "वह इससे आगे नहीं जाएगा। हमें उसके खाने के दौरान ही वहां से निकलना होगा।"

किसी को समझाने की ज़रूरत नहीं थी। जब सूअर कैक्टस उखाड़ने में व्यस्त था, हम उसकी पीठ से नीचे उतर गए। फिर हम अपने पीठ के घावों के साथ जैसे-तैसे लड़खड़ाते हुए वहाँ से चले गए।

तीसरी सगुआरो कैक्टस खाने और एक बार फिर गंदा पानी पीने के बाद, सूअर चीखा और डकार ली, फिर घूमकर पूर्व दिशा की ओर सरपट भाग गया।

मैंने अनुमान लगाया, "इसे पहाड़ ज्यादा पसंद हैं।"

“मैं इसे दोष नहीं दे सकती,” थालिया ने कहा। “देखो।”

हमारे सामने दो लेन की सड़क थी, जो आधी रेत से ढकी हुई थी। सड़क के दूसरी ओर इमारतों का एक छोटा सा समूह था, जो किसी कस्बे जैसा नहीं लग रहा था: एक बंद पड़ा मकान, एक टैको की दुकान जो ज़ोई नाइटशेड के जन्म से भी पहले से बंद लग रही थी, और एक सफेद प्लास्टर वाला डाकघर जिसके दरवाजे के ऊपर टेढ़ा लटका हुआ एक बोर्ड था जिस पर लिखा था 'गिला क्लॉ, एरिज़ोना'। उसके आगे पहाड़ियों की एक श्रृंखला थी... लेकिन तभी मैंने देखा कि ये सामान्य पहाड़ियाँ नहीं थीं। ग्रामीण इलाका तो सामान्य पहाड़ियों के लिए बहुत ही सपाट था। ये पहाड़ियाँ पुरानी कारों, उपकरणों और अन्य कबाड़ के विशाल ढेर थे। यह एक ऐसा कबाड़खाना था जो अंतहीन सा लग रहा था।

“वाह,” मैंने कहा।

“मुझे लगता है कि हमें यहाँ कार किराए पर नहीं मिलेगी,” थालिया ने कहा। उसने ग्रोवर की ओर देखा। “मुझे नहीं लगता कि तुम्हारे पास कोई और जंगली सूअर है?”

ग्रोवर हवा को सूंघ रहा था, घबराया हुआ लग रहा था। उसने अपने बलूत के फल निकाले और उन्हें रेत में फेंक दिया, फिर अपनी बांसुरी बजाई। वे फल अपने आप एक ऐसे पैटर्न में व्यवस्थित हो गए जो मुझे समझ नहीं आया, लेकिन ग्रोवर चिंतित दिख रहा था।
“ये हम ही हैं,” उसने कहा। “वो पाँचों पागल लोग वहीं पर हैं।”
मैंने पूछा, "इनमें से मैं कौन हूँ?"
"वो छोटी, विकृत बच्ची," ज़ोई ने सुझाव दिया।
"अरे, चुप रहो।"
ग्रोवर ने बाईं ओर इशारा करते हुए कहा, "वो जो समूह वहां है, वो मुसीबत का संकेत है।"
“एक राक्षस?” थालिया ने पूछा।
ग्रोवर बेचैन लग रहा था। “मुझे कोई गंध नहीं आ रही, जो समझ से परे है। लेकिन बलूत के फल झूठ नहीं बोलते। हमारी अगली चुनौती...”
उसने सीधे कबाड़खाने की ओर इशारा किया। सूरज की रोशनी लगभग डूब चुकी थी, और धातु के ढेर किसी दूसरे ग्रह की तरह लग रहे थे।

हमने रात भर यहीं डेरा डालने का फैसला किया और सुबह कबाड़खाने में जाने का सोचा। हममें से कोई भी अंधेरे में कूड़े के ढेर में सामान ढूंढने नहीं जाना चाहता था।
ज़ोई और बियांका ने अपने बैगों से पाँच स्लीपिंग बैग और फोम के गद्दे निकाले। मुझे नहीं पता उन्होंने ये कैसे किया, क्योंकि बैग बहुत छोटे थे, लेकिन इतने सारे सामान को रखने के लिए उन पर जादू ज़रूर किया गया होगा। मैंने देखा कि उनके धनुष और तरकश भी जादुई थे। मैंने कभी इस बारे में सोचा नहीं था, लेकिन जब शिकारियों को उनकी ज़रूरत होती थी, तो वे उनकी पीठ पर लटके हुए प्रकट हो जाते थे। और जब ज़रूरत नहीं होती थी, तो वे गायब हो जाते थे।
रात जल्दी ही ठंडी हो गई, इसलिए ग्रोवर और मैंने खंडहर हो चुके घर से पुराने तख्ते इकट्ठा किए, और थैलिया ने उन्हें बिजली का झटका देकर आग जला ली। देखते ही देखते हम एक सुनसान, वीरान कस्बे में काफी आरामदायक स्थिति में पहुँच गए।
"तारे निकल आए हैं," ज़ोई ने कहा।
वह सही थी। वहाँ लाखों की संख्या में जीव थे, और आसमान को नारंगी रंग देने वाली कोई शहरी रोशनी भी नहीं थी।
“अद्भुत,” बियांका ने कहा। “मैंने वास्तव में कभी आकाशगंगा नहीं देखी है।”
"यह तो कुछ भी नहीं है," ज़ोई ने कहा। "पुराने समय में तो और भी बहुत कुछ थे। मानव निर्मित प्रकाश प्रदूषण के कारण तो पूरे-पूरे तारामंडल ही गायब हो गए हैं।"
मैंने कहा, "तुम ऐसे बात करते हो जैसे तुम इंसान ही नहीं हो।"

ज़ोई ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "मैं एक शिकारी हूँ। मुझे दुनिया के जंगली इलाकों की परवाह है। क्या यही बात तुम्हारे लिए भी कही जा सकती है?"
“तुम्हारे लिए,” थालिया ने सुधार करते हुए कहा। “तुम्हारे लिए नहीं।”
लेकिन आप वाक्य की शुरुआत में 'आप' का प्रयोग करते हैं।
“और अंत में,” थैलिया ने कहा। “तुम नहीं। तुम्हें नहीं। सिर्फ तुम।”
ज़ोई ने झुंझलाहट में अपने हाथ ऊपर उठा लिए। "मुझे यह भाषा बिल्कुल पसंद नहीं है। यह बहुत जल्दी-जल्दी बदलती रहती है!"
ग्रोवर ने आह भरी। वह अब भी तारों को ऐसे देख रहा था जैसे प्रकाश प्रदूषण की समस्या के बारे में सोच रहा हो। "काश पैन यहाँ होता, तो वह सब कुछ ठीक कर देता।"
ज़ोई ने उदास होकर सिर हिलाया।
“शायद कॉफी का असर था,” ग्रोवर ने कहा। “मैं कॉफी पी रहा था और तभी हवा चलने लगी। शायद अगर मैं और कॉफी पीता...”
मुझे पूरा यकीन था कि क्लाउडक्रॉफ्ट में जो कुछ हुआ था, उससे कॉफी का कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन ग्रोवर को बताने की हिम्मत नहीं हुई। मैंने रबर के चूहे और उन नन्हे पक्षियों के बारे में सोचा जो हवा चलने पर अचानक ज़िंदा हो गए थे। "ग्रोवर, क्या तुम्हें सच में लगता है कि वह पैन था? मेरा मतलब है, मुझे पता है कि तुम यही चाहते हो।"
“उन्होंने हमारी मदद की,” ग्रोवर ने जोर देकर कहा। “मुझे नहीं पता कैसे और क्यों। लेकिन उनकी मौजूदगी ही मायने रखती थी। यह खोज पूरी होने के बाद, मैं न्यू मैक्सिको वापस जाऊंगा और खूब कॉफी पिऊंगा। पिछले दो हजार सालों में मिली यह सबसे अच्छी जानकारी है। मैं बहुत करीब था।”
मैंने कोई जवाब नहीं दिया। मैं ग्रोवर की उम्मीदों को तोड़ना नहीं चाहता था।
थालिया ने बियांका की ओर देखते हुए कहा, "मैं यह जानना चाहती हूँ कि तुमने एक ज़ॉम्बी को कैसे नष्ट किया। अभी भी बहुत सारे ज़ॉम्बी कहीं बाहर छिपे हुए हैं। हमें उनसे लड़ने का तरीका ढूंढना होगा।"
बियांका ने सिर हिलाया। "मुझे नहीं पता। मैंने बस उस पर चाकू से वार किया और वह आग की लपटों में घिर गया।"
मैंने कहा, "शायद तुम्हारे चाकू में कुछ खास बात है।"
"यह बिल्कुल मेरे जैसा ही है," ज़ोई ने कहा। "स्वर्गीय कांस्य, हाँ। लेकिन मेरे वाले का योद्धाओं पर ऐसा प्रभाव नहीं पड़ा।"
मैंने कहा, "हो सकता है कि आपको कंकाल पर किसी खास जगह पर वार करना पड़े।"
बियांका को इस बात से असहज महसूस हो रहा था कि सब लोग उस पर ध्यान दे रहे थे।
“कोई बात नहीं,” ज़ोई ने उससे कहा। “हमें जवाब मिल जाएगा। तब तक, हमें अपनी अगली चाल की योजना बना लेनी चाहिए। इस कबाड़खाने से निकलने के बाद, हमें पश्चिम की ओर बढ़ना होगा। अगर हमें कोई

सड़क मिल गई, तो हम लिफ्ट लेकर पास के शहर तक जा सकते हैं। मुझे लगता है कि वह लास वेगास होगा।"

मैं इस बात का विरोध करने ही वाला था कि ग्रोवर और मुझे उस शहर में बुरे अनुभव हुए थे, लेकिन बियांका ने हमसे पहले ही यह बात कह दी।

"नहीं!" उसने कहा। "वहाँ नहीं!"

वह बहुत डरी हुई लग रही थी, जैसे उसे किसी रोलर कोस्टर के सबसे ऊंचे और ढलान वाले हिस्से से नीचे गिरा दिया गया हो।

ज़ोई ने भौंहें चढ़ा लीं। "क्यों?"

बियान्का ने कांपती हुई सांस ली। "मुझे...मुझे लगता है कि हम वहां कुछ देर रुके थे। निको और मैं। जब हम यात्रा कर रहे थे। और फिर, मुझे याद नहीं आ रहा..."

अचानक मेरे मन में एक बहुत बुरा ख्याल आया। मुझे याद आया कि बियांका ने मुझे निको और उसके कुछ समय के लिए होटल में रुकने के बारे में बताया था। मैंने ग्रोवर की आँखों में देखा और मुझे लगा कि वह भी यही सोच रहा है।

"बियांका," मैंने कहा। "जिस होटल में तुम रुकी थी, क्या उसका नाम लोटस होटल एंड कैसिनो था?"

उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। "तुम्हें यह कैसे पता चला?"

"ओह, बहुत बढ़िया," मैंने कहा।

"रुको," थालिया ने कहा। "लोटस कैसिनो क्या है?"

मैंने कहा, "कुछ साल पहले, ग्रोवर, एनाबेथ और मैं वहाँ फंस गए थे। इसे इस तरह बनाया गया है कि आपका वहाँ से निकलने का मन ही नहीं करता। हम लगभग एक घंटे तक वहाँ रहे। जब हम बाहर निकले, तो पाँच दिन बीत चुके थे। इससे समय बहुत तेज़ी से बीतने लगता है।"

"नहीं," बियांका ने कहा। "नहीं, यह संभव नहीं है।"

मुझे याद आया, "तुमने कहा था कि कोई आया और तुम्हें बाहर निकाल लाया।"

"हाँ।"

वह कैसा दिखता था? उसने क्या कहा?

"मुझे...मुझे याद नहीं है। कृपया, मैं सचमुच इस बारे में बात नहीं करना चाहता।"

ज़ोई आगे की ओर झुकी, उसकी भौंहें चिंता से तन गईं। "आपने कहा था कि जब आप पिछली गर्मियों में वापस गईं तो वाशिंगटन, डी.सी. बदल गया था। आपको याद नहीं था कि वहाँ मेट्रो थी।"

"हाँ, लेकिन—"

ज़ोई ने कहा, "बियांका, क्या तुम मुझे अभी संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति का नाम बता सकती हो?"

"मूर्खता मत करो," बियांका ने कहा। उसने हमें राष्ट्रपति का सही नाम बताया।

"और उससे पहले राष्ट्रपति कौन थे?" ज़ोई ने पूछा।

बियांका ने कुछ देर सोचा। "रूजवेल्ट।"
ज़ोई ने घबराकर पूछा, "थियोडोर या फ्रैंकलिन?"
“फ्रैंकलिन,” बियांका ने कहा। “एफ.डी.आर.”
“क्या आप एफडीआर ड्राइव के बारे में बात कर रहे हैं?” मैंने पूछा। क्योंकि सच कहूँ तो, एफडीआर के बारे में मुझे बस इतना ही पता था।
“बियान्का,” ज़ोई ने कहा। “एफ.डी.आर. आखिरी राष्ट्रपति नहीं थे। यह लगभग सत्तर साल पहले की बात है।”
"यह असंभव है," बियांका ने कहा। "मैं...मैं इतनी बूढ़ी नहीं हूँ।"
वह अपने हाथों को इस तरह घूर रही थी मानो यह सुनिश्चित करना चाहती हो कि उन पर झुर्रियां तो नहीं हैं।
थालिया की आँखों में उदासी छा गई। शायद वह जानती थी कि कुछ पल के लिए समय से बाहर निकल जाने का अनुभव कैसा होता है। "कोई बात नहीं, बियांका। ज़रूरी बात यह है कि तुम और निको सुरक्षित हो। तुम बच निकले।"
“लेकिन कैसे?” मैंने कहा। “हम तो वहाँ सिर्फ़ एक घंटे के लिए थे और बाल-बाल बच निकले। इतने लंबे समय तक वहाँ रहने के बाद तुम कैसे बच निकले?”
“मैंने तुमसे कहा था।” बियांका रोने ही वाली थी। “एक आदमी आया और उसने कहा कि जाने का समय हो गया है। और—”
“लेकिन कौन? उसने ऐसा क्यों किया?”
इससे पहले कि वह जवाब दे पाती, सड़क के उस पार से एक तेज़ रोशनी हम पर पड़ी। एक कार की हेडलाइट्स अचानक कहीं से प्रकट हुईं। मुझे आधी उम्मीद थी कि शायद अपोलो हमें फिर से सवारी देने आया हो, लेकिन इंजन सूर्य के रथ के लिए बहुत शांत था, और वैसे भी, रात का समय था। हमने अपने स्लीपिंग बैग पकड़े और रास्ते से हट गए क्योंकि एक भयानक सफेद लिमोसिन हमारे सामने आकर रुक गई।
* * *
लिमोसिन का पिछला दरवाजा मेरे ठीक बगल में खुला। इससे पहले कि मैं पीछे हट पाता, तलवार की नोक मेरे गले को छू गई।
मैंने ज़ोई और बियांका के धनुष खींचने की आवाज़ सुनी। जैसे ही तलवार का मालिक कार से बाहर निकला, मैं बहुत धीरे-धीरे पीछे हट गया। मुझे ऐसा करना पड़ा, क्योंकि वह तलवार की नोक मेरी ठोड़ी के नीचे धकेल रहा था।
वह निर्दयता से मुस्कुराया। "अब इतनी जल्दी भी नहीं कर पाओगे, बदमाश?"
वह एक लंबा-चौड़ा आदमी था, जिसके बाल छोटे-छोटे कटे हुए थे, उसने काले चमड़े की बाइकर जैकेट, काली जींस, सफेद मस्कल शर्ट और मिलिट्री बूट पहन रखे थे। चश्मे से उसकी आंखें ढकी हुई थीं, लेकिन मैं जानता था कि उन चश्मों के पीछे क्या था—खाली गड्ढे जिनमें आग की लपटें धधक रही थीं।

“एरेस,” मैंने गुर्राते हुए कहा।
युद्ध के देवता ने मेरे दोस्तों की ओर देखा। "शांत हो जाओ, सब लोग।"
उसने चुटकी बजाई और उनके हथियार जमीन पर गिर गए।
“यह एक दोस्ताना मुलाकात है।” उसने अपनी तलवार की नोक मेरी ठोड़ी के नीचे थोड़ी और अंदर धंसा दी। “बेशक मैं तुम्हारा सिर काटकर ट्रॉफी के तौर पर रखना चाहता हूँ, लेकिन कोई तुमसे मिलना चाहता है। और मैं किसी महिला के सामने अपने दुश्मनों का सिर कभी नहीं काटता।”
“कौन सी महिला?” थालिया ने पूछा।
एरेस ने उसकी ओर देखा। "वाह वाह! मैंने सुना था कि तुम वापस आ गई हो।"
उसने अपनी तलवार नीचे कर ली और मुझे धक्का देकर दूर कर दिया।
“ज़्यूस की पुत्री थैलिया,” एरेस ने सोचा। “तुम अच्छे लोगों के साथ नहीं हो।”
“एरेस, तुम्हारा क्या काम है?” उसने कहा। “गाड़ी में कौन है?”
एरेस मुस्कुराया, लोगों का ध्यान आकर्षित करते हुए। "ओह, मुझे नहीं लगता कि वह आप लोगों से मिलना चाहेगी। खासकर उनसे तो बिल्कुल नहीं।" उसने ज़ोई और बियांका की ओर इशारा करते हुए कहा, "इंतज़ार करते-करते आप लोग जाकर कुछ टैकोज़ क्यों नहीं खा लेते? पर्सी को बस कुछ ही मिनट लगेंगे।"
"हे भगवान एरेस, हम उसे तुम्हारे साथ अकेला नहीं छोड़ेंगे," ज़ोई ने कहा।
“इसके अलावा,” ग्रोवर ने किसी तरह कहा, “टैको की दुकान बंद है।”
एरेस ने फिर से उंगलियां चटकाईं। टाको रेस्टोरेंट के अंदर की बत्तियां अचानक जल उठीं। दरवाजे पर लगे तख्ते उड़ गए और 'बंद' का साइन पलटकर 'खुला' हो गया। "तुम क्या कह रहे थे, बकरी वाले लड़के?"
मैंने अपने दोस्तों से कहा, "जाओ, मैं इसे संभाल लूंगा।"
मैंने जितना महसूस किया उससे कहीं अधिक आत्मविश्वास दिखाने की कोशिश की। मुझे नहीं लगता कि एरेस मूर्ख बना।
“तुमने उस लड़के की बात सुनी,” एरेस ने कहा। “वह बड़ा और मजबूत है। उसने सब कुछ संभाल रखा है।”
मेरे दोस्त अनिच्छा से टैको रेस्टोरेंट की ओर चल पड़े। एरेस ने मुझे घृणा भरी निगाहों से देखा और फिर एक ड्राइवर की तरह लिमोसिन का दरवाजा खोल दिया।
“अंदर जाओ, बदमाश,” उसने कहा। “और तमीज़ से पेश आओ। वह बदतमीज़ी को मेरी तरह माफ़ नहीं करती।”

जब मैंने उसे देखा तो मैं दंग रह गया।
मैं अपना नाम भूल गया। मैं भूल गया कि मैं कहाँ हूँ। मैं पूरे वाक्य बोलना भूल गया।

उसने लाल साटन की पोशाक पहनी हुई थी और उसके बाल घुंघराले थे। उसका चेहरा अब तक देखे गए चेहरों में सबसे खूबसूरत था: परफेक्ट मेकअप, दमकती आंखें, और एक ऐसी मुस्कान जो चांद के अंधेरे हिस्से को भी रोशन कर देती।

अब जब मैं उस बारे में सोचती हूँ, तो मुझे याद नहीं आता कि वह किसके जैसी दिखती थी।

या फिर उनके बालों या आंखों का रंग। आप जिस भी सबसे खूबसूरत अभिनेत्री के बारे में सोच सकते हैं, उसे चुन लीजिए। वह देवी उससे दस गुना ज्यादा खूबसूरत थीं। अपने पसंदीदा बालों का रंग, आंखों का रंग, कुछ भी चुन लीजिए। वह देवी में था।

जब उसने मेरी तरफ मुस्कुराया, तो एक पल के लिए वह थोड़ी-थोड़ी एनाबेथ जैसी लगी। फिर उस टीवी अभिनेत्री जैसी जिस पर मुझे पांचवीं कक्षा में क्रश था। फिर... खैर, आप समझ ही गए होंगे।

“अरे, तुम यहाँ हो, पर्सी,” देवी ने कहा। “मैं एफ़्रोडाइट हूँ।”

मैं उसके सामने वाली सीट पर बैठ गया और कुछ इस तरह कहा, "उम उह गा।"

वह मुस्कुराई। "तुम कितने प्यारे हो। इसे पकड़ो, कृपया।"

उसने मुझे खाने की थाली के आकार का एक चमकीला दर्पण दिया और उसे पकड़ने के लिए कहा। वह आगे झुकी और अपनी लिपस्टिक को थपथपाने लगी, हालाँकि मुझे उसमें कुछ भी गलत नहीं लगा।

“क्या आपको पता है कि आप यहां क्यों हैं?” उसने पूछा।

मैं जवाब देना चाहता था। मैं एक पूरा वाक्य क्यों नहीं बोल पा रहा था? वह तो बस एक महिला थी। एक बेहद खूबसूरत महिला। उसकी आँखें झरने के पानी के तालाब जैसी थीं... वाह!

मैंने अपनी बांह को जोर से चुटकी काटी।

“मुझे...मुझे नहीं पता,” मैंने किसी तरह कहा।

“ओह, प्रिय,” एफ़्रोडाइट ने कहा। “अभी भी इनकार कर रहे हो?”

कार के बाहर, मुझे एरेस के हंसने की आवाज़ सुनाई दी। मुझे ऐसा लग रहा था कि वह हमारी कही हर बात सुन रहा है। उसके वहां होने के ख्याल से मुझे गुस्सा आ रहा था, और इससे मेरा मन शांत हुआ।

मैंने कहा, "मुझे नहीं पता कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं।"

"तो फिर आप इस खोज पर क्यों निकले हैं?"

“आर्टेमिस को पकड़ लिया गया है!”

एफ़्रोडाइट ने आँखें घुमाईं। “ओह, आर्टेमिस। प्लीज़। ये तो बिल्कुल ही नामुमकिन है। मतलब, अगर किसी देवी का अपहरण करना ही था, तो वो बेहद खूबसूरत होनी चाहिए थी, है ना? मुझे उन बेचारे लोगों पर तरस आता है जिन्हें आर्टेमिस को कैद करना पड़ेगा। उफ़!”

“लेकिन वो तो एक राक्षस का पीछा कर रही थी,” मैंने विरोध किया। “एक बहुत ही खतरनाक राक्षस का। हमें उसे ढूंढना ही होगा!”

एफ़्रोडाइट ने मुझे दर्पण थोड़ा ऊपर उठाने को कहा। ऐसा लग रहा था जैसे उसे अपनी आँख के कोने में कोई सूक्ष्म समस्या नज़र आ रही हो और उसने अपने मस्कारा को पोंछा। "हमेशा कोई न कोई राक्षस होता ही है। लेकिन मेरे प्यारे पर्सी, इसीलिए तो बाकी लोग इस खोज पर निकले हैं। मुझे तो तुममें ज़्यादा दिलचस्पी है।"
मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था। मैं जवाब नहीं देना चाहती थी, लेकिन उसकी आँखों ने मुझसे जवाब निकलवा ही दिया। "एनाबेथ मुसीबत में है।"
एफ़्रोडाइट मुस्कुराई। "बिल्कुल!"
मैंने कहा, "मुझे उसकी मदद करनी होगी। मुझे ये सपने आ रहे हैं।"
“अरे वाह, तुम तो उसके सपने भी देखते हो! ये तो बहुत प्यारा है!”
“नहीं! मेरा मतलब... मेरा वो मतलब नहीं था।”
उसने 'त्स्क-त्स्क' की आवाज़ निकाली। "पर्सी, मैं तुम्हारे साथ हूँ। आख़िरकार, तुम यहाँ मेरी वजह से ही तो हो।"
मैंने उसे घूरकर देखा। "क्या?"
“स्टोल भाइयों ने फोबे को जो ज़हर मिला हुआ टी-शर्ट दिया था,” उसने कहा। “क्या तुम्हें लगता है कि वह एक दुर्घटना थी? ब्लैकजैक को तुम्हें ढूंढने के लिए भेजना? शिविर से चुपके से निकलने में तुम्हारी मदद करना?”
"वह आपने किया?"
“बेशक! क्योंकि सच में, ये शिकारी कितने उबाऊ हैं! किसी राक्षस की खोज, वगैरह वगैरह। आर्टेमिस को बचाना। उसे खोया हुआ ही रहने दो, मैं कहती हूँ। लेकिन सच्चे प्यार की खोज—”
“एक मिनट रुकिए, मैंने ऐसा कभी नहीं कहा—”
"ओह, मेरी प्यारी। तुम्हें यह कहने की ज़रूरत नहीं है। तुम जानती हो ना कि एनाबेथ हंटर्स में शामिल होने के बहुत करीब थी?"
मैं शरमा गई। "मुझे यकीन नहीं था—"
“वह अपनी जान गंवाने ही वाली थी! और तुम, मेरे प्यारे, उसे इससे बचा सकते हो। यह कितना रोमांटिक है!”
“उह...”
“ओह, दर्पण नीचे रखो,” एफ़्रोडाइट ने आदेश दिया। “मैं ठीक दिख रही हूँ।”
मुझे एहसास ही नहीं हुआ कि मैं इसे अभी भी पकड़े हुए हूं, लेकिन जैसे ही मैंने इसे नीचे रखा, मैंने महसूस किया कि मेरी बांहों में दर्द हो रहा है।
“अब सुनो, पर्सी,” एफ़्रोडाइट ने कहा। “शिकारी तुम्हारे दुश्मन हैं। उन्हें, आर्टेमिस को और उस राक्षस को भूल जाओ। वह सब महत्वपूर्ण नहीं है। तुम बस एनाबेथ को ढूंढने और बचाने पर ध्यान केंद्रित करो।”
"तुम्हें पता है कि वह कहां है?"

एफ़्रोडाइट ने चिड़चिड़ाते हुए हाथ हिलाया। "नहीं, नहीं। बाकी बातें मैं आप पर छोड़ती हूँ। लेकिन हमें एक अच्छी दुखद प्रेम कहानी पढ़े हुए बहुत समय हो गया है।"
अरे वाह, सबसे पहले तो मैंने प्यार के बारे में कुछ नहीं कहा। और दूसरी बात, ये दुखद का क्या मतलब है?
“प्रेम सब कुछ जीत लेता है,” एफ़्रोडाइट ने वादा किया। “हेलेन और पेरिस को देखो। क्या उन्होंने कभी किसी चीज़ को अपने बीच आने दिया?”
"क्या उन्होंने ही ट्रोजन युद्ध शुरू नहीं किया था और हजारों लोगों की जान नहीं ली थी?"
“छी! बात ये नहीं है। अपने दिल की सुनो।”
लेकिन...मुझे नहीं पता कि यह कहाँ जा रहा है। मेरा दिल, मेरा मतलब है।
उसने सहानुभूति भरी मुस्कान दी। वह सचमुच खूबसूरत थी। और सिर्फ इसलिए नहीं कि उसका चेहरा सुंदर था। वह प्यार में इतना विश्वास करती थी कि जब वह इसके बारे में बात करती थी तो खुशी से झूम उठना लाज़मी था।
“न जानना ही तो आधा मज़ा है,” एफ़्रोडाइट ने कहा। “बेहद दर्दनाक है, है ना? यह न जानना कि आप किससे प्यार करते हैं और कौन आपसे प्यार करता है? अरे, प्यारे बच्चों! ये तो इतना प्यारा है कि मेरी आँखों में आँसू आ रहे हैं।”
“नहीं, नहीं,” मैंने कहा। “ऐसा मत करो।”
“और चिंता मत करो,” उसने कहा। “मैं इसे तुम्हारे लिए आसान और उबाऊ नहीं होने दूंगी। नहीं, मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ शानदार सरप्राइज़ हैं। पीड़ा। असमंजस। अरे, बस इंतज़ार करो।”
मैंने उससे कहा, "कोई बात नहीं। कोई परेशानी मत उठाओ।"
“तुम कितने प्यारे हो! काश मेरी सारी बेटियाँ तुम्हारे जैसे अच्छे लड़के का दिल तोड़ पातीं।” एफ़्रोडाइट की आँखों में आँसू आ गए। “अब तुम्हें जाना चाहिए। और मेरे पति के इलाके में सावधान रहना, पर्सी। कुछ भी मत ले जाना। वो अपनी छोटी-मोटी चीज़ों और कचरे को लेकर बहुत सख़्त हैं।”
“क्या?” मैंने पूछा। “तुम्हारा मतलब हेफेस्टस से है?”
लेकिन कार का दरवाजा खुला और एरेस ने मेरा कंधा पकड़कर मुझे कार से बाहर खींच लिया और वापस रेगिस्तान की रात में ले आया।
प्रेम की देवी के साथ मेरी मुलाकात समाप्त हो गई थी।

“तुम किस्मत वाले हो, बदमाश।” एरेस ने मुझे लिमोसिन से दूर धकेल दिया। “शुक्रगुजार रहो।”
"किस लिए?"
“हम तो बहुत अच्छे बन रहे हैं। अगर यह मेरे हाथ में होता तो—”
“तो तुमने मुझे मारा क्यों नहीं?” मैंने पलटकर पूछा। युद्ध के देवता से ऐसा कहना मूर्खतापूर्ण था, लेकिन उनके आसपास रहने से मुझे हमेशा गुस्सा और बेकाबू महसूस होता था।

एरेस ने सिर हिलाया, मानो मैंने आखिरकार कोई समझदारी भरी बात कह दी हो।
“सच में, मैं तुम्हें मारना चाहता हूँ,” उसने कहा। “लेकिन देखो, मेरे सामने एक मुश्किल खड़ी हो गई है। ओलंपस में यह अफवाह फैली है कि तुम इतिहास का सबसे बड़ा युद्ध शुरू कर सकते हो। मैं इसे बिगाड़ने का जोखिम नहीं उठा सकता। इसके अलावा, एफ़्रोडाइट तुम्हें किसी सीरियल स्टार की तरह समझती है। अगर मैं तुम्हें मार देता हूँ, तो एफ़्रोडाइट की नज़र में मेरी छवि खराब हो जाएगी। लेकिन चिंता मत करो। मैं अपना वादा नहीं भूला हूँ। जल्द ही, बच्चे—बहुत जल्द—तुम अपनी तलवार उठाओगे और युद्ध करोगे, और तुम्हें एरेस के क्रोध का सामना करना पड़ेगा।”
मैंने मुट्ठी भींच ली। “इंतजार क्यों? मैंने तुम्हें एक बार हराया है। तुम्हारा टखना कैसा ठीक हो रहा है?”
वह टेढ़ी मुस्कान के साथ बोला, "बुरा नहीं है, बदमाश। लेकिन तुम ताने मारने के उस्ताद के सामने कुछ भी नहीं हो। जब मैं पूरी तरह तैयार हो जाऊंगा, तभी लड़ाई शुरू करूंगा। तब तक... दफ़ा हो जाओ।"
उसने चुटकी बजाई और दुनिया 360 डिग्री घूम गई, लाल धूल के बादल में चक्कर लगाने लगी। मैं ज़मीन पर गिर पड़ा।
जब मैं दोबारा उठा, तो लिमोसिन गायब हो चुकी थी। सड़क, टैको रेस्टोरेंट, गिला क्लॉ का पूरा कस्बा ही गायब था। मैं और मेरे दोस्त कबाड़खाने के बीचोंबीच खड़े थे, चारों ओर धातु के ढेर लगे हुए थे।

जब मैंने उन्हें एफ़्रोडाइट के बारे में बताया, तो बियांका ने पूछा, "वह तुमसे क्या चाहती थी?"
“ओह, उह, मुझे पक्का नहीं पता,” मैंने झूठ बोला। “उसने कहा था कि उसके पति के कबाड़खाने में सावधान रहना। उसने कहा था कि कुछ भी मत उठाना।”
ज़ोई ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। “प्रेम की देवी तुम्हें यह बताने के लिए विशेष यात्रा नहीं करेगी। सावधान रहो, पर्सी। एफ़्रोडाइट ने कई नायकों को गुमराह किया है।”
“इस बार मैं ज़ोई से सहमत हूँ,” थालिया ने कहा। “आप एफ़्रोडाइट पर भरोसा नहीं कर सकते।”
ग्रोवर मुझे अजीब नज़रों से देख रहा था। अपनी संवेदनशीलता के कारण, वह आमतौर पर मेरी भावनाओं को समझ लेता था, और मुझे लगा कि वह जानता है कि एफ़्रोडाइट ने मुझसे किस बारे में बात की थी।
मैंने विषय बदलने की उत्सुकता में कहा, "तो हम यहाँ से कैसे निकलेंगे?"
“उस तरफ,” ज़ोई ने कहा। “वह पश्चिम दिशा है।”
आप यह कैसे बता सकते हैं?
पूर्णिमा की रोशनी में, मुझे आश्चर्य हुआ कि मैं उसे मेरी ओर आँखें घुमाते हुए कितनी स्पष्ट रूप से देख पा रहा था। उसने कहा, "उर्सा मेजर उत्तर में है, जिसका मतलब है कि वह पश्चिम की ओर होना चाहिए।"
उसने पश्चिम की ओर इशारा किया, फिर उत्तरी तारामंडल की ओर, जिसे पहचानना मुश्किल था क्योंकि वहां बहुत सारे अन्य तारे थे।
“ओह, हाँ,” मैंने कहा। “भालू वाली बात।”

ज़ोई नाराज़ दिखीं। "थोड़ा सम्मान दिखाओ। वह एक शानदार भालू था। एक योग्य प्रतिद्वंद्वी।"
तुम ऐसे बर्ताव कर रहे हो जैसे यह सब सच हो।
“दोस्तों,” ग्रोवर ने बीच में टोकते हुए कहा। “देखो!”
हम कबाड़ के पहाड़ की चोटी पर पहुँच गए थे। चाँदनी में धातु की वस्तुओं के ढेर चमक रहे थे: कांसे के घोड़ों के टूटे हुए सिर, मानव मूर्तियों के धातु के पैर, चकनाचूर रथ, टन भर ढालें, तलवारें और अन्य हथियार, साथ ही आधुनिक सामान, जैसे सोने और चांदी की तरह चमकती कारें, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन और कंप्यूटर मॉनिटर।
“वाह!” बियांका ने कहा। “ये सब चीज़ें... इनमें से कुछ तो असली सोने जैसी दिखती हैं।”
“हाँ,” थैलिया ने गंभीर स्वर में कहा। “पर्सी ने जैसा कहा था, किसी भी चीज़ को मत छूना। यह देवताओं का कबाड़खाना है।”
“कबाड़?” ग्रोवर ने सोने, चांदी और रत्नों से बना एक खूबसूरत मुकुट उठाया। वह एक तरफ से टूटा हुआ था, मानो किसी कुल्हाड़ी से चीर दिया गया हो। “क्या तुम इसे कबाड़ कहते हो?”
उसने एक नुकीला टुकड़ा तोड़ा और चबाने लगा। "यह तो बहुत स्वादिष्ट है!"
थालिया ने उसके हाथों से ताज छीन लिया। "मैं सच कह रही हूँ!"
“देखो!” बियांका ने कहा। वह पहाड़ी से नीचे भागी, पीतल की कुंडलियों और सोने की प्लेटों से टकराती हुई। उसने चाँदनी में चमकता हुआ एक धनुष उठाया। “एक शिकारी का धनुष!”
धनुष सिकुड़ने लगा और अर्धचंद्र के आकार की हेयर क्लिप बन गया, जिसे देखकर वह आश्चर्य से चीख पड़ी। "यह तो बिल्कुल पर्सी की तलवार जैसी है!"
ज़ोई का चेहरा गंभीर था। "छोड़ो इसे, बियांका।"
"लेकिन-"
“यह यहाँ किसी कारण से है। इस कबाड़खाने में फेंकी गई कोई भी चीज़ यहीं रहनी चाहिए। यह खराब है। या शापित है।”
बियांका ने अनिच्छा से हेयर क्लिप नीचे रख दी।
“मुझे यह जगह पसंद नहीं है,” थालिया ने कहा। उसने अपने भाले के डंडे को कसकर पकड़ लिया।
मैंने पूछा, "क्या आपको लगता है कि हम पर जानलेवा रेफ्रिजरेटर हमला करने वाले हैं?"
उसने मुझे घूरकर देखा। “ज़ोई सही कह रही है, पर्सी। यहाँ चीज़ें जानबूझकर फेंकी जाती हैं। चलो, अब आँगन पार चलते हैं।”
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "यह दूसरी बार है जब तुमने ज़ोई की बात से सहमति जताई है," लेकिन थैलिया ने मेरी बात अनसुनी कर दी।

हम कबाड़ के ढेर से भरी पहाड़ियों और घाटियों के बीच से अपना रास्ता बनाने लगे। ऐसा लग रहा था मानो यह ढेर कभी खत्म ही नहीं होगा, और अगर उर्समा मेजर ज्वालामुखी न होता तो हम रास्ता भटक जाते। सारी पहाड़ियाँ लगभग एक जैसी ही दिख रही थीं।

मैं कहना चाहूँगी कि हमने उन चीज़ों को वैसे ही छोड़ दिया, लेकिन वहाँ इतनी सारी दिलचस्प चीज़ें थीं कि उनमें से कुछ को देखे बिना रहना मुश्किल था। मुझे अपोलो के वीणा के आकार का एक इलेक्ट्रिक गिटार मिला जो इतना प्यारा था कि मुझे उसे उठाना ही पड़ा। ग्रोवर को धातु से बना एक टूटा हुआ पेड़ मिला। उसे टुकड़ों में काट दिया गया था, लेकिन कुछ शाखाओं में अभी भी सुनहरे पक्षी थे, और जब ग्रोवर ने उन्हें उठाया तो वे चहचहाने लगे और अपने पंख फड़फड़ाने की कोशिश करने लगे।

अंततः, हमें अपने से लगभग आधा मील आगे कबाड़खाने का किनारा दिखाई दिया, रेगिस्तान से होकर गुजरती एक राजमार्ग की बत्तियाँ। लेकिन हमारे और सड़क के बीच...

“यह क्या है?” बियांका ने हैरानी से पूछा।

हमारे सामने एक पहाड़ी थी जो बाकी पहाड़ियों से कहीं बड़ी और लंबी थी। यह एक धातु के पठार जैसी थी, जिसकी लंबाई फ़ुटबॉल मैदान जितनी और ऊंचाई गोलपोस्ट जितनी थी। पठार के एक छोर पर दस मोटे धातु के खंभे एक साथ कसकर जुड़े हुए थे।

बियांका ने भौंहें चढ़ा लीं। "वे तो बिल्कुल ऐसे दिखते हैं—"

“पैर की उंगलियां,” ग्रोवर ने कहा।

बियांका ने सिर हिलाया। "सच में, बहुत बड़े पैर की उंगलियां।"

ज़ोई और थालिया ने घबराहट भरी नज़रें एक-दूसरे पर डालीं।

"चलो घूम कर चलते हैं," थालिया ने कहा। "काफी दूर तक।"

“लेकिन सड़क तो वहीं पर है,” मैंने विरोध किया। “उस पार चढ़ना ज्यादा आसान होगा।”

गुनगुनाहट।

थालिया ने अपना भाला उठाया और ज़ोई ने अपना धनुष खींचा, लेकिन तभी मुझे एहसास हुआ कि यह तो ग्रोवर था। उसने धातु का एक टुकड़ा पैर की उंगलियों पर फेंका और एक को लगा, जिससे एक गहरी गूंज पैदा हुई, मानो स्तंभ खोखला हो।

"तुमने ऐसा क्यों किया?" ज़ोई ने पूछा।

ग्रोवर असहज हो गया। "मुझे नहीं पता। मुझे, उह, नकली पैर पसंद नहीं हैं?"

“चलो।” थैलिया ने मेरी तरफ देखा। “घूमते हैं।”

मैंने कोई बहस नहीं की। मुझे भी वो पैर की उंगलियां डरावनी लगने लगी थीं। मेरा मतलब है, कौन दस फुट ऊंची धातु की पैर की उंगलियां बनाता है और उन्हें कबाड़खाने में रख देता है?

कुछ मिनट चलने के बाद, हम आखिरकार राजमार्ग पर पहुँच गए, जो सुनसान था लेकिन काले डामर का एक अच्छी तरह से रोशन हिस्सा था।

ज़ोई ने कहा, "हम बच गए। भगवान का शुक्र है।"
लेकिन जाहिर तौर पर देवताओं को धन्यवाद नहीं चाहिए था। उसी क्षण, मुझे हजारों कचरा कंपैक्टरों द्वारा धातु को कुचलने जैसी आवाज सुनाई दी।
मैं तेज़ी से घूमा। हमारे पीछे, कबाड़ का पहाड़ उबल रहा था, ऊपर उठ रहा था। दस उंगलियां झुक गईं, और मुझे समझ आया कि वे उंगलियों जैसी क्यों दिख रही थीं। वे सचमुच उंगलियां थीं। धातु से जो चीज़ उठी, वह पूरी यूनानी युद्ध कवच में लिपटा हुआ एक कांस्य का दैत्य था। वह अविश्वसनीय रूप से लंबा था—पैरों और हाथों वाला एक गगनचुंबी इमारत जैसा। चांदनी में वह बुरी तरह चमक रहा था। उसने हमारी ओर देखा, और उसका चेहरा विकृत था। बायां हिस्सा आंशिक रूप से पिघल गया था। उसके जोड़ जंग से चरमरा रहे थे, और उसकी कवचधारी छाती पर, किसी विशाल उंगली से मोटी धूल में, "मुझे धोओ" शब्द लिखे हुए थे।
“टैलोस!” ज़ोई ने हांफते हुए कहा।
“कौन—कौन है टालोस?” मैंने हकलाते हुए पूछा।
“हेफेस्टस की रचनाओं में से एक,” थालिया ने कहा। “लेकिन यह असली नहीं हो सकता। यह बहुत छोटा है। शायद एक प्रोटोटाइप हो। एक दोषपूर्ण मॉडल।”
धातु उद्योग की दिग्गज कंपनी को 'दोषपूर्ण' शब्द पसंद नहीं था।
उसने एक हाथ अपनी तलवार की कमर पर रखा और अपनी तलवार निकाली। म्यान से तलवार के निकलने की आवाज़ भयानक थी, धातु के धातु से टकराने की चीख जैसी। तलवार सौ फीट लंबी थी, आसानी से। वह जंग लगी और भद्दी दिख रही थी, लेकिन मुझे नहीं लगता था कि इससे कोई फर्क पड़ता है। उस चीज़ से चोट लगना किसी युद्धपोत से चोट लगने जैसा होगा।
“किसी ने कुछ चुरा लिया,” ज़ोई ने कहा। “किसने चुराया?”
उसने मुझे दोषारोपण भरी निगाहों से देखा।
मैंने अपना सिर हिलाया। "मैं कई चीजें हूं, लेकिन मैं चोर नहीं हूं।"
बियांका ने कुछ नहीं कहा। मुझे ऐसा लगा जैसे वह दोषी महसूस कर रही हो, लेकिन मेरे पास इस बारे में सोचने का ज़्यादा समय नहीं था, क्योंकि विशालकाय दोषपूर्ण टैलोस ने हमारी ओर एक कदम बढ़ाया, आधी दूरी तय कर ली और ज़मीन को हिला दिया।
“भागो!” ग्रोवर चिल्लाया।
बहुत अच्छी सलाह थी, लेकिन बेकार साबित हुई। धीमी गति से टहलते हुए भी यह चीज़ हमें आसानी से पीछे छोड़ सकती थी।
हम अलग हो गए, ठीक वैसे ही जैसे हम नेमेन शेर से अलग हुए थे। थैलिया ने अपनी ढाल निकाली और उसे ऊपर उठाकर राजमार्ग पर दौड़ने लगी। उस दैत्य ने अपनी तलवार घुमाई और बिजली की तारों की एक पंक्ति को तोड़ दिया, जो चिंगारियों के साथ फट गईं और थैलिया के रास्ते में बिखर गईं।

ज़ोई के तीर उस प्राणी के चेहरे की ओर सीटी बजाते हुए गए, लेकिन धातु से टकराकर बेअसर होकर बिखर गए। ग्रोवर एक बकरे के बच्चे की तरह रेंकने लगा और धातु के पहाड़ पर चढ़ने लगा।
बियान्का और मैं एक टूटे हुए रथ के पीछे छिपकर एक दूसरे के बगल में आ गए।
मैंने कहा, "तुमने कुछ लिया है। वो धनुष।"
“नहीं!” उसने कहा, लेकिन उसकी आवाज कांप रही थी।
मैंने कहा, “इसे वापस दो! इसे नीचे फेंक दो!”
“मैंने...मैंने अभिवादन नहीं किया! वैसे भी, अब बहुत देर हो चुकी है।”
आपने क्या लिया?
इससे पहले कि वह जवाब दे पाती, मुझे एक बहुत तेज चरमराहट की आवाज सुनाई दी, और एक परछाई ने आकाश को ढक लिया।
"चलो!" मैं पहाड़ी से नीचे भागा, बियांका मेरे ठीक पीछे थी, तभी उस दैत्य के पैर ने उस जगह पर एक गड्ढा बना दिया जहाँ हम छिपे हुए थे।
“हे, टालोस!” ग्रोवर चिल्लाया, लेकिन उस राक्षस ने अपनी तलवार उठाई और बियांका और मेरी तरफ नीचे देखा।
ग्रोवर ने अपनी बांसुरी पर एक मधुर धुन बजाई। राजमार्ग पर गिरे बिजली के तार नाचने लगे। ग्रोवर जो करने वाला था, वह होने से ठीक एक पल पहले ही मैं समझ गया था। बिजली के तारों से जुड़ा एक खंभा टैलोस के पिछले पैर की ओर उड़ा और उसकी पिंडली से लिपट गया। तारों से चिंगारियां निकलीं और बिजली का एक झटका उस विशालकाय के पिछले हिस्से में लगा।
टैलोस चरमराते और चिंगारियां निकालते हुए घूम गया। ग्रोवर ने हमें कुछ सेकंड का समय दे दिया था।
“चलो भी!” मैंने बियांका से कहा। लेकिन वह जम सी गई। उसने अपनी जेब से एक छोटी सी धातु की मूर्ति निकाली, एक देवता की प्रतिमा। “यह...यह निको के लिए थी। यही एक मूर्ति थी जो उसके पास नहीं थी।”
मैंने कहा, "ऐसे समय में आप मिथोमैजिक के बारे में कैसे सोच सकते हैं?"
उसकी आंखों में आंसू थे।
मैंने कहा, "इसे नीचे फेंक दो। शायद वो दानव हमें अकेला छोड़ दे।"
उसने अनिच्छा से उसे नीचे गिरा दिया, लेकिन कुछ नहीं हुआ।
वह दैत्य ग्रोवर का पीछा करता रहा। उसने अपनी तलवार एक कबाड़ के ढेर में घुसा दी, ग्रोवर को कुछ ही फीट से चूक गई, लेकिन कबाड़ के ढेर से ग्रोवर पर हिमस्खलन सा आ गिरा, और फिर वह मुझे दिखाई देना बंद हो गया।
“नहीं!” थैलिया चिल्लाई। उसने अपना भाला आगे किया और बिजली की एक नीली किरण निकली, जो राक्षस के जंग लगे घुटने पर लगी और वह मुड़ गया। दैत्य गिर पड़ा, लेकिन तुरंत फिर से उठने लगा। यह कहना

मुश्किल था कि उसे कुछ महसूस हो रहा था या नहीं। उसके आधे पिघले हुए चेहरे पर कोई भाव नहीं थे, लेकिन मुझे लगा कि वह बीस मंजिला ऊंचे धातु के योद्धा की तरह बहुत गुस्से में था।
उसने पैर पटकने के लिए उठाया और मैंने देखा कि उसके तलवे पर जूतों के तले की तरह निशान थे। उसकी एड़ी में एक छेद था, जैसे कोई बड़ा मैनहोल हो, और उसके चारों ओर लाल रंग से कुछ शब्द लिखे थे, जिन्हें मैंने पैर नीचे रखने के बाद ही समझा: केवल रखरखाव के लिए।
मैंने कहा, "कुछ हटके करने का समय आ गया है।"
बियांका ने घबराकर मेरी तरफ देखा। "कुछ भी।"
मैंने उसे मेंटेनेंस हैच के बारे में बताया। “शायद इसे नियंत्रित करने का कोई तरीका हो। स्विच या कुछ और। मैं अंदर जाकर देखता हूँ।”
“कैसे? आपको इसके पैर के नीचे खड़ा होना पड़ेगा! आप कुचल जाएंगे।”
मैंने कहा, "इसे विचलित करो। मुझे बस सही समय का इंतजार करना होगा।"
बियांका का जबड़ा कस गया। "नहीं। मैं जाऊंगी।"
“तुम नहीं कर सकते। तुम इस काम में नए हो! तुम मर जाओगे।”
“यह मेरी गलती है कि वह राक्षस हमारे पीछे आया,” उसने कहा। “यह मेरी ज़िम्मेदारी है। लो।” उसने छोटी सी भगवान की मूर्ति उठाई और मेरे हाथ में थमा दी। “अगर कुछ भी हो जाए, तो इसे निको को दे देना। उसे बताना... उसे कहना कि मुझे माफ़ कर दो।”
“बियांका, नहीं!”
लेकिन वह मेरा इंतजार नहीं कर रही थी। उसने सीधे राक्षस के बाएं पैर पर हमला कर दिया।
फिलहाल थैलिया का ध्यान उसी पर था। उसे पता चल गया था कि वह दैत्य बड़ा तो था, लेकिन धीमा था। अगर आप उसके करीब रह सकें और कुचले न जाएं, तो आप उसके चारों ओर दौड़कर अपनी जान बचा सकते हैं। कम से कम, अब तक तो यही तरीका काम कर रहा था।
बियान्का उस विशालकाय व्यक्ति के पैर के ठीक बगल में खड़ी हो गई, और धातु के उन टुकड़ों पर खुद को संतुलित करने की कोशिश करने लगी जो उसके वजन से हिलते-डुलते रहते थे।
ज़ोई चिल्लाई, "तुम क्या कर रहे हो?"
“इसे अपना पैर उठाने के लिए कहो!” उसने कहा।
ज़ोई ने राक्षस के चेहरे की ओर एक तीर चलाया और वह सीधे उसकी एक नाक में जा लगा। राक्षस सीधा खड़ा हुआ और उसने अपना सिर हिलाया।
“अरे, कबाड़ वाले लड़के!” मैंने चिल्लाकर कहा। “यहाँ नीचे आओ।”
मैं दौड़कर उसके अंगूठे तक गया और रिपटाइड से उस पर वार किया। जादुई तलवार ने कांसे में एक गहरा घाव कर दिया।

दुर्भाग्य से, मेरी योजना कामयाब हो गई। टैलोस ने मेरी तरफ देखा और मुझे कीड़े की तरह कुचलने के लिए अपना पैर उठाया। मुझे बियांका की हरकतें नज़र नहीं आईं। मुझे मुड़कर भागना पड़ा। उसका पैर मेरे पीछे करीब दो इंच की दूरी पर पड़ा और मैं हवा में उछल गया। मैं किसी सख्त चीज़ से टकराया और होश में नहीं था। मुझे ओलंपस-एयर रेफ्रिजरेटर में फेंक दिया गया था।

वह राक्षस मुझे खत्म करने ही वाला था, लेकिन ग्रोवर किसी तरह मलबे के ढेर से बाहर निकल आया। उसने बेतहाशा अपनी बांसुरी बजाई, और उसके संगीत से बिजली का एक और खंभा तालोस की जांघ से टकरा गया। राक्षस मुड़ा। ग्रोवर को भाग जाना चाहिए था, लेकिन शायद वह इतनी ज़्यादा जादूई शक्ति के कारण बहुत थक गया था। उसने दो कदम बढ़ाए, गिर गया और फिर उठ नहीं पाया।

“ग्रोवर!” थैलिया और मैं दोनों उसकी ओर दौड़े, लेकिन मुझे पता था कि बहुत देर हो चुकी होगी।

उस राक्षस ने ग्रोवर को मारने के लिए अपनी तलवार उठाई। फिर वह जम गया।

टैलोस ने अपना सिर एक तरफ झुकाया, मानो वह कोई नया अजीब संगीत सुन रहा हो। वह अजीबोगरीब तरीके से अपने हाथ-पैर हिलाने लगा, मानो फंकी चिकन डांस कर रहा हो। फिर उसने मुट्ठी बनाई और अपने चेहरे पर एक घूंसा मारा।

“जाओ, बियांका!” मैंने चिल्लाकर कहा।

ज़ोई भयभीत होकर बोली, "क्या वह अंदर है?"

वह राक्षस लड़खड़ाने लगा, और मुझे एहसास हुआ कि हम अभी भी खतरे में हैं। थैलिया और मैंने ग्रोवर को पकड़ा और उसके साथ राजमार्ग की ओर भागे। ज़ोई पहले ही हमसे आगे निकल चुकी थी। वह चिल्लाई, "बियांका कैसे बाहर निकलेगी?"

उस दैत्य ने फिर से अपने सिर पर प्रहार किया और अपनी तलवार गिरा दी। उसके पूरे शरीर में एक कंपकंपी दौड़ गई और वह लड़खड़ाते हुए बिजली की तारों की ओर बढ़ा।

“सावधान रहो!” मैंने चिल्लाया, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी।

उस दैत्य के टखने में तार फंस गए, और उसके शरीर में नीली बिजली की चिंगारियां दौड़ गईं। मुझे उम्मीद थी कि अंदर का हिस्सा इंसुलेटेड होगा। मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि अंदर क्या हो रहा है। वह दैत्य वापस कबाड़खाने में जा गिरा, और उसका दाहिना हाथ टूटकर धातु के ढेर पर ज़ोरदार आवाज़ के साथ गिरा!

उसकी बाईं भुजा भी ढीली पड़ गई। उसके जोड़ों में दरार आ गई थी।

टैलोस भागने लगा।

“रुको!” ज़ोई चिल्लाई। हम उसके पीछे भागे, लेकिन उसके साथ चलना नामुमकिन था। रोबोट के टुकड़े लगातार गिर रहे थे और हमारे रास्ते में आ रहे थे।

वह विशालकाय ढांचा ऊपर से नीचे की ओर ढह गया: उसका सिर, उसकी छाती और अंत में, उसके पैर टूटकर गिर पड़े। जब हम मलबे तक पहुँचे तो हम बियांका का नाम पुकारते हुए बेतहाशा खोजबीन करने

लगे। हम विशाल खोखले टुकड़ों, पैरों और सिर के बीच रेंगते हुए खोजते रहे। हमने सूरज उगने तक खोज जारी रखी, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

ज़ोई बैठ गई और रोने लगी। उसे रोते देख मैं दंग रह गया।

थालिया क्रोध से चिल्लाई और उसने अपनी तलवार उस दैत्य के कुचले हुए चेहरे में घुसा दी।

मैंने कहा, "हम खोज जारी रख सकते हैं। अब उजाला हो गया है। हम उसे ढूंढ लेंगे।"

"नहीं, हम ऐसा नहीं करेंगे," ग्रोवर ने उदास स्वर में कहा। "जो होना था, वही हुआ।"

मैंने पूछा, "तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"

उसने नम आँखों से मेरी ओर देखा। "भविष्यवाणी। एक व्यक्ति उस भूमि में खो जाएगा जहाँ बारिश नहीं होती।"

मैंने इसे क्यों नहीं देखा? मैंने खुद के बजाय उसे क्यों जाने दिया?

हम रेगिस्तान में थे। और बियांका डि एंजेलो जा चुकी थी।

चौदह

मुझे एक गंभीर समस्या है

कचरे के ढेर के किनारे हमें एक इतनी पुरानी टो ट्रक मिली कि ऐसा लग रहा था मानो उसे खुद ही फेंक दिया गया हो। लेकिन उसका इंजन चालू हो गया और उसमें पेट्रोल भी पूरा भरा हुआ था, इसलिए हमने उसे उधार लेने का फैसला किया।

थालिया गाड़ी चला रही थी। वह ज़ोई, ग्रोवर या मेरी तरह हैरान नहीं लग रही थी।

उन्होंने हमें याद दिलाया, "राक्षस अभी भी वहीं मौजूद हैं। हमें आगे बढ़ते रहना होगा।"

वह हमें साफ नीले आसमान के नीचे रेगिस्तान से होते हुए ले गई, जहाँ की रेत इतनी चमकदार थी कि आँखों में चुभ रही थी। ज़ोई थालिया के साथ आगे बैठी थी। ग्रोवर और मैं पिकअप ट्रक के पिछले हिस्से में, टोइंग विंच के सहारे बैठे थे। हवा ठंडी और सूखी थी, लेकिन बियांका को खोने के बाद यह सुहावना मौसम किसी अपमान जैसा लग रहा था।

मेरी मुट्ठी उस छोटी सी मूर्ति पर कस गई जिसकी वजह से उसकी जान गई थी। मुझे अब भी नहीं पता था कि वह किस देवता की मूर्ति थी। निको को पता होगा।

हे भगवान...मैं निको को क्या बताने वाली थी?

मैं यह मानना चाहती थी कि बियांका कहीं न कहीं जीवित है। लेकिन मुझे यह बुरा एहसास हो रहा था कि वह हमेशा के लिए चली गई है।

मैंने कहा, "यह मुझे करना चाहिए था। मुझे उस विशालकाय जीव के अंदर जाना चाहिए था।"

“ऐसा मत कहो!” ग्रोवर घबरा गया। “एनाबेथ का जाना ही काफी बुरा है, और अब बियांका भी चली गई। क्या तुम्हें लगता है कि मैं इसे बर्दाश्त कर पाऊंगा अगर...” उसने सिसकते हुए कहा। “क्या तुम्हें लगता है कि कोई और मेरा सबसे अच्छा दोस्त बन पाएगा?”

“आह, ग्रोवर...”

उसने अपनी आंखों के नीचे तेल लगे कपड़े से पोंछा, जिससे उसका चेहरा मैला हो गया, मानो उसने युद्ध का रंग लगाया हो। "मैं...मैं ठीक हूँ।"

लेकिन वह ठीक नहीं था। न्यू मैक्सिको में हुई उस घटना के बाद से—उस तेज़ हवा के झोंके में जो भी हुआ हो—वह बहुत कमज़ोर और पहले से भी ज़्यादा भावुक लग रहा था। मुझे उससे इस बारे में बात करने में डर लग रहा था, क्योंकि कहीं वह फूट-फूटकर रोने न लगे।

कम से कम एक अच्छी बात तो यह है कि आपका एक ऐसा दोस्त है जो आपसे ज़्यादा घबरा जाता है। मुझे एहसास हुआ कि मैं उदास नहीं रह सकती। मुझे बियांका के बारे में सोचना बंद करना होगा और थालिया की

तरह आगे बढ़ते रहना होगा। मैं सोच रही थी कि ट्रक के आगे बैठकर वह और ज़ोई किस बारे में बात कर रही होंगी।

नदी की घाटी के किनारे पर टो ट्रक का पेट्रोल खत्म हो गया। यह अच्छा ही हुआ, क्योंकि सड़क आगे जाकर बंद हो गई थी।
थालिया गाड़ी से उतरी और दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया। तुरंत ही, एक टायर फट गया। "बहुत खूब। अब क्या होगा?"
मैंने क्षितिज पर नज़र डाली। देखने लायक कुछ खास नहीं था। चारों ओर रेगिस्तान ही रेगिस्तान, कहीं-कहीं बंजर पहाड़ों के छोटे-छोटे समूह बिखरे हुए थे। घाटी ही एकमात्र दिलचस्प चीज़ थी। नदी बहुत बड़ी नहीं थी, शायद पचास गज चौड़ी, हरे पानी की, जिसमें कुछ तेज़ धाराएँ थीं, लेकिन इसने रेगिस्तान को चीरते हुए एक विशाल निशान बना दिया था। चट्टानी पहाड़ियाँ हमारे नीचे दूर तक फैली हुई थीं।
ग्रोवर ने कहा, "वहाँ एक रास्ता है। हम नदी तक पहुँच सकते हैं।"
मैंने यह समझने की कोशिश की कि वह किस बारे में बात कर रहा है, और आखिरकार मुझे चट्टान के किनारे से नीचे की ओर जाती हुई एक छोटी सी पट्टी दिखाई दी। मैंने कहा, "यह बकरियों का रास्ता है।"
“तो?” उसने पूछा।
"हममें से बाकी लोग बकरियां नहीं हैं।"
“हम इसे कर सकते हैं,” ग्रोवर ने कहा। “मुझे लगता है।”
मैंने इस बारे में सोचा। मैंने पहले भी चट्टानों पर चढ़ाई की थी, लेकिन मुझे वो पसंद नहीं आई। फिर मैंने थैलिया की तरफ देखा और पाया कि उसका चेहरा कितना पीला पड़ गया था। ऊँचाई से उसका डर... वो इसे कभी नहीं कर पाएगी।
“नहीं,” मैंने कहा। “मुझे लगता है कि हमें नदी के और ऊपर की ओर जाना चाहिए।”
ग्रोवर ने कहा, "लेकिन—"
“चलो,” मैंने कहा। “थोड़ी देर घूमने से हमें कोई नुकसान नहीं होगा।”
मैंने थालिया की तरफ देखा। उसकी आँखों ने झट से धन्यवाद कहा।
हम नदी के किनारे लगभग आधा मील तक चले और फिर एक आसान ढलान पर पहुँचे जो पानी की ओर नीचे जाती थी। किनारे पर डोंगी किराए पर देने की एक दुकान थी जो उस मौसम के लिए बंद थी, लेकिन मैंने काउंटर पर सोने के ड्रैक्मा के नोटों का एक गट्ठा और दो डोंगियों के लिए एक नोट छोड़ दिया।
“हमें नदी के विपरीत दिशा में जाना होगा,” ज़ोई ने कहा। कबाड़खाने के बाद यह पहली बार था जब मैंने उसे बोलते सुना था, और मुझे उसकी आवाज़ सुनकर चिंता हुई, जैसे किसी को फ्लू हो गया हो। “धाराएँ बहुत तेज़ बह रही हैं।”
मैंने कहा, "यह काम मुझ पर छोड़ दो।" हमने डोंगियों को पानी में उतार दिया।

चप्पू निकालते समय थालिया ने मुझे एक तरफ खींच लिया। "पीछे रहकर मदद करने के लिए धन्यवाद।"
“इस बारे में बात मत करो।”
“क्या तुम सचमुच...” उसने तेज़ धारा की ओर इशारा करते हुए कहा। “तुम्हें पता है।”
मुझे ऐसा लगता है। आमतौर पर मुझे पानी से कोई दिक्कत नहीं होती।
“क्या आप ज़ोई को ले जाएंगी?” उसने पूछा। “मुझे लगता है, शायद आप उससे बात कर सकती हैं।”
उसे यह पसंद नहीं आएगा।
"प्लीज़? मुझे नहीं पता कि मैं उसके साथ एक ही नाव में सवार हो पाऊँगी या नहीं। वो... वो मुझे परेशान करने लगी है।"
यह लगभग आखिरी चीज थी जो मैं करना चाहता था, लेकिन मैंने सिर हिला दिया।
थालिया के कंधे ढीले पड़ गए। "मैं तुम्हारी एहसानमंद हूँ।"
"दो।"
“डेढ़,” थालिया ने कहा।
वह मुस्कुराई, और एक पल के लिए मुझे याद आया कि जब वह मुझ पर चिल्ला नहीं रही होती थी, तब मुझे वह वास्तव में अच्छी लगती थी। वह मुड़ी और ग्रोवर को उनकी डोंगी पानी में उतारने में मदद की।
असल में, मुझे धाराओं को नियंत्रित करने की ज़रूरत ही नहीं पड़ी। नदी में उतरते ही मैंने नाव के किनारे से नीचे देखा तो दो जलपरियां मुझे घूर रही थीं।
वे आम किशोरियों की तरह दिखती थीं, जैसी आपको किसी भी मॉल में दिख सकती हैं, बस फर्क इतना था कि वे पानी के अंदर थीं।
मैंने कहा, "अरे।"
उन्होंने एक बुलबुले जैसी आवाज़ निकाली जो शायद खिलखिलाहट थी। मुझे पक्का पता नहीं था। मुझे जलपरियों की आवाज़ समझने में दिक्कत होती थी।
मैंने उनसे कहा, हम नदी के विपरीत दिशा में जा रहे हैं। क्या आपको लगता है कि आप ऐसा कर सकते हैं—
मेरे अपनी बात पूरी करने से पहले ही, जलपरियों ने एक-एक डोंगी चुन ली और हमें नदी में धकेलने लगीं।
हमारी गति इतनी तेज़ थी कि ग्रोवर अपने खुर हवा में ऊपर उठाए हुए डोंगी में गिर पड़ा।
"मुझे जलपरियां बिल्कुल पसंद नहीं हैं," ज़ोई ने बुदबुदाते हुए कहा।
नाव के पिछले हिस्से से पानी की एक तेज धार निकली और ज़ोई के चेहरे पर जा लगी।
“शैतान औरतें!” ज़ोई ने झुककर प्रणाम किया।
“अरे वाह,” मैंने कहा। “वे तो बस खेल रहे हैं।”
“शापित जलदेवियाँ। उन्होंने मुझे कभी माफ नहीं किया।”
“मैंने तुम्हें किसलिए माफ किया?”
उसने अपना धनुष वापस अपने कंधे पर टांग लिया। “बहुत समय हो गया। कोई बात नहीं।”

हम नदी में तेजी से आगे बढ़े, और हमारे दोनों ओर चट्टानें उभरती हुई दिखाई दे रही थीं।
मैंने उससे कहा, "बियांका के साथ जो हुआ, उसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं थी। यह मेरी गलती थी। मैंने उसे जाने दिया।"
मैंने सोचा कि इससे ज़ोई को मुझ पर चिल्लाने का बहाना मिल जाएगा। कम से कम इससे शायद उसका अवसाद दूर हो जाएगा।
इसके बजाय, उसके कंधे झुक गए। “नहीं, पर्सी। मैंने उसे इस खोज पर जाने के लिए मजबूर किया था। मैं बहुत चिंतित थी। वह एक शक्तिशाली हाफ-ब्लड थी। उसका दिल भी बहुत दयालु था। मुझे...मुझे लगा था कि वह अगली लेफ्टिनेंट बनेगी।”
लेकिन आप लेफ्टिनेंट हैं।
उसने अपने तरकश की पट्टी को कसकर पकड़ लिया। वह पहले से कहीं ज़्यादा थकी हुई लग रही थी।
“पर्सी, कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता। दो हज़ार साल से ज़्यादा समय से मैं शिकार का नेतृत्व कर रही हूँ, और मेरी बुद्धि में कोई सुधार नहीं हुआ है। अब खुद आर्टेमिस खतरे में है।”
"देखो, इसके लिए तुम खुद को दोषी नहीं ठहरा सकते।"
अगर मैंने उसके साथ जाने पर जोर दिया होता तो—”
“क्या तुम्हें लगता है कि तुम आर्टेमिस का अपहरण करने जितनी शक्तिशाली किसी चीज से लड़ सकते थे? तुम कुछ भी नहीं कर सकते थे।”
ज़ोई ने कोई जवाब नहीं दिया।
नदी के किनारे की चट्टानें ऊंची होती जा रही थीं। पानी पर लंबी-लंबी छायाएँ पड़ रही थीं, जिससे दिन भले ही उजालादार था, लेकिन पानी काफी ठंडा लग रहा था।
बिना सोचे समझे मैंने अपनी जेब से रिपटाइड (एक प्रकार का पेन) निकाल लिया। ज़ोई ने पेन की तरफ देखा और उसके चेहरे पर पीड़ा के भाव थे।
मैंने कहा, "यह तुमने बनाया है।"
“तुम्हें किसने बताया?”
मुझे इसके बारे में सपना आया था।
उसने मुझे गौर से देखा। मुझे यकीन था कि वह मुझे पागल कहेगी, लेकिन उसने बस आह भरी। "यह एक तोहफा था। और एक गलती भी।"
मैंने पूछा, "हीरो कौन था?"
ज़ोई ने सिर हिलाया। "मुझे उसका नाम लेने पर मजबूर मत करो। मैंने कसम खाई है कि मैं उसका नाम फिर कभी नहीं लूंगी।"
"तुम ऐसे बर्ताव कर रहे हो जैसे मुझे उसे जानना चाहिए।"
“मुझे पूरा यकीन है, हीरो। क्या तुम सब लड़के उसके जैसा बनना नहीं चाहते?”

उसकी आवाज़ इतनी कड़वी थी कि मैंने उससे पूछने का इरादा ही नहीं किया। मैंने रिपटाइड की ओर देखा और पहली बार मेरे मन में यह ख्याल आया कि क्या वह शापित है।
“क्या तुम्हारी माँ जल देवी थीं?” मैंने पूछा।
“हां, प्लीओन। उसकी पांच बेटियां थीं। मेरी बहनें और मैं। हेस्पेरिड्स।”
“ये वो लड़कियाँ थीं जो पश्चिम के किनारे एक बगीचे में रहती थीं। जहाँ एक सुनहरा सेब का पेड़ था और एक अजगर उसकी रखवाली करता था।”
“हां,” ज़ोई ने उदास स्वर में कहा। “लाडोन।”
लेकिन क्या वहाँ केवल चार बहनें ही नहीं थीं?
“अब ऐसा है। मुझे निर्वासित कर दिया गया था। भुला दिया गया था। मानो मेरा कभी अस्तित्व ही न रहा हो, मुझे पूरी तरह से मिटा दिया गया था।”
"क्यों?"
ज़ोई ने मेरी कलम की ओर इशारा करते हुए कहा, “क्योंकि मैंने अपने परिवार के साथ विश्वासघात किया और एक नायक की मदद की। यह बात आपको किंवदंती में भी नहीं मिलेगी। उसने कभी मेरे बारे में बात नहीं की। लाडोन पर उसका सीधा हमला विफल होने के बाद, मैंने उसे सेब चुराने और मेरे पिता को धोखा देने का तरीका बताया, लेकिन सारा श्रेय उसने खुद ले लिया।”
"लेकिन-"
मेरे मन में जलपरी की गड़गड़ाहट गूंज रही थी। डोंगी की गति धीमी हो रही थी।
मैंने आगे देखा, और मुझे इसका कारण समझ में आ गया।
वे हमें इससे आगे नहीं ले जा सकते थे। नदी अवरुद्ध थी। हमारे रास्ते में एक फुटबॉल स्टेडियम के आकार का बांध खड़ा था।

“हूवर डैम,” थालिया ने कहा। “यह बहुत विशाल है।”
हम नदी के किनारे खड़े थे, चट्टानों के बीच उभरती कंक्रीट की घुमावदार संरचना को देख रहे थे। लोग बांध के ऊपर चल रहे थे। वे इतने छोटे थे कि पिस्सू जैसे दिख रहे थे।
जलपरियां बहुत बड़बड़ाते हुए चली गईं—उनके शब्द मुझे समझ में नहीं आए, लेकिन यह स्पष्ट था कि उन्हें यह बांध बिल्कुल पसंद नहीं था जिसने उनकी प्यारी नदी का रास्ता रोक दिया था। हमारी डोंगियां बांध के निकास छिद्रों से निकलने वाली लहरों में घूमते हुए वापस नदी की धारा में बह गईं।
मैंने कहा, "सात सौ फीट ऊंचा। 1930 के दशक में बना था।"
थालिया ने कहा, "पांच मिलियन घन एकड़ पानी।"
ग्रोवर ने आह भरी। "संयुक्त राज्य अमेरिका की सबसे बड़ी निर्माण परियोजना।"
ज़ोई ने हमारी तरफ घूरकर देखा। "आपको यह सब कैसे पता?"

मैंने कहा, "एनाबेथ को वास्तुकला पसंद थी।"
"उसे स्मारकों का बहुत शौक था," थालिया ने कहा।
“हर समय तथ्यों का बखान करता रहता था।” ग्रोवर ने नाक सिकोड़ी। “बहुत परेशान करने वाला था।”
मैंने कहा, "काश वो यहाँ होती।"
बाकी सबने सिर हिलाया। ज़ोई अब भी हमें अजीब नज़रों से देख रही थी, पर मुझे कोई फ़र्क नहीं पड़ा। यह एक क्रूर नियति जैसा लग रहा था कि हम हूवर डैम आ गए थे, जो एनाबेथ की पसंदीदा जगहों में से एक थी, और वह इसे देखने के लिए यहाँ नहीं थी।
मैंने कहा, "हमें वहां जाना चाहिए। उसके लिए। बस यह कहने के लिए कि हम वहां गए थे।"
“तुम पागल हो,” ज़ोई ने फैसला किया। “लेकिन सड़क तो वहीं है।” उसने बांध के ऊपरी हिस्से के पास बने एक विशाल पार्किंग गैरेज की ओर इशारा किया। “तो चलो, यहीं घूमते हैं।”

सड़क तक जाने वाला रास्ता मिलने से पहले हमें लगभग एक घंटा चलना पड़ा। यह रास्ता नदी के पूर्वी किनारे पर जाकर खत्म हुआ। फिर हम धीरे-धीरे बांध की ओर वापस चलने लगे। ऊपर बहुत ठंड और तेज़ हवा चल रही थी। एक तरफ बंजर रेगिस्तानी पहाड़ों से घिरी एक विशाल झील फैली हुई थी। दूसरी तरफ, बांध दुनिया के सबसे खतरनाक स्केटबोर्ड रैंप की तरह सात सौ फीट नीचे नदी में गिरता था, जहां बांध के छिद्रों से पानी उबलता रहता था।
थालिया सड़क के बीचोंबीच, किनारों से काफी दूर चल रही थी। ग्रोवर हवा को सूंघता हुआ और घबराया हुआ लग रहा था। उसने कुछ नहीं कहा, लेकिन मुझे पता था कि उसे राक्षसों की गंध आ रही है।
मैंने उससे पूछा, "वे कितने करीब हैं?"
उसने सिर हिलाया। “शायद इतना करीब नहीं। बांध पर चलने वाली हवा, चारों ओर फैला रेगिस्तान... गंध कई मील तक फैल सकती है। लेकिन यह कई दिशाओं से आ रही है। मुझे यह पसंद नहीं है।”
मुझे भी नहीं पता था। बुधवार हो चुका था, शीतकालीन संक्रांति में सिर्फ़ दो दिन बचे थे, और अभी लंबा रास्ता तय करना था। हमें और राक्षसों की ज़रूरत नहीं थी।
"विज़िटर सेंटर में एक स्नैक बार है," थालिया ने कहा।
मैंने पूछा, "क्या आप पहले भी यहाँ आ चुके हैं?"
“एक बार। रक्षकों को देखने के लिए।” उसने बांध के दूसरे छोर की ओर इशारा किया। चट्टान के किनारे पर एक छोटा सा चौक बना हुआ था जिसमें दो बड़ी कांस्य प्रतिमाएँ थीं। वे पंखों वाली ऑस्कर प्रतिमाओं जैसी दिखती थीं।
“जब बांध बनाया गया था तब इन्हें ज़्यूस को समर्पित किया गया था,” थालिया ने कहा। “एथेना की ओर से एक उपहार।”
पर्यटकों की भीड़ उनके चारों ओर जमा थी। ऐसा लग रहा था कि वे मूर्तियों के पैरों को देख रहे थे।

मैंने पूछा, "वे क्या कर रहे हैं?"
"पैर की उंगलियों को रगड़ना," थालिया ने कहा। "वे सोचते हैं कि इससे सौभाग्य मिलता है।"
"क्यों?"
उसने अपना सिर हिलाया। "मनुष्यों के मन में अजीबोगरीब विचार आते हैं। उन्हें यह नहीं पता कि ये मूर्तियाँ ज़्यूस के लिए पवित्र हैं, लेकिन वे इतना ज़रूर जानते हैं कि इनमें कुछ खास बात है।"
"जब आप पिछली बार यहां आए थे, तो क्या उन्होंने आपसे बात की थी या कुछ और?"
थालिया का चेहरा उदास हो गया। मैं समझ गई कि वह यहाँ पहले भी इसी उम्मीद से आई थी—अपने पिता से किसी तरह का संकेत पाने के लिए। किसी तरह का जुड़ाव महसूस करने के लिए। "नहीं। वे कुछ नहीं करते। वे बस धातु की बड़ी-बड़ी मूर्तियाँ हैं।"
मैंने उस आखिरी बड़ी धातु की मूर्ति के बारे में सोचा जिससे हमारा सामना हुआ था। वह अनुभव कुछ खास अच्छा नहीं रहा था। लेकिन मैंने उस बारे में बात न करने का फैसला किया।
"चलो बांध के किनारे स्थित स्नैक बार ढूंढते हैं," ज़ोई ने कहा। "जब तक मौका है, हमें खा लेना चाहिए।"
ग्रोवर मुस्कुराया। "डैम स्नैक बार?"
ज़ोई ने पलकें झपकाईं। "हाँ। इसमें मज़ेदार क्या है?"
“कुछ नहीं,” ग्रोवर ने चेहरे पर गंभीरता बनाए रखने की कोशिश करते हुए कहा। “मुझे कुछ फ्रेंच फ्राइज़ चाहिए।”
यह सुनकर थालिया भी मुस्कुरा उठी। "और मुझे बांध के शौचालय का इस्तेमाल करना है।"
शायद हम बहुत थके हुए थे और भावनात्मक रूप से तनावग्रस्त थे, इसलिए मैं ज़ोर से हंसने लगी, और थैलिया और ग्रोवर भी मेरे साथ हंसने लगे, जबकि ज़ोई बस हमें देखती रही। "मुझे समझ नहीं आ रहा।"
ग्रोवर ने कहा, "मैं बांध के पानी के फव्वारे का इस्तेमाल करना चाहता हूं।"
“और...” थैलिया ने गहरी सांस लेते हुए कहा। “मुझे एक टी-शर्ट खरीदनी है।”
मैं जोर-जोर से हंसने लगा, और शायद मैं पूरे दिन हंसता रहता, लेकिन तभी मुझे एक आवाज सुनाई दी:
"नहीं।"
मेरे चेहरे से मुस्कान गायब हो गई। मुझे लगा कि शायद वो आवाज़ सिर्फ मेरे दिमाग की उपज थी, लेकिन ग्रोवर भी हंसना बंद कर चुका था। वो उलझन में इधर-उधर देख रहा था। "क्या मैंने अभी-अभी गाय की आवाज़ सुनी?"
“एक गाय?” थालिया हंस पड़ी।
“नहीं,” ग्रोवर ने कहा। “मैं सच कह रहा हूँ।”
ज़ोई ने सुना। "मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा है।"
थालिया मेरी तरफ देख रही थी। "पर्सी, क्या तुम ठीक हो?"
“जी हां,” मैंने कहा। “आप लोग जाइए। मैं अभी आता हूं।”

“क्या हुआ?” ग्रोवर ने पूछा।
मैंने कहा, "कुछ नहीं। मुझे...बस एक मिनट चाहिए। सोचने के लिए।"
वे हिचकिचाए, लेकिन शायद मैं नाराज़ दिख रही थी, क्योंकि आखिरकार वे मेरे बिना ही पर्यटक केंद्र में चले गए। उनके जाते ही मैं दौड़कर बांध के उत्तरी किनारे पर गई और ऊपर से नीचे देखा।
"मूं।"
वह झील में लगभग तीस फीट नीचे थी, लेकिन मैं उसे स्पष्ट रूप से देख सकता था: लॉन्ग आइलैंड साउंड से मेरी दोस्त, बेसी नाम की गाय सर्प।
मैंने चारों ओर देखा। बांध के किनारे बच्चों के समूह दौड़ रहे थे। बहुत सारे बुजुर्ग थे। कुछ परिवार भी थे। लेकिन ऐसा लग रहा था कि अभी तक किसी ने भी बेसी पर ध्यान नहीं दिया था।
मैंने उससे पूछा, "तुम यहाँ क्या कर रही हो?"
“मूं!”
उसकी आवाज में घबराहट थी, मानो वह मुझे किसी बात की चेतावनी देने की कोशिश कर रही हो।
मैंने पूछा, “तुम यहाँ कैसे पहुँचीं?” हम लॉन्ग आइलैंड से हज़ारों मील दूर, समुद्र तट से सैकड़ों मील अंदर थे। उसके लिए तैरकर यहाँ आना नामुमकिन था। फिर भी, वह यहाँ थी।
बेसी गोल-गोल तैरने लगी और बांध की दीवार से अपना सिर टकराने लगी। "मूं!"
वह चाहती थी कि मैं उसके साथ चलूँ। वह मुझे जल्दी करने के लिए कह रही थी।
मैंने उससे कहा, "मैं नहीं जा सकती। मेरे दोस्त अंदर हैं।"
उसने अपनी उदास भूरी आँखों से मेरी तरफ देखा। फिर उसने एक और ज़ोरदार "मूं!" की आवाज़ निकाली, एक कलाबाज़ी मारी और पानी में गायब हो गई।
मैं हिचकिचाया। कुछ गड़बड़ थी। वह मुझे यही बताने की कोशिश कर रही थी। मैंने किनारे से कूदकर उसके पीछे जाने का सोचा, लेकिन फिर मैं तनाव में आ गया। मेरे हाथों के बाल खड़े हो गए। मैंने पूर्व की ओर बांध के रास्ते पर देखा और दो आदमियों को धीरे-धीरे मेरी तरफ आते देखा। उन्होंने भूरे रंग के छलावरण वाले कपड़े पहने थे जो उनके कंकालनुमा शरीर पर झिलमिला रहे थे।
वे बच्चों के एक समूह के बीच से गुज़रे और उन्हें धक्का देकर एक तरफ कर दिया। एक बच्चे ने चिल्लाकर कहा, "अरे!" योद्धाओं में से एक मुड़ा और उसका चेहरा क्षण भर के लिए खोपड़ी में बदल गया।
“आह!” बच्चे ने चिल्लाया, और उसका पूरा समूह पीछे हट गया।
मैं पर्यटक केंद्र की ओर भागा।
मैं सीढ़ियों तक पहुँचने ही वाला था कि मुझे टायरों की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। बांध के पश्चिमी किनारे पर, एक काली वैन अचानक सड़क के बीचोंबीच रुक गई, और कुछ बुज़ुर्ग लोगों को लगभग टक्कर मारते-मारते बची।
वैन के दरवाजे खुले और उसमें से और भी कंकाल योद्धा बाहर निकल आए। मैं चारों तरफ से घिर गया था।

मैं तेजी से सीढ़ियों से नीचे उतरा और संग्रहालय के प्रवेश द्वार से अंदर चला गया। मेटल डिटेक्टर पर खड़े सुरक्षा गार्ड ने चिल्लाकर कहा, "अरे, बच्चे!" लेकिन मैं रुका नहीं।

मैं प्रदर्शनी के बीच से भागता हुआ एक टूर ग्रुप के पीछे छिप गया। मैंने अपने दोस्तों को ढूंढा, लेकिन वे कहीं नज़र नहीं आए। बांध के किनारे वाला स्नैक बार कहाँ था?

“रुको!” मेटल डिटेक्टर वाले व्यक्ति ने चिल्लाकर कहा।

मेरे पास जाने के लिए कोई और जगह नहीं थी, इसलिए मुझे टूर ग्रुप के साथ लिफ्ट में जाना पड़ा। जैसे ही दरवाजा बंद हुआ, मैं अंदर घुस गया।

“हम सात सौ फीट नीचे जा रहे हैं,” हमारी टूर गाइड ने खुशी से कहा। वह एक पार्क रेंजर थी, जिसके लंबे काले बाल पोनीटेल में बंधे थे और उसने रंगीन चश्मा पहना हुआ था। मुझे लगता है कि उसने ध्यान नहीं दिया कि मेरा पीछा किया जा रहा था। “चिंता मत कीजिए, देवियों और सज्जनों, लिफ्ट शायद ही कभी खराब होती है।”

मैंने उससे पूछा, "क्या यह स्नैक बार में जाएगा?"

मेरे पीछे खड़े कुछ लोग हँस पड़े। टूर गाइड ने मेरी तरफ देखा। उसकी निगाहों में कुछ ऐसा था जिससे मेरे रोंगटे खड़े हो गए।

“तुरंतरियों की ओर चलो, नौजवान,” महिला ने कहा। “क्या तुम ऊपर मेरी दिलचस्प प्रस्तुति नहीं सुन रहे थे?”

"ओह, उह, ज़रूर। क्या बांध से बाहर निकलने का कोई और रास्ता है?"

मेरे पीछे खड़े एक पर्यटक ने कहा, "यह तो बंद रास्ता है। भगवान के लिए! बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता दूसरी लिफ्ट ही है।"

दरवाजे खुल गए।

“आप लोग बेझिझक आगे बढ़िए,” टूर गाइड ने हमसे कहा। “गलियारे के अंत में एक और रेंजर आपका इंतजार कर रहा है।”

मेरे पास समूह के साथ बाहर जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

“और नौजवान,” टूर गाइड ने पुकारा। मैंने पीछे मुड़कर देखा। उसने अपना चश्मा उतार दिया था। उसकी आँखें तूफ़ानी बादलों की तरह एकदम धूसर थीं। “जो लोग समझदार होते हैं, उनके लिए हमेशा कोई न कोई रास्ता होता है।”

टूर गाइड के अंदर रहते हुए ही दरवाजे बंद हो गए, और मैं अकेला रह गया।

इससे पहले कि मैं लिफ्ट में मौजूद महिला के बारे में ज़्यादा सोच पाता, कोने से एक आवाज़ आई। दूसरी लिफ्ट खुल रही थी, और मुझे एक जानी-पहचानी आवाज़ सुनाई दी— कंकाल के दांतों के चटकने की आवाज़।

मैं टूर ग्रुप के पीछे-पीछे ठोस चट्टान को काटकर बनाई गई एक सुरंग से भागा। ऐसा लग रहा था मानो यह सुरंग कभी खत्म ही नहीं होगी। दीवारें नम थीं और हवा में बिजली की गूंज और पानी की गर्जना सुनाई दे रही

थी। मैं एक U-आकार की बालकनी पर पहुँचा जहाँ से एक विशाल गोदाम का इलाका दिखाई दे रहा था। पचास फीट नीचे, विशाल टरबाइनें चल रही थीं। कमरा बड़ा था, लेकिन मुझे बाहर निकलने का कोई और रास्ता नहीं दिख रहा था, सिवाय इसके कि मैं टरबाइनों में कूदकर बिजली बनाने के लिए खुद को घिस दूं। मैंने ऐसा नहीं किया।

एक और टूर गाइड माइक्रोफोन पर पर्यटकों को नेवादा में पानी की आपूर्ति के बारे में बता रहा था। मैंने प्रार्थना की कि थैलिया, ज़ोई और ग्रोवर ठीक हों। हो सकता है वे पहले ही पकड़े गए हों, या स्नैक बार में खाना खा रहे हों, इस बात से बिल्कुल अनजान कि हम चारों ओर से घिरे हुए हैं। और मैं कितना मूर्ख था: मैंने खुद को सतह से सैकड़ों फीट नीचे एक गड्ढे में फंसा लिया था।

मैं भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ा, इस बात का ध्यान रखते हुए कि किसी को पता न चले। बालकनी के दूसरी तरफ एक गलियारा था—शायद वहाँ मैं छिप सकता था। मैंने रिपटाइड पर हाथ रखा हुआ था, वार करने के लिए तैयार।

जब तक मैं बालकनी के दूसरी तरफ पहुंचा, मेरी हालत बहुत खराब हो चुकी थी। मैं छोटी सी गली में पीछे हट गया और उस सुरंग को देखने लगा जिससे मैं आया था।

फिर ठीक मेरे पीछे मुझे एक तीखी 'छछछ!' की आवाज सुनाई दी, जैसे किसी कंकाल की आवाज हो।

बिना सोचे समझे, मैंने रिपटाइड का ढक्कन खोला और घूमते हुए अपनी तलवार से वार करने लगा।

जिस लड़की को मैंने अभी-अभी दो हिस्सों में काटने की कोशिश की थी, वह चीख पड़ी और उसने अपना टिशू पेपर गिरा दिया।

“हे भगवान!” वह चिल्लाई। “क्या तुम हमेशा नाक साफ करने वालों को मार डालते हो?”

सबसे पहले मेरे दिमाग में यही आया कि तलवार ने उसे चोट नहीं पहुंचाई थी। वह उसके शरीर के आर-पार निकल गई थी, बिना किसी नुकसान के। "तुम नश्वर हो!"

उसने अविश्वास भरी निगाहों से मेरी ओर देखा। “इसका क्या मतलब है? मैं तो बिल्कुल नश्वर हूँ! तुम उस तलवार को सुरक्षा जांच से कैसे पार ले गए?”

“मैंने नहीं देखा— रुको, क्या तुम देख सकते हो कि यह तलवार है?”

लड़की ने अपनी आँखें घुमाईं, जो मेरी आँखों की तरह हरी थीं। उसके बाल घुंघराले, लाल-भूरे रंग के थे। उसकी नाक भी लाल थी, मानो उसे सर्दी लगी हो। उसने एक बड़ी मैरून रंग की हार्वर्ड स्वेटशर्ट और जींस पहनी थी, जिस पर मार्कर के दाग और छोटे-छोटे छेद थे, मानो वह अपना खाली समय उन्हें कांटे से गोदने में बिताती हो।

“खैर, या तो तलवार है या दुनिया की सबसे बड़ी टूथपिक,” उसने कहा। “और मुझे चोट क्यों नहीं लगी? वैसे, मुझे कोई शिकायत नहीं है। तुम कौन हो? और अरे वाह, तुमने क्या पहना है? क्या यह शेर की खाल से बना है?”

उसने इतनी तेज़ी से इतने सारे सवाल पूछे, मानो मुझ पर पत्थर फेंक रही हो। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूँ। मैंने अपनी आस्तीनों पर नज़र डाली कि कहीं नेमेन शेर की खाल वापस फर में तो नहीं बदल गई, लेकिन मुझे तो वो अभी भी भूरे रंग के सर्दियों के कोट जैसी ही लग रही थी।

मुझे पता था कि कंकाल योद्धा अभी भी मेरा पीछा कर रहे हैं। मेरे पास समय बर्बाद करने का समय नहीं था। लेकिन मैं बस उस लाल बालों वाली लड़की को देखता रहा। फिर मुझे याद आया कि थैलिया ने वेस्टओवर हॉल में शिक्षकों को बेवकूफ बनाने के लिए क्या किया था। शायद मैं भी धुंध को नियंत्रित कर सकता था।

मैंने पूरी एकाग्रता से अपनी उंगलियां चटकाईं। मैंने लड़की से कहा, "तुम्हें तलवार नहीं दिख रही है। यह तो बस एक बॉलपॉइंट पेन है।"

उसने पलकें झपकाईं। "उम...नहीं। यह एक तलवार है, अजीब आदमी।"

मैंने पूछा, “तुम कौन हो?”

वह गुस्से से भड़क उठी। "राहेल एलिजाबेथ डेयर। अब क्या तुम मेरे सवालों का जवाब दोगी या मुझे सुरक्षा के लिए चिल्लाना पड़ेगा?"

“नहीं!” मैंने कहा। “मेरा मतलब है, मुझे जल्दी है। मैं मुसीबत में हूँ।”

"जल्दी में हो या मुसीबत में?"

"उम, कुछ हद तक दोनों।"

उसने मेरे कंधे के ऊपर से देखा और उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। "बाथरूम!"

"क्या?"

“बाथरूम! मेरे पीछे! अभी!”

पता नहीं क्यों, लेकिन मैंने उसकी बात मान ली। मैं चुपके से लड़कों के बाथरूम में घुस गई और राहेल एलिजाबेथ डेयर को बाहर ही छोड़ दिया। बाद में मुझे यह कायरतापूर्ण लगा। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि इसी ने मेरी जान बचाई।

जैसे-जैसे कंकाल करीब आते गए, मुझे उनके खड़खड़ाने और फुफकारने की आवाजें सुनाई दीं।

रिपटाइड पर मेरी पकड़ और कस गई। मैं क्या सोच रहा था? मैंने एक नश्वर लड़की को वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया था। मैं बस लड़ने के लिए बेताब था कि तभी राहेल एलिजाबेथ डेयर ने अपनी उसी ताबड़तोड़ मशीन गन जैसी आवाज़ में बोलना शुरू कर दिया।

हे भगवान! उस बच्चे को देखा क्या? आखिरकार आ ही गए। उसने मुझे जान से मारने की कोशिश की! उसके पास तलवार थी, हद हो गई! तुम सुरक्षाकर्मियों ने तलवार लहराते हुए पागल को राष्ट्रीय धरोहर के अंदर कैसे घुसने दिया? मतलब, हद हो गई! वो टरबाइन की तरफ भागा। मुझे लगता है वो किनारे से नीचे गिर गया होगा। शायद वो गिर गया हो।

कंकालों ने उत्साह से खड़खड़ाहट की। मैंने उन्हें चलते हुए सुना।

राहेल ने दरवाजा खोला। "सब ठीक है। लेकिन आपको जल्दी करनी चाहिए।"

वह घबराई हुई लग रही थी। उसका चेहरा पीला पड़ गया था और पसीने से भीगा हुआ था।
मैंने कोने से झाँका। तीन कंकाल योद्धा बालकनी के दूसरे छोर की ओर दौड़ रहे थे। लिफ्ट का रास्ता कुछ सेकंड के लिए साफ़ दिखाई दिया।
"मैं आपकी ऋणी हूं, रेचल एलिजाबेथ डेयर।"
“ये क्या चीज़ें हैं?” उसने पूछा। “ये देखने में कुछ इस तरह लग रही थीं—”
“कंकाल?”
उसने बेचैनी से सिर हिलाया।
मैंने कहा, "अपना भला करो। इसे भूल जाओ। भूल जाओ कि तुमने मुझे कभी देखा भी था।"
"क्या तुम भूल गए हो कि तुमने मुझे मारने की कोशिश की थी?"
“हां। वो भी।”
"लेकिन तुम कौन हो?"
“पर्सी—” मैंने कहना शुरू किया। तभी कंकाल मुड़ गए। “जाना होगा!”
"पर्सी गोटा-गो कैसा नाम है?"
मैं तेजी से बाहर निकलने की ओर भागा।

कैफे बच्चों से खचाखच भरा हुआ था, जो दौरे के सबसे मज़ेदार हिस्से—बांध पर दोपहर का भोजन—का आनंद ले रहे थे। थैलिया, ज़ोई और ग्रोवर अभी-अभी अपना खाना लेकर बैठे थे।
मैंने हांफते हुए कहा, "हमें यहाँ से निकलना होगा। अभी!"
"लेकिन हमें अभी-अभी हमारे बरिटो मिले हैं!" थालिया ने कहा।
ज़ोई खड़ी हो गई और प्राचीन यूनानी गाली बुदबुदाई, "वह सही कह रहा है! देखो।"
कैफे की खिड़कियां अवलोकन तल के चारों ओर फैली हुई थीं, जिससे हमें कंकालों की उस सेना का एक सुंदर मनोरम दृश्य दिखाई दिया जो हमें मारने आई थी।
मैंने बांध के पूर्वी किनारे पर दो लोगों को गिना, जो एरिज़ोना जाने का रास्ता रोक रहे थे। पश्चिमी किनारे पर तीन और लोग थे, जो नेवादा की रखवाली कर रहे थे। वे सभी लाठी और पिस्तौल से लैस थे।
लेकिन हमारी तात्कालिक समस्या कहीं ज़्यादा नज़दीक थी। टरबाइन कक्ष में मेरा पीछा कर रहे तीनों कंकालनुमा योद्धा अब सीढ़ियों पर दिखाई दिए। उन्होंने मुझे कैफ़ेटेरिया के दूसरी तरफ से देखा और अपने दाँत किटकिटाए।
“लिफ्ट!” ग्रोवर ने कहा। हम उस दिशा में दौड़े, लेकिन दरवाज़े एक सुखद आवाज़ के साथ खुले और तीन और योद्धा बाहर निकले। सभी योद्धा मौजूद थे, सिवाय उस एक योद्धा के जिसे बियांका ने न्यू मैक्सिको में आग में झुलसा दिया था। हम पूरी तरह से घिरे हुए थे।
फिर ग्रोवर को एक शानदार, बिल्कुल ग्रोवर जैसा विचार आया।

"बुरिटो फाइट!" वह चिल्लाया और अपना ग्वाकामोल ग्रांडे पास के कंकाल पर फेंक दिया।
अगर आप पर कभी उड़ता हुआ बरिटो नहीं लगा है, तो खुद को खुशनसीब समझिए। जानलेवा चीज़ों की बात करें तो, यह ग्रेनेड और तोप के गोलों की तरह ही खतरनाक है। ग्रोवर का लंच कंकाल से टकराया और उसकी खोपड़ी उसके कंधों से अलग हो गई। मुझे नहीं पता कि कैफे में बैठे बाकी बच्चों ने क्या देखा, लेकिन वे पागल हो गए और चीखते-चिल्लाते हुए एक-दूसरे पर बरिटो, चिप्स और सोडा की टोकरियाँ फेंकने लगे।
कंकालों ने अपनी बंदूकें चलाने की कोशिश की, लेकिन यह व्यर्थ था। लाशें, खाना और पेय पदार्थ हर तरफ उड़ रहे थे।
उस अफरा-तफरी में, थैलिया और मैंने सीढ़ियों पर मौजूद बाकी दो कंकालों को पकड़ लिया और उन्हें मसालों की मेज पर फेंक दिया। फिर हम सब नीचे की ओर भागे, और ग्वाकामोल ग्रांडे हमारे सिर के ऊपर से तेज़ी से निकल रहे थे।
जैसे ही हम बाहर निकले, ग्रोवर ने पूछा, "अब क्या?"
मेरे पास कोई जवाब नहीं था। सड़क पर मौजूद योद्धा दोनों दिशाओं से करीब आ रहे थे। हम सड़क पार करके पंखों वाली कांस्य मूर्तियों वाले मंडप की ओर भागे, लेकिन इससे हम पहाड़ की ओर पीठ करके खड़े हो गए।
कंकाल आगे बढ़े और हमारे चारों ओर अर्धचंद्राकार आकृति बना ली। कैफे से उनके साथी भी उनके साथ शामिल होने के लिए दौड़ रहे थे। एक कंकाल अभी भी अपनी खोपड़ी को कंधों पर रख रहा था। दूसरा केचप और सरसों से सना हुआ था। दो अन्य कंकालों की पसलियों में बरिटो फंसे हुए थे। वे इससे खुश नहीं लग रहे थे। उन्होंने लाठियां निकालीं और आगे बढ़े।
“चार के मुकाबले ग्यारह,” ज़ोई ने बुदबुदाते हुए कहा। “और वे मर नहीं सकते।”
"आप लोगों के साथ रोमांचक यात्रा करना अच्छा रहा," ग्रोवर ने कांपती हुई आवाज में कहा।
मेरी नज़र किसी चमकदार चीज़ पर पड़ी। मैंने पीछे मुड़कर मूर्ति के पैरों की तरफ देखा। "वाह!" मैंने कहा। "इनके पैर की उंगलियां तो वाकई बहुत चमकदार हैं!"
“पर्सी!” थैलिया ने कहा। “यह सही समय नहीं है।”
लेकिन मैं उन दो विशालकाय कांस्य मूर्तियों को घूरने से खुद को रोक नहीं पाया, जिनके पंख लेटर ओपनर जैसे लंबे और नुकीले थे। उनके पैर की उंगलियों को छोड़कर बाकी सब जगह उनका रंग भूरा पड़ चुका था, और उनकी उंगलियां नई सिक्कों की तरह चमक रही थीं, क्योंकि लोग सौभाग्य के लिए उन्हें बार-बार रगड़ते रहे थे।
शुभकामनाएं। ज़्यूस का आशीर्वाद।
मैंने लिफ्ट में मिली टूर गाइड के बारे में सोचा। उसकी धूसर आँखें और उसकी मुस्कान। उसने क्या कहा था? समझदार लोगों के लिए हमेशा कोई न कोई रास्ता होता ही है।
मैंने कहा, "थालिया, अपने पिताजी से प्रार्थना करो।"

उसने मुझे घूरकर देखा। "वह कभी जवाब नहीं देता।"
“बस एक बार,” मैंने विनती की। “मदद मांग लो। मुझे लगता है...मुझे लगता है कि ये मूर्तियां हमें कुछ सौभाग्य दे सकती हैं।”
छह कंकालों ने अपनी बंदूकें तान लीं। बाकी पांच लाठियाँ लेकर आगे बढ़े। पचास फीट दूर। चालीस फीट दूर।
“करो!” मैंने चिल्लाकर कहा।
“नहीं!” थालिया ने कहा। “वह मुझे जवाब नहीं देगा।”
“इस बार मामला अलग है!”
"कौन कहता है?"
मैं हिचकिचाया। "मुझे लगता है एथेना।"
थालिया ने इस तरह से मुंह बनाया जैसे उसे यकीन हो कि मैं पागल हो गया हूं।
“कोशिश करो,” ग्रोवर ने विनती की।
थालिया ने अपनी आँखें बंद कर लीं। उसके होंठ मौन प्रार्थना में हिल रहे थे। मैंने भी एनाबेथ की माँ के लिए प्रार्थना की, उम्मीद करते हुए कि मैं सही थी और लिफ्ट में वही थी—कि वह अपनी बेटी को बचाने में हमारी मदद करने की कोशिश कर रही थी।
और कुछ नहीं हुआ।
कंकाल करीब आने लगे। मैंने अपनी रक्षा के लिए रिपटाइड को उठाया। थैलिया ने अपनी ढाल ऊपर उठाई। ज़ोई ने ग्रोवर को अपने पीछे धकेला और एक कंकाल के सिर पर तीर का निशाना साधा।
मुझ पर एक साया छा गया। मैंने सोचा शायद यह मृत्यु का साया है। फिर मुझे एहसास हुआ कि यह एक विशाल पंख का साया था। कंकालों ने बहुत देर से ऊपर देखा। कांसे की एक चमक और लाठी चलाने वाले पाँचों लोग एक तरफ उड़ गए।
बाकी कंकालों ने गोलीबारी शुरू कर दी। मैंने अपनी शेर की खाल से बनी जैकेट को बचाव के लिए ऊपर उठाया, लेकिन उसकी ज़रूरत नहीं पड़ी। कांस्य के देवदूत हमारे सामने आ गए और अपने पंखों को ढाल की तरह मोड़ लिया। गोलियां उनसे ऐसे टकराकर वापस उछल गईं जैसे नालीदार छत से बारिश की बूंदें। दोनों देवदूतों ने बाहर की ओर वार किया और कंकाल सड़क के उस पार उड़ गए।
“वाह, खड़े होना कितना अच्छा लगता है!” पहले देवदूत ने कहा। उसकी आवाज़ कर्कश और खुरदरी सी थी, मानो बनने के बाद से उसने कभी पानी न पिया हो।
“मेरे पैर की उंगलियां देखो तो ज़रा?” दूसरे ने कहा। “हे भगवान, वो पर्यटक क्या सोच रहे थे?”
मैं स्वर्गदूतों को देखकर जितना चकित था, उससे कहीं अधिक चिंतित कंकालों को लेकर था। उनमें से कुछ फिर से उठ रहे थे, खुद को फिर से जोड़ रहे थे, उनकी हड्डियों वाले हाथ अपने हथियारों को टटोल रहे थे।
“मुसीबत!” मैंने कहा।

“हमें यहाँ से बाहर निकालो!” थालिया चिल्लाई।
दोनों देवदूतों ने उसकी ओर देखा। "ज़्यूस की संतान?"
"हाँ!"
“क्या मुझे एक ‘कृपया’ मिल सकता है, मिस ज़्यूस की बच्ची?” एक देवदूत ने पूछा।
"कृपया!"
देवदूतों ने एक-दूसरे की ओर देखा और कंधे उचका दिए।
"थोड़ा खिंचाव अच्छा रहेगा," एक ने फैसला किया।
और देखते ही देखते, उनमें से एक ने थैलिया और मुझे पकड़ लिया, दूसरे ने ज़ोई और ग्रोवर को पकड़ा, और हम सीधे ऊपर, बांध और नदी के ऊपर उड़ गए, कंकाल योद्धा हमारे नीचे छोटे-छोटे बिंदुओं में सिमटते चले गए और पहाड़ों की ढलानों से गोलियों की आवाज गूंजने लगी।

पंद्रह

मैं सांता के दुष्ट जुड़वां भाई से कुश्ती लड़ता हूँ

“मुझे बताना जब यह सब खत्म हो जाए,” थालिया ने कहा। उसकी आँखें कसकर बंद थीं। मूर्ति ने हमें पकड़ रखा था ताकि हम गिर न जाएँ, लेकिन फिर भी थालिया ने उसकी बांह को ऐसे पकड़ रखा था जैसे वह दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण चीज हो।

मैंने आश्वासन दिया, "सब ठीक है।"

“क्या...क्या हम बहुत नशे में हैं?”

मैंने नीचे देखा। हमारे नीचे, बर्फ से ढके पहाड़ों की एक श्रृंखला तेजी से गुजर रही थी। मैंने अपना पैर फैलाया और एक चोटी से बर्फ को लात मारकर गिरा दिया।

“नहीं,” मैंने कहा। “इतना ऊंचा नहीं।”

“हम सिएरा पर्वतमाला में हैं!” ज़ोई चिल्लाई। वह और ग्रोवर दूसरी मूर्ति की भुजाओं से लटके हुए थे। “मैंने यहाँ पहले भी शिकार किया है। इस गति से तो हम कुछ ही घंटों में सैन फ्रांसिस्को पहुँच जाएँगे।”

“अरे, अरे, फ्रिस्को!” हमारे देवदूत ने कहा। “यो, चक! हम मैकेनिक स्मारक पर उन लोगों से फिर मिल सकते हैं! उन्हें पार्टी करना आता है!”

“अरे यार,” दूसरे देवदूत ने कहा। “मैं तो ज़रूर वहाँ जाऊँगा!”

मैंने पूछा, "क्या आप लोग सैन फ्रांसिस्को गए हैं?"

“हम जैसे रोबोटों को भी कभी-कभार मौज-मस्ती करनी चाहिए, है ना?” हमारी मूर्ति ने कहा। “वे मैकेनिक हमें डी यंग संग्रहालय ले गए और हमें संगमरमर की इन महिला मूर्तियों से मिलवाया, देखो। और—”

“हैंक!” दूसरे स्टैच्यू चक ने बीच में टोकते हुए कहा। “ये बच्चे हैं, यार।”

“ओह, ठीक है।” अगर कांस्य की मूर्तियाँ शरमा सकतीं, तो कसम से हैंक शरमा गया होता। “वापस उड़ान भरने चलते हैं।”

हमने रफ्तार बढ़ा दी, जिससे मुझे पता चल गया कि स्वर्गदूत उत्साहित थे। पहाड़ पीछे छूटकर पहाड़ियों में बदल गए, और फिर हम खेतों, कस्बों और राजमार्गों के ऊपर से तेज़ी से गुज़र रहे थे।

ग्रोवर समय बिताने के लिए बांसुरी बजा रहा था। ज़ोई ऊब गई और जैसे ही हम तेज़ी से गुज़रे, उसने इधर-उधर लगे बिलबोर्डों पर तीर चलाने शुरू कर दिए। हर बार जब उसे कोई टारगेट डिपार्टमेंट स्टोर दिखाई देता—और हम दर्जनों स्टोरों के पास से गुज़रे—तो वह सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से कुछ सटीक निशाने लगाकर स्टोर के साइनबोर्ड पर निशाना साध देती।

थालिया ने पूरी यात्रा के दौरान अपनी आँखें बंद रखीं। वह आपस में बहुत कुछ बुदबुदा रही थी, मानो प्रार्थना कर रही हो।
मैंने उससे कहा, "तुमने वहां अच्छा काम किया। ज़्यूस ने तुम्हारी बात सुनी।"
आंखें बंद होने पर यह बताना मुश्किल था कि वह क्या सोच रही थी।
“शायद,” उसने कहा। “वैसे, जनरेटर रूम में छिपे कंकालों से तुम बच कैसे निकले? तुमने कहा था कि उन्होंने तुम्हें घेर लिया था।”
मैंने उसे राहेल एलिजाबेथ डेयर नाम की उस विचित्र नश्वर लड़की के बारे में बताया, जो मानो धुंध के आर-पार देख सकती थी। मुझे लगा था कि थैलिया मुझे पागल कहेगी, लेकिन उसने बस सिर हिलाया।
“कुछ इंसान ऐसे ही होते हैं,” उसने कहा। “कोई नहीं जानता क्यों।”
अचानक मेरे दिमाग में एक ऐसी बात आई जिसके बारे में मैंने पहले कभी सोचा ही नहीं था।
मेरी माँ भी ऐसी ही थीं। उन्होंने हाफ-ब्लड हिल पर मिनोटौर को देखा था और उन्हें ठीक-ठीक पता था कि वह क्या है। पिछले साल जब मैंने उन्हें बताया कि मेरा दोस्त टायसन असल में एक साइक्लोप्स है, तो उन्हें ज़रा भी हैरानी नहीं हुई थी। शायद उन्हें पहले से ही पता था। इसीलिए तो मेरे बड़े होने के दौरान वह मेरे लिए इतनी डरी रहती थीं। वह धुंध को मुझसे भी बेहतर समझती थीं।
“खैर, वो लड़की परेशान करने वाली थी,” मैंने कहा। “लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने उसे भाप बनाकर उड़ा नहीं दिया। नहीं तो बहुत बुरा होता।”
थालिया ने सिर हिलाया। "एक सामान्य नश्वर होना कितना अच्छा होता होगा।"
उसने यह बात ऐसे कही मानो उसने इस बारे में बहुत सोच-विचार किया हो।

"आप लोग कहाँ उतरना चाहते हैं?" हैंक ने मुझे झपकी से जगाते हुए पूछा।
मैंने नीचे देखा और कहा, "वाह!"
मैंने सैन फ्रांसिस्को को पहले तस्वीरों में देखा था, लेकिन असल में कभी नहीं। यह शायद अब तक का सबसे खूबसूरत शहर था जो मैंने देखा था: कुछ-कुछ छोटे, साफ-सुथरे मैनहट्टन जैसा, मानो मैनहट्टन चारों ओर हरी पहाड़ियों और कोहरे से घिरा हो। वहाँ एक विशाल खाड़ी थी, जहाज, द्वीप और नौकाएँ थीं, और गोल्डन गेट ब्रिज कोहरे से बाहर निकला हुआ था। मुझे लगा कि मुझे एक तस्वीर ले लेनी चाहिए। सैन फ्रांसिस्को से नमस्कार। अभी मरा नहीं हूँ। काश तुम यहाँ होते।
“वहाँ,” ज़ोई ने सुझाव दिया। “एम्बार्केडेरो बिल्डिंग के पास।”
“अच्छा विचार है,” चक ने कहा। “मैं और हैंक कबूतरों के बीच घुलमिल सकते हैं।”
हम सबने उसकी तरफ देखा।
“मज़ाक कर रहा था,” उसने कहा। “अरे यार, क्या मूर्तियों में हास्यबोध नहीं हो सकता?”

असल में, घुलमिल जाने की कोई खास ज़रूरत नहीं थी। सुबह का समय था और आस-पास ज़्यादा लोग नहीं थे। जब हम उतरे तो फेरी के घाट पर एक बेघर आदमी डर गया। हैंक और चक को देखकर वह चीख पड़ा और मंगल ग्रह से आए धातु के फरिश्तों के बारे में कुछ चिल्लाते हुए भाग गया।
हमने देवदूतों को अलविदा कहा, जो अपनी प्रतिमा मित्रों के साथ पार्टी करने के लिए उड़ गए। तभी मुझे एहसास हुआ कि मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि हम आगे क्या करने वाले हैं।
हम पश्चिमी तट तक पहुँच गए थे। आर्टेमिस यहीं कहीं थी। उम्मीद थी एनाबेथ भी यहीं होगी। लेकिन मुझे उन्हें ढूंढने का कोई रास्ता नहीं पता था, और कल शीतकालीन संक्रांति थी। मुझे यह भी नहीं पता था कि आर्टेमिस किस राक्षस का शिकार कर रही थी। उसे तो हमें खोज के दौरान मिल जाना चाहिए था। उसे तो हमें रास्ता दिखाना चाहिए था, लेकिन उसने कभी नहीं दिखाया। अब हम फेरी के घाट पर फंसे हुए थे, हमारे पास न ज़्यादा पैसे थे, न कोई दोस्त, और न ही कोई किस्मत।
संक्षिप्त चर्चा के बाद, हम इस बात पर सहमत हुए कि हमें यह पता लगाना होगा कि यह रहस्यमय राक्षस आखिर क्या है।
“लेकिन कैसे?” मैंने पूछा।
“नेरियस,” ग्रोवर ने कहा।
मैंने उसकी तरफ देखा। "क्या?"
“क्या अपोलो ने तुम्हें यही करने को नहीं कहा था? नेरियस को ढूंढो?”
मैंने सिर हिलाया। मैं सूर्य देवता के साथ हुई अपनी पिछली बातचीत पूरी तरह से भूल गया था।
“समुद्र का बूढ़ा आदमी,” मुझे याद आया। “मुझे उसे ढूंढना है और उससे वह सब कुछ उगलवाना है जो वह जानता है। लेकिन मैं उसे कैसे ढूंढूं?”
ज़ोई ने मुंह बनाया। "बूढ़ा नेरियस, है ना?"
“क्या तुम उसे जानते हो?” थालिया ने पूछा।
“मेरी माँ समुद्र की देवी थीं। हाँ, मैं उन्हें जानती हूँ। दुर्भाग्य से, उन्हें ढूँढना कभी मुश्किल नहीं होता। बस गंध का पीछा करो।”
मैंने पूछा, "तुम्हारा क्या मतलब है?"
“आओ,” उसने बिना उत्साह दिखाए कहा। “मैं तुम्हें दिखाऊंगी।”

जब हम गुडविल के ड्रॉप बॉक्स पर रुके, तभी मुझे समझ आ गया था कि मैं मुसीबत में हूँ। पाँच मिनट बाद, ज़ोई ने मुझे एक फटी हुई फलालैन की कमीज़ और तीन साइज़ बड़ी जींस, चमकीले लाल स्नीकर्स और एक इंद्रधनुषी टोपी पहना दी।
“ओह, हाँ,” ग्रोवर ने हँसी रोकने की कोशिश करते हुए कहा, “अब तुम बिल्कुल ही साधारण दिख रहे हो।”
ज़ोई ने संतुष्टि से सिर हिलाया। "एकदम आम आवारा पुरुष।"

“बहुत-बहुत धन्यवाद,” मैंने बड़बड़ाते हुए कहा। “मैं यह सब दोबारा क्यों कर रहा हूँ?”
मैंने तुमसे कहा था, घुलमिल जाओ।
वह आगे-आगे चलकर तट की ओर चलने लगी। गोदी में काफी देर तक खोजबीन करने के बाद, ज़ोई आखिरकार रुक गई। उसने एक घाट की ओर इशारा किया जहाँ कुछ बेघर लोग कंबल ओढ़कर दुबके बैठे थे और दोपहर के भोजन के लिए रसोई खुलने का इंतज़ार कर रहे थे।
ज़ोई ने कहा, "वह कहीं नीचे ही होगा। वह पानी से ज़्यादा दूर नहीं जाता। उसे दिन में धूप सेंकना पसंद है।"
मुझे कैसे पता चलेगा कि उनमें से कौन सा वह है?
“चुपके से जाओ,” उसने कहा। “बेघर होने का नाटक करो। तुम उसे पहचान जाओगे। उसकी गंध... अलग होगी।”
“बहुत बढ़िया।” मैं ज़्यादा जानकारी नहीं पूछना चाहता था। “और जब मैं उसे ढूंढ लूँगा?”
“उसे पकड़ लो,” उसने कहा। “और उसे थामे रहो। वह तुमसे छुटकारा पाने के लिए कुछ भी करेगा। चाहे वह कुछ भी करे, उसे मत छोड़ना। उसे मजबूर करो कि वह तुम्हें उस राक्षस के बारे में बताए।”
“हम तुम्हारे साथ हैं,” थैलिया ने कहा। उसने मेरी कमीज़ के पीछे से कुछ उठाया—रोएँ का एक बड़ा गुच्छा, जो न जाने कहाँ से आया था। “छी! लेकिन फिर सोचती हूँ... मुझे तुम्हारा साथ नहीं चाहिए। पर हम तुम्हारा हौसला बढ़ाएंगे।”
ग्रोवर ने मुझे बड़ा सा थम्स-अप दिया।
मैंने बड़बड़ाते हुए कहा कि इतने शक्तिशाली दोस्त होना कितना अच्छा है। फिर मैं घाट की ओर चल पड़ा।
मैंने अपनी टोपी नीचे खींची और लड़खड़ाते हुए ऐसे चला जैसे बेहोश होने वाला हो, हालांकि मेरी थकान को देखते हुए बेहोश होना कोई बड़ी बात नहीं थी। मैं एम्बारकैडेरो से आए अपने बेघर दोस्त के पास से गुजरा, जो अभी भी बाकी लोगों को मंगल ग्रह से आए धातु के फरिश्तों के बारे में चेतावनी देने की कोशिश कर रहा था।
उसकी गंध अच्छी नहीं थी, लेकिन वह कुछ अलग भी नहीं लग रहा था। मैं चलता रहा।
जब मैं उनके पास पहुंचा तो प्लास्टिक की थैलियों को टोपी की तरह पहने हुए कुछ गंदे से दिखने वाले लोगों ने मुझे घूरकर देखा।
"भाग जा, बच्चे!" उनमें से एक ने बुदबुदाते हुए कहा।
मैं वहां से चला गया। उनमें से काफी बदबू आ रही थी, बस सामान्य बदबू। कुछ भी असामान्य नहीं था।
एक महिला शॉपिंग कार्ट में प्लास्टिक के कई सारे फ्लेमिंगो रखे हुए थी। उसने मुझे ऐसे घूरा जैसे मैं उसके पक्षियों को चुरा लूँगा।
घाट के छोर पर, लगभग दस लाख साल पुराना दिखने वाला एक आदमी धूप में बेहोश पड़ा था। उसने पजामा और एक रोएँदार बाथरोब पहना हुआ था जो शायद कभी सफेद रहा होगा। वह मोटा था, उसकी

सफेद दाढ़ी पीली पड़ गई थी, कुछ-कुछ सांता क्लॉस जैसा, मानो सांता को बिस्तर से लुढ़काकर कूड़े के ढेर में घसीट दिया गया हो।
और उसकी गंध?
जैसे ही मैं उसके करीब पहुंचा, मैं जम गया। उसकी बदबू वाकई बहुत बुरी थी—लेकिन समुद्र जैसी बदबू। जैसे गर्म समुद्री शैवाल, मरी हुई मछलियाँ और खारा पानी। अगर समुद्र का कोई बदसूरत रूप होता... तो यही वह था।
मैं थकी हुई होने का नाटक करते हुए उसके पास बैठ गई और उल्टी आने से बचने की कोशिश की। सांता ने शक भरी निगाहों से एक आँख खोली। मुझे महसूस हुआ कि वह मुझे घूर रहा है, लेकिन मैंने उसकी तरफ नहीं देखा। मैंने कुछ बुदबुदाया, जैसे कि ये बेवकूफ़ स्कूल और बेवकूफ़ माता-पिता, शायद ये बात ठीक लगे। सांता क्लॉस वापस सो गया।
मैं घबरा गया। मुझे पता था कि यह अजीब लगेगा। मुझे नहीं पता था कि दूसरे बेघर लोग कैसी प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन मैंने सांता क्लॉज़ पर छलांग लगा दी।
“आह्ह्ह्ह!” वो चीखा। मैंने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन उसने मुझे ही पकड़ लिया। ऐसा लग रहा था जैसे वो कभी सोया ही न हो। वो किसी कमज़ोर बूढ़े आदमी जैसा बिल्कुल नहीं लग रहा था। उसकी पकड़ लोहे जैसी मज़बूत थी। “मेरी मदद करो!” वो चीखा और मुझे जान से मारने की कोशिश करने लगा।
“ये तो जुर्म है!” दूसरे बेघर लोगों में से एक चिल्लाया। “एक बच्चा बूढ़े आदमी को इस तरह लुढ़का रहा है!”
मैं लुढ़क गया—सीधे घाट पर तब तक लुढ़कता रहा जब तक मेरा सिर एक खंभे से नहीं टकरा गया। मैं एक पल के लिए बेहोश हो गया, और नेरियस की पकड़ ढीली पड़ गई। वह भागने की कोशिश कर रहा था। इससे पहले कि वह भाग पाता, मैंने होश संभाला और पीछे से उसे पकड़ लिया।
“मेरे पास पैसे नहीं हैं!” उसने उठकर भागने की कोशिश की, लेकिन मैंने अपनी बाहों से उसकी छाती को कसकर पकड़ लिया। उसकी सड़ी हुई मछली जैसी बदबू भयानक थी, फिर भी मैंने उसे थामे रखा।
जब वह लड़ रहा था, मैंने कहा, "मुझे पैसे नहीं चाहिए। मैं आधा इंसान हूँ! मुझे जानकारी चाहिए!"
इससे उसकी परेशानी और बढ़ गई। "हीरो! तुम हमेशा मुझे ही क्यों परेशान करते हो?"
क्योंकि तुम सब कुछ जानते हो!
वह गुर्राया और मुझे अपनी पीठ से झटकने की कोशिश करने लगा। ऐसा लग रहा था जैसे मैं किसी रोलर कोस्टर पर बैठी हूँ। वह बुरी तरह छटपटाने लगा, जिससे मेरे लिए खड़े रहना नामुमकिन हो गया, लेकिन मैंने दांत पीसकर उसे और कसकर पकड़ लिया। हम लड़खड़ाते हुए घाट के किनारे की ओर बढ़े और तभी मुझे एक विचार आया।
“अरे नहीं!” मैंने कहा। “पानी नहीं!”
योजना कामयाब रही। तुरंत ही, नेरियस ने जीत की खुशी में चिल्लाते हुए किनारे से छलांग लगा दी। हम दोनों एक साथ सैन फ्रांसिस्को खाड़ी में जा गिरे।

जब मैंने अपनी पकड़ और मज़बूत की, तो वह ज़रूर हैरान रह गया होगा, क्योंकि समुद्र ने मुझे अतिरिक्त शक्ति प्रदान कर दी थी। लेकिन नेरियस के पास अभी भी कुछ तरकीबें बाकी थीं। उसने अपना रूप बदल लिया और अंत में मैं एक चिकनी काली सील के हाथ में था।

मैंने लोगों को चिकने सूअर को पकड़ने के बारे में मज़ाक करते सुना है, लेकिन मैं आपको बता रहा हूँ, पानी में सील को पकड़ना उससे भी ज़्यादा मुश्किल है। नेरियस सीधे नीचे की ओर गिर पड़ा, छटपटाता, हाथ-पैर मारता और अँधेरे पानी में चक्कर लगाता हुआ। अगर मैं पोसीडॉन का बेटा न होता, तो मैं उसके साथ नहीं रह पाता।

नेरियस घूमा और फैलकर एक किलर व्हेल में बदल गया, लेकिन जैसे ही वह पानी से बाहर निकला, मैंने उसका पृष्ठीय पंख पकड़ लिया।

पर्यटकों का एक बड़ा समूह "वाह!" कहने लगा।

मैंने भीड़ की ओर हाथ हिलाने की कोशिश की। हाँ, हम सैन फ्रांसिस्को में हर दिन ऐसा करते हैं।

नेरियस पानी में कूद गया और एक चिपचिपी ईल में बदल गया। मैंने उसे गांठ में बांधना शुरू किया, तभी उसे समझ आया कि क्या हो रहा है और वह वापस इंसान के रूप में आ गया। "तुम डूब क्यों नहीं रहे हो?" वह चिल्लाया और मुक्कों से मुझे पीटने लगा।

मैंने कहा, "मैं पोसीडॉन का पुत्र हूँ।"

“उस उद्दंड व्यक्ति को धिक्कार है! मैं यहाँ पहले आया था!”

आखिरकार वह नाव के घाट के किनारे गिर पड़ा। हमारे ऊपर दुकानों से सजी एक पर्यटक घाट थी, मानो पानी पर बना कोई मॉल हो। नेरियस हांफ रहा था और ज़ोर-ज़ोर से सांस ले रहा था। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था। मैं पूरे दिन बोलता रह सकता था, लेकिन मैंने उसे यह नहीं बताया। मैं चाहता था कि उसे लगे कि उसने बहादुरी से मुकाबला किया है।

मेरे दोस्त घाट से सीढ़ियों से नीचे दौड़ पड़े।

“तुमने उसे पकड़ लिया!” ज़ोई ने कहा।

मैंने कहा, "आपको इतना आश्चर्यचकित होने की जरूरत नहीं है।"

नेरियस कराह उठा। “ओह, कमाल है। मेरी बेइज्जती देखने के लिए दर्शक! लगता है यही आम बात है? अगर मैं आपके सवाल का जवाब दूं तो आप मुझे जाने देंगे?”

मैंने कहा, "मेरे पास एक से अधिक प्रश्न हैं।"

“प्रति कैप्चर केवल एक प्रश्न! यही नियम है।”

मैंने अपने दोस्तों की तरफ देखा।

यह ठीक नहीं था। मुझे आर्टेमिस को ढूंढना था, और यह पता लगाना था कि प्रलयकारी प्राणी कौन था। मुझे यह भी जानना था कि एनाबेथ अभी भी जीवित है या नहीं, और उसे कैसे बचाया जाए। मैं ये सब एक ही सवाल में कैसे पूछ सकता था?

मेरे भीतर से एक आवाज चीख रही थी, "एनाबेथ के बारे में पूछो! मुझे सबसे ज्यादा उसी की परवाह थी।"
लेकिन फिर मैंने सोचा कि एनाबेथ क्या कहेगी। अगर मैं उसे बचा लूँ और ओलंपस को न बचाऊँ, तो वह मुझे कभी माफ नहीं करेगी। ज़ोए चाहेगी कि मैं आर्टेमिस के बारे में पूछूँ, लेकिन चिरोन ने हमें बताया था कि वह राक्षस उससे भी ज़्यादा महत्वपूर्ण है।
मैंने आह भरी। “ठीक है, नेरियस। मुझे बताओ कि वह भयानक राक्षस कहाँ मिलेगा जो देवताओं का अंत कर सकता है। वही राक्षस जिसका शिकार आर्टेमिस कर रही थी।”
समुद्र के बूढ़े व्यक्ति ने मुस्कुराते हुए अपने काई जैसे हरे दांत दिखाए।
“ओह, यह तो बहुत आसान है,” उसने शरारती अंदाज़ में कहा। “वह बिल्कुल वहीं है।”
नेरियस ने मेरे पैरों के पास पानी की ओर इशारा किया।
मैंने कहा, “कहाँ?”
“सौदा पूरा हो गया!” नेरियस ने गर्व से कहा। एक झटके में वह सुनहरी मछली में बदल गया और समुद्र में बैकफ्लिप करते हुए कूद गया।
मैंने चिल्लाकर कहा, "तुमने मुझे धोखा दिया!"
“रुको।” थैलिया की आँखें चौड़ी हो गईं। “यह क्या है?”
“मूंऊऊऊऊ!”
मैंने नीचे देखा, और वहाँ मेरी दोस्त, गाय-साँप, गोदी के पास तैर रही थी। उसने मेरे जूते को हल्का सा धक्का दिया और मुझे अपनी उदास भूरी आँखों से देखा।
“अरे, बेसी,” मैंने कहा। “अभी नहीं।”
“मूं!”
ग्रोवर चौंक गया। "वह कहता है कि उसका नाम बेसी नहीं है।"
“क्या आप उसे... मतलब, उसे समझ सकते हैं?”
ग्रोवर ने सिर हिलाया। "यह जानवरों की बोली का एक बहुत पुराना रूप है। लेकिन वह कहता है कि उसका नाम ओफियोटॉरस है।"
“ओफी-क्या?”
“ग्रीक भाषा में इसका मतलब है सर्प बैल,” थालिया ने कहा। “लेकिन यह यहाँ क्या कर रहा है?”
"मूंऊऊऊऊ!"
ग्रोवर ने घोषणा की, "वह कहता है कि पर्सी उसका रक्षक है।"
“और वह बुरे लोगों से भाग रहा है। उसका कहना है कि वे उसके बहुत करीब हैं।”
मुझे आश्चर्य हो रहा था कि आपने एक ही बार 'मूं' की आवाज से यह सब कैसे पता लगा लिया।
“रुको,” ज़ोई ने मेरी तरफ देखते हुए कहा। “तुम इस गाय को जानते हो?”
मुझे बेचैनी हो रही थी, लेकिन मैंने उन्हें पूरी कहानी सुना दी।

थालिया ने अविश्वास से अपना सिर हिलाया। "और आप इसके बारे में पहले बताना भूल गए?"
“हाँ...हाँ।” अब जब उसने यह कहा तो यह मूर्खतापूर्ण लगा, लेकिन चीजें इतनी तेजी से घट रही थीं। बेसी, ओफियोटॉरस, एक मामूली घटना जैसी लग रही थी।
ज़ोई ने अचानक कहा, "मैं कितनी मूर्ख हूँ! मुझे यह कहानी पता है!"
"कहानी क्या है?"
“टाइटन के युद्ध से,” उसने कहा। “मेरे...मेरे पिता ने मुझे यह कहानी हजारों साल पहले सुनाई थी। यही वह राक्षस है जिसकी हम तलाश कर रहे हैं।”
“बेसी?” मैंने बैल सर्प की ओर देखा। “लेकिन...वह बहुत प्यारा है। वह दुनिया को नष्ट नहीं कर सकता।”
"यही हमारी गलती थी," ज़ोई ने कहा। "हम एक विशाल और खतरनाक राक्षस की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन ओफियोटॉरस इस तरह देवताओं को नष्ट नहीं करता। उसे बलिदान करना होगा।"
“हम्मम,” बेसी ने धीमी आवाज़ में कहा।
ग्रोवर ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि उसे 'एस' शब्द पसंद है।"
मैंने बेसी के सिर पर थपथपाकर उसे शांत करने की कोशिश की। उसने मुझे अपना कान खुजलाने दिया, लेकिन वह कांप रहा था।
मैंने कहा, "कोई उसे कैसे नुकसान पहुंचा सकता है? वह तो बिल्कुल हानिरहित है।"
ज़ोई ने सिर हिलाया। “लेकिन निर्दोषता को मारने में शक्ति होती है। भयानक शक्ति। भाग्य की देवियों ने युगों पहले, जब इस प्राणी का जन्म हुआ था, एक भविष्यवाणी की थी। उन्होंने कहा था कि जो कोई भी ओफियोटॉरस को मारकर उसकी आंतें अग्नि में जला देगा, उसे देवताओं को नष्ट करने की शक्ति प्राप्त होगी।”
“म्मम्मम्म!”
“हम्म,” ग्रोवर ने कहा। “शायद हम आंतों के बारे में बात करने से भी बच सकते हैं।”
थालिया ने गाय के आकार के सर्प को आश्चर्य से देखा। "देवताओं को नष्ट करने की शक्ति... कैसे? मेरा मतलब है, क्या होगा?"
“कोई नहीं जानता,” ज़ोई ने कहा। “पहली बार, टाइटन युद्ध के दौरान, ओफ़ियोटॉरस वास्तव में टाइटन्स के एक विशालकाय सहयोगी द्वारा मारा गया था, लेकिन तुम्हारे पिता, ज़्यूस ने एक चील को भेजकर उसकी आँतों को आग में फेंके जाने से पहले ही छीन लिया था। बाल-बाल बच गए थे। अब, तीन हज़ार साल बाद, ओफ़ियोटॉरस का पुनर्जन्म हुआ है।”
थालिया घाट पर बैठ गई। उसने अपना हाथ बढ़ाया। बेसी तुरंत उसके पास गई। थालिया ने अपना हाथ उसके सिर पर रखा। बेसी कांप उठी।
थालिया के चेहरे के भाव मुझे परेशान कर रहे थे। वह लगभग भूखी लग रही थी।
मैंने उससे कहा, "हमें उसकी रक्षा करनी होगी। अगर ल्यूक उसे पकड़ लेता है तो..."

“ल्यूक ज़रा भी नहीं हिचकिचाएगा,” थालिया ने बुदबुदाते हुए कहा। “ओलंपस को उखाड़ फेंकने की शक्ति। यह...यह बहुत बड़ी बात है।”
“जी हां, मेरी प्यारी,” एक भारी फ्रांसीसी लहजे में एक आदमी की आवाज सुनाई दी। “और यह एक ऐसी शक्ति है जिसे तुम उजागर करोगी।”
ओफियोटॉरस ने कराहने जैसी आवाज निकाली और पानी में डूब गया।
मैंने ऊपर देखा। हम बातचीत में इतने मशगूल थे कि हमने खुद को घात लगाकर हमला करने का मौका दे दिया था।
हमारे पीछे खड़ा, दो रंगों वाली आँखों में दुष्टता भरी चमक लिए, डॉ. थॉर्न था, जो स्वयं मैन्टिकोर था।

“यह तो बिल्कुल ही परफेक्ट है,” मैन्टिकोर ने शेखी बघारते हुए कहा।
उसने वेस्टओवर हॉल की फटी-पुरानी और दागदार वर्दी के ऊपर एक जर्जर काला ट्रेंच कोट पहन रखा था। उसके फौजी स्टाइल के बाल बढ़ कर नुकीले और चिपचिपे हो गए थे। उसने हाल ही में दाढ़ी नहीं बनाई थी, इसलिए उसका चेहरा चांदी जैसे छोटे-छोटे बालों से ढका हुआ था। कुल मिलाकर, वह सूप किचन में काम करने वाले लोगों से कुछ खास बेहतर नहीं दिख रहा था।
“बहुत समय पहले, देवताओं ने मुझे फारस निर्वासित कर दिया था,” मैन्टिकोर ने कहा। “मुझे दुनिया के किनारों पर भोजन की तलाश में भटकना पड़ा, जंगलों में छिपना पड़ा और तुच्छ मानव किसानों को खाकर अपना भोजन बनाना पड़ा। मुझे कभी किसी महान नायक से लड़ने का मौका नहीं मिला। पुरानी कहानियों में न तो मेरा कोई भय था और न ही कोई मेरी प्रशंसा करता था! लेकिन अब यह बदल जाएगा। टाइटन्स मेरा सम्मान करेंगे, और मैं आधे-मानवों का मांस खाऊंगा!”
उसके दोनों ओर दो-दो हथियारबंद सुरक्षाकर्मी खड़े थे, वही भाड़े के सैनिक जिन्हें मैंने वाशिंगटन डी.सी. में देखा था। दो और सुरक्षाकर्मी पास के ही एक नाव घाट पर खड़े थे, ताकि अगर हम उस तरफ से भागने की कोशिश करें तो वे हमें रोक सकें। चारों ओर पर्यटक थे—समुद्र तट पर टहल रहे थे, हमारे ऊपर बने घाट पर खरीदारी कर रहे थे—लेकिन मुझे पता था कि इससे मैन्टिकोर को हरकत करने से नहीं रोका जा सकेगा।
“कंकाल कहाँ हैं...?” मैंने मैन्टिकोर से पूछा।
उसने व्यंग्य करते हुए कहा, “मुझे उन मूर्ख मरे हुओं की कोई ज़रूरत नहीं है! जनरल को लगता है कि मैं बेकार हूँ? जब मैं तुम्हें खुद हराऊँगा, तब उसका विचार बदल जाएगा!”
मुझे सोचने के लिए समय चाहिए था। मुझे बेसी को बचाना था। मैं समुद्र में कूद सकता था, लेकिन पाँच सौ पाउंड के विशालकाय सांप के साथ मैं इतनी जल्दी कैसे भाग सकता था? और मेरे दोस्तों का क्या होगा?
मैंने कहा, "हमने तुम्हें पहले एक बार हराया था।"
“हा! अगर तुम्हारे साथ कोई देवी भी होती, तो भी तुम मुझसे मुश्किल से ही लड़ पाते। और अफसोस... वह देवी इस समय व्यस्त है। अभी तुम्हारी कोई मदद नहीं कर सकता।”

ज़ोई ने एक तीर पर तीर का निशान लगाया और उसे सीधे मैन्टिकोर के सिर पर निशाना बनाया। हमारे दोनों ओर खड़े पहरेदारों ने अपनी बंदूकें उठा लीं।
“रुको!” मैंने कहा। “ज़ोई, ऐसा मत करो!”
मैन्टिकोर मुस्कुराया। “लड़का सही कह रहा है, ज़ोई नाइटशेड। अपना धनुष रख दो। थैलिया की महान विजय देखने से पहले तुम्हें मारना शर्म की बात होगी।”
“तुम किस बारे में बात कर रही हो?” थैलिया गुर्राई। उसने अपनी ढाल और भाला तैयार कर रखा था।
“यह तो स्पष्ट है,” मैन्टिकोर ने कहा। “यह तुम्हारा क्षण है। इसीलिए भगवान क्रोनोस ने तुम्हें पुनर्जीवित किया है। तुम ओफियोटॉरस की बलि दोगे। तुम उसकी आंतें पर्वत पर स्थित पवित्र अग्नि में अर्पित करोगे। तुम्हें असीमित शक्ति प्राप्त होगी। और अपने सोलहवें जन्मदिन पर, तुम ओलंपस को उखाड़ फेंकोगे।”
कोई कुछ नहीं बोला। यह बात समझ में आ रही थी, लेकिन बहुत अजीब भी। थैलिया सोलह साल की होने वाली थी, बस दो दिन बाकी थे। वह तीन बड़े देवताओं की संतान थी। और उसके सामने एक चुनाव था, एक भयानक चुनाव जिसका मतलब देवताओं का अंत हो सकता था। यह ठीक वैसा ही था जैसा भविष्यवाणी में कहा गया था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मुझे राहत मिली, डर लगा या निराशा हुई। आखिर मैं तो भविष्यवाणी वाली संतान नहीं थी। प्रलय अभी हो रहा था।
मैंने थालिया के मैन्टिकोर को खरी-खोटी सुनाने का इंतजार किया, लेकिन वह हिचकिचाई। वह पूरी तरह से स्तब्ध लग रही थी।
“तुम जानती हो कि यही सही चुनाव है,” मैन्टिकोर ने उससे कहा। “तुम्हारे मित्र ल्यूक ने इसे पहचान लिया था। तुम उससे फिर मिलोगी। तुम दोनों मिलकर टाइटन्स के संरक्षण में इस दुनिया पर राज करोगी। तुम्हारे पिता ने तुम्हें त्याग दिया है, थैलिया। उन्हें तुम्हारी कोई परवाह नहीं है। और अब तुम उन पर शक्ति प्राप्त करोगी। ओलंपियनों को उनके कर्मों का फल भुगतने दो। उस राक्षस को बुलाओ! वह तुम्हारे पास आएगा। अपने भाले का प्रयोग करो।”
मैंने कहा, "थालिया, होश में आओ!"
उसने मुझे ठीक उसी तरह देखा जैसे उसने हाफ-ब्लड हिल पर जागने वाली सुबह देखा था, स्तब्ध और अनिश्चित। ऐसा लग रहा था मानो वह मुझे जानती ही न हो। "मैं...मैं नहीं जानती—"
मैंने कहा, "तुम्हारे पिता ने तुम्हारी मदद की। उन्होंने धातु के देवदूत भेजे। उन्होंने तुम्हें संरक्षित करने के लिए एक पेड़ में बदल दिया।"
उसने अपने भाले के डंडे पर अपनी पकड़ और कस ली।
मैंने हताशा से ग्रोवर की ओर देखा। भगवान का शुक्र है, वह समझ गया कि मुझे क्या चाहिए। उसने अपनी पाइप मुंह से लगाई और जल्दी से एक धुन बजाई।
मैन्टिकोर चिल्लाया, "उसे रोको!"

पहरेदार ज़ोई को निशाना बना रहे थे, और इससे पहले कि वे समझ पाते कि पाइप पकड़े हुए बच्चा ज़्यादा बड़ी समस्या है, उनके पैरों के नीचे बिछे लकड़ी के तख्तों से नई शाखाएँ निकल आईं और उनके पैर उनमें उलझ गए। ज़ोई ने तेज़ी से दो तीर चलाए जो उनके पैरों के पास पीले गंधक के धुएँ के बादल के साथ फट गए। पाद वाले तीर!

पहरेदार खांसने लगे। मैन्टिकोर ने हमारी ओर कांटे फेंके, लेकिन वे मेरे शेर के फर से टकराकर वापस उछल गए।

मैंने कहा, "ग्रोवर, बेसी से कहो कि वह गहराई में गोता लगाए और वहीं रहे!"

“मूंऊऊऊ!” ग्रोवर ने अनुवाद किया। मैं बस यही उम्मीद कर सकता था कि बेसी को संदेश मिल गया होगा।

“गाय...” थैलिया ने अभी भी स्तब्ध अवस्था में बुदबुदाया।

“चलो!” मैंने उसे खींचते हुए कहा और हम दौड़ते हुए घाट पर बने शॉपिंग सेंटर की सीढ़ियों पर चढ़ गए। हम तेज़ी से पास की दुकान के कोने में घुस गए। मैंने मैन्टिकोर को अपने साथियों पर चिल्लाते हुए सुना, “उन्हें पकड़ो!” गार्डों द्वारा अंधाधुंध हवा में गोलियां चलाने पर पर्यटक चीखने लगे।

हम किसी तरह घाट के आखिरी छोर तक पहुँचे। हम एक छोटी सी दुकान के पीछे छिप गए, जो यादगार क्रिस्टल से भरी थी—हवा में बजने वाली घंटियाँ, ड्रीम कैचर और ऐसी ही चीज़ें, जो धूप में चमक रही थीं। हमारे बगल में एक फव्वारा था। नीचे, चट्टानों पर कुछ समुद्री शेर धूप सेंक रहे थे। हमारे सामने सैन फ्रांसिस्को की पूरी खाड़ी फैली हुई थी: गोल्डन गेट ब्रिज, अल्काट्राज़ द्वीप, और उसके आगे उत्तर की ओर हरी पहाड़ियाँ और कोहरा। एक बिल्कुल परफेक्ट नज़ारा था, सिवाय इस बात के कि हम मरने वाले थे और दुनिया खत्म होने वाली थी।

“किनारे से कूद जाओ!” ज़ोई ने मुझसे कहा। “तुम समुद्र में भाग सकते हो, पर्सी। अपने पिता से मदद मांगो। शायद तुम ओफियोटॉरस को बचा सको।”

वह सही थी, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सका।

मैंने कहा, “मैं तुम लोगों को छोड़कर नहीं जाऊंगा। हम साथ मिलकर लड़ेंगे।”

“शिविर को खबर पहुंचानी होगी!” ग्रोवर ने कहा। “कम से कम उन्हें यह तो पता चलने दो कि क्या हो रहा है!”

फिर मैंने देखा कि सूरज की रोशनी में क्रिस्टल इंद्रधनुष बना रहे थे। मेरे बगल में एक पीने का पानी का फव्वारा था...

मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "शिविर को खबर पहुंचा दो। अच्छा विचार है।"

मैंने रिपटाइड का ढक्कन खोला और पानी के फव्वारे का ऊपरी हिस्सा काट दिया। टूटे हुए पाइप से पानी फूट निकला और हम सब पर फैल गया।

पानी पड़ते ही थालिया हांफ उठी। उसकी आंखों से धुंध छटने लगी। "क्या तुम पागल हो?" उसने पूछा।

लेकिन ग्रोवर समझ गया। वह पहले से ही अपनी जेबों में सिक्का ढूंढ रहा था। उसने धुंध से बने इंद्रधनुषों में एक सुनहरा ड्रैक्मा फेंका और चिल्लाया, "हे देवी, मेरी भेंट स्वीकार करो!"

धुंध में लहरें उठ रही थीं।
“कैंप हाफ-ब्लड!” मैंने कहा।
और वहीं, धुंध में हमारे ठीक बगल में, वह आखिरी व्यक्ति था जिसे मैं देखना नहीं चाहता था: मिस्टर डी, अपने तेंदुए की खाल वाले जॉगिंग सूट पहने हुए और फ्रिज में कुछ ढूंढ रहे थे।
उसने आलस से ऊपर देखा। "क्या आपको कोई आपत्ति है?"
मैंने चिल्लाकर कहा, "चिरोन कहाँ है!"
“कितना असभ्य व्यवहार है।” श्री डी ने अंगूर के रस के जग से एक घूंट लिया। “क्या ऐसे ही अभिवादन करते हैं?”
“हेलो,” मैंने बात सुधारते हुए कहा। “हम मरने ही वाले हैं! चिरोन कहाँ है?”
श्री डी ने इस पर विचार किया। मैं उन पर चिल्लाना चाहता था कि जल्दी करो, लेकिन मुझे पता था कि इससे कोई फायदा नहीं होगा। हमारे पीछे कदमों की आहट और चीख-पुकार सुनाई दे रही थी—मैन्टिकोर के सैनिक करीब आ रहे थे।
“मरने ही वाला हूँ,” श्री डी ने सोचा। “कितना रोमांचक है। मुझे डर है कि चिरोन यहाँ नहीं है। क्या आप चाहेंगे कि मैं कोई संदेश लेकर जाऊँ?”
मैंने अपने दोस्तों की तरफ देखा। "हम तो मर चुके हैं।"
थालिया ने अपने भाले को कसकर पकड़ लिया। वह फिर से अपने पुराने गुस्सैल रूप में दिखाई दी। "तो हम लड़ते-लड़ते मरेंगे।"
“कितने नेक विचार हैं,” श्री डी ने जम्हाई रोकते हुए कहा। “तो आखिर समस्या क्या है?”
मुझे नहीं लगा कि इससे कोई फर्क पड़ेगा, लेकिन मैंने उसे ओफियोटॉरस के बारे में बताया।
“हम्म।” उसने फ्रिज में रखी चीजों को गौर से देखा। “तो यही बात है। मैं समझ गया।”
“तुम्हें तो जरा भी परवाह नहीं!” मैं चिल्लाई। “तुम तो बस हमें मरते हुए देखना चाहते हो!”
देखते हैं। मुझे लगता है आज रात मेरा पिज्जा खाने का मन कर रहा है।
मैं इंद्रधनुष को चीरते हुए भाग जाना चाहता था और उससे नाता तोड़ना चाहता था, लेकिन समय नहीं था। मैन्टिकोर चिल्लाया, "देखो!" और हम चारों तरफ से घिर गए। दो गार्ड उसके पीछे खड़े थे। बाकी दो हमारे ऊपर घाट की दुकानों की छतों पर दिखाई दिए। मैन्टिकोर ने अपना कोट उतार दिया और अपने असली रूप में आ गया, उसके शेर जैसे पंजे बाहर निकल आए और उसकी नुकीली पूंछ ज़हरीले कांटों से भरी हुई थी।
“शानदार,” उसने कहा। उसने धुंध में दिख रही आकृति पर एक नज़र डाली और नाक सिकोड़ी। “अकेला, बिना किसी वास्तविक मदद के। अद्भुत।”
“आप मदद मांग सकते हैं,” श्री डी ने मुझसे धीरे से कहा, मानो यह कोई मजेदार विचार हो। “आप कृपया कह सकते हैं।”

मैंने सोचा, जब जंगली सूअर उड़ने लगें तब ऐसा होगा। मैं किसी भी हालत में मिस्टर डी जैसे निकम्मे आदमी से भीख मांगते हुए नहीं मरने वाला था, सिर्फ इसलिए कि जब हम सब गोलियों से मारे जाएं तो वह हंस सके।
ज़ोई ने अपने तीर तैयार किए। ग्रोवर ने अपनी बांसुरी उठाई। थैलिया ने अपनी ढाल उठाई, और मैंने देखा कि उसकी गाल पर एक आंसू बह रहा था। अचानक मुझे याद आया: उसके साथ पहले भी ऐसा हो चुका था। हाफ-ब्लड हिल पर वह घिर गई थी। उसने अपने दोस्तों के लिए स्वेच्छा से अपनी जान दे दी थी। लेकिन इस बार, वह हमें नहीं बचा सकी।
मैं उसके साथ ऐसा कैसे होने दे सकता था?
“प्लीज, मिस्टर डी,” मैंने बुदबुदाते हुए कहा। “मदद कीजिए।”
बेशक, कुछ नहीं हुआ।
मैन्टिकोर मुस्कुराया। “ज़्यूस की बेटी को छोड़ दो। वह जल्द ही हमारे साथ मिल जाएगी। बाकियों को मार डालो।”
उन आदमियों ने अपनी बंदूकें उठा लीं, और कुछ अजीब सा हुआ। आपको पता है जब सारा खून सिर में चढ़ जाता है, जैसे अगर आप उल्टे लटके हों और अचानक सीधे हो जाएं तो कैसा लगता है? मेरे चारों ओर कुछ ऐसा ही खून दौड़ गया, और एक गहरी आह जैसी आवाज़ आई। सूरज की रोशनी बैंगनी रंग की हो गई। मुझे अंगूर और कुछ खट्टी सी गंध आई—शराब की।
स्नैप!
यह एक साथ कई दिमागों के टूटने की आवाज़ थी। पागलपन की आवाज़। एक गार्ड ने अपनी पिस्तौल को हड्डी की तरह दांतों के बीच दबा लिया और चारों हाथों-पैरों के बल दौड़ने लगा। दो अन्य ने अपनी बंदूकें गिरा दीं और एक-दूसरे के साथ वाल्ट्ज़ नृत्य करने लगे। चौथा आयरिश क्लॉगिंग नृत्य जैसा कुछ करने लगा। अगर यह इतना भयानक न होता तो शायद मज़ेदार होता।
“नहीं!” मैन्टिकोर चिल्लाया। “मैं तुमसे खुद निपटूंगा!”
उसकी पूंछ फड़क उठी, लेकिन उसके पंजों के नीचे के तख्ते अंगूर की लताओं में बदल गए, जो तुरंत उस राक्षस के शरीर को लपेटने लगीं, नई पत्तियां और हरे छोटे अंगूरों के गुच्छे उगने लगे जो पल भर में पक गए, और वह चीखता रहा, जब तक कि वह लताओं, पत्तियों और बैंगनी अंगूरों के भरे हुए गुच्छों के एक विशाल ढेर में समा नहीं गया। अंत में अंगूरों कांपना बंद हो गया, और मुझे लगा कि कहीं उसके भीतर, वह राक्षस मर चुका है।
“वाह,” डायोनिसस ने अपना फ्रिज बंद करते हुए कहा। “मज़ेदार था।”
मैं भयभीत होकर उसे घूरने लगी। "तुम ऐसा कैसे कर सकते हो... तुमने ये कैसे किया—"
“कितनी कृतज्ञता है,” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “इंसान तो इससे उबर ही जाएंगे। अगर मैंने उनकी हालत स्थायी कर दी तो बहुत कुछ समझाना पड़ेगा। मुझे पिताजी को रिपोर्ट लिखना बिल्कुल पसंद नहीं।”

उसने थालिया को घृणा भरी निगाहों से देखा। "मुझे उम्मीद है कि तुमने सबक सीख लिया होगा, लड़की। सत्ता का विरोध करना आसान नहीं होता, है ना?"
थालिया शर्म से लाल हो गई, मानो उसे शर्म आ रही हो।
“मिस्टर डी,” ग्रोवर ने आश्चर्य से कहा। “आपने...आपने हमें बचा लिया।”
"हम्म। मुझे पछतावा मत दिलाओ, कामुक जीव। अब जाओ, पर्सी जैक्सन। मैंने तुम्हें ज़्यादा से ज़्यादा कुछ घंटों का समय दिया है।"
मैंने कहा, "ओफियोटॉरस। क्या आप इसे शिविर तक ला सकते हैं?"
श्री डी ने नाक सिकोड़ी। “मैं पशुधन का परिवहन नहीं करता। यह आपकी समस्या है।”
लेकिन हम कहाँ जाएँगे?
डायोनिसस ने ज़ोई की ओर देखा। “ओह, मुझे लगता है शिकारी को पता है। तुम्हें आज सूर्यास्त के समय प्रवेश करना होगा, वरना सब कुछ नष्ट हो जाएगा। अब अलविदा। मेरा पिज़्ज़ा इंतज़ार कर रहा है।”
“श्रीमान डी,” मैंने कहा।
उसने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं।
मैंने कहा, "आपने मुझे मेरे सही नाम से पुकारा। आपने मुझे पर्सी जैक्सन कहा।"
“मैंने ऐसा बिल्कुल नहीं किया, पीटर जॉनसन। अब यहाँ से चले जाओ!”
उसने अपना हाथ हिलाया और उसकी छवि धुंध में गायब हो गई।
हमारे चारों ओर, मैन्टिकोर के गुर्गे अभी भी पूरी तरह से पागलपन भरी हरकतें कर रहे थे। उनमें से एक ने हमारे बेघर दोस्त को ढूंढ लिया था, और वे मंगल ग्रह से आए धातु के देवदूतों के बारे में गंभीर बातचीत कर रहे थे। कई अन्य गार्ड पर्यटकों को परेशान कर रहे थे, जानवरों जैसी आवाजें निकाल रहे थे और उनके जूते चुराने की कोशिश कर रहे थे।
मैंने ज़ोई की तरफ देखा। "उसका मतलब क्या था... 'तुम्हें पता है कहाँ जाना है'?"
उसका चेहरा कोहरे के रंग का था। उसने खाड़ी के उस पार, गोल्डन गेट के आगे इशारा किया। दूर, बादलों की परत के ऊपर एक अकेला पहाड़ उठा हुआ दिखाई दे रहा था।
“मेरी बहनों का बगीचा,” उसने कहा। “मुझे घर जाना होगा।”

सोलह

हम शाश्वत दुर्गंधयुक्त श्वास के अजगर से मिलते हैं

ज़ोई ने कहा, "हम कभी नहीं पहुँच पाएँगे। हम बहुत धीरे चल रहे हैं। लेकिन हम ओफ़ियोटॉरस को नहीं छोड़ सकते।"

“मूं,” बेसी ने कहा। हम तट के किनारे दौड़ते हुए मेरे बगल में तैरने लगे। हम शॉपिंग सेंटर के घाट को बहुत पीछे छोड़ चुके थे। हम गोल्डन गेट ब्रिज की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन यह मेरी सोच से कहीं ज़्यादा दूर था। सूरज पश्चिम में डूब रहा था।

मैंने कहा, "मुझे समझ नहीं आ रहा। हमें सूर्यास्त के समय ही वहाँ क्यों पहुँचना है?"

ज़ोई ने कहा, "हेस्पेराइड्स सूर्यास्त की अप्सराएँ हैं। हम उनके बगीचे में तभी प्रवेश कर सकते हैं जब दिन ढलकर रात में बदल जाता है।"

"अगर हम इसे चूक गए तो क्या होगा?"

“कल शीतकालीन संक्रांति है। अगर हम आज शाम सूर्यास्त देखने से चूक गए, तो हमें कल शाम तक इंतजार करना पड़ेगा। और तब तक ओलंपियन परिषद का सत्र समाप्त हो चुका होगा। हमें आज रात ही देवी आर्टेमिस को मुक्त करना होगा।”

या फिर एनाबेथ मर जाएगी, मैंने सोचा, लेकिन मैंने यह बात कही नहीं।

“हमें एक कार चाहिए,” थालिया ने कहा।

“लेकिन बेसी का क्या होगा?” मैंने पूछा।

ग्रोवर अचानक रुक गया। "मुझे एक विचार आया! ओफियोटॉरस अलग-अलग जल निकायों में दिखाई दे सकता है, है ना?"

“हाँ, बिल्कुल,” मैंने कहा। “मतलब, वह लॉन्ग आइलैंड साउंड में था। फिर अचानक हूवर डैम के पास पानी में आ गया। और अब वह यहाँ है।”

ग्रोवर ने कहा, "तो शायद हम उसे लॉन्ग आइलैंड साउंड वापस लाने के लिए मना सकें। फिर चिरोन हमें उसे ओलंपस तक पहुंचाने में मदद कर सकता है।"

मैंने कहा, "लेकिन वह मेरा पीछा कर रहा था। अगर मैं वहां नहीं होती, तो क्या उसे पता होता कि वह कहां जा रहा है?"

“मूं,” बेसी ने उदास स्वर में कहा।

“मैं...मैं उसे दिखा सकता हूँ,” ग्रोवर ने कहा। “मैं उसके साथ चलूँगा।”

मैंने उसे घूर कर देखा। ग्रोवर को पानी बिल्कुल पसंद नहीं था। पिछली गर्मियों में वह 'सी ऑफ मॉन्स्टर्स' में लगभग डूब ही गया था, और अपने बकरी जैसे खुरों के कारण वह ठीक से तैर भी नहीं पाता था।
ग्रोवर ने कहा, "मैं ही एकमात्र व्यक्ति हूं जो उससे बात कर सकता हूं। यह बात समझ में आती है।"
वह नीचे झुका और बेसी के कान में कुछ कहा। बेसी कांप उठी, फिर उसने संतुष्टि भरी, धीमी आवाज़ निकाली।
“जंगल का आशीर्वाद,” ग्रोवर ने कहा। “इससे सुरक्षित यात्रा में मदद मिलेगी। पर्सी, तुम भी अपने पिता से प्रार्थना करो। देखो कि क्या वे हमें समुद्र पार करने की सुरक्षित यात्रा प्रदान करेंगे।”
मुझे समझ नहीं आया कि वे कैलिफोर्निया से लॉन्ग आइलैंड तक तैरकर कैसे वापस आ सकते थे। वैसे भी, राक्षस इंसानों की तरह यात्रा नहीं करते। मैंने इसके कई सबूत देखे थे।
मैंने लहरों पर, समुद्र की गंध पर और ज्वार की आवाज़ पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की।
“पिताजी,” मैंने कहा। “हमारी मदद कीजिए। ओफियोटॉरस और ग्रोवर को सुरक्षित शिविर तक पहुंचाइए। समुद्र में उनकी रक्षा कीजिए।”
“ऐसी प्रार्थना के लिए बलिदान की आवश्यकता होती है,” थालिया ने कहा। “कुछ बड़ा बलिदान।”
मैंने एक पल सोचा। फिर मैंने अपना कोट उतार दिया।
“पर्सी,” ग्रोवर ने कहा। “क्या तुम सच में आश्वस्त हो? वह शेर की खाल... वह तो वाकई बहुत काम की है। हरक्यूलिस ने भी उसका इस्तेमाल किया था!”
जैसे ही उसने यह कहा, मुझे कुछ एहसास हुआ।
मैंने ज़ोई की तरफ देखा, जो मुझे ध्यान से देख रही थी। मुझे एहसास हुआ कि मैं जानती थी कि ज़ोई का हीरो कौन था—वही जिसने उसकी ज़िंदगी बर्बाद कर दी, उसे उसके परिवार से बेदखल करवा दिया, और कभी ज़िक्र तक नहीं किया कि उसने उसकी मदद कैसे की थी: हरक्यूलिस, एक ऐसा हीरो जिसकी मैं जीवन भर प्रशंसा करती रही।
मैंने कहा, "अगर मुझे जीवित रहना है, तो यह शेर की खाल के लबादे की वजह से नहीं होगा। मैं हरक्यूलिस नहीं हूँ।"
मैंने कोट को खाड़ी में फेंक दिया। वह वापस सुनहरी शेर की खाल में बदल गया और प्रकाश में चमकने लगा। फिर, जैसे ही वह लहरों के नीचे डूबने लगा, ऐसा लगा मानो वह पानी पर सूर्य की रोशनी में घुल रहा हो। समुद्री हवा तेज हो गई।
ग्रोवर ने गहरी सांस ली। "खैर, अब समय बर्बाद करने का कोई समय नहीं है।"
वह पानी में कूद गया और तुरंत डूबने लगा। बेसी उसके बगल में तैरती हुई आई और ग्रोवर को उसकी गर्दन पकड़ने दी।
मैंने उनसे कहा, "सावधान रहना।"

“हम जाएंगे,” ग्रोवर ने कहा। “ठीक है, उम... बेसी? हम लॉन्ग आइलैंड जा रहे हैं। यह पूर्व दिशा में है। उस तरफ।”
“मूं?” बेसी ने कहा।
“हां,” ग्रोवर ने जवाब दिया। “लॉन्ग आइलैंड। यह एक द्वीप है। और...यह लंबा है। चलो शुरू करते हैं।”
“मूं!”
बेसी अचानक आगे की ओर झुक गई। वह डूबने लगा और ग्रोवर बोला, "मैं पानी के अंदर सांस नहीं ले सकता! बस सोचा बता दूं—" धड़ाम!
वे पानी के नीचे चले गए, और मुझे उम्मीद थी कि मेरे पिता का संरक्षण छोटी-छोटी चीजों तक भी पहुंचेगा, जैसे कि सांस लेना।
“अच्छा, एक समस्या तो हल हो गई,” ज़ोई ने कहा। “लेकिन हम मेरी बहनों के बगीचे तक कैसे पहुँचेंगे?”
मैंने कहा, "थालिया सही कह रही है। हमें एक कार चाहिए। लेकिन यहाँ हमारी मदद करने वाला कोई नहीं है। जब तक कि हम किसी से कार उधार न ले लें।"
मुझे वह विकल्प पसंद नहीं आया। मेरा मतलब है, बेशक यह जीवन-मरण का मामला था, लेकिन फिर भी, यह चोरी थी, और इससे हम पर सबकी नज़र पड़ना तय था।
“रुको,” थालिया ने कहा। उसने अपने बैग में सामान खोजना शुरू किया। “सैन फ्रांसिस्को में कोई है जो हमारी मदद कर सकता है। पता मेरे पास यहीं कहीं है।”
मैंने पूछा, "कौन?"
थालिया ने नोटबुक का एक मुड़ा हुआ पन्ना निकाला और उसे ऊपर उठाया। "प्रोफेसर चेज़। एनाबेथ के पिता।"

एनाबेथ को दो साल से अपने पिता के बारे में शिकायत करते सुनने के बाद, मुझे लगा था कि उसके शैतानी सींग और नुकीले दांत होंगे। लेकिन मैंने यह उम्मीद नहीं की थी कि वह पुराने ज़माने की एविएटर टोपी और चश्मा पहने होगा। चश्मे से उसकी आंखें बाहर निकली हुई इतनी अजीब लग रही थीं कि हम सब बरामदे में एक कदम पीछे हट गए।
“हैलो,” उसने दोस्ताना लहजे में कहा। “क्या आप मेरे हवाई जहाज पहुंचा रहे हैं?”
थालिया, ज़ोई और मैंने एक-दूसरे को संदेह भरी नजरों से देखा।
“उम, नहीं, महोदय,” मैंने कहा।
“धत् तेरे की,” उसने कहा। “मुझे तीन और सोपविथ कैमल की ज़रूरत है।”
“ठीक है,” मैंने कहा, हालाँकि मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कह रहा है। “हम एनाबेथ के दोस्त हैं।”

“एनाबेथ?” वह ऐसे सीधा हो गया जैसे मैंने उसे बिजली का झटका दिया हो। “क्या वह ठीक है? क्या कुछ हुआ है?”
हममें से किसी ने जवाब नहीं दिया, लेकिन हमारे चेहरों से उसे ज़रूर पता चल गया होगा कि कुछ बहुत गड़बड़ है। उसने अपनी टोपी और चश्मा उतार दिया। उसके बाल एनाबेथ की तरह सुनहरे थे और उसकी आँखें गहरी भूरी थीं। मुझे लगता है कि एक उम्रदराज व्यक्ति के हिसाब से वह आकर्षक था, लेकिन ऐसा लग रहा था कि उसने कुछ दिनों से दाढ़ी नहीं बनाई थी, और उसकी कमीज़ के बटन ठीक से बंद नहीं थे, इसलिए कॉलर का एक हिस्सा दूसरे हिस्से से ऊपर उठा हुआ था।
“तुम्हें अंदर आना चाहिए,” उसने कहा।

यह घर देखकर ऐसा नहीं लग रहा था कि वे अभी-अभी यहाँ आए हैं। सीढ़ियों पर लेगो रोबोट रखे थे और लिविंग रूम में सोफे पर दो बिल्लियाँ सो रही थीं। कॉफी टेबल पत्रिकाओं से भरी पड़ी थी और फर्श पर एक छोटे बच्चे का सर्दियों का कोट फैला हुआ था। पूरे घर में ताज़ी बनी चॉकलेट-चिप कुकीज़ की खुशबू फैली हुई थी। रसोई से जैज़ संगीत की आवाज़ आ रही थी। यह एक अव्यवस्थित, खुशहाल घर जैसा लग रहा था—ऐसा घर जहाँ सदियों से लोग रहते आए हों।
“पापा!” एक छोटा लड़का चिल्लाया। “वह मेरे रोबोटों को तोड़ रहे हैं!”
डॉ. चेज़ ने बेसुध होकर कहा, "बॉबी, अपने भाई के रोबोटों को मत तोड़ो।"
“मैं बॉबी हूँ,” छोटे लड़के ने विरोध किया। “वह मैथ्यू है!”
डॉ. चेज़ ने पुकारा, "मैथ्यू, अपने भाई के रोबोटों को मत तोड़ो!"
ठीक है, पिताजी!
डॉ. चेज़ हमारी ओर मुड़े। “हम ऊपर मेरे अध्ययन कक्ष में चलते हैं। इस तरफ।”
“हनी?” एक महिला ने पुकारा। एनाबेथ की सौतेली माँ बैठक में आई और एक तौलिये से अपने हाथ पोंछने लगी। वह लाल रंग से हाइलाइट किए बालों वाली एक खूबसूरत एशियाई महिला थी, जिसके बाल जूड़े में बंधे थे।
“हमारे मेहमान कौन हैं?” उसने पूछा।
“ओह,” डॉ. चेज़ ने कहा। “यह तो...”
उसने हमें खाली निगाहों से देखा।
“फ्रेडरिक,” उसने डांटते हुए कहा। “तुम उनसे उनके नाम पूछना भूल गए?”
हमने थोड़ा झिझकते हुए अपना परिचय दिया, लेकिन श्रीमती चेज़ बहुत ही मिलनसार लगीं। उन्होंने पूछा कि क्या हमें भूख लगी है। हमने हाँ में हाँ कहा, और उन्होंने कहा कि वह हमारे लिए बिस्कुट, सैंडविच और सोडा लाएंगी।
“प्रिय,” डॉ. चेज़ ने कहा। “वे एनाबेथ के बारे में जानने आए थे।”

मुझे लगभग यही उम्मीद थी कि अपनी सौतेली बेटी का नाम सुनते ही श्रीमती चेज़ पागलों जैसी हरकतें करने लगेंगी, लेकिन उन्होंने बस अपने होंठ सिकोड़े और चिंता भरी नज़र से देखा। “ठीक है। आप ऊपर अध्ययन कक्ष में जाइए, मैं आपके लिए कुछ खाना लाती हूँ।” उन्होंने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए कहा, “आपसे मिलकर अच्छा लगा, पर्सी। मैंने आपके बारे में बहुत कुछ सुना है।”

ऊपर जाकर हम डॉ. चेज़ के अध्ययन कक्ष में दाखिल हुए और मैंने कहा, "वाह!"
कमरा पूरी तरह किताबों से भरा हुआ था, लेकिन सबसे ज़्यादा ध्यान युद्ध के खिलौनों पर गया। एक बड़ी सी मेज पर छोटे-छोटे टैंक और सैनिक नीले रंग से रंगी नदी के किनारे लड़ते हुए दिखाए गए थे, साथ में पहाड़ियाँ, नकली पेड़ और ऐसी ही चीज़ें थीं। छत से रस्सियों के सहारे पुराने ज़माने के बाइप्लेन लटके हुए थे, जो अजीबोगरीब कोणों पर झुके हुए थे, मानो हवाई लड़ाई के बीच में हों।
डॉ. चेज़ मुस्कुराए। “जी हाँ। यप्रेस की तीसरी लड़ाई। दरअसल, मैं सोपविथ कैमल विमानों द्वारा दुश्मन की सेना पर हमले करने के विषय पर एक शोधपत्र लिख रहा हूँ। मेरा मानना है कि उन्होंने जितना श्रेय दिया गया है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।”
उसने एक बाइप्लेन को उसकी रस्सी से अलग किया और उसे युद्ध के मैदान में तेजी से दौड़ाया, जिससे हवाई जहाज के इंजन की आवाजें निकलती हुई उसने छोटे-छोटे जर्मन सैनिकों को मार गिराया।
“ओह, हाँ,” मैंने कहा। मुझे पता था कि एनाबेथ के पिताजी सैन्य इतिहास के प्रोफेसर थे। उसने कभी ज़िक्र नहीं किया था कि वे खिलौने वाले सैनिकों से खेलते थे।
ज़ोई पास आई और युद्धक्षेत्र का जायज़ा लिया। "जर्मन सेना की पंक्तियाँ नदी से दूर थीं।"
डॉ. चेज़ ने उसे घूरकर देखा। "तुम्हें यह कैसे पता चला?"
“मैं वहाँ थी,” उसने सहज भाव से कहा। “आर्टेमिस हमें दिखाना चाहती थी कि युद्ध कितना भयानक होता है, जिस तरह नश्वर मनुष्य एक-दूसरे से लड़ते हैं। और कितना मूर्खतापूर्ण भी। वह लड़ाई पूरी तरह व्यर्थ थी।”
डॉ. चेज़ सदमे से अपना मुंह खोल बैठे। "तुम—"
“वह एक हंटर है, श्रीमान,” थैलिया ने कहा। “लेकिन हम यहाँ इसलिए नहीं आए हैं। हमें ज़रूरत है—”
“क्या आपने सोपविथ कैमल्स देखे थे?” डॉ. चेज़ ने पूछा। “कितने थे? वे किस तरह की फॉर्मेशन में उड़ते थे?”
“सर,” थैलिया ने फिर बीच में कहा। “एनाबेथ खतरे में है।”
इससे उसका ध्यान आकर्षित हुआ। उसने बाइप्लेन को नीचे उतारा।
“बेशक,” उसने कहा। “मुझे सब कुछ बताओ।”
यह आसान नहीं था, लेकिन हमने कोशिश की। इसी बीच, बाहर दोपहर की रोशनी फीकी पड़ने लगी थी। हमारे पास समय कम होता जा रहा था।
जब हमारा काम खत्म हो गया, तो डॉ. चेज़ अपने चमड़े के रिक्लाइनर पर गिर पड़े। उन्होंने अपने हाथों को आपस में फंसा लिया। "मेरी प्यारी बहादुर एनाबेथ। हमें जल्दी करनी चाहिए।"

“सर, हमें माउंट तामलपैस जाने के लिए परिवहन की आवश्यकता है,” ज़ोई ने कहा। “और हमें इसकी तुरंत आवश्यकता है।”
मैं तुम्हें ले चलूँगा। हम्म, मेरी कैमल कार में उड़ना ज़्यादा तेज़ होगा, लेकिन उसमें सिर्फ़ दो ही लोग बैठ सकते हैं।
“वाह, आपके पास सचमुच का बाइप्लेन है?” मैंने कहा।
“क्रिसि फील्ड में,” डॉ. चेज़ ने गर्व से कहा। “यही कारण है कि मुझे यहाँ आना पड़ा। मेरे प्रायोजक एक निजी संग्राहक हैं जिनके पास प्रथम विश्व युद्ध की दुनिया की कुछ बेहतरीन कलाकृतियाँ हैं। उन्होंने मुझे सोपविथ कैमल को पुनर्स्थापित करने की अनुमति दी—”
“सर,” थालिया ने कहा। “बस एक कार मिल जाए तो बहुत अच्छा होगा। और शायद आपके बिना जाना ही बेहतर होगा। यह बहुत खतरनाक है।”
डॉ. चेज़ असहज होकर भौंहें चढ़ा लीं। "ज़रा रुकिए, युवती। एनाबेथ मेरी बेटी है। चाहे वह खतरनाक हो या नहीं, मैं... मैं यूँ ही नहीं कर सकता—"
“नाश्ता!” श्रीमती चेज़ ने घोषणा की। वह मूंगफली के मक्खन और जेली सैंडविच, कोक और ओवन से निकली ताज़ी कुकीज़ से भरी ट्रे लेकर दरवाज़े से अंदर आईं, जिन पर चॉकलेट चिप्स अभी भी पिघले हुए थे। थैलिया और मैंने कुछ कुकीज़ झटपट खा लीं, जबकि ज़ोई ने कहा, “मैं गाड़ी चला सकती हूँ, सर। मैं जितनी जवान दिखती हूँ उतनी जवान नहीं हूँ। मैं वादा करती हूँ कि आपकी कार को नुकसान नहीं पहुँचाऊँगी।”
श्रीमती चेज़ ने अपनी भौंहें सिकोड़ीं। "यह सब किस बारे में है?"
“एनाबेथ खतरे में है,” डॉ. चेज़ ने कहा। “माउंट टैम पर। मैं उन्हें गाड़ी से ले जाता, लेकिन... ज़ाहिर है, यह इंसानों के रहने की जगह नहीं है।”
ऐसा लग रहा था कि आखिरी हिस्सा बोलना उनके लिए वाकई बहुत मुश्किल था।
मैंने श्रीमती चेज़ के मना करने का इंतज़ार किया। मेरा मतलब है, भला कौन सा माता-पिता तीन नाबालिग किशोरों को अपनी कार उधार लेने देगा? मुझे आश्चर्य हुआ जब श्रीमती चेज़ ने सिर हिलाकर हाँ कह दी। "तो फिर उन्हें अब जाना चाहिए।"
“ठीक है!” डॉ. चेज़ उछल पड़े और अपनी जेबें टटोलने लगे। “मेरी चाबियाँ...”
उसकी पत्नी ने आह भरी। “फ्रेडरिक, सच में। अगर तुम्हारा सिर तुम्हारी एविएटर टोपी के अंदर न होता तो तुम अपना सिर खो बैठते। चाबियाँ सामने वाले दरवाजे के पास खूंटी पर टंगी हैं।”
“बिल्कुल!” डॉ. चेज़ ने कहा।
ज़ोई ने एक सैंडविच उठाया। "आप दोनों का धन्यवाद। हमें अब चलना चाहिए।"
हम जल्दी से दरवाजे से बाहर निकले और सीढ़ियों से नीचे उतरे, चेज़ परिवार हमारे ठीक पीछे था।
जब मैं जा रहा था, श्रीमती चेज़ ने मुझे पुकारा, "पर्सी, एनाबेथ को बताना... उसे बताना कि उसका घर अभी भी यहाँ है, ठीक है? उसे यह याद दिला देना।"

मैंने अस्त-व्यस्त बैठक कक्ष पर आखिरी नजर डाली, एनाबेथ के सौतेले भाई लेगो बिखेर रहे थे और आपस में झगड़ रहे थे, और कुकीज़ की खुशबू हवा में फैली हुई थी। मैंने सोचा, यह कोई बुरी जगह नहीं है।
मैंने वादा किया, "मैं उसे बता दूंगी।"
हम दौड़कर ड्राइववे में खड़ी पीली वीडब्ल्यू कन्वर्टिबल कार के पास गए। सूरज डूब रहा था। मुझे लगा कि हमारे पास एनाबेथ को बचाने के लिए एक घंटे से भी कम समय है।

"क्या यह और तेज़ नहीं चल सकता?" थालिया ने पूछा।
ज़ोई ने उसे घूरकर देखा। "मैं यातायात को नियंत्रित नहीं कर सकती।"
मैंने कहा, "आप दोनों की आवाज मेरी मां जैसी लगती है।"
“चुप रहो!” उन्होंने एक साथ कहा।
ज़ोई गोल्डन गेट ब्रिज पर गाड़ियों के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ रही थी। जब हम आखिरकार मारिन काउंटी में पहुँचे और हाईवे से उतरे, तब तक क्षितिज पर सूरज डूब रहा था।
सड़कें बेहद संकरी थीं, जंगलों से होकर, पहाड़ियों की ढलानों पर और गहरी खाइयों के किनारों से घूमती हुई जा रही थीं। ज़ोई ने ज़रा भी गति धीमी नहीं की।
मैंने पूछा, "हर चीज़ से खांसी की दवा जैसी गंध क्यों आ रही है?"
“यूकेलिप्टस।” ज़ोई ने हमारे चारों ओर मौजूद विशाल पेड़ों की ओर इशारा किया।
“कोआला भालू जो खाते हैं?”
“और राक्षस भी,” उसने कहा। “उन्हें पत्तियां चबाना बहुत पसंद है। खासकर अजगरों को।”
“क्या ड्रैगन यूकेलिप्टस के पत्ते चबाते हैं?”
"मेरी बात मानो," ज़ोई ने कहा, "अगर तुम्हारे मुंह से अजगर की बदबू आती, तो तुम भी नीलगिरी चबाते।"
मैंने उससे कोई सवाल नहीं किया, लेकिन गाड़ी चलाते समय मैंने अपनी नज़रें और भी ज़्यादा चौकस कर लीं। हमारे सामने माउंट तामलपैस दिखाई दे रहा था। पहाड़ों के लिहाज़ से देखा जाए तो यह छोटा ही था, लेकिन गाड़ी चलाते हुए जब हम उसकी तरफ बढ़ रहे थे तो यह बहुत विशाल लग रहा था।
“तो क्या यही है निराशा का पहाड़?” मैंने पूछा।
“हां,” ज़ोई ने कड़े स्वर में कहा।
“इसे ऐसा क्यों कहते हैं?”
लगभग एक मील तक चुप रहने के बाद उसने जवाब दिया, “टाइटन और देवताओं के बीच युद्ध के बाद, कई टाइटनों को दंडित करके कैद कर लिया गया। क्रोनोस के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए और उसे टारटेरस में फेंक दिया गया। क्रोनोस का दाहिना हाथ, उसकी सेना का सेनापति, वहीं शिखर पर, हेस्पेराइड्स के बगीचे के ठीक आगे, कैद कर लिया गया था।”

“जनरल,” मैंने कहा। ऐसा लग रहा था मानो बादल उसकी चोटी के चारों ओर घूम रहे हों, जैसे पहाड़ उन्हें अपनी ओर खींच रहा हो, उन्हें लट्टू की तरह घुमा रहा हो। “ऊपर क्या हो रहा है? तूफान?”
ज़ोई ने कोई जवाब नहीं दिया। मुझे ऐसा लगा कि वह बादलों का मतलब अच्छी तरह जानती थी, और उसे यह पसंद नहीं आया।
थालिया ने कहा, "हमें ध्यान केंद्रित करना होगा। यहां कोहरा बहुत घना है।"
“जादुई किस्म की या प्राकृतिक किस्म की?” मैंने पूछा।
"दोनों।"
पहाड़ के ऊपर धूसर बादल और भी घने होकर मंडरा रहे थे, और हम सीधे उनकी ओर बढ़ते रहे। अब हम जंगल से बाहर निकलकर चट्टानों, घास, पत्थरों और कोहरे से भरे खुले मैदानों में आ चुके थे।
एक मनोरम मोड़ से गुजरते समय मेरी नजर अचानक समुद्र पर पड़ी और मैंने कुछ ऐसा देखा जिससे मैं अपनी सीट से उछल पड़ा।
“देखो!” लेकिन हम एक मोड़ पर मुड़े और समुद्र पहाड़ियों के पीछे गायब हो गया।
“क्या?” थालिया ने पूछा।
मैंने कहा, “एक बड़ा सफेद जहाज। समुद्र तट के पास खड़ा था। वह किसी क्रूज जहाज जैसा लग रहा था।”
उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। "ल्यूक का जहाज?"
मैं कहना चाहता था कि मुझे पक्का पता नहीं है। यह महज़ एक संयोग हो सकता है। लेकिन मुझे बेहतर पता था। ल्यूक का शैतानी जहाज़, प्रिंसेस एंड्रोमेडा, उसी समुद्र तट पर खड़ा था। इसीलिए उसने अपना जहाज़ पनामा नहर तक भेजा था। पूर्वी तट से कैलिफ़ोर्निया तक जाने का यही एकमात्र रास्ता था।
“तो फिर हमारे साथ कुछ और लोग भी होंगे,” ज़ोई ने गंभीर स्वर में कहा। “क्रोनोस की सेना।”
मैं जवाब देने ही वाला था कि अचानक मेरे रोंगटे खड़े हो गए। थैलिया चिल्लाई, “गाड़ी रोको। अभी!”
ज़ोई को ज़रूर कुछ गड़बड़ का एहसास हो गया था, क्योंकि उसने बिना सोचे-समझे ब्रेक लगा दिए। पीली वीडब्ल्यू कार दो बार घूमी और फिर चट्टान के किनारे पर आकर रुक गई।
“बाहर निकलो!” थैलिया ने दरवाजा खोला और मुझे ज़ोर से धक्का दिया। हम दोनों लुढ़कते हुए फुटपाथ पर गिर पड़े। अगले ही पल: धड़ाम!
बिजली चमकी और डॉ. चेज़ की फॉक्सवैगन पीले रंग के बम की तरह फट गई। थैलिया की ढाल मेरे ऊपर आ गई, इसलिए मैं छर्रों से मारा जा सकता था। मुझे धातु की बारिश जैसी आवाज़ सुनाई दी और जब मैंने आँखें खोलीं, तो हम मलबे से घिरे हुए थे। फॉक्सवैगन का एक हिस्सा सड़क पर धंस गया था। धुआँ निकलता हुआ बोनट गोल-गोल घूम रहा था। पीले धातु के टुकड़े सड़क पर बिखरे पड़े थे।
मैंने धुएं का स्वाद निगलते हुए अपने मुंह से बाहर निकाला और थालिया की तरफ देखा। "तुमने मेरी जान बचाई।"

“माता-पिता के हाथों ही तो मृत्यु होती है,” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “धिक्कार है उसे। क्या वो मुझे बर्बाद करना चाहता है? मुझे?”
मुझे यह समझने में एक पल लगा कि वह अपने पिता के बारे में बात कर रही थी। "अरे, यह तो ज़्यूस की बिजली नहीं हो सकती। बिलकुल नहीं।"
“तो फिर किसका?” थालिया ने पूछा।
मुझे नहीं पता। ज़ोई ने क्रोनोस का नाम लिया था। शायद वह—”
थालिया ने गुस्से और हैरानी से सिर हिलाया। "नहीं। ऐसा नहीं था।"
मैंने कहा, “रुको! ज़ोई कहाँ है? ज़ोई!”
हम दोनों उठे और उस क्षतिग्रस्त वीडब्ल्यू के चारों ओर दौड़े। अंदर कोई नहीं था। सड़क पर इधर-उधर भी कोई नहीं दिख रहा था। मैंने चट्टान की ओर देखा। उसका कोई निशान नहीं था।
“ज़ोई!” मैंने चिल्लाकर कहा।
फिर वह मेरे ठीक बगल में खड़ी हो गई और मेरा हाथ पकड़कर मुझे खींचने लगी। "चुप रहो, मूर्ख! क्या तुम लाडोन को जगाना चाहते हो?"
"क्या मतलब, हम यहाँ हैं?"
“बिल्कुल पास,” उसने कहा। “मेरे पीछे आओ।”
सड़क के ठीक ऊपर कोहरे की चादर छाई हुई थी। ज़ोई उनमें से एक में चली गई, और जब कोहरा छटा, तो वह वहाँ नहीं थी। थैलिया और मैंने एक-दूसरे को देखा।
“ज़ोई पर ध्यान केंद्रित करो,” थालिया ने सलाह दी। “हम उसका पीछा कर रहे हैं। सीधे कोहरे में जाओ और इस बात को ध्यान में रखो।”
“रुको, थैलिया। घाट पर जो कुछ हुआ था उसके बारे में... मेरा मतलब है, मैन्टिकोर और बलिदान के बारे में —”
"मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता।"
"तुम्हारे पास असल में ऐसा नहीं होता... तुम्हें पता है ना?"
वह हिचकिचाई। “मैं बस हैरान रह गई थी। बस इतना ही।”
“ज़्यूस ने उस कार पर बिजली नहीं मारी थी। यह क्रोनोस था। वह तुम्हें बहकाने की कोशिश कर रहा है, तुम्हें अपने पिता पर गुस्सा दिलाने की कोशिश कर रहा है।”
उसने गहरी सांस ली। “पर्सी, मुझे पता है तुम मुझे तसल्ली देने की कोशिश कर रहे हो। शुक्रिया। लेकिन चलो। हमें चलना होगा।”
वह कोहरे में, धुंध में चली गई, और मैं उसके पीछे-पीछे गया।
जब कोहरा छटा, तो मैं अब भी पहाड़ की ढलान पर ही था, लेकिन सड़क कच्ची थी। घास घनी थी। सूर्यास्त ने समुद्र पर खून जैसी लाल लकीर बना दी थी। पहाड़ की चोटी अब और करीब लग रही थी, तूफ़ानी बादलों

और अपार शक्ति से घिरी हुई। चोटी तक जाने का केवल एक ही रास्ता था, जो सीधे हमारे सामने था। और वह छाया और फूलों से भरे हरे-भरे मैदान से होकर गुजरता था: गोधूलि का बगीचा, बिल्कुल वैसा ही जैसा मैंने अपने सपने में देखा था।

अगर वह विशालकाय अजगर न होता, तो यह बगीचा मेरे द्वारा देखी गई सबसे खूबसूरत जगह होती। घास शाम की सुनहरी रोशनी में जगमगा रही थी, और फूल इतने चमकीले रंगों के थे कि वे अंधेरे में भी लगभग चमक रहे थे। पॉलिश किए हुए काले संगमरमर के पत्थर पाँच मंज़िला ऊँचे सेब के पेड़ के दोनों ओर बने हुए थे, जिसकी हर शाखा सुनहरे सेबों से जगमगा रही थी, और मेरा मतलब किराने की दुकान में मिलने वाले पीले सुनहरे सेबों से नहीं है। मेरा मतलब सचमुच के सुनहरे सेबों से है। मैं यह नहीं बता सकती कि वे इतने आकर्षक क्यों थे, लेकिन जैसे ही मैंने उनकी सुगंध सूँघी, मुझे पता चल गया कि एक निवाला मेरे द्वारा चखे गए सबसे स्वादिष्ट सेबों में से एक होगा।
“अमरता के सेब,” थालिया ने कहा। “हेरा को ज़्यूस द्वारा शादी में दिया गया उपहार।”
मैं तुरंत आगे बढ़कर एक फल तोड़ना चाहता था, लेकिन पेड़ के चारों ओर लिपटे हुए अजगर ने मुझे रोक दिया।
अब, मुझे नहीं पता कि जब मैं ड्रैगन कहता हूँ तो आपके मन में क्या आता है। जो भी हो, यह उतना डरावना नहीं है। साँप का शरीर बूस्टर रॉकेट जितना मोटा था, तांबे जैसी चमकती हुई खालों से भरा हुआ। उसके इतने सिर थे कि मैं गिन भी नहीं सकता था, मानो सौ घातक अजगर आपस में जुड़ गए हों। वह सो रहा था। उसके सिर घास पर स्पैगेटी के ढेर की तरह मुड़े हुए पड़े थे, सभी आँखें बंद थीं।
फिर हमारे सामने की परछाइयाँ हिलने लगीं। एक सुंदर, रहस्यमयी गायन सुनाई दिया, मानो किसी कुएँ की गहराई से आवाज़ें आ रही हों। मैंने रिपटाइड को पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन ज़ोई ने मेरा हाथ रोक दिया।
चार आकृतियाँ अचानक प्रकट हुईं, चार युवतियाँ जो ज़ोई जैसी दिखती थीं। सभी ने सफेद ग्रीक चोगा पहना हुआ था। उनकी त्वचा कैरेमल जैसी थी। रेशमी काले बाल उनके कंधों पर बिखरे हुए थे। यह अजीब था, लेकिन मुझे कभी एहसास नहीं हुआ था कि ज़ोई कितनी खूबसूरत थी, जब तक मैंने उसकी बहनों, हेस्पेराइड्स को नहीं देखा। वे बिल्कुल ज़ोई जैसी दिखती थीं—खूबसूरत, और शायद बहुत खतरनाक।
“बहनें,” ज़ोई ने कहा।
“हमें कोई बहन नज़र नहीं आ रही,” लड़कियों में से एक ने ठंडे स्वर में कहा। “हमें दो आधे-खून और एक शिकारी नज़र आ रहे हैं। ये सभी जल्द ही मर जाएंगे।”
“तुम गलत समझ रहे हो।” मैं आगे बढ़ा। “कोई मरने वाला नहीं है।”
लड़कियों ने मुझे गौर से देखा। उनकी आंखें ज्वालामुखी की चट्टान जैसी थीं, चमकदार और पूरी तरह से काली।

उनमें से एक ने कहा, "पर्सियस जैक्सन।"
“हाँ,” दूसरे ने सोचा। “मुझे नहीं लगता कि वह कोई खतरा है।”
"किसने कहा कि मैं खतरा हूँ?"
पहली हेस्पेरिड ने पीछे मुड़कर पहाड़ की चोटी की ओर देखा। “वे तुमसे डरते हैं। वे दुखी हैं कि मैंने अभी तक तुम्हें मारा नहीं है।”
उसने थालिया की ओर इशारा किया।
"कभी-कभी मन करता है," थालिया ने स्वीकार किया। "लेकिन नहीं, धन्यवाद। वह मेरा दोस्त है।"
“ज़्यूस की बेटी, यहाँ कोई दोस्त नहीं है,” लड़की ने कहा। “सिर्फ़ दुश्मन हैं। वापस जाओ।”
"एनाबेथ के बिना नहीं," थालिया ने कहा।
“और आर्टेमिस,” ज़ोई ने कहा। “हमें पहाड़ की ओर बढ़ना होगा।”
“तुम जानती हो कि वह तुम्हें मार डालेगा,” लड़की ने कहा। “तुम उसका मुकाबला नहीं कर सकती।”
“आर्टेमिस को मुक्त करना होगा,” ज़ोई ने ज़ोर देकर कहा। “हमें जाने दो।”
लड़की ने सिर हिलाया। “अब यहाँ तुम्हारा कोई अधिकार नहीं है। हमें बस अपनी आवाज़ बुलंद करनी है और लाडोन जाग जाएगा।”
"वह मुझे नुकसान नहीं पहुंचाएगा," ज़ोई ने कहा।
“नहीं? और तुम्हारे तथाकथित दोस्तों का क्या?”
फिर ज़ोई ने वो किया जिसकी मुझे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। उसने चिल्लाकर कहा, “लाडोन! जागो!”
अजगर हिल उठा, मानो सिक्कों के पहाड़ की तरह चमक रहा हो। हेस्पेराइड्स चीख पड़ीं और इधर-उधर भाग गईं। मुख्य लड़की ने ज़ोई से कहा, "क्या तुम पागल हो?"
“बहन, तुममें कभी हिम्मत नहीं थी,” ज़ोई ने कहा। “यही तुम्हारी समस्या है।”
अब ड्रैगन लाडोन छटपटा रहा था, उसके सौ सिर चारों ओर घूम रहे थे, जीभें फड़फड़ा रही थीं और हवा का स्वाद ले रही थीं। ज़ोई ने एक कदम आगे बढ़ाया, अपनी बाहें ऊपर उठाईं।
“ज़ोई, ऐसा मत करो,” थालिया ने कहा। “तुम अब हेस्पेरिड नहीं हो। वह तुम्हें मार डालेगा।”
ज़ोई ने कहा, “लाडोन को पेड़ की रक्षा करने का प्रशिक्षण दिया गया है। बगीचे के किनारों से होकर जाओ। पहाड़ पर चढ़ो। जब तक मैं उसके लिए बड़ा खतरा हूँ, तब तक वह तुम्हें नज़रअंदाज़ करेगा।”
मैंने कहा, "होना चाहिए।" "लेकिन यह बात तसल्ली देने वाली नहीं है।"
“यही एकमात्र तरीका है,” उसने कहा। “हम तीनों मिलकर भी उससे नहीं लड़ सकते।”
लाडोन ने अपने मुंह खोले। सौ सिरों की एक साथ फुफकार की आवाज़ से मेरी रीढ़ की हड्डी में सिहरन दौड़ गई, और यह सब उसकी सांसों के मुझ तक पहुंचने से पहले ही हुआ था। गंध तेजाब जैसी थी। इससे मेरी आंखों में जलन होने लगी, रोंगटे खड़े हो गए और बाल खड़े हो गए। मुझे वह समय याद आया जब गर्मियों के बीच में न्यूयॉर्क में हमारे अपार्टमेंट की दीवार के अंदर एक चूहा मर गया था। यह बदबू वैसी ही थी, बस सौ

गुना ज़्यादा तेज़, और चबाए हुए नीलगिरी की गंध से मिली हुई। मैंने उसी क्षण खुद से वादा किया कि मैं स्कूल की नर्स से कभी खांसी की गोली नहीं मांगूंगा।

मैं अपनी तलवार निकालना चाहता था। लेकिन तभी मुझे ज़ोई और हरक्यूलिस का सपना याद आया, और यह भी कि कैसे हरक्यूलिस आमने-सामने की लड़ाई में हार गया था। मैंने ज़ोई के फैसले पर भरोसा करने का निर्णय लिया।

थालिया बाईं ओर गई। मैं दाईं ओर गया। ज़ोई सीधे राक्षस की ओर चली गई।

“ये मैं हूँ, मेरी छोटी ड्रैगन,” ज़ोई ने कहा। “ज़ोई वापस आ गई है।”

लाडोन आगे बढ़ा, फिर पीछे हटा। कुछ के मुँह बंद हो गए। कुछ फुफकारते रहे। ड्रैगनों में अफरा-तफरी मच गई। इसी बीच, हेस्पेराइड्स झिलमिलाते हुए परछाइयों में बदल गए। सबसे बड़े की आवाज़ फुसफुसाई, "मूर्ख।"

“मैं तुम्हें अपने हाथों से खिलाती थी,” ज़ोई ने सुनहरे पेड़ की ओर बढ़ते हुए मधुर स्वर में कहा। “क्या तुम्हें अब भी भेड़ का मांस पसंद है?”

अजगर की आँखों में चमक आ गई।

थालिया और मैं बगीचे के लगभग आधे रास्ते पर थे। आगे, मुझे पहाड़ की काली चोटी की ओर जाती हुई एक पथरीली पगडंडी दिखाई दे रही थी। तूफान उसके ऊपर मंडरा रहा था, शिखर पर ऐसे घूम रहा था मानो वह पूरी दुनिया का केंद्र हो।

हम लगभग घास के मैदान से बाहर निकल ही रहे थे कि अचानक कुछ गड़बड़ हो गई। मुझे लगा जैसे अजगर का मिजाज बदल गया हो। शायद ज़ोई उसके बहुत करीब चली गई थी। शायद अजगर को भूख का एहसास हो गया था। कारण जो भी हो, उसने ज़ोई पर झपट्टा मारा।

दो हज़ार वर्षों के प्रशिक्षण ने उसे जीवित रखा। वह एक जोड़ी नुकीले दाँतों से बचती हुई दूसरी के नीचे से लुढ़कती हुई, अजगर के सिरों के बीच से रास्ता बनाते हुए हमारी ओर भागी, राक्षस की भयानक साँसों से उसका दम घुट रहा था।

मैंने मदद के लिए रिपटाइड का चित्र बनाया।

“नहीं!” ज़ोई हांफते हुए बोली। “भागो!”

अजगर ने उस पर झपट्टा मारा और ज़ोई चीख पड़ी। थैलिया ने एजिस को उजागर किया और अजगर फुफकारा। असमंजस के उस क्षण में, ज़ोई दौड़कर हमारे पास से गुज़रते हुए पहाड़ पर चढ़ गई और हम भी उसके पीछे-पीछे चले गए।

अजगर ने पीछा करने की कोशिश नहीं की। उसने फुफकारा और ज़मीन पर पैर पटके, लेकिन मुझे लगता है कि उसे उस पेड़ की रक्षा करने का अच्छा प्रशिक्षण मिला था। वह किसी भी लालच में नहीं आने वाला था, चाहे कुछ नायकों को खाने का लालच ही क्यों न हो।

हम पहाड़ पर चढ़ गए और हमारे पीछे छाया में हेस्पेराइड्स ने अपना गीत फिर से शुरू कर दिया। अब मुझे वह संगीत उतना सुंदर नहीं लग रहा था—बल्कि किसी अंतिम संस्कार के संगीत जैसा लग रहा था।

पहाड़ की चोटी पर खंडहर थे, काले ग्रेनाइट और संगमरमर के बड़े-बड़े टुकड़े जो घरों जितने विशाल थे। टूटे हुए स्तंभ। कांसे की मूर्तियाँ जो देखने में ऐसी लग रही थीं मानो आधी पिघल चुकी हों।
"माउंट ओथ्रिस के खंडहर," थालिया ने विस्मय से फुसफुसाते हुए कहा।
“हां,” ज़ोई ने कहा। “यह पहले यहां नहीं था। यह बुरी बात है।”
"माउंट ओथ्रिस क्या है?" मैंने हमेशा की तरह मूर्ख महसूस करते हुए पूछा।
“टाइटन का पर्वतीय किला,” ज़ोई ने कहा। “पहले युद्ध में, ओलंपस और ओथ्रिस दुनिया की दो प्रतिद्वंद्वी राजधानियाँ थीं। ओथ्रिस—” वह दर्द से कराह उठी और अपना पेट पकड़ लिया।
मैंने कहा, "तुम्हें चोट लगी है। मुझे देखने दो।"
“नहीं! ऐसा कुछ नहीं है। मैं कह रहा था... पहले युद्ध में, ओथ्रिस पूरी तरह से नष्ट हो गया था।”
लेकिन...यहाँ कैसा है?
जब हम मलबे, संगमरमर के टुकड़ों और टूटे हुए मेहराबों के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ रहे थे, तब थालिया ने सावधानी से चारों ओर देखा। “यह उसी तरह गति करता है जैसे ओलंपस गति करता है। यह हमेशा सभ्यता के किनारों पर विद्यमान रहता है। लेकिन इसका यहाँ, इस पहाड़ पर होना अच्छा संकेत नहीं है।”
"क्यों?"
“यह एटलस का पर्वत है,” ज़ोई ने कहा। “जहाँ वह थामे रहता था—” वह रुक गई। उसकी आवाज़ निराशा से भर गई थी। “जहाँ वह आकाश को थामे रहता था।”
हम शिखर पर पहुँच चुके थे। हमसे कुछ ही गज आगे, धूसर बादल एक घने भंवर में घूम रहे थे, जिससे एक फ़नलनुमा बादल बन रहा था जो लगभग पर्वत की चोटी को छू रहा था, लेकिन इसके बजाय वह भूरे बालों और फटी हुई चांदी जैसी पोशाक पहने बारह वर्षीय लड़की के कंधों पर टिका हुआ था: आर्टेमिस, जिसके पैर दिव्य कांसे की जंजीरों से चट्टान से बंधे हुए थे। यही मैंने अपने सपने में देखा था। यह कोई गुफा की छत नहीं थी जिसे आर्टेमिस को पकड़ने के लिए मजबूर किया गया था। यह दुनिया की छत थी।
“मेरी देवी!” ज़ोई आगे बढ़ी, लेकिन आर्टेमिस ने कहा, “रुको! यह एक जाल है। तुम्हें अभी यहाँ से निकलना होगा।”
उसकी आवाज में तनाव था। वह पसीने से भीगी हुई थी। मैंने पहले कभी किसी देवी को पीड़ा में नहीं देखा था, लेकिन आकाश का भार स्पष्ट रूप से आर्टेमिस के लिए असहनीय था।
ज़ोई रो रही थी। आर्टेमिस के विरोध के बावजूद वह आगे भागी और जंजीरों को खींचने लगी।
हमारे पीछे से एक बुलंद आवाज आई: "आह, कितना मार्मिक!"

हम मुड़े। जनरल अपने भूरे रेशमी सूट में वहाँ खड़े थे। उनके बगल में ल्यूक और आधा दर्जन ड्रेकेनी थे जो क्रोनोस का सुनहरा ताबूत लिए हुए थे। एनाबेथ ल्यूक के बगल में खड़ी थी। उसके हाथ पीछे की ओर हथकड़ी से बंधे थे, मुँह में कपड़ा ठूंसा हुआ था, और ल्यूक ने अपनी तलवार की नोक उसकी गर्दन पर रखी हुई थी।

मैंने उसकी आँखों में आँखें मिलाईं और उससे हज़ार सवाल पूछने की कोशिश की। लेकिन वह मुझे सिर्फ एक ही संदेश दे रही थी: भाग जाओ।

“ल्यूक,” थालिया गुस्से से बोली। “उसे जाने दो।”

ल्यूक की मुस्कान कमजोर और फीकी थी। वह तीन दिन पहले वाशिंगटन डी.सी. में जैसा दिख रहा था, उससे भी ज्यादा खराब लग रहा था। "यह जनरल का फैसला है, थैलिया। लेकिन तुम्हें फिर से देखकर अच्छा लगा।" थालिया ने उस पर थूका।

जनरल हँस पड़ा। “पुराने दोस्तों का तो यही हाल है। और तुम, ज़ोई। बहुत समय हो गया। मेरी छोटी गद्दार कैसी हो? मुझे तुम्हें मारने में मज़ा आएगा।”

“जवाब मत दो,” आर्टेमिस कराह उठी। “उसे चुनौती मत दो।”

मैंने कहा, "एक मिनट रुको। तुम एटलस हो?"

जनरल ने मेरी तरफ देखा। “तो, सबसे मूर्ख हीरो भी आखिरकार कुछ समझ सकता है। जी हाँ, मैं एटलस हूँ, टाइटन्स का जनरल और देवताओं का आतंक। बधाई हो। मैं तुम्हें अभी मार डालूँगा, जैसे ही इस अभागी लड़की से निपट लूँगा।”

मैंने कहा, "तुम ज़ोई को चोट नहीं पहुँचाओगे। मैं तुम्हें ऐसा करने नहीं दूँगा।"

जनरल ने ताना मारते हुए कहा, "तुम्हें दखल देने का कोई अधिकार नहीं है, नन्हे हीरो। यह पारिवारिक मामला है।"

मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "पारिवारिक मामला?"

“हां,” ज़ोई ने उदास स्वर में कहा। “एटलस मेरे पिता हैं।”

सत्रह

मैंने कुछ मिलियन पाउंड अतिरिक्त वजन बढ़ा लिया।

सबसे भयानक बात यह थी कि मुझे पारिवारिक समानता साफ दिखाई दे रही थी। एटलस के चेहरे पर भी ज़ोई जैसी ही राजसी भाव-भंगिमा थी, उसकी आँखों में भी वही ठंडा, घमंडी भाव था जो ज़ोई के गुस्से में कभी-कभी दिखाई देता था, हालांकि एटलस पर यह भाव हज़ार गुना ज़्यादा बुरा लग रहा था। उसमें वो सारी बातें थीं जो मुझे शुरू में ज़ोई में नापसंद थीं, और वो कोई अच्छाई नहीं थी जिसकी मैं अब सराहना करने लगी थी।

"आर्टेमिस को जाने दो," ज़ोई ने मांग की।

एटलस जंजीरों में बंधी देवी के करीब गया। "शायद आप उसके लिए आकाश पर कब्जा करना चाहेंगे? जरूर कीजिए।"

ज़ोई बोलने के लिए अपना मुंह खोलने ही वाली थी कि आर्टेमिस ने कहा, “नहीं! ज़ोई, भेंट मत करो! मैं तुम्हें मना करती हूँ।”

एटलस मुस्कुराया। वह आर्टेमिस के बगल में घुटनों के बल बैठ गया और उसका चेहरा छूने की कोशिश की, लेकिन देवी ने उसे काट लिया, जिससे उसकी उंगलियां लगभग कट गईं।

“हू-हू,” एटलस हँसते हुए बोला। “देखा बेटी? लेडी आर्टेमिस को अपना नया काम पसंद आ रहा है। मुझे लगता है कि जब लॉर्ड क्रोनोस फिर से शासन करेंगे, तो मैं सभी ओलंपियनों से बारी-बारी से अपना बोझ उठवाऊँगा, और यह हमारे महल का केंद्र होगा। इससे उन कमज़ोरों को थोड़ी विनम्रता का सबक मिलेगा।”

मैंने एनाबेथ की तरफ देखा। वह मुझे कुछ बताने की पुरज़ोर कोशिश कर रही थी। उसने ल्यूक की तरफ इशारा किया। लेकिन मैं बस उसे देखती रह गई। मैंने पहले ध्यान नहीं दिया था, पर उसमें कुछ बदलाव आ गया था। उसके सुनहरे बालों में अब सफ़ेद धारियाँ दिखने लगी थीं।

“आसमान को थामे रहने से,” थालिया ने धीरे से कहा, मानो उसने मेरे मन की बात पढ़ ली हो। “उस भार से उसकी जान जा सकती थी।”

मैंने कहा, "मुझे समझ नहीं आ रहा। आर्टेमिस आकाश को क्यों नहीं छोड़ देती?"

एटलस हँसा। “तुम्हें कितनी कम समझ है, नन्हे बच्चे। यही वह बिंदु है जहाँ आकाश और पृथ्वी पहली बार मिले थे, जहाँ उरानोस और गाया ने अपने शक्तिशाली बच्चों, टाइटन्स को जन्म दिया था। आकाश आज भी पृथ्वी को गले लगाने के लिए व्याकुल है। किसी को तो इसे रोकना ही होगा, नहीं तो यह इस जगह पर टूट पड़ेगा, पहाड़ और सौ मील के दायरे में सब कुछ पल भर में नष्ट कर देगा। एक बार जब तुम यह बोझ उठा लोगे, तो फिर कोई रास्ता नहीं बचेगा।” एटलस मुस्कुराया। “जब तक कोई और इसे तुमसे न ले ले।”

वह हमारे पास आया और थालिया और मुझे ध्यान से देखने लगा। "तो ये हैं इस युग के सर्वश्रेष्ठ नायक, है ना? कोई खास चुनौती नहीं।"
मैंने कहा, "हमसे लड़ो। फिर देखते हैं क्या होता है।"
“क्या देवताओं ने तुम्हें कुछ नहीं सिखाया? एक अमर प्राणी किसी साधारण नश्वर प्राणी से सीधे नहीं लड़ता। यह हमारी गरिमा के विरुद्ध है। मैं ल्यूक से तुम्हें कुचलवा दूँगा।”
मैंने कहा, "तो तुम भी एक कायर हो।"
एटलस की आँखों में घृणा की चमक थी। बड़ी मुश्किल से उसने अपना ध्यान थैलिया की ओर मोड़ा।
"ज्यूस की पुत्री, तुम्हारा ही सवाल है, लगता है ल्यूक तुम्हारे बारे में गलत था।"
“मैं गलत नहीं था,” ल्यूक ने किसी तरह कहा। वह बेहद कमजोर दिख रहा था, और हर शब्द ऐसे बोल रहा था मानो उसे बहुत दर्द हो रहा हो। अगर मुझे उससे इतनी नफरत न होती, तो शायद मुझे उस पर तरस आ जाता। “थालिया, तुम अभी भी हमारे साथ आ सकती हो। ओफियोटॉरस को बुलाओ। वह तुम्हारे पास आएगा। देखो!”
उसने हाथ हिलाया, और हमारे बगल में पानी का एक कुंड प्रकट हुआ: काले संगमरमर से घिरा एक तालाब, जो ओफियोटॉरस के लिए काफी बड़ा था। मैं उस कुंड में बेसी की कल्पना कर सकता था। वास्तव में, जितना अधिक मैं इसके बारे में सोचता, उतना ही मुझे यकीन होता कि मैं बेसी की रंभाने की आवाज़ सुन सकता हूँ।
उसके बारे में मत सोचो! अचानक ग्रोवर की आवाज़ मेरे दिमाग में गूंज उठी—सहानुभूति का बंधन। मैं उसकी भावनाओं को महसूस कर सकता था। वह घबराहट के कगार पर था। मैं बेसी को खो रहा हूँ। इन विचारों को रोको!
मैंने अपने दिमाग को खाली करने की कोशिश की। मैंने बास्केटबॉल खिलाड़ियों, स्केटबोर्ड, मेरी माँ की दुकान में मिलने वाली तरह-तरह की मिठाइयों के बारे में सोचने की कोशिश की। बेसी के अलावा कुछ भी।
“थालिया, ओफियोटॉरस को बुलाओ,” ल्यूक ने दृढ़ता से कहा। “और तुम देवताओं से भी अधिक शक्तिशाली हो जाओगी।”
“ल्यूक...” उसकी आवाज़ दर्द से भरी हुई थी। “तुम्हें क्या हुआ?”
“क्या तुम्हें वो सारी बातें याद नहीं जो हमने की थीं? वो सारी बातें जो हमने देवताओं को कोसते हुए कही थीं? हमारे पूर्वजों ने हमारे लिए कुछ नहीं किया। उन्हें दुनिया पर राज करने का कोई अधिकार नहीं!”
थालिया ने सिर हिलाया। "एनाबेथ को आज़ाद करो। उसे जाने दो।"
“अगर तुम मेरे साथ आओगी,” ल्यूक ने वादा किया, “तो यह पुराने दिनों जैसा हो सकता है। हम तीनों साथ मिलकर एक बेहतर दुनिया के लिए लड़ेंगे। कृपया, थैलिया, अगर तुम सहमत नहीं हो...”
उसकी आवाज लड़खड़ा गई। “यह मेरा आखिरी मौका है। अगर आप सहमत नहीं हुईं तो वह दूसरा तरीका अपनाएगा। कृपया।”

मुझे समझ नहीं आया कि उसका क्या मतलब था, लेकिन उसकी आवाज़ में डर साफ झलक रहा था। मुझे यकीन हो गया कि ल्यूक खतरे में है।
उसकी जिंदगी थैलिया के उसके मकसद में शामिल होने पर निर्भर थी। और मुझे डर था कि थैलिया भी इस बात पर यकीन कर सकती है।
“नहीं, थालिया,” ज़ोई ने चेतावनी दी। “हमें उनसे लड़ना होगा।”
ल्यूक ने फिर से अपना हाथ हिलाया, और आग प्रकट हुई। एक पीतल का अंगीठी, बिल्कुल शिविर में मौजूद अंगीठी की तरह। एक बलि की ज्वाला।
मैंने कहा, "थालिया, नहीं।"
ल्यूक के पीछे, सोने का ताबूत चमकने लगा। जैसे ही वह चमका, मैंने अपने चारों ओर धुंध में कुछ छवियां देखीं: काले संगमरमर की दीवारें उठ रही थीं, खंडहर फिर से पूरे हो रहे थे, हमारे चारों ओर भय और छाया से बना एक भयानक और सुंदर महल उभर रहा था।
“हम यहीं पर माउंट ओथ्रिस को खड़ा करेंगे,” ल्यूक ने इतनी तनावपूर्ण आवाज़ में वादा किया कि मानो वो उसकी आवाज़ हो ही न। “एक बार फिर, यह ओलंपस से भी अधिक शक्तिशाली और विशाल होगा। देखो, थैलिया। हम कमज़ोर नहीं हैं।”
उसने समुद्र की ओर इशारा किया और मेरा दिल बैठ गया। राजकुमारी एंड्रोमेडा जिस समुद्र तट पर खड़ी थी, वहाँ से पहाड़ की ढलान पर एक विशाल सेना बढ़ती जा रही थी। ड्रैसेने और लैस्ट्रिगोनियन, राक्षस और आधे-रक्त वाले जीव, नरक के कुत्ते, हार्पी और न जाने कितने जीव। पूरा जहाज खाली हो गया होगा, क्योंकि वहाँ सैकड़ों जीव थे, पिछली गर्मियों में मैंने जितने देखे थे, उससे कहीं ज़्यादा। और वे हमारी ओर बढ़ रहे थे। कुछ ही मिनटों में वे यहाँ पहुँच जाएँगे।
“यह तो बस शुरुआत है,” ल्यूक ने कहा। “जल्द ही हम कैंप हाफ-ब्लड पर हमला करने के लिए तैयार होंगे। और उसके बाद, ओलंपस पर। हमें बस आपकी मदद चाहिए।”
एक भयानक क्षण के लिए, थैलिया हिचकिचाई। उसने ल्यूक को देखा, उसकी आँखों में दर्द भरा था, मानो दुनिया में उसकी एकमात्र इच्छा उस पर विश्वास करना ही हो। फिर उसने अपना भाला सीधा किया। “तुम ल्यूक नहीं हो। मैं तुम्हें अब नहीं पहचानती।”
“हाँ, तुम ऐसा कर सकती हो, थैलिया,” उसने विनती की। “कृपा करके। मुझे ऐसा करने पर मजबूर मत करो... उसे तुम्हें बर्बाद करने पर मजबूर मत करो।”
समय नहीं था। अगर वह सेना पहाड़ी की चोटी पर पहुँच जाती, तो हम हार जाते। मैंने फिर से एनाबेथ की आँखों में देखा। उसने सिर हिलाया।
मैंने थालिया और ज़ोई की तरफ देखा और मैंने फैसला किया कि इस तरह दोस्तों के साथ लड़ते हुए मरना दुनिया की सबसे बुरी बात नहीं होगी।
“अभी,” मैंने कहा।

हम सबने मिलकर हमला किया।

थालिया सीधे ल्यूक की ओर बढ़ी। उसकी ढाल की शक्ति इतनी प्रबल थी कि उसकी ड्रैगन-महिला अंगरक्षक घबराकर भाग गईं, सोने का ताबूत गिरा दिया और उसे अकेला छोड़ दिया। लेकिन अपनी कमज़ोर हालत के बावजूद, ल्यूक अपनी तलवार चलाने में अभी भी फुर्तीला था। वह एक जंगली जानवर की तरह गुर्राया और पलटवार किया। जब उसकी तलवार, बैकबाइटर, थालिया की ढाल से टकराई, तो उनके बीच बिजली का एक गोला फूट पड़ा, जिससे हवा में पीले रंग की शक्ति की लपटें फैल गईं।
जहां तक मेरी बात है, मैंने अपने जीवन की सबसे बड़ी बेवकूफी की, और यह कहना भी अपने आप में बहुत बड़ी बात है। मैंने टाइटन लॉर्ड एटलस पर हमला कर दिया।
मेरे पास आते ही वह हँस पड़ा। उसके हाथों में एक विशाल भाला आ गया। उसका रेशमी सूट तुरंत यूनानी युद्ध कवच में बदल गया। "तो चलो!"
“पर्सी!” ज़ोई ने कहा। “सावधान रहो!”
मैं समझ गया था कि वह मुझे किस बारे में चेतावनी दे रही थी। चिरोन ने मुझे बहुत पहले बताया था: अमर लोग प्राचीन नियमों से बंधे होते हैं। लेकिन एक नायक कहीं भी जा सकता है, किसी को भी चुनौती दे सकता है, बशर्ते उसमें साहस हो। हालाँकि, एक बार जब मैंने हमला कर दिया, तो एटलस पूरी ताकत से पलटवार करने के लिए स्वतंत्र था।
मैंने अपनी तलवार चलाई, और एटलस ने अपने भाले के डंडे से मुझे एक तरफ धकेल दिया। मैं हवा में उड़ता हुआ एक काली दीवार से जा टकराया। अब वह धुंध नहीं थी। महल ईंट-दर-ईंट ऊपर उठ रहा था। वह हकीकत बन रहा था।
“मूर्ख!” एटलस ने खुशी से चिल्लाते हुए ज़ोई के एक तीर को झटक दिया। “क्या तुम्हें लगा कि सिर्फ इसलिए कि तुम उस तुच्छ युद्ध देवता को चुनौती दे सकते हो, तुम मेरा मुकाबला कर सकते हो?”
एरेस का नाम सुनते ही मेरे शरीर में एक झनझनाहट सी दौड़ गई। मैंने अपना भ्रम दूर किया और फिर से हमला कर दिया। अगर मैं उस पानी के कुंड तक पहुँच गया, तो मैं अपनी शक्ति दोगुनी कर सकता था।
भाले की नोक दरांती की तरह मेरी ओर बढ़ी। मैंने रिपटाइड तलवार उठाई, इरादा था कि मैं उसके हथियार को जड़ से काट दूँ, लेकिन मेरा हाथ एकदम भारी लग रहा था। मेरी तलवार अचानक बहुत भारी हो गई।
और मुझे एरेस की वह चेतावनी याद आ गई, जो उसने बहुत समय पहले लॉस एंजिल्स के समुद्र तट पर कही थी: जब तुम्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी, तब तुम्हारी तलवार तुम्हारा साथ छोड़ देगी।
अभी नहीं! मैंने विनती की। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मैंने बचने की कोशिश की, पर भाला मेरे सीने पर लगा और मुझे एक गुड़िया की तरह हवा में उछाल दिया। मैं ज़मीन पर धड़ाम से गिरा, मेरा सिर चकरा रहा था। मैंने ऊपर देखा तो पाया कि मैं आर्टेमिस के चरणों में था, जो अभी भी आकाश के भार के नीचे दबी हुई थी।

“भागो, लड़के,” उसने मुझसे कहा। “तुम्हें भागना ही होगा!”
एटलस धीरे-धीरे मेरी ओर आ रहा था। मेरी तलवार गायब थी। वह चट्टान के किनारे से फिसलकर नीचे गिर गई थी। शायद कुछ ही पलों में मेरी जेब में मिल जाए—लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। तब तक तो मैं मर चुका होता। ल्यूक और थैलिया राक्षसों की तरह लड़ रहे थे, उनके चारों ओर बिजली कड़क रही थी। एनाबेथ ज़मीन पर पड़ी अपने हाथों को छुड़ाने के लिए बेताब थी।
“मर जाओ, नन्हे नायक,” एटलस ने कहा।
उसने मुझे मारने के लिए अपना भाला उठाया।
"नहीं!" ज़ोई चिल्लाई, और एटलस के कवच में बगल की दरार से चांदी के तीरों की बौछार निकल पड़ी।
“आह!” वह दहाड़ा और अपनी बेटी की ओर मुड़ा।
मैंने हाथ नीचे किया और महसूस किया कि रिपटाइड मेरी जेब में वापस आ गई है। मैं एटलस से तलवार से भी नहीं लड़ सकता था। तभी मेरी रीढ़ में सिहरन दौड़ गई। मुझे भविष्यवाणी के शब्द याद आए: टाइटन के श्राप को सहना ही होगा। मैं एटलस को हराने की उम्मीद नहीं कर सकता था। लेकिन कोई और था जिसके पास शायद मौका हो।
मैंने देवी से कहा, “आकाश। मुझे दे दो।”
“नहीं, बेटा,” आर्टेमिस ने कहा। उसका माथा पारे की तरह धातुई पसीने से भीगा हुआ था। “तुम्हें पता नहीं तुम क्या माँग रहे हो। यह तुम्हें कुचल देगा!”
“एनाबेथ ने इसे ले लिया!”
“वह बाल-बाल बची। उसमें एक सच्ची शिकारी की भावना थी। तुम इतनी देर तक टिक नहीं पाओगे।”
मैंने कहा, "मैं तो वैसे भी मर जाऊंगा। मुझे आकाश का भार दे दो!"
मैंने उसके जवाब का इंतज़ार नहीं किया। मैंने रिपटाइड तलवार निकाली और उसकी जंजीरों को काट डाला। फिर मैं उसके पास खड़ी हुई और एक घुटने पर बैठकर, हाथ ऊपर उठाकर, ठंडे, घने बादलों को छुआ। एक पल के लिए, आर्टेमिस और मैंने मिलकर उस भार को सहा। यह अब तक का सबसे भारी एहसास था, मानो मैं हज़ारों ट्रकों के नीचे कुचली जा रही हूँ। दर्द से मैं बेहोश होना चाहती थी, लेकिन मैंने गहरी साँस ली। मैं यह कर सकती हूँ।
फिर आर्टेमिस उस बोझ से मुक्त हो गई, और मैंने उसे अकेले ही संभाला।
उसके बाद, मैंने कई बार यह समझाने की कोशिश की कि मुझे कैसा महसूस हुआ। मैं समझा नहीं पाया। मेरे शरीर की हर मांसपेशी आग की तरह तपने लगी। मेरी हड्डियाँ पिघलती हुई महसूस हो रही थीं। मैं चीखना चाहती थी, पर मुँह खोलने की भी ताकत नहीं थी। मैं धीरे-धीरे ज़मीन की ओर गिरने लगी, आसमान का भार मुझे कुचल रहा था।
लड़ो! ग्रोवर की आवाज मेरे दिमाग में गूंजी। हार मत मानो।

मैंने अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित किया। काश मैं कुछ और सेकंड के लिए आसमान को थामे रख पाती। मैंने बियांका के बारे में सोचा, जिसने हमें यहाँ तक पहुँचाने के लिए अपनी जान दे दी थी। अगर वह ऐसा कर सकती थी, तो मैं भी आसमान को थामे रह सकती थी।

मेरी दृष्टि धुंधली हो गई। सब कुछ लाल रंग से रंगा हुआ था। मुझे युद्ध की झलकियाँ दिखाई दीं, लेकिन मुझे यकीन नहीं था कि मैं स्पष्ट देख पा रहा हूँ। एटलस अपने पूर्ण युद्ध कवच में था, अपने भाले से वार कर रहा था और लड़ते हुए पागलों की तरह हंस रहा था। और आर्टेमिस, चांदी की एक धुंधली सी आकृति। उसके पास दो घातक शिकार करने वाले चाकू थे, प्रत्येक उसकी बांह जितना लंबा, और वह टाइटन पर बेतहाशा वार कर रही थी, अविश्वसनीय फुर्ती से चकमा दे रही थी और छलांग लगा रही थी। जैसे ही वह आगे बढ़ती, ऐसा लगता कि वह अपना रूप बदल रही है। वह एक बाघ, एक हिरण, एक भालू, एक बाज़ बन जाती थी। या शायद यह सिर्फ मेरे बुखार से ग्रस्त दिमाग का भ्रम था। ज़ोई ने अपने पिता पर तीर चलाए, उनके कवच की दरारों पर निशाना साधते हुए। हर बार जब तीर निशाने पर लगता, वह दर्द से दहाड़ता, लेकिन उन तीरों का उस पर मधुमक्खी के डंक जैसा असर होता। वह और भी क्रोधित हो जाता और लड़ता रहता।

थालिया और ल्यूक भाले से तलवार पर भिड़ गए, उनके चारों ओर बिजली चमक रही थी। थालिया ने अपनी ढाल की शक्ति से ल्यूक को पीछे धकेल दिया। लेकिन ल्यूक भी इससे अछूता नहीं रहा। वह दर्द से कराहते हुए और हताशा में गुर्राते हुए पीछे हट गया।

“हार मान लो!” थैलिया चिल्लाई। “तुम मुझे कभी नहीं हरा सकते, ल्यूक।”

उसने अपने दांत दिखाते हुए कहा, "देखते हैं, मेरे पुराने दोस्त।"

मेरे चेहरे से पसीना बह रहा था। मेरे हाथ फिसल रहे थे। अगर हो सकता तो मेरे कंधे दर्द से चीख उठते। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मेरी रीढ़ की हड्डियाँ किसी टॉर्च से आपस में जुड़ रही हों।

एटलस आगे बढ़ा और आर्टेमिस पर दबाव बनाने लगा। आर्टेमिस तेज़ थी, लेकिन एटलस की ताकत अदम्य थी। उसका भाला ठीक उसी जगह जा लगा जहाँ एक पल पहले आर्टेमिस थी, और चट्टानों में एक दरार खुल गई। वह उसके ऊपर से कूदकर आर्टेमिस का पीछा करने लगा। आर्टेमिस उसे मेरी ओर वापस ले जा रही थी।

तैयार हो जाओ, उसने मेरे मन में कहा।

दर्द के मारे मेरी सोचने-समझने की क्षमता कम होती जा रही थी। मेरी प्रतिक्रिया कुछ इस तरह थी: आह्ह ...

“तुम एक लड़की होकर भी अच्छी लड़ाई लड़ती हो।” एटलस हँसा। “लेकिन तुम मेरे मुकाबले की नहीं हो।”

उसने अपने भाले की नोक से वार करने का झांसा दिया और आर्टेमिस बच गई। मुझे पहले से ही चाल का अंदाज़ा था। एटलस का भाला घूमकर आया और आर्टेमिस के पैरों को ज़मीन से ऊपर उठा दिया। वह गिर पड़ी, और एटलस ने उसे खत्म करने के लिए अपने भाले की नोक ऊपर उठाई।

“नहीं!” ज़ोई चीखी। वह अपने पिता और आर्टेमिस के बीच कूदी और एक तीर सीधे टाइटन के माथे पर मारा, जहाँ वह एक गेंडा के सींग की तरह धंस गया। एटलस क्रोध से दहाड़ा। उसने अपने हाथ के पिछले हिस्से से अपनी बेटी को एक तरफ धकेल दिया, जिससे वह काली चट्टानों पर जा गिरी।

मैं उसका नाम पुकारना चाहता था, उसकी मदद के लिए दौड़ना चाहता था, लेकिन मैं बोल या हिल नहीं पा रहा था। मुझे यह भी नहीं दिख रहा था कि ज़ोई कहाँ गिरी है। तभी एटलस ने विजय भाव से आर्टेमिस की ओर देखा। आर्टेमिस घायल लग रही थी। वह उठी नहीं।

“एक नए युद्ध का पहला खून,” एटलस ने गर्व से कहा। और उसने नीचे की ओर वार किया।

पलक झपकते ही आर्टेमिस ने उसका भाला पकड़ लिया। भाला ठीक उसके बगल में ज़मीन पर गिरा और उसने भाले को लीवर की तरह इस्तेमाल करते हुए पीछे की ओर खींचा, टाइटन लॉर्ड को लात मारी और उसे अपने ऊपर से उड़ा दिया। मैंने उसे अपने ऊपर गिरते देखा और समझ गई कि क्या होने वाला है। मैंने आकाश पर अपनी पकड़ ढीली कर दी, और जैसे ही एटलस मुझसे टकराया, मैंने पकड़ने की कोशिश नहीं की। मैंने खुद को रास्ते से हटने दिया और पूरी ताकत से लुढ़क गई।

आकाश का भार एटलस की पीठ पर आ गिरा, जिससे वह लगभग चूर-चूर हो गया। किसी तरह वह घुटनों के बल खड़ा हुआ और आकाश के भारी भार से निकलने के लिए संघर्ष करने लगा। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

“नहीं!” वह इतनी जोर से चिल्लाया कि पहाड़ हिल गया। “फिर से नहीं!”

एटलस अपने पुराने बोझ के नीचे दब गया था।

मैंने खड़े होने की कोशिश की और दर्द से बेहाल होकर फिर से गिर पड़ी। मेरा शरीर जैसे जल रहा था।

थालिया ने ल्यूक को चट्टान के किनारे तक धकेल दिया, लेकिन फिर भी वे सुनहरे ताबूत के पास लड़ते रहे। थालिया की आँखों में आँसू थे। ल्यूक की छाती पर खून का गहरा घाव था और उसका पीला चेहरा पसीने से चमक रहा था।

उसने थालिया पर हमला किया और थालिया ने उसे अपनी ढाल से जोरदार प्रहार किया। ल्यूक की तलवार उसके हाथों से छूटकर चट्टानों पर जा गिरी। थालिया ने अपने भाले की नोक उसकी गर्दन पर रख दी।

एक क्षण के लिए सन्नाटा छा गया।

“तो?” ल्यूक ने पूछा। उसने इसे छिपाने की कोशिश की, लेकिन मैं उसकी आवाज़ में डर महसूस कर सकता था।

थालिया क्रोध से कांप उठी।

उसके पीछे से एनाबेथ लड़खड़ाती हुई आई, आखिरकार वह अपने बंधनों से मुक्त हो गई थी। उसका चेहरा चोटों से भरा हुआ था और उस पर धूल के धब्बे थे। "उसे मत मारो!"

“वह गद्दार है,” थालिया ने कहा। “गद्दार!”

मैं स्तब्ध थी, तभी मुझे एहसास हुआ कि आर्टेमिस अब मेरे साथ नहीं है। वह उन काली चट्टानों की ओर भाग गई थी जहाँ ज़ोई गिरी थी।
“हम ल्यूक को वापस लाएंगे,” एनाबेथ ने विनती की। “ओलंपस। वह...वह काम आएगा।”
“क्या तुम यही चाहती हो, थैलिया?” ल्यूक ने ताना मारा। “ओलंपस में विजयी होकर लौटना? अपने पिता को खुश करना?”
थालिया हिचकिचाई, और ल्यूक ने हताशा में उसका भाला छीनने की कोशिश की।
“नहीं!” एनाबेथ चिल्लाई। लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। बिना सोचे समझे, थैलिया ने ल्यूक को लात मारकर दूर कर दिया। उसका संतुलन बिगड़ गया, उसके चेहरे पर डर साफ दिख रहा था, और फिर वह गिर पड़ा।
“ल्यूक!” एनाबेथ चिल्लाई।
हम चट्टान के किनारे की ओर दौड़े। नीचे, प्रिंसेस एंड्रोमेडा की सेना अचरज से रुक गई थी। वे चट्टानों पर ल्यूक के क्षत-विक्षत शरीर को घूर रहे थे। मैं उससे कितनी भी नफरत क्यों न करती, मैं यह सब नहीं देख सकती थी। मैं यह मानना चाहती थी कि वह अभी भी जीवित है, लेकिन यह असंभव था। वह कम से कम पचास फीट नीचे गिरा था, और वह हिल भी नहीं रहा था।
एक दैत्य ने ऊपर देखा और गुर्राते हुए कहा, "इन्हें मार डालो!"
थालिया शोक से व्याकुल थी, उसकी आँखों से आंसू बह रहे थे। तभी भाले की एक लहर हमारे सिर के ऊपर से गुजरी और मैंने उसे पीछे खींच लिया। हम चट्टानों की ओर भागे, एटलस के श्रापों और धमकियों को अनसुना करते हुए।
“आर्टेमिस!” मैंने चिल्लाकर कहा।
देवी ने ऊपर देखा, उनका चेहरा भी थैलिया की तरह ही शोकग्रस्त था। ज़ोई देवी की बाहों में लेटी थी। वह साँस ले रही थी। उसकी आँखें खुली थीं। लेकिन फिर भी...
"यह घाव विषैला है," आर्टेमिस ने कहा।
“क्या एटलस ने उसे जहर दिया था?” मैंने पूछा।
“नहीं,” देवी ने कहा। “एटलस नहीं।”
उसने हमें ज़ोई के बगल का घाव दिखाया। मैं लगभग भूल ही गया था कि उसका ड्रैगन लाडोन से सामना हुआ था। घाव ज़ोई के बताए से कहीं ज़्यादा गंभीर था। मैं उस घाव को मुश्किल से देख पा रहा था। अपने पिता के खिलाफ़ लड़ाई में वह पहले से ही कमज़ोर पड़ चुके एक भयानक घाव के साथ उतरी थी।
“तारे,” ज़ोई ने धीरे से कहा। “मैं उन्हें देख नहीं पा रही हूँ।”
“अमृत और रस का खजाना,” मैंने कहा। “चलो! हमें उसे कुछ तो दिलाना ही होगा।”
कोई नहीं हिला। चारों ओर मातम छाया हुआ था। क्रोनोस की सेना पहाड़ी के ठीक नीचे थी। यहाँ तक कि आर्टेमिस भी सदमे में थी और हिल भी नहीं पा रही थी। हम शायद वहीं अपनी मौत को गले लगा लेते, लेकिन तभी मुझे एक अजीब सी भिनभिनाहट सुनाई दी।

जैसे ही राक्षसों की सेना पहाड़ी से नीचे आने लगी, एक सोपविथ कैमल विमान आसमान से नीचे की ओर झपटा।
“मेरी बेटी से दूर रहो!” डॉ. चेज़ ने नीचे से चिल्लाते हुए कहा, और उनकी मशीन गनें अचानक चलने लगीं, जिससे जमीन गोलियों से छलनी हो गई और राक्षसों का पूरा समूह चौंककर इधर-उधर भागने लगा।
“पापा?” एनाबेथ ने अविश्वास से चिल्लाकर कहा।
"भागो!" उसने पीछे मुड़कर पुकारा, उसकी आवाज धीमी होती जा रही थी क्योंकि बाइप्लेन तेजी से उसके पास से गुजर रहा था।
इससे आर्टेमिस का दुख कुछ कम नहीं हुआ। उसने ऊपर उस पुराने विमान को देखा, जो अब एक और हमले के लिए चक्कर लगा रहा था।
“एक बहादुर आदमी,” आर्टेमिस ने अनिच्छा से सहमति जताते हुए कहा। “चलो। हमें ज़ोई को यहाँ से दूर ले जाना होगा।”
उसने अपना शिकार का सींग होठों से लगाया, और उसकी मधुर ध्वनि मारिन की घाटियों में गूंज उठी। ज़ोई की आँखें फड़फड़ा रही थीं।
मैंने उससे कहा, “हिम्मत रखो! सब ठीक हो जाएगा!”
सोपविथ कैमल विमान फिर नीचे झपटा। कुछ दैत्यों ने भाले फेंके, जिनमें से एक सीधे विमान के पंखों के बीच जा लगा, लेकिन मशीनगनों की गर्जना जारी रही। मुझे आश्चर्य हुआ कि डॉ. चेज़ ने अपनी गोलियां बनाने के लिए किसी तरह दिव्य कांस्य धातु का इस्तेमाल किया होगा। मशीनगन की गोलियों की बौछार से उड़कर गंधकयुक्त पीले पाउडर में तब्दील हो गईं नाग-स्त्रियों की पहली पंक्ति चीख उठी।
“ये तो...मेरे पापा हैं!” एनाबेथ ने हैरानी से कहा।
हमें उसकी उड़ान की प्रशंसा करने का समय नहीं मिला। दैत्य और नाग-स्त्रियाँ अपने आश्चर्य से उबर रही थीं। डॉ. चेज़ जल्द ही मुसीबत में पड़ने वाले थे।
तभी चांदनी तेज हो गई और आकाश से एक चांदी का रथ प्रकट हुआ, जिसे मैंने अब तक देखे सबसे खूबसूरत हिरणों में से एक खींच रहा था। वह रथ हमारे ठीक बगल में आकर रुका।
"अंदर आ जाओ," आर्टेमिस ने कहा।
एनाबेथ ने थैलिया को रथ पर चढ़ाने में मेरी मदद की। फिर मैंने आर्टेमिस को ज़ोई के साथ रथ को संभालने में मदद की। हमने ज़ोई को कंबल में लपेटा और आर्टेमिस ने लगाम खींची, रथ पहाड़ से दूर हवा में तेज़ी से उड़ गया।
"जैसे सांता क्लॉस की स्लेज," मैंने दर्द से स्तब्ध होकर धीरे से कहा।
आर्टेमिस ने मेरी ओर मुड़कर देखा। "जी हाँ, युवा आधे-खून वाले। और तुम्हें क्या लगता है कि यह किंवदंती कहाँ से आई?"

हमें सुरक्षित जाते देख, डॉ. चेज़ ने अपना बाइप्लेन मोड़ा और एक सम्मान रक्षक दल की तरह हमारे पीछे-पीछे चलने लगे। यह खाड़ी क्षेत्र के लिए भी अब तक के सबसे विचित्र दृश्यों में से एक रहा होगा: हिरणों द्वारा खींचा जा रहा एक चांदी का उड़ने वाला रथ, जिसके साथ एक सोपविथ कैमल विमान चल रहा था।
हमारे पीछे, क्रोनोस की सेना माउंट तामलपैस के शिखर पर एकत्रित होते ही क्रोध से दहाड़ उठी, लेकिन सबसे तेज आवाज एटलस की थी, जो आकाश के भार के नीचे संघर्ष करते हुए देवताओं को शाप दे रहा था।

अठारह

एक दोस्त अलविदा कहता है

हम सूर्यास्त के बाद क्रिसी फील्ड में उतरे।

जैसे ही डॉ. चेज़ अपने सोपविथ कैमल विमान से उतरे, एनाबेथ दौड़कर उनके पास गई और उन्हें गले लगा लिया। “पापा! आपने विमान उड़ाया... आपने निशाना लगाया... हे भगवान! यह अब तक का सबसे अद्भुत दृश्य था जो मैंने देखा है!”

उसके पिता शरमा गए। "खैर, एक अधेड़ उम्र के इंसान के लिए बुरा नहीं है, मुझे लगता है।"

लेकिन वो दिव्य कांस्य की गोलियां! आपने उन्हें कैसे हासिल किया?

"अच्छा, ठीक है। पिछली बार जब तुम वर्जीनिया से गए थे, तो तुमने अपने कमरे में काफी सारे आधे-खून वाले हथियार छोड़ दिए थे।"

एनाबेथ शर्मिंदा होकर नीचे देखने लगी। मैंने देखा कि डॉ. चेज़ ने भाग जाने की बात कहने से बचने के लिए बहुत सावधानी बरती।

उन्होंने आगे कहा, “मैंने कुछ धातु को पिघलाकर गोली के खोल बनाने की कोशिश करने का फैसला किया। बस एक छोटा सा प्रयोग।”

उसने ये बात ऐसे कही जैसे ये कोई बड़ी बात ही न हो, लेकिन उसकी आँखों में एक चमक थी। मुझे अचानक समझ आ गया कि शिल्प और ज्ञान की देवी एथेना को वो इतना पसंद क्यों आया था। वो दिल से एक बेहतरीन सनकी वैज्ञानिक था।

“पिताजी...” एनाबेथ लड़खड़ा गई।

“एनाबेथ, पर्सी,” थैलिया ने बीच में ही टोकते हुए कहा। उसकी आवाज़ में घबराहट थी। वह और आर्टेमिस ज़ोई के पास घुटनों के बल बैठी थीं और उसके घावों पर पट्टी बांध रही थीं।

एनाबेथ और मैं मदद के लिए दौड़े, लेकिन हम कुछ खास नहीं कर पाए। हमारे पास अमृत या अमृत नहीं था। कोई भी सामान्य दवा काम नहीं कर रही थी। अंधेरा था, लेकिन मैं देख सकती थी कि ज़ोई की हालत ठीक नहीं थी। वह कांप रही थी, और उसके आसपास जो हल्की सी चमक रहती थी, वह फीकी पड़ रही थी।

मैंने आर्टेमिस से पूछा, "क्या तुम उसे जादू से ठीक नहीं कर सकतीं? मेरा मतलब है... तुम एक देवी हो।"

आर्टेमिस परेशान लग रही थी। “जीवन एक नाजुक चीज है, पर्सी। अगर भाग्य की देवी ने ही इस बंधन को तोड़ने का फैसला किया है, तो मैं कुछ नहीं कर सकती। लेकिन मैं कोशिश कर सकती हूँ।”

उसने ज़ोई के कमर पर हाथ रखने की कोशिश की, लेकिन ज़ोई ने उसकी कलाई पकड़ ली। उसने देवी की आँखों में देखा, और उनके बीच किसी प्रकार की समझ का आदान-प्रदान हुआ।

"क्या मैंने तुम्हारी अच्छी सेवा की है?" ज़ोई ने फुसफुसाते हुए कहा।
“बड़े सम्मान के साथ,” आर्टेमिस ने कोमल स्वर में कहा। “मेरी सबसे श्रेष्ठ सेविका।”
ज़ोई के चेहरे पर सुकून झलक रहा था। "आराम। आखिरकार।"
"मैं इस जहर को ठीक करने की कोशिश कर सकता हूँ, मेरे बहादुर।"
लेकिन उस पल मुझे पता चल गया कि सिर्फ़ ज़हर ही उसे नहीं मार रहा था। यह उसके पिता का आखिरी वार था। ज़ोई को शुरू से ही पता था कि ओरेकल की भविष्यवाणी उसी के बारे में थी: उसकी मौत उसके माता-पिता के हाथों होगी। फिर भी उसने यह सफ़र चुना था। उसने मुझे बचाने का फैसला किया था, और एटलस के क्रोध ने उसे अंदर से तोड़ दिया था।
उसने थालिया को देखा और उसका हाथ पकड़ लिया।
"मुझे खेद है कि हमारी बहस हुई," ज़ोई ने कहा। "हम बहनें हो सकती थीं।"
"यह मेरी गलती है," थालिया ने पलकें झपकाते हुए कहा। "ल्यूक के बारे में, नायकों के बारे में, पुरुषों के बारे में - हर चीज़ के बारे में आप सही थीं।"
“शायद सभी पुरुष नहीं,” ज़ोई ने धीरे से कहा। उसने मेरी तरफ़ देखकर हल्की सी मुस्कान दी। “क्या तुम्हारे पास अभी भी तलवार है, पर्सी?”
मैं कुछ बोल नहीं सका, लेकिन मैंने रिपटाइड कलम निकाली और उसके हाथ में थमा दी। उसने संतुष्टि से उसे पकड़ लिया। "तुमने बिल्कुल सही कहा, पर्सी जैक्सन। तुम हरक्यूलिस जैसे बिलकुल नहीं हो... मुझे गर्व है कि तुम यह तलवार धारण करते हो।"
उसके शरीर में एक सिहरन दौड़ गई।
“ज़ोई—” मैंने कहा।
“तारे,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “मैं फिर से तारे देख सकती हूँ, मेरी मालकिन।”
आर्टेमिस के गाल पर एक आंसू बह गया। "हां, मेरी बहादुर। आज रात वे बहुत खूबसूरत लग रही हैं।"
“तारे,” ज़ोई ने दोहराया। उसकी आँखें रात के आकाश पर टिकी हुई थीं। और वह फिर हिली नहीं।
थालिया ने अपना सिर झुका लिया। एनाबेथ ने सिसकी को गले से नीचे उतारा और उसके पिता ने उसके कंधों पर हाथ रख दिया। मैंने देखा कि आर्टेमिस ने ज़ोई के मुंह के ऊपर अपना हाथ रखकर प्राचीन ग्रीक में कुछ शब्द कहे। ज़ोई के होठों से चांदी जैसा हल्का धुआं निकला और देवी के हाथ में समा गया। ज़ोई का शरीर चमक उठा और गायब हो गया।
आर्टेमिस खड़ी हुई, एक प्रकार का आशीर्वाद दिया, अपनी हथेली में सांस भरी और चांदी की धूल को आकाश में छोड़ दिया। वह चमकती हुई ऊपर उड़ी और गायब हो गई।
एक पल के लिए मुझे कुछ भी अलग नहीं दिखा। फिर एनाबेथ चौंक उठी। आसमान की ओर देखते हुए मैंने पाया कि तारे अब पहले से कहीं अधिक चमकीले थे। उन्होंने एक ऐसा पैटर्न बनाया था जिसे मैंने पहले कभी

नहीं देखा था—चमकता हुआ तारामंडल जो एक लड़की की आकृति जैसा दिखता था—एक लड़की धनुष लिए आसमान में दौड़ रही हो।
“हे मेरी शिकारी देवी, संसार तुम्हारा सम्मान करे,” आर्टेमिस ने कहा। “तारों में सदा के लिए अमर रहो।”

अलविदा कहना आसान नहीं था। उत्तर में स्थित माउंट तामलपैस पर अभी भी बिजली कड़क रही थी। आर्टेमिस इतनी क्रोधित थी कि उसके चेहरे से चांदी जैसी रोशनी निकल रही थी। इससे मैं घबरा गया, क्योंकि अगर वह अचानक अपना आपा खो बैठी और अपने पूर्ण दिव्य रूप में प्रकट हो गई, तो उसे देखते ही हम सब नष्ट हो जाएंगे।
“मुझे तुरंत ओलंपस जाना होगा,” आर्टेमिस ने कहा। “मैं तुम्हें अपने साथ नहीं ले जा पाऊंगी, लेकिन मैं मदद भेजूंगी।”
देवी ने एनाबेथ के कंधे पर हाथ रखा। “मेरी बच्ची, तुम असीम बहादुर हो। तुम वही करोगी जो सही है।”
फिर उसने थैलिया की ओर हैरानी से देखा, मानो उसे समझ ही न आ रहा हो कि ज़्यूस की इस छोटी बेटी के बारे में क्या सोचे। थैलिया ऊपर देखने में हिचकिचा रही थी, पर किसी बात ने उसे मजबूर कर दिया और उसने देवी की आँखों में देखा। मुझे नहीं पता कि उनके बीच क्या हुआ, लेकिन आर्टेमिस की निगाहें सहानुभूति से भर उठीं। फिर वह मेरी ओर मुड़ी।
“तुमने अच्छा किया,” उसने कहा। “एक पुरुष के लिए।”
मैं विरोध करना चाहता था। लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि यह पहली बार था जब उसने मुझे लड़का नहीं कहा था।
वह अपने रथ पर सवार हुई, जो चमकने लगा। हमने अपनी निगाहें हटा लीं। चांदी की एक चमक दिखी और देवी गायब हो गईं।
“खैर,” डॉ. चेज़ ने आह भरी। “वह प्रभावशाली थी; हालाँकि मुझे यह कहना होगा कि मैं अब भी एथेना को ज़्यादा पसंद करता हूँ।”
एनाबेथ उसकी ओर मुड़ी। "पिताजी, मैं... मुझे माफ़ करना कि—"
“चुप रहो।” उसने उसे गले लगाया। “जो करना है करो, मेरी प्यारी। मुझे पता है यह तुम्हारे लिए आसान नहीं है।”
उसकी आवाज थोड़ी कांप रही थी, लेकिन उसने एनाबेथ को हिम्मत भरी मुस्कान दी।
फिर मुझे बड़े पंखों की सरसराहट सुनाई दी। कोहरे में से तीन पेगासी नीचे उतरे: दो सफेद पंखों वाले घोड़े और एक बिल्कुल काला।
“ब्लैकजैक!” मैंने पुकारा।
अरे बॉस! उसने पुकारा। मेरे बिना आप ठीक-ठाक ज़िंदा कैसे रह रहे हैं?
मैंने स्वीकार किया, "यह कठिन था।"

मैं अपने साथ गाइडो और पोर्कपाई को लेकर आया था।
कैसे हो? बाकी दो पेगासी ने मेरे मन में कहा।
ब्लैकजैक ने चिंता भरी निगाहों से मेरी तरफ देखा, फिर डॉ. चेज़, थैलिया और एनाबेथ की तरफ। क्या आप चाहते हैं कि हम इनमें से किसी गुंडे को कुचल दें?
“नहीं,” मैंने ज़ोर से कहा। “ये मेरे दोस्त हैं। हमें जल्द से जल्द ओलंपस पहुँचना होगा।”
कोई बात नहीं, ब्लैकजैक ने कहा। सिवाय उस आदमी के। उम्मीद है वो नहीं जा रहा होगा।
मैंने उन्हें आश्वस्त किया कि डॉ. चेज़ ऐसा नहीं कर रहे थे। प्रोफेसर अवाक होकर पेगासी को घूर रहे थे।
“बेहद दिलचस्प,” उन्होंने कहा। “कितनी फुर्तीली है! मुझे आश्चर्य है कि पंखों का फैलाव घोड़े के शरीर के वजन की भरपाई कैसे करता है?”
ब्लैकजैक ने अपना सिर झुकाया। क्या?
डॉ. चेज़ ने कहा, "अगर क्रीमिया पर घुड़सवार सेना के हमलों में अंग्रेजों के पास ये पेगासी होते, तो लाइट ब्रिगेड का हमला—"
“पापा!” एनाबेथ ने बीच में ही टोक दिया।
डॉ. चेज़ ने पलकें झपकाईं। उन्होंने अपनी बेटी की ओर देखा और मुस्कुराने की कोशिश की। "मुझे माफ करना, मेरी प्यारी। मुझे पता है कि तुम्हें जाना ही होगा।"
उसने आखिरी बार उसे एक अजीबोगरीब, लेकिन नेक इरादे से गले लगाया। जैसे ही वह पेगासस गुइडो पर चढ़ने के लिए मुड़ी, डॉ. चेज़ ने पुकारा, “एनाबेथ। मुझे पता है... मुझे पता है सैन फ्रांसिस्को तुम्हारे लिए खतरनाक जगह है। लेकिन कृपया याद रखना, हमारे साथ तुम्हारा हमेशा एक घर रहेगा। हम तुम्हें सुरक्षित रखेंगे।”
एनाबेथ ने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन उसकी आँखें लाल थीं और वह मुँह फेरकर चली गई। डॉ. चेज़ कुछ और कहना चाहते थे, लेकिन फिर उन्होंने अपना इरादा बदल दिया। उन्होंने उदास विदाई का हाथ उठाया और अंधेरे मैदान में धीरे-धीरे आगे बढ़ गए।
थालिया, एनाबेथ और मैं अपने पेगासी पर सवार हुए। हम सब एक साथ खाड़ी के ऊपर से उड़ते हुए पूर्वी पहाड़ियों की ओर बढ़े। देखते ही देखते सैन फ्रांसिस्को हमारे पीछे एक चमकते हुए अर्धचंद्र की तरह दिखने लगा, और उत्तर दिशा में कभी-कभार बिजली की हल्की सी चमक दिखाई देने लगी।
थालिया इतनी थक गई थी कि वह पोर्कपाई की पीठ पर सो गई। मुझे पता था कि ऊँचाई से डर लगने के बावजूद हवा में सोने के लिए उसे बहुत थकना पड़ा होगा, लेकिन उसे ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं थी। उसका पेगासस आसानी से उड़ रहा था, और बीच-बीच में खुद को इस तरह एडजस्ट कर रहा था कि थालिया उसकी पीठ पर सुरक्षित रहे।
एनाबेथ और मैं साथ-साथ उड़ान भर रहे थे।
मैंने उससे कहा, "तुम्हारे पापा काफी अच्छे लगते हैं।"

अंधेरा इतना घना था कि उसके चेहरे के भाव दिखना मुश्किल था। उसने पीछे मुड़कर देखा, हालांकि कैलिफोर्निया अब हमसे बहुत दूर था।
“मुझे लगता है ऐसा ही है,” उसने कहा। “हम इतने सालों से बहस कर रहे हैं।”
"हां, आपने कहा था।"
"तुम्हें लगता है कि मैंने उस बारे में झूठ बोला था?" यह एक चुनौती की तरह लग रहा था, लेकिन काफी बेमन से, जैसे वह खुद से ही यह सवाल पूछ रही हो।
“मैंने ये नहीं कहा कि तुम झूठ बोल रही हो। बस... वो ठीक लग रहा है। तुम्हारी सौतेली माँ भी। शायद जब तुमने उन्हें आखिरी बार देखा था, तब से उनका व्यवहार थोड़ा बदल गया हो।”
वह हिचकिचाई। “वे अभी भी सैन फ्रांसिस्को में हैं, पर्सी। मैं कैंप से इतनी दूर नहीं रह सकती।”
मैं अपना अगला सवाल पूछना नहीं चाहती थी। मुझे जवाब जानने से डर लग रहा था। लेकिन फिर भी मैंने पूछ ही लिया। "तो अब आप क्या करने वाले हैं?"
हम एक कस्बे के ऊपर से उड़े, जो अंधेरे के बीच रोशनी का एक द्वीप जैसा लग रहा था। वह इतनी तेज़ी से गुज़रा कि हमें लगा जैसे हम हवाई जहाज़ में हों।
“मुझे नहीं पता,” उसने स्वीकार किया। “लेकिन मुझे बचाने के लिए आपका धन्यवाद।”
"अरे, कोई बड़ी बात नहीं। हम दोस्त हैं।"
“क्या आपको विश्वास नहीं हुआ कि मैं मर गया था?”
"कभी नहीं।"
वह हिचकिचाई। "ल्यूक भी नहीं मरा है, तुम्हें पता है। मेरा मतलब है... वह मरा नहीं है।"
मैंने उसे घूर कर देखा। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह तनाव के कारण टूट रही है या क्या। "एनाबेथ, वह गिरना बहुत बुरा था। ऐसा हो ही नहीं सकता कि—"
“वह मरा नहीं है,” उसने जोर देकर कहा। “मुझे पता है। ठीक वैसे ही जैसे आपको मेरे बारे में पता था।”
उस तुलना से मुझे ज्यादा खुशी नहीं हुई।
शहर अब और तेज़ी से पीछे छूटते जा रहे थे, रोशनी के द्वीप एक दूसरे के करीब आते जा रहे थे, जब तक कि नीचे का पूरा परिदृश्य एक जगमगाते कालीन जैसा नहीं हो गया। भोर होने वाली थी। पूर्वी आकाश धूसर होने लगा था। और आगे, हमारे सामने एक विशाल सफेद और पीली रोशनी फैल गई - न्यूयॉर्क की रोशनी।
वाह, ये तो कमाल की तेज़ी है, बॉस? ब्लैकजैक ने शेखी मारी। क्या हमें नाश्ते में अतिरिक्त घास मिलेगी या नहीं?
“तुम ही हो असली हीरो, ब्लैकजैक,” मैंने उससे कहा। “मतलब, घोड़े की बात कर रहा हूँ।”
“ल्यूक के बारे में तुम मेरी बात पर विश्वास नहीं करते,” एनाबेथ ने कहा, “लेकिन हम उससे फिर मिलेंगे। वह मुसीबत में है, पर्सी। वह क्रोनोस के जादू के वश में है।”

मुझे बहस करने का मन नहीं था, हालाँकि मुझे बहुत गुस्सा आ रहा था। वो उस घटिया इंसान के लिए अब भी कैसे भावनाएँ रख सकती है? वो उसके लिए बहाने कैसे बना सकती है? वो उस गिरने का हकदार था। वो... ठीक है, मैं कह देती हूँ। वो मरने का हकदार था। बियांका की तरह नहीं। ज़ोई की तरह नहीं। ल्यूक ज़िंदा नहीं रह सकता। ये नाइंसाफी होगी।

“ये रहा।” थैलिया की आवाज़; वह जाग गई थी। वह मैनहट्टन की ओर इशारा कर रही थी, जो तेज़ी से उसकी नज़रों के सामने आ रहा था। “शुरू हो गया है।”

मैंने पूछा, "क्या शुरू हुआ है?"

फिर मैंने उस ओर देखा जहाँ वह इशारा कर रही थी। एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के बहुत ऊपर, ओलंपस प्रकाश का एक द्वीप जैसा लग रहा था, मशालों और अंगीठियों से जगमगाता एक तैरता हुआ पहाड़, जहाँ सुबह की हवा में सफेद संगमरमर के महल चमक रहे थे।

“शीतकालीन संक्रांति,” थालिया ने कहा। “देवताओं की सभा।”

उन्नीस

देवता ही तय करते हैं कि हमें कैसे मारा जाए।

पोसीडॉन के पुत्र के लिए उड़ना ही काफी बुरा था, लेकिन गरज और बिजली के बीच सीधे ज़्यूस के महल तक उड़ना और भी बुरा था।

हमने मैनहट्टन के मध्य में चक्कर लगाया, माउंट ओलंपस के चारों ओर एक पूरा चक्कर। मैं इससे पहले केवल एक बार वहाँ गया था, एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की गुप्त 600 वीं मंजिल तक लिफ्ट से गया था। इस बार, अगर संभव हो तो, ओलंपस ने मुझे और भी अधिक आश्चर्यचकित कर दिया।

भोर के अंधेरे में, मशालों और आग की रोशनी से पर्वतमाला पर बने महल खून जैसे लाल से लेकर नीले रंग तक, बीस-बीस रंगों में जगमगा रहे थे। ऐसा लगता था मानो ओलंपस पर कोई सोता ही नहीं था। घुमावदार गलियाँ अर्धदेवों, प्रकृति की आत्माओं और छोटे-छोटे देवताओं से भरी हुई थीं, जो रथों या साइक्लोप्स द्वारा उठाई जाने वाली पालकियों पर सवार होकर चहल-पहल कर रहे थे। यहाँ मानो सर्दी का नामोनिशान ही नहीं था। मुझे खिले हुए बगीचों की खुशबू महसूस हुई, चमेली, गुलाब और कुछ ऐसी मीठी खुशबूएँ जिनका मैं नाम भी नहीं ले सकता था। कई खिड़कियों से संगीत की मधुर ध्वनि आ रही थी, वीणा और बांसुरी की कोमल आवाज़ें।

पर्वत की चोटी पर स्थित था सबसे भव्य महल, देवताओं का जगमगाता सफेद हॉल।

हमारे पेगासी ने हमें विशाल चांदी के दरवाजों के सामने, बाहरी आंगन में उतार दिया। इससे पहले कि मैं दस्तक देने के बारे में सोच भी पाता, दरवाजे अपने आप खुल गए।

"शुभकामनाएं, बॉस," ब्लैकजैक ने कहा।

“हाँ।” मुझे पता नहीं क्यों, लेकिन मुझे विनाश का आभास हो रहा था। मैंने कभी सारे देवताओं को एक साथ नहीं देखा था। मैं जानता था कि उनमें से कोई भी मुझे चूर-चूर कर सकता है, और उनमें से कुछ ऐसा करना भी चाहते थे।

हे, अगर तुम वापस नहीं आए, तो क्या मैं तुम्हारी झोपड़ी को अपने अस्तबल के लिए इस्तेमाल कर सकता हूँ?

मैंने पेगासस को देखा।

बस एक विचार था, उन्होंने कहा। क्षमा करें।

ब्लैकजैक और उसके दोस्त उड़ गए, थैलिया, एनाबेथ और मुझे अकेला छोड़कर। एक मिनट के लिए हम महल को देखते रहे, ठीक वैसे ही जैसे हम वेस्टओवर हॉल के सामने एक साथ खड़े थे, मानो लाखों साल पहले की बात हो।

और फिर, हम साथ-साथ सिंहासन कक्ष में चले गए।

शिविर में झोपड़ियों की व्यवस्था की तरह ही, बारह विशाल सिंहासन एक केंद्रीय चूल्हे के चारों ओर एक 'यू' आकार में बने हुए थे। ऊपर की छत नक्षत्रों से जगमगा रही थी—यहाँ तक कि सबसे नया नक्षत्र, शिकारी ज़ोई भी, धनुष ताने आकाश में विचरण करती हुई दिखाई दे रही थी।

सभी सीटें भरी हुई थीं। हर देवी-देवता लगभग पंद्रह फीट ऊंचे थे, और मैं आपको बता रहा हूँ, अगर आपने कभी एक दर्जन सर्वशक्तिमान विशालकाय प्राणियों को एक साथ अपनी ओर घूरते हुए देखा हो... तो अचानक, राक्षसों का सामना करना पिकनिक जैसा लगने लगता है।

"स्वागत है, नायकों," आर्टेमिस ने कहा।

“मूं!”

तभी मेरी नजर बेसी और ग्रोवर पर पड़ी।

कमरे के बीचोंबीच, चूल्हे की आग के पास, पानी का एक गोला हवा में तैर रहा था। बेसी खुशी-खुशी उसमें तैर रहा था, अपनी सर्प जैसी पूंछ हिला रहा था और गोले के किनारों और नीचे से अपना सिर बाहर निकाल रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे उसे जादुई बुलबुले में तैरने का अनोखा अनुभव बहुत पसंद आ रहा हो। ग्रोवर ज़्यूस के सिंहासन पर घुटनों के बल बैठा था, मानो उसने अभी-अभी कोई रिपोर्ट दी हो, लेकिन जब उसने हमें देखा, तो वह चिल्लाया, "तुम यहाँ पहुँच गए!"

वह मेरी ओर दौड़ने लगा, फिर उसे याद आया कि वह ज़्यूस की ओर पीठ करके खड़ा है, और उसने अनुमति मांगी।

“आगे बढ़ो,” ज़्यूस ने कहा। लेकिन वह वास्तव में ग्रोवर पर ध्यान नहीं दे रहा था। आकाश का स्वामी थैलिया को टकटकी लगाकर देख रहा था।

ग्रोवर दौड़ता हुआ आया। किसी भी देवता ने कुछ नहीं कहा। ग्रोवर के खुरों की हर आवाज संगमरमर के फर्श पर गूंज रही थी। बेसी उसके पानी के बुलबुले में छपछपा रही थी। चूल्हे की आग चटक रही थी।

मैंने घबराकर अपने पिता, पोसीडॉन की ओर देखा। उन्होंने वैसे ही कपड़े पहने थे जैसे पिछली बार जब मैंने उन्हें देखा था: बीच शॉर्ट्स, हवाईयन शर्ट और सैंडल। उनका चेहरा धूप से झुलसा हुआ और झुर्रियों से भरा था, घनी दाढ़ी और गहरी हरी आँखें थीं। मुझे नहीं पता था कि मुझे दोबारा देखकर उन्हें कैसा लगेगा, लेकिन उनकी आँखों के कोनों में मुस्कान की झुर्रियाँ थीं। उन्होंने सिर हिलाया, मानो कह रहे हों, "कोई बात नहीं।"

ग्रोवर ने एनाबेथ और थैलिया को गले लगाया। फिर उसने मेरी बांहें पकड़ लीं। “पर्सी, बेसी और मैं कामयाब हो गए! लेकिन तुम्हें उन्हें मनाना होगा! वे ऐसा नहीं कर सकते!”

“क्या करें?” मैंने पूछा।

“वीरों,” आर्टेमिस ने पुकारा।

देवी अपने सिंहासन से नीचे उतरीं और मानव रूप में आ गईं, एक युवा भूरे बालों वाली लड़की, विशाल ओलंपियनों के बीच पूरी तरह सहज। वह हमारी ओर बढ़ीं, उनके चांदी जैसे वस्त्र चमक रहे थे। उनके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। ऐसा लग रहा था मानो वह चांदनी के स्तंभ में चल रही हों।

“परिषद को आपके कार्यों की जानकारी दे दी गई है,” आर्टेमिस ने हमसे कहा। “वे जानते हैं कि पश्चिम में माउंट ओथ्रिस का उदय हो रहा है। वे एटलस के स्वतंत्रता संग्राम और क्रोनोस की एकत्रित होती सेनाओं के बारे में भी जानते हैं। हमने कार्रवाई करने का निर्णय लिया है।”

देवताओं के बीच कुछ फुसफुसाहट और हलचल हुई, मानो वे सभी इस योजना से खुश नहीं थे, लेकिन किसी ने भी विरोध नहीं किया।

“मेरे स्वामी ज़्यूस के आदेश पर,” आर्टेमिस ने कहा, “मैं और मेरा भाई अपोलो सबसे शक्तिशाली राक्षसों का शिकार करेंगे, ताकि टाइटन्स के साथ जुड़ने से पहले ही उन्हें मार गिराएँ। देवी एथेना स्वयं अन्य टाइटन्स की जाँच करेंगी ताकि वे अपनी-अपनी जेलों से भाग न जाएँ। भगवान पोसीडॉन को क्रूज़ शिप प्रिंसेस एंड्रोमेडा पर अपना पूरा प्रकोप बरसाने और उसे समुद्र की गहराई में भेजने की अनुमति दे दी गई है। और जहाँ तक आप, मेरे वीरों की बात है...”

वह अन्य अमर प्राणियों की ओर मुड़ी। “इन आधे अमर प्राणियों ने ओलंपस की बहुत बड़ी सेवा की है। क्या यहाँ कोई इस बात से इनकार करेगा?”

उसने चारों ओर एकत्रित देवताओं की ओर देखा, और एक-एक करके उनके चेहरों को निहारा। ज़्यूस गहरे रंग के धारीदार सूट में, करीने से कटी काली दाढ़ी में, और ऊर्जा से चमकती आँखों में दिखाई दिया। उसके बगल में एक सुंदर स्त्री बैठी थी, जिसके चाँदी जैसे बाल एक कंधे पर गुंथे हुए थे और उसने मोर के पंखों की तरह चमकती पोशाक पहनी थी। वह देवी हेरा थीं।

ज़्यूस के दाहिनी ओर, मेरे पिता पोसीडॉन। उनके बगल में, एक विशालकाय व्यक्ति, जिसका एक पैर स्टील के ब्रेस में है, सिर विकृत है, और घनी भूरी दाढ़ी है, जिसकी मूंछों में आग की लपटें निकल रही हैं। भट्टियों के स्वामी, हेफेस्टस।

हर्मीस ने मेरी तरफ आँख मारी। आज उसने बिज़नेस सूट पहना हुआ था और अपने मोबाइल फोन पर मैसेज चेक कर रहा था। अपोलो अपने सुनहरे सिंहासन पर धूप का चश्मा लगाए पीछे की ओर झुककर बैठा था। उसने आईपॉड हेडफ़ोन लगा रखे थे, इसलिए मुझे पक्का नहीं पता था कि वो सुन भी रहा है या नहीं, लेकिन उसने मुझे अंगूठा ऊपर करके इशारा किया। डायोनिसस ऊबा हुआ लग रहा था और अपनी उंगलियों के बीच अंगूर की बेल घुमा रहा था। और एरेस, खैर, वो अपने क्रोम और चमड़े के सिंहासन पर बैठा था और चाकू तेज़ करते हुए मुझे घूर रहा था।

सिंहासन कक्ष के महिलाओं वाले हिस्से में, सेब के पेड़ की शाखाओं से बने सिंहासन पर, हरे वस्त्र पहने एक गहरे बालों वाली देवी हेरा के बगल में बैठी थीं। वह फसल की देवी डेमेटर थीं। उनके बगल में एक सुंदर भूरी आँखों वाली महिला सुरुचिपूर्ण सफेद पोशाक में बैठी थीं। वह निश्चित रूप से एनाबेथ की माँ, एथेना ही हो सकती थीं। फिर वहाँ एफ़्रोडाइट थीं, जिन्होंने मुझे देखकर मुस्कुराया और मुझे अनजाने में ही शर्म आ गई।

सभी ओलंपियन एक ही स्थान पर। इस कमरे में इतनी शक्ति थी कि यह एक चमत्कार ही था कि पूरा महल चकनाचूर नहीं हो गया।

“मुझे कहना पड़ेगा”—अपोलो ने चुप्पी तोड़ी—“इन बच्चों ने अच्छा प्रदर्शन किया।” उसने अपना गला साफ किया और बोलना शुरू किया: “वीरों को सम्मान मिलता है—”
“उम, हाँ, प्रथम श्रेणी,” हर्मेस ने बीच में ही टोकते हुए कहा, मानो वह अपोलो की कविता से बचना चाहता हो।
“क्या आप सभी उन्हें विघटित न करने के पक्ष में हैं?”
कुछ झिझकते हुए हाथ उठे—डेमेटर, एफ्रोडाइट।
“एक मिनट रुको,” एरेस गुर्राया। उसने थैलिया और मेरी ओर इशारा करते हुए कहा, “ये दोनों खतरनाक हैं। जब तक ये हमारे साथ हैं, तब तक सुरक्षित रहना ही बेहतर होगा—”
“एरेस,” पोसीडॉन ने बीच में ही टोकते हुए कहा, “वे योग्य नायक हैं। हम मेरे बेटे के टुकड़े-टुकड़े नहीं करेंगे।”
“और न ही मेरी बेटी,” ज़्यूस बड़बड़ाया। “उसने अच्छा काम किया है।”
थालिया का चेहरा लाल हो गया। उसने ज़मीन की ओर देखा। मैं समझ सकती थी कि उसे कैसा लग रहा है। मैंने अपने पिता से शायद ही कभी बात की थी, तारीफ़ मिलना तो दूर की बात थी।
देवी एथेना ने गला साफ किया और आगे झुक गईं। “मुझे भी अपनी बेटी पर गर्व है। लेकिन बाकी दो के साथ सुरक्षा का खतरा है।”
“माँ!” एनाबेथ ने कहा। “आप ऐसा कैसे कर सकती हैं—”
एथेना ने शांत लेकिन दृढ़ नज़र से उसे रोकते हुए कहा, “यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मेरे पिता ज़्यूस और मेरे चाचा पोसीडॉन ने संतान न पैदा करने की अपनी शपथ तोड़ दी। केवल हेड्स ने ही अपना वचन निभाया, जो मुझे विडंबनापूर्ण लगता है। जैसा कि हम महान भविष्यवाणी से जानते हैं, तीन बड़े देवताओं के बच्चे... जैसे थैलिया और पर्सी... खतरनाक होते हैं। एरेस चाहे कितना भी मूर्ख क्यों न हो, उसकी बात में दम है।”
“ठीक है!” एरेस ने कहा। “अरे, एक मिनट रुको। तुम किसे बुला रहे हो—”
वह उठने लगा, लेकिन एक अंगूर की बेल उसकी कमर के चारों ओर सीट बेल्ट की तरह लिपट गई और उसे वापस नीचे खींच लिया।
“हे भगवान, एरेस,” डायोनिसस ने आह भरी। “लड़ाई बाद के लिए बचाकर रखो।”
एरेस ने गुस्से में आकर बेल को खींचकर अलग कर दिया। "तुम्हें बोलने का क्या हक है, बूढ़े शराबी। क्या तुम सच में इन बच्चों की रक्षा करना चाहते हो?"
डायोनिसस ने थकी हुई निगाहों से हमारी ओर देखा। “मुझे उनसे कोई प्रेम नहीं है। एथेना, क्या तुम्हें सच में लगता है कि उन्हें नष्ट करना ही सबसे सुरक्षित है?”
“मैं कोई फैसला नहीं सुनाती,” एथेना ने कहा। “मैं सिर्फ जोखिम की ओर इशारा करती हूं। हम क्या करेंगे, यह परिषद को तय करना होगा।”

“मैं उन्हें दंडित नहीं करूंगी,” आर्टेमिस ने कहा। “मैं उन्हें पुरस्कृत करूंगी। यदि हम उन नायकों को नष्ट कर देते हैं जो हम पर बहुत बड़ा उपकार करते हैं, तो हम टाइटन्स से बेहतर नहीं हैं। यदि यही ओलंपियन न्याय है, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगी।”
“शांत हो जाओ, बहन,” अपोलो ने कहा। “अरे यार, थोड़ा शांत हो जाओ।”
मुझे बहन मत कहो! मैं उन्हें इनाम दूंगी।
“ठीक है,” ज़्यूस बड़बड़ाया। “शायद। लेकिन कम से कम उस राक्षस को तो नष्ट करना ही होगा। क्या हम इस पर सहमत हैं?”
बहुत से लोगों ने सहमति में सिर हिलाया।
मुझे उनकी बात समझने में एक पल लगा। फिर मेरा दिल एकदम जम गया। "बेसी? तुम बेसी को बर्बाद करना चाहते हो?"
“मूंऊऊऊ!” बेसी ने विरोध किया।
मेरे पिता ने भौंहें चढ़ा लीं। "तुमने ओफियोटॉरस का नाम बेसी रखा है?"
मैंने कहा, “पिताजी, वह तो बस एक समुद्री जीव है। एक बहुत ही प्यारा समुद्री जीव। आप उसे नष्ट नहीं कर सकते।”
पोसाइडन असहज होकर हिल गया। "पर्सी, उस राक्षस की शक्ति बहुत अधिक है। अगर टाइटन्स उसे चुरा लें, या—"
“तुम ऐसा नहीं कर सकते,” मैंने ज़िद की। मैंने ज़्यूस की तरफ देखा। शायद मुझे उससे डरना चाहिए था, लेकिन मैंने उसकी आँखों में सीधे देखते हुए कहा, “भविष्यवाणियों को नियंत्रित करना कभी कारगर नहीं होता। क्या यह सच नहीं है? इसके अलावा, बेस— ओफियोटॉरस निर्दोष है। उसे मारना गलत है। यह उतना ही गलत है जितना... जितना क्रोनोस का अपने बच्चों को सिर्फ इसलिए खा जाना कि वे कुछ कर सकते हैं। यह गलत है!”
ज़्यूस इस पर विचार करने लगा। उसकी नज़र अपनी बेटी थैलिया पर पड़ी। “और जोखिम का क्या? क्रोनोस भली-भांति जानता है कि यदि तुममें से कोई भी उस जानवर की आँतों का बलिदान कर दे, तो तुम्हें हमें नष्ट करने की शक्ति मिल जाएगी। क्या तुम्हें लगता है कि हम इस संभावना को बने रहने दे सकते हैं? मेरी बेटी, तुम कल सोलह साल की हो जाओगी, जैसा कि भविष्यवाणी में कहा गया है।”
“आपको उन पर भरोसा करना होगा,” एनाबेथ ने कहा। “सर, आपको उन पर भरोसा करना होगा।”
ज़्यूस ने तेवर चढ़ाए। "एक नायक पर भरोसा?"
“एनाबेथ सही कह रही है,” आर्टेमिस ने कहा। “इसीलिए मुझे पहले इनाम देना होगा। मेरी वफादार साथी, ज़ो नाइटशेड, अब इस दुनिया में नहीं रही। मुझे एक नया लेफ्टिनेंट चाहिए। और मैं एक को चुनने का इरादा रखती हूँ। लेकिन पहले, पिता ज़्यूस, मुझे आपसे अकेले में बात करनी है।”

ज़्यूस ने आर्टेमिस को आगे आने का इशारा किया। वह झुक गया और आर्टेमिस की बातें सुनने लगा जो वह उसके कान में फुसफुसा रही थी।
मुझे घबराहट होने लगी। मैंने धीमी आवाज़ में कहा, "एनाबेथ, ऐसा मत करो।"
उसने मेरी तरफ़ भौंहें चढ़ाकर पूछा, "क्या?"
“देखो, मुझे तुम्हें कुछ बताना है,” मैंने लड़खड़ाते हुए कहा। मेरे मुँह से शब्द लड़खड़ाते हुए निकले। “अगर ऐसा हुआ तो मैं बर्दाश्त नहीं कर पाऊँगी... मैं नहीं चाहती कि तुम—”
“पर्सी?” उसने कहा। “लगता है तुम्हें उल्टी आने वाली है।”
और मुझे ऐसा ही महसूस हुआ। मैं और भी कुछ कहना चाहती थी, लेकिन मेरी ज़बान मेरा साथ नहीं दे रही थी। मेरे पेट में बैठे डर के कारण वो हिल ही नहीं रही थी। और फिर आर्टेमिस मुड़ी।
“मुझे एक नई लेफ्टिनेंट मिलेगी,” उसने घोषणा की। “अगर वह इसे स्वीकार कर ले तो।”
“नहीं,” मैंने धीरे से कहा।
“थालिया,” आर्टेमिस ने कहा। “ज़्यूस की पुत्री। क्या तुम शिकार में शामिल होगी?”
कमरे में सन्नाटा छा गया। मैं थालिया को देखती रही, मुझे यकीन नहीं हो रहा था कि मैं क्या सुन रही हूँ। एनाबेथ मुस्कुराई। उसने थालिया का हाथ हल्के से दबाया और फिर छोड़ दिया, मानो उसे पहले से ही इसकी उम्मीद थी।
“मैं करूंगी,” थालिया ने दृढ़ता से कहा।
ज़्यूस उठे, उनकी आँखों में चिंता भरी थी। “मेरी बेटी, अच्छी तरह सोच लो—”
“पिताजी,” उसने कहा। “मैं कल सोलह साल की नहीं होऊंगी। मैं कभी सोलह साल की नहीं होऊंगी। मैं इस भविष्यवाणी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दूंगी। मैं अपनी बहन आर्टेमिस के साथ खड़ी हूं। क्रोनोस मुझे फिर कभी बहका नहीं पाएगा।”
वह देवी के सामने घुटने टेककर बैठ गई और बियांका की शपथ के वे शब्द दोहराने लगी जो मुझे बहुत समय पहले की याद दिलाते थे। “मैं स्वयं को देवी आर्टेमिस को समर्पित करती हूँ। मैं पुरुषों की संगति से मुंह मोड़ लेती हूँ...”

उसके बाद, थैलिया ने कुछ ऐसा किया जिसने मुझे शपथ की तरह ही आश्चर्यचकित कर दिया। वह मेरे पास आई, मुस्कुराई और पूरी सभा के सामने उसने मुझे गले लगा लिया।
मुझे शर्मा गयी।
जब वह मुझसे दूर हटी और मेरे कंधों को पकड़ लिया, तो मैंने कहा, "उम...क्या तुम्हें अब ऐसा नहीं करना चाहिए? मेरा मतलब है, लड़कों को गले लगाना?"

“मैं एक दोस्त का सम्मान कर रही हूँ,” उसने बात सुधारते हुए कहा। “मुझे हंट में शामिल होना ही होगा, पर्सी। हाफ-ब्लड हिल के बाद से मुझे चैन नहीं मिला है। आखिरकार मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मुझे घर मिल गया हो। लेकिन तुम एक हीरो हो। तुम ही वो होगे जिसके बारे में भविष्यवाणी की गई है।”
“बहुत बढ़िया,” मैंने बुदबुदाया।
मुझे आपका दोस्त होने पर गर्व है।
उसने एनाबेथ को गले लगाया, जो रोने से बचने की पूरी कोशिश कर रही थी। फिर उसने ग्रोवर को भी गले लगाया, जो बेहोश होने की कगार पर लग रहा था, मानो किसी ने उसे अनलिमिटेड एनचिलाडा खाने का कूपन दे दिया हो।
फिर थैलिया आर्टेमिस के पास जाकर खड़ी हो गई।
“अब बारी है ओफियोटॉरस की,” आर्टेमिस ने कहा।
“यह लड़का अभी भी खतरनाक है,” डायोनिसस ने चेतावनी दी। “यह जानवर बड़ी शक्ति का प्रलोभन है। भले ही हम लड़के को बख्श दें—”
“नहीं।” मैंने चारों ओर सभी देवताओं की ओर देखा। “कृपया। ओफियोटॉरस को सुरक्षित रखें। मेरे पिताजी उसे समुद्र के नीचे कहीं छिपा सकते हैं, या ओलंपस में किसी मछलीघर में रख सकते हैं। लेकिन आपको उसकी रक्षा करनी होगी।”
“और हमें तुम पर भरोसा क्यों करना चाहिए?” हेफेस्टस गरज उठा।
मैंने कहा, "मैं तो सिर्फ चौदह साल का हूँ। अगर यह भविष्यवाणी मेरे बारे में है, तो मुझे दो साल और लगेंगे।"
“क्रोनोस के पास तुम्हें धोखा देने के लिए दो साल का समय है,” एथेना ने कहा। “मेरे युवा नायक, दो साल में बहुत कुछ बदल सकता है।”
“माँ!” एनाबेथ ने झुंझलाते हुए कहा।
“यह तो बस सच है, बच्चे। जानवर को ज़िंदा रखना एक बुरी रणनीति है। या फिर लड़के को भी।”
मेरे पिता खड़े हो गए। “अगर मैं रोक सकता हूँ, तो मैं किसी भी समुद्री जीव को नष्ट नहीं होने दूँगा। और मैं रोक सकता हूँ।”
उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया, और उसमें एक त्रिशूल प्रकट हुआ: बीस फुट लंबा कांसे का डंडा, जिसके तीन नुकीले सिरे नीले, पानी जैसे प्रकाश से जगमगा रहे थे। "मैं लड़के और ओफियोटॉरस की सुरक्षा की गारंटी देता हूँ।"
“तुम इसे समुद्र के नीचे नहीं ले जाओगे!” ज़्यूस अचानक खड़ा हो गया। “मैं तुम्हारे पास इस तरह का सौदेबाजी का हथियार नहीं रखूंगा।”
“भाई, कृपया,” पोसीडॉन ने आह भरी।
ज़्यूस के हाथ में बिजली का बोल्ट प्रकट हुआ, बिजली की एक किरण जिसने पूरे कमरे को ओजोन की गंध से भर दिया।

“ठीक है,” पोसीडॉन ने कहा। “मैं यहाँ उस जीव के लिए एक मछलीघर बनाऊँगा। हेफेस्टस मेरी मदद कर सकता है। वह जीव सुरक्षित रहेगा। हम अपनी पूरी शक्ति से उसकी रक्षा करेंगे। वह लड़का हमें धोखा नहीं देगा। मैं अपनी प्रतिष्ठा की कसम खाकर यह आश्वासन देता हूँ।”
ज़्यूस ने इस बारे में सोचा। "क्या सभी इसके पक्ष में हैं?"
मुझे आश्चर्य हुआ कि बहुत से लोगों ने हाथ उठाए। डायोनिसस ने मतदान नहीं किया। एरेस और एथेना ने भी नहीं किया। लेकिन बाकी सबने...
“हमारे पास बहुमत है,” ज़्यूस ने फरमान जारी किया। “इसलिए, चूंकि हम इन नायकों को नष्ट नहीं करेंगे... मेरा मानना है कि हमें इनका सम्मान करना चाहिए। विजयोत्सव शुरू होने दो!”
पार्टियां तो कई तरह की होती हैं, और फिर आती हैं बहुत बड़ी, शानदार और धमाकेदार पार्टियां। और फिर आती हैं ओलंपिक स्तर की पार्टियां। अगर कभी मौका मिले तो ओलंपिक स्तर की पार्टी ही चुनें।
नौ देवियों ने संगीत की धुनें तेज़ कर दीं, और मुझे एहसास हुआ कि संगीत वही था जो आप चाहते थे: देवता शास्त्रीय संगीत सुन सकते थे और छोटे देवता हिप-हॉप या कुछ भी सुन सकते थे, और सबका संगीत एक ही था। कोई बहस नहीं। रेडियो स्टेशन बदलने के लिए कोई झगड़ा नहीं। बस आवाज़ तेज़ करने की गुज़ारिश।
डायोनिसस ज़मीन से जलपान के स्टॉल उगा रहा था, और एक सुंदर स्त्री उसका हाथ थामे उसके साथ चल रही थी—उसकी पत्नी, एरियाडने। डायोनिसस पहली बार खुश दिख रहा था। सुनहरे फव्वारों से अमृत और रस बह रहा था, और दावत की मेजों पर स्वादिष्ट पकवानों की थालियाँ सजी थीं। सोने के प्याले आपकी पसंद के पेय से भरे हुए थे। ग्रोवर टिन के डिब्बों और एनचिलाडा से भरी थाली लेकर इधर-उधर घूम रहा था, और उसका प्याला डबल एस्प्रेसो लट्टे से भरा था, जिसे वह मंत्र की तरह बुदबुदा रहा था: "पैन! पैन!"
देवता मुझे बधाई देने आते रहे। शुक्र है, उन्होंने अपना आकार मनुष्य के समान छोटा कर लिया था, इसलिए उन्होंने गलती से भी पार्टी में आए लोगों को अपने पैरों तले नहीं कुचला। हर्मीस मुझसे बातें करने लगा, और वह इतना खुश था कि मुझे उसे उसके सबसे नापसंद बेटे, ल्यूक के साथ हुई घटना के बारे में बताने में बहुत बुरा लग रहा था, लेकिन इससे पहले कि मैं हिम्मत जुटा पाता, हर्मीस को उसके कैडूसियस पर एक संदेश आया और वह चला गया।
अपोलो ने मुझसे कहा कि मैं कभी भी उसके सूर्य रथ को चला सकता हूँ, और अगर मैं कभी तीरंदाजी सीखना चाहूँ तो—
मैंने उससे कहा, "धन्यवाद। लेकिन सच कहूं तो, मुझे तीरंदाजी बिल्कुल नहीं आती।"
“अरे, बकवास है,” उसने कहा। “अमेरिका के ऊपर से उड़ते हुए रथ से निशाना लगाने का अभ्यास? इससे ज़्यादा मज़ेदार और क्या हो सकता है!”
मैंने कुछ बहाने बनाए और महल के प्रांगण में नाच रही भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए निकल गया। मैं एनाबेथ को ढूंढ रहा था। आखिरी बार जब मैंने उसे देखा था, वह किसी छोटे से देवता के साथ नाच रही थी।
तभी मेरे पीछे से एक आदमी की आवाज आई, "मुझे उम्मीद है कि तुम मुझे निराश नहीं करोगे।"

मैंने मुड़कर देखा तो पोसीडॉन मेरी ओर मुस्कुरा रहा था।
“पापा...हाय।”
"हैलो, पर्सी। तुमने अच्छा किया।"
उनकी तारीफ सुनकर मुझे बेचैनी होने लगी। मतलब, अच्छा तो लगा, लेकिन मुझे पता था कि मेरे लिए गवाही देकर उन्होंने कितना बड़ा जोखिम उठाया है। दूसरों को मुझे बर्बाद करने देना कहीं ज्यादा आसान होता।
मैंने वादा किया, "मैं आपको निराश नहीं करूंगा।"
उन्होंने सिर हिलाया। मुझे देवताओं की भावनाओं को समझने में कठिनाई होती थी, लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या उनके मन में कुछ संदेह थे।
“तुम्हारा दोस्त ल्यूक—”
“वो मेरा दोस्त नहीं है,” मैंने झट से कह दिया। फिर मुझे एहसास हुआ कि बीच में टोकना शायद असभ्य था।
“माफ़ कीजिए।”
“तुम्हारा पुराना दोस्त ल्यूक,” पोसीडॉन ने सुधार करते हुए कहा। “उसने एक बार ऐसे वादे किए थे। वह हर्मीस का लाडला था। बस इस बात को याद रखना, पर्सी। बहादुर से बहादुर भी गिर सकता है।”
मैंने सहमति जताते हुए कहा, "ल्यूक बुरी तरह गिरा था। उसकी मौत हो गई है।"
पोसाइडन ने अपना सिर हिलाया। "नहीं, पर्सी। वह नहीं है।"
मैंने उसे घूरकर देखा। "क्या?"
“मुझे लगता है एनाबेथ ने तुम्हें यह बताया होगा। ल्यूक अभी भी जीवित है। मैंने देखा है। उसकी नाव अभी भी सैन फ्रांसिस्को से क्रोनोस के अवशेषों के साथ रवाना हो रही है। वह पीछे हटेगा और फिर से संगठित होगा, उसके बाद तुम पर दोबारा हमला करेगा। मैं तूफानों से उसकी नाव को नष्ट करने की पूरी कोशिश करूंगा, लेकिन वह मेरे दुश्मनों, समुद्र की प्राचीन आत्माओं के साथ गठबंधन कर रहा है। वे उसकी रक्षा के लिए लड़ेंगे।”
मैंने कहा, “वो ज़िंदा कैसे हो सकता है? उस गिरने से तो उसकी जान ही चली जानी चाहिए थी!”
पोसाइडन चिंतित लग रहे थे। “मुझे नहीं पता, पर्सी, लेकिन उससे सावधान रहना। वह पहले से कहीं अधिक खतरनाक है। और सोने का ताबूत अभी भी उसके पास है, और उसकी शक्ति लगातार बढ़ रही है।”
“एटलस का क्या होगा?” मैंने कहा। “उसे दोबारा भागने से कौन रोक सकता है? क्या वह किसी दैत्य या किसी और को मजबूर करके आकाश पर अपना अधिकार नहीं जमा सकता?”
मेरे पिता ने उपहास से कहा, “अगर इतना आसान होता तो वह बहुत पहले ही भाग गया होता। नहीं, मेरे बेटे। आकाश का श्राप केवल एक टाइटन पर ही डाला जा सकता है, जो गाया और उरानस की संतानों में से एक हो। बाकी सभी को अपनी मर्ज़ी से यह बोझ उठाना पड़ता है। केवल एक नायक, एक शक्तिशाली, सच्चे हृदय वाला और महान साहस वाला व्यक्ति ही ऐसा कर सकता है। क्रोनोस की सेना में कोई भी उस भार को उठाने की हिम्मत नहीं करेगा, चाहे मृत्यु ही क्यों न हो।”

मैंने कहा, "ल्यूक ने ऐसा किया। उसने एटलस को जाने दिया। फिर उसने एनाबेथ को छल से एटलस को बचाने के लिए राजी किया और उसका इस्तेमाल आर्टेमिस को आकाश पर कब्जा करने के लिए मनाने में किया।"

“हां,” पोसीडॉन ने कहा। “ल्यूक...एक दिलचस्प मामला है।”

मुझे लगता है कि वह और कुछ कहना चाहता था, लेकिन तभी आंगन के दूसरी तरफ से बेसी की म्याऊं-म्याऊं की आवाज सुनाई दी। कुछ अर्धदेवता उसकी जल की गेंद से खेल रहे थे, उसे खुशी-खुशी भीड़ के ऊपर इधर-उधर उछाल रहे थे।

“मुझे इसका ध्यान रखना होगा,” पोसीडॉन बड़बड़ाया। “हम ओफियोटॉरस को बीच बॉल की तरह इधर-उधर नहीं उछाल सकते। मेरे बेटे, अच्छे बच्चे बनो। शायद कुछ समय तक हमारी बात न हो पाए।”

और बस देखते ही देखते वह चला गया।

मैं भीड़ में और ढूंढने ही वाला था कि तभी एक और आवाज सुनाई दी। "तुम्हें पता है, तुम्हारे पिता बहुत बड़ा जोखिम उठाते हैं।"

मैंने खुद को एक भूरी आंखों वाली महिला के सामने पाया जो दिखने में एनाबेथ जैसी थी, मैंने लगभग उसे एनाबेथ ही कह दिया था।

“एथेना।” मैंने नाराज़गी न दिखाने की कोशिश की, खासकर परिषद में उसके द्वारा मुझे नज़रअंदाज़ किए जाने के बाद, लेकिन मुझे लगता है कि मैं इसे अच्छी तरह से छिपा नहीं पाई।

उसने रूखी मुस्कान के साथ कहा, "मुझे इतनी कठोरता से मत आंकिए, आधे खून वाले। समझदारी भरी सलाह हमेशा लोकप्रिय नहीं होती, लेकिन मैंने सच कहा। आप खतरनाक हैं।"

“क्या आप कभी जोखिम नहीं लेते?”

उसने सिर हिलाया। “मैं आपकी बात मानती हूँ। आप शायद उपयोगी साबित हो सकते हैं। लेकिन... आपकी यह घातक कमजोरी हमें और आपको दोनों को ही बर्बाद कर सकती है।”

मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। एक साल पहले, एनाबेथ और मैंने घातक कमियों के बारे में बात की थी। हर हीरो में कोई न कोई कमी होती है। उसने कहा था कि उसकी कमी घमंड है। उसे लगता था कि वह कुछ भी कर सकती है... जैसे दुनिया को थामे रखना, या ल्यूक को बचाना। लेकिन मुझे सच में नहीं पता था कि मेरी कमी क्या है।

एथेना को मुझ पर लगभग तरस आ रहा था। “क्रोनोस तुम्हारी कमजोरी जानता है, भले ही तुम न जानते हो। वह अपने दुश्मनों का अध्ययन करना जानता है। सोचो, पर्सी। उसने तुम्हें कैसे बहकाया है? पहले तुम्हारी माँ को तुमसे छीन लिया गया। फिर तुम्हारे सबसे अच्छे दोस्त, ग्रोवर को। अब मेरी बेटी, एनाबेथ को।” वह थोड़ी देर रुकी, असहमति जताते हुए बोली, “हर मामले में, तुम्हारे प्रियजनों का इस्तेमाल तुम्हें क्रोनोस के जाल में फंसाने के लिए किया गया है। तुम्हारी सबसे बड़ी कमजोरी व्यक्तिगत वफादारी है, पर्सी। तुम्हें यह नहीं पता

कि नुकसान कम करने का समय कब होता है। एक दोस्त को बचाने के लिए, तुम दुनिया को कुर्बान कर दोगे। भविष्यवाणी के नायक के लिए, यह बहुत, बहुत खतरनाक है।"
मैंने मुट्ठी भींच ली। "यह कोई कमी नहीं है। सिर्फ इसलिए कि मैं अपने दोस्तों की मदद करना चाहता हूँ—"
उन्होंने कहा, "सबसे खतरनाक कमियां वे हैं जो सीमित मात्रा में अच्छी लगती हैं। बुराई से लड़ना आसान है। लेकिन अज्ञानता से लड़ना बहुत कठिन है।"
मैं बहस करना चाहता था, लेकिन मैंने पाया कि मैं ऐसा नहीं कर सकता। एथेना वाकई बहुत बुद्धिमान थी।
"मुझे उम्मीद है कि परिषद के फैसले बुद्धिमानी भरे साबित होंगे," एथेना ने कहा। "लेकिन मैं तुम पर नज़र रखूंगी, पर्सी जैक्सन। मुझे मेरी बेटी के साथ तुम्हारी दोस्ती मंज़ूर नहीं है। मुझे नहीं लगता कि यह तुम दोनों के लिए समझदारी भरा है। और अगर तुम अपनी वफादारी में ज़रा भी डगमगाने लगे तो..."
उसने अपनी ठंडी, धूसर निगाहों से मुझे घूरा, और मुझे एहसास हुआ कि एथेना कितनी भयानक शत्रु साबित होगी, एरेस या डायोनिसस या शायद मेरे पिता से भी दस गुना ज़्यादा। एथेना कभी हार नहीं मानेगी। वह कभी भी सिर्फ़ नफ़रत की वजह से कोई जल्दबाज़ी या मूर्खतापूर्ण काम नहीं करेगी, और अगर उसने तुम्हें नष्ट करने की कोई योजना बनाई, तो वह कभी नाकाम नहीं होगी।
"पर्सी!" एनाबेथ भीड़ के बीच से दौड़ते हुए बोली। जब उसने देखा कि मैं किससे बात कर रही हूँ, तो वह अचानक रुक गई। "ओह...मम्मी।"
"मैं तुम्हें छोड़कर जा रही हूँ," एथेना ने कहा। "अभी के लिए।"
वह मुड़ी और भीड़ के बीच से आगे बढ़ी, भीड़ उसके सामने ऐसे हट गई मानो वह एजिस को ले जा रही हो।

"क्या वह तुम्हें परेशान कर रही थी?" एनाबेथ ने पूछा।
"नहीं," मैंने कहा। "यह...ठीक है।"
उसने चिंता से मेरी ओर देखा। उसने मेरे बालों में आई उस नई सफेद लकीर को छुआ जो बिल्कुल उसके बालों से मिलती थी— एटलस का बोझ उठाने की हमारी दर्दनाक निशानी। मैं एनाबेथ से बहुत कुछ कहना चाहती थी, लेकिन एथेना ने मेरा आत्मविश्वास छीन लिया था। मुझे ऐसा लगा जैसे किसी ने मेरे पेट में मुक्का मार दिया हो।
मुझे मेरी बेटी के साथ आपकी दोस्ती मंजूर नहीं है।
"तो," एनाबेथ ने कहा। "तुम मुझे पहले क्या बताना चाहते थे?"
संगीत बज रहा था। लोग सड़कों पर नाच रहे थे। मैंने कहा, "मैं सोच रहा था कि वेस्टओवर हॉल में हमारा कार्यक्रम बीच में रुक गया था। और... मुझे लगता है कि मुझे आपको एक डांस ऑफर करना चाहिए।"
वह धीरे से मुस्कुराई। "ठीक है, सीवीड ब्रेन।"
तो मैंने उसका हाथ पकड़ लिया, और मुझे नहीं पता कि बाकी सबने क्या सुना, लेकिन मुझे यह एक धीमी गति के नृत्य जैसा लगा: थोड़ा उदास, लेकिन शायद थोड़ा आशापूर्ण भी।

बीस

मुझे क्रिसमस पर एक नया दुश्मन मिल गया है

ओलंपस छोड़ने से पहले, मैंने कुछ फ़ोन करने का फैसला किया। यह आसान नहीं था, लेकिन आखिरकार मुझे एक कोने के बगीचे में एक शांत फव्वारा मिल गया और मैंने समुद्र के नीचे रह रहे अपने भाई टायसन को आइरिस संदेश भेजा। मैंने उसे अपने कारनामों के बारे में बताया, और बेसी के बारे में भी—वह उस प्यारी सी नागिन के बारे में हर छोटी-बड़ी बात जानना चाहता था—और मैंने उसे भरोसा दिलाया कि एनाबेथ सुरक्षित है। आखिर में मैंने उसे समझाया कि पिछली गर्मियों में उसने मेरे लिए जो ढाल बनाई थी, वह मैन्टिकोर के हमले में क्षतिग्रस्त हो गई थी।

“वाह!” टायसन ने कहा। “इसका मतलब है कि यह अच्छा था! इसने तुम्हारी जान बचाई!”

“हाँ, बिल्कुल, बड़े साहब,” मैंने कहा। “लेकिन अब सब बर्बाद हो गया है।”

“खराब नहीं हुआ!” टायसन ने वादा किया। “मैं अगले गर्मियों में आकर इसे ठीक कर दूंगा।”

इस विचार ने मुझे तुरंत उत्साहित कर दिया। मुझे लगता है कि मुझे इस बात का एहसास ही नहीं था कि मुझे टायसन की कितनी कमी खल रही थी।

“सच में?” मैंने पूछा। “वे आपको छुट्टी लेने देंगे?”

“जी हाँ! मैंने दो हज़ार सात सौ इकतालीस जादुई तलवारें बनाई हैं,” टायसन ने गर्व से कहा और मुझे अपनी सबसे नई तलवार दिखाई। “मालिक ने कहा, ‘शाबाश!’ उन्होंने मुझे पूरी गर्मी की छुट्टी दे दी है। मैं कैंप घूमने जाऊंगा!”

हमने कुछ देर तक युद्ध की तैयारियों और हमारे पिताजी के पुराने समुद्री देवताओं के साथ संघर्ष के बारे में बात की, और उन सभी मजेदार चीजों के बारे में बात की जो हम अगली गर्मियों में एक साथ कर सकते थे, लेकिन फिर टायसन के बॉस ने उस पर चिल्लाना शुरू कर दिया और उसे काम पर वापस जाना पड़ा।

मैंने अपना आखिरी सुनहरा ड्रैक्मा सिक्का निकाला और एक और आइरिस-संदेश बनाया।

मैंने कहा, "सैली जैक्सन। अपर ईस्ट साइड, मैनहट्टन।"

धुंध में हल्की झिलमिलाहट थी, और वहाँ मेरी माँ हमारी रसोई की मेज पर बैठी हँस रही थी और अपने दोस्त मिस्टर ब्लोफिश का हाथ पकड़े हुए थी।

मुझे इतनी शर्मिंदगी महसूस हुई कि मैं धुंध में हाथ हिलाकर कनेक्शन काटने ही वाली थी, लेकिन इससे पहले कि मैं ऐसा कर पाती, मेरी माँ ने मुझे देख लिया।

उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। उसने झट से मिस्टर ब्लोफिश का हाथ छोड़ दिया। "ओह, पॉल! तुम्हें पता है क्या? मैं अपनी डायरी लिविंग रूम में भूल गई हूँ। क्या तुम उसे मेरे लिए ला दोगे?"

“ज़रूर, सैली। कोई दिक्कत नहीं।”
वह कमरे से बाहर चला गया, और तुरंत ही मेरी माँ आइरिस के संदेश की ओर झुकीं। "पर्सी! क्या तुम ठीक हो?"
मैं ठीक हूँ। वो लेखन सेमिनार कैसा चल रहा है?
उसने अपने होंठ सिकोड़ लिए। “कोई बात नहीं। लेकिन यह ज़रूरी नहीं है। मुझे बताओ क्या हुआ है!”
मैंने उसे जितनी जल्दी हो सके सारी जानकारी दे दी। एनाबेथ के सुरक्षित होने की खबर सुनकर उसने राहत की सांस ली।
“मुझे पता था कि तुम यह कर सकते हो!” उसने कहा। “मुझे तुम पर बहुत गर्व है।”
"हाँ, ठीक है, मुझे लगता है कि आपको अपना होमवर्क फिर से शुरू कर देना चाहिए।"
“पर्सी, मैं...पॉल और मैं—”
“माँ, क्या तुम खुश हो?”
यह सवाल सुनकर वह चौंक गई। उसने कुछ पल सोचा। "हाँ। मैं सचमुच हूँ, पर्सी। उसके साथ रहने से मुझे खुशी मिलती है।"
“तो फिर कोई बात नहीं। सच में। मेरी चिंता मत करो।”
मज़े की बात तो ये थी कि मैंने ये सच में कहा था। अभी-अभी जो खोज मैंने पूरी की थी, उसे देखते हुए शायद मुझे अपनी माँ के लिए चिंतित होना चाहिए था। मैंने देखा था कि लोग एक-दूसरे के साथ कितने बुरे बर्ताव कर सकते हैं, जैसे हरक्यूलिस ने ज़ोई नाइटशेड के साथ किया था, जैसे ल्यूक ने थैलिया के साथ किया था। मैं प्रेम की देवी एफ़्रोडाइट से साक्षात मिल चुकी थी, और उनकी शक्तियों ने मुझे एरेस से भी ज़्यादा डरा दिया था। लेकिन इतने सालों तक मेरे दुष्ट सौतेले पिता गेब उग्लियानो के साथ झेलने के बाद अपनी माँ को हँसते-मुस्कुराते देखकर, मुझे उनके लिए खुशी महसूस हुई।
“क्या आप वादा करते हैं कि आप उन्हें मिस्टर ब्लोफिश कहकर नहीं बुलाएंगे?” उसने पूछा।
मैंने कंधे उचका दिए। "खैर, शायद उसके सामने तो नहीं, वैसे भी।"
“सैली?” श्री ब्लोफिस ने हमारे बैठक कक्ष से पुकारा। “तुम्हें हरी फाइल चाहिए या लाल वाली?”
“मुझे अब जाना चाहिए,” उसने मुझसे कहा। “क्रिसमस पर मिलते हैं?”
"क्या तुम मेरे मोज़े में नीली कैंडी डाल रहे हो?"
वह मुस्कुराई। "अगर आप इसके लिए बहुत बूढ़े नहीं हैं तो।"
"मिठाई खाने के लिए मेरी उम्र कभी भी ज्यादा नहीं होती।"
"अब मैं आपसे मिलूंगा।"
उसने धुंध में हाथ हिलाया। उसकी छवि गायब हो गई, और मैंने मन ही मन सोचा कि थैलिया ने वेस्टओवर हॉल में कई दिन पहले जो कहा था, वह सही था: मेरी माँ सचमुच बहुत अच्छी थी।

माउंट ओलंपस की तुलना में मैनहट्टन शांत था। क्रिसमस से पहले शुक्रवार का दिन था, लेकिन सुबह का समय था और फिफ्थ एवेन्यू पर शायद ही कोई था। कई आँखों वाले सुरक्षा प्रमुख आर्गस ने एनाबेथ, ग्रोवर और मुझे एम्पायर स्टेट बिल्डिंग से लिया और हल्की बर्फबारी के बीच हमें कैंप तक पहुँचाया। लॉन्ग आइलैंड एक्सप्रेसवे लगभग सुनसान था।

जब हम वापस हाफ-ब्लड हिल पर उस चीड़ के पेड़ की ओर बढ़ रहे थे जहाँ गोल्डन फ्लीस चमक रहा था, तो मुझे आधी उम्मीद थी कि थैलिया वहाँ हमारा इंतज़ार कर रही होगी। लेकिन वह वहाँ नहीं थी। वह आर्टेमिस और बाकी शिकारियों के साथ अपने अगले साहसिक कार्य पर निकल चुकी थी।

चिरोन ने बिग हाउस में गरमा गरम चॉकलेट और टोस्टेड चीज़ सैंडविच से हमारा स्वागत किया। ग्रोवर अपने सैटायर मित्रों के साथ पैन के जादू से हुए हमारे विचित्र अनुभव के बारे में सबको बताने चला गया। एक घंटे के भीतर, सभी सैटायर उत्तेजित होकर इधर-उधर भागने लगे और पूछने लगे कि सबसे नज़दीकी एस्प्रेसो बार कहाँ है।

एनाबेथ और मैं चिरोन और कुछ अन्य वरिष्ठ शिविरार्थियों—बेकेंडॉर्फ, सिलेना ब्यूरेगार्ड और स्टॉल भाइयों—के साथ बैठे थे। एरेस केबिन से क्लैरिस भी वहाँ थी, जो अपने गुप्त जासूसी मिशन से लौटी थी। मुझे पता था कि उसका मिशन कठिन रहा होगा, क्योंकि उसने मुझे कुचलने की कोशिश तक नहीं की। उसकी ठोड़ी पर एक नया निशान था, और उसके गंदे सुनहरे बाल छोटे और बिखरे हुए थे, मानो किसी ने उन्हें कैंची से काट दिया हो।

“मुझे एक खबर मिली है,” उसने बेचैनी से बुदबुदाते हुए कहा। “बुरी खबर।”

“मैं तुम्हें बाद में सब कुछ बता दूंगा,” चिरोन ने बनावटी खुशी जताते हुए कहा। “महत्वपूर्ण बात यह है कि तुम जीत गए। और तुमने एनाबेथ की जान बचाई!”

एनाबेथ ने कृतज्ञतापूर्वक मेरी ओर मुस्कुराया, जिससे मैंने नज़रें हटा लीं।

पता नहीं क्यों, मैं हूवर डैम और वहाँ अचानक मिली उस अजनबी लड़की, रेचल एलिजाबेथ डेयर के बारे में सोचने लगा। पता नहीं क्यों, लेकिन उसकी चिड़चिड़ी बातें बार-बार मेरे दिमाग में घूम रही थीं। क्या तुम हमेशा नाक पोंछते ही लोगों को मार देते हो? मैं सिर्फ इसलिए ज़िंदा था क्योंकि बहुत से लोगों ने मेरी मदद की थी, यहाँ तक कि उस अनजान लड़की ने भी। मैंने तो उसे कभी बताया भी नहीं था कि मैं कौन हूँ।

मैंने कहा, "ल्यूक ज़िंदा है। एनाबेथ सही कह रही थी।"

एनाबेथ उठकर बैठ गई। "तुम्हें कैसे पता?"

मैंने उसकी दिलचस्पी से चिढ़ न महसूस करने की कोशिश की। मैंने उसे बताया कि मेरे पिताजी ने राजकुमारी एंड्रोमेडा के बारे में क्या कहा था।

“अच्छा।” एनाबेथ अपनी कुर्सी पर असहज होकर हिली। “अगर अंतिम युद्ध पर्सी के सोलह साल की उम्र में ही होता है, तो कम से कम हमारे पास कुछ हल निकालने के लिए दो साल और हैं।”

मुझे ऐसा लग रहा था कि जब उसने "कुछ हल निकालो" कहा, तो उसका मतलब "ल्यूक को अपना तरीका बदलने के लिए मनाना" था, जिससे मुझे और भी गुस्सा आया।
चिरोन का चेहरा उदास था। अपनी व्हीलचेयर पर आग के पास बैठे हुए, वह सचमुच बूढ़े लग रहे थे। मतलब... वह सचमुच बूढ़े थे, लेकिन आमतौर पर वह ऐसे दिखते नहीं थे।
“दो साल लंबा समय लग सकता है,” उन्होंने कहा। “लेकिन ये पलक झपकने जितना ही समय है। मुझे अब भी उम्मीद है कि तुम भविष्यवाणी की संतान नहीं हो, पर्सी। लेकिन अगर तुम हो, तो टाइटनों का दूसरा युद्ध बस शुरू होने ही वाला है। क्रोनोस का पहला हमला यहीं होगा।”
मैंने पूछा, "तुम्हें कैसे पता? उसे कैंप की परवाह क्यों होगी?"
“क्योंकि देवता नायकों को अपने औजार के रूप में इस्तेमाल करते हैं,” चिरोन ने सीधे-सादे शब्दों में कहा। “उन औजारों को नष्ट कर दो, और देवता पंगु हो जाएँगे। ल्यूक की सेना यहाँ आएगी। नश्वर, अर्धदेव, राक्षस... हमें तैयार रहना होगा। क्लारिस की खबर से हमें उनके हमले के तरीके का सुराग मिल सकता है, लेकिन—”
दरवाजे पर दस्तक हुई और निको डि एंजेलो हांफते हुए बैठक कक्ष में आया, ठंड से उसके गाल एकदम लाल हो गए थे।
वह मुस्कुरा रहा था, लेकिन उसने घबराहट से चारों ओर देखा। "अरे! मेरी बहन कहाँ है... कहाँ है?"
सन्नाटा पसरा हुआ था। मैं काइरन को घूर रही थी। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि किसी ने उसे अभी तक नहीं बताया था। और फिर मुझे वजह समझ में आई। वे हमारे आने का इंतज़ार कर रहे थे, निको को खुद बताने के लिए।
मैं ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहता था। लेकिन बियांका के प्रति मेरी यही जिम्मेदारी थी।
“हे निको।” मैं अपनी आरामदायक कुर्सी से उठ गया। “चलो टहलने चलते हैं, ठीक है? हमें बात करनी है।”
उसने यह खबर चुपचाप सुनी, जिससे मामला और भी बिगड़ गया। मैं बोलती रही, समझाने की कोशिश करती रही कि यह सब कैसे हुआ, कैसे बियांका ने इस मिशन को बचाने के लिए खुद को कुर्बान कर दिया। लेकिन मुझे लग रहा था कि मैं बात को और बिगाड़ रही हूँ।
“वो चाहती थी कि ये तुम्हारे पास रहे।” मैंने वो छोटी सी भगवान की मूर्ति निकाली जो बियांका को कबाड़खाने में मिली थी। निको ने उसे हथेली में पकड़ा और उसे घूरने लगा।
हम भोजन मंडप में खड़े थे, ठीक उसी जगह जहाँ मैंने अपनी खोज पर जाने से पहले आखिरी बार बात की थी। शिविर की जादुई मौसम सुरक्षा के बावजूद हवा बहुत ठंडी थी। संगमरमर की सीढ़ियों पर हल्की बर्फ गिर रही थी। मुझे लगा कि शिविर की सीमा के बाहर ज़रूर बर्फीला तूफान चल रहा होगा।
"तुमने वादा किया था कि तुम उसकी रक्षा करोगे," निको ने कहा।
वह मुझे जंग लगे खंजर से भी मार सकता था।
मुझे मेरे वादे की याद दिलाने से ज्यादा बुरा तो यह होता।

“निको,” मैंने कहा। “मैंने कोशिश की। लेकिन बियांका ने हम सबको बचाने के लिए खुद को कुर्बान कर दिया। मैंने उसे मना किया था। लेकिन वह—”
"आपने वादा किया था!"
उसने लाल रंग से लाल आँखों से मेरी ओर घूरा। उसने अपनी छोटी मुट्ठी में भगवान की मूर्ति को कसकर पकड़ लिया।
“मुझे तुम पर भरोसा नहीं करना चाहिए था।” उसकी आवाज़ भर्रा गई। “तुमने मुझसे झूठ बोला। मेरे बुरे सपने सच हो गए!”
“रुको। कौन से बुरे सपने?”
उसने भगवान की मूर्ति को ज़मीन पर पटक दिया। वह बर्फीले संगमरमर पर बिखर गई। "मैं तुमसे नफ़रत करता हूँ!"
मैंने हताशा से कहा, "हो सकता है वो ज़िंदा हो। मुझे पक्का पता नहीं है—"
“वह मर चुकी है।” उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। उसका पूरा शरीर गुस्से से काँप रहा था। “मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था। वह एस्फोडेल के खेतों में है, अभी न्यायाधीशों के सामने खड़ी है, उसका मूल्यांकन हो रहा है। मैं इसे महसूस कर सकता हूँ।”
"तुम्हारा मतलब क्या है, तुम इसे महसूस कर सकते हो?"
इससे पहले कि वह जवाब दे पाता, मुझे अपने पीछे एक नई आवाज़ सुनाई दी। एक फुफकारने और खड़खड़ाने की आवाज़ जिसे मैं बहुत अच्छी तरह पहचानता था।
मैंने अपनी तलवार निकाली और निको चौंक गया। मैं घूमा और खुद को चार कंकाल योद्धाओं के सामने पाया। वे मांसहीन मुस्कान लिए तलवारें खींचे हुए आगे बढ़े। मुझे नहीं पता था कि वे शिविर के अंदर कैसे आए, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। मुझे समय पर मदद कभी नहीं मिलेगी।
“तुम मुझे मारना चाहते हो!” निको चिल्लाया। “तुम ये...ये चीजें लाए हो?”
“नहीं! मेरा मतलब है, हाँ, उन्होंने मेरा पीछा किया, लेकिन नहीं! निको, भागो। उन्हें नष्ट नहीं किया जा सकता।”
मुझे तुम पर भरोसा नहीं है!
पहले कंकाल ने हमला किया। मैंने उसकी तलवार को एक तरफ हटा दिया, लेकिन बाकी तीन आते रहे। मैंने एक को बीच से काट दिया, लेकिन वह तुरंत फिर से जुड़ने लगा। मैंने दूसरे का सिर धड़ से अलग कर दिया, लेकिन वह लड़ता ही रहा।
“भागो, निको!” मैंने चिल्लाकर कहा। “मदद बुलाओ!”
“नहीं!” उसने अपने हाथों से अपने कान ढक लिए।
मैं एक साथ चार से नहीं लड़ सकता था, खासकर तब जब वे मरते नहीं। मैंने वार किए, घूमा, बचाव किया, मुक्के मारे, लेकिन वे आगे बढ़ते ही रहे। कुछ ही सेकंड में ज़ॉम्बीज़ ने मुझे हरा दिया।

“नहीं!” निको ने और जोर से चिल्लाया। “चले जाओ!”
मेरे पैरों तले ज़मीन कांप उठी। कंकाल जम गए। मैं जैसे ही रास्ते से हटा, चारों योद्धाओं के पैरों के पास एक दरार खुल गई। ज़मीन ऐसे फट गई जैसे कोई मुँह चटक रहा हो। दरार से आग की लपटें निकलीं और धरती ने एक ज़ोरदार आवाज़ के साथ कंकालों को निगल लिया!
मौन।
जिस स्थान पर कंकाल खड़े थे, उस स्थान पर मंडप के संगमरमर के फर्श पर बीस फुट लंबा एक निशान बना हुआ था। इसके अलावा योद्धाओं का कोई और निशान नहीं था।
मैं अचंभित होकर निको की ओर देखने लगा। "तुमने यह कैसे किया—"
“चले जाओ!” वह चिल्लाया। “मैं तुमसे नफरत करता हूँ! काश तुम मर जाते!”
मैं ज़मीन में समा तो नहीं गया, लेकिन निको सीढ़ियों से नीचे भागकर जंगल की ओर चल पड़ा। मैंने भी उसका पीछा करना शुरू किया, लेकिन फिसलकर बर्फीली सीढ़ियों पर गिर गया। जब उठा तो देखा कि मैं किस चीज़ पर फिसला था।
मैंने भगवान की वह मूर्ति उठा ली जो बियांका ने निको के लिए कबाड़खाने से निकाली थी। उसने कहा था कि यह एकमात्र मूर्ति थी जो उसके पास नहीं थी। उसकी बहन की ओर से आखिरी तोहफा।
मैं भय से उसे घूर रहा था, क्योंकि अब मुझे समझ आ गया था कि वह चेहरा जाना-पहचाना क्यों लग रहा था। मैंने उसे पहले भी देखा था।
यह मृतकों के देवता हेड्स की मूर्ति थी।

एनाबेथ और ग्रोवर ने घंटों तक जंगल में मेरी तलाश में मदद की, लेकिन निको डि एंजेलो का कोई सुराग नहीं मिला।
“हमें चिरोन को बताना होगा,” एनाबेथ ने हांफते हुए कहा।
“नहीं,” मैंने कहा।
वह और ग्रोवर दोनों मुझे घूर रहे थे।
“उम,” ग्रोवर ने घबराते हुए कहा, “तुम्हारा मतलब क्या है...नहीं?”
मैं अब भी यह समझने की कोशिश कर रही थी कि मैंने ऐसा क्यों कहा, लेकिन शब्द मेरे मुंह से निकल ही गए। "हम किसी को पता नहीं चलने दे सकते। मुझे नहीं लगता कि किसी को पता है कि निको एक..."
“हेड्स का बेटा,” एनाबेथ ने कहा। “पर्सी, क्या तुम्हें अंदाज़ा है कि यह कितना गंभीर मामला है? हेड्स ने भी शपथ तोड़ दी! यह बहुत भयानक है!”
मैंने कहा, "मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे नहीं लगता कि हेड्स ने शपथ तोड़ी है।"
"क्या?"

मैंने कहा, "वह उनके पिता हैं, लेकिन बियांका और निको बहुत लंबे समय से, यहां तक कि द्वितीय विश्व युद्ध से भी पहले से, काम करने में असमर्थ हैं।"
“लोटस कैसिनो!” ग्रोवर ने कहा और उसने एनाबेथ को बियांका के साथ हुई बातचीत के बारे में बताया। “वह और निको दशकों तक वहीं फंसे रहे। उनका जन्म शपथ लेने से पहले हुआ था।”
मेंने सिर हिलाया।
“लेकिन वे बाहर कैसे निकले?” एनाबेथ ने विरोध जताया।
“मुझे नहीं पता,” मैंने स्वीकार किया। “बियांका ने कहा कि एक वकील आया और उन्हें ले गया और वेस्टओवर हॉल ले गया। मुझे नहीं पता कि वह कौन हो सकता था, या क्यों। शायद यह उस महान हलचल का हिस्सा है। मुझे नहीं लगता कि निको समझता है कि वह कौन है। लेकिन हम किसी को नहीं बता सकते। काइरन को भी नहीं। अगर ओलंपियनों को पता चल गया तो—”
“इससे वे आपस में फिर से लड़ने लग सकते हैं,” एनाबेथ ने कहा। “हम यही नहीं चाहते।”
ग्रोवर चिंतित लग रहा था। "लेकिन आप देवताओं से बातें नहीं छिपा सकते। हमेशा के लिए तो बिल्कुल नहीं।"
मैंने कहा, "मुझे हमेशा के लिए नहीं चाहिए। बस दो साल। जब तक मैं सोलह साल की नहीं हो जाती।"
एनाबेथ का चेहरा पीला पड़ गया। “लेकिन, पर्सी, इसका मतलब यह है कि भविष्यवाणी तुम्हारे बारे में नहीं हो सकती। यह निको के बारे में हो सकती है। हमें—”
“नहीं,” मैंने कहा। “मैं भविष्यवाणी चुनता हूँ। यह मेरे बारे में होगी।”
“तुम ऐसा क्यों कह रहे हो?” वह चिल्लाई। “तुम पूरी दुनिया की जिम्मेदारी लेना चाहते हो?”
यह आखिरी चीज थी जो मैं चाहती थी, लेकिन मैंने यह बात कही नहीं। मैं जानती थी कि मुझे आगे बढ़कर इसे हासिल करना होगा।
मैंने कहा, “मैं निको को और खतरे में नहीं पड़ने दे सकता। उसकी बहन के प्रति मेरा इतना फर्ज है। मैंने उन दोनों को निराश किया है। मैं उस बेचारे बच्चे को और कष्ट नहीं सहने दूंगा।”
"वह बेचारा बच्चा जो तुमसे नफरत करता है और तुम्हें मरा हुआ देखना चाहता है," ग्रोवर ने मुझे याद दिलाया।
मैंने कहा, "शायद हम उसे ढूंढ सकें। हम उसे समझा सकें कि सब ठीक है, उसे किसी सुरक्षित जगह पर छिपा सकें।"
एनाबेथ कांप उठी। "अगर ल्यूक उसे पकड़ ले तो—"
मैंने कहा, "ल्यूक ऐसा नहीं करेगा। मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि उसे चिंता करने के लिए दूसरी चीजें हों। खासकर, मैं।"

मुझे यकीन नहीं था कि चिरोन ने एनाबेथ और मेरी बताई कहानी पर विश्वास किया होगा। मुझे लगता है कि उसे पता चल गया था कि मैं निको के गायब होने के बारे में कुछ छिपा रही हूँ, लेकिन अंत में उसने मेरी बात मान ली। दुर्भाग्य से, निको गायब होने वाला पहला हाफ-ब्लड नहीं था।

“इतना जवान,” चिरोन ने आह भरी, उसके हाथ बरामदे की रेलिंग पर थे। “काश, उसे राक्षसों ने खा लिया होता। टाइटन्स की सेना में भर्ती होने से तो कहीं बेहतर है।”

उस विचार ने मुझे सचमुच बेचैन कर दिया। मैंने काइरन को बताने का इरादा लगभग बदल ही दिया था, लेकिन फिर नहीं बताया।

मैंने पूछा, "क्या आपको सच में लगता है कि पहला हमला यहीं होगा?"

चिरोन पहाड़ियों पर गिरती बर्फ को घूर रहा था। मुझे चीड़ के पेड़ पर ड्रैगन गार्डियन से निकलता धुआं और दूर चमकती ऊन दिखाई दे रही थी।

“कम से कम गर्मी तक तो नहीं,” चिरोन ने कहा। “यह सर्दी बहुत कठिन होगी...कई सदियों में सबसे कठिन। बेहतर होगा कि तुम शहर वापस चले जाओ, पर्सी; पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करो। और आराम करो। तुम्हें आराम की बहुत ज़रूरत होगी।”

मैंने एनाबेथ की तरफ देखा। "तुम्हारा क्या ख्याल है?"

उसके गाल लाल हो गए। "मैं आखिरकार सैन फ्रांसिस्को जाने की कोशिश करूंगी। शायद मैं माउंट टैम पर नज़र रख सकूं, यह सुनिश्चित कर सकूं कि टाइटन्स कुछ और करने की कोशिश न करें।"

"अगर कुछ गड़बड़ होती है तो आप आइरिस संदेश भेजेंगे?"

उसने सिर हिलाया। "लेकिन मुझे लगता है कि चिरोन सही कह रहा है। गर्मी तक तो नहीं हो पाएगा। ल्यूक को अपनी ताकत वापस पाने के लिए समय चाहिए होगा।"

मुझे इंतज़ार करने का विचार पसंद नहीं था। वैसे भी, अगले अगस्त में मैं पंद्रह साल का हो जाऊंगा। सोलह के इतने करीब होने के कारण मैं इसके बारे में सोचना ही नहीं चाहता था।

“ठीक है,” मैंने कहा। “बस अपना ख्याल रखना। और सोपविथ कैमल में कोई खतरनाक स्टंट मत करना।”

वह हिचकिचाते हुए मुस्कुराई। "ठीक है। और, पर्सी—"

वह जो कुछ भी कहने वाली थी, ग्रोवर ने बीच में ही रोक दिया, जो बड़े घर से लड़खड़ाते हुए बाहर निकला और टिन के डिब्बों से टकराता हुआ आगे बढ़ा। उसका चेहरा मुरझाया हुआ और पीला था, मानो उसने कोई भूत देख लिया हो।

“उसने बात की!” ग्रोवर चिल्लाया।

“शांत हो जाओ, मेरे युवा सैटायर,” चिरोन ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा। “क्या बात है?”

“मैं...मैं बैठक में संगीत बजा रहा था,” वह हकलाते हुए बोला, “और कॉफी पी रहा था। ढेर सारी कॉफी! और उसने मेरे मन में बात की!”

“कौन?” एनाबेथ ने पूछा।

“पैन!” ग्रोवर विलाप करते हुए बोला। “स्वयं जंगल का स्वामी! मैंने उसकी आवाज़ सुनी! मुझे...मुझे एक सूटकेस ढूंढना ही होगा।”
“अरे बाप रे, अरे बाप रे,” मैंने कहा। “उसने क्या कहा?”
ग्रोवर ने मेरी ओर घूरकर देखा। “बस तीन शब्द। उसने कहा, ‘मैं तुम्हारा इंतजार कर रहा हूँ’।”

पर्सी जैक्सन एंड द ओलंपियंस श्रृंखला की अगली पुस्तक, द बैटल ऑफ द लैबिरिंथ का पूर्वावलोकन जानने के लिए आगे पढ़ते रहें!

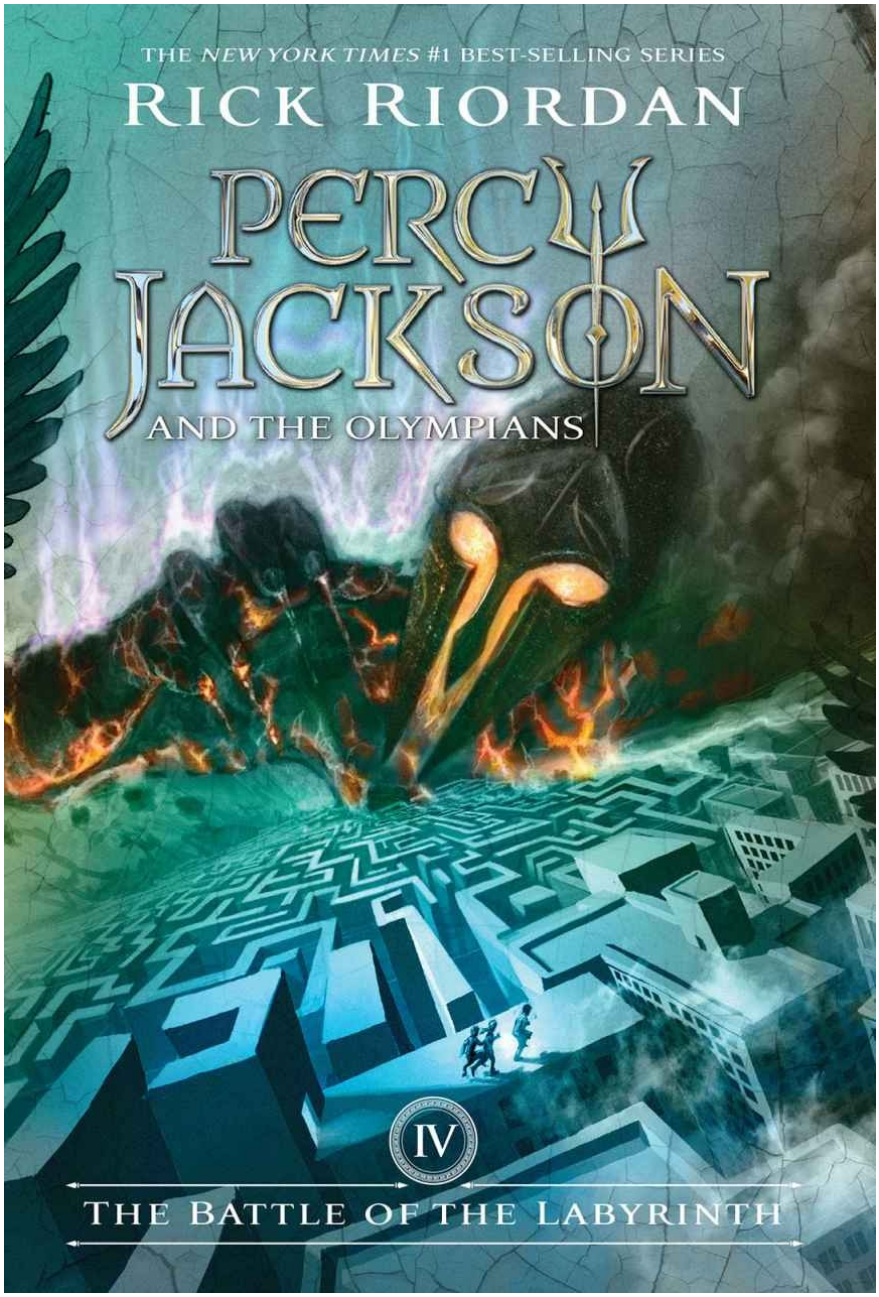

एक

मैं चीयरलीडिंग स्क्वाड से मुकाबला करता हूँ

गर्मी की छुट्टियों में मैं किसी और स्कूल को उड़ाना बिल्कुल नहीं चाहता था। लेकिन जून के पहले हफ्ते में, सोमवार की सुबह, मैं ईस्ट 81 वीं स्ट्रीट पर स्थित गूडे हाई स्कूल के सामने अपनी माँ की कार में बैठा था।

गूडे ईस्ट रिवर के किनारे स्थित एक विशाल भूरे रंग की पत्थर की इमारत थी। सामने कई बीएमडब्ल्यू और लिंकन टाउन कारें खड़ी थीं। उस भव्य पत्थर के मेहराब को देखते हुए, मैं सोच रहा था कि मुझे इस जगह से कब निकाल दिया जाएगा।

“बस आराम करो।” मेरी माँ की आवाज़ में कोई आराम नहीं था। “यह तो बस एक परिचय यात्रा है। और याद रखना, बेटा, यह पॉल का स्कूल है। इसलिए कोशिश करना कि... तुम्हें पता है ना।”

"नष्ट कर देना?"

"हाँ।"

मेरी माँ के प्रेमी पॉल ब्लोफिस बाहर खड़े होकर सीढ़ियों से ऊपर आते हुए नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले भावी छात्रों का स्वागत कर रहे थे। उनके सफ़ेद-काले बाल, डेनिम के कपड़े और चमड़े की जैकेट देखकर मुझे किसी टीवी अभिनेता की याद आ गई, लेकिन वे तो बस एक अंग्रेज़ी शिक्षक थे। उन्होंने मुझे गूडे हाई स्कूल में नौवीं कक्षा में दाखिला दिलाने के लिए मना लिया था, जबकि मुझे अब तक हर स्कूल से निकाल दिया गया था। मैंने उसे समझाने की कोशिश की थी कि यह अच्छा विचार नहीं है, लेकिन उसने मेरी बात नहीं सुनी।

मैंने अपनी माँ की तरफ देखा। "आपने उसे मेरे बारे में सच तो नहीं बताया है ना?"

वह घबराहट में स्टीयरिंग व्हील पर उंगलियां थपथपा रही थी। वह नौकरी के इंटरव्यू के लिए तैयार होकर आई थी—उसने अपनी सबसे अच्छी नीली ड्रेस और ऊंची एड़ी के जूते पहने थे।

"मुझे लगा कि हमें इंतजार करना चाहिए," उसने स्वीकार किया।

"ताकि हम उसे डराकर भगा न दें।"

मुझे पूरा यकीन है कि ओरिएंटेशन ठीक रहेगा, पर्सी। यह तो सिर्फ एक सुबह की बात है।

“बहुत खूब,” मैंने बुदबुदाते हुए कहा। “स्कूल का सत्र शुरू होने से पहले ही मुझे निष्कासित किया जा सकता है।”

सकारात्मक सोचो। कल तुम कैंप जा रहे हो! ओरिएंटेशन के बाद, तुम्हारी डेट तय हो जाएगी—”

“ये कोई डेट नहीं है!” मैंने विरोध किया। “ये तो बस एनाबेथ है, माँ। अरे बाप रे!”

वह आपसे मिलने के लिए कैंप से इतनी दूर आ रही है।

"अच्छी तरह से हाँ।"

तुम फिल्म देखने जा रहे हो।
"हाँ।"
"सिर्फ आप दोनों।"
"माँ!"
उसने आत्मसमर्पण करते हुए अपने हाथ ऊपर उठा लिए, लेकिन मैं समझ गई कि वह मुस्कुराने की पूरी कोशिश कर रही थी। "अंदर चले जाओ, प्यारे। आज रात मिलते हैं।"
मैं गाड़ी से उतरने ही वाला था कि मेरी नज़र स्कूल की सीढ़ियों पर पड़ी। पॉल ब्लोफिस घुंघराले लाल बालों वाली एक लड़की का अभिवादन कर रहे थे। उसने मैरून रंग की टी-शर्ट और फटी हुई जींस पहनी थी जिस पर मार्कर से चित्र बने हुए थे। जब वह मुड़ी, तो मुझे उसका चेहरा दिखाई दिया और मेरे रोंगटे खड़े हो गए।
“पर्सी?” मेरी माँ ने पूछा। “क्या हुआ?”
“कुछ नहीं,” मैंने हकलाते हुए कहा। “क्या स्कूल में बगल से प्रवेश द्वार है?”
“आगे गली के दाहिनी ओर। क्यों?”
"मैं आपको बाद में देखुंगा।"
मेरी मां कुछ कहने ही वाली थी कि मैं कार से बाहर निकलकर भाग गया, इस उम्मीद में कि लाल बालों वाली लड़की मुझे न देख ले।
वह यहाँ क्या कर रही थी? मेरी किस्मत भी इतनी खराब नहीं हो सकती।
हाँ, बिल्कुल। मुझे पता चलने ही वाला था कि मेरी किस्मत इससे भी कहीं ज्यादा खराब हो सकती है।
ओरिएंटेशन में चुपके से घुसने की कोशिश नाकाम रही। बैंगनी और सफेद वर्दी पहने दो चीयरलीडर्स बगल के प्रवेश द्वार पर खड़ी थीं, नए छात्रों पर हमला करने के लिए घात लगाए बैठी थीं।
“हाय!” वे मुस्कुराईं, और मुझे लगा कि शायद यही पहली और आखिरी बार होगा जब कोई चीयरलीडर मुझसे इतनी दोस्ताना होगी। एक गोरी थी जिसकी नीली आँखें थीं। दूसरी अफ्रीकी-अमेरिकी थी जिसके बाल मेडुसा जैसे काले घुंघराले थे (और यकीन मानिए, मैं क्या कह रही हूँ)। दोनों लड़कियों के नाम उनकी यूनिफॉर्म पर घुमावदार अक्षरों में सिले हुए थे, लेकिन डिस्लेक्सिया की वजह से मुझे वे शब्द बेतरतीब से लग रहे थे।
"गुडे में आपका स्वागत है," सुनहरे बालों वाली लड़की ने कहा। "आपको यह जगह बहुत पसंद आएगी।"
लेकिन जब उसने मुझे ऊपर से नीचे तक देखा, तो उसके चेहरे के भाव कुछ इस तरह थे, जैसे, छी, ये कौन सा हारा हुआ इंसान है?
दूसरी लड़की असहज रूप से मेरे बहुत करीब आ गई। मैंने उसकी यूनिफॉर्म की सिलाई पर गौर किया और केली को पहचान लिया। उससे गुलाबों और एक और खुशबू आ रही थी, जो मुझे कैंप में घुड़सवारी के सबक के दौरान याद आई थी—नए धुले घोड़ों की खुशबू। एक चीयरलीडर के लिए यह अजीब सी खुशबू थी। शायद

उसके पास कोई घोड़ा हो। खैर, वह इतनी करीब खड़ी थी कि मुझे लगा जैसे वह मुझे सीढ़ियों से नीचे धकेलने की कोशिश करेगी। "तुम्हारा नाम क्या है, फिश?"

"मछली?"

“प्रथम वर्ष का छात्र।”

“उह, पर्सी।”

लड़कियों ने एक-दूसरे की ओर देखा।

“ओह, पर्सी जैक्सन,” सुनहरे बालों वाली लड़की ने कहा। “हम तुम्हारा ही इंतजार कर रहे थे।”

यह देखकर मुझे बहुत डर लगा। वे प्रवेश द्वार पर खड़े थे और अजीब सी मुस्कान लिए खड़े थे। मेरा हाथ अनायास ही मेरी जेब की ओर बढ़ गया, जहाँ मैंने अपना घातक बॉलपॉइंट पेन, रिपटाइड रखा हुआ था।

तभी इमारत के अंदर से एक और आवाज़ आई: “पर्सी?” यह पॉल ब्लोफिस की आवाज़ थी, जो गलियारे में कहीं से आ रही थी। उसकी आवाज़ सुनकर मुझे इतनी खुशी पहले कभी नहीं हुई थी।

चीयरलीडर्स पीछे हट गईं। मैं उनसे आगे निकलने के लिए इतनी बेचैन थी कि गलती से मैंने केल्ली की जांघ पर घुटने से मार दी।

खनक।

उसके पैर से एक खोखली, धातु जैसी आवाज आई, जैसे मैंने अभी-अभी किसी झंडे के खंभे को टक्कर मारी हो।

“आह,” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “ध्यान से, मछली।”

मैंने नीचे देखा, लेकिन उसका पैर एक सामान्य पैर जैसा ही लग रहा था। मैं इतना घबरा गया था कि सवाल पूछने की हिम्मत ही नहीं हुई। मैं दौड़कर हॉल में चला गया, और चीयरलीडर्स मेरे पीछे हंस रही थीं।

“लो, तुम यहाँ हो!” पॉल ने मुझसे कहा। “गूडे में तुम्हारा स्वागत है!”

"अरे, पॉल—उह, मिस्टर ब्लोफिस।" मैंने पीछे मुड़कर देखा, लेकिन वे अजीबोगरीब चीयरलीडर्स गायब हो चुकी थीं।

"पर्सी, तुम ऐसे लग रहे हो जैसे तुमने कोई भूत देख लिया हो।"

“हाँ, उह—”

पॉल ने मेरी पीठ थपथपाई। “सुनो, मुझे पता है तुम घबराए हुए हो, लेकिन चिंता मत करो। हमारे यहाँ एडीएचडी और डिस्लेक्सिया से पीड़ित बहुत सारे बच्चे आते हैं। शिक्षकों को पता है कि उनकी मदद कैसे करनी है।”

मुझे लगभग हंसी आ रही थी। काश, एडीएचडी और डिस्लेक्सिया ही मेरी सबसे बड़ी चिंताएँ होतीं। मतलब, मुझे पता था कि पॉल मेरी मदद करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन अगर मैंने उसे अपने बारे में सच बता दिया, तो या तो वह मुझे पागल समझेगा या फिर चीखते हुए भाग जाएगा। उदाहरण के लिए, वे चीयरलीडर्स। मुझे उनके बारे में बुरा एहसास हो रहा था...

फिर मैंने गलियारे में देखा, और मुझे याद आया कि मेरे सामने एक और समस्या थी। सामने की सीढ़ियों पर मैंने जिस लाल बालों वाली लड़की को देखा था, वह अभी-अभी मुख्य द्वार से अंदर आ रही थी।
मैंने प्रार्थना की, मेरी तरफ ध्यान मत दो।
उसने मुझे देखा। उसकी आँखें चौड़ी हो गईं।
मैंने पॉल से पूछा, "ओरिएंटेशन कहाँ है?"
“जिम। उस तरफ। लेकिन—”
"अलविदा।"
“पर्सी?” उसने पुकारा, लेकिन मैं पहले ही दौड़ रहा था।
मुझे लगा कि मैंने उसे खो दिया है।
बच्चों का एक झुंड जिम की ओर जा रहा था, और जल्द ही मैं भी उन तीन सौ चौदह साल के बच्चों में से एक था जो दर्शक दीर्घा में ठसाठस भरे हुए थे। एक मार्चिंग बैंड बेसुरा सा युद्ध गीत बजा रहा था, जो ऐसा लग रहा था जैसे कोई धातु के बेसबॉल बल्ले से बिल्लियों से भरे थैले को पीट रहा हो। बड़े बच्चे, शायद छात्र परिषद के सदस्य, आगे खड़े होकर गूडे स्कूल की वर्दी पहने हुए थे और बड़े आत्मविश्वास से कह रहे थे, "अरे, हम तो बड़े कूल हैं!" शिक्षक इधर-उधर घूम रहे थे, मुस्कुरा रहे थे और छात्रों से हाथ मिला रहे थे। जिम की दीवारों पर बड़े-बड़े बैंगनी और सफेद बैनर लगे थे जिन पर लिखा था, "भविष्य के नए छात्रों का स्वागत है", "गूडे अच्छा है", "हम सब एक परिवार हैं", और ऐसे ही कई और खुशी भरे नारे थे जिन्हें देखकर मेरा जी मिचलाने लगा।
बाकी नए छात्रों में से कोई भी यहाँ आकर उत्साहित नहीं दिख रहा था। मेरा मतलब है, जून में ओरिएंटेशन में आना, जबकि स्कूल सितंबर तक शुरू भी नहीं होता, बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। लेकिन गूडे में, "हम उत्कृष्टता के लिए जल्दी तैयारी करवाते हैं!" कम से कम ब्रोशर में तो यही लिखा था।
मार्चिंग बैंड ने बजाना बंद कर दिया। एक आदमी पिनस्ट्राइप सूट पहने माइक के पास आया और बोलने लगा, लेकिन जिम में उसकी आवाज़ गूंज रही थी इसलिए मुझे समझ नहीं आया कि वह क्या कह रहा था। शायद वह गरारे कर रहा था।
किसी ने मेरा कंधा पकड़ लिया। "तुम यहाँ क्या कर रहे हो?"
वह वही थी: मेरी लाल बालों वाली भयानक प्रेमिका।
मैंने कहा, "राहेल एलिजाबेथ डेयर।"
उसका मुंह खुला का खुला रह गया, मानो उसे यकीन ही नहीं हो रहा था कि मुझमें उसका नाम याद रखने की हिम्मत कैसे हुई। "और तुम पर्सी हो। पिछले दिसंबर में जब तुमने मुझे जान से मारने की कोशिश की थी, तब मुझे तुम्हारा पूरा नाम नहीं पता चला था।"
“देखो, मैं नहीं था—मैंने नहीं किया—तुम यहाँ क्या कर रहे हो?”
"शायद आपकी ही तरह। अभिविन्यास।"

“आप न्यूयॉर्क में रहते हैं?”
"क्या, आपको लगा कि मैं हूवर डैम में रहता हूँ?"
मुझे ये ख्याल कभी आया ही नहीं था। जब भी मैं उसके बारे में सोचता (और मैं ये नहीं कह रहा कि मैं उसके बारे में सोचता ही रहता था; वो बस कभी-कभार मेरे दिमाग में आ जाती थी, ठीक है?), मुझे हमेशा यही लगता था कि वो हूवर डैम के इलाके में रहती होगी, क्योंकि वहीं मेरी उससे मुलाकात हुई थी। हमने शायद दस मिनट साथ बिताए थे, उस दौरान मैंने गलती से उस पर तलवार चला दी थी, उसने मेरी जान बचाई थी, और मैं अलौकिक हत्यारों के एक गिरोह से बचकर भाग गया था। बस, एक आम सी मुलाकात।
हमारे पीछे खड़े एक आदमी ने फुसफुसाते हुए कहा, "अरे, चुप रहो। चीयरलीडर्स बातें कर रही हैं!"
“हाय दोस्तों!” एक लड़की ने माइक में उत्साह से कहा। यह वही गोरी लड़की थी जिसे मैंने प्रवेश द्वार पर देखा था। “मेरा नाम टैमी है, और ये हैं केली।” केली ने कलाबाजी की।
मेरे बगल में बैठी रेचल ऐसे चीखी जैसे किसी ने उसे सुई चुभो दी हो। कुछ बच्चे उसकी तरफ देखकर हँसने लगे, लेकिन रेचल डर के मारे चीयरलीडर्स को घूरती रही। टैमी को शायद इस चीख का एहसास ही नहीं हुआ। वह हमें पहले साल में शामिल होने के कई शानदार तरीकों के बारे में बताने लगी।
“भागो,” राहेल ने मुझसे कहा। “अभी के अभी।”
"क्यों?"
राहेल ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। उसने नाराज़ शिक्षकों और बड़बड़ाते बच्चों को नज़रअंदाज़ करते हुए, जिन्हें वह कुचल रही थी, दर्शक दीर्घा के किनारे तक अपना रास्ता बनाया।
मैं हिचकिचाई। टैमी समझा रही थी कि हम छोटे-छोटे समूहों में बँटकर स्कूल का दौरा करने वाले हैं। केली ने मेरी तरफ देखा और मुस्कुराते हुए कहा, मानो वह इंतज़ार कर रही हो कि मैं क्या करूँगी। अगर मैं अभी चली जाती तो बात बिगड़ जाती। पॉल ब्लोफिस बाकी शिक्षकों के साथ नीचे थे। उन्हें समझ नहीं आता कि क्या गड़बड़ है।
फिर मुझे रेचल एलिजाबेथ डेयर और पिछली सर्दियों में हूवर डैम में दिखाई गई उसकी विशेष क्षमता याद आई। वह सुरक्षा गार्डों के एक ऐसे समूह को देख पाई थी जो असल में गार्ड नहीं थे, जो इंसान भी नहीं थे। मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था, मैं उठा और उसके पीछे-पीछे जिम से बाहर निकल गया।
मुझे रेचल बैंड रूम में मिली। वह पर्कशन सेक्शन में एक बास ड्रम के पीछे छिपी हुई थी।
“इधर आओ!” उसने कहा। “अपना सिर नीचे रखो!”
मुझे बोंगो के ढेर के पीछे छिपना काफी अजीब लग रहा था, लेकिन मैं उसके बगल में दुबक गया।
“क्या वे तुम्हारा पीछा कर रहे थे?” राहेल ने पूछा।
"तुम्हारा मतलब चीयरलीडर्स से है?"
उसने घबराकर सिर हिलाया।
मैंने कहा, "मुझे ऐसा नहीं लगता। वे क्या हैं? आपने क्या देखा?"

उसकी हरी आँखें भय से चमक रही थीं। उसके चेहरे पर बिखरे हुए कुछ धब्बे मुझे तारामंडलों की याद दिला रहे थे। उसकी मैरून टी-शर्ट पर हार्वर्ड आर्ट डिपार्टमेंट लिखा था। "तुम... तुम मेरी बात पर विश्वास नहीं करोगे।"

“ओह, हाँ, मैं ज़रूर करूँगा,” मैंने वादा किया। “मुझे पता है कि तुम कोहरे के पार देख सकते हो।”

"क्या?"

"धुंध... यह... खैर, यह एक ऐसे पर्दे की तरह है जो वास्तविकता को छुपाता है। कुछ नश्वर प्राणी इसे भेदने की क्षमता के साथ पैदा होते हैं। जैसे आप।"

उसने मुझे ध्यान से देखा। "तुमने हूवर डैम पर ऐसा किया था। तुमने मुझे नश्वर कहा था। जैसे कि तुम खुद नश्वर नहीं हो।"

मुझे बोंगो बजाने का मन कर रहा था। मैं क्या सोच रहा था?

मैं कभी समझा नहीं सकता। मुझे कोशिश भी नहीं करनी चाहिए।

“मुझे बताओ,” उसने गिड़गिड़ाते हुए कहा। “तुम जानते हो इसका क्या मतलब है। ये सारी भयानक चीजें जो मैं देख रही हूँ?”

"देखो, यह सुनने में अजीब लगेगा। क्या तुम्हें यूनानी पौराणिक कथाओं के बारे में कुछ पता है?"

“जैसे... मिनोटौर और हाइड्रा?”

"हाँ, बस कोशिश करना कि जब मैं आसपास रहूँ तो उन नामों का ज़िक्र मत करना, ठीक है?"

“और फ्यूरीज़,” उसने जोश में आकर कहा। “और सायरन, और—”

“ठीक है!” मैंने बैंड हॉल में चारों ओर देखा, मुझे पूरा यकीन था कि राहेल दीवारों से खून के प्यासे राक्षसों का झुंड निकाल देगी; लेकिन हम अभी भी अकेले थे। गलियारे में, मैंने जिम से बच्चों की भीड़ को बाहर आते सुना। वे समूह भ्रमण शुरू कर रहे थे। हमारे पास बात करने के लिए ज़्यादा समय नहीं था।

मैंने कहा, "वे सभी राक्षस, वे सभी यूनानी देवता—वे सब असली हैं।"

"मैं जानता था!"

अगर उसने मुझे झूठा कहा होता तो मुझे ज्यादा आराम महसूस होता, लेकिन राहेल को देखकर ऐसा लग रहा था जैसे मैंने उसकी सबसे बुरी आशंका की पुष्टि कर दी हो।

“तुम्हें नहीं पता कि ये कितना मुश्किल रहा है,” उसने कहा। “सालों तक मुझे लगा कि मैं पागल हो रही हूँ। मैं किसी को कुछ बता नहीं सकती थी। मैं—” उसकी आँखें सिकुड़ गईं। “रुको। तुम कौन हो? मतलब, सच में?”

मैं कोई राक्षस नहीं हूँ।

“हाँ, मुझे पता है। मैं देख सकता हूँ कि क्या तुम हो। तुम बिल्कुल... तुम जैसे दिखते हो। लेकिन तुम इंसान तो नहीं हो, है ना?”

मैंने गहरी साँस ली। हालाँकि मुझे खुद को समझने में तीन साल लग गए थे, लेकिन मैंने इससे पहले कभी किसी आम इंसान से इस बारे में बात नहीं की थी—मतलब, मेरी माँ को छोड़कर, लेकिन उन्हें तो पहले से ही पता था। पता नहीं क्यों, लेकिन मैंने हिम्मत जुटा ली।

मैंने कहा, “मैं आधा इंसान हूँ। मैं आधा मानव हूँ।”

और आधा क्या?

तभी टैमी और केली बैंड रूम में दाखिल हुईं। उनके पीछे दरवाजे जोर से बंद हो गए।

“लो, पर्सी जैक्सन,” टैमी ने कहा। “अब तुम्हारे प्रशिक्षण का समय आ गया है।”

“ये तो बहुत ही भयानक हैं!” राहेल ने हांफते हुए कहा।

टैमी और केली अभी भी अपनी बैंगनी और सफेद रंग की चीयरलीडर पोशाक पहने हुए थीं और रैली से लाए गए पोम-पोम पकड़े हुए थीं।

मैंने पूछा, "वे असल में कैसे दिखते हैं?" लेकिन राहेल इतनी हैरान लग रही थी कि वह जवाब नहीं दे पाई।

“अरे, उसे भूल जाओ।” टैमी ने मुझे एक प्यारी सी मुस्कान दी और हमारी तरफ चलने लगी। केली दरवाजों के पास खड़ी रही और हमारा रास्ता रोक दिया।

उन्होंने हमें घेर लिया था। मुझे पता था कि हमें लड़कर बाहर निकलना होगा, लेकिन टैमी की मुस्कान इतनी मनमोहक थी कि मेरा ध्यान भटक गया। उसकी नीली आँखें खूबसूरत थीं, और जिस तरह उसके बाल उसके कंधों पर लहरा रहे थे...

“पर्सी,” राहेल ने चेतावनी दी।

मैंने कुछ बहुत ही समझदारी भरी बात कही, जैसे, "उह्ह्ह?"

टैमी करीब आ रही थी। उसने अपने पोम-पोम आगे बढ़ाए।

“पर्सी!” राहेल की आवाज़ दूर से आती हुई प्रतीत हुई। “होश में आओ!”

मुझे अपनी पूरी इच्छाशक्ति लगानी पड़ी, लेकिन मैंने अपनी जेब से कलम निकाली और उसका ढक्कन खोला। रिपटाइड एक तीन फुट लंबी कांस्य तलवार में बदल गई, जिसकी धार हल्की सुनहरी रोशनी से चमक रही थी। टैमी की मुस्कान तिरस्कार में बदल गई।

“अरे, रहने दो,” उसने विरोध किया। “तुम्हें इसकी ज़रूरत नहीं है। इसके बजाय एक चुंबन कैसा रहेगा?”

उससे गुलाबों और साफ जानवरों की खाल जैसी गंध आ रही थी—एक अजीब लेकिन किसी तरह मदहोश कर देने वाली गंध।

राहेल ने मेरी बांह को जोर से चुटकी काटी। "पर्सी, वो तुम्हें काटना चाहती है! उसे देखो!"

“वो बस ईर्ष्या कर रही है।” टैमी ने केल्ली की ओर मुड़कर देखा। “क्या मैं अंदर जा सकती हूँ, मालकिन?”

केली अभी भी दरवाजे के सामने खड़ी थी, अपनी जीभ लपलपाती हुई। "आगे बढ़ो, टैमी। तुम अच्छा कर रही हो।"

ताम्मी ने एक और कदम आगे बढ़ाया, लेकिन मैंने अपनी तलवार की नोक उसकी छाती पर टिका दी। "पीछे हटो।"
वह गुर्राई। "नए छात्र," उसने घृणा से कहा। "यह हमारा स्कूल है, आधे खून वाले। हम जिसे चाहें उसे खाते हैं!"
फिर उसका रूप बदलने लगा। उसके चेहरे और बांहों का रंग उड़ गया। उसकी त्वचा चॉक की तरह सफेद हो गई, उसकी आंखें पूरी तरह लाल हो गईं। उसके दांत नुकीले हो गए।
“एक पिशाच!” मैं हकलाया। फिर मेरी नज़र उसके पैरों पर पड़ी। चीयरलीडर स्कर्ट के नीचे, उसका बायाँ पैर भूरा और खुरदरा था, गधे के खुर जैसा। उसका दायाँ पैर इंसान के पैर जैसा दिखता था, लेकिन वह काँसे का बना था। “उह, एक पिशाच जो—”
“टांगों की बात मत करो!” टैमी ने झल्लाकर कहा। “मजाक उड़ाना असभ्य है!”
वह अपने अजीबोगरीब, बेमेल पैरों पर आगे बढ़ी। वह देखने में बिल्कुल विचित्र लग रही थी, खासकर उन पोम-पोम के साथ, लेकिन मैं हंस नहीं सका—उनकी लाल आंखों और नुकीले दांतों को देखकर तो बिल्कुल नहीं।
“पिशाच, तुम कह रहे हो?” केल्ली हंस पड़ी। “वह बेतुकी किंवदंती हम पर आधारित थी, मूर्ख। हम एम्पौसाई हैं, हेकेट की सेविकाएँ।”
“हम्म।” टैमी मेरे और करीब आ गई। “काले जादू ने हमें जानवरों, कांसे और भूतों से बनाया है! हम नौजवानों के खून पर पलने के लिए बने हैं। अब आओ, मुझे वो चुंबन दो!”
उसने अपने नुकीले दांत दिखाए। मैं इतना भयभीत हो गया था कि हिल भी नहीं पा रहा था, लेकिन राहेल ने एक ढोल उस महिला के सिर पर फेंक दिया।
राक्षस ने फुफकारा और ढोल को दूर फेंक दिया। वह संगीत स्टैंडों के बीच गलियारों में लुढ़कता चला गया, उसकी स्प्रिंगें ढोल के शीर्ष से टकराकर खड़खड़ा रही थीं। राहेल ने एक ज़ाइलोफोन फेंका, लेकिन राक्षस ने उसे भी झटक कर दूर कर दिया।
“मैं आमतौर पर लड़कियों को नहीं मारती,” टैमी गुर्राई। “लेकिन तुम्हारे लिए, हे मनुष्य, मैं एक अपवाद बना रही हूँ। तुम्हारी नज़र कुछ ज़्यादा ही तेज़ है!”
वह राहेल पर झपटी।
“नहीं!” मैंने रिपटाइड से वार किया। टैमी ने मेरी तलवार से बचने की कोशिश की, लेकिन मैंने सीधे उसके चीयरलीडर यूनिफॉर्म को चीर दिया, और एक भयानक चीख के साथ वह राख में बदल गई और रैचल के ऊपर बिखर गई।
राहेल को खांसी आ गई। ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने उसके सिर पर आटे की बोरी उड़ेल दी हो। "घिनौना!"
मैंने कहा, "राक्षस ऐसा करते हैं। मुझे खेद है।"

“तुमने मेरे प्रशिक्षु को मार डाला!” केल्ली चिल्लाई। “तुम्हें स्कूल की भावना का सबक सीखने की ज़रूरत है, आधे खून वाले!”

फिर उसमें भी बदलाव आने लगा। उसके कड़े बाल चमकती हुई लपटों में बदल गए। उसकी आँखें लाल हो गईं। उसके नुकीले दाँत निकल आए। वह हमारी ओर लपकती हुई आई, उसके पीतल के पैर और खुर बैंड-रूम के फर्श पर असमान रूप से बज रहे थे।

“मैं वरिष्ठ एम्पौसा हूँ,” उसने गुर्राते हुए कहा। “हजार वर्षों में किसी भी नायक ने मुझे पराजित नहीं किया है।”

“हाँ?” मैंने कहा। “तो फिर तुम्हें बहुत देर हो चुकी है!”

केली, टैमी से कहीं ज़्यादा तेज़ थी। उसने मेरे पहले वार को चकमा दिया और ब्रास सेक्शन की ओर लुढ़क गई, जिससे ज़ोरदार धमाके के साथ ट्रॉम्बोन की एक पूरी पंक्ति गिर पड़ी। राहेल जल्दी से रास्ते से हट गई। मैंने खुद को उसके और एम्पौसा के बीच खड़ा कर दिया। केली हमारे चारों ओर चक्कर लगा रही थी, उसकी नज़रें कभी मुझ पर तो कभी तलवार पर टिकी थीं।

“कितनी सुंदर छोटी सी तलवार है,” उसने कहा। “कितनी अफ़सोस की बात है कि यह हमारे बीच खड़ी है।”

उसका रूप झिलमिला रहा था—कभी किसी दानव जैसा, कभी किसी सुंदर चीयरलीडर जैसा। मैंने अपना ध्यान केंद्रित रखने की कोशिश की, लेकिन यह वास्तव में बहुत विचलित करने वाला था।

“बेचारे।” केली खिलखिलाकर हंस पड़ी। “तुम्हें तो पता भी नहीं चल रहा कि क्या हो रहा है, है ना? जल्द ही, तुम्हारा प्यारा सा छोटा सा शिविर आग की लपटों में घिर जाएगा, तुम्हारे दोस्त समय के स्वामी के गुलाम बन जाएंगे, और तुम इसे रोकने के लिए कुछ नहीं कर पाओगे। इससे पहले कि तुम्हें यह सब देखना पड़े, अभी अपनी जान दे देना ही बेहतर होगा।”

हॉल के दूसरी तरफ से मुझे कुछ आवाजें सुनाई दीं। एक टूरिस्ट ग्रुप आ रहा था। एक आदमी लॉकर के कॉम्बिनेशन के बारे में कुछ कह रहा था।

उस महिला की आँखें चमक उठीं। "बहुत बढ़िया! हमारे घर मेहमान आने वाले हैं!"

उसने एक ट्यूबा उठाया और मेरी तरफ फेंक दिया। मैं और राहेल झुक गए। ट्यूबा हमारे सिर के ऊपर से निकलकर खिड़की तोड़कर अंदर जा गिरा।

हॉल में आवाजें धीरे-धीरे शांत हो गईं।

“पर्सी!” केल्ली ने डर का नाटक करते हुए चिल्लाकर कहा, “तुमने वह क्यों फेंका?”

मैं इतना हैरान था कि जवाब नहीं दे सका। केली ने एक संगीत स्टैंड उठाया और उस पर रखे क्लैरिनेट और बांसुरी की पूरी कतार गिरा दी। कुर्सियाँ और वाद्य यंत्र ज़मीन पर गिर पड़े।

“बस करो!” मैंने कहा।

लोग अब गलियारे में धमाचौकड़ी मचाते हुए हमारी ओर आ रहे थे।

“हमारे मेहमानों का स्वागत करने का समय आ गया है!” केल्ली ने अपने नुकीले दांत दिखाए और दरवाज़ों की ओर दौड़ पड़ी। मैं रिपटाइड लेकर उसके पीछे भागा। मुझे उसे इंसानों को नुकसान पहुँचाने से रोकना था।

“पर्सी, ऐसा मत करो!” राहेल चिल्लाई। लेकिन मुझे तब तक समझ नहीं आया कि केल्ली क्या कर रही थी, जब तक बहुत देर हो चुकी थी।

केली ने दरवाजे खोल दिए। पॉल ब्लोफिस और कुछ नए छात्र सदमे में पीछे हट गए। मैंने अपनी तलवार उठाई।

अंतिम क्षण में, वह स्त्री एक सहमी हुई पीड़ित की तरह मेरी ओर मुड़ी। "ओह नहीं, कृपया!" वह चिल्लाई। मैं अपनी तलवार रोक नहीं सका। वह पहले ही चल चुकी थी।

आकाशीय कांस्य धातु के उस पर गिरने से ठीक पहले, केल्ली मोलोटोव कॉकटेल की तरह आग की लपटों में घिर गई। आग की लहरें हर तरफ फैल गईं। मैंने पहले कभी किसी राक्षस को ऐसा करते नहीं देखा था, लेकिन मेरे पास इस बारे में सोचने का समय नहीं था। जैसे ही आग ने दरवाजे को घेर लिया, मैं बैंड रूम में पीछे हट गया।

“पर्सी?” पॉल ब्लोफिस पूरी तरह से हैरान दिख रहा था, आग के दूसरी तरफ से मुझे घूरते हुए। “तुमने क्या किया है?”

बच्चे चीखते-चिल्लाते गलियारे में भागने लगे। आग का अलार्म ज़ोर से बजने लगा। छत पर लगे स्प्रिंकलर चालू हो गए।

उस अफरा-तफरी में, राहेल ने मेरी आस्तीन खींची। "तुम्हें यहाँ से निकलना होगा!"

वह सही थी। स्कूल में आग लगी हुई थी और मुझे ही ज़िम्मेदार ठहराया जाएगा। आम लोग धुंध के पार ठीक से देख नहीं सकते थे। उन्हें ऐसा लगेगा जैसे मैंने गवाहों के सामने एक असहाय चीयरलीडर पर हमला कर दिया हो। मेरे पास इसे समझाने का कोई तरीका नहीं था। मैंने पॉल से मुंह मोड़ा और टूटी हुई बैंड रूम की खिड़की की ओर दौड़ पड़ा।

मैं गली से निकलकर ईस्ट 81 वीं स्ट्रीट पर पहुंचा और सीधे एनाबेथ से टकरा गया।

“अरे, तुम तो जल्दी निकल गए!” वह हंसते हुए बोली और मुझे सड़क पर गिरने से बचाने के लिए मेरे कंधों को पकड़ लिया। “ध्यान से चलो, सीवीड ब्रेन।”

एक पल के लिए उसका मूड अच्छा हो गया और सब कुछ ठीक लग रहा था। उसने जींस, नारंगी रंग की कैंप टी-शर्ट और मिट्टी के मोतियों का हार पहना हुआ था। उसके सुनहरे बाल पोनीटेल में बंधे थे। उसकी भूरी आँखें चमक रही थीं। ऐसा लग रहा था जैसे वह फिल्म देखने या दोस्तों के साथ एक खुशनुमा दोपहर बिताने के लिए तैयार हो।

फिर रेचल एलिजाबेथ डेयर, जो अभी भी राक्षस की धूल से ढकी हुई थी, गली से बाहर भागती हुई आई और चिल्लाई, "पर्सी, रुको!"

एनाबेथ की मुस्कान गायब हो गई। उसने राहेल को देखा, फिर स्कूल को। पहली बार उसे काला धुआँ और बजते हुए फायर अलार्म सुनाई दिए।
उसने मेरी तरफ घूरकर देखा। “इस बार तुमने क्या किया? और ये कौन है?”
“ओह, रेचल—एनाबेथ। एनाबेथ—रेचल। उम, वो मेरी दोस्त है। शायद।”
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि रेचल को और क्या कहूँ। मतलब, मैं उसे मुश्किल से ही जानती थी, लेकिन दो जानलेवा स्थितियों में साथ रहने के बाद, मैं उसे यूँ ही 'कोई नहीं' नहीं कह सकती थी।
“हाय,” रेचल ने कहा। फिर वह मेरी तरफ मुड़ी। “तुम बहुत बड़ी मुसीबत में हो। और तुम्हें मुझे अभी भी स्पष्टीकरण देना बाकी है!”
एफडीआर ड्राइव पर पुलिस के सायरन बज रहे थे।
“पर्सी,” एनाबेथ ने ठंडे स्वर में कहा। “हमें चलना चाहिए।”
“मैं आधे-आधे इंसान के बारे में और जानना चाहती हूँ,” रेचल ने ज़िद की। “और राक्षसों के बारे में भी। और देवताओं के बारे में भी।” उसने मेरा हाथ पकड़ा, एक परमानेंट मार्कर निकाला और मेरे हाथ पर एक फ़ोन नंबर लिख दिया। “तुम्हें मुझे फ़ोन करके सब कुछ समझाना होगा, ठीक है? यह तुम्हारा फर्ज़ है। अब जाओ।”
"लेकिन-"
“मैं कोई कहानी बना लूंगी,” रेचल ने कहा। “मैं उनसे कहूंगी कि इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं थी। तुम बस जाओ!”
वह एनाबेथ और मुझे सड़क पर छोड़कर स्कूल की ओर वापस भाग गई।
एनाबेथ ने एक पल के लिए मेरी तरफ देखा। फिर वह मुड़ी और चली गई।
“अरे!” मैं उसके पीछे दौड़ी। “वहाँ दो एम्पौसाई थीं,” मैंने समझाने की कोशिश की। “देखो, वे चीयरलीडर्स थीं, और उन्होंने कहा कि कैंप जलने वाला है, और—”
"तुमने एक आम इंसान लड़की को आधे-खून वाले लोगों के बारे में बताया?"
“वह धुंध के पार देख सकती है। उसने राक्षसों को मुझसे पहले देख लिया था।”
"तो तुमने उसे सच बता दिया।"
“उसने मुझे हूवर डैम से पहचान लिया था, इसलिए—”
“क्या आप उससे पहले मिल चुके हैं?”
"उम, पिछली सर्दियों में। लेकिन सच कहूँ तो, मैं उसे मुश्किल से ही जानती हूँ।"
वह देखने में प्यारी है।
मैंने इसके बारे में कभी सोचा ही नहीं।
एनाबेथ यॉर्क एवेन्यू की ओर चलती रही।
मैंने विषय बदलने की जल्दी में कहा, "मैं स्कूल से बात कर लूंगी। सच में, सब ठीक हो जाएगा।"

एनाबेथ ने मेरी तरफ देखा तक नहीं। "लगता है आज दोपहर का हमारा प्लान कैंसिल हो गया है। अब हमें तुम्हें यहाँ से निकाल लेना चाहिए, क्योंकि पुलिस तुम्हारी तलाश कर रही होगी।"

हमारे पीछे, गूडे हाई स्कूल से धुआँ उठता हुआ दिखाई दे रहा था। राख के उस काले गुबार में, मुझे मानो एक चेहरा दिखाई दिया—लाल आँखों वाली एक राक्षसी, जो मुझ पर हँस रही थी।

केली ने कहा था, "तुम्हारा प्यारा सा छोटा सा शिविर आग की लपटों में घिर गया है। तुम्हारे दोस्त समय के स्वामी के गुलाम बन गए हैं।"

“तुम सही कह रही हो,” मैंने एनाबेथ से कहा, मेरा दिल बैठ गया था। “हमें कैंप हाफ-ब्लड पहुंचना ही होगा। अभी के अभी।”

और रिक रिओर्डन की लोकप्रिय श्रृंखला, द केन क्रॉनिकल्स, को देखना न भूलें! श्रृंखला की पहली पुस्तक, द रेड पिरामिड, की झलक पाने के लिए आगे पढ़ते रहें।

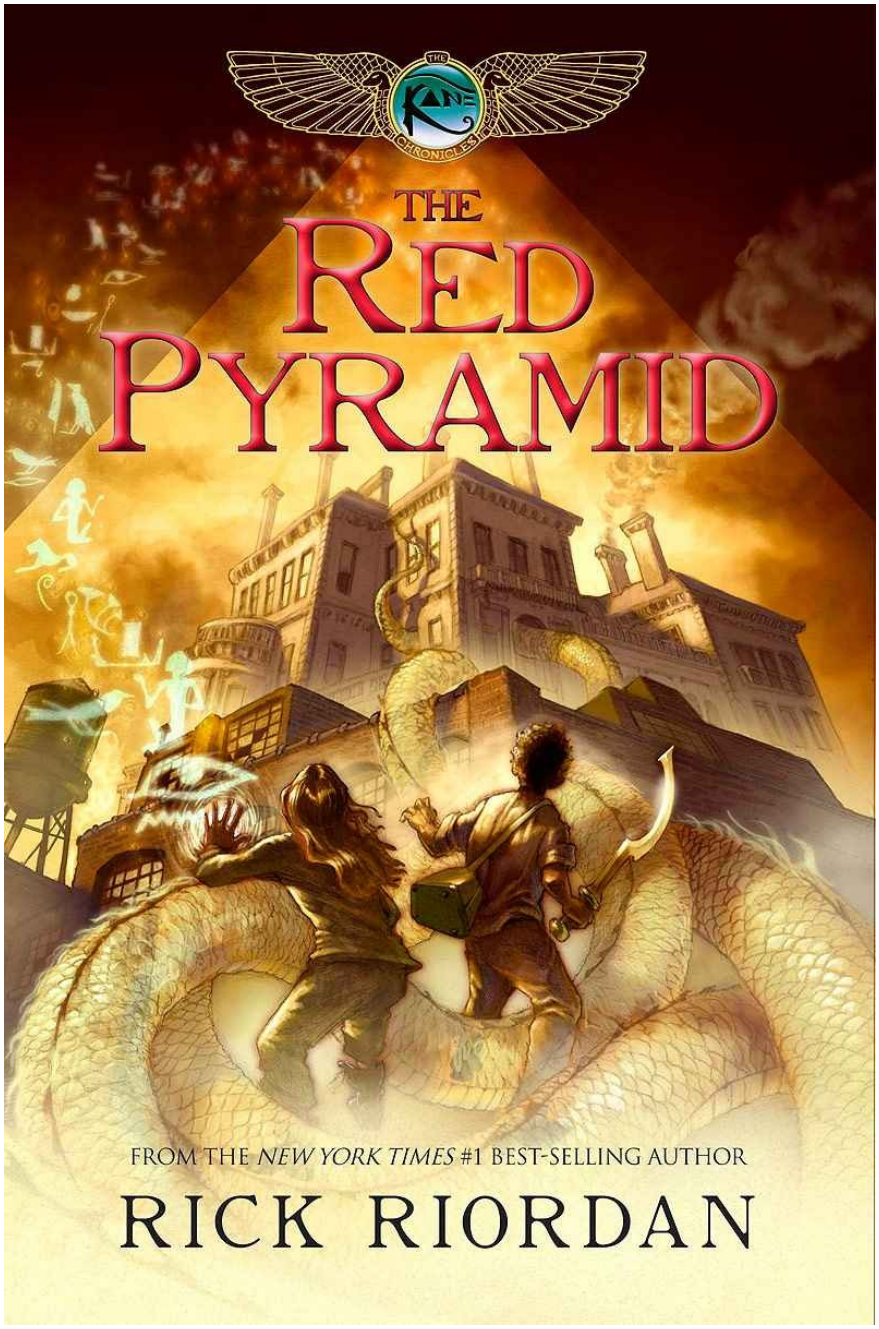

1. A Death at the Needle

CARTER

हमारे पास बस कुछ ही घंटे हैं, इसलिए ध्यान से सुनें।
अगर आप यह कहानी सुन रहे हैं, तो आप पहले से ही खतरे में हैं। सैडी और मैं ही शायद आपकी एकमात्र उम्मीद हैं।
स्कूल जाओ। लॉकर ढूंढो। मैं तुम्हें यह नहीं बताऊंगा कि कौन सा स्कूल है या कौन सा लॉकर है, क्योंकि अगर तुम सही व्यक्ति हो, तो तुम उसे ढूंढ लोगे। लॉकर का कॉम्बिनेशन 13/32/33 है। जब तक तुम यह सब सुनोगे, तुम्हें इन अंकों का मतलब समझ आ जाएगा। बस याद रखना कि जो कहानी हम तुम्हें सुनाने वाले हैं, वह अभी पूरी नहीं हुई है। इसका अंत तुम पर निर्भर करेगा।
सबसे ज़रूरी बात: जब आप पैकेज खोलें और अंदर जो कुछ भी हो, उसे एक हफ्ते से ज़्यादा अपने पास न रखें। बेशक, लालच ज़रूर होगा। मतलब, इससे आपको लगभग असीमित शक्ति मिल जाएगी। लेकिन अगर आप इसे ज़्यादा समय तक अपने पास रखेंगे, तो यह आपको पूरी तरह से अपने वश में कर लेगी। इसके राज़ जल्दी से जान लें और दूसरों को बता दें। इसे अगले व्यक्ति के लिए छिपाकर रखें, जैसे मैंने और सैडी ने आपके लिए किया था। फिर अपनी ज़िंदगी के बेहद दिलचस्प मोड़ के लिए तैयार रहें।
ठीक है, सैडी मुझसे कह रही है कि मैं टालमटोल करना बंद करूँ और कहानी सुनाना शुरू करूँ। ठीक है। मुझे लगता है कि यह सब लंदन में शुरू हुआ, उस रात जब हमारे पिताजी ने ब्रिटिश संग्रहालय को उड़ा दिया था।

मेरा नाम कार्टर केन है। मैं चौदह साल का हूँ और मेरा घर एक सूटकेस है।

क्या आपको लगता है कि मैं मज़ाक कर रही हूँ? जब मैं आठ साल की थी, तब से मैं और मेरे पिताजी पूरी दुनिया घूम चुके हैं। मेरा जन्म लॉस एंजिल्स में हुआ था, लेकिन मेरे पिताजी पुरातत्वविद हैं, इसलिए काम के सिलसिले में उन्हें हर जगह जाना पड़ता है। हम अक्सर मिस्र जाते हैं, क्योंकि वही उनकी विशेषज्ञता है। किसी भी किताबों की दुकान में जाइए, मिस्र के बारे में कोई किताब ढूंढिए, लगभग पूरी संभावना है कि वह डॉ. जूलियस केन ने लिखी होगी। क्या आप जानना चाहते हैं कि मिस्रवासियों ने ममी से दिमाग कैसे निकाला, या पिरामिड कैसे बनाए, या राजा टुट के मकबरे को शाप कैसे दिया? मेरे पिताजी ही इसके विशेषज्ञ हैं। बेशक, मेरे पिताजी के इतना घूमने के और भी कारण हैं, लेकिन तब मुझे उनका यह राज़ पता नहीं था।
मैं स्कूल नहीं गया। मेरे पिताजी ने मुझे घर पर ही पढ़ाया, अगर घर न हो तो उसे "घर पर पढ़ाई" कह सकते हैं। उन्होंने मुझे वो सब सिखाया जो उन्हें ज़रूरी लगता था, इसलिए मैंने मिस्र, बास्केटबॉल के आँकड़े और पिताजी के पसंदीदा संगीतकारों के बारे में बहुत कुछ सीखा। मैं बहुत पढ़ता भी था—पिताजी की इतिहास की किताबों से लेकर काल्पनिक उपन्यासों तक, जो कुछ भी मेरे हाथ लगता, सब पढ़ता था—क्योंकि मैंने अपना बहुत सारा समय होटलों, हवाई अड्डों और विदेशों में खुदाई स्थलों पर बिताया, जहाँ मैं किसी को नहीं जानता था। पिताजी हमेशा मुझसे कहते थे कि किताब छोड़ो और बास्केटबॉल खेलो। क्या आपने कभी मिस्र के असवान में कैज़ुअल बास्केटबॉल खेलने की कोशिश की है? ये आसान नहीं है।
खैर, मेरे पिताजी ने मुझे बचपन से ही सिखाया था कि मैं अपना सारा सामान एक ही सूटकेस में रखूँ जो हवाई जहाज के ओवरहेड कंपार्टमेंट में आसानी से आ जाए। मेरे पिताजी भी इसी तरह सामान पैक करते थे, बस फर्क इतना था कि उन्हें अपने पुरातत्व उपकरणों के लिए एक अतिरिक्त वर्कबैग रखने की अनुमति थी। पहला नियम: मुझे उनके वर्कबैग में झाँकने की अनुमति नहीं थी। यह एक ऐसा नियम था जिसे मैंने विस्फोट वाले दिन तक कभी नहीं तोड़ा।

यह क्रिसमस की पूर्व संध्या पर हुआ था। हम अपनी बहन सैडी से मिलने के लिए लंदन में थे।
देखो, पापा को साल में सिर्फ़ दो दिन सैडी से मिलने की इजाज़त है—एक सर्दी में, एक गर्मी में—क्योंकि हमारे दादा-दादी उनसे नफ़रत करते हैं। हमारी माँ के गुज़र जाने के बाद, उनके माता-पिता (हमारे दादा-दादी) का पापा के साथ एक लंबा कानूनी विवाद चला। छह वकीलों, दो हाथापाई और एक बार चम्मच से जानलेवा हमले (पूछो मत) के बाद, उन्हें सैडी को अपने साथ इंग्लैंड में रखने का अधिकार मिल गया। वह सिर्फ़ छह साल की थी, मुझसे दो साल छोटी, और वे हम दोनों को नहीं रख सकते थे—कम से कम मुझे न ले जाने का उनका यही बहाना था। इसलिए सैडी एक ब्रिटिश स्कूली बच्ची की तरह पली-बढ़ी, और मैं अपने पापा के साथ घूमती रही। हम सैडी से साल में सिर्फ़ दो बार मिलते थे, जो मुझे ठीक लगता था।
[चुप रहो, सैडी। हाँ—मैं उसी हिस्से पर आ रहा हूँ।]
खैर, कुछ देरी के बाद मेरे पिताजी और मैं हीथ्रो एयरपोर्ट पर उतरे। दोपहर हल्की बूंदा-बांदी वाली और ठंडी थी। शहर तक टैक्सी से पूरी यात्रा के दौरान मेरे पिताजी थोड़े घबराए हुए लग रहे थे।

मेरे पिताजी काफी हट्टे-कट्टे हैं। आप सोच भी नहीं सकते कि कोई बात उन्हें घबरा सकती है। उनकी त्वचा का रंग मेरी तरह गहरा भूरा है, उनकी भूरी आँखें भेदक हैं, सिर गंजा है और दाढ़ी है, जिससे वे किसी ताकतवर और शातिर वैज्ञानिक जैसे दिखते हैं। उस दोपहर उन्होंने अपना कश्मीरी सर्दियों का कोट और अपना सबसे अच्छा भूरा सूट पहना था, वही सूट जो वे सार्वजनिक व्याख्यानों के लिए इस्तेमाल करते थे। आमतौर पर वे इतने आत्मविश्वास से भरे रहते हैं कि जिस भी कमरे में जाते हैं, उस पर अपना दबदबा बना लेते हैं, लेकिन कभी-कभी—जैसे उस दोपहर—मैंने उनका एक ऐसा रूप देखा जिसे मैं समझ नहीं पाई। वे बार-बार पीछे मुड़कर देख रहे थे, मानो हमारा पीछा किया जा रहा हो।

“पापा?” मैंने ए-40 से उतरते हुए कहा। “क्या हुआ?”

“उनका कोई अता-पता नहीं,” उसने बुदबुदाते हुए कहा। फिर शायद उसे एहसास हुआ कि उसने ज़ोर से बोल दिया है, क्योंकि उसने मेरी तरफ़ थोड़ा चौंककर देखा। “कुछ नहीं, कार्टर। सब ठीक है।”

यह बात मुझे परेशान करती थी क्योंकि मेरे पिताजी बहुत बड़े झूठे थे। मुझे हमेशा पता चल जाता था कि वह कुछ छिपा रहे हैं, लेकिन मुझे यह भी पता था कि कितना भी ज़ोर देने पर भी वह सच नहीं बताते। शायद वह मुझे बचाने की कोशिश कर रहे थे, हालांकि किससे, यह मुझे नहीं पता था। कभी-कभी मुझे लगता था कि शायद उनके अतीत में कोई गहरा राज़ छिपा हो, कोई पुराना दुश्मन उनका पीछा कर रहा हो; लेकिन यह विचार बेतुका लगता था। पिताजी तो बस एक पुरातत्वविद थे।

एक और बात जिसने मुझे परेशान किया: पिताजी ने अपना वर्कबैग कसकर पकड़ रखा था। आमतौर पर जब वे ऐसा करते हैं, तो इसका मतलब होता है कि हम खतरे में हैं। जैसे उस समय जब बंदूकधारियों ने काहिरा के हमारे होटल पर हमला किया था। मैंने लॉबी से गोलियों की आवाज सुनी और पिताजी को देखने के लिए नीचे भागी। जब तक मैं वहाँ पहुँची, पिताजी बस आराम से अपना वर्कबैग बंद कर रहे थे, जबकि तीन बेहोश बंदूकधारी झूमर से पैरों के बल लटके हुए थे, उनके चोगे उनके सिर पर गिरे हुए थे जिससे उनके बॉक्सर शॉर्ट्स दिखाई दे रहे थे। पिताजी ने कहा कि उन्होंने कुछ नहीं देखा, और अंत में पुलिस ने झूमर की एक अजीब खराबी को इसका कारण बताया।

एक बार हम पेरिस में दंगे में फंस गए। मेरे पिताजी ने पास खड़ी एक कार ढूंढी, मुझे पिछली सीट पर धकेल दिया और मुझे वहीं बैठे रहने को कहा। मैंने खुद को फर्श से सटा लिया और अपनी आँखें कसकर बंद कर लीं। मैं ड्राइवर की सीट पर बैठे पिताजी को अपने बैग में कुछ ढूंढते हुए और खुद से कुछ बुदबुदाते हुए सुन सकता था, जबकि बाहर भीड़ चिल्ला रही थी और चीजें तोड़ रही थी। कुछ मिनट बाद उन्होंने मुझे बताया कि अब उठना सुरक्षित है। उस इलाके की हर दूसरी कार पलट दी गई थी और उसमें आग लगा दी गई थी। हमारी कार अभी-अभी धुली और चमकाई गई थी, और विंडशील्ड वाइपर के नीचे कई बीस-यूरो के नोट रखे हुए थे।

खैर, मुझे उस थैले के प्रति सम्मान महसूस होने लगा था। वह हमारे लिए सौभाग्य का प्रतीक था। लेकिन जब मेरे पिताजी उसे अपने पास रखते थे, तो इसका मतलब होता था कि हमें सौभाग्य की जरूरत पड़ने वाली है।

हम शहर के बीचोंबीच से होते हुए पूरब की ओर अपने दादा-दादी के फ्लैट की तरफ जा रहे थे। हमने बकिंघम पैलेस के सुनहरे द्वार और ट्राफलगर स्क्वायर में स्थित विशाल पत्थर के स्तंभ को देखा। लंदन वाकई एक शानदार जगह है, लेकिन इतने लंबे समय तक यात्रा करने के बाद, सभी शहर एक जैसे लगने लगते हैं। कभी-कभी मिलने वाले दूसरे बच्चे कहते हैं, "वाह, आप कितने भाग्यशाली हैं कि आपको इतना घूमने का मौका मिलता है।" लेकिन ऐसा नहीं है कि हम अपना समय दर्शनीय स्थलों को देखने में बिताते हैं या हमारे पास शान से यात्रा करने के लिए बहुत पैसा है। हम कुछ बेहद खराब जगहों पर भी रह चुके हैं, और हम शायद ही कभी कुछ दिनों से ज़्यादा कहीं रुकते हैं। ज़्यादातर समय हमें ऐसा लगता है जैसे हम पर्यटक नहीं बल्कि भगोड़े हैं।

मतलब, आपको शायद यह न लगे कि मेरे पिताजी का काम खतरनाक है। वे "क्या मिस्र का जादू सचमुच जानलेवा हो सकता है?" और "मिस्र के पाताल लोक में प्रचलित सजाएँ" जैसे विषयों पर व्याख्यान देते हैं, और ऐसी ही कई चीज़ें हैं जिनमें ज़्यादातर लोगों की दिलचस्पी नहीं होती। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, उनका एक दूसरा पहलू भी है। वे हमेशा बहुत सतर्क रहते हैं, मुझे किसी होटल के कमरे में जाने से पहले उसकी अच्छी तरह जाँच करते हैं। वे किसी संग्रहालय में जाकर कुछ कलाकृतियाँ देखते हैं, कुछ नोट्स लेते हैं और फिर ऐसे भागते हैं जैसे उन्हें सुरक्षा कैमरों में पकड़े जाने का डर हो।

एक बार जब मैं छोटा था, हम चार्ल्स डी गॉल हवाई अड्डे पर आखिरी समय की फ्लाइट पकड़ने के लिए भागे, और पिताजी तब तक चैन से नहीं बैठे जब तक विमान ने उड़ान नहीं भर ली। मैंने उनसे सीधे-सीधे पूछा कि वो किससे भाग रहे हैं, और उन्होंने मुझे ऐसे देखा जैसे मैंने किसी ग्रेनेड की पिन निकाल दी हो। एक पल के लिए मुझे डर लगा कि कहीं वो सच न बता दें। फिर उन्होंने कहा, "कार्टर, कुछ नहीं है।" मानो "कुछ नहीं" दुनिया की सबसे भयानक चीज़ हो।

उसके बाद मैंने सोचा कि शायद सवाल न पूछना ही बेहतर होगा।

मेरे दादा-दादी, फॉस्ट परिवार, कैनरी व्हार्फ के पास, टेम्स नदी के किनारे एक आवासीय बस्ती में रहते थे। टैक्सी ने हमें सड़क के किनारे उतार दिया और मेरे पिताजी ने ड्राइवर से रुकने को कहा।

हम रास्ते के आधे रास्ते तक ही पहुँचे थे कि पिताजी अचानक रुक गए। उन्होंने पीछे मुड़कर देखा।

मैंने पूछा, “क्या?”

फिर मैंने ट्रेंच कोट पहने उस आदमी को देखा। वह सड़क के उस पार एक बड़े सूखे पेड़ से टिका हुआ था। उसका शरीर तगड़ा था और उसकी त्वचा भुनी हुई कॉफी के रंग की थी। उसका कोट और काला पिनस्ट्राइप सूट महंगा लग रहा था। उसके लंबे गुंथे हुए बाल थे और उसने अपने गहरे गोल चश्मे पर एक काली फेडोरा टोपी नीचे तक खींच रखी थी। वह मुझे किसी जैज़ संगीतकार की याद दिला रहा था, जैसा कि मेरे पिताजी मुझे हमेशा कॉन्सर्ट में ले जाया करते थे। हालाँकि मैं उसकी आँखें नहीं देख पा रही थी, लेकिन मुझे लगा कि वह हमें देख रहा है। हो सकता है वह पिताजी का कोई पुराना दोस्त या सहकर्मी हो। हम जहाँ भी जाते,

पिताजी हमेशा किसी न किसी परिचित से मिल जाते थे। लेकिन यह अजीब लग रहा था कि वह आदमी मेरे दादा-दादी के घर के बाहर इंतज़ार कर रहा था। और वह खुश नहीं लग रहा था।
मेरे पिताजी ने कहा, "कार्टर, तुम आगे बढ़ो।"
"लेकिन-"
“अपनी बहन को ले आओ। मैं तुमसे टैक्सी के पास मिलूंगा।”
वह ट्रेंच कोट पहने हुए आदमी की ओर सड़क पार कर गया, जिससे मेरे पास दो विकल्प बचे: या तो अपने पिताजी के पीछे जाकर देखूं कि क्या हो रहा है, या फिर वही करूं जो मुझे करने को कहा गया था।
मैंने थोड़ा कम जोखिम वाला रास्ता चुना। मैं अपनी बहन को लेने गया।

मेरे दरवाजा खटखटाने से पहले ही सैडी ने दरवाजा खोल दिया।
"हमेशा की तरह देर हो गई," उसने कहा।
वह अपनी बिल्ली मफिन को पकड़े हुए थी, जो छह साल पहले पापा ने उसे विदाई के तोहफे के रूप में दी थी। मफिन कभी बूढ़ी या बड़ी नहीं लगती थी। उसके शरीर पर छोटे तेंदुए जैसी मुलायम पीली-काली फर थी, उसकी पीली आँखें चौकस थीं और उसके कान नुकीले थे जो उसके सिर से भी लंबे थे। उसके गले में एक चांदी का मिस्री झुमका लटका हुआ था। वह देखने में बिल्कुल मफिन जैसी नहीं लगती थी, लेकिन सैडी ने जब उसका नाम रखा था तब वह छोटी थी, इसलिए शायद उसे थोड़ी छूट देनी चाहिए।
सैडी में भी पिछली गर्मियों से ज्यादा बदलाव नहीं आया था।
[जब मैं यह रिकॉर्ड कर रहा हूँ, वह मेरे बगल में खड़ी है और मुझे घूर रही है, इसलिए मुझे लगता है कि मुझे उसके बारे में बताते समय सावधानी बरतनी चाहिए।]
आप कभी अंदाज़ा नहीं लगा सकते कि वो मेरी बहन है। पहली बात तो ये है कि वो इतने लंबे समय से इंग्लैंड में रह रही है कि उसका लहजा बिल्कुल ब्रिटिश हो गया है। दूसरी बात, वो हमारी माँ जैसी दिखती है, जो गोरी थीं, इसलिए सैडी की त्वचा मुझसे कहीं ज़्यादा गोरी है। उसके सीधे, कैरेमल रंग के बाल हैं, बिल्कुल सुनहरे नहीं, लेकिन भूरे भी नहीं, जिन्हें वो अक्सर चटख रंगों की लकीरों से रंगती है। उस दिन उसके बालों के बाईं ओर लाल लकीरें थीं। उसकी आँखें नीली हैं। मैं सच कह रहा हूँ। नीली आँखें, बिल्कुल हमारी माँ जैसी। वो सिर्फ़ बारह साल की है, लेकिन उसकी लंबाई बिल्कुल मेरे जितनी है, जो मुझे बहुत परेशान करता है। वो हमेशा की तरह च्युइंग गम चबा रही थी, पापा के साथ घूमने के लिए फटी हुई जींस, चमड़े की जैकेट और बूट पहने हुए थी, जैसे किसी कॉन्सर्ट में जा रही हो और लोगों को कुचलने की उम्मीद कर रही हो। उसने हेडफ़ोन गले में लटका रखे थे, कहीं हम उसे बोर न कर दें।
[ठीक है, उसने मुझे मारा नहीं, तो मुझे लगता है कि मैंने उसका वर्णन ठीक-ठाक कर दिया।]
मैंने उससे कहा, "हमारी फ्लाइट लेट हो गई थी।"

उसने एक बुलबुला फोड़ा, मफिन के सिर को सहलाया और बिल्ली को अंदर फेंक दिया। "दादी, मैं बाहर जा रही हूँ!"
घर में कहीं से दादी फॉस्ट ने कुछ बुदबुदाया जो मुझे समझ नहीं आया, शायद उन्होंने कहा होगा, "उन्हें अंदर मत आने दो!"
सैडी ने दरवाजा बंद किया और मुझे ऐसे देखा जैसे मैं कोई मरा हुआ चूहा हूँ जिसे उसकी बिल्ली घसीटकर अंदर ले आई हो। "तो, तुम फिर से यहाँ आ गए।"
“हाँ।”
“चलो फिर।” उसने आह भरी। “चलिए शुरू करते हैं।”
वो ऐसी ही थी। न तो कभी "हाय, पिछले छह महीने कैसे रहे? तुम्हें देखकर बहुत खुशी हुई!" वगैरह। लेकिन मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं थी। जब साल में सिर्फ़ दो बार मिलते हैं, तो भाई-बहन की बजाय दूर के रिश्तेदार जैसे लगते हैं। हमारे माता-पिता के अलावा हम दोनों में कुछ भी समान नहीं था।
हम सीढ़ियों से नीचे उतरे। मैं सोच रही थी कि उसकी गंध किसी बूढ़े व्यक्ति के घर और बबल गम की मिली-जुली सी थी, तभी वह अचानक रुक गई और मैं उससे टकरा गई।
“वो कौन है?” उसने पूछा।
मैं ट्रेंच कोट पहने उस आदमी के बारे में लगभग भूल ही गया था। वह और मेरे पिताजी सड़क के उस पार बड़े पेड़ के पास खड़े थे और ऐसा लग रहा था जैसे उनके बीच गंभीर बहस हो रही हो। पिताजी की पीठ मेरी तरफ थी इसलिए मैं उनका चेहरा नहीं देख पा रहा था, लेकिन उन्होंने हाथों से वैसे ही इशारे किए जैसे वे उत्तेजित होने पर करते हैं। दूसरा आदमी गुस्से से घूर रहा था और उसने अपना सिर हिलाया।
मैंने कहा, "पता नहीं। जब हम वहाँ पहुँचे तो वह वहीं था।"
“ये तो जाना-पहचाना लग रहा है।” सैडी ने भौंहें चढ़ा लीं जैसे वो कुछ याद करने की कोशिश कर रही हो। “बताओ ना।”
मैंने कहा, "पापा चाहते हैं कि हम टैक्सी में ही इंतज़ार करें," हालाँकि मुझे पता था कि इसका कोई फायदा नहीं है। सैडी पहले ही चल पड़ी थी।
सड़क के सीधे पार जाने के बजाय, वह आधा ब्लॉक फुटपाथ पर दौड़ती हुई, कारों के पीछे छिपती हुई, फिर दूसरी तरफ जाकर एक नीची पत्थर की दीवार के नीचे दुबक गई। वह हमारे पिताजी की ओर दबे पांव बढ़ने लगी। मेरे पास उसके पीछे चलने के अलावा कोई चारा नहीं था, लेकिन इससे मुझे थोड़ी मूर्खता का एहसास हुआ।
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "छह साल इंग्लैंड में बिताने के बाद, वह खुद को जेम्स बॉन्ड समझने लगी है।"
सैडी ने पीछे देखे बिना मुझे थप्पड़ मारा और आगे बढ़ती रही।
कुछ और कदम चलने पर हम उस बड़े सूखे पेड़ के ठीक पीछे पहुँच गए। मुझे दूसरी तरफ से पिताजी की आवाज़ सुनाई दी, “—करना ही पड़ेगा, एमोस। तुम जानते हो कि यही सही है।”

“नहीं,” दूसरे आदमी ने कहा, जो शायद आमोस ही था। उसकी आवाज़ गहरी और एक जैसी थी—बहुत दृढ़। उसका लहजा अमेरिकी था। “अगर मैं तुम्हें नहीं रोकूंगा, जूलियस, तो वे रोक देंगे। पेर अंख तुम्हारा पीछा कर रहा है।”
सैडी मेरी ओर मुड़ी और होंठों से बोली, "किसके लिए?"
मैंने भी उतनी ही हैरानी से सिर हिलाया। "चलो यहाँ से चलते हैं," मैंने धीरे से कहा, क्योंकि मुझे लगा कि किसी भी पल हम पकड़े जाएँगे और बड़ी मुसीबत में पड़ जाएँगे। सैडी ने मेरी बात अनसुनी कर दी।
“उन्हें मेरी योजना का पता नहीं है,” मेरे पिता कह रहे थे। “जब तक उन्हें पता चलेगा तब तक—”
“और बच्चों का क्या?” एमोस ने पूछा। मेरे रोंगटे खड़े हो गए। “उनका क्या होगा?”
“मैंने उनकी सुरक्षा के लिए इंतज़ाम कर दिए हैं,” मेरे पिताजी ने कहा। “इसके अलावा, अगर मैं ऐसा नहीं करता, तो हम सब खतरे में पड़ जाएंगे। अब, पीछे हट जाओ।”
“मैं नहीं कर सकता, जूलियस।”
“तो फिर तुम द्वंद्वयुद्ध चाहते हो?” पिताजी का स्वर एकदम गंभीर हो गया। “तुम मुझे कभी नहीं हरा सकते, एमोस।”
मैंने अपने पिता को ग्रेट स्पैटुला इंसिडेंट के बाद से हिंसक होते नहीं देखा था, और मैं उस घटना की पुनरावृत्ति देखने के लिए उत्सुक नहीं था, लेकिन ऐसा लग रहा था कि दोनों आदमी लड़ाई की ओर बढ़ रहे थे।
इससे पहले कि मैं कुछ प्रतिक्रिया दे पाता, सैडी अचानक उठ खड़ी हुई और चिल्लाई, "पापा!"
जब उसने उसे गले लगाया तो वह हैरान तो हुआ, लेकिन उतना नहीं जितना दूसरा लड़का, एमोस, हैरान था। वह इतनी तेज़ी से पीछे हटा कि अपने ही ट्रेंच कोट में उलझकर गिर पड़ा।
उसने अपना चश्मा उतार दिया था। मुझे लगा कि सैडी सही कह रही थी। वह वाकई जाना-पहचाना लग रहा था—जैसे कोई धुंधली सी याद।
“मुझे—मुझे जाना होगा,” उसने बुदबुदाते हुए कहा। उसने अपनी फेडोरा टोपी सीधी की और लड़खड़ाते हुए सड़क पर चल पड़ा।
हमारे पिताजी उसे जाते हुए देखते रहे। उन्होंने एक हाथ सैडी को सुरक्षात्मक रूप से घेरे रखा और दूसरा हाथ अपने कंधे पर टंगे वर्कबैग में रखा। आखिरकार, जब एमोस कोने से ओझल हो गया, तो पिताजी ने राहत की सांस ली। उन्होंने अपना हाथ बैग से बाहर निकाला और सैडी को देखकर मुस्कुराए। "हेलो, मेरी प्यारी।"
सैडी ने उसे धक्का देकर दूर किया और अपनी बाहें मोड़ लीं। "ओह, अब तो तुम मुझे 'प्यारा' कह रहे हो? तुम देर से आए हो। मुलाक़ात का दिन लगभग खत्म हो चुका है! और यह सब क्या था? आमोस कौन है, और पेर अंख क्या है?"
पिताजी एकदम सख्त हो गए। उन्होंने मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे उन्हें आश्चर्य हो रहा हो कि हमने कितना कुछ सुन लिया है।

“कोई बात नहीं,” उसने सकारात्मक लहजे में कहा। “मैंने एक शानदार शाम की योजना बनाई है। ब्रिटिश संग्रहालय का निजी दौरा कौन करना चाहेगा?”

सैडी पापा और मेरे बीच टैक्सी की पिछली सीट पर धंस गई।
“मुझे विश्वास नहीं हो रहा,” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “एक शाम साथ बिताने के बाद, तुम शोध करना चाहते हो।”
पिताजी ने मुस्कुराने की कोशिश की। “प्यारी, बहुत मज़ा आएगा। मिस्र के संग्रह के क्यूरेटर ने खुद आमंत्रित किया है—”
“हाँ, बड़ा आश्चर्य।” सैडी ने अपने चेहरे से लाल रंग की लटों वाला एक बाल हटाया। “क्रिसमस की पूर्व संध्या है, और हम मिस्र से लाए गए कुछ पुराने, फफूंदी लगे अवशेष देखने जा रहे हैं। क्या तुम कभी किसी और चीज़ के बारे में सोचते भी हो?”
पिताजी को गुस्सा नहीं आया। उन्हें सैडी पर कभी गुस्सा नहीं आता। वे बस खिड़की से बाहर अंधेरा होते आसमान और बारिश को देखते रहे।
“हां,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “मैं करता हूँ।”
जब भी पिताजी इस तरह चुप हो जाते और कहीं खो जाते, तो मैं समझ जाती कि वे हमारी माँ के बारे में सोच रहे हैं। पिछले कुछ महीनों से ऐसा अक्सर हो रहा था। मैं होटल के कमरे में जाती और उन्हें हाथ में मोबाइल फोन लिए देखती, स्क्रीन पर माँ की मुस्कुराती हुई तस्वीर होती—उनके बाल सिर पर स्कार्फ से ढके होते, और रेगिस्तान की पृष्ठभूमि में उनकी नीली आँखें बेहद चमकदार दिखतीं।
या फिर हम किसी खुदाई स्थल पर होते। मैं पिताजी को क्षितिज की ओर देखते हुए देखता, और समझ जाता कि वे याद कर रहे हैं कि वे उनसे कैसे मिले थे—राजकुमारी की घाटी में दो युवा वैज्ञानिक, एक खोई हुई कब्र की खोज में खुदाई कर रहे थे। पिताजी मिस्रविज्ञानी थे। माँ मानवविज्ञानी थीं और प्राचीन डीएनए की खोज कर रही थीं। उन्होंने मुझे यह कहानी हज़ार बार सुनाई थी।
हमारी टैक्सी टेम्स नदी के किनारे-किनारे धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थी। वाटरलू ब्रिज को पार करते ही मेरे पिताजी घबरा गए।
“ड्राइवर,” उसने कहा। “यहाँ थोड़ी देर रुकिए।”
टैक्सी ड्राइवर ने विक्टोरिया तटबंध पर गाड़ी रोक दी।
“क्या बात है, पिताजी?” मैंने पूछा।
वह टैक्सी से ऐसे उतरा जैसे उसने मेरी बात सुनी ही न हो। जब सैडी और मैं फुटपाथ पर उसके पास पहुँचे, तो वह क्लियोपेट्रा की सुई की ओर घूर रहा था।
अगर आपने इसे पहले कभी नहीं देखा है, तो जान लीजिए कि 'द नीडल' एक ओबिलिस्क है, सुई नहीं, और इसका क्लियोपेट्रा से कोई लेना-देना नहीं है। शायद अंग्रेजों को लंदन लाते समय इसका नाम अच्छा लगा

होगा। यह लगभग सत्तर फीट ऊंचा है, जो प्राचीन मिस्र में वाकई बहुत प्रभावशाली रहा होगा, लेकिन टेम्स नदी के किनारे, आसपास की ऊंची इमारतों के बीच, यह छोटा और उदास सा दिखता है। आप इसके पास से गाड़ी चलाते हुए गुजर सकते हैं और आपको पता भी नहीं चलेगा कि आप लंदन शहर से हज़ार साल पुरानी किसी चीज़ के पास से गुजरे हैं।

“हे भगवान!” सैडी झुंझलाहट से गोल-गोल घूमने लगी। “क्या हमें हर स्मारक के लिए रुकना पड़ेगा?”

मेरे पिताजी स्मारक के शीर्ष की ओर टकटकी लगाए देख रहे थे। उन्होंने धीरे से कहा, "मुझे इसे फिर से देखना ही था। वह जगह जहाँ यह सब हुआ था..."

नदी से बर्फीली हवा चल रही थी। मैं टैक्सी में वापस जाना चाहता था, लेकिन मेरे पिताजी मुझे सचमुच चिंतित करने लगे थे। मैंने उन्हें इतना परेशान कभी नहीं देखा था।

“क्या हुआ, पिताजी?” मैंने पूछा। “यहाँ क्या हुआ?”

"मैंने उसे आखिरी बार यहीं देखा था।"

सैडी टहलना बंद कर दिया। उसने अनिश्चितता से मेरी तरफ देखा, फिर पापा की तरफ। "रुको। क्या तुम्हारा मतलब मम्मी से है?"

पिताजी ने सैडी के बालों को उसके कान के पीछे किया, और वह इतनी आश्चर्यचकित थी कि उसने उन्हें दूर भी नहीं धकेला।

मुझे ऐसा लगा जैसे बारिश ने मुझे जमा दिया हो। माँ की मृत्यु हमेशा से एक वर्जित विषय रही थी। मुझे पता था कि उनकी मृत्यु लंदन में एक दुर्घटना में हुई थी। मुझे यह भी पता था कि मेरे दादा-दादी मेरे पिताजी को दोषी मानते थे। लेकिन कोई भी हमें इसके बारे में विस्तार से नहीं बताता था। मैंने पिताजी से पूछना छोड़ दिया था, एक तो इसलिए कि इससे उन्हें बहुत दुख होता था, और दूसरा इसलिए कि वे मुझे कुछ भी बताने से साफ इनकार कर देते थे। वे बस इतना ही कहते थे, "जब तुम बड़ी हो जाओगी," जो कि सबसे निराशाजनक जवाब होता था।

मैंने कहा, "आप कह रहे हैं कि उसकी मौत यहीं हुई थी? क्लियोपेट्रा की सुई पर? क्या हुआ था?"

उसने अपना सिर नीचे कर लिया।

“पापा!” सैडी ने विरोध किया। “मैं यहाँ से रोज़ गुज़रती हूँ, और आपका मतलब है कि इतने समय से—मुझे पता भी नहीं चला?”

“क्या तुम्हारे पास अभी भी तुम्हारी बिल्ली है?” पिताजी ने उससे पूछा, जो कि एक बहुत ही मूर्खतापूर्ण प्रश्न लग रहा था।

“बिल्कुल, मेरे पास अभी भी बिल्ली है!” उसने कहा। “इसका इससे क्या लेना-देना है?”

और आपका ताबीज?

सैडी ने अपना हाथ अपनी गर्दन पर रखा। जब हम छोटे थे, सैडी के दादा-दादी के साथ रहने जाने से ठीक पहले, पिताजी ने हम दोनों को मिस्र के ताबीज दिए थे। मेरा ताबीज होरस की आंख का था, जो प्राचीन मिस्र में एक लोकप्रिय सुरक्षा प्रतीक था।

दरअसल, मेरे पिताजी कहते हैं कि आधुनिक फार्मासिस्ट का प्रतीक, ℞, होरस की आंख का एक सरलीकृत रूप है, क्योंकि दवा का उद्देश्य आपकी रक्षा करना है।

वैसे तो मैं हमेशा अपना ताबीज अपनी कमीज के नीचे पहनता था, लेकिन मुझे लगा कि सैडी ने अपना ताबीज या तो खो दिया होगा या फेंक दिया होगा।

मुझे आश्चर्य हुआ जब उसने सिर हिलाया। "बिल्कुल, पापा, लेकिन विषय मत बदलिए। दादी हमेशा कहती रहती हैं कि आपने ही माँ की मौत का कारण बनाया। यह सच नहीं है, है ना?"

हमने इंतजार किया। पहली बार, सैडी और मैं बिल्कुल एक ही चीज चाहते थे—सच।

“जिस रात तुम्हारी माँ की मृत्यु हुई,” मेरे पिता ने कहना शुरू किया, “यहीं नीडल में—”

अचानक एक तेज रोशनी से तटबंध जगमगा उठा। मैं आधी अंधी होकर मुड़ी और एक पल के लिए मुझे दो आकृतियाँ दिखाई दीं: एक लंबा, पीला सा दिखने वाला आदमी जिसकी दाढ़ी दो भागों में बंटी हुई थी और जिसने क्रीम रंग के वस्त्र पहने थे, और एक सांवली त्वचा वाली लड़की जिसने गहरे नीले रंग के वस्त्र और सिर पर स्कार्फ पहना था—ऐसे कपड़े जो मैंने मिस्र में सैकड़ों बार देखे थे। वे दोनों बस वहीं अगल-बगल खड़ी थीं, बीस फीट से भी कम दूरी पर, हमें देख रही थीं। फिर रोशनी फीकी पड़ गई। आकृतियाँ धुंधली छवि में बदल गईं। जब मेरी आँखें अंधेरे में फिर से अभ्यस्त हुईं, तब तक वे गायब हो चुकी थीं।

“उम...” सैडी ने घबराते हुए कहा। “क्या तुमने अभी-अभी वो देखा?”

“टैक्सी में बैठो,” मेरे पिताजी ने हमें फुटपाथ की ओर धकेलते हुए कहा। “हमारे पास समय नहीं है।”
उस समय से पिताजी एकदम चुप हो गए।
"यह बात करने की जगह नहीं है," उसने हमारी तरफ देखते हुए कहा। उसने टैक्सी ड्राइवर से वादा किया था कि अगर वह हमें पाँच मिनट से कम समय में संग्रहालय पहुँचा देगा तो वह उसे दस पाउंड अतिरिक्त देगा, और टैक्सी ड्राइवर अपनी पूरी कोशिश कर रहा था।
“पिताजी,” मैंने कोशिश की, “नदी के किनारे वे लोग—”
“और वो दूसरा आदमी, अमोस,” सैडी ने कहा। “क्या वो मिस्र की पुलिस है या कुछ और?”
“देखो, तुम दोनों,” पिताजी ने कहा, “मुझे आज रात तुम्हारी मदद की ज़रूरत पड़ेगी। मुझे पता है यह मुश्किल है, लेकिन तुम्हें धैर्य रखना होगा। मैं वादा करता हूँ, संग्रहालय पहुँचने के बाद मैं सब कुछ समझा दूँगा। मैं सब कुछ ठीक कर दूँगा।”
“तुम्हारा क्या मतलब है?” सैडी ने जोर देकर पूछा। “क्या ठीक करना है?”
पिताजी के चेहरे पर उदासी से कहीं ज़्यादा भाव थे। मानो अपराधबोध झलक रहा हो। एक सिहरन के साथ, मुझे सैडी की कही बात याद आई: कि हमारे दादा-दादी माँ की मौत के लिए उन्हें दोषी ठहरा रहे थे। क्या सच में उनका मतलब यही था?
टैक्सी ड्राइवर ने ग्रेट रसेल स्ट्रीट पर गाड़ी मोड़ी और संग्रहालय के मुख्य द्वार के सामने अचानक ब्रेक लगाकर रुक गया।
“बस मेरे निर्देशों का पालन करो,” पिताजी ने हमसे कहा। “जब हम क्यूरेटर से मिलें, तो सामान्य व्यवहार करना।”
मैं सोच रही थी कि सैडी कभी सामान्य व्यवहार नहीं करती थी, लेकिन मैंने यह बात न कहने का फैसला किया।
हम टैक्सी से उतरे। मैंने अपना सामान उठाया जबकि पिताजी ने ड्राइवर को ढेर सारे पैसे दिए। फिर उन्होंने कुछ अजीब किया। उन्होंने मुट्ठी भर छोटी-छोटी चीज़ें पिछली सीट पर फेंक दीं—वे पत्थर जैसी लग रही थीं, लेकिन अंधेरा होने के कारण मैं ठीक से देख नहीं पाई। “गाड़ी चलाते रहो,” उन्होंने टैक्सी ड्राइवर से कहा। “हमें चेल्सी ले चलो।”
यह बात समझ से परे थी क्योंकि हम पहले ही टैक्सी से बाहर निकल चुके थे, लेकिन ड्राइवर ने गाड़ी तेज़ी से भगा दी। मैंने पिताजी की तरफ देखा, फिर टैक्सी की तरफ, और इससे पहले कि वह कोने से मुड़कर अंधेरे में गायब हो जाए, मुझे पीछे की सीट पर तीन यात्रियों की एक अजीब सी झलक दिखाई दी: एक आदमी और दो बच्चे।
मैंने पलकें झपकाईं। टैक्सी इतनी जल्दी दूसरा यात्री कैसे बिठा सकती थी? "पिताजी—"
उन्होंने बड़ी सहजता से कहा, "लंदन में टैक्सियाँ ज़्यादा देर तक खाली नहीं रहतीं। चलो बच्चों, मेरे साथ।"
वह लोहे के गेट से बाहर निकल गया। एक पल के लिए, सैडी और मैं हिचकिचा गए।

“कार्टर, क्या हो रहा है?”
मैंने सिर हिलाया। "मुझे नहीं लगता कि मैं यह जानना चाहता हूँ।"
“ठीक है, अगर तुम चाहो तो यहीं ठंड में खड़े रहो, लेकिन मैं बिना कोई स्पष्टीकरण दिए नहीं जाऊंगी।” वह मुड़ी और हमारे पिताजी के पीछे-पीछे चल पड़ी।
अब पीछे मुड़कर देखता हूँ तो लगता है मुझे भाग जाना चाहिए था। मुझे सैडी को वहाँ से खींचकर जितना हो सके दूर ले जाना चाहिए था। इसके बजाय मैं उसके पीछे-पीछे गेट से अंदर चला गया।

***** समाप्त *****

sjeet

PERCY JACKSON

AND THE OLYMPIANS

Featuring brand-new covers! Collect them all!

THE NEW YORK TIMES #1 BEST-SELLING SERIES

from RICK RIORDAN

Wherever books are sold, and as eBooks

Facebook.com/percyjackson HeroesofOlympus.com Disney·HYPERION

DOWNLOAD YOUR COPY TODAY.

THE GREEKS AREN'T THE ONLY GODS IN TOWN.

The *New York Times* #1 best-selling
THE HEROES OF OLYMPUS SERIES
from RICK RIORDAN

Look for the fifth installment THE BLOOD OF OLYMPUS, in Fall 2014!

Facebook.com/percyjackson HeroesofOlympus.com Disney·HYPERION

DOWNLOAD YOUR COPY TODAY.

CHAOS IS RISING.
PREPARE TO RAISE KANE.

The *New York Times* #1 best-selling series
from RICK RIORDAN

Facebook.com/thekanechronicles TheKaneChronicles.com Disney·HYPERION

DOWNLOAD YOUR COPY TODAY.

LET THE MAGIC AND MAYHEM BEGIN....

The worlds of **The Kane Chronicles** and the **Percy Jackson & the Olympians** series collide in this all-new e-short story

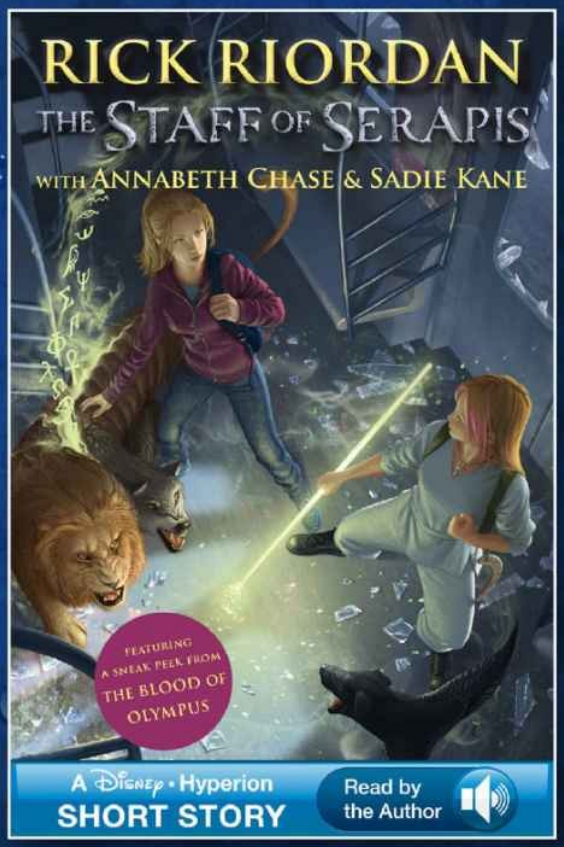
RICK RIORDAN
THE STAFF OF SERAPIS
WITH ANNABETH CHASE & SADIE KANE
FEATURING A SNEAK PEEK FROM THE BLOOD OF OLYMPUS
A Disney • Hyperion SHORT STORY
Read by the Author

From the #1 *New York Times* best-selling author

Rick Riordan

DOWNLOAD *THE STAFF OF SERAPIS* WHEREVER EBOOKS ARE SOLD

percyjacksonbooks.com • thekanechronicles.com

Disney·HYPERION

STORIES WITH SUPERPOWERS

GRAPHIC NOVELS FROM #1 *NEW YORK TIMES* BEST-SELLING AUTHOR RICK RIORDAN AVAILABLE FOR THE FIRST TIME AS eBOOKS!

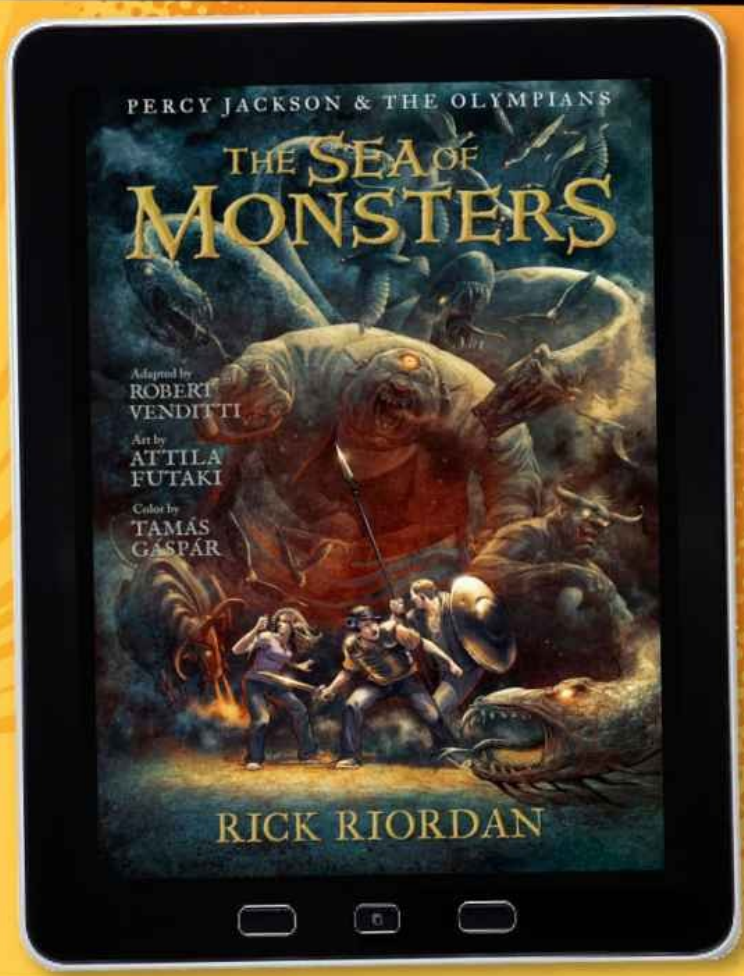

DOWNLOAD YOUR COPY TODAY.

Disney·HYPERION